जशोर के किताब



अध्याय 1 के बा

1 भगवान कहले, "हमनी के अपना प्रतिरूप में आदमी के अपना प्रतिरूप में बनावल जाव आ परमेश्वर आदमी के अपना प्रतिरूप में बनवले बाड़े।"
2 भगवान जमीन से आदमी के बनवले आ ओकरा नाक के छेद में जीवन के साँस उड़ा दिहले आ आदमी बोलला से संपन्न जीवंत प्राणी बन गइल।
3 प्रभु कहले, "मनुष्य के अकेले रहला से अच्छा नइखे। हम ओकरा के एगो सहायक बना देब।
4 आदम पर गहिराह नींद आ गइलन आ ऊ सुत गइलन आ ओकर एगो पसली छीन लिहलन आ ओकरा पर मांस बनवले आ ओकरा के बना के आदम के लगे ले अइले आ आदम नींद से जाग गइलन आ देखलन कि ओकरा सोझा एगो मेहरारू खड़ा बिया.
5 उ कहले, "ई हमार हड्डी के हड्डी ह अवुरी एकरा के महिला कहल जाई, काहेंकी इ आदमी से छीन लिहल गईल बा। आदम ओकर नाम हव्वा रखले काहे कि ऊ सब जिंदा के महतारी रहली।
6 परमेस् वर ओह लोग के आशीष दिहलन आ ओह दिन ओह लोग के नाम आदम आ हव्वा रखलन आ प्रभु परमेश्वर कहले, "बढ़ऽ आ बढ़ीं आ धरती के भर दीं।"
7 परमेस् वर आदम आउर उनकर मेहरारू के लेके अदन के बगइचा में रख दिहलन कि ऊ लोग ओकरा के सजावे आ ओकरा के रखे। आज्ञा दिहलन आ कहलन कि बगइचा के हर पेड़ से रउरा खा सकेनी बाकिर नीमन-बुराई के ज्ञान के पेड़ के फल मत खाईं काहे कि जवना दिन रउरा ओकरा के खाइब ओह दिन रउरा जरूर मरब.
8 जब परमेश्वर ओह लोग के आशीष देके आज्ञा देले त उ ओह लोग के बीच से चल गइलन आ आदम आ उनकर मेहरारू प्रभु के आज्ञा के अनुसार बगइचा में रह गइलन।
9 उ साँप जवन परमेश्वर उनके साथे धरती पर बनवले रहले, उ साँप उ लोग के लगे आके उ लोग के उ आज्ञा के उल्लंघन करे खातिर आ गईल।
10 साँप ओह औरत के ज्ञान के पेड़ के फल खाए खातिर लुभावलस आ मना लिहलस आ मेहरारू साँप के आवाज सुन के भगवान के वचन के उल्लंघन कइलस आ अच्छाई आ बुराई के ज्ञान के पेड़ से ले लिहलस आ ऊ खा गइल आ ओकरा से लेके अपना पति के भी दे दिहलस आ ऊ खा गइल।
11 आदम आउर उनकर मेहरारू परमेस् वर के आज्ञा के उल्लंघन कइलन, आऊ परमेस् वर ई बात जान गइलन आ उनकर गुस्सा ओह लोग पर भड़क गइल आ उ उनकरा के गारी दिहलन।
12 ओह दिन परमेस् वर ओह लोग के अदन के बगइचा से भगा दिहलन कि ऊ लोग जवना जमीन से निकालल गइल रहे, ओकरा के जोत के काम कर दिहलन आ ऊ लोग अदन के बगइचा के पूरब में रह गइलन। आदम अपना मेहरारू हव्वा के जानत रहले आ ओकरा से दू गो बेटा आ तीन गो बेटी भइली.
13 ऊ पहिलका बच्चा के नाम कैन रखली आ कहली कि, "हमरा प्रभु से एगो आदमी मिलल बा, आ दूसरा के नाम उ हाबिल रखली, काहे कि उ कहली कि, "हमनी के व्यर्थ में धरती में आईल बानी जा, अवुरी व्यर्थ में हमनी के ओकरा से छीन लिहल जाई।"
14 लइका बड़ हो गइलन आ ओह लोग के बाप ओह लोग के ओह देश में जमीन दे दिहलन. कैन जमीन के खेती करे वाला रहले आ हाबिल भेड़ के रखवाला रहले।
15 कुछ साल पूरा होखला के बाद उ लोग प्रभु के लगभग बलिदान ले अईले अवुरी कैन जमीन के फल से लेके आईल अवुरी हाबिल अपना भेड़ के पहिला बच्चा के चर्बी से ले अईले अवुरी भगवान मुड़ के हाबिल अवुरी उनुका चढ़ावे के ओर झुक गईले अवुरी प्रभु से आग स्वर्ग से उतर के ओकरा के भस्म क देलस।
16 कैन आ ओकरा चढ़ावे के ओर प्रभु ना मुड़ले, ना ही ओकरा ओर झुकल, काहे कि उ जमीन के नीच फल से प्रभु के सोझा ले आईल रहले अवुरी कैन के एकरा चलते अपना भाई हाबिल से ईर्ष्या भईल अवुरी उ ओकरा के मारे के बहाना खोजले।
17 कुछ समय बाद कैन आ ओकर भाई हाबिल एक दिन खेत में आपन काम करे खातिर चल गईले। ऊ दुनु खेत में रहले, कैन आपन जमीन जोतत आ जोतत रहले आ हाबिल अपना भेड़ के चरावत रहले. आ झुंड ओह हिस्सा से गुजरल जवन कैन जमीन में जोतले रहले आ एही से कैन के बहुते दुख भइल.
18 कैन खिसिया के अपना भाई हाबिल के लगे गईले अवुरी उनुका से कहले, "हमरा अवुरी तोहरा बीच का बा कि तू हमरा देश में रहे अवुरी अपना भेड़ के चरावे खाती आईल बाड़?
19 हाबिल अपना भाई कैन से कहलन, "हमरा आ तोहरा बीच का बा कि तू हमरा भेड़ के मांस खा के ओह लोग के ऊन से कपड़ा पहिन लीं?
20 अब एह से हमरा भेड़न के ऊन उतार के जवना से तू कपड़ा पहिनले बाड़, आ ओह लोग के फल आ मांस के बदला हमरा के दीं जवन तू खइले बाड़ऽ आ जब तू ई काम करबऽ त हम तोहरा देस से ओइसहीं चल जाईं जइसन तू कहले बाड़ऽ?
21 कैन अपना भाई हाबिल से कहले, "जदि हम आज तोहरा के मार देब त तोहार खून हमरा से के मांगी?
22 हाबिल कैन के जवाब दिहलन, "हमनी के धरती पर बनावे वाला परमेस् वर हमरा बात के बदला ले लीहें आ अगर तू हमरा के मार दीं त उ तोहरा से हमार खून माँग लीहें, काहेकि प्रभु न्यायी आ पंच हउवें, आऊ आदमी के ओकर बुराई के हिसाब से बदला दिहे, आ दुष्ट आदमी के ओह बुराई के हिसाब से बदला दिहे जवन ऊ धरती पर कर सकेला।
23 आ अब अगर तू हमरा के एहिजा मार दीं त भगवान तोहार गुप्त विचार के जरूर जानत बाड़न आ तोहरा के ओह बुराई खातिर न्याय करीहें जवन तू आज हमरा साथे करे के घोषणा कइले बाड़।
24 जब कैन अपना भाई हाबिल के कहल बात सुन के देखलस कि कैन के क्रोध अपना भाई हाबिल प भड़क गईल कि उ इ बात सुनवले।
25 कैन जल्दी-जल्दी उठ के अपना जोत के लोहा के हिस्सा लेके चल गईले, जवना से उ अचानक अपना भाई के मार देले अवुरी उनुका के मार देले, अवुरी कैन अपना भाई हाबिल के खून धरती प बहवले अवुरी भेड़ के सोझा हाबिल के खून धरती प बह गईल।
26 एकरा बाद कैन अपना भाई के मार के पश्चाताप कईले अवुरी उ दुखी हो गईले अवुरी उनुका प रोवे लगले अवुरी एकरा से उनुका बहुत परेशानी भईल।
27 कैन उठ के खेत में एगो छेद खोदले, जवना में उ अपना भाई के लाश डाल देले अवुरी ओकरा प धूल के पलट देले।

28 तब प्रभु जान गईले कि कैन अपना भाई के संगे का कईले बाड़े, त प्रभु कैन से प्रकट भईले अवुरी कहले, “तोहार भाई हाबिल कहाँ बाड़े जवन कि तोहरा संगे रहले?
29 कैन बेढंगा होके कहले, “हमरा नइखे मालूम, का हम अपना भाई के रखवाला हईं?” प्रभु ओकरा से कहलन, “तू का कइले बाड़ऽ?” तोहरा भाई के खून के आवाज हमरा के ओहि जमीन से पुकारत बा जहाँ तू ओकरा के मारले बाड़।
30 काहेकि तू अपना भाई के मार देले बाड़ आ हमरा सामने छेड़खानी कर देले बाड़ आ मन में सोचले रहनी कि हम तोहरा के ना देखले बानी आ ना तोहार सब काम के जानत बानी।
31 बाकिर तू ई काम कइनी आ अपना भाई के बेकार में मार दिहनी आ काहे कि ऊ तोहरा से सही बात कइले बा, आ अब, एह से, तू ओह जमीन से अभिशप्त होखब जवन तोहरा हाथ से तोहरा भाई के खून लेबे खातिर मुँह खोलले रहे आ जवना में तू ओकरा के दफना दिहले बाड़।
32 आ जब तू एकरा के जोतब त अब ऊ तोहरा के आपन ताकत ना दे पाई जइसे कि शुरू में भइल रहे, काहे कि जमीन से काँटा आ ठंढा पैदा हो जाई आ तू अपना मरला के दिन ले धरती में घूमत-फिरत रहबऽ।
33 ओही घरी कैन प्रभु के सामने से निकल गइलन जहाँ ऊ रहले आ अदन के पूरब के ओर के देश में घूमत-फिरत भटकत रहले।
34 कैन ओह घरी अपना मेहरारू के जान गइलन आ ऊ गर्भवती होके एगो बेटा के जनम दिहली आ ऊ ओकर नाम हनोक रखले आ कहलन कि, “ओही समय में प्रभु ओकरा के धरती पर आराम आ शांति देवे लगलन।”
35 ओही घरी कैन भी एगो शहर बनावे लगलन, आ ऊ शहर बनवले आ अपना बेटा के नाम के हिसाब से शहर के नाम हनोक रखले। काहे कि ओह दिनन में प्रभु ओकरा के धरती पर आराम देले रहले आ ऊ शुरू के जइसन इधर-उधर ना भटकत रहले.
36 इराद के जनम हनोक से भइल आ इराद के जनम मचुआएल आ मचुयाएल के जनम मथुसाएल भइल।

अध्याय 2 के बा

1 आदम के धरती पर जिनिगी के सौ तीसवाँ साल में ऊ अपना मेहरारू हव्वा के फेरु से जान गइलन आ ऊ गर्भवती हो गइली आ ओकरा रूप में आ ओकरा प्रतिरूप में एगो बेटा के जनम दिहली आ ऊ ओकर नाम सेत रखली आ कहली कि, “काहेकि भगवान हमरा के हाबिल के जगह पर एगो अउरी संतान नियुक्त कइले बाड़न, काहे कि कैन ओकरा के मार दिहले बाड़न.”
2 सेत के उमिर एक सौ पांच साल रहल आ उनकर एगो बेटा भइल। आ सेत अपना बेटा के नाम एनोश रखलन आ कहलन कि, “काहे कि ओह समय में मनुष्य के बेटा लोग के संख्या बढ़े लागल आ भगवान के उल्लंघन आ विद्रोह करके आपन आत्मा आ दिल के दुख देवे लागल।”
3 एनोश के जमाना में ही आदमी के बेटा लोग भगवान के खिलाफ विद्रोह आ उल्लंघन करत रहलन, ताकि प्रभु के आदमी के संतान पर क्रोध बढ़ावल जा सके।
4 आदमी के बेटा लोग जाके दोसरा देवता लोग के सेवा कइल आ ऊ लोग भगवान के भुला गइल जे ओह लोग के धरती पर बनवले रहले आ ओह घरी आदमी के बेटा पीतल आ लोहा, लकड़ी आ पत्थर के मूर्ति बनवले आ प्रणाम क के ओह लोग के सेवा करत रहले.
5 हर केहू आपन देवता बनवलस आ ऊ लोग उनकरा के प्रणाम कइल आ आदमी के बेटा लोग एनोश आ उनकर संतान के पूरा दिन प्रभु के छोड़ दिहल। आ ओह लोग के काम आ घिनौना कामन के चलते प्रभु के क्रोध भड़क गइल जवन ऊ लोग धरती पर करत रहे।
6 तब प्रभु गिहोन नदी के पानी के भारी कर दिहलन आ ऊ ओह लोग के नष्ट कर दिहलन आ भस्म कर दिहलन आ ऊ धरती के तिहाई हिस्सा के नष्ट कर दिहलन आ एकरा बावजूद आदमी के बेटा लोग अपना बुरा रास्ता से ना मुड़ल आ अबहीं ले प्रभु के नजर में बुराई करे खातिर हाथ बढ़ावल गइल.
7 ओह घरी धरती पर ना त बोवाई भइल ना कटाई भइल। आ आदमी के बेटा लोग के खाना ना रहे आ ओह घरी अकाल बहुते रहे।
8 ओह दिन में जवन बीज उ लोग जमीन में बोवलस उ काँट, ठंढा आ कांटे बन गईल। काहे कि आदम के जमाना से ही ई घोषणा धरती के बारे में रहे, परमेश्वर के अभिशाप के, जवना के उ धरती के श्राप देले रहले, आदम के पाप के चलते जवन प्रभु के सामने पाप कईले रहले।
9 जब आदमी परमेश्वर के खिलाफ विद्रोह करत रहलन आ आपन रास्ता बिगाड़त रहलन, तबे धरती भी बिगड़ गइल।
10 एनोश के उमिर नब्बे साल भइल आ उनकर जनम कैनन भइल।
11 कैनन बड़ होके चालीस साल के हो गइलन आ ऊ बुद्धिमान हो गइलन आ हर बुद्धि में ज्ञान आ निपुण हो गइलन आ ऊ आदमी के सब संतान पर राज कइलन आ आदमी के बेटा लोग के बुद्धि आ ज्ञान के ओर ले गइलन. काहे कि कैनन बहुते बुद्धिमान आदमी रहले आ हर बुद्धि में समझदार रहले आ अपना बुद्धि से ऊ आत्मा आ राक्षसन पर राज करत रहले.
12 कैनन अपना बुद्धि से जान गईले कि परमेश्वर आदमी के बेटा के धरती प पाप कईला के चलते नाश क दिहे अवुरी अंतिम समय में प्रभु ओ लोग प जलप्रलय के पानी ले आई।
13 ओह घरी कैनान पत्थर के पाटी पर लिखले कि आवे वाला समय में का होखे वाला बा, आ ओकरा के अपना खजाना में रखले।
14 कैनान पूरा धरती पर राज कइलन आ कुछ लोग के बेटा लोग के परमेश्वर के सेवा में बदल दिहलन।
15 जब कैनन सत्तर साल के भइले त उनकर तीन गो बेटा आ दू गो बेटी भइली।
16 कैनन के संतान के नाम इहे ह। पहिला जनम के नाम महलालेल, दूसरा एनान आ तीसरा मेरेद आ उनकर बहिन अदा आ जिल्ला रहली। ई कैनन के पांच गो संतान हवें जे उनकरा से पैदा भइल रहले।
17 मथुसाएल के बेटा लामेक बियाह से कैनान के रिश्तेदार हो गईले अवुरी उ अपना दुनो बेटी के अपना पत्नी खाती बना लेले अवुरी आदा गर्भवती होके लामेक के एगो बेटा पैदा कईली अवुरी उनुकर नाम जबल रखली।
18 ऊ फेरु से गर्भवती होके एगो बेटा के जनम दिहली आ ओकर नाम जुबल रखली। आ उनकर बहिन जिल्ला ओह घरी बंजर रहली आ उनकर कवनो संतान ना रहे।

19 काहेकि ओह दिन में आदमी के बेटा भगवान के खिलाफ अपराध करे लगले, आ आदम के आज्ञा के उल्लंघन करे लगले, जवन उ आदम के आज्ञा देले रहले, ताकि उ धरती में फल पैदा करे अवुरी बढ़े।
20 कुछ आदमी के बेटा अपना मेहरारू के एगो अइसन ड्राफ्ट पीयेले जवना से ऊ लोग बंजर हो जाव, जेहसे कि ऊ लोग आपन आकृति बरकरार राखे आ जवना से ओह लोग के सुन्दर रूप फीका ना होखे.
21 जब आदमी के बेटा अपना कुछ मेहरारू के शराब पियवले त जिल्ला ओ लोग के संगे शराब पी लेले।
22 आ संतान पैदा करे वाली मेहरारू लोग अपना पति के नजर में विधवा के रूप में घिनौना लउकत रहली, जब तक कि उनुकर पति जिंदा रहले, काहेंकी उ लोग सिर्फ बंजर लोग से जुड़ल रहली।
23 दिन आ साल के अंत में जब जिल्ला बूढ़ हो गईली त प्रभु ओकर पेट खोल देले।
24 ऊ गर्भवती होके एगो बेटा के जनम दिहली आ ओकर नाम तुबल कैन रखली आ कहली कि, "हमरा मुरझा गइला के बाद हम ओकरा के सर्वशक्तिमान परमेश्वर से पा लेले बानी।"
25 ऊ फेर से गर्भवती होके एगो बेटी के जनम कइली आ ओकर नाम नामा रखली काहे कि ऊ कहली कि, "हमरा मुरझा गइला के बाद हमरा सुख आ आनन्द मिलल बा."
26 लामेक बूढ़ आ बूढ़ हो गइल रहे आ ओकर आँख मद्धिम हो गइल रहे कि ऊ ना देख पावत रहे आ उनकर बेटा तुबल कैन उनका के अगुवाई करत रहले आ एक दिन लामेक खेत में चल गइलन आ उनकर बेटा तुबल कैन उनका साथे रहले आ जब ऊ लोग खेत में चलत रहले त आदम के बेटा कैन ओह लोग का ओर बढ़ गइलन. काहेकि लामेक बहुत बूढ़ हो गईल रहे अउरी बहुत कुछ ना देख सकत रहे अउरी उनकर बेटा तुबल कैन बहुत छोट रहे|
27 तुबल कैन अपना बाप से आपन धनुष खींचे के कहलन आ तीर से ऊ कैन के मार दिहलन जवन अबहीं दूर रहले आ ऊ ओकरा के मार दिहलन काहे कि ऊ ओह लोग के जानवर जइसन लउकत रहले.
28 कैन के देह में तीर घुस गईल, हालांकि उ ओकरा से दूर रहले अवुरी उ जमीन प गिर गईले अवुरी मर गईले।
29 प्रभु के कहल वचन के अनुसार कैन के बुराई के बदला उ अपना भाई हाबिल के संगे कईले।
30 जब कैन मर गइलन त लामेक आ तुबल ओह जानवर के देखे गइलन जवना के ऊ लोग मार दिहले रहुवे आ देखलन कि ओह लोग के दादा कैन धरती पर मर गइल बाड़न.
31 लामेक के ई काम कइला से बहुत दुख भइल आ ताली बजा के ऊ अपना बेटा के मार दिहलस आ ओकर मौत कर दिहलस।
32 लामेक के मेहरारू लोग लामेक के काम सुन के ओकरा के मारे के कोशिश कईली।
33 ओह दिन से लामेक के मेहरारू लोग ओकरा से नफरत करत रहे काहे कि ऊ कैन आ तुबल कैन के मार दिहलस आ लामेक के मेहरारू लोग ओकरा से अलगा हो गइल आ ओह दिन में ओकर बात ना सुनल।
34 लामेक अपना मेहरारू लोग के लगे अइले आ ऊ ओह लोग के एह बात के सुने खातिर दबाव दिहलन।
35 ऊ अपना मेहरारू आदा आ जिल्ला से कहले, "हे लमेक के मेहरारू लोग हमार आवाज सुनऽ, हमार बात पर ध्यान दीं, काहे कि अब तू लोग कल्पना कइले बाड़ऽ कि हम एगो आदमी के अपना घाव से मार देले बानी, आ एगो बच्चा के अपना चोट से मार देले बानी काहे कि ऊ लोग कवनो हिंसा ना कइले बा, बाकिर ई जरूर जान लीं कि हम बूढ़ आ धूसर माथा हो गइल बानी आ हमार आँख उमिर के चलते भारी बा आ हम ई काम कइले बानी अनजाने में भइल.
36 लामेक के मेहरारू लोग एह मामला में उनकर बात सुनली आ उ लोग अपना पिता आदम के सलाह लेके उनकरा लगे वापस आ गईली, लेकिन उ लोग ओ समय से उनकरा से कवनो संतान ना पैदा कईली, काहेंकी उ जानत रहली कि उ लोग के बुराई के चलते उ लोग के बाढ़ के पानी से नाश करे के क्रोध ओ समय में आदमी के बेटा के खिलाफ बढ़त रहे।
37 कैनन के बेटा महलालेल पंसठ साल के उमिर में रहलन आ उनकर जनम यारेद भइल। आ जेरेद बासठ साल जियले आ उनुका से हनोक के जनम भइल.

अध्याय 3 के बा

1 हनोक के उमिर पैंसठ साल भइल आ उनकर जनम मथुसेला भइल। हनोक मथुसेल के जनम के बाद भगवान के साथे चलल आ प्रभु के सेवा कइल आ आदमी के बुरा तरीका के तिरस्कार कइल।
2 हनोक के आत्मा प्रभु के शिक्षा में, ज्ञान आ समझ में लपेटल रहे। आ ऊ बुद्धिमानी से आदमी के बेटा से रिटायर हो गइलन आ कई दिन ले ओह लोग से गुप्त रहलन.
3 कई साल पूरा होखला के बाद जब उ प्रभु के सेवा करत रहले अवुरी अपना घर में उनुका सोझा प्रार्थना करत रहले, त स्वर्ग से प्रभु के एगो स्वर्गदूत उनुका के बोलवले अवुरी कहले कि, हम इहाँ बानी।
4 ऊ कहलन, "उठ, अपना घर से आ जहाँ लुकाइल बानी, ओहिजा से निकल के आदमी के बेटा के सामने प्रकट हो जा, ताकि तू ओह लोग के सिखा सकीलें कि ऊ लोग कवना रास्ता पर चले के बा आ भगवान के रास्ता में जाए खातिर कवन काम पूरा करे के बा।
5 हनोक प्रभु के वचन के अनुसार उठ के अपना घर से, अपना जगह से आ ओह कोठरी से निकल गईले, जवना में उ लुकाइल रहले। आ ऊ आदमी के बेटा लोग के लगे जाके ओह लोग के प्रभु के रास्ता सिखवले आ ओह घरी आदमी के बेटा लोग के इकट्ठा क के प्रभु के शिक्षा से परिचित करवले।
6 ऊ आज्ञा दिहलन कि जहाँ मनुष्य के बेटा रहत बाड़े, उ सब जगह पर एकर घोषणा कइल जाव, "ऊ आदमी कहाँ बा जे प्रभु के रास्ता आ भलाई के काम जाने के चाहत बा?" ओकरा हनोक के लगे आवे के चाहीं।
7 तब सब आदमी उनकरा लगे जुट गईले, काहेकि जे सब लोग एह बात के चाहत रहे, उ हनोक के लगे गईले अवुरी हनोक प्रभु के वचन के मुताबिक आदमी के बेटा प राज कईले अवुरी उ लोग आके उनुका के प्रणाम कईले अवुरी उनुकर वचन सुनले।
8 भगवान के आत्मा हनोक पर रहे आ ऊ अपना सब आदमी के भगवान के बुद्धि आ ओकर रास्ता सिखवले आ आदमी के बेटा

हनोक के पूरा दिन प्रभु के सेवा कइले आ ऊ लोग उनकर बुद्धि सुने आइल।
9 आदमी के सब राजा, पहिला से आखिरी, अपना राजकुमार आ न्यायाधीश के साथे, हनोक के बुद्धि के खबर सुन के हनोक के लगे पहुंचले अवुरी उनुका के प्रणाम कईले अवुरी उ लोग हनोक से भी उनुका प राज करे के मांग कईले, जवना प उ सहमति देले।
10 ऊ लोग कुल मिला के एक सौ तीस राजा आ राजकुमार लोग जुट गइल आ ऊ लोग हनोक के राजा बनवले आ ऊ सब लोग उनकर अधिकार आ कमान के अधीन रहल।
11 हनोक ओह लोग के बुद्धि, ज्ञान आ प्रभु के रास्ता सिखवले। उ लोग के बीच शांति बनवले अवुरी हनोक के जीवन में पूरा धरती प शांति बनल।
12 हनोक आदमी के बेटा लोग पर दू सौ तेतालीस साल तक राज कइलन आ अपना सब लोग के साथे न्याय आ धार्मिकता कइलन आ प्रभु के रास्ता पर चलत रहलन।
13 हनोक, मथुसेला, एलीशा आ एलीमेलेक के तीन गो बेटा हवें। आ उनकर बहिन मेल्का आ नहमा रहली आ मथुसेला सतासी साल के रहली आ उनकर जनम लामेक भइल।
14 लामेक के जीवन के छप्पनवाँ साल में आदम के मौत हो गइल। उनकर उमिर नौ सौ तीस साल रहे आ उनकर दुनु बेटा, उनकर बेटा हनोक आ मथुसेला के साथे, राजा लोग के दफनावे के समय जइसन धूमधाम से ओह गुफा में दफना दिहले रहले जवन भगवान उनका के बतवले रहले.
15 आदम के चलते आदमी के सब बेटा बहुत शोक आ रोवे लगले। एह से ई आजु ले मनुष्य के बेटा लोग में एगो रिवाज बन गइल बा।
16 आदम ज्ञान के पेड़ के फल खइला के चलते मर गइलन। ऊ आ ओकरा बाद के उनकर लइकन के, जइसन कि प्रभु परमेश्वर कहले रहले।
17 आदम के मौत के साल जवन हनोक के शासन के दू सौ तेतालीसवाँ साल रहे, ओही समय हनोक मन के बेटा से अलगा होखे के संकल्प लेले अवुरी प्रभु के सेवा करे खाती पहिले निहन गुप्त रहे।
18 हनोक अईसन कईले, लेकिन उ लोग से पूरा तरीका से गुप्त ना रहले, बालुक तीन दिन तक आदमी के बेटा से दूर रहले अवुरी एक दिन खाती ओ लोग के लगे चल गईले।
19 तीन दिन के दौरान जब उ अपना कोठरी में रहले, उ अपना परमेश्वर प्रभु से प्रार्थना कईले अवुरी उनुकर स्तुति कईले अवुरी जवना दिन उ अपना प्रजा के सोझा गईले अवुरी उनुका से प्रभु के रास्ता सिखवले अवुरी उ लोग उनुका से प्रभु के बारे में जवन कुछ पूछले, उ उनुका के बतवले।
20 ऊ कई साल ले अइसने करत रहलन आ ओकरा बाद छह दिन ले लुकाइल रहलन आ सात दिन में एक दिन अपना लोग के सामने प्रकट भइलन. आ ओकरा बाद महीना में एक बेर, आ फेर साल में एक बेर, जबले कि सभ राजा, राजकुमार आ आदमी के बेटा ओकरा के खोजत ना रहले आ फेर से हनोक के चेहरा देखे आ ओकर वचन सुने के इच्छा ना कइले; बाकिर ऊ लोग ना कर सकल, काहे कि सभे आदमी के बेटा हनोक से बहुते डेरात रहले आ ओकरा चेहरा पर बइठल भगवान जइसन भय के चलते ओकरा लगे आवे से डेरात रहले; एह से केहू ओकरा ओर ना देख सकत रहे, एह डर से कि कहीं ओकरा के सजा मिल जाव आ मर जाव।
21 सब राजा आ राजकुमार लोग आदमी के बेटा लोग के इकट्ठा क के हनोक के लगे आवे के ठान लिहले, इ सोच के कि जब उ लोग के बीच में आवे के समय उ सब लोग उनुका से बात क सकतारे, अवुरी उ लोग अयीसन कईले।
22 उ दिन आइल जब हनोक निकलल आ सब लोग इकट्ठा होके ओकरा लगे अइले, आ हनोक ओह लोग से प्रभु के बात कहलन आ ऊ ओह लोग के बुद्धि आ ज्ञान सिखवले, आ ऊ लोग उनकरा सोझा प्रणाम कइलन आ कहलन कि राजा जिंदा रहस! राजा जिंदा रहस !
23 कुछ समय बाद जब राजा आ राजकुमार आ आदमी के बेटा हनोक से बात करत रहले आ हनोक ओह लोग के परमेश्वर के रास्ता सिखावत रहले त देख, प्रभु के एगो दूत हनोक के स्वर्ग से बोलवले आ ओकरा के स्वर्ग में ले आवे के चाहत रहले कि उहाँ परमेश्वर के बेटा लोग पर राज करस, जइसे कि उ धरती पर आदमी के संतान पर राज कइले रहले।
24 जब हनोक इ बात सुनले त उ जाके धरती के सभ निवासी के एकट्ठा क के उ लोग के बुद्धि अवुरी ज्ञान सिखवले अवुरी ईश्वर के निर्देश देले अवुरी उनुका से कहले, "हमरा से स्वर्ग में चढ़े के जरूरत बा, एहसे हम अपना जाए के दिन नईखी जानत।"
25 अब हम तोहनी के बुद्धि आ ज्ञान सिखा देब आ तोहनी के छोड़े से पहिले तोहनी के निर्देश देब कि धरती पर कइसे काम कइल जाव जवना से तू जियबऽ। आ उ अयीसन कईले।
26 ऊ ओह लोग के बुद्धि आ ज्ञान सिखवलन आ निर्देश दिहलन आ डांटलन आ ओह लोग का सोझा धरती पर करे के नियम आ न्याय रखलन आ ओह लोग का बीच शांति बनवले आ अनन्त जीवन सिखवले आ कुछ समय ओह लोग का साथे रह के ई सब बात सिखवले.
27 ओह घरी आदमी के लइका हनोक के साथे रहले आ हनोक ओह लोग से बात करत रहले आ ऊ लोग आँख उठा के एगो बड़हन घोड़ा के नियर आकाश से उतरल आ घोड़ा हवा में चलत रहे।
28 उ लोग हनोक के देखल बात बतवले त हनोक उ लोग से कहले, "हमरा चलते इ घोड़ा धरती प उतरता। समय आ गइल बा जब हमरा तोहरा से जाए के पड़ी आ हमरा के अब तोहरा से ना लउकी।
29 ओह घरी घोड़ा उतर के हनोक के सामने खड़ा हो गइल आ हनोक के साथे मौजूद सब आदमी उनका के देखले।
30 तब हनोक फेरु एगो आवाज के घोषणा करे के आदेश दिहलन कि, "उ आदमी कहाँ बा जे अपना परमेस् वर के रास्ता जान के खुश बा, ओकरा के हमनी से हटावे से पहिले आज हनोक के लगे आवे के चाहीं।"
31 ओह दिन सभे आदमी के बेटा लोग जुट के हनोक के लगे पहुंचल। ओह दिन धरती के सब राजा अपना राजकुमारन आ सलाहकारन के साथे उनकरा साथे रह गइलन। आ तब हनोक आदमी के बेटा लोग के बुद्धि आ ज्ञान सिखवले आ ओह लोग के ईश्वरीय शिक्षा दिहलन; आ ऊ ओह लोग के जिनिगी भर प्रभु के सेवा करे आ उनकर राह पर चले के कहलन आ ऊ ओह लोग का बीच शांति बनावत रहले.
32 एकरा बाद उ उठ के घोड़ा पर सवार हो गईले। ऊ निकल गइलन आ सभे आदमी उनकरा पीछे-पीछे चल गइलन, लगभग

आठ लाख आदमी। आ उ लोग उनका साथे एक दिन के सफर में चल गईले।
33 दूसरा दिन उ ओ लोग से कहलस, "अपना डेरा में घरे लवट के काहें जाईब?" शायद रउरा मर सकेनी; कुछ लोग उनकरा से चल गइल आ जे बचल लोग छह दिन के यात्रा उनका साथे चल गइल। हनोक रोज ओह लोग से कहत रहले कि, "अपना डेरा में वापस आ जाइब, कहीं तू मर ना जाइब। लेकिन उ लोग वापस आवे के तैयार ना रहले अवुरी उ लोग उनुका संगे चल गईले।
34 छठवाँ दिने कुछ लोग ओकरा से चिपकल रह गइल आ ऊ लोग ओकरा से कहल कि, "हम तोहरा साथे ओहिजा चलब जा जहाँ तू जात बाड़ू। जइसे प्रभु जीयत बाड़न, खाली मौत ही हमनी के अलगा करी।
35 उ लोग उनका साथे जाए खातिर एतना निहोरा कईले कि उ लोग से बात कईल बंद क देले। उ लोग ओकरा पीछे-पीछे चल गईले अवुरी वापस ना लवटत रहले।
36 जब राजा लोग वापस अईले त उ लोग जनगणना करावे लगले कि हनोक के संगे गईल बचे वाला आदमी के संख्या के बारे में पता चल सके। सातवाँ दिन हनोक एगो बवंडर में घोड़ा आ आग के रथ के साथे स्वर्ग में चढ़ गइलन।
37 आठवाँ दिन हनोक के साथे रहल सब राजा लोग हनोक के साथे रहे वाला लोग के संख्या वापस ले आवे खातिर भेजले, जहाँ से ऊ स्वर्ग में चढ़ल रहले।
38 ऊ सब राजा ओह जगह पर गइलन त उहाँ के धरती बर्फ से भरल मिलल आ बर्फ पर बर्फ के बड़हन पत्थर रहे आ एक दोसरा से कहलस, "आ जा, हमनी के बर्फ के तोड़ के देखल जाव, शायद हनोक के साथे जवन आदमी बचल रहले, ऊ मर गइल बाड़े, आ अब बर्फ के पत्थर के नीचे बाड़े, आ उ लोग खोजत रहले, लेकिन ना मिलल, काहे कि उ स्वर्ग में चढ़ गईल रहले।

अध्याय 4 के बा

1 हनोक के धरती पर जिए के सब दिन तीन सौ पैंसठ साल रहे।
2 जब हनोक स्वर्ग में चढ़ले त धरती के सब राजा उठ के अपना बेटा मथुसेला के लेके ओकरा के अभिषेक क देले अवुरी उनुका के अपना पिता के जगह उनुका प राज क देले।
3 मथुसेला परमेश्वर के सामने सीधा-सीधा काम कइलन, जइसे कि उनकर पिता हनोक सिखवले रहले, आ उ अपना पूरा जीवन में आदमी के बेटा लोग के बुद्धि, ज्ञान आ भगवान के भय सिखवले, आ उ अच्छा रास्ता से ना त दाहिना ओर ना मुड़ले ना बाईं ओर।
4 लेकिन मथुसेला के अंतिम समय में आदमी के बेटा प्रभु से मुड़ गईले, धरती के बिगाड़ देले, एक दूसरा के लूट-लूट के लूटले, अवुरी भगवान के खिलाफ विद्रोह कईले अवुरी उल्लंघन कईले अवुरी अपना रास्ता के बिगाड़ देले अवुरी मथुसेला के आवाज़ ना सुनले, बालुक उनुका खिलाफ विद्रोह कईले।
5 प्रभु ओह लोग पर बहुते गुस्सा में पड़ गइलन आ ओह दिनन में प्रभु बीज के नाश करत रहले कि धरती पर ना त बोवाई भइल ना कटाई भइल.
6 जब उ लोग अपना भरण पोषण खातिर अन्न पावे खातिर जमीन पर बोवाई करत रहले त देखले कि काँट आ ठंढा पैदा हो गईल जवन उ लोग ना बोवल।
7 आ तबहूँ आदमी के बेटा लोग अपना बुराई से ना मुड़ल आ भगवान के नजर में बुराई करे खातिर उनकर हाथ अबहियो बढ़ावल गइल आ ऊ लोग अपना बुरा तरीका से प्रभु के नाराज कइल आ प्रभु बहुत गुस्सा में आ गइलन आ पश्चाताप कइलन कि ऊ आदमी के बनवले बाड़न.
8 ऊ ओह लोग के नाश आ सफाया करे के सोचले आ अइसहीं कइलन.
9 ओह घरी जब मतुसाला के बेटा लामेक एक सौ साठ साल के रहले त आदम के बेटा सेत के मौत हो गईल।
10 सेत के जियला के सब दिन नौ सौ बारह साल के रहल आ ऊ मर गइलन।
11 लमेक एक सौ अस्सी साल के रहले जब उ अपना चाचा हनोक के बेटा एलीशा के बेटी अशमुआ के बियाह कईले अवुरी उ गर्भवती हो गईली।
12 ओह घरी आदमी के लइका जमीन पर बोवाई कइले आ तनी-मनी खाना पैदा भइल, तबो मनुष्य के लइका लोग अपना बुरा रास्ता से ना हटले आ ऊ लोग अपराध के उल्लंघन कइल आ भगवान के खिलाफ विद्रोह कइल।
13 लमेक के मेहरारू गर्भवती होके उनकरा के एगो बेटा पैदा कइली, जवन कि साल भर के क्रांति के समय रहे।
14 मथुसेला उनकर नाम नूह रखले आ कहले, "उनकर समय में धरती आराम में रहे आ भ्रष्टाचार से मुक्त रहे, आ उनकर बाप लमेक उनकर नाम मेनाकेम रखले रहले आ कहले, "ई हमनी के काम आ धरती में दयनीय मेहनत से हमनी के दिलासा दिही, जवना के परमेश्वर श्राप देले रहले।"
15 ऊ लइका बड़ होके दुध छुड़ा दिहल गइल आ ऊ अपना पिता मथुसेल के राह पर चल गइल, परमेस् वर के सामने सिद्ध आ सीधा हो गइल।
16 ओह दिनन में सब आदमी के बेटा-बेटी के साथे धरती पर बढ़त-बढ़त प्रभु के रास्ता से हट गइलन आ एक-दूसरा के आपन बुरा काम सिखावत रहलन आ प्रभु के खिलाफ पाप करत रहलन।
17 हर आदमी अपना खातिर देवता बना के हर आदमी अपना पड़ोसी के साथे-साथे अपना रिश्तेदार के लूट के लूट लेत रहे आ धरती के बिगाड़त रहे आ धरती हिंसा से भरल रहे।
18 ओह लोग के न्यायाधीश आ शासक लोग आदमी के बेटी लोग के लगे जाके ओह लोग के मेहरारू के जबरन ओह लोग के पति से अपना पसंद के हिसाब से ले लिहल आ ओह घरी आदमी के बेटा धरती के पशु-पक्षी से खेत के जानवर आ हवा के चिरई सभ के लेके एक प्रजाति के जानवरन के दोसरा प्रजाति के जानवरन के मिलावे के सिखावत रहले, ताकि प्रभु के नाराज कइल जा सके। आ भगवान पूरा धरती के देखलन आ ऊ बिगड़ गइल, काहे कि धरती पर सब मनुष्य आ सब जानवर, आपन रास्ता बिगाड़ दिहले रहे।
19 प्रभु कहले, "हम धरती से, आदमी से लेके हवा के चिरई तक, मवेशी अवुरी जानवर के संगे मिटा देब, काहेंकी हम पश्चाताप करतानी कि हम ओ लोग के बनवले बानी।
20 प्रभु के राह पर चले वाला सब लोग ओह दिनन में मर गइलन, एहसे पहिले कि प्रभु आदमी पर जवन बुराई घोषित कइले रहले, काहे कि ई प्रभु के ओर से रहे, ताकि उ लोग उ बुराई ना देख सकस जवन प्रभु आदमी के बेटा के बारे में कहले रहले।

21 नूह के प्रभु के नजर में अनुग्रह मिलल आ प्रभु ओकरा आ ओकरा लइकन के चुनले कि ऊ लोग पूरा धरती पर बीज पैदा कर सके।

अध्याय 5 के बा

1 नूह के जीवन के चौरासीवाँ साल में सेत के बेटा हनोक के मौत हो गईल, उ नौ सौ पांच साल के रहले।
2 नूह के जीवन के एक सौ उनहत्तरवाँ साल में एनोश के बेटा कैनान के मौत हो गइल आ कैनन के पूरा दिन नौ सौ दस साल हो गइल आ ऊ मर गइलन.
3 नूह के जीवन के दू सौ चौंतीसवाँ साल में कैनन के बेटा महलालेल के मौत हो गइल आ महलालेल के उमिर आठ सौ पंचानबे साल हो गइल आ ऊ मर गइलन.
4 ओह दिनन में नूह के जीवन के तीन सौ छत्तीसवाँ साल में महलालेल के बेटा यारेद के मौत हो गइल। आ जेरेद के सब दिन नौ सौ बासठ साल के रहल आ ऊ मर गइलन.
5 ओह दिन में जे भी लोग प्रभु के पीछे चलेलन, उ बुराई के देखे से पहिले मर गइलन जवन परमेश्वर धरती पर करे के घोषणा कइले रहले।
6 कई साल बीतला के बाद नूह के जीवन के चार सौ अस्सीवाँ साल में जब प्रभु के पीछे चले वाला सब लोग आदमी के बेटा लोग के बीच से मर गइल रहे आ तब खाली मथुसेला ही रह गइल रहे, त भगवान नूह आ मथुसेला से कहलन।
7 तू लोग आदमी के बेटा से बात करीं आ घोषणा करीं कि प्रभु इहे कहत बाड़न, अपना बुराई से लवट के आपन काम छोड़ दीं, त प्रभु ओह बुराई से पश्चाताप करीहें जवन ऊ तोहनी के करे के घोषणा कइले रहले, ताकि ई ना होखे।
8 काहेकि प्रभु इहे कहत हउवें कि देख हम तोहके एक सौ बीस साल के अवधि देत बानी। अगर तू हमरा ओर मुड़ब आ आपन बुरा रास्ता छोड़ब त हमहूँ उ बुराई से मुड़ब जवन हम तोहनी के कहले रहनी, आ ओकर अस्तित्व ना होई, प्रभु कहतारे।
9 नूह आ मथुसेला दिन पर दिन आदमी के संतान से प्रभु के सब बात कहत रहले।
10 लेकिन आदमी के लइका ना सुनलस आ ना ही ओह लोग के बात के कान झुकल आ ऊ लोग अकड़ गइल।
11 प्रभु ओह लोग के एक सौ बीस साल के समय दे दिहलन आ कहलन कि अगर ऊ लोग लवट अइहें त भगवान बुराई से पश्चाताप करीहें जेहसे कि ऊ धरती के नाश ना करसु.
12 लमेक के बेटा नूह ओह दिन में संतान पैदा करे खातिर पत्नी के बियाह से परहेज कईले, काहेकि उ कहले रहले कि, "अब भगवान धरती के नाश क दिहे, त हम काहे संतान पैदा करब?
13 नूह एगो धर्मी आदमी रहले, उ अपना पीढ़ी में सिद्ध रहले अवुरी प्रभु उनुका के धरती प अपना संतान में से बीज पैदा करे खाती चुनले रहले।
14 प्रभु नूह से कहलन, "अपना मेहरारू लेके संतान पैदा कर, काहे कि हम तोहरा के एह पीढ़ी में अपना सामने धर्मी देखले बानी।"
15 तू धरती के बीच में बीया आ अपना लइकन के अपना साथे पैदा करबऽ। नूह जाके एगो पत्नी के बियाह कईले अवुरी उ हनोक के बेटी नामा के चुनले अवुरी उ पांच सौ अस्सी साल के रहली।
16 नूह चार सौ अड़नब्बे साल के रहले, जब उ नामा के पत्नी बना लेले रहले।
17 नामा गर्भवती होके एगो लइका के जनम दिहली आ ऊ ओकर नाम याफेत रख दिहलन आ कहलन कि, "परमेशवर हमरा के धरती पर बड़ कर दिहले बाड़न। उ फेर से गर्भवती होके एगो बेटा के जनम कईली अवुरी उ ओकर नाम शेम रखले अवुरी कहले कि, "परमेशवर हमरा के एगो बचे वाला बना देले बाड़े, ताकि हम धरती के बीच में बीज पैदा करीं।"
18 जब नामा शेम के जनम दिहलस त नूह पांच सौ दू साल के रहले अवुरी लईका बड़ होके प्रभु के राह प चल गईले, जवन कि मथुसेला अवुरी उनुकर पिता नूह उनुका के सिखवले रहले।
19 ओह दिनन में नूह के पिता लमेक के मौत हो गइल। तबो ऊ अपना बाप के राह पर पूरा मन से ना चलल आ नूह के जीवन के सौ पंचानबे साल में ऊ मर गइलन.
20 लामेक के सब दिन सात सौ सत्तर साल के रहल आ उ मर गइलन।
21 प्रभु के जानल-पहचानल सब लइका ओह साल मर गइलन, ओकरा पहिले कि प्रभु ओह लोग पर बुराई ले अइले। काहे कि प्रभु ओह लोग के मर जाए के चाहत रहले, ताकि भगवान ओह लोग के भाई आ रिश्तेदारन पर जवन बुराई पैदा करीहें, ओकरा के ना देख सकसु, जइसन कि ऊ घोषणा कइले रहले.
22 ओही समय में प्रभु नूह आ मथुसेला से कहलन कि, "उन दिन में हम जवन बात हम तोहसे कहले रहनी, उ सब बात आदमी के बेटा के बता दीं, शायद उ लोग अपना बुराई से पीछे हट जास, त हम तब बुराई से पश्चाताप क के ओकरा के ना ले आईब।
23 नूह आ मथुसेला खड़ा होके आदमी के संतान के कान में उ सब बात कहले, जवन परमेश्वर उ लोग के बारे में कहले रहले।
24 लेकिन आदमी के बेटा ना सुनलस, ना ही उ लोग के सब बात के कान झुकल।
25 एकरा बाद ही प्रभु नूह से कहलन कि, "सब शरीर के अंत हमरा सामने आ गईल बा, उ लोग के बुरा काम के चलते अवुरी देख हम धरती के नाश क देब।"
26 गोफर के लकड़ी लेके कवनो जगह पर जाके एगो बड़हन जहाज बना के ओह जगह पर रख दीं।
27 आ तू एकरा के एही तरे बनाईब। एकर लंबाई तीन सौ हाथ, चौड़ाई पचास हाथ आ ऊँचाई तीस हाथ।
28 ओकरा बगल में एगो दरवाजा बना के ओकरा बगल में खुलल आ ऊपर से एक हाथ तक खतम कर के ओकरा के भीतर-बाहर गड्ढा से ढंक देब।
29 देखऽ हम धरती पर पानी के बाढ़ ले अइब, आ सब मांस के नाश हो जाई, आकाश के नीचे से धरती पर मौजूद सब कुछ नाश हो जाई।
30 तू आ तोहार घर के लोग जाके नर-मादा के दू दू गो जीव-जन्तु के बटोर के जहाज में ले अइबऽ कि ओह लोग से बीया धरती पर उगावे खातिर।
31 आऊ सब जानवरन के खाए वाला सब खाना तोहरा लगे बटोरी, ताकि तोहरा आ ओकरा खातिर खाना होखे।
32 तू अपना बेटा खातिर आदमी के बेटी में से तीन गो लईकी चुनी अवुरी उ लोग आपके बेटा के पत्नी बन जईहे।
33 नूह उठ के जहाज बनवले, जवना जगह प भगवान उनुका के आज्ञा देले रहले अवुरी नूह उनुका के उहे काम कईले।

34 अपना पांच सौ पंचानबे साल में नूह जहाज बनावे के काम शुरू कईले अवुरी प्रभु के आज्ञा के मुताबिक पांच साल में जहाज बनवले।
35 तब नूह मथुसेला के बेटा एलियाकीम के तीन गो बेटी के अपना बेटा खातिर पत्नी बना लिहले, जईसे कि प्रभु नूह के आज्ञा देले रहले।
36 उहे समय हनोक के बेटा मथुसेल के मौत हो गईल, उ नौ सौ साठ साल के रहले।

अध्याय 6 के बा

1 ओही समय मथुसेल के मरला के बाद प्रभु नूह से कहले, "तू अपना घर के लोग के साथे जहाज में जा। देखऽ हम तोहरा लगे धरती के सब जानवर, खेत के जानवर आ हवा के चिरई के बटोरब आ सब आके जहाज के घेर लीहें।
2 आ तू जाके जहाज के दुआर के लगे बईठब आ सब जानवर, जानवर आ मुर्गी, एकट्ठा होके तोहरा सोझा राख जइबऽ आ ओह लोग में से जे तोहरा सोझा आके कुबड़ा हो जाई, तू अपना बेटा लोग के हाथ में ले के सौंप देबऽ, जे ओह लोग के सन्दूक में ले अइहें आ जे भी तोहरा सोझा खड़ा होई, ओकरा के छोड़ देबऽ।
3 अगिला दिने परमेस् वर ई काम कर दिहलन आ जानवर, जानवर आ चिरई-चुरुंग के भीड़ में आके जहाज के घेर लिहले।
4 नूह जाके जहाज के दुआर के लगे बईठ गईले अवुरी अपना सोझा झुकल सभ मांस के जहाज में ले अईले अवुरी अपना सोझा खड़ा सभ के उ धरती प छोड़ देले।
5 एगो शेरनी अपना दुगो बच्चा के संगे आईल, नर अवुरी मादा अवुरी तीनों नूह के सोझा झुक गईल अवुरी दुनो बच्चा शेरनी के खिलाफ उठ के ओकरा के मार देलस अवुरी ओकरा के अपना जगह से भाग गईल अवुरी उ चल गईल अवुरी उ लोग अपना जगह प वापस आ गईल अवुरी नूह के सोझा धरती प कुहुक गईल।
6 शेरनी भाग के शेरन के जगह पर खड़ा हो गइल।
7 नूह इ देख के बहुत अचरज में पड़ गईले अवुरी उ उठ के दुनो बच्चा के पकड़ के जहाज में ले गईले।
8 नूह धरती पर मौजूद सब जीव-जंतु के जहाज में ले अइले, जवना से नूह जहाज में ले अइला के अलावा केहू ना बचल।
9 दू-दू आदमी नूह के लगे जहाज में चढ़ गईले, लेकिन साफ जानवर अवुरी साफ-सुथरा चिरई से सात जोड़ा ले अईले, जईसे कि भगवान उनुका के कहले रहले।
10 सब जानवर, जानवर आ चिरई अबहियों उहाँ मौजूद रहले आ हर जगह जहाज के घेरले रहले आ सात दिन बाद तक बरखा ना उतरल रहे।
11 आ ओह दिन प्रभु पूरा धरती के हिला दिहलन आ सूरज अन्हार हो गइल आ दुनिया के नींव भड़क गइल आ पूरा धरती जोर से हिल गइल आ बिजली चमकल आ गरजल गर्जना कइल आ धरती के सब फव्वारा टूट गइल जवन पहिले निवासी लोग के ना मालूम रहे। आ भगवान ई पराक्रमी काम एह खातिर कइलन कि आदमी के लइकन के डेरावे, ताकि धरती पर अब कवनो बुराई ना होखे।
12 आ तबहूँ आदमी के बेटा अपना बुरा रास्ता से ना लवटत रहले आ ओह घरी ऊ लोग प्रभु के क्रोध बढ़ा दिहल आ एह सब के ओर आपन दिल तक ना निर्देशित कइल।
13 सात दिन के अंत में नूह के जीवन के छह सौवाँ साल में जलप्रलय के पानी धरती पर आ गईल।
14 गहिराह के सब फव्वारा टूट गइल आ आकाश के खिड़की खुल गइल आ चालीस दिन चालीस रात धरती पर बरखा भइल।
15 बाढ़ के पानी के चलते नूह आ ओकर घर के लोग आ ओकरा साथे मौजूद सब जीव जहाज में आ गईले अवुरी प्रभु ओकरा के बंद क देले।
16 धरती पर बचल सब आदमी बरखा के चलते बुराई से थक गईले, काहेकि पानी धरती पर अउरी जोर से आवत रहे आ जानवर आ जानवर अभी भी जहाज के घेरले रहले।
17 आदमी के बेटा करीब सात लाख मरद मेहरारू एकट्ठा होके जहाज के लगे नूह के लगे पहुंचले।
18 उ लोग नूह के आवाज देके कहलस, "हमनी खातिर खोल द ताकि हमनी के जहाज में तोहरा लगे आ जाईं जा--आ हमनी के काहे मरब जा?
19 नूह जहाज से जोर-जोर से जवाब दिहलन, "का रउवा सभे प्रभु के खिलाफ विद्रोह नईखी कईले अवुरी कहले कि उनुकर अस्तित्व नईखे? आ एही से प्रभु तोहनी पर ई बुराई ले अइले, कि तोहनी के धरती से नाश कर के काट दिहलस।
20 का ई उ बात नइखे जवन हम एक सौ बीस साल पहिले तोहरा से कहले रहनी कि रउआ प्रभु के आवाज ना सुनत रहनी आ अब धरती पर जिए के चाहत बानी?
21 उ लोग नूह से कहलस, "हमनी के प्रभु के पास वापस आवे खातिर तैयार बानी जा। खाली हमनी खातिर खुलल बा कि हमनी के जिंदा हो सकीले आ ना मर सकीले।
22 नूह उनके जवाब दिहलन, "देखऽ, अब जब तू लोग अपना आत्मा के परेशानी देखत बाड़ऽ, त तू लोग प्रभु के पास वापस आवे के चाहत बाड़ऽ। एह सौ बीस साल के दौरान रउआ काहे ना लवटनी, जवना के प्रभु रउआ के निर्धारित अवधि के रूप में देले रहले?
23 लेकिन अब तू लोग अपना आत्मा के परेशानी के चलते हमरा के इ बात बताव, अब भी प्रभु तोहनी के बात ना सुनी, ना ही आज तोहनी के कान दिहे, ताकि तू लोग अब आपन इच्छा में कामयाब ना होखब।
24 आदमी के बेटा बरखा के चलते जहाज में घुसे खातिर नजदीक आ गईले, काहेकी उ लोग अपना प बरखा ना सह पवले।
25 तब प्रभु जहाज के चारो ओर खड़ा सब जानवर आ जानवर के भेज दिहलन। आ जानवर ओह लोग पर हावी होके ओह जगह से भगा दिहले आ हर आदमी अपना रास्ता से चल गइल आ ऊ लोग फेर से धरती पर बिखर गइल.
26 धरती पर अबहियो बरखा होत रहे आ चालीस दिन चालीस रात ले गिरत रहे आ पानी धरती पर बहुते प्रबल रहे। आ धरती पर भा पानी में मौजूद सब मांस मर गइल, चाहे ऊ आदमी होखे, जानवर होखे, जानवर होखे, रेंगत होखे भा हवा के चिरई होखे, आ खाली नूह आ जहाज में उनकरा साथे रहे वाला लोग ही रह गइल।
27 पानी बढ़ल आ धरती पर बहुत बढ़ल आ जहाज के ऊपर उठा के धरती से उठ गइल।
28 जहाज पानी के ऊपर तैरत रहे आ पानी पर अइसन उछालत रहे कि भीतर के सब जीव कड़ाही में घड़ा निहन घूम गईल।

29 जहाज में मौजूद सब जीव-जन्तु के बहुत चिंता हो गईल अवुरी जहाज टूटल निहन हो गईल।
30 जहाज में मौजूद सब जीव डेरा गईले, शेर गर्जत रहले, बैल नीच गईले, भेड़िया कूद गईले अवुरी जहाज में मौजूद हर जीव अपना भाषा में बोलत रहले अवुरी विलाप करत रहले, जवना से उनुकर आवाज़ बहुत दूर तक पहुंच गईल अवुरी नूह अवुरी उनुकर बेटा अपना परेशानी में चिल्लात अवुरी रोवत रहले। उ लोग के बहुत डर रहे कि उ लोग मौत के दुआर प पहुंच गईल बाड़े।
31 तब नूह प्रभु से प्रार्थना कइलन आ ओकरा से चिल्ला के कहलन, "हे प्रभु हमनी के मदद करीं, काहे कि हमनी के लगे एह बुराई के सहन करे के ताकत नइखे जवन हमनी के घेरले बा, काहे कि पानी के लहर हमनी के घेर लेले बा, शरारती धार हमनी के डेरा दिहले बा, मौत के जाल हमनी के सामने आ गईल बा। हमनी के जवाब द, हे प्रभु, हमनी के जवाब दिह, हमनी के ओर आपन चेहरा रोशन करऽ आ हमनी पर कृपा करऽ, हमनी के छुटकारा दऽ आ हमनी के बचावऽ।
32 तब प्रभु नूह के आवाज सुनलन आ प्रभु उनकर याद कइलन।
33 धरती पर हवा चलल आ पानी शांत हो गइल आ जहाज आराम कइलस।
34 गहिराह के फव्वारा आ आकाश के खिड़की बंद हो गइल आ आकाश से बरखा रोकल गइल।
35 ओह दिनन में पानी कम हो गइल आ जहाज अरारात के पहाड़न पर टिक गइल।
36 तब नूह जहाज के खिड़की खोललन, तब भी नूह ओह समय प्रभु के आवाज देत कहले, "हे प्रभु, जे धरती आ आकाश आ ओकरा में मौजूद सब कुछ के बनवले बानी, हमनी के आत्मा के एह कैद से आ जवना जेल में हमनी के रखले बानी, ओकरा से बाहर ले आवऽ, काहे कि हम आह भर के बहुत थक गइल बानी।"
37 तब प्रभु नूह के आवाज सुन के कहलन कि जब पूरा साल पूरा हो जाई त तू बाहर निकलब।
38 साल के क्रान्ति के समय जब नूह के जहाज में रहे के पूरा साल पूरा हो गईल त धरती से पानी सूख गईल अवुरी नूह जहाज के ढंकल बंद क देले।
39 ओह घरी दूसरा महीना के सत्ताईसवाँ दिन धरती सूख गईल रहे, लेकिन जब तक प्रभु ना बतवले, तब तक नूह अवुरी उनुकर बेटा अवुरी उनुका संगे के लोग जहाज से ना निकलले।
40 उ दिन आईल जब प्रभु ओ लोग के बाहर निकले के कहले, त उ सब जहाज से निकल गईले।
41 ऊ लोग जाके हर केहू अपना रास्ता आ अपना जगह पर लवट गइल आ नूह आ उनकर बेटा ओह देश में रह गइलन जवन भगवान बतवले रहले आ ऊ लोग पूरा दिन प्रभु के सेवा कइल आ जहाज से निकलत घरी प्रभु नूह आ उनकर बेटा लोग के आशीर्वाद दिहलन।
42 ऊ ओह लोग से कहलन, "बढ़ के पूरा धरती भर दीं। मजबूत हो जाईं आ धरती में भरपूर बढ़ जाईं आ ओहमें बढ़ जाईं.

अध्याय 7 के बा

1 नूह के बेटा लोग के नाम इहे ह: याफेत, हाम आ शेम। आ जलप्रलय के बाद ओह लोग के संतान पैदा भइल, काहे कि ऊ लोग जलप्रलय से पहिले मेहरारू बना लेले रहे।
2 ई याफेत के बेटा हवें। गोमेर, मागोग, मदई, जावन, तुबल, मेशेक आ तिरस, सात गो बेटा।
3 गोमेर के बेटा अस्किनाज, रेफात आ तेगारमा रहे।
4 मागोग के बेटा एलीकानाफ आ लुबाल रहले।
5 मदई के संतान आकोन, ज़ीलो, चाजोनी आ लूत रहलन।
6 यावन के बेटा एलीशा, तर्शीश, कित्तीम आ दुदोनीम रहले।
7 तुबल के बेटा अरिफी, केसेद आ तारी रहलन।
8 मेशेक के बेटा देदोन, सारोन आ शेबश्नी रहलन।
9 तिरास के बेटा बेनीब, गेरा, लुपिरियोन आ गिलाक रहलन। ई याफेत के बेटा लोग के कुल के हिसाब से रहे आ ओह लोग के संख्या लगभग चार सौ साठ आदमी रहे।
10 ई हाम के लइका हवें। कुश, मिस्सरैम, फुत आ कनान, चार गो बेटा; कुश के बेटा सेबा, हवीला, सबता, रामा आ सतेका आ रामा के बेटा शेबा आ देदान रहलन।
11 मिस्सरैम के बेटा लूद, अनोम आ पथ्रोस, चस्लोत आ चफ्तोर रहलन।
12 फुत के बेटा गेबुल, हदान, बेना आ अदान रहलन।
13 कनान के बेटा सिदोन, हेत, अमोरी, गेर्गाशी, हिवी, अर्की, सेनी, आरोदी, सिमोदी आ चमोथी रहलन।
14 ई हाम के बेटा हवें, उ लोग के कुल के हिसाब से आ ओह लोग के संख्या लगभग सात सौ तीस आदमी रहल।
15 ई शेम के बेटा हवें। एलाम, अशूर, अर्पचशाद, लुद आ अराम, पांच गो बेटा; एलाम के बेटा शुशान, मकुल आ हरमोन रहलन।
16 अशर के बेटा मीरस आ मोकील आ अर्पचशाद के बेटा शेलाक, अनार आ अश्कोल रहलन।
17 लुद के बेटा पेथोर आ बिजायोन आ अराम के बेटा उज, चूल, गदर आ मश रहलन।
18 ई शेम के बेटा हवें, अपना कुल के हिसाब से। आ ओह घरी ओह लोग के संख्या करीब तीन सौ आदमी रहे।
19 ई शेम के पीढ़ी हवें। शेम के अर्पचशाद आ अर्पचशाद से शेलाक के जनम भइल आ शेलाक के एबर आ एबर से दू गो संतान भइल, एक के नाम पेलेग रहे, काहे कि उनकरा जमाना में आदमी के बेटा बँटल रहे आ बाद के दिन में धरती बँट गइल।
20 दूसरा के नाम योक्तान रहे, मतलब कि उनकरा जमाना में आदमी के बेटा के जीवन कम हो गईल अवुरी कम हो गईल।
21 ई लोग योक्तन के बेटा हवें। अल्मोदाद, शेलाफ, चाजरमोवेत, येराच, हदुरोम, ओजेल, दिक्ला, ओबल, अबीमाएल, शेबा, ओफीर, हवीला आ अयॉबाब; ई सब योकतान के बेटा हवें।
22 उनकर भाई पेलेग के येन, येन से सेरुग, सेरुग के नाहोर आ नाहोर के जनम तेरा से भइल आ तेरा अड़तीस बरिस के रहे आ हारान आ नाहोर के जनमल।
23 तब नूह के बेटा हाम के बेटा कुश बुढ़ापा में एगो पत्नी के बियाह कईले अवुरी उनुका से एगो बेटा भईल अवुरी उ लोग ओकर नाम निमरोद रखले अवुरी कहले कि, "ओह समय आदमी के बेटा फेर से भगवान के खिलाफ विद्रोह अवुरी उल्लंघन करे लगले अवुरी उ लईका बड़ हो गईले अवुरी उनुकर पिता ओकरा से बहुत प्यार कईले, काहेंकी उ अपना बुढ़ापा के बेटा रहले।
24 आदम आ ओकर मेहरारू खातिर जवन चमड़ा के कपड़ा बनवले रहले, ऊ कुश के दिहल गइल।
25 काहेकि आदम आ उनकर मेहरारू के मरला के बाद इ कपड़ा यारेद के बेटा हनोक के दिहल गईल आ जब हनोक के

परमेश्वर के पास ले जाइल गईल त उ कपड़ा अपना बेटा मथुसेल के दे दिहलस।
26 मथुसेला के मौत के समय नूह ओ लोग के लेके जहाज में ले गईले अवुरी जब तक उ जहाज से ना निकलले, तब तक उ लोग उनुका संगे रहले।
27 उ लोग के बाहर निकलत घरी हाम उ कपड़ा अपना बाप नूह से चोरा लेले अवुरी उ कपड़ा लेके अपना भाई लोग से छिपा लेले।
28 जब हाम के पहिला बेटा कुश के जनम भइल त ऊ ओकरा के ऊ कपड़ा लुका के दे दिहलन आ ऊ लोग कुश के साथे बहुत दिन ले रहलन.
29 कुश भी ओ लोग के अपना बेटा आ भाई लोग से छिपा लिहले आ जब कुश निमरोद के जनम लेले रहले त उनुका से प्रेम के चलते उ कपड़ा उनुका के देले अवुरी निमरोद बड़ हो गईले अवुरी जब उ बीस साल के रहले त उ कपड़ा पहिनले रहले।
30 निमरोद जब कपड़ा पहिनले त मजबूत हो गइलन, आ भगवान ओकरा के ताकत आ ताकत दिहलन, आ ऊ धरती पर एगो पराक्रमी शिकारी रहले, हँ, ऊ खेत में एगो पराक्रमी शिकारी रहले, आ ऊ जानवरन के शिकार करत रहले आ ऊ वेदी बनवले रहले आ ऊ ओह लोग पर जानवरन के प्रभु के सामने चढ़वले.
31 निमरोद अपना भाई लोग के बीच से उठ के अपना भाई लोग के चारो ओर के सब दुश्मनन के खिलाफ लड़ाई लड़ले।
32 प्रभु अपना भाई लोग के सब दुश्मन के अपना हाथ में सौंप देले अवुरी भगवान उनुका के बीच-बीच में अपना लड़ाई में खुशहाल करत रहले अवुरी उ धरती प राज कईले।
33 एही से ओह दिन में जब कवनो आदमी लड़ाई खातिर प्रशिक्षित कइल लोग के ले आवे त ऊ लोग से कहत रहे कि, “जइसे भगवान निमरोद के साथे कइले रहले, जे धरती पर एगो पराक्रमी शिकारी रहले आ अपना भाई लोग के खिलाफ भइल लड़ाई में सफल भइल रहले, कि ऊ ओह लोग के ओह लोग के दुश्मनन के हाथ से बचा लिहले रहले, त भगवान हमनी के मजबूत करसु आ आज हमनी के बचावे।”
34 जब निमरोद चालीस बरिस के भइल त ओह घरी उनकर भाई आ याफेत के लोग के बीच लड़ाई भइल आ ऊ लोग अपना दुश्मनन के अधिकार में आ गइल।
35 ओह घरी निमरोद निकल गइलन आ ऊ कुश के सगरी बेटा आ ओह लोग के परिवार के करीब चार सौ साठ आदमी के एकट्ठा कइलन आ अपना कुछ दोस्तन आ परिचितन से करीब अस्सी आदमी के किराया पर ले लिहलन आ ओह लोग के किराया दे दिहलन आ ओह लोग का साथे लड़ाई में चल गइलन आ जब ऊ रास्ता पर गइलन त निमरोद अपना साथे गइल लोग के दिल मजबूत कर दिहलन.
36 ऊ ओह लोग से कहलन कि मत डेराईं आ ना घबराईं, काहे कि हमनी के सब दुश्मन हमनी के हाथ में सौंपल जइहें आ रउरा सभे ओह लोग के साथे जइसन मन करे कर सकीलें.
37 जे भी आदमी गइलन उ लोग लगभग पांच सौ के रहे आ उ लोग अपना दुश्मनन से लड़ल, आ उ लोग ओह लोग के नष्ट क के अपना वश में कर दिहल आ निमरोद ओह लोग के अपना-अपना जगह पर खड़ा अफसर रखले।
38 ऊ ओह लोग के कुछ लइकन के सुरक्षा के रूप में ले गइलन आ ऊ सब निमरोद आ उनकर भाई लोग के नौकर रहलन आ निमरोद आ उनकर सब लोग घरे मुड़ गइलन।
39 जब निमरोद अपना दुश्मनन के जीत के लड़ाई से खुशी से लवटल त ओकर सब भाई लोग ओकरा के पहिले जानत लोग के साथे मिल के ओकरा के राजा बनावे खातिर जुटल आ ओकरा माथा पर शाही मुकुट रख दिहल।
40 ऊ अपना प्रजा आ लोग, राजकुमार, न्यायाधीश आ शासक के ऊपर रखले, जइसे कि राजा लोग के रिवाज होला।
41 ऊ नाहोर के बेटा तेरा के अपना सेना के मुखिया के रख दिहलन आ ऊ ओकरा के आदर दिहलन आ ओकरा के अपना सगरी राजकुमारन से ऊपर उठा दिहलन.
42 जब उ अपना मन के इच्छा के मुताबिक राज करत रहले, त उ अपना सल्लाहकार के संगे अपना महल खाती शहर बनावे के सलाह देले अवुरी उ लोग अयीसन कईले।
43 ऊ लोग पूरब के सामने एगो बड़हन घाटी मिलल आ ओकरा खातिर एगो बड़हन आ विस्तृत शहर बनवलसि आ निमरोद ओह शहर के नाम शिनार रख दिहलन जवना के ऊ बनवले रहलन काहे कि प्रभु अपना दुश्मनन के बहुते हिला दिहले रहले आ ओह लोग के नाश कर दिहले रहले.
44 निमरोद शिनार में रह गइलन आ ऊ सुरक्षित राज कइलन आ अपना दुश्मनन से लड़लन आ ओह लोग के अपना वश में कर लिहलन आ अपना सगरी लड़ाई में सफल भइलन आ ओकर राज्य बहुते बड़हन हो गइल.
45 सब जाति आ भाषा उनकर प्रसिद्धि सुन के उनकरा लगे जुट गइलन आ धरती के सामने प्रणाम कइलन आ उनके बलिदान ले अइलन आ ऊ उनकर मालिक आ राजा बन गइलन आ सब लोग उनकरा साथे शिनार शहर में रह गइलन आ निमरोद धरती पर नूह के सब बेटा लोग पर राज कइलन आ सभे उनकर अधिकार आ सलाह के अधीन रहलन।
46 पूरा धरती एक भाषा आ एकता के वचन के रहे, लेकिन निमरोद प्रभु के रास्ता पर ना चलल, आ जलप्रलय के दिन से लेके ओह दिन तक उ अपना से पहिले के सब आदमी से भी जादा दुष्ट रहले।
47 ऊ लकड़ी आ पत्थर से देवता बनवले आ ओह लोग के प्रणाम कइलन आ प्रभु के खिलाफ विद्रोह कइलन आ अपना सगरी प्रजा आ धरती के लोग के आपन दुष्ट रास्ता सिखवले. आ उनकर बेटा मार्डन उनकर बाप से भी दुष्ट रहले।
48 जे भी निमरोद के बेटा मार्दोन के काम सुन के ओकरा बारे में कहत रहे कि, “दुष्ट से बुराई निकलेला। एह से ई पूरा धरती में एगो कहावत बन गइल कि, दुष्ट से दुष्टता निकलेला आ ऊ समय से लेके अब तक आदमी के बात में प्रचलित रहे।
49 निमरोद के सेना के राजकुमार नाहोर के बेटा तेरा ओह घरी राजा आ ओकर प्रजा के नजर में बहुत बड़ रहले अवुरी राजा अवुरी राजकुमार उनुका से प्यार करत रहले अवुरी उनुका के बहुत ऊँच क देले।
50 तेरा एगो मेहरारू बिया आ ओकर नाम कुरनेबो के बेटी अमथेलो रहे। ओह घरी तेरा के मेहरारू गर्भवती होके एगो बेटा के जनम दिहली।
51 जब तेरा के जनम भइल त ऊ सत्तर साल के रहले आ तेरा अपना बेटा के नाम अब्राम रखले रहले, काहे कि राजा ओकरा के ओह घरी पालन पोषण कइले रहले आ ओकरा के अपना साथे मौजूद सब राजकुमारन से अधिका आदर देले रहले.

अध्याय 8 के बा

1 अब्राम के जनम के रात ही तेरा के सब नौकर, निमरोद के सब ज्ञानी आ ओकर जादूगर आके तेरा के घर में खाना पीले, आ ओह रात उ लोग उनुका संगे खुश हो गईले।
2 जब सब ज्ञानी आ जादूगर लोग तेरा के घर से निकलल त ओह रात तारा के देखे खातिर आकाश के ओर आँख उठवले त देखले कि पूरब से एगो बहुत बड़ तारा आके आकाश में दौड़त रहे अवुरी उ चारो तारा के आकाश के चारो ओर से निगल गईले।
3 राजा के सब ज्ञानी आ उनकर जादूगर लोग ई देख के अचरज में पड़ गइलन आ ऋषि लोग ई बात समझ गइल आ एकर महत्व जान गइल।
4 उ लोग एक दूसरा से कहलस, "ई खाली उ लईका के संकेत ह जवन आज रात में तेरा से पैदा भईल बा, जवन बड़ होके फलदायी होई अवुरी बढ़ी अवुरी पूरा धरती प हमेशा खाती कब्जा क ली, अवुरी उ अवुरी ओकर संतान बड़-बड़ राजा के मार दिहे अवुरी उनुकर जमीन के उत्तराधिकारी होई।
5 ओह रात ज्ञानी आ जादूगर लोग घरे चल गइल आ सबेरे ई सब ज्ञानी आ जादूगर सबेरे उठ के एगो निर्धारित घर में जुट गइलन।
6 उ लोग एक दूसरा से बात कईले, "देखऽ, जवन नज़र हमनी के काल्ह रात के देखले रहनी जा उ राजा से छिपल बा।
7 अगर बाद के दिन में राजा के इ बात पता चल गईल त उ हमनी से कह दिहे कि, 'तू हमरा से इ बात काहे छिपा देले बाड़, त हमनी के सब केहु के मौत हो जाई। एह से अब हमनी के जाके राजा के ऊ नजारा बताईं जा जवन हमनी के देखले रहनी जा, आ ओकर व्याख्या, आ तब हमनी के साफ रहब जा।
8 उ लोग अयीसन कईले अवुरी सब राजा के लगे जाके उनुका के जमीन प प्रणाम कईले अवुरी कहले कि, राजा जिंदा रहस, राजा जिंदा रहस।
9 हम सुननी कि तोहरा सेना के राजकुमार नाहोर के बेटा तेरा के एगो बेटा पैदा भइल बा आ हमनी का काल्हु रात उनुका घरे अइनी जा आ ओह रात हमनी का ओकरा साथे खाना पी के खुश भइनी जा.
10 जब तोहार सेवक लोग तेरा के घर से रात बितावे खातिर अपना-अपना घर में जाए खातिर निकलल त हमनी के नजर आकाश के ओर उठवनी जा त हमनी के पूरब से एगो बड़हन तारा आवत देखनी जा आ उहे तारा बहुत तेजी से दौड़त रहे आ आकाश के चारो ओर से चार गो बड़हन तारा निगल गइल।
11 हमनी के देखल देख के तोहार सेवक अचरज में पड़ गईले अवुरी बहुत डेरा गईले अवुरी हमनी के देख के फैसला कईनी अवुरी एकर सही व्याख्या हमनी के बुद्धि से जान गईनी कि इ बात ओह बच्चा प लागू होखेला, जवन कि तेरा से पैदा भईल होई, जवन कि बड़ होके बहुत बढ़ी अवुरी ताकतवर हो जाई अवुरी धरती के सभ राजा के मार दिही अवुरी उनुका सभ राजा के उत्तराधिकारी होई जमीन, ऊ आ ओकर बीज हमेशा खातिर।
12 अब हमनी के मालिक आ राजा, देख, हमनी के एह बच्चा के बारे में जवन देखले बानी जा, ओकरा से हम तोहरा के सही मायने में परिचित कर देले बानी।
13 अगर राजा के एह लइका खातिर आपन बाप के मोल देवे के अच्छा लागे त हमनी के ओकरा के मार देब जा कि उ देश में बड़ होके बढ़े आ ओकर बुराई हमनी के खिलाफ बढ़े, ताकि हमनी के आ हमनी के लइका ओकरा बुराई से नाश हो जाइब जा।
14 राजा ओह लोग के बात सुन के उनकर नजर में अच्छा लागल आ ऊ तेरा के बोलावे खातिर भेज के बोलवले आ तेरा राजा के सामने आ गइलन।
15 राजा तेरा से कहलस, "हमरा के बतावल गईल बा कि काल्ह रात तोहरा एगो बेटा पैदा भईल रहे अवुरी ओकरा जन्म के समय आकाश में अयीसन देखल गईल।
16 अब हमरा के लइका के दे दऽ कि हमनी के ओकरा के मार देब जा कि ओकर बुराई हमनी के खिलाफ उभरला से पहिले ओकरा के मार देब जा आ हम तोहरा के ओकरा मोल के हिसाब से चानी आ सोना से भरल घर दे देब।
17 तेरा राजा के जवाब दिहलन आ कहलन कि, "हमार प्रभु आ राजा, हम तोहार बात सुनले बानी आ तोहार सेवक ओकर राजा के मनचाहा सब काम करी।
18 लेकिन हमार मालिक आ राजा, हम तोहरा के बताइब कि काल्ह रात के हमरा साथे का भइल रहे, ताकि हम देख सकीले कि राजा अपना नौकर के कवन सलाह दिहे, आ ओकरा बाद हम राजा के जवन बात अभी कहले बाड़े ओकरा प जवाब देब। राजा कहलस, "बोलऽ।"
19 तेरा राजा से कहलस, "मोरेद के बेटा अयोन काल्ह रात हमरा लगे आके कहलस।
20 राजा तोहरा के जवन बड़हन आ सुन्दर घोड़ा देले रहले, ओकरा के हमरा के दे दऽ, त हम तोहरा के चांदी-सोना, भूसा आ चारा देब, ओकरा कीमत के हिसाब से हम तोहरा के देब। हम ओकरा से कहनी कि, जब तक हम तोहार बात के बारे में राजा के ना देखब, तब तक रुक जा, अवुरी देख, राजा जवन कुछ कहतारे, हम उहे करब।
21 अब हमार मालिक आ राजा, देख हम ई बात तोहरा के बता देले बानी आ हमार राजा जवन सलाह अपना नौकर के दिहे, हम ओकर पालन करब।
22 राजा तेरा के बात सुन के उनकर क्रोध भड़क गईल अवुरी उ ओकरा के मूर्ख के रोशनी में समझत रहले।
23 राजा तेरा से कहलन, "का तू अतना मूर्ख, अज्ञानी भा समझ में कमी बा कि ई काम कर के आपन सुन्दर घोड़ा के चांदी आ सोना भा भूसा आ भोजन के बदला में दे दीं?"
24 का तोहरा में चाँदी आ सोना के एतना कमी बा कि तू ई काम करऽ, काहे कि तोहरा घोड़ा के चरावे खातिर भूसा आ भोजन ना मिल पाई? आ तोहरा खातिर चाँदी आ सोना, भा भूसा आ चारा का ह, जवना से तू ऊ बढ़िया घोड़ा दे दीं जवन हम तोहरा के देले बानी, जवना जइसन पूरा धरती पर केहू नइखे?
25 राजा आपन बात छोड़ दिहलस त तेरा राजा के जवाब दिहलस, "राजा अपना नौकर से अईसन बात कईले बाड़े।
26 हे हमार मालिक आ राजा, हम तोहरा से निहोरा करत बानी कि तू हमरा से ई का कहले बाड़ कि, 'अपना बेटा के दे दऽ कि हमनी के ओकरा के मार सकीले, आ हम तोहरा के ओकरा मोल में चांदी आ सोना देब। बेटा के मरला के बाद चांदी-सोना के का करब? हमरा के के विरासत में पाई? निश्चित रूप से तब हमरा मरला पर चांदी आ सोना हमरा राजा के वापस आ जाई जे ओकरा के दिहले बा।
27 राजा जब तेराह के बात आ राजा के बारे में जवन दृष्टांत देले रहले, त उनुका बहुत दुख भईल अवुरी उ ए बात से परेशान हो गईले अवुरी उनुकर गुस्सा उनुका भीतर जर गईल।

28 तेरा देखलन कि राजा के क्रोध ओकरा पर भड़क गइल बा आ राजा के जवाब दिहलन कि, "हमरा लगे जवन कुछ बा ऊ राजा के अधिकार में बा। राजा अपना नौकर के जवन भी करे के चाहत बा, उ करे के चाहीं, हँ, हमार बेटा, ऊ राजा के सत्ता में बा, बदले में कवनो मोल नइखे, ऊ आ ओकर दुनु भाई जे ओकरा से बड़ बाड़े.

29 राजा तेरा से कहले, "ना, लेकिन हम तोहार छोट बेटा के दाम में खरीद लेब।"

30 तेरा राजा से कहलन, "हम हमार मालिक आ राजा से निहोरा करत बानी कि तोहरा सेवक के तोहरा सामने एगो बात कहे दीं आ राजा के अपना नौकर के बात सुने दीं आ तेरा कहले, "हमार राजा हमरा के तीन दिन के समय दे दीं जब तक कि हम अपना भीतर एह बात के ना सोचब आ अपना परिवार से अपना राजा के बात के बारे में सलाह ना लेब। आ ऊ राजा के एह बात पर सहमत होखे खातिर बहुते दबाव डाल दिहलन.

31 राजा तेरा के बात सुन के अईसन कईले अवुरी तीन दिन के समय देले अवुरी तेरा राजा के सोझा से निकल गईले अवुरी उ अपना परिवार के घरे पहुंचले अवुरी राजा के सभ बात कहले। आ लोग बहुत डेरा गइल।

32 तीसरा दिने राजा तेरा के लगे भेजलन कि, "हमरा से आपन बेटा के दाम में भेज दऽ। आ अगर तू अइसन ना करबऽ त हम तोहरा घर में जवन कुछ बा ओकरा के भेज के मार देब, जेहसे कि तोहरा कुकुर तक ना बच जाव.

33 तेरा जल्दी-जल्दी, राजा के ओर से इ बात जरूरी रहे, अवुरी उ अपना एगो नौकर से एगो बच्चा लेके चल गईले, जवन कि उनुकर दासी ओ दिन उनुका से पैदा कईले रहली अवुरी तेरा ओ बच्चा के राजा के लगे ले अईले अवुरी ओकरा खाती कीमत ले लेले।

34 एह मामिला में प्रभु तेरा के साथे रहले कि निमरोद अब्राम के मौत ना कर सके आ राजा तेरा से ओह बच्चा के लेके अपना पूरा ताकत से ओकर माथा जमीन पर गिरा दिहलन काहे कि ऊ सोचत रहले कि ई अब्राम हउवें. आ ई बात ओह दिन से ओकरा से छिपल रहे आ राजा भुला गइल काहे कि प्रोविडेंस के इच्छा रहे कि अब्राम के मौत ना भोगे के पड़ी.

35 तेरा अपना बेटा के अब्राम के अपना महतारी आ दूधिया के साथे गुप्त रूप से लेके एगो गुफा में छिपा के रखले आ हर महीना ओह लोग के खाना लेके आवत रहले।

36 प्रभु अब्राम के साथे गुफा में रहले अवुरी उ बड़ भईले अवुरी अब्राम दस साल तक गुफा में रहले अवुरी राजा अवुरी उनुकर राजकुमार, भविष्यवक्ता अवुरी ऋषि-मुनि सोचले कि राजा अब्राम के मार देले बाड़े।

अध्याय 9 के बा

1 अब्राम के बड़ भाई तेरा के बेटा हारान ओह घरी एगो पत्नी के बियाह कईले।

2 हारान जब उनतीस साल के रहले। हारान के मेहरारू गर्भवती होके एगो लइका पैदा कइली आ ऊ ओकर नाम लूत रख दिहलस।

3 उ फेर से गर्भवती होके एगो बेटी के जनम कईली अवुरी उनुकर नाम मिलका रखलस। उ फेर से गर्भवती होके एगो बेटी के जन्म देली अवुरी उनुकर नाम सराय रखली।

4 हारान के उमर बयालीस साल के रहे जब उ सारा के जनमलस, जवन अब्राम के जीवन के दसवाँ साल में रहे। आ ओह घरी अब्राम आ उनकर महतारी आ नर्स गुफा से निकल गइलन, काहे कि राजा आ उनकर प्रजा अब्राम के मामिला भुला गइल रहले.

5 जब अब्राम गुफा से निकललन त ऊ नूह आ उनकर बेटा शेम के लगे गइलन आ ऊ ओह लोग के साथे रह गइलन कि ऊ प्रभु के शिक्षा आ उनकर रास्ता सीख सकसु आ केहू के पता ना चलल कि अब्राम कहाँ बाड़न आ अब्राम बहुत दिन ले नूह आ अपना बेटा शेम के सेवा कइलन.

6 अब्राम नूह के घर में उनतीस साल रहले, आ अब्राम तीन साल के उमिर से प्रभु के जानत रहले अवुरी उ अपना मौत के दिन तक प्रभु के रास्ता प चलत रहले, जईसे कि नूह अवुरी उनुकर बेटा शेम उनुका के सिखवले रहले। आ ओह घरी धरती के सब बेटा लोग प्रभु के खिलाफ बहुत उल्लंघन कइल, आ ऊ लोग उनकरा खिलाफ विद्रोह कइल आ ऊ लोग दोसरा देवता लोग के सेवा कइल आ ऊ लोग ओह प्रभु के भुला गइल जे ओह लोग के धरती पर बनवले रहलन; आ धरती के निवासी लोग ओह घरी हर आदमी आपन देवता बनवले रहे। लकड़ी आ पत्थर के देवता जे ना बोल पावत रहले, ना सुन सकत रहले, ना बचाव पावत रहले, आ आदमी के बेटा ओह लोग के सेवा करत रहले आ ऊ लोग ओह लोग के देवता बन गइलन.

7 राजा आ उनकर सब नौकर आ तेरा उनकर घर के घर के लोग के साथे लकड़ी आ पत्थर के देवता के सेवा करे वाला लोग में सबसे पहिले रहले।

8 साल के बारह महीना के बाद तेरा के लकड़ी आ पत्थर से बनल बारह गो देवता रहले आ ऊ हर महीना हर महीना परोसत रहले आ हर महीना तेरा अपना देवता लोग के आपन अन्नबलि आ पेयबलि लेके आवत रहले। एही तरे तेरा दिन भर करत रहली।

9 ऊ सब पीढ़ी प्रभु के नजर में दुष्ट रहलन आ एह तरह से हर आदमी के आपन देवता बना लिहलन बाकिर ऊ लोग ओह प्रभु के छोड़ दिहलन जे ओह लोग के रचले रहले.

10 ओह दिन में पूरा धरती में कवनो आदमी ना मिलल जे प्रभु के जानत होखे (काहे कि ऊ लोग हर आदमी अपना भगवान के सेवा करत रहे) सिवाय नूह आ उनकर घर के लोग के आ उनकर सलाह के अधीन सब लोग ओह दिन में प्रभु के जानत रहे।

11 ओह दिनन में नूह के घर में तेरा के बेटा अब्राम बड़ होत रहले आ केहू के पता ना चलल आ प्रभु उनका साथे रहले।

12 परमेस् वर अब्राम के एगो समझदार दिल दे दिहलन आ उ जानत रहलन कि ओह पीढ़ी के सब काम बेकार बा आ उनकर सब देवता बेकार हउवें आ कवनो फायदा नइखे।

13 अब्राम धरती पर सूरज के चमकत देखलन आ अब्राम मन ही मन कहलन कि अब ई सूरज जवन धरती पर चमकत बा ऊ भगवान हवें आ हम उनकर सेवा करब।

14 अब्राम ओह दिन सूरज के सेवा कइलन आ ऊ उनकरा से प्रार्थना कइलन आ जब साँझ हो गइल त रोज निहन सूरज डूब गइल त अब्राम मन में कहले, "सचहूँ ई भगवान ना हो सकेलें?"

15 अब्राम अबहियों अपना मन में कहत रहले कि, "आकाश आ धरती के बनावे वाला के ह?" धरती पर के रचना कइले बा? ऊ कहाँ बा?

16 रात ओकरा पर अन्हार हो गइल आ ऊ पश्चिम, उत्तर, दक्खिन आ पूरब के ओर आँख उठा के देखलन कि धरती से सूरज गायब हो गइल बा आ दिन अन्हार हो गइल बा.

17 अब्राम अपना सोझा तारा आ चाँद देख के कहले, "सचहूँ इहे भगवान हवें जे पूरा धरती के संगे-संगे आदमी के भी बनवले बाड़े अवुरी देख, उनुकर सेवक उनुका चारो ओर के देवता हवे।
18 सबेरे जब उजाला भइल आ सूरज हमेशा निहन धरती पर चमकल त अब्राम के उ सब चीज देखाई देलस जवन प्रभु परमेश्वर धरती प बनवले बाड़े।
19 अब्राम मन ही मन कहले कि इ धरती अवुरी पूरा मानव जाति के बनावे वाला देवता ना हवे, बालुक इ भगवान के सेवक हवे, अवुरी अब्राम नूह के घर में रहले अवुरी उहाँ प्रभु अवुरी उनुकर रास्ता जानत रहले' अवुरी उ अपना जीवन भर प्रभु के सेवा कईले अवुरी उ पूरा पीढ़ी प्रभु के भूला गईल अवुरी लकड़ी अवुरी पत्थर के अवुरी देवता के सेवा कईले अवुरी पूरा दिन विद्रोह कईले।
20 राजा निमरोद सुरक्षित रूप से राज कइलन आ पूरा धरती उनकर नियंत्रण में रहे आ पूरा धरती एके भाषा आ एकजुट के शब्दन के रहे।
21 निमरोद के सब सरदार आ ओकर बड़का लोग एक संगे सलाह-मशवरा कईले। फुत, मित्सरैम, कुश आ कनान अपना परिवार के साथे आ ऊ लोग एक दूसरा से कहलस, "आ जा हमनी के अपना खातिर एगो शहर बनाईं जा आ ओकरा में एगो मजबूत बुर्ज बनाईं जा, आ ओकर चोटी स्वर्ग तक पहुँच जाईं जा, आ हमनी के अपना के नामी बना देब जा, ताकि हमनी के पूरा दुनिया पर राज कर सकीले, ताकि हमनी के दुश्मनन के बुराई हमनी से खतम हो जाव, ताकि हमनी के ओह लोग पर ताकत से राज कर सकीले, आ हमनी के बिखराव ना जाइ जा धरती के अपना युद्ध के चलते।
22 उ सब राजा के सोझा गईले अवुरी राजा के इ बात बतवले अवुरी राजा ए मामला में ओ लोग के बात से सहमत हो गईले अवुरी उ अयीसन कईले।
23 लगभग छह लाख आदमी के सब परिवार एकट्ठा हो गईले अवुरी उ लोग शहर अवुरी बुर्ज के बनावे खाती एगो विस्तृत जमीन के खोज करे गईले अवुरी पूरा धरती में खोजत रहले अवुरी करीब दु दिन के पैदल दूरी प शिनार के पूरब में कवनो घाटी निहन कवनो घाटी ना मिलल, अवुरी उ लोग उहाँ चल गईले अवुरी उहाँ रह गईले।
24 ऊ लोग ईंट बनावे आ आग जरा के शहर आ बुर्ज के निर्माण करे लगले जवना के पूरा करे के कल्पना कइले रहले।
25 आऊ बुर्ज के निर्माण ओह लोग खातिर एगो अपराध आ पाप रहे आ ऊ लोग एकरा के बनावे लगलन आ जब ऊ लोग स्वर्ग के परमेश्वर प्रभु के खिलाफ निर्माण करत रहे तब ऊ लोग अपना मन में कल्पना कइल कि ऊ लोग उनकरा खिलाफ लड़ाई करी आ स्वर्ग में चढ़ जाईं।
26 ई सब लोग आ सब कुल तीन भाग में बँट गइल। पहिला कहलस कि हम स्वर्ग में चढ़ब आ ओकरा से लड़ब; दूसरा कहलस कि हमनी के स्वर्ग में चढ़ के आपन देवता के ओहिजा रख के ओह लोग के सेवा करब जा। आ तीसरा भाग कहलस कि हमनी के स्वर्ग में चढ़ के ओकरा के धनुष आ भाला से मार देब जा। परमेस् वर ओह लोग के सब काम आउर सब बुरा विचार के जानत रहलन, आऊ उ शहर आ बुर्ज के देखले जवन उ लोग बनावत रहे।
27 जब ऊ लोग बनत रहे त ऊ लोग अपना खातिर एगो बड़हन शहर आ बहुते ऊँच आ मजबूत बुर्ज बनवले. आ एकरे ऊँचाई के कारण मोर्टार आ ईंट बिल्डर लोग के लगे चढ़े में ना पहुँचल, जबले कि ऊपर जाए वाला लोग पूरा साल पूरा ना हो गइल आ एकरे बाद बिल्डर लोग के लगे पहुँच के मोर्टार आ ईंट दे दिहल; एह तरह से रोज कइल जात रहे।
28 आ देखऽ कि ई लोग पूरा दिन चढ़ल आ अउरी लोग नीचे उतरल। आ अगर कवनो ईंट ओह लोग के हाथ से गिर के टूट जाव त सभे ओकरा पर रोवे आ अगर कवनो आदमी गिर के मर जाव त केहू ओकरा ओर ना देखत रहे.
29 प्रभु ओह लोग के विचार के जान गइलन आ जब ऊ लोग निर्माण करत रहे त ऊ लोग तीर के आकाश के ओर फेंक दिहल आ सब तीर ओह लोग पर खून से भरल गिर गइल आ जब ऊ लोग ओह लोग के देख के ऊ लोग एक दोसरा से कहल कि, "हमनी के ओह सब लोग के मार देले बानी जा जवन स्वर्ग में बा।"
30 काहेकि ई प्रभु के ओर से रहे ताकि उ लोग के गलती होखे आ क्रम में हो सके। जमीन के मुँह से नाश करे खातिर।
31 ऊ लोग बुर्ज आ शहर के निर्माण कइल आ ई काम रोज करत रहे जबले कि बहुत दिन आ साल ना बीत गइल।
32 भगवान अपना सामने सबसे आगे खड़ा सत्तर गो स्वर्गदूतन से कहलन कि, "आके हमनी के उतर के ओह लोग के जीभ के भ्रमित कर दीं कि एक आदमी अपना पड़ोसी के भाषा ना समुझ पावे आ ऊ लोग ओह लोग के साथे अईसन कइल।"
33 ओकरा बाद के दिन से ऊ लोग हर आदमी अपना पड़ोसी के जीभ भुला गइल आ एक भाषा में बोलल ना समुझ पावत रहे आ जब बिल्डर अपना पड़ोसी के हाथ से चूना भा पत्थर ले लेत रहे जवन ऊ ना मंगले रहे त बिल्डर ओकरा के फेंक के अपना पड़ोसी पर फेंक देत रहे कि ऊ मर जाव.
34 उ लोग एतना दिन तक अयीसन कईले अवुरी उ लोग ओ लोग में से बहुत लोग के ए तरीका से मार देले।
35 प्रभु ओहि तीन गो दल के मार दिहलन आ ओह लोग के काम आ योजना के हिसाब से सजा दिहलन. जे कहत रहे कि हमनी के स्वर्ग में चढ़ के अपना देवता के सेवा करब जा, उ लोग वानर आ हाथी निहन हो गईले। आ जे लोग कहत रहे कि हम आकाश के तीर से मार देब, प्रभु ओ लोग के मार दिहले, एक आदमी के अपना पड़ोसी के हाथ से। आ जे लोग कहत रहे कि हम स्वर्ग में चढ़ब आ ओकरा से लड़ब, ओह लोग के तीसरा विभाजन, प्रभु ओह लोग के पूरा धरती पर बिखर दिहले।
36 आ जे लोग ओह लोग के बीच में बचल रहे, जब उ लोग अपना पर आवे वाला बुराई के जान गईले अवुरी समझ गईले, त उ लोग इमारत के छोड़ देले अवुरी पूरा धरती प बिखरा गईले।
37 ऊ लोग शहर आ बुर्ज के निर्माण बंद कर दिहल। एह से ऊ ओह जगह के बाबेल रखलन, काहे कि उहाँ प्रभु पूरा धरती के भाषा के भ्रमित कर दिहलन; देखऽ ऊ शिनार देश के पूरब में रहे।
38 रहल बात आदमी के बेटा जवन बुर्ज बनवले रहले त धरती आपन मुंह खोल के ओकर एक तिहाई हिस्सा निगल गईल अवुरी आकाश से आग उतर के एगो तिहाई हिस्सा जरा देलस, अवुरी दूसरा तिहाई आज तक बाचल बा, अवुरी इ ओ हिस्सा के बा जवन कि ऊपर रहे अवुरी एकर परिधि तीन दिन के पैदल दूरी प बा।
39 ओह बुर्ज में बहुत सारा आदमी के बेटा मर गइलन, जवन लोग के गिनती ना रहे।

अध्याय 10 के बा

1 ओही दिन में तेरा के बेटा अब्राम के जीवन के अड़तालीसवाँ साल में एबर के बेटा पेलेग के मौत हो गइल आ पेलेग के पूरा उमिर दू सौ उनतीस साल रहल।
2 जब प्रभु आदमी के बेटा के पाप के चलते बुर्ज प बिखर देले, त देख, उ लोग बहुत विभाजन में फैल गईले अवुरी सभ आदमी के बेटा धरती के चार कोना में तितर-बितर हो गईले।
3 सब परिवार हर एक अपना भाषा, अपना देश भा शहर के हिसाब से बनल।
4 आदमी के बेटा अपना परिवार के हिसाब से बहुत शहर बनवले, जवना जगह प उ लोग गईल रहले अवुरी पूरा धरती प जहां प्रभु ओ लोग के तितर-बितर कईले रहले।
5 ओह लोग में से कुछ लोग ओह जगहन पर शहर बनवले जवना से ऊ लोग बाद में सफाया हो गइल रहे आ ऊ लोग एह शहरन के अपना नाम से, भा अपना लइकन के नाम पर भा अपना खास घटना के हिसाब से रखले रहे.
6 नूह के बेटा याफेत के बेटा लोग जाके जहाँ बिखराइल रहे, ओहिजा अपना खातिर शहर बनवले आ अपना सब शहरन के अपना नाम पर रखले आ याफेत के बेटा धरती पर कई गो बँटवारा आ भाषा में बँट गइले।
7 याफेत के बेटा गोमेर, मागोग, मेदाई, जवान, तुबल, मेशेक आ तीरास हवें। ई याफेत के संतान अपना पीढ़ी के हिसाब से हवें।
8 गोमेर के संतान अपना शहर के हिसाब से फ्रांकम रहले, जवन फ्रांजा के देश में, फ्रांजा नदी के किनारे, सेना नदी के किनारे रहेले।
9 रेफाथ के संतान बार्टोनिम हवें जे लेदा नदी के किनारे बरतोनिया के देश में रहेलें, जवन बड़का सागर गिहोन यानी ओशनस में आपन पानी खाली कर देले।
10 तुगरमा के संतान दस गो परिवार हवें आ उनकर नाम इहे ह: बुजर, परजुनाक, बलगर, एलिकनम, रगबीब, तरकी, बिद, जेबुक, ओंगल आ तिलमाज। ई सब लोग उत्तर में फइलल आ आराम कइल आ अपना खातिर शहर बनवलस।
11 उ लोग अपना शहर के अपना नाम से रखले, उहे लोग ह जवन आज तक हिथला आ इटालाक नदी के किनारे बा।
12 लेकिन अंगोली, बालगर आ परजुनाक के परिवार दुबनी के बड़ नदी के किनारे रहेला। आ ओह लोग के शहरन के नाम भी ओह लोग के नाम के हिसाब से बा।
13 जावन के संतान मकदोनिया के देश में रहे वाला जवानी हवें आ मेदयारे के संतान ओरेलम हवें जे कर्सन देश में रहेलें आ तुबल के संतान पशिया नदी के किनारे तुस्काना के देश में रहे वाला हवें।
14 मेशेक के संतान शिबश्री आ तिरास के संतान रुशाश, कुशनी आ ओन्गोली हवें। ई सब लोग जाके अपना खातिर शहर बनवले। ऊ शहर हवें जे समुंद्र के किनारे जबस के किनारे क्यूरा नदी के किनारे स्थित बाड़ें, जवन त्रागन नदी में खाली हो जाले।
15 एलीशा के संतान अलमानी हवें आ ऊ लोग भी जाके अपना खातिर शहर बनवले। ऊ शहर ह जवन अय्यूब आ शिबथमो पहाड़ के बीच में बा; आ ओहमें से लुम्बार्डी के लोग रहे जे अय्यूब आ शिबथमो पहाड़न के सामने रहेला आ ऊ लोग इटली के देश जीत के आजु ले ओहिजा रह गइल.
16 कित्तीम के संतान रोमी लोग हवें जे तिब्रू नदी के किनारे कनोपिया घाटी में रहेलें।
17 दुदोनीम के संतान उ लोग हवें जे बोरदना के देश में गिहोन समुंदर के शहरन में रहेलें।
18 ई याफेत के लोग के घराना हवें, जब ऊ लोग बुर्ज के बाद बिखराइल रहलन आ अपना शहरन के नाम आ घटना के हिसाब से बोलावत रहलन। आ ऊ लोग अपना परिवार के हिसाब से ओह लोग के सगरी शहरन के नाम ह जवन ऊ लोग बुर्ज के बाद ओह दिनन में बनवले रहुवे.
19 हाम के संतान अपना पीढ़ी आ शहर के हिसाब से कुश, मित्रैम, फुत आ कनान रहलन।
20 ई सब लोग जाके आपन शहर बना के अपना पुरनका लोग के नाम से कुश, मित्सरैम, फुत आ कनान के नाम से रखले।
21 मित्सरैम के संतान लुदीम, अनामिम, लेहाबी, नफ्तुकीम, पथरुसीम, कस्लुकीम आ कफ्तुरीम, सात गो परिवार हवें।
22 ई सब लोग सिहोर नदी के किनारे रहेला, जवन कि मिस्र के धार ह, आ उ लोग अपना खातिर शहर बना के अपना नाम से रखले बाड़े।
23 पथ्रोस आ कास्लोच के संतान एक संगे बियाह कईले अवुरी ओ लोग से पांचों परिवार में पेलिष्टिम, अजातिम, गेरारीम, गिथिम अवुरी एक्रोनिम निकलल। ई लोग भी अपना खातिर शहर बनवले आ आजु ले अपना शहरन के अपना पुरखन के नाम पर रखले बा।
24 कनान के लोग भी अपना खातिर शहर बनवले आ अपना शहरन के अपना नाम पर रखले, एगारह गो शहर आ अउरी लोग के गिनती ना कइल।
25 हाम के कुल के चार आदमी मैदान के देश में चल गईले। इहे चार आदमी के नाम ह, सदोम, अमोरा, अदमा आ जबबोयम।
26 ई लोग मैदान के देश में अपना खातिर चार गो शहर बनवले आ अपना शहरन के नाम अपना नाम पर रखले।
27 उ लोग आ उनकर लइका आ उनकर सब लोग ओह शहरन में रहत रहलन आ ऊ लोग फल-फूलत रहलन आ बहुत बढ़ गइलन आ शांति से रहत रहलन।
28 कनान के बेटा हिवी के बेटा हूर के बेटा सेइर जाके पारन पहाड़ के सामने एगो घाटी मिलल आ उहाँ एगो शहर बनवलस आ उ आपन सात गो बेटा आ उनकर घर के लोग उहाँ रह गइल आ जवना शहर के ऊ बनवले रहलन ओकरा के अपना नाम के हिसाब से सेइर रख दिहलस। उ आज तक सेइर के देश ह।
29 ई हाम के संतान के घराना ह, जब उ लोग बुर्ज के बाद अपना देश में बिखराइल रहले।
30 एबर के सब संतान के पिता नूह के बेटा शेम के कुछ संतान भी जाके अपना खातिर शहर बनवले, जवना जगह प उ लोग बिखराइल रहले अवुरी अपना शहर के अपना नाम प रखले।
31 शेम के बेटा एलाम, अशूर, अर्पचशाद, लूद आ अराम रहलन आ ऊ लोग अपना खातिर शहर बनवले आ अपना सगरी शहरन के नाम ओह लोग के नाम पर रखले.
32 शेम के बेटा अशूर आ उनकर लइका-लइकी आ घर के लोग ओह घरी निकल गइलन, आ ऊ लोग एगो दूर के देश में चल गइल जवन ऊ लोग मिलल, आ जवना देश में ऊ लोग गइल रहे, ओह देश में ऊ लोग एगो बहुते बड़हन घाटी से मिलल आ ऊ लोग अपना खातिर चार गो शहर बनवल आ ऊ लोग ओह लोग के अपना नाम आ घटना के हिसाब से बोलवल.

33 अशूर के लोग जवन शहर बनवले रहले, ओकर नाम इहे ह, नीनवा, रेसेन, कलाख अवुरी रेहोबोतेर। आजु ले अशूर के लोग ओहिजा रहेला।
34 अराम के लोग भी जाके अपना खातिर एगो शहर बनवले, आ उ लोग अपना बड़ भाई के नाम पर शहर के नाम उज रखले। उ आज तक उज के देश ह।
35 बुर्ज के बाद दूसरा साल में अशूर के घर के एगो आदमी, जेकर नाम बेला रहे, उ नीनवा के देश से अपना घर के लोग के संगे जहाँ-जहाँ जगह मिलल, उहाँ रह गईले। उ लोग सदोम के खिलाफ मैदान के शहरन के सामने तक पहुंचले अवुरी उहाँ रह गईले।
36 ऊ आदमी उठ के ओहिजा एगो छोट शहर बनवलस आ ओकर नाम बेला रखलस। उ आज तक सोअर के देश ह।
37 बुर्ज के बाद धरती पर बिखरावला के बाद ई शेम के लोग के परिवार अपना भाषा आ शहर के हिसाब से बा।
38 नूह के संतान के परिवार के हरेक राज्य, शहर अवुरी परिवार एकरा बाद अपना खाती बहुत शहर बनवले।
39 उ लोग अपना सब शहर में सरकार के स्थापना कईले, ताकि उ लोग के आदेश के मुताबिक नियमन हो सके। नूह के संतान के सब परिवार हमेशा खातिर भी अइसने रहल।

अध्याय 11 के बा

1 कुश के बेटा निमरोद अभी भी शिनार देश में रहले अवुरी उ ओकरा प राज करत रहले अवुरी उहाँ रहत रहले अवुरी शिनार देश में शहर बनवले।
2 ऊ चारो शहरन के नाम ह जवन ऊ बनवले रहले आ ओह लोग के नाम बुर्ज के निर्माण में भइल घटना के नाम पर रखले रहले.
3 उ पहिला बाबेल के बोलवले, "काहे कि प्रभु उहाँ पूरा धरती के भाषा के गड़बड़ा दिहले। दूसरा के नाम उ एरेक रखले, काहे कि उहाँ से परमेश्वर ओ लोग के तितर-बितर क देले।
4 तीसरा के ऊ एचेद के बोलवले आ कहलन कि ओहिजा बहुत बड़ लड़ाई हो रहल बा। चउथा के ऊ कल्ना के बोलवले, काहे कि ओकर राजकुमार आ पराक्रमी लोग ओहिजा खतम हो गइल रहे आ ऊ लोग प्रभु के परेशान कइल, ऊ लोग ओकरा खिलाफ विद्रोह कइल आ उल्लंघन कइल.
5 जब निमरोद शिनार देश में ई शहर बनवले त अपना राज्य में बचल लोग के बाकी लोग, आपन राजकुमार आ पराक्रमी लोग के एह शहर में रख दिहलन।
6 निमरोद बाबेल में रह गइलन आ उहाँ ऊ अपना बाकी प्रजा पर आपन राज नवीकरण कइलन आ सुरक्षित रूप से राज कइलन आ निमरोद के प्रजा आ राजकुमार लोग उनकर नाम अम्राफेल रखल आ कहल कि बुर्ज पर उनकर राजकुमार आ आदमी उनकरा साधन से गिर गइलन।
7 आ एकरा बावजूद निमरोद प्रभु के लगे ना लवटल आ आदमी के बेटा लोग के दुष्टता आ दुष्टता सिखावत रहलन। आ उनकर बेटा मार्डन अपना बाप से भी बुरा रहे आ अपना बाप के घिनौना काम में अउरी बढ़ोतरी करत रहे।
8 ऊ आदमी के बेटा लोग के पाप कर दिहलन, एही से कहल जाला कि, "दुष्ट से दुष्टता निकलेला।"
9 ओह घरी हाम के संतान के परिवारन के बीच लड़ाई भइल रहे, काहे कि ऊ लोग ओह शहरन में रहत रहे जवन ऊ लोग बनवले रहे।
10 एलाम के राजा कदोर्लाओमेर हाम के संतान के परिवार से दूर हो गईले अवुरी उ ओ लोग के संगे लड़ाई कईले अवुरी उ लोग के अपना वश में क लेले, अवुरी उ मैदान के पांच शहर में गईले अवुरी उ ओ लोग के खिलाफ लड़ाई कईले अवुरी उ ओ लोग के अपना वश में क लेले अवुरी उ लोग उनुका नियंत्रण में आ गईले।
11 उ लोग बारह साल तक उनकर सेवा कईले अवुरी सालाना कर देत रहले।
12 ओही समय तेरा के बेटा अब्राम के उनतालीसवाँ साल में सेरुग के बेटा नाहोर के मौत हो गईल।
13 तेरा के बेटा अब्राम के जीवन के पचासवाँ साल में अब्राम नूह के घर से निकल के अपना पिता के घरे चल गईले।
14 अब्राम प्रभु के जान गईले अवुरी उ अपना रास्ता अवुरी निर्देश के मुताबिक चल गईले अवुरी उनुकर परमेश्वर प्रभु उनुका संगे रहले।
15 ओह घरी उनकर बाप तेरा राजा निमरोद के सेना के सेनापति रहले आ ऊ अबहियों पराया देवता के पीछे चलत रहले।
16 अब्राम अपना पिता के घरे पहुंचले त बारह गो देवता के मंदिर में खड़ा देखले अवुरी अपना पिता के घर में इ मूर्ति देख के अब्राम के गुस्सा आ गईल।
17 अब्राम कहले, "जइसे प्रभु जीयत बाड़े, इ मूर्ति हमरा पिता के घर में ना रही। हमरा के बनावे वाला प्रभु भी हमरा साथे करीहे अगर तीन दिन में हम ओह सब के ना तोड़ब।
18 अब्राम ओह लोग से दूर हो गइलन आ उनकर क्रोध उनका भीतर जरत रहे। अब्राम जल्दी-जल्दी कोठरी से अपना पिता के बाहरी आँगन में चल गईले, त उ अपना पिता के आँगन में बईठल देखले अवुरी उनुकर सभ नौकर उनुका संगे रहले अवुरी अब्राम उनुका सोझा आके बईठ गईले।
19 अब्राम अपना पिता से पूछले, "बाबूजी, बताव कि आकाश आ धरती, आ धरती पर मनुष्य के सब संतान के रचना करे वाला भगवान कहां बाड़े, आ तोहरा आ हमरा के रचले बाड़े।" तेरा अपना बेटा अब्राम के जवाब देके कहलस, "देखऽ, जे हमनी के रचले बा, उ सब घर में हमनी के साथे बा।"
20 अब्राम अपना बाप से कहले, "हे मालिक, हमरा से ई सब देखा द। तेरा अब्राम के भीतरी आँगन के कोठरी में ले अइले त अब्राम देखले कि पूरा कमरा लकड़ी आ पत्थर के देवता से भरल बा, बारह गो बड़हन मूर्ति आ अउरी मूर्तियन से कम बा।
21 तेरा अपना बेटा से कहलस, "देखऽ, इहे लोग ह जवन तोहरा धरती पर देखाई देवे वाला सब कुछ बनवले बा, आ हमरा आ तोहरा आ सब मनुष्य के रचले बा।
22 तेरा अपना देवता लोग के प्रणाम कइलन आ ओकरा बाद ऊ ओह लोग से दूर हो गइलन आ उनकर बेटा अब्राम भी उनकरा साथे चल गइलन।
23 जब अब्राम ओह लोग से चल गइलन त ऊ अपना महतारी के लगे गइलन आ ओकरा सोझा बइठ गइलन आ अपना महतारी से कहलन, "देखऽ, हमार बाबूजी हमरा के ऊ लोग देखा दिहले बाड़न जे आकाश आ धरती आ सब आदमी के बेटा बनवले बाड़न."
24 अब जल्दी से एगो बछड़ा के झुंड से ले आवऽ आ ओकरा से स्वादिष्ट भोजन बनाईं ताकि हम ओकरा के अपना बाप के देवता

लोग के खाए खातिर चढ़ावे के रूप में ले आ सकीले। शायद एहसे हम ओह लोग के स्वीकार्य हो सकेनी.

25 ओकर महतारी अइसन कइली आ ऊ एगो बछड़ा लेके ओकरा से स्वादिष्ट मांस बना के अब्राम के लगे ले अइली आ अब्राम अपना महतारी से स्वादिष्ट मांस लेके अपना बाप के देवता लोग के सोझा ले अइले आ ऊ ओह लोग के नजदीक आ गइलन कि ऊ लोग खा सके. आ ओकर बाप तेरह के एकर जानकारी ना रहे।

26 अब्राम ओह दिन ओह लोग के बीच में बइठल देखलन कि ओह लोग के आवाज ना रहे, ना सुनल रहे, ना कवनो हलचल रहे, आ ओह लोग में से केहू भी खाना खाए खातिर हाथ ना बढ़ा सकत रहे।

27 अब्राम ओह लोग के मजाक उड़ावत कहले, "हम जवन सुगंधित मांस बनवले बानी ऊ ओह लोग के खुश नइखे कइले, भा शायद ई ओह लोग खातिर बहुते कम रहे आ एही से ऊ लोग ना खइले. एहसे काल्हु हम ताजा स्वादिष्ट मांस तइयार करब, जवन एकरा से बढ़िया आ भरपूर होखे, जेहसे कि एकर परिणाम देख सकीलें.

28 अगिला दिने अब्राम अपना महतारी के स्वादिष्ट मांस के बारे में निर्देश दिहलन आ ओकर महतारी उठ के झुंड से तीन गो बढ़िया बछड़ा ले अइली आ ओह लोग से कुछ बढ़िया स्वादिष्ट मांस बनवली जवना के उनकर बेटा बहुते पसंद करत रहे आ ऊ अपना बेटा अब्राम के दे दिहली. आ ओकर बाप तेरह के ई बात ना मालूम रहे।

29 अब्राम अपना महतारी से स्वादिष्ट मांस लेके अपना पिता के देवता लोग के सामने कोठरी में ले अइले। उ लोग खाना खाए खातिर ओकरा लगे पहुंचले अवुरी ओकरा के ओ लोग के सोझा रखले अवुरी अब्राम दिन भर ओ लोग के सोझा बईठल रहले अवुरी इ सोचत रहले कि शायद उ लोग खा सकतारे।

30 अब्राम ओह लोग के देख के देखलन कि ओह लोग के ना त आवाज रहे ना सुनवाई के क्षमता रहे आ ना ही ओह लोग में से केहू खाना खाए खातिर हाथ बढ़वले रहे।

31 ओह दिन साँझ के ओह घर में अब्राम परमेस् वर के आत् मा के कपड़ा पहिनले रहले।

32 ऊ चिल्ला के कहलन, "हाय हमार बाबूजी आ एह दुष्ट पीढ़ी के, जेकर दिल सब आडंबर के ओर झुकल बा, जे लकड़ी आ पत्थर के एह मूर्तियन के सेवा करेला जवन ना त खा सकेला, ना सूंघ सकेला, ना सुन सकेला, ना बोल सकेला, जेकर मुँह बिना बोलल, आँख ना देख पावे, कान बिना सुनले, हाथ बिना महसूस करे आ गोड़ जवन ना हिल पावेला। जइसे कि ओह लोग के होला जे ओह लोग के बनवले बा आ जे ओह लोग पर भरोसा करेला.

33 अब्राम के ई सब देख के उनकर गुस्सा अपना बाप पर भड़क गइल आ ऊ जल्दी से हाथ में कुल्हाड़ी लेके देवता लोग के कोठरी में आ गइलन आ ऊ अपना बाप के सभ देवता के तोड़ दिहलन।

34 ऊ मूर्ति के तोड़ के ऊ कुल्हाड़ी ओह महान देवता के हाथ में रख दिहलन आ ऊ बाहर निकल गइलन. उनकर बाप तेरा घरे अइले, काहे कि उ दुआर पर कुल्हाड़ी के चोट के आवाज सुनले रहले। त तेरा घर में घुस गईली कि इ जानस कि इ का बारे में बा।

35 तेरा मूर्ति के कोठरी में कुल्हाड़ी के आवाज सुन के मूर्ति के कमरा में भाग गईले अवुरी उ अब्राम से बाहर निकलत मुलाकात कईले।

36 तेरा कोठरी में घुस के देखलन कि सब मूर्ति गिरल आ टूटल बा आ सबसे बड़ मूर्ति के हाथ में कुल्हाड़ी जवन ना टूटल रहे आ उनकर बेटा अब्राम के बनावल स्वादिष्ट मांस अभी भी ओह लोग के सामने रहे।

37 जब तेरा ई देख के उनकर गुस्सा बहुत भड़क गइल आ ऊ जल्दी से कमरा से अब्राम के लगे चल गइलन।

38 उ अपना बेटा अब्राम के घर में अभी तक बईठल देखले। ऊ ओकरा से कहलस, "तू हमरा देवता लोग के का कइले बाड़ऽ?"

39 अब्राम अपना बाप तेराह के जवाब दिहलन आ कहलन कि, "अइसन ना हे मालिक, काहे कि हम ओह लोग का सोझा स्वादिष्ट मांस ले के अइनी आ जब हम ओह लोग के लगे ओह मांस ले के अइनी कि ऊ लोग खा सके त ऊ लोग एके बेर में हाथ बढ़ा के खाए खातिर बढ़ल जबले कि बड़का के हाथ बढ़ावल जाव.

40 बड़का ओह लोग के काम देखलस जवन ऊ लोग ओकरा से पहिले कइले रहे आ ओकर क्रोध ओह लोग पर जोरदार भड़क गइल आ ऊ जाके घर में जवन कुल्हाड़ी रहे ओकरा के लेके ओह लोग के लगे आके सबके तोड़ दिहलस आ देखलस कि कुल्हाड़ी अभी तक ओकरा हाथ में बा जइसन कि तू देखत बाड़ू।

41 जब तेरा के गुस्सा अपना बेटा अब्राम पर भड़क गईल। तेरा अपना बेटा अब्राम से गुस्सा में कहलस, "ई का कहानी बा जवन तू बतवले बाड़ू?" तू हमरा से झूठ बोलत बाड़ू।

42 का एह देवता लोग में आत्मा, आत्मा भा शक्ति बा कि तू हमरा के जवन कुछ कहले बाड़ू ओकरा के पूरा कर सके? का ई लकड़ी आ पत्थर ना ह आ का हम खुदे ना बनवले बानी आ का तू अइसन झूठ बोल सकत बाड़ऽ कि ओह लोग के साथे रहल बड़का देवता ओह लोग के मार दिहलसि? तू ही ओकरा हाथ में कुल्हाड़ी रखले बाड़ू, आ फेर कहत बाड़ू कि ऊ सबके मार दिहलस।

43 अब्राम अपना बाप से कहलन, "तब तू एह मूर्तियन के सेवा कइसे करऽ, जेकरा में कवनो काम करे के अधिकार नइखे?" का ऊ मूर्ति जवना पर तू भरोसा करत बाड़ू, ऊ तोहरा के बचा सकेला? का ऊ लोग तोहार प्रार्थना सुन सकेला जब तू ओह लोग के पुकारत बाड़ऽ? का ऊ लोग तोहरा के दुश्मनन के हाथ से बचा सकेला भा तोहरा दुश्मनन से तोहरा खातिर लड़ाई लड़ी कि तू लकड़ी आ पत्थर के सेवा करऽ जवन ना बोल सके आ ना सुन सके?

44 अब तोहरा खातिर आ तोहरा से जुड़ल आदमी के बेटा खातिर ई काम कइल ठीक नइखे। का रउवा अतना मूर्ख बानी, अतना मूर्ख बानी भा एतना कम समझ में बानी कि लकड़ी आ पत्थर के सेवा करब, आ एही तरह से करब?

45 आ प्रभु परमेश्वर के भुला जाईं जे आकाश आ धरती बनवले बाड़न आ धरती में तोहनी के रचले बाड़न आ एह से पत्थर आ लकड़ी के सेवा करके एह मामिला में रउरा सभे के आत्मा पर एगो बड़हन बुराई ले आवत बानी?

46 का हमनी के पुरखन के दिन में एह बात में पाप ना कइले रहले आ ब्रह्मांड के परमेश्वर प्रभु जलप्रलय के पानी ओह लोग पर ले अइले आ पूरा धरती के नाश कर दिहले रहले?

47 आ तूँ ई काम कइसे करत रहबऽ आ लकड़ी आ पत्थर के देवता के सेवा कइसे कर सकेनी, जे सुन ना सके, ना बोल सके, ना तोहरा के अत्याचार से मुक्त कर सकेले, जवना से ब्रह्मांड के भगवान के क्रोध तोहरा पर गिर जाई?

48 अब हमार बाबूजी एकरा से परहेज करऽ आ तोहरा आ तोहरा घर के लोग पर बुराई मत ले आवऽ।
49 अब्राम जल्दी-जल्दी अपना बाप के सामने से उछल के अपना पिता के सबसे बड़ मूर्ति से कुल्हाड़ी लेके चल गईले, जवना से अब्राम ओकरा के तोड़ के भाग गईले।
50 अब्राम के सब काम देख के तेरा जल्दी से अपना घर से निकल गईले अवुरी उ राजा के लगे गईले अवुरी उ निमरोद के सोझा आके उनुका सोझा खड़ा हो गईले अवुरी उ राजा के प्रणाम कईले। राजा कहलस, "तोहरा का चाहीं?
51 ऊ कहलन, "हम हमार मालिक तोहरा से निहोरा करत बानी कि हमार बात सुनी--अब पचास साल पहिले हमरा खातिर एगो लइका पैदा भइल रहे आ ऊ हमरा देवता लोग के साथे अइसन कइले बा आ ई बात कहले बा। आ अब हे हमार मालिक आ राजा, ओकरा के बोलावऽ कि ऊ तोहरा सोझा आके ओकरा के कानून के अनुसार न्याय करस, ताकि हमनी के ओकरा बुराई से मुक्ति मिल सके।
52 राजा अपना तीन गो नौकरन के भेज के अब्राम के राजा के सोझा ले अइले। ओह दिन निमरोद आ उनकर सब राजकुमार आ नौकर उनकरा सोझा बइठल रहले आ तेरा भी उनकरा सोझा बइठल रहले।
53 राजा अब्राम से कहलस, "तू अपना बाप आ ओकर देवता लोग के साथे इ का कइले बाड़?" अब्राम अपना पिता से कहल बात में राजा के जवाब देले अवुरी कहले कि, "घर में ओ लोग के संगे जवन बड़ देवता रहले, उ उनुका संगे उहे कईले जवन तू सुनले बानी।"
54 राजा अब्राम से कहलस, "का उ लोग के बोले आ खाए के आ तोहरा कहला के काम करे के अधिकार रहे? अब्राम राजा के जवाब दिहलन, "अगर ओह लोग में कवनो शक्ति नइखे त तू ओह लोग के सेवा काहे करत बाड़ऽ आ आदमी के बेटा लोग के अपना मूर्खता से गलती काहे करत बाड़ऽ?
55 का तू सोचत हव कि उ लोग तोहरा के बचा सकेला भा कवनो छोट भा बड़ काम कर सकेला कि तू ओह लोग के सेवा करऽ? आ काहे ना तू पूरा ब्रह्मांड के भगवान के बोध करब, जे तोहरा के रचले बा आ जेकरा शक्ति में मारल आ जिंदा राखल बा?
56 0 मूर्ख, सरल आ अज्ञानी राजा, तोहरा पर हमेशा खातिर हाय।
57 हम सोचले रहनी कि तू अपना सेवकन के सीधा रास्ता सिखा देब, लेकिन तू अयीसन नईखी कईले, लेकिन पूरा धरती के अपना पाप अवुरी आपके रास्ता प चले वाला लोग के पाप से भर देले बानी।
58 का तू नइख जानत कि तू जवन बुराई करत बाड़, हमनी के पुरखा पहिले के दिन में पाप कइले रहलन आ अनन्त भगवान ओह लोग पर जलप्रलय के पानी ले अइले आ ओह सब के नाश कर दिहलन आ ओह लोग के चलते पूरा धरती के भी नाश कर दिहलन? आ का तू आ तोहार लोग अब उठ के एह काम जइसन करबऽ, ताकि ब्रह्मांड के परमेश्वर प्रभु के क्रोध के गिरावल जा सके आ तोहरा आ पूरा धरती पर बुराई हो सके?
59 अब तू जवन बुरा काम करत बाड़, ओकरा के छोड़ के ब्रह्मांड के भगवान के सेवा कर, जइसे तोहार आत्मा उनुका हाथ में बा, तब तोहार भलाई होई।
60 आ अगर तोहार दुष्ट दिल हमरा बात के ना सुनी कि तोहरा बुरा रास्ता छोड़ के अनन्त परमेश्वर के सेवा करीं, त का तू अंतिम दिन में, तू, तोहार लोग आ तोहरा से जुड़ल सब लोग, तोहार बात सुन के भा तोहरा बुरा रास्ता पर चलत, शर्मिंदा होके मरब।
61 जब अब्राम राजा आ राजकुमारन के सामने बोलल बंद कर दिहलन त अब्राम आकाश के ओर आँख उठा के कहले, "प्रभु सब दुष्टन के देखत बाड़न आ उनकर न्याय करीहें।"

अध्याय 12 के बा

1 राजा अब्राम के बात सुन के ओकरा के जेल में डाले के आदेश दिहलन। आ अब्राम दस दिन के जेल में रहले।
2 ओह दिनन के अंत में राजा आदेश दिहलन कि अलग-अलग प्रांत के सब राजा, राजकुमार आ राज्यपाल आ ऋषि लोग उनका सोझा आवे के चाहीं आ ऊ लोग उनका सोझा बइठल रहे आ अब्राम अबहीं ले कैद के घर में रहले.
3 राजा राजकुमार आ ऋषि-मुनि लोग से कहलस, "का रउआ सुनले बानी कि तेरा के बेटा अब्राम अपना बाप के का कईले बाड़े? उ ओकरा संगे अयीसन कईले बाड़े अवुरी हम उनुका के अपना सोझा ले आवे के आदेश देले बानी अवुरी उ अयीसन कहले बाड़े। ओकर दिल ओकरा से ना शक कइलस, ना हमरा सोझा हलचल कइलस, आ देखऽ अब ऊ जेल में बंद बा।
4 एह से तय करीं कि राजा के गारी देबे वाला एह आदमी के कवन न्याय होखे के चाहीं. जे तू जवन सुनले रहलू, उ सब बात कहले अवुरी कईले।
5 उ सब राजा के जवाब देले, "जे राजा के निंदा करेला ओकरा के पेड़ प फांसी दे दिहल जाए। लेकिन उ सब बात कईला के बाद अवुरी हमनी के देवता के तिरस्कार क के ओकरा के जरा के मार देवे के होई, काहेंकी ए मामला में इहे व्यवस्था बा।
6 अगर राजा के इ काम करे के मन करे त उ अपना नौकरन के आदेश देस कि उ आपके ईंट के भट्ठी में रात-दिन आग जरा देस अवुरी ओकरा बाद हमनी के ए आदमी के ओकरा में फेंक देब। राजा अइसन कइलन आ अपना नौकरन के आदेश दिहलन कि ऊ लोग राजा के भट्ठी में तीन दिन आ तीन रात खातिर आग जरा के राखे, जवन कि कासदीम में बा. राजा ओ लोग के आदेश दिहलन कि अब्राम के जेल से लेके ओकरा के जरा के बाहर ले आवल जाव।
7 राजा के सब नौकर, राजकुमार, मालिक, राज्यपाल, न्यायाधीश, आ देश के सब निवासी, लगभग नौ लाख आदमी, भट्ठी के सामने अब्राम के देखे खातिर खड़ा हो गईले।
8 सब मेहरारू आ छोट-छोट लइका छत आ बुर्ज पर भीड़ लगा के देखले कि अब्राम के का हो रहल बा। आ कवनो अइसन आदमी ना बचल जवन ओह दिन ओह दृश्य के देखे ना आइल होखे.
9 जब अब्राम अइले त राजा के जादूगर आ ऋषि लोग अब्राम के देख के राजा से चिल्ला के कहलस कि, "हमार सार्वभौम, निश्चय इहे उ आदमी हवे जेकरा के हमनी के जानत बानी जा कि उ लइका रहे, जेकरा जनम के समय महान तारा चार तारा के निगल गईल रहे, जवना के हमनी के अब पचास साल बाद राजा के बता देले रहनी जा।
10 देखऽ अब ओकर बाप भी तोहार आज्ञा के उल्लंघन कइले बा आ तोहरा खातिर एगो अउरी लइका ले के मजाक उड़ा दिहले बा, जवना के तू मार देले बाड़ू।

11 राजा ओह लोग के बात सुन के बहुते गुस्सा में आ गइलन आ ऊ तेरा के अपना सोझा ले आवे के आदेश दिहलन.
12 राजा कहलस, "का तू सुनले बाड़ू कि जादूगरन के कहल बात ह?" अब हमरा के साँच बतावऽ कि तू कइसे कइनी; आ अगर तू साँच बोलब त तू बरी हो जइबऽ.
13 राजा के क्रोध बहुत भड़कल देख के तेरा राजा से कहलस, "हे मालिक आ राजा, तू सच्चाई सुनले बाड़ू अवुरी ऋषि लोग जवन कहले बाड़े उ सही बा। राजा कहलन, "तू ई काम कइसे कर सकत रहलू कि हमार आदेश के उल्लंघन कर के हमरा के एगो अइसन लइका देके जवना के तू ना जनमले रहलू आ ओकरा खातिर मोल ले सकत रहलू?
14 तेरा राजा से कहली, "काहे कि ओह घरी हमरा बेटा खातिर हमार कोमल भाव उत्तेजित रहे, आ हम अपना दासी के एगो बेटा के लेके राजा के लगे ले गईनी।
15 राजा पूछले कि तोहरा के के सलाह दिहलस? बतावऽ, हमरा से कुछ मत छुपावऽ, तब तू ना मरबऽ।
16 राजा के सामने तेरा बहुत डेरा गईले अवुरी राजा से कहले, "हमरा के इ सलाह देवे वाला हमार बड़ बेटा हारान रहले। अब्राम के जनम के समय हारान दू तीस साल के रहले।
17 लेकिन हारान अपना बाप के कवनो बात के सलाह ना दिहले, काहे कि तेरा राजा से आपन जान बचावे खातिर इ बात राजा से कहले रहले, काहेकि उ बहुत डेरा गईले। राजा तेरा से कहलस कि, "तोहार बेटा हारान जे तोहरा के एह बात के सलाह देले बा, उ अब्राम के साथे आग से मर जाई। काहे कि ओकरा पर फाँसी के सजा बा कि ऊ ई काम करत राजा के इच्छा के खिलाफ विद्रोह कइले बा.
18 ओह घरी हारान के अब्राम के रास्ता पर चले के इच्छुकता रहे, लेकिन उ एकरा के अपना भीतर रखले रहले।
19 हारान मन में कहले, "अब्राम के इ काम के चलते राजा अब्राम के पकड़ लेले बाड़े अवुरी अयीसन होई कि जदी अब्राम राजा प हावी होईहे त हम उनुका पीछे चल जाईब, लेकिन राजा के जीत हो गईल त हम राजा के पीछे चल जाईब।
20 जब तेरा राजा से अपना बेटा हारान के बारे में इ बात कहलस त राजा हारान के अब्राम के संगे पकड़े के आदेश देले।
21 ऊ लोग अब्राम आ ओकर भाई हारान दुनु के आग में फेंके खातिर ले अइले। आ ओह दिन ओह देश के सब निवासी आ राजा के नौकर आ राजकुमार आ सब मेहरारू आ छोट-छोट लइका उहाँ ओह लोग के ऊपर खड़ा रहले।
22 राजा के नौकर अब्राम आ उनकर भाई के लेके उनकर निचला कपड़ा के छोड़ के उनकर सब कपड़ा उतार दिहले|
23 ऊ लोग आपन हाथ-गोड़ लिनन के डोरी से बान्हले आ राजा के नौकर ओह लोग के उठा के दुनु के भट्ठी में फेंक दिहले।
24 प्रभु अब्राम से प्यार करत रहले अवुरी उनुका प दया आईल अवुरी प्रभु उतर के अब्राम के आग से बचा लेले अवुरी उ ना जरेले।
25 लेकिन अब्राम जवना डोरी से ओकरा के बान्हले रहले, उ सब जरा गईल, जबकि अब्राम आग में रह के घूमत रहले।
26 जब उ लोग ओकरा के आग में डाल के हारान के मौत हो गईल अवुरी उ राख हो गईल, काहेंकी उनुकर मन प्रभु के संगे सिद्ध ना रहे। आ जे लोग ओकरा के आग में डाल दिहलस, ओह लोग पर आग के लौ फइल गइल आ ऊ लोग जरि गइल आ ओहमें से बारह आदमी मर गइलन.
27 अब्राम तीन दिन तीन रात आग के बीच में चलत रहले, त राजा के सभ नौकर उनुका के आग में चलत देखले अवुरी राजा के बतवले अवुरी कहले कि, "हमनी के अब्राम के आग के बीच घूमत देखले बानी, अवुरी उनुका प जवन निचला कपड़ा बा, उहो जरल नईखे, लेकिन जवना डोरी से उनुका के बान्हल गईल रहे, उ जरा गईल बा।"
28 राजा जब उनकर बात सुनलस त उनकर मन बेहोश हो गइल आ उनकर विश्वास ना कइलन। एह से ऊ ई बात देखे खातिर अउरी विश्वासी राजकुमारन के भेजलन आ ऊ लोग जाके ई बात देख के राजा के बतवलस। राजा एकरा के देखे खातिर उठले त अब्राम के आग के बीच इधर-उधर घूमत देखले अवुरी हारान के लाश जरि गईल देखले अवुरी राजा बहुत अचरज में पड़ गईले।
29 राजा अब्राम के आग से निकाले के आदेश दिहलन। उनकर नौकर लोग उनका के बाहर निकाले खातिर नजदीक आ गइल आ ऊ लोग ना निकल पावल काहे कि आग चारो ओर रहे आ भट्ठी से आग के लौ ओह लोग के ओर चढ़त रहे।
30 राजा के नौकर ओकरा से भाग गईले अवुरी राजा ओ लोग के डांटत कहले, "जल्दी से अब्राम के आग से निकाल के ले आव कि तू ना मरब।"
31 राजा के नौकर फिर से अब्राम के बाहर ले आवे खातिर नजदीक आ गईले अवुरी आग के लपट ओ लोग के चेहरा जरा देलस, जवना से उ लोग में से आठ लोग के मौत हो गईल।
32 जब राजा देखलस कि उनकर नौकर आग के नजदीक नईखन आ सकत कि कहीं उ लोग ना जरे, त राजा अब्राम के आवाज देले, हे स्वर्ग में परमेश्वर के सेवक, आग के बीच से निकल के हमरा सोझा इहाँ आई। अब्राम राजा के आवाज सुन के आग से निकल के राजा के सोझा खड़ा हो गईले।
33 जब अब्राम बाहर निकलले त राजा आ ओकर सभ नौकर अब्राम के निचला कपड़ा पहिनले राजा के सोझा आवत देखले, काहेंकी उ ना जरा गईल रहे, लेकिन जवना डोरी से उनुका बान्हल रहे, उ जरि गईल रहे।
34 राजा अब्राम से कहलस, "आगी में तू कइसे ना जरावल गइल?
35 अब्राम राजा से कहलन, "आकाश आ धरती के भगवान जेकरा पर हम भरोसा करत बानी आ जेकरा लगे आपन पूरा ताकत बा, उ हमरा के ओह आग से बचा लिहलन जवना में तू हमरा के फेंकले रहलू।"
36 अब्राम के भाई हारान के राख हो गईल अवुरी उ लोग उनुकर लाश के खोजत रहले, त उ लोग ओकरा के भस्म हो गईल पावल।
37 हारान के उमर बयासी साल के रहे जब उ कासदीम के आग में मर गईले। राजा, राजकुमार आ देश के निवासी अब्राम के आग से मुक्त हो गईल देख के उ लोग अब्राम के सामने प्रणाम कईले।
38 अब्राम ओह लोग से कहलन, "हमरा के प्रणाम मत करीं, बलुक दुनिया के भगवान के सामने प्रणाम करीं जे तोहनी के बनवले बाड़न आ उनकर सेवा करीं आ उनकर राह पर चलीं काहे कि उहे हमरा के एह आग से बचावे वाला ह, आ उहे हवे जे सब आदमी के आत्मा आ आत्मा के रचले बा, आ अपना महतारी के पेट में आदमी के बनवले बा आ ओकरा के दुनिया में ले आइल बा, आ उहे हवे जे ओकरा पर भरोसा करे वाला के सभका से बचावे वाला बा दरद।

39 राजा आ राजकुमारन के नजर में ई बात बहुत अद्भुत लागल कि अब्राम के आग से बचावल गइल आ हारान के जरा दिहल गइल। राजा अब्राम के बहुत उपहार देले अवुरी उ राजा के घर से आपन दुगो मुख्य नौकर देले। एक के नाम ओनी आ दूसरा के नाम एलीएजर रहे।
40 सब राजा, राजकुमार आ नौकर अब्राम के चांदी, सोना आ मोती के बहुत उपहार दिहले आ राजा आ ओकर राजकुमार लोग ओकरा के भेज दिहलन आ ऊ चैन से चल गइलन।
41 अब्राम शांति से राजा से निकल गईले अवुरी राजा के बहुत सेवक उनुका पीछे-पीछे चल गईले अवुरी करीब तीन सौ आदमी उनुका संगे चल गईले।
42 अब्राम ओह दिन वापस आके उनकरा पीछे-पीछे आवे वाला लोग अपना पिता के घरे चल गइलन आ अब्राम अपना जीवन भर अपना परमेस् वर के सेवा कइलन आ अपना राह पर चलल आ उनकर नियम के पालन कइलन।
43 ओह दिन से अब्राम आदमी के बेटा के मन के प्रभु के सेवा करे खातिर झुकावत रहले।
44 ओही घरी नाहोर आ अब्राम अपना भाई हारान के बेटी के बियाह कइले। नाहोर के मेहरारू मिल्का आ अब्राम के मेहरारू के नाम सराय रहे। अब्राम के मेहरारू सारा बंजर रहली। ओह घरी उनकर कवनो संतान ना रहे।
45 अब्राम के आग से बाहर निकलला के दू साल पूरा भइला पर, यानी कि उनकर जीवन के बावन साल में, राजा निमरोद बाबेल में सिंहासन पर बइठल देखलन आ राजा नींद आ गइलन आ सपना देखलन कि ऊ अपना सेना आ सेना के साथे राजा के भट्ठी के सामने एगो घाटी में खड़ा बाड़न।
46 ऊ आँख उठा के देखलन कि अब्राम के नियर एगो आदमी भट्ठी से निकलत बा आ ऊ आके राजा के सामने आपन खींचाइल तलवार लेके खड़ा हो गइल आ फेर राजा के लगे तलवार लेके उछल गइल, जब राजा ओह आदमी से भाग गइल, काहे कि ऊ डेरा गइल रहे। आ दौड़त-दौड़त ऊ आदमी राजा के माथा पर अंडा फेंक दिहलसि आ अंडा एगो बड़हन नदी बन गइल.
47 राजा सपना देखले कि ओकर सब सेना ओह नदी में डूब के मर गईले अवुरी राजा अपना से पहिले के तीन आदमी के संगे भाग गईले अवुरी उ भाग गईले।
48 राजा एह लोग के देखले त उ लोग राजा के वस्त्र निहन रियासत के कपड़ा पहिनले रहले अवुरी राजा के रूप अवुरी महिमा के रूप में रहले।
49 जब उ लोग बहत रहले त नदी राजा के सोझा फेर से अंडा में बदल गईल अवुरी अंडा से एगो चिरई निकलल जवन राजा के सोझा आईल अवुरी उनुका माथा प उड़ के राजा के आंख उखाड़ देलस।
50 राजा ई देख के दुखी हो गइलन आ ऊ नींद से जाग गइलन आ उनकर मन हलचल हो गइल। आ ओकरा एगो बड़हन आतंक महसूस भइल.
51 सबेरे राजा डर से अपना सोफा से उठले अवुरी राजा अपना सपना के बारे में बतावत सब ज्ञानी अवुरी जादूगर के अपना सोझा आवे के आदेश देले।
52 राजा के एगो बुद्धिमान सेवक, जेकर नाम अनुकी रहे, राजा से कहलस कि, इ अब्राम अवुरी उनुका संतान के बुराई के अलावे अवुरी कुछूओ नईखे, जवन कि अंतिम समय में हमरा प्रभु अवुरी राजा के खिलाफ पैदा होई।
53 देखऽ ऊ दिन आई जब अब्राम आ उनकर वंशज आ उनकर घर के लइका हमरा राजा से लड़ाई करीहें आ राजा के सगरी सेना आ उनकर सेना के मार दीहें।
54 आ जवन तीन आदमी के बारे में तू जवन कहले बाड़ू, जवना के तू अपना निहन देखले बाड़ू अवुरी जवन भाग गईल बा, एकर मतलब इ बा कि धरती के राजा से तीन राजा के संगे सिर्फ तू बचब, जवन कि आपके संगे लड़ाई में होईहे।
55 आ जवन नदी के देखनी जवन पहिले जइसन अंडा में बदल गइल रहे आ चिरई के बच्चा तोहार आँख उखाड़त देखनी, एकर मतलब अउरी कुछ नइखे सिवाय अब्राम के वंश के जवन बाद के दिन में राजा के मार दी।
56 ई हमार राजा के सपना ह, एकर व्याख्या इहे ह, आ सपना साँच बा, आ तोहार सेवक जवन व्याख्या तोहरा के देले बा उ सही बा।
57 एह से हमार राजा, तू जरूर जानत बाड़ू कि अब बावन साल हो गइल बा जब तोहार ऋषि लोग अब्राम के जनम के समय ई देखले रहले आ अगर हमार राजा अब्राम के धरती पर रहे देसु त ई हमरा मालिक आ राजा के चोट पहुंचाई, काहे कि जवना दिन अब्राम ना जिंदा रहीहें, ना त तोहार राज्य स्थापित हो जाई, काहे कि ई बात पहिले उनुका जनम के समय पता चलल रहे। आउर हमार राजा ओकरा के काहे ना मारी, ताकि बाद के दिन में ओकर बुराई तोहरा से बचावल जा सके?
58 निमरोद अनुकी के आवाज सुन के अपना कुछ नौकरन के चुपके से भेजले कि उ लोग अब्राम के पकड़ के राजा के सोझा ले जास ताकि उ मौत के शिकार होखे।
59 अब्राम के नौकर एलीएजर ओ समय राजा के सोझा रहले अवुरी उ सुनले कि अनुकी राजा के का सलाह देले रहले अवुरी राजा अब्राम के मौत के कारण का कहले रहले।
60 एलीएजर अब्राम से कहले, "जल्दी उठ के आपन जान बचा लीं, ताकि तू राजा के हाथ से ना मर सकी, काहे कि उ सपना में तोहरा बारे में अयीसन देखले रहले अवुरी अनुकी एकर व्याख्या अयीसन कईले रहले अवुरी अनुकी भी राजा के आपके बारे में सलाह देले रहले।
61 अब्राम एलीएजर के आवाज सुनलन आ अब्राम जल्दी से नूह आ अपना बेटा शेम के घर में सुरक्षित भाग गइलन आ उहाँ लुका के सुरक्षित जगह मिल गइलन। आ राजा के नौकर अब्राम के खोजे खातिर अब्राम के घरे अइले, लेकिन उनुका के ना मिलल, आ उ लोग देश भर में खोजत रहले अवुरी उनुका के ना मिलल, अवुरी उ लोग जाके हर दिशा में खोजत रहले अवुरी उनुका से मिले के ना रहे।
62 जब राजा के सेवक अब्राम के ना मिलल त उ लोग राजा के लगे लवट गईले, लेकिन राजा के अब्राम के खिलाफ नाराजगी शांत हो गईल, काहेंकी उ लोग अब्राम के ना मिलल, अवुरी राजा अब्राम के बारे में इ बात उनुका दिमाग से दूर क देले।
63 अब्राम एक महीना तक नूह के घर में लुकाइल रहले, जब तक कि राजा इ बात ना भुला गईले, लेकिन अब्राम अभी भी राजा से डेरा गईले। तेरा नूह के घर में अपना बेटा अब्राम से गुप्त रूप से देखे लगले अवुरी तेरा राजा के नजर में बहुत बड़ रहले।
64 अब्राम अपना पिता से कहले, "का तू नईख जानत कि राजा हमरा के मारे के सोचत बाड़े अवुरी अपना दुष्ट सलाहकार के सलाह से हमार नाम धरती से नाश करे के सोचतारे?

65 अब तोहरा इहाँ के बा आ एह देश में तोहरा का बा? उठ, हमनी के एक संगे कनान देश में चल जाईं जा ताकि हमनी के उनुका हाथ से मुक्ति मिल सके, कहीं अंतिम समय में तू भी ओकरा द्वारा नाश ना हो जाइब।
66 का तू नइख जानत कि ना सुनले कि निमरोद तोहरा के ई सब आदर प्रेम से ना देत बा, बलुक खाली ओकरा फायदा खातिर ई सब भलाई तोहरा के देत बा?
67 आ अगर ऊ तोहरा खातिर एकरा से बड़हन भलाई करी त ई सब दुनिया के आडंबर भर ह, काहे कि क्रोध आ क्रोध के दिन धन आ धन के कवनो फायदा ना हो सके.
68 अब हमार बात सुनीं आ हमनी के उठ के कनान के देश में चल जाईं जा जवन निमरोद से चोट के पहुँच से दूर बा। आ तोहरा के धरती पर रचले वाला प्रभु के सेवा करऽ त तोहार भलाई होई। आ जवन व्यर्थ चीजन के पीछा करत बाड़ऽ, ओकरा के फेंक दऽ।
69 जब नूह आ उनकर बेटा शेम तेरा के जवाब देले कि, "अब्राम जवन बात तोहरा से कहले बाड़े उ साँच ह।"
70 तेरा अपना बेटा अब्राम के आवाज सुनले अवुरी तेरा अब्राम के कहल सभ काम कईले, काहेंकी इ बात प्रभु के ओर से रहे कि राजा अब्राम के मौत के कारण मत होखे।

अध्याय 13 के बा

1 तेरा अपना बेटा अब्राम आ उनकर पोता लूत, हारान के बेटा, आ उनकर पतोह सारा, जे अपना बेटा अब्राम के मेहरारू आ अपना घर के सब लोग के लेके उर कासदीम से कनान के देश में चल गईले। जब उ लोग हारान के देस तक पहुंचले त उहाँ रह गईले, काहेकी उ लोग चारागाह खाती बहुत बढ़िया जमीन रहे अवुरी उनुका संगे आवे वाला लोग खाती भी काफी रहे।
2 हारान के लोग देखल कि अब्राम भगवान आ आदमी के साथे अच्छा आ सीधा हउवें आ उनकर परमेश्वर यहोवा उनकरा साथे बाड़न आ हारान के कुछ लोग अब्राम के साथे आके उ लोग के प्रभु के शिक्षा आ उनकर रास्ता सिखवले। इ लोग अब्राम के घर में रह गईले अवुरी उ लोग उनुका संगे चिपकल रहले।
3 अब्राम तीन साल तक ओह देश में रहलन आ तीन साल पूरा भइला पर प्रभु अब्राम से प्रकट भइले आ कहलन कि; हम उहे प्रभु हईं जे तोहरा के उर कासदीम से निकाल के तोहरा के तोहरा सब दुश्मनन के हाथ से बचा लेले बानी।
4 आ अब अगर तू हमार आवाज सुनब आ हमार आज्ञा, हमार नियम आ नियम के पालन करब त हम तोहार दुश्मनन के तोहरा सोझा गिरा देब, आ हम तोहार वंश के स्वर्ग के तारा निहन बढ़ा देब, अवुरी हम तोहरा हाथ के सभ काम प आपन आशीर्वाद भेजब, अवुरी तोहरा कुछूओ के कमी ना होई।
5 अब उठ के आपन मेहरारू आ आपन सब सामान लेके कनान देश में जाके उहाँ रह जा, आ हम उहाँ तोहरा खातिर एगो भगवान बनब आ तोहरा के आशीर्वाद देब। अब्राम उठ के आपन मेहरारू आ आपन सब सामान लेके कनान के देश में चल गइलन जइसन कि प्रभु उनका के कहले रहले। आ अब्राम जब हारान से गइलन त ऊ पचास साल के रहले।
6 अब्राम कनान देश में आके शहर के बीच में रह गईले अवुरी उहाँ उ देश के निवासी कनान के लोग के बीच आपन डेरा खड़ा कईले।
7 जब अब्राम कनान देश में अइले त प्रभु ओकरा से प्रकट भइले आ कहलन कि ई ऊ देश ह जवन हम तोहरा आ तोहरा बाद के वंशज के हमेशा खातिर देले बानी आ हम तोहार वंशज के आकाश के तारा नियर बना देब आ जवन देश तू देखत बाड़ऽ, ओकरा के हम तोहरा संतान के उत्तराधिकार में दे देब।
8 अब्राम जवना जगह प भगवान से बात कईले रहले, उहाँ एगो वेदी बनवले अवुरी उहाँ अब्राम प्रभु के नाम पुकारले।
9 अब्राम के कनान देश में रहला के तीन साल के अंत में ओह साल नूह के मौत हो गईल, जवन कि अब्राम के जीवन के अड़वनवाँ साल रहे। नूह के जियला के सब दिन नौ सौ पचास साल रहे आ उ मर गईले।
10 अब्राम कनान देश में उ, उनकर मेहरारू आ उनकर सब लोग आ उनकर साथ के सब लोग आ ओह देश के लोग से उनकरा साथे आवे वाला लोग के साथे रह गइलन। लेकिन अब्राम के भाई नाहोर आ ओकर बाप तेरा आ हारान के बेटा लूत आ उनकर सब लोग हारान में रहत रहले।
11 अब्राम के कनान देश में रहला के पांचवा साल में सदोम आ अमोरा के लोग आ मैदान के सब शहर एलाम के राजा कदोर्लाओमेर के सत्ता से विद्रोह कईले। काहे कि मैदान के शहरन के सब राजा बारह साल तक कदोराओमर के सेवा करत रहले अवुरी सालाना कर देले रहले, लेकिन तेरहवां साल में उ लोग उनुका खिलाफ विद्रोह कईले।
12 अब्राम के कनान देश में रहला के दसवाँ साल में शिनार के राजा निमरोद आ एलाम के राजा कदोर्लाओमेर के बीच लड़ाई भइल आ निमरोद कदोराओमेर से लड़ाई करे आ ओकरा के अपना वश में करे आइल।
13 काहेकि ओह घरी केदोरलाओमर निमरोद के सेना के सरदारन में से एगो रहले आ जब बुर्ज पर मौजूद सब लोग तितर-बितर हो गइलन आ बाकी लोग भी धरती पर बिखर गइलन त केदोरलाओमर एलाम देश में जाके ओकरा पर राज कइलस आ अपना मालिक के खिलाफ विद्रोह कइलस।
14 ओह दिन में जब निमरोद देखलस कि मैदान के शहरन में विद्रोह हो गइल बा, त ऊ घमंड आ क्रोध से कदोराओमेर से लड़ाई करे लगलन आ निमरोद अपना सगरी राजकुमारन आ प्रजा के करीब सात लाख आदमी के जुटा के कदोराओमेर के खिलाफ चल गइलन आ कदोराओमर पांच हजार आदमी के साथे ओकरा से मिले खातिर निकल गइलन आ ऊ लोग बाबेल के घाटी में लड़ाई खातिर तइयार हो गइलन एलम आ शिनार के बीच में बा।
15 उ सब राजा उहाँ लड़ाई लड़ले अवुरी निमरोद अवुरी ओकर लोग केदोरलाओमेर के लोग के सोझा हरा गईले अवुरी निमरोद के आदमी से करीब छह लाख लोग गिर गईले अवुरी राजा के बेटा मार्दोन ओ लोग के बीच गिर गईले।
16 निमरोद भाग के लाज आ बेइज्जती से अपना देश में वापस आ गइल आ ऊ बहुत दिन ले केदोरलाओमेर के अधीन रहल आ कदोराओमर अपना देश में लवट के अपना सेना के राजकुमारन के अपना आसपास रहे वाला राजा लोग के लगे भेज दिहलस, एलासर के राजा अरियोक आ गोयिम के राजा टाइडल के लगे आ ओह लोग से वाचा कइलन आ सभे उनकर आज्ञा के पालन कइलन।
17 अब्राम के कनान देश में रहला के पन्द्रहवाँ साल में, जवन कि अब्राम के जीवन के सत्तरवाँ साल ह, आ ओही साल प्रभु अब्राम

से प्रकट भइले आ ओकरा से कहले, "हम प्रभु हईं जे तोहरा के उर कासदीम से बाहर ले अइनी कि ई देश तोहरा के विरासत में दे दीं।"
18 अब हमरा सामने चलीं आ सिद्ध हो जाईं आ हमार आज्ञा के पालन करीं काहे कि हम ई देश मित्जैम नदी से लेके फरात के बड़हन नदी तक तोहरा आ तोहरा संतान के विरासत में देब।
19 आ तू शांति से आ बढ़िया उमिर में अपना बाप-दादा के लगे आ जाईब आ चउथा पीढ़ी इहाँ एह देश में लवट के हमेशा खातिर ओकर उत्तराधिकारी हो जाई। अब्राम एगो वेदी बनवले, आ उ प्रभु के नाम लेहले, जे ओकरा से प्रकट भईले अवुरी उ वेदी प प्रभु के बलिदान ले अईले।
20 ओही घरी अब्राम वापस आके अपना बाप-माई आ अपना पिता के घर के लोग के देखे खातिर हारान गईले, अब्राम अवुरी उनुकर पत्नी अवुरी उनुकर सभ सामान हारान वापस आ गईले अवुरी अब्राम पांच साल तक हारान में रहले।
21 हारान के बहुत लोग, लगभग बहत्तर आदमी, अब्राम के पीछे-पीछे चलल अवुरी अब्राम ओ लोग के प्रभु के शिक्षा अवुरी उनुकर रास्ता सिखवले अवुरी उ ओ लोग के प्रभु के जाने के सिखवले।
22 ओह दिन में प्रभु अब्राम के हारान में प्रकट भइले आ ओकरा से कहलन, "देखऽ, हम तोहरा से बीस साल पहिले कहले रहनी कि।
23 अपना देश से, अपना जन्मस्थान से आ अपना बाप के घर से, ओह देश में जा, जवना के हम तोहरा के आ तोहरा लइकन के देबे के देखा दिहले बानी, काहे कि ओहिजा ओह देश में हम तोहरा के आशीर्वाद देब आ तोहरा के एगो बड़हन राष्ट्र बनाइब आ तोहार नाम के बड़हन बनाइब, आ तोहरा में धरती के परिवार के आशीष मिल जाई।
24 अब उठ के, तू, तोहार मेहरारू आ तोहार सब लोग, अपना घर में पैदा भइल हर आदमी आ हरन में जवन भी प्राणी बनवले बा, ओकरा के अपना साथे ले आवऽ आ कनान देश में लवट आवे खातिर उठऽ।
25 अब्राम उठ के आपन मेहरारू सारा आ उनकर सब सामान आ अपना घर में पैदा भइल सब लोग आ हारान में पैदा भइल प्राणी के लेके कनान देश में जाए खातिर निकल गइलन।
26 अब्राम प्रभु के वचन के अनुसार जाके कनान देश में वापस आ गईले। उनकर भाई हारान के बेटा लूत उनका साथे चल गइलन आ अब्राम पचहत्तर साल के रहले जब ऊ हारान से कनान देश में लवटल रहले.
27 उ अब्राम से प्रभु के वचन के अनुसार कनान देश में पहुंचले अवुरी उ आपन डेरा खड़ा कईले अवुरी ममरे के मैदान में रहले अवुरी उनुका संगे उनुकर भाई के बेटा लूत रहले अवुरी उनुकर सब कुछ रहले।
28 तब प्रभु फेरु अब्राम के सामने प्रकट होके कहले, "हम ई देश तोहरा संतान के देब। उहाँ उ प्रभु खातिर एगो वेदी बनवले जवन उनका के प्रकट भईले, जवन आज तक ममरे के मैदान में बा।

अध्याय 14 के बा

1 ओह जमाना में शिनार के देश में एगो ज्ञानी आदमी रहले, जेकरा में सब तरह के बुद्धि रहे, आ ओकर रूप-रंग सुन्दर रहे, लेकिन उ गरीब आ गरीब रहे। उनकर नाम रिकायोन रहे आ ऊ आपन गुजारा करे में कठिनाई से सेट रहले.
2 ऊ सोचलस कि मिस्र के राजा अनोम के बेटा ओस्विरिस के लगे जाके राजा के आपन बुद्धि देखावे। काहे कि शायद ओकरा नजर में कृपा मिल सकेला कि ऊ ओकरा के जिंदा कर सके आ ओकरा के भरण पोषण दे सके. आ रिकायोन अयीसन कईले।
3 जब रिकायोन मिस्र अइले त ऊ मिस्र के निवासी लोग से राजा के बारे में पूछले आ मिस्र के निवासी मिस्र के राजा के रिवाज बतवले, काहे कि तब मिस्र के राजा के रिवाज रहे कि ऊ अपना राजमहल से चल के साल में एक दिन ही विदेश में देखल जात रहले, आ ओकरा बाद राजा अपना महल में लवट के ओहिजा रहे जात रहले.
4 जवना दिन राजा निकलले त उ देश में फैसला सुनवले अवुरी हरेक केहु सूट वाला राजा के सोझा उनुकर निहोरा लेवे खाती आईल।
5 जब रिकायोन मिस्र के रिवाज के बारे में सुनलस आ राजा के सोझा नइखन आ पावत त ऊ बहुते दुखी हो गइलन आ बहुते दुखी हो गइलन.
6 आ साँझ के रिकायोन बाहर निकल के एगो खंडहर घर मिलल, जवन पहिले मिस्र में बेक हाउस रहे, आ ऊ रात भर ओहिजा कड़वाहट आ भूख से चुटकी लेत रहले आ आँख से नींद दूर हो गइल.
7 आ रिकायोन अपना भीतर विचार करत रहले कि जबले राजा ना लउकी तबले ओह शहर में का करे के चाहीं आ ओहिजा कइसे अपना के बना के राखे के चाहीं.
8 ऊ सबेरे उठ के घूमत-फिरत ओह लोग से भेंट कइलन जे सब्जी आ तरह-तरह के बीज बेचत रहले, जवना से ऊ लोग निवासी लोग के आपूर्ति करत रहे।
9 आ रिकायोन शहर में भरण पोषण पावे खातिर इहे करे के चाहत रहले, लेकिन उ लोग के रिवाज से अनजान रहले अवुरी ओ लोग के बीच उ एगो आन्हर निहन रहले।
10 ऊ जाके आपन भरण पोषण खातिर सब्जी ले लिहलस आ भीड़ ओकरा चारो ओर जमा होके ओकर मजाक उड़ावलस आ ओकर सब्जी ओकरा से ले लिहलस आ ओकरा खातिर कुछ ना छोड़लस।
11 उहाँ से कड़वाहट से उठ के आह भरत ओहि बेक हाउस में चल गईले, जवना में उ रात भर रहले अवुरी दूसरा रात उहाँ सुत गईले।
12 ओह रात उ फेर अपना मन में विचार कइलन कि ऊ अपना के भूख से कइसे बचा सकेला आ ऊ एगो योजना बनवले कि कइसे काम कइल जाव.
13 ऊ सबेरे उठ के चतुराई से काम कइलन आ जाके भीड़ के तीस गो बरियार आदमी के काम पर रखले, जे लोग के हाथ में युद्ध के साज-सज्जा लेके चलल आ मिस्र के कब्र के चोटी पर ले गइल आ उहाँ रख दिहलस।
14 ऊ ओह लोग के आज्ञा दिहलन कि राजा ई कहत बाड़न कि, 'अपना के मजबूत करीं आ वीर आदमी बनीं आ जबले दू सौ चांदी के टुकड़ा ना दिहल जाई तबले केहू के एहिजा ना दफना दिहल जाव. आ ऊ लोग ओह साल भर मिस्र के लोग के रिकायोन के आदेश के अनुसार कइल।
15 आ आठ महीना में रिकायोन आ ओकर आदमी चाँदी आ सोना के बहुते धन जुटा लिहले आ रिकायोन बहुते मात्रा में घोड़ा आ अउरी जानवर ले लिहले आ अउरी आदमी भाड़ा पर ले

लिहले आ ऊ ओह लोग के घोड़ा दिहले आ ऊ लोग ओकरा साथे रह गइल.
16 साल भर जब राजा शहर में जात रहले त मिस्र के सभ निवासी एक संगे जुट के रिकायोन अवुरी उनुका आदमी के काम के बारे में उनुका से बात करे लगले।
17 राजा निर्धारित दिन निकललन त सब मिस्र के लोग उनका से आगे आके पुकारत कहलन।
18 राजा हमेशा खातिर जिंदा रहस। ई का काम ह जवन तू अपना नौकरन के टोला में करत बाड़ू कि जबले एतना चांदी-सोना ना दिहल जाव तबले कवनो लाश के दफनावे ना दीं? का कबो अइसन काम पूरा धरती में भइल रहे, पहिले के राजा लोग के जमाना से हाँ आदम के जमाना से लेके आज तक, कि मुअल लोग के खाली एगो निर्धारित दाम पर ना दफनावल जाव?
19 हमनी के जानत बानी जा कि राजा लोग के रिवाज ह कि उ लोग जिंदा लोग से सालाना कर लेवेले, लेकिन तू सिर्फ अयीसन ना करेनी, बालुक मुवल लोग से भी दिन-प्रतिदिन कर लेवेले।
20 हे राजा, हमनी के अब ई बात ना सहल जा सकेला, काहे कि पूरा शहर एही चलते बर्बाद हो गईल बा, का तू एकरा के नईख जानत?
21 राजा जब उ लोग के सब बात सुनले त उ बहुत गुस्सा में पड़ गईले अवुरी उनुका मन में ए मामला से गुस्सा जर गईल, काहेंकी उनुका एकरा बारे में कुछूओ ना मालूम रहे।
22 राजा कहलस, "हमरा देस में हमरा आदेश के बिना इ बुरा काम करे के हिम्मत के ह अवुरी कहाँ बा? जरूर रउआ हमरा के बताइब।
23 ऊ लोग रिकायोन आ ओकर आदमी के सगरी काम ओकरा के बतवलसि आ राजा के गुस्सा जागल आ ऊ रिकायोन आ ओकरा आदमी के अपना सोझा ले आवे के आदेश दिहलन.
24 आ रिकायोन लगभग हजार लइका-लइकी, बेटा-बेटी लेके रेशम आ कढ़ाई के कपड़ा पहिनले आ ओह लोग के घोड़ा पर सवार के अपना आदमी के माध्यम से राजा के लगे भेजले, आ एगो मजबूत आ सुन्दर घोड़ा भी लेके राजा खातिर उपहार में ले गइले, जवना के लेके ऊ राजा के सोझा आके प्रणाम कइले ओकरा से पहिले धरती; आ राजा, उनकर नौकर आ मिस्र के सब निवासी रिकायोन के काम देख के अचरज में पड़ गइलन आ ऊ लोग उनकर धन आ उपहार देख के जवन ऊ राजा के ले आइल रहले.
25 राजा के ई बात बहुते नीक लागल आ ऊ एकरा पर अचरज में पड़ गइलन. आ जब रिकायोन उनका सोझा बइठल त राजा उनका से उनकर सगरी काम के बारे में पूछलन आ रिकायोन राजा, उनकर नौकर आ मिस्र के सगरी निवासी लोग का सोझा आपन सगरी बात समझदारी से कहलन.
26 आ जब राजा रिकायोन के बात आ उनकर बुद्धि सुनलस त रिकायोन के उनकर नजर में कृपा मिलल आ राजा के सभ नौकर आ मिस्र के सभ निवासी लोग के अनुग्रह आ दयालुता से मिलल, उनकर बुद्धि आ बेहतरीन भाषण के कारण आ ओह समय से ऊ लोग उनकरा से बहुत प्यार कइल।
27 राजा रिकायोन से कहले, "तोहार नाम अब रिकायोन ना राखल जाई, बलुक तोहार नाम फिरौन होई, काहे कि तू मुअल लोग से कर लेले रहलू। आऊ ओकर नाम फिरौन रखले।
28 राजा आ उनकर प्रजा रिकायोन के बुद्धि के चलते प्यार करत रहले अवुरी उ लोग मिस्र के सभ निवासी से सलाह-मशवरा कईले कि उनुका के राजा के अधीन प्रधान बनावल जा सके।
29 मिस्र के सब निवासी आ ओकर ज्ञानी लोग अयीसन कईले अवुरी मिस्र में एकरा के कानून बनावल गईल।
30 ऊ लोग रिकायोन फिरौन के मिस्र के राजा ओसविरिस के अधीन प्रधान बना दिहल आ रिकायोन फिरौन मिस्र पर शासन कइलस, रोज पूरा शहर के न्याय करत रहलन, लेकिन राजा ओसविरिस साल में एक दिन ओह देश के लोग के न्याय करत रहले, जब ऊ आपन उपस्थिति दर्ज करावे खातिर निकलत रहले।
31 रिकायोन फिरौन धूर्तता से मिस्र के सरकार के हड़प लिहले अवुरी मिस्र के सभ निवासी से कर लेले।
32 मिस्र के सब निवासी रिकायोन फिरौन से बहुत प्यार करत रहले अवुरी उ लोग एगो फरमान जारी कईले कि मिस्र में उनुका अवुरी ओ लोग के संतान प राज करेवाला हर राजा के फिरौन बोलावल जाए।
33 एही से ओह समय से मिस्र में राज करे वाला सब राजा लोग के आजु ले फिरौन कहल जाला।

अध्याय 15 के बा

1 ओह साल पूरा कनान देश में भारी अकाल पड़ल आ ओह देश के निवासी लोग अकाल के चलते ना रह पवलस काहे कि अकाल बहुत गंभीर रहे।
2 अब्राम आ ओकर सब सामान अकाल के चलते उठ के मिस्र चल गईले अवुरी जब उ लोग मित्ाराइम नदी प पहुंचले त उ लोग सड़क के थकान से आराम करे खाती कुछ देर उहाँ रह गईले।
3 अब्राम आ सारा मित्ाराइम नदी के सीमा पर चलत रहले, त अब्राम अपना पत्नी सारा के देखले कि उ बहुत सुंदर बाड़ी।
4 अब्राम अपना मेहरारू सारा से कहले, "चूंकि भगवान तोहरा के एतना सुन्दर चेहरा से बनवले बाड़े, एहसे हम मिस्र के लोग से डेरात बानी कि कहीं उ लोग हमरा के मार के ना ले जास, काहे कि ए जगह प भगवान के डर नईखे।
5 त तू ई जरूर करब कि जे भी तोहरा से माँगत बा, ओकरा से कहऽ कि तू हमार बहिन हईं, ताकि हमार भलाई हो सके आ हमनी के जिंदा हो सकीले आ मारल ना जाइब जा।
6 अब्राम अकाल के चलते अपना संगे मिस्र आवे वाला सब लोग के इहे आज्ञा देले। साथ ही उनकर भतीजा लूत के भी आज्ञा दिहलन कि अगर मिस्र के लोग तोहरा से सारा के बारे में पूछत बा कि उ अब्राम के बहिन हई।
7 आ फिर भी अब्राम एह सब आदेश के साथे ओह लोग पर भरोसा ना कइलन, बलुक सारा के लेके एगो संदूक में रख के ओह लोग के बर्तन के बीच में छिपा दिहलन, काहे कि मिस्र के दुष्टता के चलते अब्राम सारा के बहुत चिंतित रहले।
8 अब्राम आ ओकर सब लोग मित्ाराइम नदी से उठ के मिस्र चल गइलन। उ लोग शहर के फाटक में बहुत मुश्किल से घुसल रहले कि पहरेदार ओ लोग के सोझा खड़ा होके कहले कि, "रउरा लगे जवन बा ओकरा से राजा के दसवां हिस्सा दीं, तब तू शहर में आ सकेनी। अब्राम आ उनकर साथ के लोग अइसन कइले।

9 अब्राम अपना साथे मौजूद लोग के साथे मिस्र गइलन आ जब ऊ लोग अइले त ऊ संदूक लेके अइले जवना में सारा छिपल रहली आ मिस्र के लोग संदूक देखले।
10 राजा के नौकर अब्राम के लगे जाके पूछले, "एह संदूक में तोहरा का बा जवन हमनी के नईखी देखले?" अब संदूक खोल के ओकरा में जवन कुछ बा ओकर दसवां हिस्सा राजा के दे दऽ।
11 अब्राम कहलन, "हम ई संदूक ना खोलब, लेकिन तू जवन भी माँग करबऽ, हम देब।" फिरौन के अधिकारी अब्राम के जवाब देले कि, इ कीमती पत्थर के संदूक ह, एकर दसवां हिस्सा हमनी के दे द।
12 अब्राम कहले, "हम जवन भी चाहत बानी उ सब देब, लेकिन तू संदूक के ना खोलब।"
13 राजा के अधिकारी अब्राम के दबा के छाती के लगे पहुंच के जोर से खोलले, त देखले कि छाती में एगो सुंदर महिला बिया।
14 राजा के अफसर लोग सारा के देख के उनकर सुंदरता के देख के बड़ाई से चकित हो गईले अवुरी फिरौन के सभ राजकुमार अवुरी नौकर सारा के देखे खाती जुट गईले, काहेंकी उ बहुत सुंदर रहली। राजा के अफसर दौड़ के फिरौन के जवन कुछ देखले रहले, उ सब बतवले अवुरी उ लोग राजा के सराय के स्तुति कईले। फिरौन ओकरा के ले आवे के आदेश देले अवुरी उ महिला राजा के सोझा आ गईल।
15 फिरौन सारा के देखले आ ऊ ओकरा के बहुत खुश कइलस आ ओकर सुंदरता से राजा बहुत खुश हो गइलन आ जे लोग उनका के बारे में खबर लेके आइल रहे, ओह लोग के उपहार दे दिहलन।
16 तब ओह मेहरारू के फिरौन के घरे ले आवल गइल आ अब्राम अपना मेहरारू के चलते दुखी हो गइलन आ ऊ प्रभु से प्रार्थना कइलन कि ऊ ओकरा के फिरौन के हाथ से बचावस।
17 ओह घरी सारा भी प्रार्थना कइली आ कहली, "हे परमेस् वर परमेस् वर, तू हमरा प्रभु अब्राम से कहनी कि ऊ अपना देश से आ अपना बाप के घर से कनान देश में चल जास, आ अगर ऊ तोहार आज्ञा के पालन करी त ओकरा साथे भलाई करे के वादा कइले बाड़ऽ। अब देख हमनी के उहे कर देले बानी जा जवन तू हमनी के आज्ञा देले रहलू, आ हमनी के आपन देश आ आपन परिवार छोड़ के एगो पराया देश आ एगो अइसन लोग के लगे चल गइनी जा जेकरा के हमनी के पहिले ना जानत रहनी जा।
18 हमनी के अकाल से बचे खातिर एह देश में आइल रहनी जा आ हमरा पर ई बुरा दुर्घटना भइल बा। अब हे प्रभु परमेश्वर, हमनी के बचावे आ एह अत्याचारी के हाथ से बचावऽ आ अपना दया खातिर हमरा साथे भलाई करऽ।
19 तब प्रभु सारा के आवाज सुनलन आ प्रभु एगो स्वर्गदूत भेजलन कि ऊ सारा के फिरौन के शक्ति से बचावे।
20 राजा सराय के सामने आके बईठ के देखलस कि प्रभु के एगो दूत ओ लोग के ऊपर खड़ा होके सराय के सामने प्रकट होके कहलस, "मत डेरा, काहेकि प्रभु तोहार प्रार्थना सुनले बाड़े।
21 राजा सारा के लगे जाके पूछले, "ऊ आदमी तोहरा खातिर का ह जे तोहरा के इहाँ ले आइल बा?" ऊ कहली, "उ हमार भाई हवें।"
22 राजा कहलन, "हमनी के ई काम बा कि हमनी के ओकरा के बड़ बनावल जाव, ओकरा के ऊपर उठावल जाव आ ओकरा साथे ऊ सब भलाई कइल जाव जवन तू हमनी के आज्ञा देबऽ। आ ओह घरी राजा अब्राम के लगे चानी आ सोना आ कीमती पत्थर के भरमार भेजले, जवना में पशु, नौकर आ नौकरानी के साथे-साथे भरमार रहे। राजा अब्राम के ले आवे के आदेश दिहलन आ ऊ राजा के घर के आँगन में बइठ गइलन आ राजा ओह रात अब्राम के बहुते ऊँच कर दिहलन.
23 राजा सराय से बात करे खातिर नजदीक अइले आ ऊ ओकरा के छूवे खातिर हाथ बढ़वले, जब स्वर्गदूत ओकरा के बहुत मार दिहलस आ ऊ घबरा गइल आ ऊ ओकरा लगे हाथ बढ़ावे से परहेज कइलस।
24 जब राजा सारा के नजदीक पहुंचले त स्वर्गदूत ओकरा के जमीन प मार देले अवुरी रात भर उनुका संगे अयीसन कईलस अवुरी राजा घबरा गईले।
25 ओह रात स्वर्गदूत सराय के चलते राजा के सभ नौकर अवुरी उनुका पूरा घर के लोग के बहुत मार देले अवुरी ओ रात फिरौन के घर के लोग के बीच बहुत विलाप भईल।
26 फिरौन ओकरा पर भईल बुराई के देख के कहलस, "सचहूँ एह औरत के चलते हमरा संगे इ घटना भईल बा अवुरी उ ओकरा से दूर हो गईले अवुरी ओकरा से मनभावन बात कहले।
27 राजा सराय से कहलस, "हमरा के बताव कि तू जवना आदमी के संगे इहाँ आईल बाड़ू। सराय कहली, "ई आदमी हमार पति ह, हम तोहरा से कहनी कि उ हमार भाई ह, काहेकी हम डेरा गईल रहनी कि कहीं तू ओकरा के बुराई के चलते मार ना देब।"
28 राजा सारा से दूर रह गइलन आ प्रभु के दूत के विपत्ति ओकरा आ ओकरा घर के लोग से खतम हो गइल। फिरौन के पता चल गईल कि सराय के चलते उ मारल गईल बाड़े अवुरी राजा एकरा से बहुत अचरज में पड़ गईले।
29 सबेरे राजा अब्राम के बोलवले अवुरी पूछले, "तू हमरा संगे इ का कईले बाड़?" तू काहे कहनी कि ऊ हमार बहिन हई, जवना के चलते हम ओकरा के अपना लगे पत्नी बना लेले रहनी, अवुरी एहीसे इ भारी महामारी हमरा अवुरी हमरा घर के लोग प आ गईल बा।
30 अब तोहार मेहरारू हई, ओकरा के लेके हमनी के देश से चल जा, कहीं हमनी के सब केहू ओकरा चलते मर ना जाइब जा। फिरौन अब्राम के देवे खातिर अउरी मवेशी, नौकर आ नौकरानी, चांदी आ सोना लेके चल गईले अवुरी उ अपना पत्नी सारा के उनुका लगे वापस आ गईले।
31 राजा अपना उपपत्नी से पैदा भइल एगो लइकी के लेके सराय के दासी बना दिहलन।
32 राजा अपना बेटी से कहलस, "हमार बेटी हमरा घर में नौकरानी बनला से बढ़िया बा कि हम एह औरत के चलते हमनी प भईल बुराई के देखले बानी।
33 अब्राम उठ के उनकर सब लोग मिस्र से चल गइलन। फिरौन अपना कुछ लोगन के आदेश दिहलन कि उ लोग आ ओकरा साथे जाए वाला सब लोग के साथे चले।
34 अब्राम कनान देश में वापस आ गईले, उ जगह जहवां उ वेदी बनवले रहले, जहां उ पहिले आपन डेरा खड़ा कईले रहले।
35 अब्राम के भाई हारान के बेटा लूत के लगे मवेशी, झुंड आ भेड़ आ डेरा के भारी भंडार रहे, काहे कि अब्राम के चलते प्रभु ओ लोग के बहुत भरमार रहले।
36 जब अब्राम ओह देश में रहत रहले त लूत के चरवाहा अब्राम के चरवाहा से झगड़ा करत रहले, काहे कि ओ लोग के संपत्ति बहुत जादे रहे, जवना के चलते उ लोग ओ देश में एक संगे ना रह

सकत रहले अवुरी उ देश ओ लोग के मवेशी के चलते ओ लोग के बर्दाश्त ना क सकत रहे।
37 जब अब्राम के चरवाहा अपना भेड़ के चरावे गईले त उ लोग देश के लोग के खेत में ना गईले, लेकिन लूत के चरवाहा के मवेशी दोसर तरीका से काम कईले, काहेंकी ओ लोग के देश के लोग के खेत में चरावे के अनुमति रहे।
38 देश के लोग रोज इ घटना देखत रहले अवुरी उ लोग अब्राम के लगे आके लूत के चरवाहा के चलते उनुका से झगड़ा करत रहले।
39 अब्राम लूत से कहले, "तू हमरा के का कर रहल बाड़ू कि हमरा के ओह देश के निवासी लोग के नजर में घृणित बनावल जा सकेला कि तू अपना चरवाहा के आदेश देत बाड़ू कि ऊ दोसरा लोग के खेत में आपन मवेशी चरावे? का तू नइखऽ जानत कि हम कनान के लोग के बीच एह देश में परदेसी हईं आ तू हमरा साथे अइसन काहे करबऽ?
40 एकरा चलते अब्राम रोज लूत से झगड़ा करत रहले, लेकिन लूत अब्राम के बात ना सुनत रहले अवुरी उ अयीसने करत रहले अवुरी देश के निवासी आके अब्राम के बतवले।
41 अब्राम लूत से कहले, "तू हमरा खातिर कब तक ओह देश के निवासी लोग के साथे ठोकर बनबऽ?" अब हम तोहरा से निहोरा करत बानी कि हमनी के बीच अब झगड़ा मत होखे, काहे कि हमनी के रिश्तेदार हईं जा।
42 बाकिर हम तोहरा से निहोरा करत बानी कि हमरा से अलगा हो जा, जा के कवनो अइसन जगह चुनीं जहाँ तू अपना पशु-पक्षी आ अपना सब सामान के साथे रह सकीले, बाकिर हमरा से, तू आ अपना घर के लोग से अपना के दूर राखऽ.
43 हमरा से जाए में मत डेरा, काहे कि अगर केहू तोहरा के कवनो नुकसान पहुंचावेला त हमरा के बता दीं आ हम ओकरा से तोहार बात के बदला लेब, खाली हमरा से दूर हो जा।
44 जब अब्राम लूत से इ सब बात कहलन त लूत उठ के यरदन के मैदान के ओर आँख उठा के देखले।
45 ऊ देखलन कि ई पूरा जगह पानी से भरल बा आ आदमी खातिर भी बढ़िया बा आ साथ ही साथ मवेशी खातिर चारागाह भी बा।
46 लूत अब्राम से ओहिजा चल गइलन आ ऊ ओहिजा आपन डेरा खड़ा कइलन आ सदोम में रह गइलन आ ऊ लोग एक दोसरा से अलगा हो गइलन.
47 अब्राम हेब्रोन के ममरे के मैदान में रहत रहले अवुरी उहाँ आपन डेरा खड़ा कईले अवुरी अब्राम बहुत साल तक ओ जगह प रहले।

अध्याय 16 के बा

1 ओही घरी एलाम के राजा कदोर्लाओमर पड़ोसी के सब राजा लोग के लगे, शिनार के राजा निमरोद के लगे भेजले, जवन कि तब अपना अधिकार में रहे, आ गोयम के राजा टाइडल आ एलासर के राजा अरिओक के लगे भेजले रहले, जवना से उ एगो वाचा कईले रहले कि, "हमरा लगे आके हमार मदद करीं, ताकि हमनी के सदोम के सभ शहर अवुरी ओकरा निवासी के मार देब।" हमरा खिलाफ ई तेरह साल से विद्रोह कइलस।
2 इ चारो राजा अपना सब डेरा के संगे लगभग आठ लाख आदमी के संगे चढ़ गईले अवुरी उ लोग अपना रास्ता में मिलल हर आदमी के मार देले।
3 सदोम आ अमोरा के पांच राजा, अदमा के राजा शिनाब, जबबोयम के राजा शेमेबर, सदोम के राजा बेरा, अमोरा के राजा बेरशा आ सोअर के राजा बेला, ओ लोग से मिले निकलल लोग आ सब लोग सिद्दिम के घाटी में एक साथ मिल गईल।
4 ई नौ राजा सिद्दीम के घाटी में लड़ाई लड़ले। सदोम आ अमोरा के राजा लोग एलाम के राजा लोग के सामने मार दिहल गइल।
5 सिद्दीम के घाटी चूना के गड्ढा से भरल रहे आ एलाम के राजा सदोम के राजा लोग के पीछा करत रहले आ सदोम के राजा लोग अपना डेरा के साथे भाग के चूना के गड्ढा में गिर गइलन आ बाकी सब लोग सुरक्षित खातिर पहाड़ पर चल गइलन आ एलाम के पांच राजा ओह लोग के पीछे-पीछे चल के सदोम के फाटक तक ले गइलन आ सदोम के सब कुछ ले लिहले।
6 ऊ लोग सदोम आ अमोरा के सब शहरन के लूट लिहल आ अब्राम के भाई के बेटा लूत आ ओकर संपत्ति भी ले लिहल आ सदोम शहरन के सगरी संपत्ति पर कब्जा कर लिहल आ ऊ लोग चल गइल। युद्ध में अब्राम के नौकर यूनिक इ देख के अब्राम के उ सब बात बतवले जवन राजा लोग सदोम के शहर के संगे कईले रहले अवुरी लूत के ओ लोग बंदी बना लेले रहले।
7 अब्राम के ई बात सुन के ऊ अपना साथे लगभग तीन सौ अठारह आदमी के साथे उठल आ ओह रात ऊ एह राजा लोग के पीछा क के मार दिहलस आ सब लोग अब्राम आ उनकर आदमी के सामने गिर गइल आ भागल चार गो राजा के अलावा केहू ना बचल आ हर केहू अपना रास्ता पर चल गइल।
8 अब्राम सदोम के सब संपत्ति वापस ले लिहले अवुरी उ लूत अवुरी उनुकर संपत्ति, उनुकर पत्नी अवुरी छोट-छोट बच्चा अवुरी उनुकर सभ संपत्ति वापस क लेले, जवना से लूत के कुछूओ के कमी ना रहे।
9 जब ऊ एह राजा लोग के मार के लवटलन त उनकर आदमी लोग सिद्दीम के घाटी से गुजरल जहाँ राजा लोग एक संगे युद्ध कइले रहले।
10 सदोम के राजा बेरा आ उनकर बाकी आदमी जे चूना के गड्ढा में गिरल रहले, ओहिजा से अब्राम आ उनकर आदमी से मिले खातिर निकलल।
11 यरूशलेम के राजा अदोनिसेदेक, उहे शेम, अपना आदमी के साथे रोटी आ शराब लेके अब्राम आ उनकर लोग से मिले खातिर निकलल आ उ लोग मेलेक के घाटी में एक साथ रह गइल।
12 अदोनिसेदेक अब्राम के आशीष दिहलन आ अब्राम अपना दुश्मनन के लूट से जवन कुछ ले आइल रहे ओकरा में से दसवाँ हिस्सा ओकरा के दे दिहलन काहे कि अदोनिसेदेक भगवान के सामने याजक रहले.
13 सदोम आ अमोरा के सब राजा अपना नौकरन के साथे अब्राम से निहोरा कइलन कि ऊ ओह लोग के नौकरन के वापस कर देव जवना के ऊ बंदी बना लिहले रहले आ सगरी संपत्ति अपना लगे ले लेव.
14 अब्राम सदोम के राजा लोग के जवाब देत कहलन कि, "जइसे प्रभु जिंदा बाड़े, जे स्वर्ग आ धरती के रचना कइले बाड़न, आ जे हमरा के हर दुख से मुक्त कर दिहले बाड़न, आ जे हमरा के आज हमरा दुश्मनन से बचा के हमरा हाथ में दे दिहले बाड़न, हम तोहार कवनो चीज ना लेब, ताकि तू काल्हु घमंड मत करीं

कि अब्राम हमनी के संपत्ति से अमीर हो गइलन जवना के ऊ बचा लिहले बाड़न.
15 काहेकि हमार परमेस् वर प्रभु, जेकरा पर हम भरोसा करत बानी, हमरा से कहलन कि तोहरा कुछुओ के कमी ना होई, काहेकि हम तोहरा हाथ के सब काम में तोहरा के आशीष देब।
16 अब देखऽ, इहाँ तोहार सब कुछ बा, ओकरा के लेके चल जा। जइसे कि प्रभु जीयत बाड़न हम तोहरा से कवनो जिंदा आत्मा से जूता भा धागा तक ना लेब, सिवाय हमरा साथे लड़ाई में निकलल लोग के खाना के खरचा के, आ हमरा साथे गइल आदमी के हिस्सा, अनार, अश्कोल आ ममरे, ऊ लोग आ ओह लोग के आदमी के हिस्सा के साथे-साथे जे लोग सामान पर नजर राखे खातिर बचल रहे, ऊ लोग लूट के आपन हिस्सा ले ली।
17 सदोम के राजा अब्राम के जवन कुछ कहले रहले, ओकरा के देले अवुरी उ लोग उनुका के जवन कुछ चुनले, ओकरा के लेवे खाती दबावत रहले, लेकिन उ ना मनले।
18 सदोम के राजा आ उनकर बाकी आदमी के भेज दिहलन आ लूत के बारे में आदेश दिहलन आ ऊ लोग अपना-अपना जगह पर चल गइल।
19 अपना भाई के बेटा लूत भी आपन संपत्ति लेके चल गईले अवुरी लूत अपना घर सदोम में लवट गईले अवुरी अब्राम अवुरी उनुकर लोग अपना घरे ममरे के मैदान में लवट गईले, जवन कि हेब्रोन में बा।
20 ओही घरी परमेस् वर फेरु से अब्राम से हेब्रोन में प्रकट भइले आ कहलन कि मत डेरा, तोहार इनाम हमरा सोझा बहुत बड़ बा, काहेकि हम तोहरा के तब तक ना छोड़ब, जब तक कि हम तोहरा के ना बढ़ा देब आ तोहरा के आशीष ना देब आ तोहरा वंशज के स्वर्ग के तारा निहन ना बना देब, जवना के नापल ना जा सकेला।
21 आ हम तोहरा संतान के इ सब देश देब जवन तू अपना आँख से देखत बाड़, हम ओह लोग के हमेशा खातिर विरासत के रूप में देब, खाली मजबूत रहीं आ मत डेराईं, हमरा सोझा चलीं आ सिद्ध रहीं।
22 अब्राम के जीवन के अड़हत्तरवाँ साल में पेलेग के बेटा रेऊ के मौत हो गइल आ रेउ के पूरा दिन दू सौ उनतीस साल के रहल आ ऊ मर गइलन।
23 ओह घरी अब्राम के मेहरारू हारान के बेटी सारा बंजर रहली। उ अब्राम के ना त बेटा पैदा कईली ना बेटी।
24 जब उ देखली कि उनुका कवनो संतान नईखे भईल त उ अपना दासी हाजर के लेके चल गईली, जवन कि फिरौन उनुका के देले रहले अवुरी उनुका के अपना पति के अब्राम के पत्नी के रूप में दे देली।
25 काहेकि हागार सारा के सब रास्ता सिखले रहली, जईसे कि सराय ओकरा के सिखवले रहली।
26 सराय अब्राम से कहली, "देखऽ, हमार दासी हाजर हई, ओकरा लगे जाके हमरा घुटना टेक के बच्चा पैदा करस, ताकि हम ओकरा से संतान भी पा सकीले।"
27 अब्राम के कनान देश में रहला के दस साल के अंत में, जवन कि अब्राम के जीवन के पचासीवां साल ह, त सारा हागार के दे दिहली।
28 अब्राम अपना मेहरारू सारा के आवाज सुन के आपन दासी हाजर के लेके चल गईले अवुरी अब्राम ओकरा लगे अईले अवुरी उ गर्भवती हो गईली।
29 जब हाजर देखली कि ऊ गर्भवती हो गइल बाड़ी त ऊ बहुते खुश हो गइली आ उनकर मलिकाइन के नजर में तिरस्कार कइल गइल आ ऊ अपना मन में कहली कि, "ई तबे हो सकेला कि हम अपना मालिक सारा से भगवान के सामने बेहतर बानी, काहे कि जबले हमार मालिक हमरा मालिक के साथे रहली, उ सब दिन से उ गर्भवती ना रहली, लेकिन हमरा के प्रभु एतना कम समय में उनुका से गर्भवती कर देले बाड़े।
30 जब सराय देखलस कि हाजर अब्राम से गर्भवती हो गईल बाड़ी, त सारा के अपना दासी से ईर्ष्या भईल अवुरी सारा मन में कहली कि, "ई त अवुरी कुछूओ नईखे, सिवाय एकरा कि उ हमरा से निमन होखे के चाही।"
31 सराय अब्राम से कहली, "हमार गलती तोहरा पर होखे, काहे कि जब तू लइकन खातिर प्रभु के सामने प्रार्थना करत रहलू, तब तू हमरा खातिर काहे ना प्रार्थना कइनी कि प्रभु हमरा के तोहरा से बीज देस?
32 जब हम तोहरा सामने हाजर से बात करब त ऊ हमरा बात के तुच्छ समझेले काहे कि ऊ गर्भवती हो गइल बाड़ी आ तू ओकरा से कुछ ना कहब। तू हमरा साथे जवन कइले बाड़ऽ ओकरा खातिर प्रभु हमरा आ तोहरा बीच के न्याय करस।
33 अब्राम सारा से कहले, "देखऽ तोहार दासी तोहरा हाथ में बिया, ओकरा साथे जइसन तोहरा नजर में अच्छा लागे, ओइसन करऽ। सराय ओकरा के दुखी कइलस आ हाजर ओकरा से भाग के जंगल में चल गइल।
34 जवना जगह से ऊ भागल रहे, उहाँ एगो इनार के किनारे परमेश् वर के एगो दूत ओकरा के मिलल, त ऊ ओकरा से कहलस, "मत डेरा, काहे कि हम तोहार संतान के बढ़ा देब, काहे कि तू एगो बेटा पैदा करबऽ आ तू ओकर नाम इस्माइल रखबऽ। अब त अपना मलिकाइन सराय के लगे लवट के ओकरा हाथ के अधीन हो जा।
35 हागार ओह कुआँ के जगह के बेर-लहाई-रोई कहलन जवन कादेश आ बेरेद के जंगल के बीच में बा।
36 ओह घरी हाजर अपना मालिक के घरे लवटली आ दिन के अंत में हाजर अब्राम के एगो बेटा पैदा कइली आ अब्राम ओकर नाम इस्माइल रख दिहलस। जब अब्राम के जनम भइल त ओकर उमिर छियासी साल रहे।

अध्याय 17 के बा

1 ओह दिन अब्राम के जीवन के एकनब्बेवाँ साल में कित्तीम के लोग तुबल के संतान से लड़ाई लड़ल काहे कि जब प्रभु आदमी के बेटा लोग के धरती पर बिखर दिहलन त कित्तीम के लोग जाके कनोपिया के मैदान में अपना के मूर्त रूप ले लिहले आ ओहिजा आपन शहर बना के तिब्रू नदी के किनारे रह गइलन।
2 तुबल के लोग टस्कना में रहत रहे आ उनकर सीमा तिब्रू नदी तक पहुँचल आ तुबल के लोग टस्कानन में एगो शहर बनवलस आ उ लोग आपन बाप तुबल के बेटा सबिना के नाम पर सबिना रखलस आ उ लोग आज तक उहाँ रहत रहल।
3 ओही घरी कित्तीम के लोग तुबल के लोग से लड़ाई लड़ल आ तुबल के लोग कित्तीम के लोग के सामने मार दिहल आ कित्तीम के लोग तुबल के लोग से तीन सौ सत्तर आदमी के गिरा दिहल।

4 ओह घरी तुबल के लोग कित्तीम के लोग के किरिया खइले कि, "तू हमनी के बीच बियाह ना करऽ, आ केहू आपन बेटी के कित्तीम के कवनो बेटा के ना देई।"
5 ओह घरी तुबल के सब बेटी गोरी रहली, काहे कि तब पूरा धरती में तुबल के बेटी जइसन गोरी कवनो मेहरारू ना मिलत रहे।
6 आउर जे भी औरत के सुंदरता में खुश रहे, उ लोग तुबल के बेटी के पास जाके ओह लोग से मेहरारू बियाह कईले, आ आदमी के बेटा, राजा आ राजकुमार, जे औरतन के सुंदरता में बहुत खुश रहले, उ लोग ओह घरी तुबल के बेटी से पत्नी बियाह कईले।
7 तुबल के लइका लोग कित्तीम के लइकन से आपन बेटी के मेहरारू ना देवे के कसम खइला के तीन साल बाद कित्तीम के लोग में से लगभग बीस आदमी तुबल के कुछ बेटी के लेके चल गईले, लेकिन उ लोग के कवनो बेटी ना मिलल।
8 काहेकि तुबल के लइका लोग आपन कसम के पालन करत रहे कि उ लोग अपना संगे बियाह ना करीहे अवुरी उ लोग आपन किरिया ना तोड़त रहले।
9 कटाई के दिन में तुबल के लइका लोग अपना खेत में निकल के आपन फसल के खेत में चलत रहे, जब कित्तीम के नवही लोग जुट के सबिना शहर में चल गइल आ हर आदमी तुबल के बेटी लोग में से एगो युवती के लेके आपन शहर में आ गइल।
10 तुबल के लोग ई बात सुन के ओह लोग से लड़ाई करे गइलन आ ऊ लोग ओह लोग पर हावी ना हो पावल काहे कि पहाड़ ओह लोग से बहुते ऊँच रहे आ जब ऊ लोग देखल कि ऊ लोग ओह लोग पर हावी ना हो पावे त ऊ लोग अपना देश में लवट गइल.
11 साल के क्रांति के समय तुबल के लोग जाके अपना नजदीक के शहरन से करीब दस हजार आदमी के काम पर रखले अवुरी उ लोग कित्तीम के लोग के संगे लड़ाई करे लगले।
12 तुबल के लइका लोग कित्तीम के लोग के साथे लड़ाई में निकलल, आपन देश के नष्ट करे आ ओकरा के परेशान करे खातिर, आ एह लड़ाई में तुबल के लोग कित्तीम के लोग पर हावी हो गइल आ कित्तीम के लोग बहुत दुखी होके तुबल के बेटी लोग से मिलल संतान के ओह देवाल पर उठा दिहल जवन बनल रहे, ताकि उ लोग के बच्चा लोग के नजर में रहे तुबल के बा।
13 कित्तीम के लोग ओह लोग से कहलस, "का तू लोग अपना बेटा-बेटी से लड़ाई करे आइल बाड़, आ का हमनी के ओह समय से लेके अब तक तोहार मांस आ हड्डी ना मानल जाला?
14 जब तुबल के लोग इ बात सुन के कित्तीम के लोग से लड़ाई बंद क देले अवुरी उ लोग चल गईले।
15 उ लोग अपना-अपना शहर में वापस आ गईले अवुरी ओ समय कित्तीम के लोग एकट्ठा होके समुंदर के किनारे दु शहर बनवले अवुरी एगो के पुर्तू अवुरी दूसरा के अरीसा नाम देले।
16 तब तेरा के बेटा अब्राम उननबे साल के रहले।
17 ओही घरी प्रभु ओकरा से प्रकट भइले आ ओकरा से कहलन कि हम अपना आ तोहरा बीच आपन वाचा करब आ तोहार संतान के बहुते बढ़ा देब आ हम अपना आ तोहरा बीच जवन वाचा कइले बानी ऊ इहे बा कि हर नर बच्चा के खतना करावल जाव, तू आ तोहरा बाद के वंशज के खतना हो जाव.
18 आठ दिन के उमिर में ओकर खतना हो जाई आ ई वाचा तोहनी के शरीर में अनन्त वाचा खातिर होई।
19 अब तोहार नाम अब अब्राम ना होई, लेकिन इब्राहीम होई अवुरी तोहार पत्नी के नाम अब सारा ना होई।
20 हम तोहनी दुनु के आशीर्वाद देब आ तोहरा बाद तोहनी के संतान के बढ़ा देब कि तू एगो बड़हन राष्ट्र बनबऽ आ तोहनी से राजा निकल जइहें।

अध्याय 18 के बा

1 अब्राहम उठ के भगवान के आदेश के सब काम कईले अवुरी उ अपना घर के आदमी अवुरी अपना पईसा से खरीदल लोग के लेके चल गईले अवुरी प्रभु के आदेश के मुताबिक खतना क देले।
2 केहू के खतना ना भइल आ अब्राहम आ उनकर बेटा इस्माइल के खतना हो गइल। तेरह साल के रहले इस्माइल जब उनकर खतना भइल रहे उनकर अग्रचर्म के मांस में।
3 तीसरा दिन अब्राहम अपना डेरा से बाहर निकल के दुआर पर बईठ के अपना शरीर के पीड़ा के दौरान घाम के गर्मी के आनंद लेवे।
4 ममरे के मैदान में प्रभु उनका के प्रकट भइलन आ उनकर तीन गो सेवक दूत के उनकरा से मिले भेजलन आ ऊ डेरा के दुआर पर बइठल रहले आ आँख उठा के देखलन कि दूर से तीन आदमी आवत रहले आ ऊ उठ के दौड़ के ओह लोग से मिले खातिर चल गइलन आ ऊ ओह लोग के प्रणाम क के ओह लोग के अपना घर में ले अइले.
5 ऊ ओह लोग से कहलस, "अगर तोहनी के नजर में हमरा अनुग्रह मिलल बा त फेर में आके एक कटोरा रोटी खा लीं। आ ऊ ओह लोग के दबा दिहलन आ ऊ लोग भीतर घुस गइल आ ऊ ओह लोग के पानी दिहलन आ ऊ लोग गोड़ धो दिहलन आ ऊ ओह लोग के डेरा के दुआर पर एगो पेड़ का नीचे राख दिहलन.
6 इब्राहीम दौड़ के एगो कोमल आ बढ़िया बछड़ा लेके ओकरा के जल्दी से मार के अपना सेवक एलीएजर के सजवावे खातिर दे दिहलन।
7 इब्राहीम सारा के लगे डेरा में अईले अवुरी उनुका से कहले, "जल्दी से तीन नाप के महीन आटा तैयार क, ओकरा के गूंध के मांस वाला बर्तन के ढके खाती केक बनाई अवुरी उ अयीसन कईली।
8 इब्राहीम जल्दी-जल्दी ओह लोग के सामने मक्खन, दूध, गोमांस आ मटर लेके अइले आ बछड़ा के मांस पूरा होखे से पहिले ओकरा के खाए खातिर दे दिहलन।
9 जब उ लोग खाना खइला पर एक आदमी ओकरा से कहलस, "हम जिनिगी के समय के हिसाब से तोहरा लगे लवटब आ तोहार मेहरारू सारा के एगो बेटा हो जाई।"
10 ओकरा बाद उ लोग निकल के उहाँ चल गईले, जवना जगह प उ लोग भेजल गईल रहले।
11 ओह घरी सदोम आ अमोरा के सब लोग आ पूरा पांच शहर के लोग प्रभु के खिलाफ बहुत दुष्ट आ पाप करे वाला रहले आ उ लोग अपना घिनौना काम से प्रभु के भड़कावत रहले, आ उ लोग प्रभु के सामने घिनौना आ तिरस्कार से बुढ़ापा में मजबूत हो गईले, आ ओह समय में उ लोग के दुष्टता अवुरी अपराध प्रभु के सोझा बहुत जादे रहे।

12 ओह लोग के देश में एगो बहुत बिसाल घाटी रहे, जवन लगभग आधा दिन के पैदल दूरी पर रहे, आ ओहमें पानी के फव्वारा आ पानी के चारो ओर बहुत सारा जड़ी-बूटी रहे।
13 सदोम आ अमोरा के सब लोग साल में चार बेर उहाँ जाके आपन मेहरारू-लइकी आ अपना सब सामान के साथे उहाँ जात रहले आ उहाँ बजत-गावत आ नाच-गान से आनन्दित होत रहले।
14 खुशी के समय उ सब उठ के अपना पड़ोसी के मेहरारू आ कुछ लोग, पड़ोसी के कुंवारी बेटी के पकड़ लेत रहले, आ उ लोग मजा लेत रहले, आ हर आदमी अपना पत्नी अवुरी बेटी के अपना पड़ोसी के हाथ में देख के एक शब्द ना बोलत रहले।
15 उ लोग सबेरे से रात तक अयीसन करत रहले अवुरी ओकरा बाद उ लोग हरेक आदमी अपना घरे अवुरी हरेक महिला अपना डेरा में लवटत रहले। त उ लोग हमेशा साल में चार बेर करत रहले।
16 साथ ही जब कवनो पराया आदमी ओह लोग के शहरन में आके उहाँ के निपटान के मकसद से खरीदल सामान ले आवे त एह शहरन के लोग, मरद, मेहरारू आ लइका, छोट-बड़ एकट्ठा हो जात रहले आ ओह आदमी के लगे जाके ओकर माल जबरन ले जात रहले आ हर आदमी के थोड़-बहुत कुछ देत रहले जबले कि ओह मालिक के सगरी माल के अंत ना हो जाव जवन ऊ देश में ले आइल रहले.
17 अगर माल के मालिक ओ लोग से झगड़ा करत रहले कि, "तू हमरा साथे इ का काम कईले बाड़, त उ लोग एक-एक क के उनुका लगे पहुंचत रहले अवुरी हरेक उनुका के उ छोट चीज़ देखावत रहले अवुरी ताना मारत रहले कि, "हम सिर्फ उहे छोट ले लेले बानी जवन तू हमरा के देले बानी। आ जब ऊ ओह सब से ई बात सुनत रहले त ऊ उठ के ओह लोग से दुख आ कड़वाहट में चल जात रहले, जब ऊ सब उठ के उनका पीछे चल जात रहले आ ओकरा के बहुते हल्ला आ हंगामा से शहर से भगा देत रहले.
18 एलाम देश के एगो आदमी आराम से सड़क पर जात रहे, जवन अपना गदहा प बईठल रहे, जवन कि अलग-अलग रंग के महीन कपड़ा लेके चलत रहे अवुरी गदहा प डोरी से बान्हल रहे।
19 ऊ आदमी साँझ के सूरज डूबला पर सदोम के गली से गुजरत रहे आ रात में रुके खातिर उहाँ रह गइल, बाकिर केहू ओकरा के अपना घर में ना जाए दिहलस। ओह घरी सदोम में एगो दुष्ट आ बदमाश आदमी रहे, जवन बुराई करे में निपुण रहे आ ओकर नाम हेदाद रहे।
20 ऊ आँख उठा के शहर के गली में बटोही के देखले त ओकरा लगे आके पूछले, "तू कहाँ से आवत बाड़ आ कहाँ जात बाड़?"
21 ऊ आदमी ओकरा से कहलस, "हम हेब्रोन से एलाम जात बानी जहाँ हम बानी, आ जब हम गुजरत रहनी त सूरज डूब गइल आ केहू हमरा के अपना घर में घुसे ना देत रहे, हालांकि हमरा लगे रोटी-पानी आ गांड खातिर भूसा आ चारा भी रहे, आ हमरा लगे कुछुओ के कमी नइखे।
22 हेदाद ओकरा से कहलस कि, "जवन कुछ तोहरा के कमी होई, उ सब हमरा से मिल जाई, लेकिन तू रात भर गली में ना रहब।"
23 हेदाद ओकरा के अपना घरे ले अइले आ ऊ डोरी से गदहा से कपड़ा उतार के अपना घरे ले अइले आ जबले बटोही हेदाद के घर में खात-पीयत रहे तबले ऊ गदहा के भूसा आ चारा दे दिहलन आ ओह रात ऊ ओहिजा रह गइलन.
24 सबेरे उ बटोही आपन यात्रा जारी राखे खातिर सबेरे उठल त हेदाद ओकरा से कहलस, "रुक, एक कटोरी रोटी से तोहरा मन के दिलासा द आ फेर जा, त उ आदमी अईसन कईलस। उ ओकरा संगे रहले अवुरी दिन में दुनो लोग एक संगे खाना-पीना करत रहले, जब उ आदमी जाए खाती उठल।
25 हेदाद ओकरा से कहलस, "देखऽ अब दिन कम हो रहल बा, तू रात भर रुकल रहित ताकि तोहार मन के दिलासा मिल सके। उ ओकरा के एतना दबा दिहलस कि उ रात भर उहाँ रहले अवुरी दूसरा दिन उ जल्दी उठ के चल गईले, तबे हेदाद ओकरा के दबा के कहले कि, "रोटी के कटोरा से तोहरा दिल के दिलासा द अवुरी फेर जा, उ दूसरा दिन भी रह के ओकरा संगे खाना खईले, अवुरी तब उ आदमी उठ के आपन यात्रा जारी रखले।"
26 हेदाद ओकरा से कहलस, "देखऽ अब दिन कम हो रहल बा, तोहरा मन के दिलासा देवे खातिर हमरा साथे रहऽ आ सबेरे उठ के चल जा।"
27 उ आदमी ना रहे के चाहत रहे, लेकिन उठ के अपना गदहा प काठी बन्हले रहे अवुरी जब उ अपना गदहा प काठी बांधत रहे त हेदाद के पत्नी अपना पति से कहली, "देख, इ आदमी दु दिन से हमनी के संगे खात-पीत रहल बा अवुरी उ हमनी के कुछूओ ना देले बा, अवुरी अब उ बिना कुछ देले हमनी से दूर चल जाई? हेदाद ओकरा से कहलस, "चुप रहऽ!"
28 ऊ आदमी अपना गदहा पर काठी बन्हले रहे आ ऊ हेदाद से कहलन कि ऊ ओकरा के गदहा पर बान्हे खातिर डोरी आ कपड़ा दे देव.
29 हेदाद ओकरा से पूछले, "तू का कहत बाड़?" उ ओकरा से कहलस कि, तू हमरा मालिक के उ डोरी अवुरी रंग के रंग से बनल कपड़ा देब, जवन कि तू अपना घर में छिपा के रखले रहलू।
30 हेदाद ओह आदमी के जवाब दिहलस, "तोहार सपना के मतलब इहे ह, जवन डोरी तू देखले बाड़, एकर मतलब बा कि तोहार जीवन डोरी निहन लंबा हो जाई अवुरी रंग के रंग से रंगल आवरण के देखला के मतलब बा कि तोहरा अंगूर के बगइचा होई, जवना में तू हर तरह के फल के पेड़ लगाईब।
31 बटोही जवाब दिहलस, "अइसन ना हे मालिक, काहे कि जब हम तोहरा के डोरी आ अलग-अलग रंग से बुनल चप्पल देले रहनी त हम जागल रहनी, जवना के तू हमरा खातिर पहिरे खातिर गदहा के उतार देले रहलू। हेदाद जवाब दिहलन, "हम तोहरा सपना के व्याख्या जरूर बतवले बानी आ ई एगो बढ़िया सपना ह, आ एकर व्याख्या इहे बा।"
32 अब आदमी के बेटा हमरा के चार चांदी के टुकड़ा देवेले, जवन कि सपना के व्याख्या करे के काम हमार ह, अवुरी हमरा सिर्फ तोहरा से तीन चांदी के टुकड़ा मांगे के चाही।
33 ऊ आदमी हेदाद के बात से नाराज हो गइल आ ऊ कड़ुआ चिल्ला के हेदाद के सदोम के न्यायाधीश सेराक के लगे ले अइले।
34 ऊ आदमी न्यायाधीश सेराक के सामने आपन बात रखलस जब हेदाद जवाब दिहलस, "अइसन नइखे, लेकिन बात अईसन बा। न्यायाधीश बटोही से कहलस, "ई आदमी हेदाद तोहरा के साँच बतावत बा, काहे कि ऊ शहरन में सपना के सही व्याख्या करे खातिर मशहूर बा।"
35 ऊ आदमी न्यायाधीश के बात सुन के चिल्ला के कहलस, "हमार प्रभु अइसन ना, काहे कि हम ओह दिन के गदहा पर जवन डोरी आ चप्पल ओकरा के अपना घर में रखे खातिर देले

रहनी। आ दुनु जने जज साहब का सोझा विवाद कइलन आ एगो कहलसि कि, "अइसन बात भइल आ दोसरका दोसरा तरह के घोषणा करत."

36 हेदाद ओह आदमी से कहलस, "हमरा के चार गो चांदी के टुकड़ा दे द जवन हम सपना के व्याख्या खातिर ले सकीले। हम कवनो भत्ता ना देब; आ हमरा घर में जवन चारो खाना खइले रहलू ओकर खरचा हमरा के दे दऽ।

37 ऊ आदमी हेदाद से कहलस, "हम तोहरा घर में जवन खइले बानी ओकर पइसा तोहरा के देब, खाली उ डोरी आ चप्पल हमरा के दे द जवन तू अपना घर में छिपा के रखले रहलू।"

38 हेदाद न्यायाधीश के सामने जवाब देके ओह आदमी से कहलस, "का हम तोहरा सपना के मतलब ना बतवले रहनी? डोरी के मतलब होला कि तोहार दिन डोरी नियर लमहर हो जाई आ मेंटल, कि तोहरा अंगूर के बगइचा होखी जवना में तू हर तरह के फलदार पेड़ लगाइब।

39 ई तोहार सपना के सही व्याख्या ह, अब हमरा के उ चार चांदी के टुकड़ा दे द जवन हमरा मुआवजा के रूप में मांगल जाला, काहे कि हम तोहरा के कवनो भत्ता ना देब।

40 हेदाद के बात सुन के उ आदमी चिल्ला उठल अवुरी दुनो लोग न्यायाधीश के सोझा झगड़ा कईले अवुरी न्यायाधीश अपना नौकर के आदेश देले अवुरी उ लोग बेधड़क घर से भगा देले।

41 सदोम के लोग सुन के ऊ लोग न्यायाधीश से झगड़ा करत चल गइल आ ऊ लोग अपना आसपास जमा हो गइल आ ऊ लोग ओह परदेसी के खिलाफ चिल्लाहट कइल आ ऊ लोग ओकरा के बेधड़क शहर से भगा दिहल.

42 ऊ आदमी अपना गदहा पर कड़वाहट से विलाप करत आ रोवत-रोवत आपन सफर जारी रखलस।

43 जात घरी सदोम के भ्रष्ट शहर में जवन भइल रहे ओकरा से ऊ रोवत रहले।

अध्याय 19 के बा

1 सदोम के शहरन में चार गो न्यायाधीश रहले आ चार गो शहरन के नाम रहे, सदोम शहर में सेराक, अमोरा में शार्कद, अदमा में जबनाक आ जबबोयम में मेनन।

2 एलीएजर अब्राहम के नौकर ओह लोग के अलग-अलग नाम रखलन आ सेराक के शक्र, शार्कद के शक्रूरा, जेबनाक के केजोबीम आ मेनन के मत्ज़लोदीन में बदल दिहलन।

3 सदोम आ अमोरा के लोग के इच्छा से सदोम आ अमोरा के लोग शहरन के गली में बिछौना खड़ा करवले रहे आ अगर केहू एह जगहन पर आवे त ओकरा के पकड़ के अपना कवनो बिछौना पर ले जाके जबरन ओकरा के ओह बिछौना में सुता देत रहे।

4 जब ऊ लेटत रहले त तीन आदमी उनका माथा पर आ तीन गो गोड़ पर खड़ा होके ओकरा के बिछौना के लंबाई से नापत रहले आ अगर ऊ आदमी बिछौना से कम रहित त ई छह आदमी ओकरा के हर छोर पर तान देत रहले आ जब ऊ ओह लोग से चिल्लात रहले त ऊ लोग ओकरा के जवाब ना देत रहले.

5 आ अगर ऊ बिछौना से लमहर रहित त ऊ लोग बिछौना के दुनो ओर के हर छोर पर एक साथ खींच लेत रहे, जब तक कि ऊ आदमी मौत के दुआर पर ना पहुँच जाव।

6 अगर उ ओह लोग से चिल्लात रहले त उ लोग उनुका के जवाब देत रहले कि, "हमनी के देश में आवे वाला आदमी के संगे अयीसन होई।"

7 सदोम शहर के लोग के इ सब बात सुन के लोग उहाँ आवे से परहेज कईले।

8 आ जब कवनो गरीब आदमी ओह लोग के देश में आवे त ओकरा के चांदी आ सोना देके पूरा शहर में घोषणा करस कि ओकरा के खाए खातिर एक कटोरी रोटी ना दिहल जाव आ अगर ऊ परदेशी कुछ दिन ओहिजा रह जाव आ भूख से मर जाव आ एको रोटी ना मिल पावे त ओकरा मरला पर शहर के सभे लोग आके आपन चांदी आ सोना ले जात रहे जवन ऊ लोग ओकरा के दिहले रहे.

9 जे लोग ओकरा के दिहल चांदी भा सोना के पहचान सकत रहे, ऊ लोग ओकरा के वापस ले लिहल आ ओकरा मरला पर ऊ लोग ओकर कपड़ा उतार दिहल आ ऊ लोग ओकरा से लड़त रहे आ जे अपना पड़ोसी पर हावी रहे ऊ ओकरा के ले लिहल.

10 ओकरा बाद उ लोग ओकरा के लेके रेगिस्तान में कुछ झाड़ी के नीचे दफना देत रहले। अईसन उ लोग पूरा दिन जे भी उ लोग के लगे आके अपना देश में मर गईल ओकरा संगे करत रहले।

11 समय के साथ सारा एलीएजर के सदोम भेजली कि उ लूत से मिले आ उनकर भलाई के बारे में पूछताछ करस|

12 एलीएजर सदोम के एगो आदमी से भेंट कइलन जवन एगो परदेसी से लड़त रहे आ सदोम के आदमी ओह गरीब के सब कपड़ा उतार के चल गइल।

13 सदोम के आदमी ओकरा साथे कइल काम के चलते इ बेचारा एलिएजर से चिल्ला के उनकर अनुग्रह के निहोरा कइलस।

14 उ ओकरा से कहलस, "तू अपना देश में आईल गरीब आदमी के संगे अयीसन काहें करतारे?

15 सदोम के आदमी एलीएजर से कहलस, "का इ तोहार भाई ह कि सदोम के लोग तोहरा के आज न्यायाधीश बनवले बा कि तू एह आदमी के बारे में बोलत बाड़?"

16 एलीएजर ओह गरीब आदमी के चलते सदोम के आदमी से झगड़ा कईले अवुरी जब एलीएजर सदोम के आदमी से गरीब के कपड़ा लेवे के नजदीक पहुंचले त उ जल्दी-जल्दी एलीएजर के माथे प पत्थर से मार देले।

17 एलीएजर के माथे से खून के भरमार बहत रहे आ जब उ आदमी खून देख के एलीएजर के पकड़ लिहलस आ कहलस कि, "हमरा के आपन किराया दे द कि हम तोहरा माथे में जवन खराब खून रहे, ओकरा से मुक्ति देले बानी, काहेकि हमनी के देश में अयीसन रिवाज अवुरी कानून बा।"

18 एलीएजर ओकरा से कहलस, "तू हमरा के घायल क देले बाड़ अवुरी हमरा से आपन किराया देवे के मांग करत बाड़। एलीएजर सदोम के आदमी के बात ना सुनले।

19 उ आदमी एलीएजर के पकड़ के सदोम के न्यायाधीश शक्र के लगे न्याय खातिर ले गईल।

20 ऊ आदमी न्यायाधीश से कहलस, "हम हमार मालिक तोहरा से निहोरा करत बानी कि ई आदमी अईसन कइले बा, काहे कि हम ओकरा के एगो पत्थर से मार देले बानी कि ओकरा माथे से खून बहल रहे, आ उ हमरा के किराया देवे के तैयार नईखन।

21 न्यायाधीश एलीएजर से कहले, "ई आदमी तोहरा से सच बोलत बा, ओकरा के ओकर किराया दे दीं, काहेकि हमनी के देश में इहे रिवाज बा। एलीएजर न्यायाधीश के बात सुन के एगो

पत्थर उठा के न्यायाधीश के मार दिहलस अवुरी पत्थर ओकरा माथे प लागल अवुरी न्यायाधीश के माथे से खून के भरमार बह गईल अवुरी एलीएजर कहले, "जदी आपके देश में इहे रिवाज बा त तू ए आदमी के उहे दे द, जवन हम ओकरा के देवे के चाहत रहनी, काहेंकी इ आपके फैसला भईल बा, त तू तय कईले बाड़ू।"
22 एलीएजर सदोम के आदमी के न्यायाधीश के लगे छोड़ के चल गईले।
23 जब एलाम के राजा सदोम के राजा लोग से लड़ाई लड़ले त एलाम के राजा सदोम के सभ संपत्ति प कब्जा क लेले अवुरी लूत के ओकर संपत्ति के संगे बंदी बना लेले अवुरी जब इब्राहीम के इ बात कहल गईल त उ एलाम के राजा से लड़ाई लड़ले अवुरी उनुका हाथ से लूत के सभ संपत्ति के संगे-संगे सदोम के संपत्ति भी वापस क लेले।
24 ओही घरी लूत के मेहरारू उनकरा के एगो बेटी के जनम दिहली आ ऊ उनकर नाम पल्तिथ रखले आ कहलन कि भगवान उनका के आ उनकर पूरा घर के लोग के एलाम के राजा लोग से बचा लेले रहले। लूत के बेटी पल्तिथ बड़ हो गइल आ सदोम के एगो आदमी ओकरा के मेहरारू बना लिहलस।
25 एगो गरीब आदमी भरण पोषण के तलाश में शहर में आइल आ ऊ कुछ दिन शहर में रहल आ सदोम के सब लोग अपना रिवाज के मुताबिक एह आदमी के एक कटोरा रोटी ना खाए के घोषणा कइल, जबले कि ऊ धरती पर मर के ना गिर जाव आ ऊ लोग अईसन कइल।
26 लूत के बेटी पल्तिथ इ आदमी के भूख से भूखे सड़क प पड़ल देखली अवुरी केहु ओकरा के जिंदा राखे खाती कुछूओ ना देवे के चाहत रहे अवुरी उ अभी मौत के हद तक रहे।
27 ऊ आदमी पर उनकर आत्मा दया से भर गइल आ ऊ बहुत दिन ले ओकरा के चुपके से रोटी खियावत रहली आ एह आदमी के आत्मा जिंदा हो गइल।
28 जब उ पानी ले आवे जात रहली त रोटी पानी के घड़ा में डाल देली अवुरी जब उ गरीब आदमी के जगह प पहुंचली त घड़ा से रोटी लेके ओकरा के खाए देली। त उ कई दिन तक कईली।
29 सदोम आ अमोरा के सब लोग अचरज में लागल कि इ आदमी एतना दिन तक भूख से कइसे मर सकेला|
30 उ लोग एक दूसरा से कहलस, "ई त खाली इहे हो सकेला कि उ खाए-पीयेला, काहेकि केहु एतना दिन तक भूख से मरल नईखे जा सकत, ना ही उ आदमी जईसन जिंदा बा, बिना ओकर चेहरा तक बदलले। आ तीन आदमी एगो अइसन जगह पर लुका गइलन जहाँ ऊ बेचारा तैनात रहे, ई जाने खातिर कि के ह जे ओकरा के खाए खातिर रोटी ले आइल बा.
31 ओह दिन लूत के बेटी पल्तिथ पानी ले आवे निकलली आ ऊ अपना पानी के घड़ा में रोटी डाल के ओह गरीब आदमी के जगहा से पानी खींचे गइली आ ऊ घड़ा से रोटी निकाल के ओह गरीब के दे दिहली आ ऊ ओकरा के खा गइल.
32 तीनों आदमी देखलन कि पल्तिथ ओह गरीब आदमी के का कइलस त ऊ लोग ओकरा से कहलस, "तब तू ही ओकर सहारा देले बाड़ू, आ एही से ऊ ना भूखे मरल बा, ना रूप बदलल बा आ ना ही बाकी लोग निहन मरल बा।"
33 तीनों आदमी जहाँ लुकाइल रहले, ओहिजा से निकल के पल्तीथ आ गरीब के हाथ में रोटी पकड़ लिहले।
34 उ लोग पल्तिथ के लेके अपना न्यायाधीश लोग के सोझा ले अईले अवुरी उ लोग से कहलस कि, उ अयीसन कईली अवुरी उहे गरीब आदमी के रोटी के आपूर्ति कईली, एहसे उ एतना दिन तक ना मरल। अब हमनी के कानून के उल्लंघन करे के चलते ए महिला के सजा के बारे में बताव।
35 सदोम आ अमोरा के लोग एकट्ठा होके शहर के गली में आग जरा के ओह औरत के लेके आग में फेंक दिहलस अवुरी उ राख के राख हो गईल।
36 अदमा शहर में एगो औरत रहली, जेकरा साथे उ लोग अइसने करत रहले।
37 काहे कि एगो बटोही सबेरे घरे जाए के इरादा से रात भर ओहिजा रहे खातिर अदमा शहर में आइल रहे आ ऊ युवती के पिता के घर के दुआर के सामने बइठल रहे आ ओहिजा रहे खातिर जइसे कि सूरज डूब गइल रहे जब ऊ ओहिजा पहुँचल रहे। आ युवती ओकरा के घर के दुआर पर बइठल देखलस।
38 ऊ ओकरा से पानी पीये के कहलस त ऊ ओकरा से कहली, "तू के हउअ?" आ ऊ ओकरा से कहलस, "हम आज सड़क पर जात रहनी आ सूरज डूबला पर इहाँ पहुँच गइनी, एहसे रात भर इहाँ रहब, आ सबेरे जल्दी उठ के आपन सफर जारी रखब।
39 युवती घर में जाके ओह आदमी के खाए-पीये खातिर रोटी-पानी ले अइली।
40 अदमा के लोग के ई बात पता चलल आ ऊ लोग एकट्ठा होके ओह युवती के न्यायाधीश लोग के सोझा ले अइले कि ऊ लोग एह काम खातिर ओकर न्याय करस।
41 न्यायाधीश कहले, "एह औरत के मौत के सजा होखे के चाही, काहे कि उ हमनी के नियम के उल्लंघन कईले बिया अवुरी एहीसे उनुका बारे में इ फैसला बा।
42 ओह शहरन के लोग एकट्ठा होके ओह युवती के बाहर ले आके जज साहब के फरमान के मुताबिक ओकरा माथा से गोड़ तक शहद के अभिषेक कईले अवुरी ओकरा के मधुमक्खी के झुंड के सोझा रखले, जवन कि तब अपना छत्ता में रहे अवुरी मधुमक्खी ओकरा प उड़ के ओकरा के डंक मार देलस कि ओकर पूरा शरीर फूल गईल रहे।
43 युवती मधुमक्खी के चलते चिल्ला उठल, लेकिन केहु ओकरा प ध्यान ना देलस अवुरी ना ओकरा प तरस आईल अवुरी उनुकर चिल्लाहट स्वर्ग में चढ़ गईल।
44 सदोम शहरन के एह बात आ हर काम पर प्रभु नाराज हो गइलन काहे कि ओह लोग के भरपूर भोजन रहे आ ओह लोग में शांति रहे आ अबहियों ऊ गरीब आ जरूरतमंद लोग के भरण पोषण ना कर पवले आ ओह दिनन में ओह लोग के बुराई आ पाप प्रभु के सामने बहुते बढ़ गइल.
45 तब परमेस् वर अब्राहम के घरे आइल दू गो स्वर्गदूतन के बोलावे के भेजलन कि ऊ सदोम आ ओकर शहरन के नाश करस।
46 अब्राहम के डेरा के दुआर से उठ के स्वर्गदूत साँझ के सदोम पहुंचले, तब लूत सदोम के फाटक में बईठल रहले अवुरी जब उ ओ लोग के देखले त उ ओ लोग से मिले खाती उठले अवुरी उ जमीन प झुक गईले।
47 ऊ ओह लोग के बहुते दबा के अपना घर में ले अइले आ ऊ लोग के खाना दिहलन जवन ऊ लोग खात रहे आ ऊ लोग रात भर ओकरा घर में रह गइल.
48 स्वर्गदूत लोग लूत से कहले, "उठ, तू आ तोहार सब लोग एह जगह से निकल जा, कहीं तू एह शहर के अधर्म में ना खतम हो जाइब, काहेकि प्रभु एह जगह के नाश कर दिहे।"

49 स्वर्गदूत लोग लूत के हाथ आ उनकर मेहरारू के हाथ आ उनकर लइकन के हाथ आ उनकर सब सामान के पकड़ के ओकरा के बाहर ले आके शहरन से बाहर रख दिहल।
50 उ लोग लूत से कहलस कि, "तोहार जान बचावे खातिर भाग जा, त उ अपना सब कुछ भाग गईले।"
51 तब प्रभु सदोम आ अमोरा आ एह सब शहरन पर स्वर्ग से प्रभु के ओर से गंधक आ आग बरसा दिहले।
52 ऊ एह शहरन के, पूरा मैदान आ शहरन के सब निवासी आ जमीन पर उग के उखाड़ फेंक दिहलन। आ लूत के मेहरारू आदो शहरन के विनाश देखे खातिर पीछे मुड़ के देखली, काहे कि सदोम में रहल बेटी लोग पर उनकर दया आ गइल काहे कि ऊ लोग उनका साथे ना गइल रहे।
53 जब ऊ पीछे मुड़ के देखली त ऊ नमक के खंभा बन गइल आ ऊ आजु ले ओहिजा बा.
54 ओहिजा खड़ा बैल रोज अपना गोड़ के छोर तक नमक चाटत रहे आ सबेरे ऊ नया सिरा से निकलत रहे आ आजु ले ओकरा के फेर से चाटत रहे।
55 लूत आ उनकर दू गो बेटी जे उनकरा साथे बचल रहली, भाग के अदुल्लाम के गुफा में भाग गइल लोग आ कुछ देर ले उहाँ रह गइल।
56 अब्राहम सबेरे-सबेरे उठ के देखले कि सदोम के शहरन के का भइल बा। ऊ देख के देखलन कि शहरन के धुँआ भट्ठी के धुँआ नियर ऊपर जा रहल बा।
57 लूत आ उनकर दुनु बेटी गुफा में रह गइल लोग आ अपना बाप के शराब पी के ओकरा साथे लेट गइल काहे कि ऊ लोग कहत रहे कि धरती पर कवनो अइसन आदमी नइखे जे ओह लोग से बीया पैदा कर सके, काहे कि ऊ लोग सोचत रहे कि पूरा धरती नाश हो गइल बा.
58 दुनु जाना अपना पिता के संगे लेट गईले अवुरी उ लोग गर्भवती होके बेटा पैदा कईले अवुरी पहिला बच्चा अपना बेटा के नाम मोआब रखलस अवुरी कहलस कि, "हम उनुका के अपना पिता से गर्भवती भईल बानी। ऊ आजु ले मोआबियन के बाप हवें।
59 छोटकी भी अपना बेटा के बेनामी कहलस। उ आज तक अम्मोन के संतान के पिता हवे।
60 एकरा बाद लूत आ उनकर दू गो बेटी उहाँ से चल गइलन आ ऊ अपना दुनु बेटी आ बेटा के साथे यरदन के ओह पार रह गइलन आ लूत के बेटा बड़ हो गइलन आ कनान देश से जाके आपन मेहरारू ले लिहलन आ ओह लोग के संतान भइल आ ऊ लोग फल बढ़ल आ बढ़ल.

अध्याय 20 के बा

1 ओही घरी अब्राहम ममरे के मैदान से निकल के पलिस्तीयन के देश में चल गइलन आ ऊ गेरार में रह गइलन. इब्राहीम के कनान देश में रहला के पच्चीसवाँ साल आ अब्राहम के जीवन के सौवाँ साल में उ पलिस्तीयन के देश में गेरार अइले।
2 जब उ लोग देश में घुसल त उ अपना पत्नी सारा से कहले, "जे भी तोहरा से पूछी, ओकरा से कह तू हमार बहिन हई, ताकि हमनी के देश के निवासी के बुराई से बचे के मौका मिल सके।"
3 जब अब्राहम पलिस्तीयन के देश में रहत रहले त पलिस्तीयन के राजा अबीमेलेक के नौकर देखले कि सारा बहुत सुंदर बाड़ी, त उ लोग अब्राहम से पूछले कि उ हमार बहिन हई।
4 अबीमेलेक के नौकर अबीमेलेक के लगे गईले अवुरी कहले, "कनान देश के एगो आदमी ए देश में रहे खाती आईल बा अवुरी उनुकर एगो बहिन बहुत सुंदर बाड़ी।
5 अबीमेलेक अपना नौकरन के बात सुन के जे सारा के स्तुति करत रहले, त अबीमेलेक आपन अफसर भेजले अवुरी उ लोग सारा के राजा के लगे ले गईले।
6 सारा अबीमेलेक के घरे अइली त राजा देखलस कि सारा सुन्दर बाड़ी आ उ उनका के बहुत खुश कइली।
7 उ ओकरा लगे जाके ओकरा से कहलस, "उ आदमी तोहरा खातिर का ह, जेकरा संगे तू हमनी के देश आईल बाड़?" आ सारा जवाब दिहली आ कहली कि ऊ हमार भाई हवें आ हमनी के कनान के देश से जहाँ भी जगह मिलल उहाँ रहे खातिर आइल रहनी जा।
8 अबीमेलेक सारा से कहलस, "देखऽ हमार देश तोहरा सोझा बा, अपना भाई के एह देश के कवनो हिस्सा में राखीं जवन तोहरा पसंद होखे, आ हमनी के कर्तव्य होई कि हमनी के ओकरा के ओह देश के सब लोग से ऊपर उठाईं आ ऊपर उठाईं काहे कि ऊ तोहार भाई ह।
9 अबीमेलेक अब्राहम के बोलावे के भेजले आ अब्राहम अबीमेलेक के लगे चल गईले।
10 अबीमेलेक अब्राहम से कहलस, "देखऽ हम आदेश देले बानी कि तोहार बहिन सारा के चलते तोहार आदर के मुताबिक सम्मान दिहल जाव।
11 इब्राहीम राजा से निकल गईले अवुरी राजा के उपहार उनुका पीछे-पीछे चल गईले।
12 जइसे साँझ के समय आदमी आराम करे खातिर लेट जाए से पहिले राजा अपना सिंहासन पर बइठल रहले आ ओकरा पर गहिराह नींद आ गइल आ ऊ सिंहासन पर लेट के सबेरे ले सुतल रहले.
13 ऊ सपना में देखलन कि प्रभु के एगो स्वर्गदूत हाथ में तलवार लेके उनकरा लगे अइले आ स्वर्गदूत अबीमेलेक के ऊपर खड़ा होके तलवार से मारे के चाहत रहले आ राजा सपना में घबरा गइलन आ स्वर्गदूत से कहले, "हम तोहरा खिलाफ कवन पाप कइले बानी कि तू हमरा के तलवार से मारे आइल बाड़ू?"
14 तब स्वर्गदूत अबीमेलेक से कहलस, "काल्ह रात के जवन औरत तू अपना घरे ले अइले रहलू ओकरा चलते तू मरत बाड़ू, काहेकि उ एगो बियाहल औरत हई, अब्राहम के पत्नी हई जवन तोहरा घरे आईल रहली। अब ओह आदमी के आपन मेहरारू वापस कर दीं, काहे कि ऊ ओकर मेहरारू हई। आ का तू ओकरा के वापस ना करऽ, ई जान लीं कि तू आ तोहार सब लोग जरूर मरबऽ।
15 आ ओह रात पलिस्तीयन के देश में बहुत चिल्लाहट भइल आ ओह देश के निवासी लोग एगो आदमी के आकृति देखल जवन हाथ में तलवार लेके खड़ा बा आ ऊ ओह देश के निवासी लोग के तलवार से मार दिहलस, हँ ऊ ओह लोग के मारत रहल।
16 ओह रात प्रभु के दूत पूरा पलिस्तीयन के देश पर हमला कर दिहलस आ ओह रात आ अगिला दिने सबेरे बहुत उलझन हो गइल।

17 अबीमेलेक के अब्राहम के पत्नी सारा के चलते हर गर्भ आ ओकर सब बच्चा बंद हो गईल रहे।
18 सबेरे अबीमेलेक घबराहट आ उलझन में आ बहुते डर से उठल आ अपना नौकरन के बोलावे के भेज दिहलन आ ऊ आपन सपना ओह लोग के बतवले आ लोग बहुते डेरा गइल.
19 राजा के नौकरन के बीच खड़ा एगो आदमी राजा के जवाब दिहलस, "हे सार्वभौम राजा, एह औरत के ओकरा पति के वापस कर द, काहे कि उ ओकर पति हवे, काहे कि जब इ आदमी मिस्र आईल त मिस्र के राजा के संगे अयीसन भईल रहे।
20 ऊ अपना मेहरारू के बारे में कहलन, "उ हमार बहिन हई, काहे कि जब ऊ ओह देश में रहे आवेला त ऊ अइसने काम करेला जवना में ऊ परदेसी होला."
21 फिरौन भेज के एह औरत के बियाह बना लिहले आ प्रभु ओकरा पर तब तक गंभीर विपत्ति ले अइले जब तक कि ऊ मेहरारू के अपना पति के लगे ना लवटा दिहलन।
22 एह से हे सार्वभौम राजा, जान लीं कि काल्हु रात पूरा देश में का भइल, काहे कि बहुते अचरज आ बहुते पीड़ा आ विलाप भइल आ हमनी के जानत बानी जा कि ई ओह औरत के चलते भइल जवना के तू ले लिहले रहलू.
23 एह से अब एह औरत के ओकरा पति के लगे वापस कर द, कहीं हमनी के ओइसन ना होखे जइसे मिस्र के राजा फिरौन आ उनकर प्रजा पर भइल रहे आ हमनी के मर ना जाइब जा। अबीमेलेक जल्दी-जल्दी बोलवले अवुरी सारा के बोलवले अवुरी उ अपना से आगे अब्राहम के बोलवले अवुरी उ अपना से आगे आ गईले।
24 अबीमेलेक ओह लोग से कहलस, "तू लोग भाई-बहिन कह के का काम करत रहलू आ हम एह औरत के पत्नी बना लेले बानी?
25 अब्राहम कहले, "हम सोचले रहनी कि हमरा पत्नी के चलते मौत के सामना करे के पड़ी। अबीमेलेक झुंड आ भेड़, नौकर आ नौकरानी आ चानी के हजार टुकड़ा लेके अब्राहम के दे दिहलन आ सारा के अपना लगे वापस कर दिहलन।
26 अबीमेलेक अब्राहम से कहलस, "देखऽ, पूरा देश तोहरा सामने बा, जहाँ भी तू ओकरा में रहऽ।"
27 इब्राहीम आ उनकर मेहरारू सारा राजा के सामने से आदर आ आदर के साथ निकल गईले आ उ लोग गेरार में रह गईले।
28 पलिस्तीयन के देश के सब निवासी आ राजा के नौकर अबहियों ओह विपत्ति से पीड़ित रहले, जवन स्वर्गदूत सारा रात भर ओह लोग पर डाल दिहले रहले।
29 अबीमेलेक अब्राहम के बोलावे के भेजले कि, "अब अपना सेवकन खातिर आपन परमेश्वर यहोवा से प्रार्थना कर, ताकि उ हमनी के बीच से एह नश्वरता के दूर कर सकस।"
30 अब्राहम अबीमेलेक आ ओकर प्रजा के कारण प्रार्थना कइलन आ प्रभु अब्राहम के प्रार्थना सुनलन आ अबीमेलेक आ उनकर सब प्रजा के ठीक कर दिहलन।

अध्याय 21 के बा

1 अब्राहम के गेरार में पलिस्तीयन के देश में रहला के एक साल चार महीना के अंत में भगवान सारा के घरे पहुंचले अवुरी प्रभु उनुका के याद कईले अवुरी उ गर्भवती होके अब्राहम के एगो बेटा पैदा कईली।
2 इब्राहीम अपना से जवन बेटा पैदा भईल रहे, ओकर नाम इसहाक रखले।
3 अब्राहम आठ दिन के उमिर में अपना बेटा इसहाक के खतना कर दिहलन जइसे कि भगवान अब्राहम के आज्ञा दिहले रहले कि ऊ अपना बाद के वंशज के करसु. जब इसहाक के जनम भइल त इब्राहीम एक सौ साल के रहली आ सारा नब्बे साल के रहली।
4 लइका बड़ होके दुध छुड़ावल गइल आ जवना दिन इसहाक के दुध छुड़ावल गइल रहे, ओहि दिन अब्राहम एगो बड़हन भोज कइलन।
5 शेम आ एबर आ देश के सब बड़का लोग, पलिस्तीयन के राजा अबीमेलेक आ उनकर नौकर आ उनकर सेना के सेनापति फिकोल, अब्राहम अपना बेटा इसहाक के दूध छुड़ावे के दिन जवन भोज बनवले रहले, खाए-पीए आ खुश होखे खातिर अइले।
6 इब्राहीम के पिता तेरा आ उनकर भाई नाहोर हारान से आ उनकर सब लोग आ गईले, काहेकि उ लोग ई सुन के बहुत खुश हो गईले कि सारा से एगो बेटा पैदा भईल बा।
7 उ लोग इब्राहीम के लगे पहुंचले अवुरी इसहाक के दुध छुड़ावे के दिन जवन भोज अब्राहम बनवले रहले, उ भोज में खाना-पीना कईले।
8 तेरा आ नाहोर अब्राहम के साथे खुश भइले आ ऊ लोग पलिस्तीयन के देश में बहुत दिन तक उनकरा साथे रहलन।
9 ओही समय अब्राहम के बेटा इसहाक के जनम के पहिला साल में रेऊ के बेटा सेरुग के मौत हो गईल।
10 सेरुग के सब दिन दू सौ उनतीस साल के रहल आ उ मर गइलन।
11 अब्राहम के बेटा इस्माइल ओह दिन में बड़ हो गइलन। ऊ चौदह साल के रहले जब सारा इसहाक के अब्राहम से पैदा कइली।
12 भगवान इब्राहीम के बेटा इस्माइल के संगे रहले अवुरी उ बड़ होके धनुष के इस्तेमाल सीखले अवुरी तीरंदाज बन गईले।
13 जब इसहाक पांच साल के रहले त उ इस्माइल के संगे डेरा के दुआर प बईठल रहले।
14 इस्माइल इसहाक के लगे आके ओकरा सामने बइठ गइलन आ ऊ धनुष लेके ओकरा के खींच के तीर डाल के इसहाक के मारे के इरादा रखले।
15 सारा एह काम के देखली जवन इस्माइल अपना बेटा इसहाक के संगे करे के चाहत रहले अवुरी उनुका बेटा के चलते बहुत दुख भईल अवुरी उ अब्राहम के बोला के कहली कि, "एह दासी अवुरी ओकरा बेटा के बाहर निकाल द, काहेंकी उनुकर बेटा हमरा बेटा के संगे वारिस ना होई, काहेंकी उ आज उनुका संगे अयीसन करे के कोशिश कईले।"
16 इब्राहीम सारा के आवाज सुन के उ सबेरे-सबेरे उठ के बारह गो रोटी आ पानी के बोतल ले के हाजर के अपना बेटा के संगे भेज देले अवुरी हाजर अपना बेटा के संगे जंगल में चल गईले अवुरी उ लोग जंगल के निवासी के संगे पारान के जंगल में रह गईले अवुरी इशमाएल तीरंदाज रहले अवुरी उ ओहिजा रहत रहले जंगल में बहुत दिन से बा।
17 ओकरा बाद ऊ आ ओकर महतारी मिस्र देश में चल गइलन आ ऊ लोग ओहिजा रह गइल आ हाजर अपना बेटा खातिर मिस्र से एगो मेहरारू ले लिहली आ ओकर नाम मरीबा रहे.

18 इस्माइल के मेहरारू गर्भवती होके चार गो बेटा आ दू गो बेटी भइली आ बाद में इस्माइल आ ओकर महतारी आ ओकर मेहरारू आ लइका-लइकी जाके जंगल में लवट अइले।
19 उ लोग जंगल में डेरा बनवले जवना में उ लोग रहत रहले अवुरी महीना-साल घूमत रहले अवुरी ओकरा बाद आराम करत रहले।
20 परमेस् वर इशमाएल के आपन बाप इब्राहीम के चलते भेड़-बकरी, झुंड आ डेरा दे दिहलन आ उ आदमी के पशु-धन बढ़ल।
21 इस्माइल रेगिस्तान आ डेरा में बहुत देर तक घूमत-फिरत आ आराम करत रहले, लेकिन उ अपना पिता के चेहरा ना देख पवले।
22 कुछ समय बाद अब्राहम अपना मेहरारू सारा से कहले, "हम अपना बेटा इस्माइल के देखे जाइब, काहेकि हमरा ओकरा के देखे के इच्छा बा, काहे कि हम ओकरा के बहुत दिन से नईखी देखले।"
23 इब्राहीम अपना एगो ऊंट पर सवार होके जंगल में आपन बेटा इस्माइल के खोजे खातिर चल गईले, काहेकि उ सुनले कि उ अपना सब सामान के संगे जंगल में एगो डेरा में रहत बाड़े।
24 इब्राहीम जंगल में गईले अवुरी दुपहरिया के करीब इशमाएल के डेरा प पहुंचले अवुरी इस्माइल के पीछे-पीछे पूछले, त उ इस्माइल के पत्नी के अपना बच्चा के संगे डेरा में बईठल देखले अवुरी उनुकर पति अवुरी उनुकर महतारी इस्माइल उनुका संगे ना रहले।
25 इब्राहीम इस्माइल के मेहरारू से पूछले कि, "इस्माइल कहाँ चल गईल बा?" ऊ कहली, "ऊ शिकार करे खातिर खेत में गइल बा, आ अब्राहम अबहीं ऊंट पर सवार रहले, काहे कि ऊ जमीन पर ना उतरे के चाहत रहले काहे कि ऊ अपना मेहरारू सारा से किरिया खइले रहले कि ऊ ऊंट से ना उतरीहें."
26 इब्राहीम इस्माइल के मेहरारू से कहलन, "हे बेटी, हमरा के तनी पानी दे दीं कि हम पी सकीले, काहेकि हम यात्रा से थक गईल बानी।"
27 इस्माइल के मेहरारू अब्राहम से कहली कि, "हमनी के लगे ना त पानी बा ना रोटी, उ तम्बू में बईठल रहली अवुरी इब्राहीम के ध्यान ना देली अवुरी ना पूछली कि उ के हवे।
28 लेकिन उ तम्बू में अपना लइकन के पीटत रहली आ गारी देत रहली आ अपना पति इस्माइल के भी गारी देत रहली आ ओकरा के डांटत रहली आ अब्राहम इस्माइल के मेहरारू के उनकर लइकन से कहल बात सुनलन आ ऊ बहुत नाराज आ नाराज हो गइलन।
29 इब्राहीम ओह औरत के तम्बू से निकले खातिर बोलवले, त उ मेहरारू अब्राहम के सामने आके खड़ा हो गईल, काहेकि अब्राहम अभी भी ऊंट पर सवार रहले।
30 अब्राहम इस्माइल के मेहरारू से कहलन, "जब तोहार पति इस्माइल घरे लवट अइहें त ओकरा से ई बात कहऽ।
31 पलिस्तीयन के देश के एगो बहुत बुढ़ आदमी तोहरा के खोजे खातिर इहाँ आइल रहे आ ओकर रूप आ आकृति अईसने रहे। हम ओकरा से ना पूछनी कि तू इहाँ ना रहलू त उ हमरा से बात कईले अवुरी कहले कि, जब तोहार पति इस्माइल वापस अईले त उनुका के अयीसन बताई कि इ आदमी कहलस कि जब तू घरे आईब त उ डेरा के इ कील छोड़ द, जवन तू इहाँ रखले बाड़ू, अवुरी ओकरा जगह प एगो अवुरी कील लगाई।
32 अब्राहम ओह औरत के आपन निर्देश पूरा क के ऊंट पर सवार होके घरे चल गइलन।
33 ओकरा बाद इशमाएल अपना महतारी के संगे पीछा क के तम्बू में वापस आ गईले अवुरी उनुकर पत्नी उनुका से इ बात कहली।
34 पलिस्तीयन के देश से एगो बहुत बुढ़ आदमी तोहरा के खोजे आइल आ ओकर रूप आ आकृति अईसने रहे। हम ओकरा से ना पूछनी कि ऊ के ह, आ तू घर में ना रहला के देख के ऊ हमरा से कहलस कि जब तोहार पति घरे अइहें त ओकरा के बताईं, बुढ़ऊ ई कहत बाड़े कि तू जवन डेरा के कील एहिजा रखले बाड़ू ओकरा के हटा के ओकरा जगह पर एगो अउरी कील लगा दीं।
35 इस्माइल अपना पत्नी के बात सुन के जान गईले कि उ उनुकर पिता हवे अवुरी उनुकर पत्नी उनुकर आदर ना करेली।
36 इस्माइल अपना पिता के बात समझ गईले कि उ अपना पत्नी से कहले रहले अवुरी इस्माइल अपना पिता के आवाज सुनले अवुरी इस्माइल ओ महिला के छोड़ देले अवुरी उ चल गईली।
37 एकरा बाद इस्माइल कनान के देश में चल गईले अवुरी उ एगो अवुरी पत्नी के लेके उनुका के अपना डेरा प ले गईले, जहां उ तब रहत रहले।
38 तीन साल के अंत में अब्राहम कहले, "हम अपना बेटा इस्माइल के देखे खातिर फेर जाइब, काहे कि हम ओकरा के बहुत दिन से नईखी देखले।"
39 ऊ अपना ऊंट पर सवार होके जंगल में चल गइलन आ दुपहरिया के करीब इस्माइल के डेरा पर पहुँच गइलन।
40 ऊ इस्माइल के पीछे से पूछले आ उनकर मेहरारू डेरा से बाहर निकलली आ कहली कि, "हमार मालिक इहाँ नइखे, काहे कि ऊ खेत में शिकार करे आ ऊंट के चरावे खातिर गइल बा, आ मेहरारू अब्राहम से कहलस कि, "हमार मालिक के डेरा में घुस जा आ रोटी के कटोरा खा लीं, काहे कि यात्रा के चलते तोहार जान थक जाई।"
41 अब्राहम ओकरा से कहले, "हम रुकब ना काहे कि हम आपन सफर जारी राखे में जल्दबाजी में बानी, लेकिन हमरा के तनी पानी पी दीं, काहेकि हमरा प्यास बा। आ मेहरारू जल्दबाजी में दौड़ के डेरा में घुस गइल आ ऊ अब्राहम के पानी आ रोटी ले अइली जवना के ऊ ओकरा सोझा रख दिहली आ ऊ ओकरा के खाए के निहोरा कइली आ ऊ खा के पी लिहलसि आ ओकरा मन के दिलासा मिलल आ ऊ अपना बेटा इस्माइल के आशीष दिहलसि.
42 जब उ खाना खइला के बाद प्रभु के आशीष कइलन आ इशमाएल के मेहरारू से कहलन कि जब इस्माइल घरे अइहें त ओकरा से ई बात कहऽ।
43 पलिस्तीयन के देश के एगो बहुत बुढ़ आदमी इहाँ आके तोहरा पीछे-पीछे पूछलस, लेकिन तू इहाँ ना रहलू। आ हम ओकरा के रोटी-पानी ले अइनी आ ऊ खा-पी के मन में दिलासा मिलल।
44 उ हमरा से इ बात कहले कि जब तोहार पति इस्माइल घरे अइहें त ओकरा से कहऽ कि तोहरा लगे जवन डेरा बा ओकर कील बहुत बढ़िया बा, ओकरा के डेरा से दूर मत राखऽ।
45 अब्राहम ओह औरत के आज्ञा देके ऊ सवारी पर सवार होके पलिस्तीयन के देश में अपना घरे चल गइलन। जब इस्माइल अपना डेरा पर अइले त उनकर मेहरारू खुशी आ हँसमुख मन से उनका से मिले निकलली।

46 उ ओकरा से कहली, "पलिस्तीयन के देश से एगो बुढ़ऊ इहाँ आईल रहले अवुरी उनुकर रूप अईसन रहे अवुरी उ आपके पीछे-पीछे पूछलस अवुरी तू इहाँ ना रहनी, त हम रोटी-पानी लेके आईल, त उ खईले-पीले अवुरी उनुका मन के दिलासा मिलल।
47 उ हमरा से इ बात कहले, "जब तोहार पति इस्माइल घरे अइहें त ओकरा से कह दीं कि, "तोहरा लगे जवन डेरा बा ओकर कील बहुत बढ़िया बा, ओकरा के डेरा से दूर मत राखऽ।"
48 इस्माइल के पता चल गईल कि इ उनुकर पिता हवे अवुरी उनुकर पत्नी उनुकर आदर कईले बिया अवुरी प्रभु इस्माइल के आशीष देले।

अध्याय 22 के बा

1 तब इस्माइल उठ के आपन मेहरारू आ अपना लइकन आ आपन मवेशी आ आपन सब सामान लेके चल गइलन आ उहाँ से निकल के पलिस्तीयन के देश में अपना पिता के लगे चल गइलन।
2 इब्राहीम अपना बेटा इस्माइल के पहिला पत्नी के संगे भईल लेनदेन के बारे में बतवले।
3 इस्माइल आ ओकर संतान अब्राहम के साथे बहुत दिन तक ओह देश में रहले आ अब्राहम बहुत दिन तक पलिस्तीयन के देश में रहले।
4 दिन बढ़त गइल आ छब्बीस साल हो गइल आ ओकरा बाद अब्राहम अपना नौकरन आ अपना सगरी सामानन के साथे पलिस्तीयन के देश से निकल के बहुत दूर ले हब्रोन के नजदीक आ गइलन आ ऊ लोग उहाँ रह गइल आ अब्राहम के नौकर पानी के कुआँ खोदत रहले आ अब्राहम आ उनकर सब लोग पानी के किनारे रह गइलन आ पलिस्तीयन के राजा अबीमेलेक के नौकर सुनले कि इब्राहीम के नौकर देश के सीमा में पानी के इनार खोदले बाड़े।
5 उ लोग आके इब्राहीम के नौकरन से झगड़ा कईले अवुरी उ लोग जवन बड़ इनार खोदले रहले, ओकरा से लूट लेले।
6 पलिस्तीयन के राजा अबीमेलेक के ई बात सुन के ऊ अपना सेना के सेनापति फिकोल आ ओकर बीस आदमी के साथे अब्राहम के लगे अइले आ अबीमेलेक अब्राहम से उनकर नौकरन के बारे में बतियावलन आ अब्राहम अबीमेलेक के डांटलन कि उनकर नौकर लूटले रहले।
7 अबीमेलेक अब्राहम से कहलस, "जइसे कि पूरा धरती के रचना करे वाला प्रभु जिंदा बाड़े, हम आज तक हमार सेवक तोहरा सेवकन के संगे जवन काम कईले रहले, उ ना सुनले रहनी।
8 अब्राहम सात गो मेमना लेके अबीमेलेक के देके कहले, "हमरा हाथ से ई सब ले लीं ताकि हमरा खातिर ई गवाही होखे कि हम ई इनार खोदले बानी।"
9 अबीमेलेक अब्राहम के दिहल सात गो भेड़ के बच्चा के लेके चल गईले, काहेकी उ उनुका के बहुत सारा पशु अवुरी झुंड देले रहले अवुरी अबीमेलेक इब्राहीम के इनार के बारे में किरिया खईले रहले, एहसे उ कुआं के बेरशेबा नाम देले, काहेंकी उहाँ उ दुनो लोग एकरा बारे में किरिया खईले रहले।
10 दुनो लोग बेरशेबा में एगो वाचा कईले अवुरी अबीमेलेक अपना सेना के सेनापति फिकोल अवुरी ओकर सभ आदमी के संगे उठ गईले अवुरी उ लोग पलिस्ती के देश में वापस आ गईले अवुरी अब्राहम अवुरी उनुकर सभ लोग बेरशेबा में रह गईले अवुरी उ बहुत दिन तक ओ देश में रहले।
11 अब्राहम बेरशेबा में एगो बड़हन बगीचा लगवले आ ओकरा खातिर धरती के चारो ओर के ओर मुँह कइले चार गो फाटक बनवले आ ओहमें अंगूर के बगइचा लगवले, जवना से अगर कवनो यात्री अब्राहम के लगे आवे त ऊ कवनो फाटक में घुस जास जवन ओकरा रास्ता में रहे आ ओहिजा रह के खाना पी के तृप्त हो गइल आ ओकरा बाद चल गइल.
12 काहेकि इब्राहीम के घर में हरदम ओह आदमी के बेटा लोग खातिर खुलल रहे जवन कि रोज अब्राहम के घर में खाए-पीये आवे।
13 जे केहू भूख से अब्राहम के घरे आवत रहे, अब्राहम ओकरा के रोटी देत रहले कि ऊ खाए-पी के तृप्त हो सके, आ जे केहू नंगा होके अपना घर में आवे, ओकरा के अपना मन मुताबिक कपड़ा पहिन के चांदी-सोना देके ओकरा के धरती पर रचले प्रभु के बारे में बतावे। इहे अब्राहम के पूरा जीवन कईले।
14 अब्राहम आ उनकर लइका आ उनकर सब लोग बेरशेबा में रह गइलन आ ऊ हेब्रोन तक आपन डेरा खड़ा कइलन।
15 अब्राहम के भाई नाहोर आ उनकर बाप आ उनकर सब लोग हारान में रहत रहले, काहे कि उ लोग अब्राहम के संगे कनान देश में ना गईल रहले।
16 नाहोर से संतान भइल जवन हारान के बेटी मिलका आ अब्राहम के मेहरारू सारा के बहिन जनमली।
17 उज, बुज, केमुएल, केसेद, चाजो, पिलदाश, तिदलाफ आ बेथुएल के नाम इहे ह, उ आठ बेटा रहले, इ मिलका के संतान हवे, जवन उ अब्राहम के भाई नाहोर से पैदा कईली।
18 नाहोर के एगो उपपत्नी रहे आ ओकर नाम रेउमा रहे आ नाहोर, जबक, गचाश, ताकाश आ माका से चार गो बेटा भइले।
19 नाहोर से जवन संतान पैदा भइल ऊ उनकर बेटी लोग के अलावा बारह गो बेटा रहलें आ ओह लोग से हारान में भी संतान भइल।
20 नाहोर के पहिला जन्मल उज के संतान अबी, चेरेफ, गादीन, मेलुस आ उनकर बहिन दबोरा रहली।
21 बुज के बेटा बेराकेल, नामत, शेवा आ मदोनू रहलन।
22 कमुएल के बेटा अराम आ रेकोब रहलन।
23 केसेद के बेटा अनमलेक, मेशाई, बेनोन आ यिफी रहलन। चाजो के बेटा पिलदाश, मेकी आ ओफर रहलन।
24 पिलदाश के बेटा अरुद, चमुम, मेरेद आ मोलोक रहलन।
25 तिदलाफ के बेटा मुशान, कुशान आ मुत्जी रहले।
26 बेथुएल के संतान सेकर, लाबान आ उनकर बहिन रिबेका रहली।
27 ई नाहोर के संतान के परिवार ह जवन हारान में पैदा भइल रहे। कमुएल के बेटा अराम आ ओकर भाई रेकोब हारान से चल गइलन आ ओह लोग के यूफ्रेटिस नदी के किनारे एगो घाटी मिलल।
28 उ लोग उहाँ एगो शहर बनवले अवुरी उ लोग अराम के बेटा पेथोर के नाम से शहर के नाम रखले, जवन कि आज तक अराम नहेराइम ह।
29 केसेद के लोग भी उहाँ रहे खातिर चल गईले जहाँ उ लोग के जगह मिल सके, उ लोग जाके शिनार देश के सामने एगो घाटी मिलल अवुरी उ लोग उहाँ रह गईले।

30 उ लोग उहाँ अपना खातिर एगो शहर बनवले, आ उ लोग अपना पिता के नाम के नाम प केसेद शहर के नाम रखले, जवन कि आज तक कादीम भूमि ह, अवुरी कादीम लोग ओ देश में रहत रहले अवुरी उ लोग बहुत फल-फूलत रहले अवुरी बहुत बढ़ गईले।
31 नाहोर आ अब्राहम के पिता तेरा जाके बुढ़ापा में एगो अउरी मेहरारू के बियाह क लिहले आ ओकर नाम पेलीला रहे आ ऊ गर्भवती होके एगो बेटा पैदा कइली आ ऊ ओकर नाम ज़ोबा रखले।
32 ज़ोबा के जनम के पच्चीस साल बाद तेरा जिंदा रहले।
33 ओही साल यानी अब्राहम के बेटा इसहाक के जनम के पैंतीसवाँ साल में तेरा के मौत हो गइल।
34 तेरा के दिन दू सौ पांच साल रहे आ उनुका के हारान में दफनावल गइल।
35 तेरा के बेटा ज़ोबा तीस साल के उमिर में अराम, अचली आ मेरिक के जनमल।
36 तेरा के बेटा ज़ोबा के बेटा अराम के तीन गो मेहरारू रहली आ उनकर बारह गो बेटा आ तीन गो बेटी भइली। आ प्रभु ज़ोबा के बेटा अराम के धन-दौलत आ सम्पत्ति आ ढेर सारा पशु, झुंड आ झुंड दे दिहलन आ ऊ आदमी बहुते बढ़ गइल।
37 ज़ोबा के बेटा अराम आ ओकर भाई आ ओकर पूरा घर के लोग हारान से निकल गइलन आ ऊ लोग ओहिजा रहे खातिर चल गइलन जहाँ ओह लोग के जगह मिल जाव, काहे कि ओह लोग के संपत्ति बहुते अधिका रहे आ हारान में ना रह सके. काहेकि उ लोग अपना भाई नाहोर के संतान के संगे हारान में ना रुक पवले।
38 ज़ोबा के बेटा अराम अपना भाई लोग के संगे गईले अवुरी उ लोग के पूरब के ओर एगो घाटी मिलल अवुरी उ लोग उहाँ रह गईले।
39 उ लोग उहाँ एगो शहर भी बनवले आ ओकर नाम अपना बड़ भाई के नाम पर अराम रखले। कि आजु ले आराम ज़ोबा बा।
40 ओह घरी अब्राहम के बेटा इसहाक बड़ होखत रहले आ उनकर बाप अब्राहम उनका के प्रभु के जाने के रास्ता सिखवले आ प्रभु उनकरा साथे रहले।
41 जब इसहाक सत्तीस साल के भइले त उनकर भाई इस्माइल उनका साथे डेरा में घूमत रहले।
42 इस्माइल इसहाक से अपना बारे में बड़ाई करत कहले कि, जब प्रभु हमरा पिता से हमनी के खतना करे के बात कहले रहले त हम तेरह साल के रहनी अवुरी हम अपना पिता से कहल वचन के मुताबिक काम कईनी अवुरी हम आपन प्राण प्रभु के दे देनी, अवुरी हम उनुकर वचन के उल्लंघन ना कईनी, जवन कि उ हमरा पिता से कहले रहले।
43 इसहाक इस्माइल के जवाब दिहलन, "तू हमरा से एह बारे में काहे घमंड करत बाड़ कि तू अपना शरीर से कुछ हिस्सा ले लिहले बाड़, जवना के बारे में प्रभु तोहरा के आज्ञा देले रहले?
44 जइसे कि हमार पिता अब्राहम के परमेश्वर प्रभु जिंदा बाड़े, अगर प्रभु हमरा पिता से कहस कि, 'अपना बेटा इसहाक के लेके हमरा सोझा बलिदान ले आव, त हम कवनो परहेज ना करब, लेकिन हम खुशी-खुशी एकरा के मान लेब।'
45 इसहाक के इश्माएल से कहल बात के परमेस् वर सुन के प्रभु के नजर में इ अच्छा लागल आ उ सोचले कि इब्राहीम के एह मामला में परीक्षा लेवे के।
46 उ दिन आ गईल जब परमेश्वर के बेटा लोग आके प्रभु के सामने अपना के रखले अवुरी शैतान भी भगवान के बेटा के संगे प्रभु के सोझा आईल।
47 प्रभु शैतान से कहलन, "तू कहाँ से आइल बाड़?" आ शैतान प्रभु के जवाब दिहलस आ कहलस कि, धरती पर इधर-उधर घूमे से आ ओकरा में ऊपर-नीचे चलला से।
48 प्रभु शैतान से कहलन, "हमरा से धरती के सब संतान के बारे में का वचन बा? आ शैतान प्रभु के जवाब दिहलस आ कहलस, "हम धरती के सब लइकन के देखले बानी जे तोहार सेवा करेला आ जब तोहरा से कुछ माँगेला त तोहरा के याद करेला।"
49 जब तू ओह लोग के ऊ चीज देब जवन ऊ लोग तोहरा से माँगेला त ऊ लोग आराम से बइठ के तोहरा के छोड़ देला आ ऊ लोग तोहरा के अब याद ना करेला।
50 का तूँ तेरा के बेटा अब्राहम के देखले बाड़, जेकरा पहिले कवनो संतान ना रहे, उ तोहार सेवा करत रहले अवुरी जहां-जहाँ आईल रहले, उहाँ के तोहरा खाती वेदी बनवले अवुरी उनुका प बलिदान चढ़वले अवुरी धरती के सभ संतान के सोझा लगातार तोहार नाम के प्रचार करत रहले।
51 अब जब उनकर बेटा इसहाक पैदा हो गइल बा त ऊ तोहरा के छोड़ के देश के सब निवासी लोग खातिर एगो बड़हन भोज बनवले बाड़न आ प्रभु के ऊ भुला गइल बाड़न.
52 काहे कि ऊ जवन कुछ कइले बाड़न ओकरा बीच में ऊ तोहरा खातिर कवनो चढ़ाई ना ले अइले. ना ही होमबलि ना मेलबलि, ना बैल, ना मेमना ना बकरी जवन उ अपना बेटा के दुध छुड़ावे के दिन मारले रहले।
53 बेटा के जनम के समय से लेके अब तक सत्तीस साल के होखला के बाद उ तोहरा सोझा कवनो वेदी ना बनवले अवुरी ना तोहरा खाती कवनो चढ़ावा ले अईले, काहेंकी उ देखले कि तू जवन निहोरा कईले रहे, उ दे देले, एहसे उ तोहरा के छोड़ देले।
54 प्रभु शैतान से कहले, "का तू हमरा सेवक अब्राहम के अईसन विचार कईले बाड़?" काहे कि धरती पर उनकर जइसन केहू नइखे, हमरा सामने सिद्ध आ सीधा आदमी, जे परमेश्वर से डेरात होखे आ बुराई से परहेज करे। हम जियत बानी त अगर हम ओकरा से कहब कि, अपना बेटा इसहाक के हमरा सोझा ले आव, त उ हमरा से ओकरा के ना रोक पाई, अवुरी जदी हम ओकरा से कहब कि उ अपना भेड़ चाहे झुंड से हमरा सोझा होमबलि ले आव।
55 शैतान प्रभु के जवाब दिहलस, "तब अब इब्राहीम से ओइसन बात करऽ जइसन तू कहले बाड़ऽ, त तू देखब कि ऊ आज उल्लंघन ना करी आ तोहार बात के एक तरफ ना छोड़ी।"

अध्याय 23 के बा

1 ओही घरी प्रभु के वचन अब्राहम से कहलन, "अब्राहम" आ कहलन कि हम इहाँ बानी।
2 ऊ ओकरा से कहलस, "अपना बेटा, अपना एकलौता बेटा, जेकरा से तू प्यार करेलऽ, इसहाक के लेके मोरिया के देश में जाके ओकरा के ओह पहाड़न में से कवनो पहाड़ पर होमबलि के रूप में चढ़ावऽ, काहे कि ओहिजा तोहरा बादल आ प्रभु के महिमा देखाई दिही।

3 अब्राहम मन में कहलन, "हम अपना बेटा इसहाक के ओकर माई सारा से कइसे अलग करब ताकि ओकरा के प्रभु के सामने होमबलि खातिर ले आवल जा सके?
4 इब्राहीम डेरा में घुस के अपना मेहरारू सारा के सामने बईठ के ओकरा से इ बात कहलन।
5 हमार बेटा इसहाक बड़ हो गईल बा अवुरी उ कुछ समय से अपना भगवान के सेवा के अध्ययन नईखन कईले, अब काल्ह हम जाके ओकरा के शेम अवुरी उनुका बेटा एबर के लगे ले आईब, अवुरी उहाँ उ प्रभु के रास्ता सीख लिहे, काहेंकी उ लोग उनुका के प्रभु के जाने के संगे-संगे इ जान के भी सिखा दिहे कि जब उ लगातार प्रभु के सोझा प्रार्थना करीहे त उ उनुका के जवाब दिहे, एहसे उहाँ उ अपना परमेश्वर के सेवा करे के तरीका जान जईहे।
6 सारा कहली, "तू बढ़िया बात कहले बाड़, हमार मालिक जा आ ओकरा के जइसन कहले बाड़, ओकरा के करऽ, बाकिर ओकरा के हमरा से बहुत दूर मत हटाईं, ना ही ओकरा के ढेर दिन ले ओहिजा रहे दीं, काहे कि हमार प्राण ओकरा आत्मा में बान्हल बा।
7 अब्राहम सारा से कहले, "हे बेटी, हमनी के प्रभु परमेश्वर से प्रार्थना करीं जा कि उ हमनी के भलाई करस।"
8 सारा अपना बेटा इसहाक के लेके चल गईली अवुरी उ रात भर ओकरा संगे रहले अवुरी उ ओकरा के चुम्मा लेत गले लगली अवुरी सबेरे तक उनुका के निर्देश देली।
9 ऊ ओकरा से कहली, "हे बेटा, हमार प्राण तोहरा से कइसे अलग हो सकेला? अबहियों ऊ ओकरा के चुम्मा लेत रहली आ गले लगावत रहली आ अब्राहम के ओकरा बारे में निर्देश दिहली.
10 सारा अब्राहम से कहली, "हे हमार मालिक, हम निहोरा करतानी कि अपना बेटा के ध्यान राखीं अवुरी ओकरा प आपन नजर राखीं, काहेकि हमरा लगे उनुका अलावे अवुरी कवनो बेटा अवुरी बेटी नईखे।
11 हे ओकरा के मत छोड़ीं। अगर भूख लागल बा त ओकरा के रोटी दे दीं आ अगर प्यासल बा त ओकरा के पीये खातिर पानी दीं। ओकरा के पैदल ना जाए दीं, ना धूप में बईठे दीं।
12 ना ही ओकरा के सड़क पर अकेले जाए दीं, ना ओकरा के जवन मन करे ओकरा के जबरदस्ती करे दीं, बलुक ओकरा के जइसन कहे ओकरा से करऽ।
13 सारा रात भर इसहाक के चलते कड़ुआ रोवत रहली आ उ सबेरे तक ओकरा के निर्देश देली।
14 सबेरे सारा ओह कपड़ा में से एगो बहुत बढ़िया आ सुन्दर कपड़ा चुनली जवन उनुका घर में रहे जवन अबीमेलेक ओकरा के देले रहले।
15 ऊ अपना बेटा इसहाक के कपड़ा पहिनली आ ओकरा माथा पर पगड़ी पहिनली आ पगड़ी के ऊपर एगो कीमती पत्थर बंद कर दिहली आ सड़क के इंतजाम दे दिहली आ ऊ लोग निकल गइलन आ इसहाक अपना पिता अब्राहम के साथे चल गइलन आ ओह लोग के कुछ नौकर ओह लोग के साथे सड़क से बाहर निकल गइलन.
16 सारा ओकनी के साथे निकलली आ उ लोग के विदा करे खातिर रास्ता पर चल गईली आ उ लोग ओकरा से कहलस कि, तम्बू में वापस आ जाइए।
17 सारा अपना बेटा इसहाक के बात सुन के कड़ुआ रोवे लगली आ उनकर पति अब्राहम भी उनकरा साथे रोवे लगलन आ उनकर बेटा भी ओ लोग के साथे बहुत रोवे लगलन। साथ ही जे लोग भी ओह लोग के साथे गइल रहे उ लोग बहुत रोवत रहे।
18 सारा अपना बेटा इसहाक के पकड़ लिहली आ ओकरा के अपना कोरा में पकड़ लिहली आ ओकरा के गले लगा के ओकरा साथे रोवत रहली आ सारा कहली, "के जानत बा कि आज के बाद हम तोहरा के फेर से देखब कि ना?"
19 तबहूँ उ लोग एक संगे रोवत रहले, अब्राहम, सारा अवुरी इसहाक अवुरी उनुका संगे सड़क प आवे वाला सभ लोग ओ लोग के संगे रोवत रहले अवुरी ओकरा बाद सारा कड़ा रोवत अपना बेटा से मुड़ गईली अवुरी उनुकर सभ नौकर अवुरी नौकरानी उनुका संगे डेरा प लवट गईले।
20 अब्राहम अपना बेटा इसहाक के संगे उनुका के प्रभु के सोझा चढ़ावे के रूप में ले आवे गईले, जईसे कि उ उनुका के कहले रहले।
21 अब्राहम अपना दू गो नवही हाजर के बेटा इस्माइल आ उनकर नौकर एलीएजर के लेके चल गइलन आ जब ऊ लोग रास्ता पर चलत रहले त नवही लोग अपना से ई बात कहलन.
22 इस्माइल एलीएजर से कहलस, "अब हमार पिता अब्राहम इसहाक के संगे जात बाड़े, जवन कि उनुका के प्रभु के होमबलि खातिर ले आवतारे।
23 जब उ लवट आई त उ हमरा के आपन सब कुछ दे दिहे, ताकि उ अपना बाद के विरासत में मिल जाई, काहेकि हम उनुकर पहिला बच्चा हई।
24 एलीएजर इस्माइल के जवाब देले, "अब्राहम तोहरा के तोहरा महतारी के संगे फेंक देले बाड़े अवुरी कसम खईले बाड़े कि उनुका लगे जवन कुछ भी बा, ओकरा में से कवनो चीज़ के विरासत में ना मिली, अवुरी उ अपना सभ खजाना के संगे केकरा के दे दिहे, बालुक उ अपना सेवक के दे दिहे, जवन कि उनुका घर में वफादार रहल बा, जवन कि रात-दिन उनुकर सेवा कईले बा अवुरी उ सब काम कईले बाड़े, जवन कि उनुका मनचाहा काम कईले बाड़े? ऊ अपना मरला पर अपना लगे जवन कुछ बा ऊ सब हमरा खातिर वसीयत कर दीहें.
25 जब इब्राहीम अपना बेटा इसहाक के संगे रास्ता में जात रहले, त शैतान अब्राहम के सामने एगो बहुत बुढ़ आदमी के आकृति में देखाई देलस, जवन कि विनम्र अवुरी पछतावा वाला आदमी के रूप में देखाई देलस, त उ अब्राहम के लगे पहुंचल अवुरी कहलस, "का तू बेवकूफ बा कि क्रूर, कि तू आज अपना एकलौता बेटा के संगे इ काम करे जात बाड़?"
26 काहेकि भगवान तोहरा के अंतिम दिन में, तोहरा बुढ़ापा में एगो बेटा देले बाड़े, आ का तू आज जाके ओकरा के मार देब, काहे कि उ कवनो हिंसा ना कईले, अवुरी का तू अपना एकलौता बेटा के प्राण के धरती से नाश क देब?
27 का तू नइख जानत अउर समझत हव कि इ बात प्रभु से ना हो सकेला? काहे कि प्रभु धरती पर आदमी के अतना बुराई नइखन कर सकत कि ऊ ओकरा से कह सके कि, "जा के तोहरा लइका के वध करऽ."
28 अब्राहम इ बात सुन के जान गईले कि इ शैतान के वचन ह, जवन कि उनुका के प्रभु के रास्ता से दूर करे के कोशिश कईले, लेकिन इब्राहीम शैतान के आवाज़ ना सुनले अवुरी अब्राहम उनुका के डांटले अवुरी उ चल गईले।
29 शैतान वापस आके इसहाक के लगे आ गईले। ऊ इसहाक के एगो सुन्दर आ अनुग्रहित नवही के आकृति में लउकलन.

30 ऊ इसहाक के लगे जाके कहलस, “का तू नइख जानत आ समझत हव कि तोहार बूढ़ मूर्ख पिता तोहरा के आज बेकार में वध में ले आवत बा?
31 अब हे बेटा, ओकर बात मत सुनऽ आ ना ओकर ख्याल राखऽ, काहे कि ऊ एगो मूर्ख बुढ़ऊ हऽ आ तोहार अनमोल आत्मा आ सुन्दर आकृति धरती से मत खोवे दीं.
32 इसहाक इ बात सुन के अब्राहम से कहलस, “हे बाबूजी, का तू इ सुनले बाड़?” इहाँ तक कि उ अयीसने बात कहले बाड़े।
33 इब्राहीम अपना बेटा इसहाक के जवाब देत कहलन कि, “उनकर सावधान रहऽ आ ओकर बात मत सुनी आ ओकर ध्यान मत राखऽ, काहे कि ऊ शैतान हवे आ आज हमनी के परमेश्वर के आज्ञा से दूर करे के कोशिश करत बा।”
34 अब्राहम अबहियों शैतान के डांटत रहले आ शैतान ओह लोग से चल गइलन आ ई देख के कि ऊ ओह लोग पर हावी ना हो पवले आ ऊ ओह लोग से लुका गइलन. ऊ रास्ता में पानी के एगो बड़हन धार में बदल गइलन आ अब्राहम आ इसहाक आ उनकर दू गो नवही ओह जगहा चहुँप गइलन आ ऊ लोग एगो बड़हन आ शक्तिशाली पानी जइसन बड़हन धार देखले.
35 ऊ लोग ओह धार में घुस के ओकरा से गुजरल आ पानी पहिले ओह लोग के गोड़ तक पहुँच गइल।
36 ऊ लोग धार के गहिराई में चल गइल आ पानी ओह लोग के गर्दन तक पहुँच गइल आ पानी के चलते ऊ सब लोग डेरा गइल। जब उ लोग नदी के पार करत रहले त इब्राहीम ओ जगह के पहचान लेले अवुरी उ जान गईले कि पहिले उहाँ पानी ना रहे।
37 इब्राहीम अपना बेटा इसहाक से कहले, “हम इ जगह जानत बानी, जवना में ना त धार रहे ना पानी रहे, अब इहे शैतान ह जवन हमनी के इ सभ काम करता, ताकि आज हमनी के परमेश्वर के आज्ञा से अलग कईल जा सके।
38 इब्राहीम ओकरा के डांटत कहले, “हे शैतान, प्रभु तोहरा के डांटस, काहे कि हमनी के परमेश्वर के आज्ञा के मुताबिक चलत बानी जा।”
39 अब्राहम के आवाज सुन के शैतान घबरा गइल आ ऊ ओह लोग से दूर हो गइल आ ऊ जगह पहिले जइसन सूखल जमीन हो गइल.
40 इब्राहीम इसहाक के संगे उ जगह के ओर चल गईले, जवन कि परमेश्वर उनुका के बतवले रहले।
41 तीसरा दिन अब्राहम आँख उठा के दूर से उ जगह देखले, जवना के बारे में परमेश्वर उनुका के बतवले रहले।
42 धरती से आकाश तक पहुँचल आग के खंभा आ पहाड़ पर महिमा के बादल लउकल आ बादल में प्रभु के महिमा लउकल।
43 इब्राहीम इसहाक से कहले, “हे बेटा, का तू उ पहाड़ में जवन हमनी के दूर से देखतानी, उहे देखत बाड़?”
44 इसहाक अपना पिता से कहलस, “हम आग के खंभा अवुरी बादल देखतानी अवुरी बादल प प्रभु के महिमा देखाई देता।
45 इब्राहीम जान गईले कि उनकर बेटा इसहाक के प्रभु के सामने होमबलि के रूप में स्वीकार कईल गईल बा|
46 इब्राहीम एलीएजर आ उनकर बेटा इस्माइल से कहले, “का रउवां भी उहे देखत बानी जवन हमनी के दूर से पहाड़ पर देखत बानी जा?”
47 उ लोग जवाब देले, “हमनी के धरती के बाकी पहाड़ से जादे कुछूओ नईखी देखत।” इब्राहीम जान गईले कि प्रभु के सोझा उ लोग के संगे जाए के बात नईखे, त इब्राहीम ओ लोग से कहले, “तू लोग इहाँ गदहा के संगे रहब, जबकि हम अवुरी हमार बेटा इसहाक ओहिजा पहाड़ प जाके प्रभु के सोझा उहाँ पूजा करब अवुरी ओकरा बाद तोहनी के लगे लवटब।
48 अब्राहम के आज्ञा के मुताबिक एलीएजर अवुरी इस्माइल उहाँ रह गईले।
49 इब्राहीम होमबलि के लकड़ी लेके अपना बेटा इसहाक के ऊपर रखले अवुरी उ आग अवुरी चाकू लेके दुनो लोग ओहिजा चल गईले।
50 जब उ लोग जात रहले त इसहाक अपना पिता से कहले, “हम इहाँ आग अवुरी लकड़ी देखतानी अवुरी प्रभु के सोझा होमबलि बने वाला मेमना कहां बा?”
51 अब्राहम अपना बेटा इसहाक के जवाब दिहलन, “प्रभु तोहरा के हमार बेटा चुनले बाड़न कि मेमना के जगह पर सही होमबलि बन जाईं।”
52 इसहाक अपना पिता से कहलस, “हम जवन भी बात प्रभु तोहरा से कहले बाड़े, उ सब खुशी अवुरी मन से खुश होके करब।”
53 अब्राहम फिर से अपना बेटा इसहाक से कहले, “का तोहरा मन में एह बारे में कवनो विचार भा सलाह बा जवन उचित नइखे?” बताव हमार बेटा, हम तोहरा से निहोरा करतानी, हे बेटा हमरा से मत छुपाव।
54 इसहाक अपना पिता अब्राहम के जवाब देत कहले, “हे हमार पिता, जईसन प्रभु जीयत बाड़े अवुरी जईसन तोहार प्राण जिंदा बाड़े, हमरा दिल में अयीसन कवनो बात नईखे जवन कि उनुका से कहल बात से ना त दाहिना ओर भा बांया ओर भटकावे।
55 एह बात पर ना त अंग ना मांसपेशी हिलल बा ना हिलल बा, ना ही हमरा दिल में एह बारे में कवनो विचार भा बुरा सलाह बा।
56 लेकिन हम एह बात में हर्षित आ खुशहाल मन के बानी आ हम कहत बानी कि धन्य प्रभु हवें जे आज हमरा के अपना सामने होमबलि बने खातिर चुनले बाड़न।
57 इब्राहीम इसहाक के बात से बहुत खुश हो गईले अवुरी उ लोग एक संगे ओहि जगह प पहुंचले, जवना के बारे में प्रभु कहले रहले।
58 इब्राहीम ओहिजा वेदी बनावे खातिर नजदीक पहुंचले, तब तक इब्राहीम रोवत रहले अवुरी इसहाक पत्थर अवुरी मोर्टार लेके चल गईले, जब तक कि उ लोग वेदी के निर्माण पूरा ना कईले।
59 इब्राहीम लकड़ी के लेके जवन वेदी बनवले रहले, ओकरा प व्यवस्थित क देले।
60 उ अपना बेटा इसहाक के लेके ओकरा के बान्ह के वेदी प राखल लकड़ी प राख के प्रभु के सोझा होमबलि के रूप में मार देले।
61 इसहाक अपना बाप से कहलस, “हमरा के सुरक्षित बान्ह के वेदी पर रख दीं कि कहीं हम मुड़ के ना हिल जाईं आ हमरा मांस पर चाकू के बल से ढीला ना हो जाईं आ ओकरा से होमबलि के अपवित्र ना कर दीं। आ अब्राहम अयीसन कईले।
62 तबहियो इसहाक अपना बाप से कहलस, “हे हमार बाबूजी, जब तू हमरा के मार के बलिदान बना के जरा देब त हमरा राख में से जवन कुछ बचल होई ओकरा के लेके हमरा माई सारा के लगे ले आवऽ आ ओकरा से कहऽ कि ई इसहाक के मीठ गंध वाला गंध ह। बाकिर अगर ऊ कवनो इनार के लगे भा कवनो ऊँच जगह पर बइठ जाव त ओकरा के ई बात मत बताईं कि कहीं ऊ हमरा पीछे आपन जान फेंक के मर ना जाव.

63 इब्राहीम इसहाक के बात सुन के जब इसहाक के इ बात कहलस त उ आवाज उठा के रोवे लगले। अब्राहम के लोर उनकर बेटा इसहाक पर गिरल आ इसहाक कड़ुआ रोअल आ ऊ अपना बाप से कहलस, "हे हमार बाबू, तू जल्दी करऽ आ हमरा साथे प्रभु परमेश्वर के इच्छा जइसन करऽ, जइसन कि ऊ तोहरा के आज्ञा देले बाड़े।"

64 अब्राहम आ इसहाक के मन एह बात से खुश हो गइल जवन प्रभु ओह लोग के आज्ञा देले रहले। बाकिर आँख कड़ुआ रोवत रहे जबकि दिल खुश रहे।

65 इब्राहीम अपना बेटा इसहाक के बान्ह के लकड़ी के ऊपर वेदी प रखले अवुरी इसहाक अपना पिता के सोझा वेदी प आपन गरदन बढ़वले अवुरी अब्राहम अपना बेटा के प्रभु के सोझा होमबलि के रूप में मारे खाती चाकू लेवे खाती हाथ बढ़वले।

66 ओही समय दया के दूत प्रभु के सामने अइले आ इसहाक के बारे में उनकरा से बात कइले।

67 0 प्रभु, तू स्वर्ग आ धरती में जवन कुछ रचले बाड़ ओकरा पर दयालु आ दयालु राजा हउअ आ तू ओह सब के सहारा देत बाड़ऽ; एह से अपना सेवक इसहाक के जगह फिरौती आ मोक्ष दे, आ अब्राहम आ उनकर बेटा इसहाक पर दया आ दया कर, जे आज तोहार आज्ञा के पालन करत बाड़े।

68 हे प्रभु, का तू देखले बाड़ कि कइसे तोहार सेवक अब्राहम के बेटा इसहाक के जानवर निहन कत्ल खाती बान्हल गईल बा? अब हे प्रभु, ओह लोग पर तोहार दया जागल होखे।

69 ओही घरी प्रभु अब्राहम के प्रकट भइले आ स्वर्ग से ओकरा के बोलवले आ कहलन कि, "ओह लइका पर हाथ मत राखऽ आ ओकरा से कवनो काम मत करऽ, काहे कि अब हम जान गइल बानी कि तू ई काम करे में आ अपना एकलौता बेटा के हमरा से ना रोके में भगवान से डेरात बाड़।"

70 अब्राहम आँख उठा के देखलन कि एगो मेढ़क के सींग से झाड़ी में फंसल बा। उ मेढ़क रहे जवन प्रभु परमेश्वर धरती आ आकाश के निर्माण के दिन धरती में बनवले रहले।

71 काहेकि प्रभु ओह दिन से ही इ मेढ़क के इसहाक के जगह होमबलि के रूप में तैयार कईले रहले।

72 ई मेढ़क अब्राहम के लगे आगे बढ़त रहे जब शैतान ओकरा के पकड़ के ओकर सींग झाड़ी में उलझा दिहलस ताकि उ अब्राहम के लगे आगे ना बढ़ सके ताकि अब्राहम अपना बेटा के हत्या कर सके।

73 इब्राहीम मेढ़क के आगे बढ़त देख के शैतान ओकरा के रोकत देख के ओकरा के लेके वेदी के सोझा ले अईले अवुरी उ अपना बेटा इसहाक के अपना बान्ह से ढीला क देले अवुरी उनुका जगह मेढ़क के रख देले अवुरी अब्राहम मेढ़ा के वेदी प मार के अपना बेटा इसहाक के जगह बलिदान के रूप में ले अईले।

74 इब्राहीम मेढ़क के खून के कुछ खून वेदी प छिड़कले अवुरी उ चिल्ला के कहले कि, इ हमरा बेटा के जगह प बा अवुरी आज एकरा के प्रभु के सोझा हमरा बेटा के खून मानल जाए।

75 अब्राहम एह मौका पर वेदी के लगे जवन कुछ करत रहले, उ चिल्ला के कहत रहले कि, इ हमरा बेटा के कमरा में बा, अवुरी आज हमरा बेटा के जगह प प्रभु के सोझा विचार कईल जाए। इब्राहीम पूरा सेवा वेदी के लगे पूरा कईले अवुरी प्रभु के सोझा सेवा के स्वीकार कईल गईल अवुरी उनुका के अयीसन मानल गईल जईसे कि इ इसहाक होखे। आऊ ओह दिन परमेस् वर अब्राहम आ उनकर वंशज के आशीष दिहलन।

76 शैतान सारा के लगे गईल अवुरी उ ओकरा के एगो बहुत विनम्र अवुरी नम्र आदमी के रूप में देखाई देलस अवुरी अब्राहम अभी तक प्रभु के सोझा होमबलि में लागल रहले।

77 उ ओकरा से कहलस कि, का तू इ नईखी जानत कि आज इब्राहीम आपके एकलौता बेटा के संगे जवन काम कईले बाड़े? काहे कि ऊ इसहाक के लेके वेदी बनवले आ ओकरा के मार के वेदी पर बलिदान बना के ले अइले आ इसहाक अपना पिता के सामने चिल्ला के रोवे लगले, बाकिर ऊ ओकरा ओर ना देखले आ ना ओकरा पर करुणा भइल.

78 शैतान इ बात दोहरवलस अवुरी उ ओकरा से दूर हो गईल अवुरी सारा शैतान के सभ बात सुनली अवुरी उनुका के ओ आदमी के बेटा के बीच से एगो बुढ़ आदमी के कल्पना कईली, जवन कि उनुका बेटा के संगे रहले अवुरी आके उनुका के इ बात बतवले रहले।

79 सारा अपना बेटा के चलते आवाज उठा के रोवे लगली आ कड़ुआ चिल्ला उठली। ऊ अपना के जमीन पर फेंक दिहली आ अपना माथा पर धूल डाल दिहली आ कहली, हे बेटा, हमार बेटा इसहाक, हे अगर हम आजु तोहरा जगहा मर गइल रहीं. ऊ रोवत रहली आ कहली, "हे बेटा, हमार बेटा इसहाक, तोहरा खातिर हमरा दुख बा कि हम आजु तोहरा जगहा मर गइल रहीं."

80 ऊ अबहियों रोवत रहली आ कहली कि, "हम तोहरा के पालन पोषण आ पालन पोषण कइला के बाद तोहरा खातिर दुखी हो रहल बा। अब हमार खुशी तोहरा खातिर शोक में बदल गइल बा, हम जे तोहरा खातिर तरसत रहनी आ जबले हम तोहरा के नब्बे साल के उमिर में ना जनम लेहनी तबले भगवान से चिल्लात रहनी आ प्रार्थना करत रहनी। आ अब तू आज चाकू आ आग खातिर परोसत बाड़, जवना से चढ़ावल जा सके।

81 बाकिर हम अपना बेटा, तोहरा साथे सांत्वना देत बानी कि ई प्रभु के वचन ह, काहे कि तू अपना भगवान के आज्ञा के पालन कइले बाड़। काहे कि हमनी के परमेश्वर के वचन के उल्लंघन के कर सकेला, जेकरा हाथ में हर जीव के आत्मा बा?

82 हे हमनी के परमेश्वर प्रभु, तू धर्मी हउअ, काहेकि तोहार सब काम अच्छा आ धर्मी बा। काहे कि हमहूँ तोहार वचन से खुश बानी जवन तू आज्ञा देले रहलू आ जबले हमार आँख कड़ुआ रोवत बिया त हमार मन खुश हो जाला।

83 सारा अपना एगो दासी के छाती प आपन माथा रखली अवुरी उ पत्थर निहन स्थिर हो गईली।

84 ओकरा बाद ऊ उठ के हेब्रोन तक पूछताछ करत रहली, आ सड़क पर चलत-चलत मिलल सभ लोग से पूछताछ कइली आ केहू उनका के ना बता पवलस कि उनकर बेटा के का भइल बा।

85 ऊ अपना नौकरानी आ नौकरन के साथे किरेत-अर्बा, जवन हेब्रोन ह, अइली आ ऊ अपना बेटा के बारे में पूछली आ ऊ ओहिजा रह गइली जबले ऊ अपना कुछ नौकरन के भेजली कि ऊ लोग ई खोज लेव कि अब्राहम इसहाक का साथे कहाँ गइल रहले. उ लोग शेम आ एबर के घर में ओकरा के खोजे गईले, लेकिन उनुका के ना मिलल, अवुरी पूरा देश में खोजत रहले अवुरी उ उहाँ ना रहले।

86 देखऽ, शैतान एगो बूढ़ आदमी के आकार में सारा के लगे आके ओकरा सोझा खड़ा होके कहलस, "हम तोहरा से झूठ बोलले बानी, काहे कि अब्राहम अपना बेटा के ना मारले रहले

अवुरी उ मरल नईखन। जब ऊ ई बात सुनली त उनकर आनन्द बेटा के चलते अतना हिंसक हो गइल कि उनकर आत्मा खुशी से बाहर निकल गइल। ऊ मर गइली आ अपना लोग का लगे बटोर लिहली.

87 जब अब्राहम आपन सेवा पूरा कइलन त ऊ अपना बेटा इसहाक के साथे अपना नवहियन का लगे लवट अइले आ ऊ लोग एक संगे बेरशेबा चल गइल आ ऊ लोग घरे आ गइल.

88 इब्राहीम सारा के खोजत रहले, लेकिन उनुका के ना मिलल, त उ उनुका से पूछताछ कईले अवुरी उ लोग उनुका से कहले कि, उ हेब्रोन तक गईली कि उ रउआ दुनो के खोजत रहले कि रउआ कहाँ गईल रहनी, काहेकी उनुका के अईसन जानकारी दिहल गईल रहे।

89 अब्राहम आ इसहाक ओकरा लगे हेब्रोन गइलन आ जब ऊ लोग के पता चलल कि ऊ मर गइल बाड़ी त ऊ लोग आवाज उठा के ओकरा पर कड़ुआ रोवे लगलन. आ इसहाक अपना महतारी के मुँह पर गिर के रोवत कहले, "हे माई, माई, तू हमरा के कइसे छोड़ के चल गइल बाड़ू आ कहाँ चल गइल बाड़ू?" हे कइसे, कइसे हमरा के छोड़ के चल गइल बाड़ू!

90 इब्राहीम आ इसहाक सारा के चलते बहुत रोवे लगले आ उनकर सब नौकर भी उनकरा साथे रोवे लगले आ उ लोग उनका खातिर बहुत शोक मनावत रहले|

अध्याय 24 के बा

1 सारा के उमिर एक सौ सत्ताईस साल रहे आ सारा मर गइली। अब्राहम अपना मरल लोग के सामने से उठ के आपन मेहरारू सारा के दफनावे खातिर दफन के जगह खोजले। ऊ जाके ओह देश के निवासी हेत के लोग से कहलन।

2 हम तोहरा देश में तोहरा साथे परदेशी आ प्रवासी हईं। हमरा के अपना देश में दफन के जगह दे द, ताकि हम अपना मुवल के अपना सोझा से दफना सकीले।

3 हेत के लोग अब्राहम से कहलस कि, देख, उ देश तोहरा सामने बा, हमनी के कब्र के चुनाव में तोहार मुअल लोग के दफनावे के बा, काहेकि केहु तोहरा के तोहरा मुअल लोग के दफनावे से ना रोकी।

4 अब्राहम ओह लोग से कहलन, "जदि तू लोग एह बात से सहमत बानी त जाकर हमरा खातिर ज़ोकर के बेटा एफ्रोन से निहोरा करीं कि ऊ हमरा के मकपेला के गुफा दे देव जवन कि ओकरा खेत के छोर पर बा आ हम ओकरा से खरीद लेब।

5 एफ्रोन हेत के लोग के बीच में रहत रहले, उ लोग जाके उनुका के बोलवले अवुरी उ अब्राहम के सोझा अईले अवुरी एफ्रोन अब्राहम से कहले, "देखऽ, तू जवन मांग करत बाड़ऽ, ऊ सब तोहरा सेवक से करस। इब्राहीम कहले, "ना, लेकिन हम तोहरा लगे जवन गुफा आ खेत बा ओकरा के कीमत में खरीद लेब, ताकि उ हमेशा खातिर दफन स्थल के कब्जा में हो सके।"

6 एफ्रोन जवाब दिहलन, "देखऽ खेत आ गुफा तोहरा सामने बा, जवन मन करे तवन दे दऽ। अब्राहम कहले, "हम एकरा के तोहरा हाथ से, तोहरा शहर के फाटक पर जाए वाला लोग के हाथ से आ तोहरा संतान के हाथ से हमेशा खातिर पूरा दाम पर खरीदब।"

7 एफ्रोन आ ओकर सब भाई लोग ई बात सुन के इब्राहीम एफ्रोन के चार सौ शेकेल चांदी के तौल दिहलन। आ इब्राहीम ई लेनदेन लिखले बाड़न आ चार गो गवाहन के साथे लिख के गवाही दिहले बाड़न।

8 गवाहन के नाम ह, हित्ती अबीश्ना के बेटा अमीगल, हिवी अशुनाच के बेटा अदीकोरोम, गोमेरी अकीराम के बेटा अब्दोन, सिदोनी अबूदीश के बेटा बकदील।

9 अब्राहम खरीददारी के किताब लेके अपना खजाना में रख दिहलन आ इहे शब्द बा जवन अब्राहम किताब में लिखले बाड़न।

10 इ गुफा आ खेत जवन अब्राहम हित्ती एफ्रोन से, ओकरा संतान से, आ अपना शहर से बाहर निकले वाला लोग से, आ ओह लोग के संतान से हमेशा खातिर खरीदले रहले, उ अब्राहम आ उनकर संतान आ उनकर कमर से निकले वाला लोग खातिर हमेशा खातिर दफन स्थल के मालिक बने खातिर खरीदल जाई। आ ओकरा पर एगो हस्ताक्षर लगा के गवाहन के साथे गवाही दिहलन।

11 ओकरा में जवन खेत आ गुफा रहे आ उ सब जगह अब्राहम आ ओकरा बाद के संतान के हेत के लोग से पक्का हो गइल। देखऽ ऊ हेब्रोन के ममरे के सामने बा जवन कनान देश में बा।

12 एकरा बाद अब्राहम आपन मेहरारू सारा के ओहिजा दफना दिहलन आ ऊ जगह आ ओकर पूरा सीमा अब्राहम आ उनकर संतान के दफन जगह के मालिक बन गइल।

13 अब्राहम सारा के धूमधाम से दफना दिहलन जइसन कि राजा लोग के अंतिम संस्कार में देखल जाला आ ओकरा के बहुत बढ़िया आ सुन्दर कपड़ा में दफना दिहल गइल।

14 शेम, उनकर बेटा एबर आ अबीमेलेक, अनार, अश्कोल आ ममरे के साथे उनकर कवच के पाछे रहे।

15 सारा के दिन एक सौ सत्ताईस साल रहे आ ऊ मर गइली आ अब्राहम बहुते शोक कइलन आ सात दिन ले शोक के संस्कार कइलन.

16 सारा के चलते देश के सब निवासी अब्राहम अवुरी उनुकर बेटा इसहाक के दिलासा देले।

17 जब उ लोग के शोक के दिन बीत गईल त अब्राहम अपना बेटा इसहाक के भेज देले अवुरी उ प्रभु के रास्ता अवुरी उनुकर निर्देश जाने खाती शेम अवुरी एबर के घरे चल गईले अवुरी अब्राहम तीन साल तक उहाँ रहले।

18 ओही घरी अब्राहम अपना सब नौकरन के साथे उठ के बेर्शेबा में वापस आ गइलन आ अब्राहम आ उनकर सब नौकर बेरशेबा में रह गइलन।

19 साल क्रान्ति के समय पलिस्तीयन के राजा अबीमेलेक के मौत हो गईल। उनकर मौत के समय उनकर उमिर एक सौ तेनब्बे साल रहे; इब्राहीम अपना लोग के संगे पलिस्तीयन के देश में चल गईले अवुरी उ लोग पूरा घर के लोग अवुरी उनुकर सभ नौकर के दिलासा देले अवुरी उ मुड़ के घरे चल गईले।

20 अबीमेलेक के मौत के बाद ही गेरार के लोग उनकर बेटा बेनमालीच के लेके चल गईले, उ मात्र बारह साल के रहले अवुरी उनुका के अपना पिता के जगह प सुता देले।

21 उ लोग ओकर नाम ओकर पिता के नाम से अबीमेलेक रखले, काहेकि गेरार में अईसन करे के रिवाज रहे, अवुरी अबीमेलेक अपना पिता अबीमेलेक के जगह राज कईले अवुरी उ अपना सिंहासन प बईठ गईले।

22 ओह दिन इसहाक के जीवन के उनतीसवाँ साल में हारान के बेटा लूत के मौत हो गइल आ लूत के सब दिन एक सौ चालीस साल के रहल आ ऊ मर गइलन।

23 ई लूत के संतान हवें जे उनकर बेटी से पैदा भइल रहले, पहिला बच्चा के नाम मोआब रहे आ दूसरा के नाम बेनामी रहे।
24 लूत के दुनो बेटा कनान के देश से जाके अपना पत्नी के बियाह कईले अवुरी उ लोग से संतान पैदा कईले अवुरी मोआब के संतान एड, मेयोन, तरस अवुरी कानविल रहले, चार बेटा, इ लोग आज तक मोआब के संतान के पिता बाड़े।
25 लूत के संतान के सब परिवार जहाँ-जहाँ रोशनी देवे के रहे, उहाँ रहे खातिर चल गईले, काहे कि उ लोग फल-फूलत रहे अवुरी बहुत बढ़ गईल रहे।
26 उ लोग जाके जवना देश में उ लोग रहत रहले, ओहिजा अपना खातिर शहर बनवले अवुरी जवन शहर बनवले रहले, ओकर नाम अपना नाम प रखले।
27 अब्राहम के भाई तेरा के बेटा नाहोर के मौत ओही दिन में इसहाक के चालीसवाँ साल में हो गइल आ नाहोर के पूरा दिन एक सौ बहत्तर साल रहल आ ऊ मर गइलन आ हारान में दफनावल गइलन.
28 जब अब्राहम आपन भाई के मरल सुन के दुखी हो गईले अवुरी बहुत दिन तक अपना भाई के शोक मनले।
29 इब्राहीम अपना घर के बारे में आदेश देवे खातिर अपना मुख्य नौकर एलीएजर के बोलवले अवुरी उ अपना सोझा खड़ा हो गईले।
30 अब्राहम ओकरा से कहले, "देखऽ हम बूढ़ हो गइल बानी, हम अपना मरला के दिन नइखी जानत। काहे कि हम दिन में बड़ हो गइल बानी; अब उठ के हमरा बेटा खातिर एह जगह से आ एह देश से, कनान के बेटी लोग से मेहरारू मत लीं, जवना में हमनी के रहत बानी जा।
31 लेकिन हमरा धरती आ हमरा जनमभूमि में जाके उहाँ से हमरा बेटा खातिर एगो मेहरारू ले लीं, आ स्वर्ग आ धरती के प्रभु परमेश्वर जे हमरा के हमरा पिता के घर से लेके हमरा के एह जगह ले अइले, आ हमरा से कहले कि, हम ई धरती तोहरा संतान के हमेशा खातिर विरासत में देब, ऊ तोहरा सामने आपन दूत भेज के तोहार रास्ता में समृद्धि कर दीहें, ताकि तू हमरा खातिर एगो पत्नी मिल सके बेटा हमरा परिवार से आ बाबूजी के घर से।
32 ऊ नौकर अपना मालिक अब्राहम के जवाब दिहलस आ कहलस, "देखऽ हम तोहार जन्मभूमि आ तोहार बाप के घरे जाके तोहरा बेटा खातिर उहाँ से एगो मेहरारू लेके चलत बानी। लेकिन अगर उ मेहरारू हमरा पीछे-पीछे एह देश में जाए के तैयार ना होखे त का हम तोहरा बेटा के अपना जन्मभूमि के देश में वापस ले जाइब?
33 इब्राहीम ओकरा से कहले, "सावधान रहऽ कि तू हमरा बेटा के इहाँ ना ले आवऽ, काहेकि जवना प्रभु के सामने हम चलल बानी, उ तोहरा से आगे आपन दूत भेज के तोहार रास्ता में सफलता दिहे।"
34 एलीएजर अब्राहम के आदेश के मुताबिक काम कईले अवुरी एलीजर ए मामला में अपना मालिक अब्राहम के किरिया खईले। एलीएजर उठ के अपना मालिक के ऊंट में से दस ऊंट आ अपना मालिक के नौकरन में से दस आदमी लेके चल गइलन आ ऊ लोग अब्राहम आ नाहोर के शहर हारान में चल गइलन कि अब्राहम के बेटा इसहाक खातिर मेहरारू ले आवे. जब उ लोग गईल रहले त अब्राहम शेम अवुरी एबर के घरे भेजले अवुरी उ लोग अपना बेटा इसहाक के उहाँ से ले अईले।
35 इसहाक अपना पिता के घर बेरशेबा में घरे पहुंचले, जबकि एलीएजर अवुरी उनुकर आदमी हारान पहुंचले। उ लोग शहर में पानी के जगह के लगे रुक गईले अवुरी उ अपना ऊंट के पानी के किनारे घुटना टेक देले अवुरी उ लोग उहाँ रह गईले।
36 इब्राहीम के नौकर एलीएजर प्रार्थना करत कहले, "हे हमार मालिक अब्राहम के परमेश्वर। हमरा के भेजऽ हम आज जल्दी जल्दी से निहोरा करऽ आ हमरा मालिक पर दया करऽ कि आज हमरा मालिक के बेटा खातिर ओकरा परिवार से मेहरारू नियुक्त करऽ।
37 प्रभु अपना सेवक अब्राहम के खातिर एलीएजर के आवाज सुनले अवुरी संजोग से उ बेथुएल के बेटी से भेंट कईले, जवन कि अब्राहम के भाई नाहोर के पत्नी मिल्का के बेटा रहली अवुरी एलीएजर उनुका घरे पहुंचले।
38 एलीएजर ओ लोग के आपन सब चिंता बतवले कि उ अब्राहम के सेवक हवे अवुरी उ लोग उनुका प बहुत खुश भईले।
39 उ सब लोग प्रभु के आशीष देले, जे इ बात पैदा कईले अवुरी उ लोग बेथुएल के बेटी रिबेका के इसहाक के पत्नी के रूप में दे देले।
40 उ युवती बहुत सुन्दर रहली, उ कुंवारी रहली अवुरी ओ समय में रिबेका दस साल के रहली।
41 ओह रात बेथुएल आ लाबान आ उनकर लइका-लइकी भोज कइले आ एलीएजर आ उनकर आदमी आके ओह रात उहाँ खाना पी के खुश भइले।
42 एलीएजर सबेरे उठ के उ आउर उनकरा साथे रहल लोग बथुएल के पूरा घर के लोग के आवाज देके कहलस कि, "हमरा के भेज दीं कि हम अपना मालिक के लगे जाइब। ऊ लोग उठ के उज के बेटी रिबेका आ ओकर नर्स दबोरा के भेज दिहल आ ओकरा के चांदी आ सोना, नौकर आ नौकरानी दे दिहल आ ऊ लोग ओकरा के आशीर्वाद दिहल.
43 उ लोग एलीएजर के अपना आदमी के संगे भेज देले। नौकर लोग रिबेका के लेके कनान देश में अपना मालिक के लगे लवट गईल।
44 इसहाक रिबेका के लेके उनुकर पत्नी बन गईली अवुरी उनुका के डेरा में ले गईले।
45 इसहाक चालीस साल के रहले जब उ अपना चाचा बेथुएल के बेटी रेबेका के पत्नी बना लेले।

अध्याय 25 के बा

1 ओही घरी अब्राहम बुढ़ापा में फेर से एगो मेहरारू बियाह कइलन आ ओकर नाम केतुरा रहे, जवन कनान देश से रहे।
2 ओकरा से छह गो बेटा जिमरन, योक्षान, मेदान, मिदियन, इशबक आ शुआच के जनम दिहली। जिमरन के संतान अबीहेन, मोलिक आ नरीम रहलन।
3 योक्षान के बेटा शेबा आ देदान आ मेदान के बेटा अमीदा, योआब, गोकी, एलीशा आ नोथाक रहलन। मिद्यान के बेटा एफा, एफर, चनोक, अबीदा आ एल्दाह रहलन।
4 इशबाक के बेटा मकीरो, बेयोदुआ आ तातोर रहले।
5 शुआक के बेटा बिल्दाद, ममदाद, मुनान आ मेबान रहलन। इ सब कनान के केतुरा के संतान के परिवार ह जवन उ इब्राहीम इब्राहीम के जनम देले रहली।

6 अब्राहम एह सब के भेज दिहलन आ ऊ ओह लोग के वरदान दे दिहलन आ ऊ लोग अपना बेटा इसहाक से जहाँ जगह मिलल रहे ओहिजा रहे खातिर चल गइलन.
7 ई सब लोग पूरब के पहाड़ पर चल गइल आ ऊ लोग अपना खातिर छह गो शहर बनवले जवना में ऊ लोग आजु ले रहत बा.
8 लेकिन शेबा आ देदान के लइका, योक्शान के लइका आ अपना लइकन के साथे, अपना भाई लोग के साथे अपना शहरन में ना रहले, आ आजु ले ऊ लोग देस आ जंगल में डेरा डाल के चलत रहे।
9 अब्राहम के बेटा मिद्यान के लोग कुश देश के पूरब में गईले अवुरी उहाँ उ लोग के पूरब के देश में एगो बड़ घाटी मिलल अवुरी उ लोग उहाँ रह के एगो शहर बनवले अवुरी उ लोग आज तक ओहिजा रह गईले, जवन कि मिद्यान के देश ह।
10 मिद्यान जवन शहर बनवले रहले, उ अपना पांच बेटा अवुरी उनुकर सभ लोग रहले।
11 मिद्यान के बेटा लोग के नाम उनके शहर में एफा, एफर, चनोक, अबीदा आ एल्दाह के अनुसार बा।
12 एफा के बेटा मेथाक, मेशर, अवी आ ज़नुआ आ एफर के बेटा एफ्रोन, ज़ूर, अलीरुन आ मदीन आ चनोक के बेटा रेउल, रेकेम, अजी, अल्योशुब आ अलाद रहले।
13 अबीदा के बेटा चूर, मेलुद, केरुरी, मोल्की रहलन। एलदाह के बेटा मीकर, रेबा, मल्चिया आ गाबोल रहले। इहे मिद्यानी लोग के नाम ह, जवन कि उ लोग के परिवार के हिसाब से बा। आ ओकरा बाद मिद्यान के परिवार पूरा मिडियान देश में फइल गइल।
14 इशमाएल बेटा इब्राहीम के पीढ़ी ह, जेकरा के सारा के दासी हाजर अब्राहम के जनम देले रहली।
15 इस्माइल मिस्र के देश से एगो मेहरारू बियाह कइलन आ ओकर नाम रिबा रहे, ऊ मरीबा ह।
16 रिबा से इस्माइल नबायोत, केदार, अदबील, मिबसाम आ उनकर बहिन बोसमथ के जनम भइल।
17 इस्माइल आपन मेहरारू रिबा के छोड़ दिहलन आ ऊ ओकरा से निकल के मिस्र अपना पिता के घरे लवट गइली आ ऊ ओहिजा रह गइली काहे कि ऊ इस्माइल आ ओकर पिता अब्राहम के नजर में बहुते खराब रहली.
18 बाद में इस्माइल कनान देश से एगो मेहरारू बिया, ओकर नाम मल्चूत रहे आ ओकरा से निश्मा, दुमा, मासा, चदाद, टेमा, येतुर, नफीश आ केदमा के जनम भइल।
19 ई इस्माइल के बेटा हवें आ ई उनकर नाम हवें, जब ऊ लोग अपना जाति के हिसाब से बारह गो राजकुमार रहलें। बाद में इस्माइल के परिवार फइल गइल आ इस्माइल अपना घर के लोग आ ओकर सब कुछ के साथे आपन लइकन आ मिलल सगरी संपत्ति लेके चल गइलन आ जहाँ जगह मिल जाव ओहिजा रहे खातिर चल गइलन.
20 उ लोग पारन के जंगल के लगे जाके रह गईले अवुरी उ लोग के निवास हवीला से लेके शूर तक रहे, जवन कि मिस्र के सामने बा, जब तू अश्शूर के ओर जात रहलू।
21 इस्माइल आ उनकर बेटा लोग ओह देश में रहत रहलन आ ओह लोग के संतान पैदा भइल आ ऊ लोग खूब फलत-बढ़त रहे।
22 इशमाएल के पहिला जनम नबायोत के बेटा लोग के नाम इहे ह। मेंड, भेजल, मेयोन के बा; केदार के बेटा अल्योन, केज़ेम, चमाद आ एली रहले।
23 अदबेल के बेटा चमाद आ याबीन रहलन। मिबसाम के बेटा ओबदिया, एबेदमेलेक आ यूश रहलन। इ इस्माइल के पत्नी रिबा के संतान के परिवार ह।
24 इस्माइल के बेटा मिश्मा के बेटा शमुआ, जकर्योन आ ओबेद रहलन। दुमा के बेटा केसेद, एली, मकमाद आ अमेद रहलन।
25 मासा के बेटा खरबूजा, मुला आ एबिदादोन रहलन। चदाद के बेटा अज़ूर, मिंजार आ एबेदमेलेक रहलन। तेमा के बेटा सेइर, सदोन आ याकोल रहलन।
26 येतुर के बेटा मेरिथ, याश, अल्यो आ पचोत रहलन। नाफीश के बेटा एबेद-तामेद, अबियासाफ आ मीर रहलन। केदमा के बेटा कालीप, तचती आ ओमीर रहलन। इ लोग इश्माएल के पत्नी मलचूत के संतान रहले, जवन कि अपना परिवार के मुताबिक रहले।
27 इ सब लोग इश्माएल के परिवार के रूप में अपना पीढ़ी के हिसाब से हवे अवुरी उ लोग आज तक ओ देश में रहत रहले, जवना में उ लोग अपना खातिर शहर बनवले रहले।
28 अब्राहम के बेटा इसहाक के मेहरारू बेथुएल के बेटी रिबेका ओह घरी बंजर रहली आ उनकर कवनो संतान ना रहे। इसहाक अपना बाप के साथे कनान देश में रहत रहले। आ प्रभु इसहाक के साथे रहले। एही दिन में इसहाक के अड़तालीसवाँ साल में नूह के बेटा शेम के बेटा अर्पचशाद के मौत हो गइल आ अर्पचशाद के जियला चार सौ अड़तीस साल के रहल आ ऊ मर गइलन.

अध्याय 26 के बा

1 अब्राहम के बेटा इसहाक के जीवन के उनवनवाँ साल में उनकर मेहरारू रिबेका अबहियों बंजर रहली।
2 रेबेका इसहाक से कहली, "हे मालिक, हम सचमुच सुनले बानी कि तोहार माई सारा अपना दिन में बंजर रहली, जब तक कि हमार प्रभु अब्राहम, तोहार बाप, ओकरा खातिर प्रार्थना ना कईले अवुरी उनुका से गर्भवती ना हो गईल।
3 अब खड़ा होके परमेश्वर से भी प्रार्थना करऽ त उ तोहार प्रार्थना सुन के अपना दया से हमनी के याद करीहे।
4 इसहाक अपना मेहरारू रिबेका के जवाब दिहलन, "अब्राहम हमरा खातिर भगवान से प्रार्थना कर चुकल बाड़न कि हम आपन संतान बढ़ाईं, एहसे अब ई बंजरपन तोहरा से निकले के पड़ी।
5 रिबेका ओकरा से कहली, "तू भी उठ के प्रार्थना करस कि प्रभु तोहार प्रार्थना सुन के हमरा के संतान देस, त इसहाक अपना पत्नी के बात सुनले अवुरी इसहाक अवुरी उनुकर पत्नी उठ के मोरिया के देश में उहाँ प्रार्थना करे अवुरी प्रभु के खोजे खाती चल गईले, अवुरी जब उ लोग ओ जगह पहुंचले त इसहाक खड़ा होके अपना पत्नी के चलते प्रभु से प्रार्थना कईले, काहेंकी उ बंजर रहली।
6 इसहाक कहलस, "हे आकाश आ धरती के परमेश्वर प्रभु, जेकर भलाई आ दया धरती पर भर गइल बा, तू जे हमरा पिता के अपना पिता के घर से आ ओकरा जन्मभूमि से लेके अइनी आ ओकरा से कहनी कि हम तोहरा संतान के देश देब, आ तू ओकरा से वादा कइले बाड़ऽ आ ओकरा से बतवले बाड़ऽ, हम तोहरा के बहुत बढ़ा देब।" आकाश के तारा आ समुंदर के बालू

नियर बीज, अब तोहार बात के सच्चाई होखे जवन तू हमरा बाबूजी से कहले रहलू।
7 काहेकि तू हमनी के प्रभु परमेश्वर हउअ, हमनी के नजर तोहरा ओर बा कि हमनी के आदमी के संतान देवे खातिर, जईसे तू हमनी से वादा कईले रहलू, काहेकि तू हमनी के प्रभु परमेश्वर हउअ आ हमनी के नजर खाली तोहरे ओर बा।
8 तब परमेस् वर अब्राहम के बेटा इसहाक के प्रार्थना सुनलन आ प्रभु से उनकरा से निहोरा कइलन आ उनकर मेहरारू रिबेका गर्भवती हो गइली।
9 लगभग सात महीना बाद लइका-लइकी ओकरा भीतर संघर्ष कइलन आ ओकरा बहुत दुख भइल कि ऊ ओह लोग के चलते थक गइली आ ऊ ओह घरी देश में मौजूद सभ मेहरारू लोग से कहली कि, "का तोहनी के साथे अइसन भइल जइसन हमरा साथे भइल बा?" उ लोग ओकरा से कहलस कि ना।
10 ऊ ओह लोग से कहली, "हम धरती पर मौजूद सब मेहरारू लोग में अकेले काहे बानी? एकरा चलते उ मोरिया के देश में प्रभु के खोजे गईली। उ शेम आ उनकर बेटा एबर के लगे गईली कि उ लोग से पूछताछ करस कि उ लोग उनुका बारे में एह बात में प्रभु के खोज करस।
11 उ अब्राहम से भी कहली कि उ अपना पर भईल सभ घटना के बारे में प्रभु से पूछस अवुरी पूछस।
12 उ सब लोग प्रभु से एह बारे में पूछताछ कइलन आ प्रभु से उनकर बात लेके कहलन कि, "तोहरा पेट में दू गो लइका बाड़े आ ओह लोग से दू गो राष्ट्र उठीहें। आ एगो राष्ट्र दोसरा से मजबूत होखी आ बड़का छोटका के सेवा करी.
13 जब उनकर प्रसव के दिन पूरा हो गईल त उ घुटना टेक के देखली कि उनुका पेट में जुड़वा बच्चा बाड़े, जईसे कि प्रभु उनुका से कहले रहले।
14 पहिलका चारो ओर बालदार कपड़ा निहन लाल हो गईल अवुरी देश के सभ लोग उनुकर नाम एसाव रखले अवुरी कहले कि, इ पेट से ही पूरा हो गईल बा।
15 ओकरा बाद ओकर भाई आइल आ ओकर हाथ एसाव के एड़ी पकड़ लिहलस, एही से ऊ लोग ओकर नाम याकूब रखल।
16 इब्राहीम के बेटा इसहाक के उमर साठ साल के रहे।
17 लइका लोग पन्द्रहवाँ साल तक बड़ हो गइल आ ऊ लोग आदमी के समाज में आ गइल। एसाव एगो डिजाइनिंग आ धोखेबाज आदमी रहले, आ खेत में माहिर शिकारी रहले, आ याकूब एगो सिद्ध आ बुद्धिमान आदमी रहले, डेरा में रहत रहले, झुंड के चारा देत रहले अवुरी प्रभु के निर्देश अवुरी अपना पिता अवुरी महतारी के आज्ञा सीखत रहले।
18 इसहाक आ उनकर घर के लोग अपना पिता अब्राहम के साथे कनान देश में रह गइलन, जइसन कि परमेश्वर के आज्ञा दिहल रहे।
19 अब्राहम के बेटा इस्माइल अपना लइकन आ ओह लोग के सब सामान के साथे चल गइलन आ ऊ लोग ओहिजा हवीला देश में लवट गइलन आ ऊ लोग ओहिजा रह गइलन.
20 अब्राहम के उपपत्नी के सब संतान पूरब के देश में रहे खातिर चल गईले, काहेकी अब्राहम ओ लोग के अपना बेटा से भेज देले रहले अवुरी उपहार देले रहले अवुरी उ लोग चल गईले।
21 अब्राहम अपना बेटा इसहाक के आपन सब खजाना दे दिहलन।
22 ऊ ओकरा के आज्ञा दिहलन कि का तू नइख जानत आ ना समझत हव कि प्रभु स्वर्ग आ धरती में भगवान हवें आ ओकरा अलावा दोसर केहू नइखे?
23 उहे हमरा के हमरा बाप के घर से आ हमरा जन्मस्थान से लेके धरती के सब आनन्द देले। उ हमरा के दुष्ट के सलाह से बचा लेले, काहेकि हम ओकरा पर भरोसा करत रहनी।
24 उ हमरा के इहाँ ले अइले आ हमरा के उर कासदीम से बचा लिहले। उ हमरा से कहलस कि, हम इ सब देश तोहरा संतान के देब अवुरी जब उ लोग हमार आज्ञा, हमार नियम अवुरी हमरा फैसला के पालन करीहे, जवन कि हम तोहरा के देले बानी अवुरी हम उनुका के आज्ञा देब।
25 अब हमार बेटा, हमार आवाज सुनीं आ तोहरा परमेस् वर के आज्ञा के पालन करीं, जवन हम तोहरा के आज्ञा देले बानी, सही रास्ता से ना त दाहिना ओर मत मुड़ऽ, ताकि तोहरा आ तोहरा बाद के लइकन के हमेशा खातिर ठीक होखे।
26 आऊ प्रभु के अद्भुत काम आ उनकर दया के याद करीं जवन उ हमनी के दुश्मनन के हाथ से बचावे के काम कइले बाड़न आ हमनी के परमेश्वर प्रभु ओह लोग के हमनी के हाथ में गिरा दिहले बाड़न। अब हम जवन भी आज्ञा देले बानी, ओकरा के पूरा करऽ आ अपना परमेश्वर के आज्ञा से दूर मत करऽ आ ओकरा अलावा केहू के सेवा मत करऽ ताकि तोहरा आ तोहरा बाद के वंशज के भलाई हो सके।
27 आ अपना लइकन आ अपना वंशज के प्रभु के निर्देश आ उनकर आज्ञा सिखाईं आ ओह लोग के सीधा रास्ता सिखाईं जवना से ऊ लोग चले के चाहीं ताकि ऊ लोग हमेशा खातिर ठीक हो सके.
28 इसहाक अपना बाप के जवाब दिहलन आ कहलन, "हमार प्रभु जवन आज्ञा देले बाड़न, हम उहे करब, आ हम अपना परमेश्वर यहोवा के आज्ञा से ना हटब, हम उ सब बात के पालन करब जवन उ हमरा के दिहले रहले। इब्राहीम अपना बेटा इसहाक के आशीष दिहलन। आ अब्राहम याकूब के प्रभु के शिक्षा आ उनकर रास्ता सिखवले।
29 एही घरी इब्राहीम इसहाक के बेटा याकूब आ एसाव के जिनगी के पन्द्रहवाँ साल में मर गइलन आ अब्राहम के पूरा उमिर एक सौ पचहत्तर साल रहल आ ऊ मर गइलन आ बुढ़ापा में, बुढ़ापा में आ दिन से संतुष्ट होके अपना लोग के बीच जुट गइलन आ उनकर बेटा इसहाक आ इस्माइल उनका के दफना दिहलन.
30 जब कनान के निवासी अब्राहम के मर गईले के बात सुनले त उ सब अपना राजा, राजकुमार अवुरी अपना सब आदमी के संगे अब्राहम के दफनावे पहुंचले।
31 हारान देश के सब निवासी, अब्राहम के घराना के सब परिवार, सब राजकुमार आ बड़का-बच्चा, आ अब्राहम के उपपत्नी के बेटा, सब लोग अब्राहम के मौत के खबर सुन के आ गईले अवुरी उ लोग अब्राहम के दया के बदला देले अवुरी उनुका बेटा इसहाक के दिलासा देले अवुरी उ लोग अब्राहम के ओ गुफा में दफना देले, जवन कि एफ्रोन हित्ती अवुरी उनुका संतान से खरीदले रहले एगो दफन के जगह ह।
32 कनान के सब निवासी आ अब्राहम के जानत सब लोग अब्राहम खातिर साल भर रोवत रहले आ मरद मेहरारू उनकर शोक मनावत रहले।
33 आउर सब छोट लइका आ देश के सब निवासी अब्राहम के चलते रोवत रहले, काहे कि इब्राहीम ओह सब के साथे भलाई

कइले रहले आ काहे कि उ परमेश्वर आ आदमी के साथे सीधा रहले।
34 इब्राहीम निहन भगवान से डेराए वाला केहु ना पैदा भईल, काहेकि उ जवानी से अपना भगवान से डेरात रहले अवुरी प्रभु के सेवा कईले रहले अवुरी अपना बचपन से लेके मौत के दिन तक अपना सभ रास्ता प चलत रहले।
35 प्रभु ओकरा साथे रहलन आ ओकरा के निमरोद आ ओकर लोग के सलाह से बचा लिहलन आ जब ऊ एलाम के चार गो राजान से लड़ाई कइलन त ऊ ओह लोग के जीत लिहलन.
36 ऊ धरती के सब लइकन के परमेश्वर के सेवा में ले अइले आ प्रभु के रास्ता सिखवले आ प्रभु के जान दिहले।
37 ऊ एगो बगीचा बनवले आ ओहमें अंगूर के बगइचा लगवले आ ऊ हमेशा अपना डेरा में ओह देश से गुजरे वाला लोग खातिर खाना आ पेय तइयार करत रहले जेहसे कि ऊ लोग अपना घर में तृप्त हो सके.
38 परमेस् वर परमेस् वर अब्राहम के वजह से पूरा धरती के उद्धार कर दिहलन।
39 अब्राहम के मरला के बाद ही परमेश्वर उनकर बेटा इसहाक आ उनकर लइकन के आशीष दिहलन आ प्रभु इसहाक के साथे ओइसहीं रहलन जइसे उनकर बाप अब्राहम के साथे रहलन, काहे कि इसहाक प्रभु के सब आज्ञा के पालन कइलन जइसे उनकर बाप अब्राहम के आज्ञा देले रहले। ऊ सही रास्ता से दाहिने भा बाईं ओर ना मुड़ल जवना के बाप ओकरा के आज्ञा देले रहले.

अध्याय 27 के बा

1 ओ समय एसाव अब्राहम के मरला के बाद अक्सर खेत में शिकार करे जात रहले।
2 बाबेल के राजा निमरोद अम्राफेल भी अपना पराक्रमी लोग के साथे खेत में शिकार करे आ दिन के ठंडा में अपना आदमी लोग के साथे घूमे खातिर जात रहले।
3 निमरोद पूरा दिन एसाव के देखत रहले, काहे कि निमरोद के दिल में एसाव के खिलाफ पूरा दिन ईर्ष्या होखत रहे।
4 एक दिन एसाव खेत में शिकार करे गइलन त निमरोद के अपना दुनु आदमी के साथे जंगल में घूमत देखलन।
5 ओकर सब पराक्रमी आ ओकर लोग ओकरा साथे जंगल में रहे, लेकिन उ लोग ओकरा से दूर होके ओकरा से अलग-अलग दिशा में शिकार करे खातिर चल गईले, एसाव निमरोद खातिर लुका गईले अवुरी उ जंगल में ओकरा खाती लुका गईले।
6 निमरोद आ उनकर साथी लोग उनका के ना जानत रहे आ निमरोद आ उनकर आदमी लोग दिन के ठंडा में अक्सर खेत में घूमत रहले आ ई जाने खातिर कि उनकर आदमी खेत में कहाँ शिकार करत बाड़े।
7 निमरोद आ उनकर दू गो आदमी जहाँ उ लोग रहले, उहाँ पहुंचले, जब एसाव अचानक अपना लुकाइल जगह से निकल गईले अवुरी तलवार निकाल के जल्दी-जल्दी निमरोद के लगे भाग गईले अवुरी उनुकर माथा काट देले।
8 एसाव निमरोद के संगे रहल दुनो आदमी के संगे बहुत लड़ाई लड़ले अवुरी जब उ लोग उनुका के आवाज़ देले त एसाव ओ लोग के ओर मुड़ के अपना तलवार से ओ लोग के मार देले।
9 निमरोद के सब पराक्रमी जे ओकरा के छोड़ के जंगल में जाए खातिर निकलल रहले, दूर से उ चिल्लाहट सुनले अवुरी उ लोग ओ दुनो आदमी के आवाज़ जान गईले अवुरी उ लोग एकर कारण जाने खाती भाग गईले, जब उ लोग अपना राजा अवुरी उनुका संगे मौजूद दुनो आदमी के जंगल में मरल पड़ल देखले।
10 एसाव निमरोद के पराक्रमी लोग के दूर से आवत देखले त भाग गईले अवुरी ओकरा से भाग गईले। एसाव निमरोद के कीमती कपड़ा लेके चल गईले, जवन निमरोद के पिता निमरोद के वसीयत में देले रहले अवुरी जवना से निमरोद पूरा देश प हावी हो गईले अवुरी उ दौड़ के अपना घर में छिपा देले।
11 एसाव निमरोद के आदमी के चलते उ कपड़ा लेके शहर में भाग गईले अवुरी लड़ाई से थक गईल अवुरी थक गईल अपना पिता के घरे पहुंचले अवुरी जब उ अपना भाई याकूब के लगे पहुंचले अवुरी उनुका सोझा बईठ गईले।
12 ऊ अपना भाई याकूब से कहलन, "देखऽ हम आजु मरब, त हमरा जनम के अधिकार काहे चाहीं? याकूब ए मामला में एसाव के संगे समझदारी से काम कईले अवुरी एसाव आपन जमना के अधिकार याकूब के बेच देले, काहेंकी इ काम प्रभु के ओर से भईल रहे।
13 मकपेला के खेत के गुफा में एसाव के हिस्सा जवन अब्राहम हेत के लोग से दफन स्थल के मालिकाना हक खातिर खरीदले रहले, एसाव भी याकूब के बेच देले अवुरी याकूब इ सभ हिस्सा अपना भाई एसाव से मिलल कीमत के हिसाब से खरीद लेले।
14 याकूब इ पूरा बात एगो किताब में लिखले अवुरी उ गवाहन के संगे इहे गवाही देले अवुरी ओकरा प मुहर लगा देले अवुरी किताब याकूब के हाथ में रह गईल।
15 जब कुश के बेटा निमरोद के मौत हो गईल त ओकर आदमी ओकरा के उठा के अचरज में ले आईल अवुरी ओकरा के अपना शहर में दफना देले अवुरी निमरोद के जियला के पूरा दिन दु सौ पंद्रह साल के रहे अवुरी उ मर गईले।
16 निमरोद के राज के दिन एक सौ पचासी साल रहे। आ निमरोद लाज आ तिरस्कार से एसाव के तलवार से मर गइलन आ अब्राहम के वंशज उनकर मौत के कारण बन गइल जइसन कि ऊ सपना में देखले रहले.
17 निमरोद के मरला पर उनकर राज्य कई गो बँटवारा में बँट गइल आ निमरोद के राज कइल जवन भी हिस्सा ओह देश के अपना-अपना राजा लोग के वापस कर दिहल गइल, जे निमरोद के मौत के बाद ओह लोग के वापस ले लिहलें आ निमरोद के घराना के सब लोग बहुत दिन ले ओह देश के बाकी राजा लोग के गुलाम बन गइल।

अध्याय 28 के बा

1 ओह दिन में अब्राहम के मौत के बाद ओह साल प्रभु ओह देश में भारी अकाल ले अइले आ जब कनान देश में अकाल के दौर चलत रहे तब इसहाक अकाल के चलते मिस्र जाए खातिर उठल, जइसे कि ओकर पिता अब्राहम कइले रहले।
2 ओह रात प्रभु इसहाक के सामने प्रकट भइले आ कहलन कि, "मिस्र में मत जाके उठ के पलिस्तीयन के राजा अबीमेलेक के लगे गेरार में जाइब आ जबले अकाल ना खतम हो जाई तबले ओहिजा रहऽ."

3 इसहाक उठ के गेरार चल गइलन, जइसन कि प्रभु के आज्ञा दिहल गइल रहे आ ऊ पूरा साल ओहिजा रहलन।
4 जब इसहाक गेरार अइले त देश के लोग देखल कि उनकर मेहरारू रेबेका सुन्दर रूप के हई आ गेरार के लोग इसहाक से उनकर मेहरारू के बारे में पूछलस आ कहलस कि, "उ हमार बहिन हई, काहे कि उ आपन मेहरारू कहे से डेरात रहले कि कहीं देश के लोग ओकरा के मार देवे।"
5 अबीमेलेक के सरदार लोग जाके राजा के सामने ओह औरत के स्तुति कईले, लेकिन उ ओ लोग के जवाब ना देले अवुरी ना उ लोग के बात प ध्यान देले।
6 लेकिन उ लोग के इ कहत सुनले कि इसहाक ओकरा के आपन बहिन बतावत रहले, एहसे राजा इ बात अपना भीतर सुरक्षित रखले रहले।
7 जब इसहाक तीन महीना तक एह देश में रहले त अबीमेलेक खिड़की से बाहर देखले अवुरी देखले कि इसहाक अपना पत्नी रिबेका के संगे खेलत रहले, काहेंकी इसहाक राजा के बाहरी घर में रहत रहले, एहसे इसहाक के घर राजा के घर के सोझा रहे।
8 राजा इसहाक से कहले, "तू अपना मेहरारू के बारे में कह के हमनी के का कइले बाड़ू कि ऊ हमार बहिन हई?" केतना आसानी से जनता के कवनो महान आदमी ओकरा संगे लेट गईल होई अवुरी तू तब हमनी प अपराधबोध ले आईल रहती।
9 इसहाक अबीमेलेक से कहले, "हम डेरात रहनी कि कहीं हम अपना मेहरारू के चलते मर ना जाईं, एहसे हम कहनी कि उ हमार बहिन हई।"
10 ओही घरी अबीमेलेक अपना सब राजकुमारन आ महापुरुषन के आदेश दिहलन आ ऊ लोग इसहाक आ उनकर मेहरारू रिबेका के लेके राजा के सोझा ले अइले।
11 राजा आज्ञा दिहलन कि ऊ लोग ओह लोग के रियासत के कपड़ा पहिन के शहर के गली में सवारी करा के पूरा देश में ओह लोग के सामने घोषणा करस कि, "ई आदमी ह आ ई ओकर मेहरारू ह। जे एह आदमी भा ओकर मेहरारू के छूई ऊ जरूर मर जाई. इसहाक अपना मेहरारू के साथे राजा के घरे लवट गइलन आ प्रभु इसहाक के साथे रहले आ ऊ बड़का होत रहले आ ओकरा कुछुओ के कमी ना रहे।
12 प्रभु इसहाक के अबीमेलेक आ उनकर सब प्रजा के नजर में अनुग्रह करा दिहलन आ अबीमेलेक इसहाक के साथे बढ़िया काम कइलन, काहे कि अबीमेलेक के उनकर बाप आ अब्राहम के बीच के किरिया आ वाचा याद आ गइल।
13 अबीमेलेक इसहाक से कहले, "देखऽ, पूरा धरती तोहरा सामने बा। जहाँ भी तोहरा नजर में अच्छा लागे तब तक रहऽ जब तक कि तू अपना देश में ना लवटबऽ। अबीमेलेक इसहाक के खेत आ अंगूर के बगइचा आ गेरार देश के सबसे बढ़िया हिस्सा दे दिहलन कि जबले अकाल के दिन ना बीत जाव तबले ऊ बोवे आ काट के जमीन के फल खा सके.
14 इसहाक ओह देश में बोवाई कइलन आ ओही साल सौ गुना मिललन आ प्रभु उनका के आशीष दिहलन।
15 ऊ आदमी बड़ हो गइल आ ओकरा लगे झुंड आ भेड़ आ नौकरन के बड़हन भंडार रहे।
16 जब अकाल के दिन बीत गइल त प्रभु इसहाक से प्रकट भइले आ कहलन कि उठ के एह जगह से निकल के अपना देश कनान में लवट जा। इसहाक उठ के कनान के देश में हेब्रोन वापस आ गईले, जवन कि प्रभु के आज्ञा के मुताबिक उनुकर सब लोग रहे।
17 एकरा बाद अर्पचशाद के बेटा शेलाक के मौत ओही साल हो गईल, जवन कि याकूब अवुरी एसाव के जीवन के अठारहवां साल ह। शेलाक के जियला चार सौ तेतीस साल रहल आ ऊ मर गइलन.
18 ओह घरी इसहाक अपना छोट बेटा याकूब के शेम आ एबर के घरे भेजलन आ ऊ प्रभु के निर्देश सीख लिहलन आ याकूब बत्तीस साल ले शेम आ एबर के घर में रहले आ उनकर भाई एसाव ना गइलन काहे कि ऊ जाए के तइयार ना रहले आ ऊ कनान देश में अपना पिता के घर में रहले.
19 एसाव लगातार खेत में शिकार करत रहले कि जवन कुछ मिलल रहे ओकरा के घरे ले आवलस, एसाव भी दिन भर अयीसन करत रहले।
20 एसाव एगो षड्यंत्रकारी आ धोखेबाज आदमी रहलन, जे आदमी के दिल के शिकार करत रहले आ ओकरा पर चोट करत रहले, आ एसाव खेत में एगो वीर आदमी रहले आ समय के साथ हमेशा के तरह शिकार करे खातिर चलत रहले। उ सेइर के खेत तक पहुंच गईले, उहे एदोम ह।
21 उ एक साल चार महीना तक सेइर के देश में खेत में शिकार करत रहले।
22 एसाव सेइर के देश में कनान के एगो आदमी के बेटी देखले अवुरी ओकर नाम यहूदीत रहे, जवन कि एफर के बेटा बेरी के बेटी रहली।
23 एसाव ओकरा के मेहरारू बना लिहले आ ओकरा लगे अइले। जब एसाव ओकरा के लेके चलल त ओकर उमिर चालीस साल रहे आ ऊ ओकरा के अपना बाप के निवास के देश हेब्रोन ले अइले आ ऊ ओहिजा रह गइलन.
24 ओह दिन में इसहाक के जीवन के सौ दसवाँ साल यानी याकूब के जीवन के पचासवाँ साल में नूह के बेटा शेम के मौत हो गइल। शेम के मौत के समय उ छह सौ साल के रहले।
25 जब शेम मर गइलन त याकूब अपना बाप के लगे हेब्रोन में लवट गइलन जवन कनान के देश में बा।
26 याकूब के जीवन के छप्पनवाँ साल में हारान से लोग आइल आ रिबेका के आपन भाई बेथुएल के बेटा लाबान के बारे में बतावल गइल।
27 काहे कि ओह घरी लाबान के मेहरारू बंजर रहली आ ना कवनो संतान पैदा कइली आ उनकर सब दासी भी उनकरा से कवनो बच्चा ना पैदा कइली।
28 ओकरा बाद प्रभु लाबान के मेहरारू अदीना के याद कइलन आ ऊ गर्भवती होके जुड़वा बेटी भइली आ लाबान अपना बेटी के नाम, बड़की लीआ आ छोटकी राहेल के नाम रखले।
29 उ लोग आके रिबेका के इ बात बतवले, त रिबेका बहुत खुश हो गईली कि प्रभु उनुका भाई से मिले गईले अवुरी उनुका संतान भईल बा।

अध्याय 29 के बा

1 अब्राहम के बेटा इसहाक बूढ़ हो गइलन आ उमिर बढ़ला का चलते उनकर आँख भारी हो गइलन. उ लोग मद्धिम रहे आ देख ना पावत रहे।
2 ओही घरी इसहाक अपना बेटा एसाव के बोलवले आ कहलन कि, "हम निहोरा करत बानी कि तोहार हथियार, तोहार कटहर आ धनुष, उठ के खेत में जा के हमरा खातिर हिरन के मांस ले

आवऽ आ हमरा खातिर स्वादिष्ट मांस बना के हमरा लगे ले आवऽ, ताकि हम खा सकीले कि हम अपना मरला से पहिले तोहरा के आशीर्वाद दे सकीले, जइसे कि हम अब बूढ़ आ धूसर हो गइल बानी।
3 एसाव अईसन कईले। आ ऊ आपन हथियार लेके खेत में निकल के हिरन के मांस के शिकार करे खातिर निकल गइलन, हमेशा का तरह, अपना बाबूजी के जइसन आदेश दिहले रहले, ओकरा लगे ले आवे खातिर, जेहसे कि ऊ ओकरा के आशीर्वाद दे सके.
4 रिबेका इजहाक के एसाव से कहल सब बात सुन के जल्दी-जल्दी अपना बेटा याकूब के बोलवली, "तोहार बाबूजी तोहरा भाई एसाव से अईसन बात कहले रहले अवुरी हम अईसन सुनले रहनी, एहसे अब तू जल्दी से उहे बनाई।"
5 उठ के झुंड के लगे जाके हमरा खातिर दू गो बढ़िया बकरी के बच्चा ले आवऽ आ हम तोहरा बाबूजी खातिर स्वादिष्ट मांस ले आवऽ आ तोहार भाई के पीछा करे से आवे से पहिले ऊ स्वादिष्ट मांस ले आवऽ जवना के ऊ खा सके, ताकि तोहार बाप तोहरा के आशीर्वाद दे सके।
6 याकूब जल्दी-जल्दी अपना महतारी के आज्ञा के मुताबिक काम कईले अवुरी एसाव के पीछा से आवे से पहिले उ स्वादिष्ट मांस बना के अपना पिता के सोझा ले अईले।
7 इसहाक याकूब से पूछले, "हे हमार बेटा तू के हउअ?" ऊ कहलस, "हम तोहार पहिला जन्मल एसाव हईं, जइसन तू हमरा के आदेश देले रहलू ओइसने काम कइले बानी, अब उठ के हमार शिकार खाईं, ताकि तोहार प्राण हमरा के ओइसहीं आशीर्वाद दे सके जइसे तू हमरा से बात कइले रहलू।"
8 इसहाक उठ के खाना खइले आ पियले आ मन के दिलासा मिलल आ याकूब के आशीष दिहलन आ याकूब अपना बाप से दूर हो गइलन। आ जइसहीं इसहाक याकूब के आशीष दिहलन आ ऊ ओकरा से दूर हो गइलन त देखलस कि एसाव खेत से अपना शिकार से आइल रहले आ ऊ स्वादिष्ट मांस भी बना के अपना बाप के लगे ले अइले कि ऊ ओकरा के खाए आ आशीर्वाद देसु.
9 इसहाक एसाव से कहलस, "उ के ह जे हिरन के मांस लेके तोहरा आवे से पहिले हमरा के ले आइल रहे आ हम ओकरा के आशीष देले रहनी? एसाव जान गइलन कि उनकर भाई याकूब अइसन कइले बाड़न आ एसाव के गुस्सा उनकर भाई याकूब पर भड़क गइल कि ऊ उनका साथे अईसन काम कइले बाड़न।
10 एसाव कहलन, "का ओकरा के याकूब कहल सही नइखे? काहे कि ऊ हमरा के दू बेर बदल लिहले बाड़न, ऊ हमार जन्मसिद्ध अधिकार छीन लिहले बाड़न आ अब हमार आशीर्वाद छीन लिहले बाड़न. एसाव बहुत रोवत रहले। जब इसहाक अपना बेटा एसाव के रोअत आवाज सुनलस त इसहाक एसाव से कहलस, "हे बेटा, हम का कर सकीले, तोहार भाई सूक्ष्मता से आके तोहार आशीष ले लिहलस। आ एसाव अपना भाई याकूब से नफरत करत रहले, काहे कि उनकर बाप के दिहल आशीष के चलते उनकर गुस्सा बहुत भड़क गईल।
11 याकूब अपना भाई एसाव से बहुत डेरा गईले अवुरी उ उठ के शेम के बेटा एबर के घरे भाग गईले अवुरी उ अपना भाई के चलते उहाँ लुका गईले अवुरी याकूब के उमर तेसठ साल के रहले, जब उ कनान के देश से हेब्रोन से निकलले अवुरी याकूब अपना भाई एसाव के चलते चौदह साल तक एबर के घर में लुकाईल रहले प्रभु के रास्ता आ उनकर आज्ञा के।
12 जब एसाव देखलन कि याकूब भाग के ओकरा से भाग गइल बा आ याकूब धूर्तता से आशीर्वाद पा लिहले बा, त एसाव बहुते दुखी हो गइलन आ ऊ अपना बाप-माई पर भी परेशान हो गइलन. उहो उठ के आपन मेहरारू के लेके अपना बाप-माई से दूर सेईर देश में चल गइलन आ उहाँ रह गइलन। एसाव उहाँ हेत के बेटी लोग के बीच से एगो औरत के देखले, जेकर नाम बोस्मात रहे, जवन कि एलोन हित्ती के बेटी रहली, अवुरी उ ओकरा के अपना पहिला पत्नी के अलावे पत्नी के रूप में ले लेले अवुरी एसाव ओकर नाम अदा रखले अवुरी कहले कि ओ समय में उनुका से आशीर्वाद बीत गईल।
13 एसाव छह महीना तक बिना अपना बाप-माई के देखले सेइर देश में रहले अवुरी ओकरा बाद एसाव अपना पत्नी के लेके उठ के कनान के देश में लवट गईले अवुरी एसाव अपना दुनो पत्नी के हेब्रोन में अपना पिता के घर में रखले।
14 एसाव के मेहरारू लोग इसहाक आ रिबेका के अपना काम से परेशान आ नाराज कइली काहे कि ऊ लोग प्रभु के राह पर ना चलत रहे, बलुक अपना पिता के लकड़ी आ पत्थर के देवता लोग के सेवा करत रहे जइसन कि ओह लोग के पिता सिखवले रहले आ ऊ लोग अपना पिता से भी दुष्ट रहे।
15 उ लोग अपना मन के बुरा इच्छा के मुताबिक चल गईले अवुरी बालियन के बलिदान अवुरी धूप जरा देले अवुरी इसहाक अवुरी रिबेका ओ लोग से थक गईले।
16 रेबेका कहली, "हेत के बेटी के चलते हम आपन जान से थक गईल बानी। अगर याकूब हेत के बेटी में से कवनो मेहरारू ले लेव, जइसे कि देश के बेटी में से, त हमरा खातिर जिनगी के का फायदा होई?
17 ओह घरी एसाव के मेहरारू आदा गर्भवती होके एगो बेटा पैदा कइली आ एसाव अपना जनमल बेटा के नाम एलीफाज रखले आ जब ऊ ओकरा के जनम दिहली त एसाव पंसठ साल के रहले।
18 अब्राहम के बेटा इस्माइल याकूब के जीवन के चौंसठवाँ साल में मर गइलन आ इस्माइल के सब दिन एक सौ सत्तीस साल के रहल आ ऊ मर गइलन।
19 इसहाक जब सुनलस कि इस्माइल के मौत हो गईल बा त उ ओकरा खातिर शोक मनावत रहले अवुरी इसहाक बहुत दिन तक उनुका प विलाप कईले।
20 याकूब के एबर के घर में रहला के चौदह साल के अंत में याकूब के अपना बाप-माई के देखे के इच्छा भईल अवुरी याकूब अपना बाप-माई के घर हेब्रोन पहुंचले अवुरी एसाव ओ समय भूला गईल रहले कि याकूब उनुका संगे का कईले रहले, काहेंकी उनुका से आशीर्वाद लेवे के काम कईले रहले।
21 जब एसाव याकूब के अपना बाप-माई के लगे जात देखले त याकूब के का कईल याद आईल त उ ओकरा से बहुत नाराज हो गईले अवुरी उनुका के मारे के कोशिश कईले।
22 अब्राहम के बेटा इसहाक बूढ़ आ बूढ़ हो गइलन आ एसाव कहले, "हमार बाबूजी के मरला के समय नजदीक आ गइल बा आ जब ऊ मर जइहें त हम अपना भाई याकूब के मार देब।"
23 रिबेका के ई बात बतावल गइल आ ऊ जल्दी से अपना बेटा याकूब के बोलावे के भेजली आ कहली, "उठ जा आ हमरा भाई लाबान के लगे हारान भाग जा आ कुछ देर ले ओहिजा रहब

जबले तोहार भाई के क्रोध तोहरा से ना हट जाई आ ओकरा बाद तू वापस ना आ जाईब।"
24 इसहाक याकूब के बोला के कहलन, "कनान के बेटी लोग में से कवनो मेहरारू मत लेह, काहेकि हमनी के पिता अब्राहम हमनी के प्रभु के वचन के अनुसार अईसन आज्ञा देले रहले, जवन उ उनुका के कहले रहले कि, हम इ देश तोहरा संतान के देब। अगर तोहार लइका हमार वाचा के पालन करी जवन हम तोहरा से कइले बानी त हम तोहरा लइकन के उहे पूरा करब जवन हम तोहरा से कहले बानी आ हम ओह लोग के ना छोड़ब।
25 अब हमार बेटा हमार बात सुनी, जवन हम तोहरा के आज्ञा देब, आ कनान के बेटी के बीच से मेहरारू बियाह करे से परहेज करऽ। उठ, अपना माई के बाप बथुएल के घरे हारान जा, आ ओहिजा से तोहरा माई के भाई लाबान के बेटी से एगो मेहरारू ले लीं।
26 एह से सावधान रहऽ कि तू जवना देश में जात बाड़ू, ओह देश में तोहार प्रभु प्रभु आ ओकर सगरी रास्ता ना भुला जाईं आ ओह देश के लोग से जुड़ जाईं आ आडंबर के पीछा मत कर लीं आ अपना परमेस् वर के छोड़ मत जाईं.
27 जब तूँ ओहिजा प्रभु के सेवा करऽ त ओह रास्ता से दाहिने भा बाईं ओर मत मुड़ऽ जवना के हम तोहरा के आज्ञा देले बानी आ जवन तू सीखले बाड़ू।
28 आ सर्वशक्तिमान परमेश्वर तोहरा के धरती के लोग के नजर में अनुग्रह करस ताकि तू अपना पसंद के हिसाब से उहाँ एगो मेहरारू बियाह कर सकीले। जे प्रभु के रास्ता में अच्छा आ सीधा होखे।
29 आ भगवान तोहरा आ तोहरा वंशज के तोहार पिता अब्राहम के आशीर्वाद देस, आ तोहरा के फलदा-फूलत आ बढ़ावस, आ जवना देश में तू जात बाड़ू, ओह देश में तू लोग के भीड़ बनस, आ भगवान तोहरा के एह देश में, जवन तोहार बाप के निवास के भूमि ह, ओह देश में लइका-लइकी आ बहुत धन के साथे, खुशी आ खुशी के साथ वापस ले आवे।
30 इसहाक याकूब के आज्ञा देके आशीष देके ओकरा के चांदी आ सोना के साथे बहुत वरदान दे दिहलन आ ओकरा के भेज दिहलन। याकूब अपना बाप-माई के बात सुनले। ऊ ओह लोग के चुम्मा ले के उठ के पदन-अराम चल गइलन. जब याकूब कनान देश से बेरशेबा से निकलल रहले त ओकर उमिर सत्ताहत्तर साल रहे।
31 जब याकूब हारान जाए खातिर चल गइलन त एसाव अपना बेटा एलिफाज के बोलवले आ ओकरा से चुपके से कहलन कि, "अब जल्दी कर, आपन तलवार हाथ में लेके याकूब के पीछा करऽ आ ओकरा से आगे निकल के रास्ता में घुस जा, आ ओकरा खातिर लुका के ओकरा के अपना तलवार से कवनो पहाड़ में मार दीं आ ओकर सब सामान लेके वापस आ जाईं।"
32 एसाव के बेटा एलिफाज एगो सक्रिय आदमी रहले अवुरी धनुष के काम में निपुण रहले, जईसे कि उनुकर पिता उनुका के सिखवले रहले, अवुरी उ खेत में एगो नामी शिकारी अवुरी वीर आदमी रहले।
33 एलीफाज अपना पिता के आज्ञा के मुताबिक काम कईले अवुरी एलीफाज ओ समय तेरह साल के रहले अवुरी एलीफाज उठ के अपना महतारी के दस भाई के अपना संगे लेके याकूब के पीछा कईले।
34 ऊ याकूब के पीछे-पीछे चलल आ शेकेम शहर के सामने कनान देश के सीमा में ओकरा खातिर लुकाइल।
35 याकूब एलीफाज आ ओकर आदमी के पीछा करत देखलन आ याकूब जवना जगह पर जात रहले, ओहिजा खड़ा हो गइलन कि ई का ह, काहे कि ऊ ई बात ना जानत रहले. एलीफाज आपन तलवार निकाल के ऊ अपना आदमी के साथे याकूब के ओर बढ़ल। याकूब उनकरा से कहलन, "तोहनी के का बाति बा कि तोहनी इहाँ आ गईल बाड़ू, आ एकर का मतलब बा कि तू लोग अपना तलवार से पीछा करत बाड़?"
36 एलीफाज याकूब के नजदीक अईले अवुरी उ जवाब देले, "हमार बाबूजी हमरा के अयीसन आज्ञा देले बाड़े अवुरी अब हम अपना पिता के दिहल आदेश से ना हटब। जब याकूब देखलस कि एसाव एलीफाज से बल प्रयोग करे के बात कईले बाड़े त याकूब ओकरा लगे पहुंचले अवुरी एलीफाज अवुरी उनुका आदमी से निहोरा कईले।
37 देखऽ कि हमरा लगे जवन कुछ बा आ जवन हमार बाप-माई हमरा के देले बाड़े, ऊ सब तोहरा के लेके हमरा से चल के हमरा के मत मारऽ आ ई बात तोहरा खातिर धार्मिकता मानल जाव।
38 तब परमेस् वर याकूब के एसाव के बेटा एलीफाज आ ओकर आदमी के नजर में अनुग्रह करा दिहलन आ ऊ लोग याकूब के आवाज सुन के ओकरा के ना मार दिहलन आ एलीफाज आ ओकर आदमी याकूब के सब सामान के साथे बेर्शेबा से लेके आइल चांदी आ सोना के साथे ले गइलन। उ लोग ओकरा के कुछूओ ना छोड़ले।
39 एलीफाज आ ओकर आदमी ओकरा से दूर होके बेरशेबा में एसाव के लगे वापस आ गईले अवुरी याकूब के संगे जवन कुछ भी भईल रहे ओकरा के बतवले अवुरी याकूब से जवन कुछ ले लिहले रहले, उ सभ उनुका के दे देले।
40 एसाव अपना बेटा एलीफाज आ ओकरा साथे मौजूद आदमी पर नाराज हो गइलन काहे कि ऊ लोग याकूब के हत्या ना कइले रहुवे.
41 उ लोग एसाव से कहले, "याकूब हमनी से निहोरा कईले कि हमनी के उनुका के मत मारी, एहसे हमनी के उनुका प दया आ गईल अवुरी हमनी के उनुकर सभ सामान लेके तोहरा लगे ले आईल। एसाव एलीफाज याकूब से जवन चांदी आ सोना लेले रहले, ओकरा के लेके अपना घर में रखले।
42 ओह घरी जब एसाव देखलन कि इसहाक याकूब के आशीष देले बाड़न आ ओकरा के आज्ञा देले बाड़न कि, "कनान के बेटी लोग में से कवनो मेहरारू मत लेहऽ आ कनान के बेटी इसहाक आ रिबेका के नजर में खराब बाड़ी।
43 ओकरा बाद उ अपना चाचा इस्माइल के घरे गईले अवुरी अपना बड़की पत्नी के अलावे उ नबायोत के बहिन इस्माइल के बेटी मक्लाथ के पत्नी बना लेले।

अध्याय 30 के बा

1 याकूब आपन रास्ता जारी रखत हारान के ओर बढ़ल आ मोरिया पहाड़ तक पहुँचल आ रात भर उहाँ लूज शहर के लगे रुकल। ओह रात परमेस् वर याकूब के सामने उहाँ प्रकट भइले आ कहलन कि हम अब्राहम के परमेस् वर आ तोहार बाप इसहाक के परमेस् वर हईं। जवना देश पर तू पड़ल बाड़ू, हम तोहरा आ तोहरा संतान के देब।

2 देखऽ हम तोहरा साथे बानी आ जहाँ भी जाईब तोहरा के रखब आ तोहार वंश के स्वर्ग के तारा नियर बढ़ा देब आ तोहरा सब दुश्मनन के तोहरा सोझा गिरा देब। आ जब ऊ लोग तोहरा से लड़ाई करी त ऊ लोग तोहरा पर हावी ना होई आ हम तोहरा के एह देश में खुशी से, लइका-लइकी आ बहुते धन-दौलत के साथे वापस ले अइब।
3 याकूब नींद से जाग गइलन आ ऊ जवन दर्शन देखले रहले ओकरा से बहुते खुश हो गइलन. उ जगह के नाम बेथेल रखले।
4 याकूब ओहि जगह से बहुत खुश होके उठले आ जब ऊ चलत रहले त उनकर गोड़ खुशी से हल्का महसूस भइल आ ऊ उहाँ से पूरब के लोग के देश में चल गइलन आ ऊ हारान लवट गइलन आ ऊ चरवाहा के इनार का लगे बइठ गइलन.
5 उहाँ उ कुछ आदमी मिल गईले। हारान से आपन भेड़ चरावे खातिर जाके याकूब ओह लोग से पूछताछ कइलन आ ऊ लोग कहलस कि हमनी के हारान के हईं जा।
6 ऊ ओह लोग से पूछले, “का तू लोग नाहोर के बेटा लाबान के जानत बाड़ऽ?” ऊ लोग कहल कि, हम ओकरा के जानत बानी आ देखऽ कि ओकर बेटी राहेल अपना बाप के भेड़ चरावे खातिर आवत बिया।
7 जब उ अभी तक उ लोग से बात करत रहले, त लाबान के बेटी राहेल अपना पिता के भेड़ के चरावे आईल रहली, काहेकी उ एगो चरवाहा रहली।
8 जब याकूब अपना माई के भाई लाबान के बेटी राहेल के देखले त उ दौड़ के ओकरा के चुम्मा लेले अवुरी आवाज उठा के रोवे लगले।
9 याकूब राहेल के बतवले कि उ रिबेका के बेटा हवे, जवन कि उनुका पिता के बहिन हई, अवुरी राहेल दौड़ के अपना पिता के बतवली अवुरी याकूब रोवत रहले, काहेंकी उनुका लगे लाबान के घर में ले आवे खाती कुछूओ ना रहे।
10 लाबान जब सुनलस कि उनकर बहिन के बेटा याकूब आईल बा त उ दौड़ के चुम्मा लेहले अवुरी गले लगा के घर में ले आके रोटी देले अवुरी उ खाना खईले।
11 याकूब लाबान के बतवले कि ओकर भाई एसाव ओकरा संगे का कईले रहले अवुरी उनुकर बेटा एलीफाज उनुका संगे सड़क प का कईले रहले।
12 याकूब एक महीना ले लाबान के घर में रहलन आ याकूब लाबान के घर में खाना-पीना कइलन आ ओकरा बाद लाबान याकूब से कहलन कि, “तोहार मजदूरी का होई, काहे कि तू हमार सेवा बेकार में कइसे कर सकेनी?”
13 लाबान के कवनो बेटा ना रहे, खाली बेटी रहली आ उनकर बाकी मेहरारू आ दासी लोग ओह घरी बंजर रहली। आ ई लाबान के बेटी के नाम ह जवन उनकर मेहरारू अदीना उनका खातिर पैदा कइले रहली। बड़की के नाम लीआ आ छोटकी के नाम राहेल रहे। आ लीआ के आँख कोमल रहे, लेकिन राहेल सुन्दर आ अनुग्रहित रहली, आ याकूब ओकरा से प्यार करत रहले।
14 याकूब लाबान से कहले, “हम तोहार छोटकी बेटी राहेल खातिर सात साल तक तोहार सेवा करब। आ लाबान एकरा खातिर सहमत हो गइलन आ याकूब अपना बेटी राहेल खातिर सात साल ले लाबान के सेवा कइलन.
15 याकूब के हारान में रहला के दूसरा साल यानी याकूब के जीवन के उनहत्तरवाँ साल में, ओही साल शेम के बेटा एबर के मौत हो गईल, उ मरला के समय चार सौ चौंसठ साल के रहले।
16 जब याकूब सुनलस कि एबर के मौत हो गईल बा त उ बहुत दुखी हो गईले अवुरी बहुत दिन तक उनुका प विलाप अवुरी शोक मनले।
17 याकूब के हारान में रहला के तीसरा साल में एसाव के मेहरारू इस्माइल के बेटी बोस्मात के एगो बेटा भइल आ एसाव ओकर नाम रयूएल रख दिहलस।
18 याकूब के लाबान के घर में रहला के चउथा साल में प्रभु लाबान के घरे गईले अवुरी याकूब के चलते उनुका के याद कईले अवुरी उनुका से बेटा पैदा भईले अवुरी उनुकर पहिला बच्चा बेओर, दुसरका बच्चा अलीब अवुरी तीसरा चोराश रहे।
19 प्रभु लाबान के धन-दौलत आ सम्मान, बेटा-बेटी दिहलन आ याकूब के चलते ऊ आदमी बहुत बढ़ गइल।
20 ओह घरी याकूब घर आ खेत में हर तरह के काम में लाबान के सेवा करत रहले आ घर आ खेत में लाबान के सब लोग पर प्रभु के आशीष मिलत रहे।
21 पांचवा साल में कनान देश में एसाव के पत्नी बेरी के बेटी यहूदीत के मौत हो गईल अवुरी उनुका लगे सिर्फ बेटी के अलावे कवनो बेटा ना रहे।
22 इहे उनकर बेटी के नाम ह जवन उ एसाव के जनम देले रहली, बड़की के नाम मार्जीत अवुरी छोटकी के नाम पुईत रहे।
23 जब यहूदीत के मौत हो गइल त एसाव उठ के खेत में शिकार करे खातिर सेयर चल गइलन आ एसाव बहुत दिन ले सेयर के देश में रहले।
24 छठवाँ साल में एसाव अपना दूसर मेहरारू लोग के अलावा हिवीजबायोन के बेटी अहलीबामा के भी बियाह कइलन आ एसाव ओकरा के कनान देश में ले अइले।
25 अहलीबामा गर्भवती होके एसाव के तीन गो बेटा के जनम दिहली, यूश, यालान आ कोरह।
26 ओह घरी कनान के देश में एसाव के चरवाहा आ कनान के चरवाहा के बीच झगड़ा हो गइल काहे कि एसाव के मवेशी आ संपत्ति बहुत ढेर रहे आ कनान देश में, अपना बाप के घर में ना रह पावल आ कनान के देश ओकरा के मवेशी के चलते सहन ना कर पवलस।
27 जब एसाव देखलन कि कनान देश के निवासी लोग के साथे उनकर झगड़ा बढ़ल बा, त ऊ उठ के आपन मेहरारू आ बेटा आ बेटी आ उनकर सब सामान आ उनकर सब मवेशी आ कनान के देश में मिलल आपन सब संपत्ति लेके चल गइलन आ ओह देश के निवासी लोग से दूर सेयर के देश में चल गइलन आ एसाव आ सब लोग के उ सेइर के देश में रहत रहले।
28 एसाव बीच-बीच में कनान देश में अपना बाप-माई के देखे जास, एसाव होरी लोग के संगे बियाह करत रहले अवुरी उ अपना बेटी के होरी सेइर के बेटा के दे देले।
29 ऊ आपन बड़की बेटी मर्जीत अपना मेहरारू के भाई जबियोन के बेटा आना के दे दिहलन आ पुईत होरी बिलहान के बेटा अजर के दिहलन. एसाव आ ओकर लइका-लइकी पहाड़ पर रह गइलन आ ऊ लोग फल-फूलत बढ़ल।

अध्याय 31 के बा

1 सातवाँ साल में याकूब के सेवा पूरा हो गइल जवन ऊ लाबान के सेवा कइले रहले आ याकूब लाबान से कहले, "हमरा के हमार मेहरारू दे दऽ, काहे कि हमार सेवा के दिन पूरा हो गइल बा। लाबान अईसन कईले अवुरी लाबान अवुरी याकूब ओ जगह के सभ लोग के एकट्ठा क के भोज कईले।
2 साँझ के लाबान घर में अइले आ ओकरा बाद याकूब भोज के लोग के साथे ओहिजा अइले आ लाबान घर में मौजूद सब बत्ती बुझा दिहले।
3 याकूब लाबान से कहलस, "तू हमनी के इ काम काहे करत बाड़? लाबान जवाब दिहलन, "हमनी के एह देश में काम करे के अईसने रिवाज बा।"
4 ओकरा बाद लाबान अपना बेटी लीआ के लेके याकूब के लगे ले गईले अवुरी ओकरा लगे पहुंचले अवुरी याकूब के इ ना पता चलल कि उ लीआ हई।
5 लाबान अपना बेटी लीआ के आपन दासी जिल्पा के एगो दासी के रूप में दे दिहलन।
6 भोज के सब लोग जान गईले कि लाबान याकूब के संगे का कईले बाड़े, लेकिन उ लोग याकूब के इ बात ना बतवले।
7 ओह रात के सब पड़ोसी याकूब के घरे अइले, आ ऊ लोग खा-पी के आ खुश होके लीआ के सामने टिम्बर आ नाच से बजावल आ याकूब, हेलेआ, हेलेआ के सामने जवाब दिहल।
8 याकूब ओह लोग के बात सुनले बाकिर ओकर मतलब ना बुझाइल, बाकिर सोचले कि एह देश में ओह लोग के अइसने रिवाज हो सकेला.
9 पड़ोसी लोग रात में याकूब के सामने इ बात कहलस आ ओह रात लाबान के घर में जवन रोशनी रहे उ सब बुझा गईल रहे|
10 सबेरे जब दिन के उजाला आइल त याकूब अपना मेहरारू के ओर मुड़ले त देखले कि उ लीआ रहली जवन कि उनुका गोदी में पड़ल रहली, त याकूब कहले, "देखऽ अब हमरा मालूम बा कि काल्हु रात पड़ोसी लोग का कहले रहे, "हेलेया, ऊ लोग कहल आ हम ना जानत रहनी।"
11 याकूब लाबान के बोला के कहलन, "तू हमरा साथे इ का कइले बाड़?" हम राहेल खातिर तोहार सेवा कइले रहनी आ तू हमरा के काहे धोखा देहनी आ हमरा के लीआ काहे देहनी?
12 लाबान याकूब से कहलन, "हमनी के जगह अइसन नइखे कि छोटकी के अब बड़का के सामने दे दिहल जाव, एहसे अगर तू ओकर बहिन के ओइसहीं ले जाए के चाहत बाड़ू त ओकरा के अपना लगे ले जा, जवना सेवा के तू हमरा के सात साल अउरी सेवा करब।"
13 याकूब अईसन कईले अवुरी उ राहेल के भी पत्नी बना लेले अवुरी सात साल अवुरी लाबान के सेवा कईले अवुरी याकूब राहेल के लगे अईले अवुरी उ राहेल के लीआ से जादे प्यार कईले अवुरी लाबान ओकरा के आपन दासी बिल्हा के दासी बना देले।
14 जब प्रभु देखलन कि लीआ से घृणा हो रहल बा त प्रभु ओकर पेट खोल दिहलन आ ऊ गर्भवती होके याकूब के चार गो बेटा पैदा कइली।
15 उनकर नाम रूबेन शिमोन, लेवी आ यहूदा ह, आ ओकरा बाद ऊ बच्चा पैदा कर दिहली।
16 ओह घरी राहेल बंजर रहली आ उनकर कवनो संतान ना रहे आ राहेल अपना बहिन लीआ से ईर्ष्या कइली आ जब राहेल देखली कि ऊ याकूब से कवनो संतान ना पैदा कइली त ऊ अपना दासी बिल्हा के लेके चल गइली आ याकूब के दू गो बेटा दान आ नप्ताली के जनम दिहली।
17 जब लीआ देखली कि उ प्रसव छोड़ देले बाड़ी त उ आपन दासी जिल्पा के भी लेके याकूब के पत्नी के रूप में दे देली, याकूब भी जिल्पा में अईले अवुरी उनुका से याकूब के दु बेटा गाद अवुरी आशेर के जन्म भईल।
18 लीआ फिर से गर्भवती होके याकूब के दू गो बेटा आ एगो बेटी के जनम दिहली आ उनकर नाम इस्साकर, जबबूलोन आ उनकर बहिन दीना ह।
19 ओह घरी राहेल अबहियों बंजर रहली आ ओह घरी राहेल प्रभु से प्रार्थना कइली आ कहली कि, "हे प्रभु परमेश्वर हमरा के याद करीं आ हमरा से मिले, हम तोहरा से निहोरा करत बानी, काहे कि अब हमार पति हमरा के छोड़ दीहें, काहे कि हम ओकरा से कवनो संतान नइखीं जनवले."
20 हे प्रभु परमेश्वर, अपना सामने हमार निहोरा सुनऽ आ हमार दुख देखऽ आ हमरा के एगो दासी नियर संतान दे दऽ, ताकि हम अब आपन निंदा ना सह सकीले।
21 परमेस् वर ओकर बात सुन के ओकर पेट खोल दिहलन आ राहेल गर्भवती होके एगो बेटा के जनम दिहली आ कहली, "प्रभु हमार निंदा दूर कर दिहले बाड़न आ ऊ उनकर नाम यूसुफ रखली आ कहली कि, "प्रभु हमरा खातिर एगो अउरी बेटा जोड़स। आ याकूब के उमिर एकनबे साल के रहे जब ऊ ओकरा के जनम दिहली।
22 ओही घरी याकूब के महतारी रिबेका उज के बेटी दबोरा आ इसहाक के दू गो नौकर के याकूब के लगे भेजली।
23 ऊ लोग याकूब के लगे हारान गइल आ ऊ लोग ओकरा से कहल कि, "रेबेका हमनी के तोहरा लगे भेजले बाड़ी कि तू अपना बाप के घरे कनान देश में वापस आ जाईं। आ याकूब उनकर माई के बात सुनले।
24 ओह घरी याकूब राहेल खातिर लाबान के सेवा कइला के बाकी सात साल पूरा हो गइल आ चौदह साल के अंत में जब ऊ हारान में रहले कि याकूब लाबान से कहले कि, हमरा के हमार मेहरारू दे दीं आ हमरा के भेज दीं, ताकि हम अपना देश में चल सकीले, काहे कि देखऽ कि हमार माई कनान के देश से हमरा लगे भेजले रहली कि हम अपना पिता के घरे लवट जाईं।
25 लाबान ओकरा से कहलस, "हम तोहरा से अईसन ना ह। अगर हमरा तोहरा नजर में अनुग्रह मिलल बा त हमरा के मत छोड़ऽ; हमरा के आपन मजदूरी तय करऽ आ हम देब आ हमरा साथे रहब।
26 याकूब ओकरा से कहलस, "तू हमरा के मजदूरी के रूप में इहे देब कि हम आज तोहार पूरा भेड़ में से गुजर के भेड़ आ बकरी के बीच से हर मेमना जवन धब्बादार आ धब्बादार बा आ भूरा रंग के हर मेमना के छीन लेब, आ अगर तू हमरा खातिर इ काम करब त हम वापस आके तोहरा भेड़ के चरा के पहिले निहन रखब।
27 लाबान अईसन कइलन आ लाबान याकूब के कहल सब बात के अपना भेड़ से हटा के ओकरा के दे दिहलन।
28 याकूब लाबान के भेड़ से जवन कुछ भी निकालले रहले, ओकरा के अपना बेटा के हाथ में दे दिहले अवुरी याकूब लाबान के बाकी भेड़ के चरावत रहले।
29 जब इसहाक के नौकर याकूब के लगे भेजले रहले, देखले कि याकूब अपना पिता के लगे कनान देश में ना लवटत रहले, त उ

लोग उनुका से दूर हो गईले अवुरी कनान के देश में वापस आ गईले।
30 दबोरा याकूब के साथे हारान में रहली आ इसहाक के नौकरन के साथे कनान देश में ना लवटली आ दबोरा याकूब के मेहरारू आ लइकन के साथे हारान में रहली।
31 याकूब छह साल अउरी लाबान के सेवा कइलन आ जब भेड़ पैदा भइल त याकूब ओह लोग से धब्बादार आ दागदार लोग के हटा दिहलन जइसन कि ऊ लाबान के साथे तय कइले रहले आ याकूब छह साल ले लाबान के घरे अइसन कइलन आ ऊ आदमी बहुते बढ़ गइल आ ओकरा लगे मवेशी आ नौकरानी आ नौकर, ऊंट आ गदहा रहले.
32 याकूब के दू सौ गो मवेशी के झुंड रहे आ उनकर मवेशी बड़ आकार के आ सुन्दर रूप के रहे आ बहुत पैदावार वाला रहे आ आदमी के बेटा के सब परिवार याकूब के मवेशी में से कुछ पावे के चाहत रहे, काहे कि उ लोग बहुत समृद्ध रहे।
33 याकूब के भेड़ में से बहुत लोग याकूब के कुछ भेड़ के खरीदे अइले आ याकूब ओह लोग के एगो भेड़ के एगो नौकर भा नौकरानी भा गदहा भा ऊंट खातिर दिहलन भा याकूब के जवन कुछ चाहत रहले ऊ ओकरा के दे दिहलन.
34 याकूब आदमी के बेटा लोग के साथे एह लेनदेन के माध्यम से धन-दौलत आ इज्जत आ सम्पत्ति हासिल कइलस आ लाबान के संतान लोग ओकरा से एह सम्मान से ईर्ष्या कइल।
35 समय के साथ उ लाबान के बेटा लोग के बात सुनले कि, "याकूब हमनी के बाप के सब कुछ छीन लेले बाड़े अवुरी हमनी के बाप के जवन भी महिमा रहे, ओकरा से उ इ सब महिमा पा लेले बाड़े।"
36 याकूब लाबान आ ओकर लइका-लइकी के चेहरा देखलन आ देखलन कि ऊ ओह दिनन में ओकरा ओर पहिले जइसन ना रहे।
37 छह साल पूरा होखला के बाद प्रभु याकूब के सामने प्रकट भईले अवुरी कहले कि, उठ, ए देश से निकल के अपना जन्मभूमि के देश में वापस आ जा अवुरी हम तोहरा संगे रहब।
38 ओह घरी याकूब उठ के अपना लइका-लइकी आ मेहरारू आ आपन सब सामान ऊंट पर सवार होके अपना पिता इसहाक के लगे कनान देश में जाए खातिर निकल गइलन।
39 लाबान के इ ना मालूम रहे कि याकूब ओकरा से चल गईल बाड़े, काहेकी ओ दिन लाबान भेड़ काटत रहले।
40 राहेल अपना पिता के मूर्ति चोरा के ले गईली अवुरी जवना ऊंट प उ बईठल रहली, ओकरा प छिपा देली।
41 मूर्ति के अईसन तरीका ह। पहिला जनम वाला आदमी के लेके ओकरा के मार के ओकरा माथा से बाल उतार के, नमक लेके माथा के नमकीन बना के तेल में अभिषेक करे में, फिर तांबा के एगो छोट पाटी भा सोना के पाटी लेके ओकरा पर नाम लिख के, पट्टी के जीभ के नीचे रख के, आ गोली के साथ सिर के जीभ के नीचे लेके घर में डाल के, ओकरा सामने रोशनी जरा के ओकरा सामने झुके में।
42 जब उ लोग ओकरा के प्रणाम करेला त उ लोग ओकरा से जवन भी बात माँगेला, ओकरा में लिखल नाम के शक्ति से बात करेला।
43 कुछ लोग सोना-चाँदी के आदमी के आकृति में बनावेला आ अपना जानल-पहचानल समय में ओह लोग के लगे जाला आ आकृति तारा के प्रभाव पावेला आ भविष्य के बात बतावेला आ एही तरह से राहेल अपना पिता से चोरा के आइल मूर्ति रहे।
44 राहेल अपना पिता के मूर्ति के चोरा लिहली ताकि लाबान के पता ना चले कि याकूब कहाँ गईल बाड़े।
45 लाबान घरे अइले आ ऊ याकूब आ उनकर घर के बारे में पूछले त ऊ ना मिलल, आ लाबान आपन मूर्ति खोजत रहले कि याकूब कहाँ गइल बाड़न आ ना मिलल, आ ऊ कुछ अउरी मूर्तियन के लगे गइलन आ ओह लोग से पूछलन आ ऊ लोग बतवले कि याकूब उनका से भाग के अपना बाप के घर, कनान देश में चल गइल बाड़न.
46 तब लाबान उठ के अपना भाई लोग आ अपना सब नौकरन के लेके चल गइलन आ याकूब के पीछा कइलन आ गिलिआद पहाड़ पर ओकरा के मिल गइलन।
47 लाबान याकूब से कहलस, "तू हमरा साथे ई का कइले बाड़ कि हम भाग के हमरा के धोखा देके हमरा बेटी आ ओह लोग के लइकन के तलवार से बंदी बना के ले जाइब?"
48 आ तू हमरा के ओह लोग के चुम्मा लेबे आ खुशी से ना भेज दिहनी आ तू हमरा देवता लोग के चोरा के चल गइनी।
49 याकूब लाबान के जवाब दिहलन, "हम डेरात रहनी कि कहीं तू अपना बेटी के जबरदस्ती हमरा से ना ले लेब। आ अब जेकरा साथे तोहरा आपन देवता मिल जाई ऊ मर जाई.
50 लाबान मूर्ति के खोजत रहले अवुरी याकूब के सभ डेरा अवुरी साज-सज्जा के जांच कईले, लेकिन ना मिलल।
51 लाबान याकूब से कहलस, "हमनी के एक संगे एगो वाचा करब जा अवुरी इ हमरा अवुरी तोहरा बीच गवाही होई। अगर तू हमरा बेटी के दुख देब, चाहे हमरा बेटी के अलावे अवुरी पत्नी के बियाह करब, त भगवान हमरा अवुरी आपके बीच ए मामला में गवाह बन जईहे।
52 उ लोग पत्थर लेके ढेर बनवले त लाबान कहले कि, इ ढेर हमरा अवुरी तोहरा बीच गवाह बा, एहसे उ एकर नाम गिलियद रखले।
53 याकूब आ लाबान पहाड़ पर बलि चढ़वले आ उहाँ ढेर के किनारे खाना खइले आ रात भर पहाड़ पर रुकल आ लाबान सबेरे सबेरे उठल आ ऊ अपना बेटी लोग के साथे रोवे लागल आ ऊ ओह लोग के चुम्मा लिहले आ ऊ अपना जगह पर लवट अइले.
54 उ जल्दी से अपना बेटा बेओर के नाहोर के बेटा उज के बेटा अबीकोरोफ के संगे भेज देले अवुरी उनुका संगे दस आदमी रहले।
55 उ लोग जल्दी-जल्दी जाके याकूब के आगे के रास्ता से गुजरत दूसरा रास्ता से सेईर के देश में पहुंचले।
56 ऊ लोग एसाव के लगे जाके कहलस, "तोहार भाई आ रिश्तेदार, तोहार माई के भाई लाबान, बेथुएल के बेटा, इहे कहत बाड़े।
57 का तू सुनले बाड़ कि तोहार भाई याकूब हमरा साथे का कइले बाड़न, जे पहिले हमरा लगे नंगा आ नंगे आइल रहले आ हम ओकरा से मिले गइल रहनी आ ओकरा के आदर से अपना घरे ले अइनी आ ओकरा के महान बना दिहनी आ हम ओकरा के आपन दू गो बेटी के मेहरारू बना दिहनी आ अपना दू गो नौकरानी के भी।
58 परमेस् वर हमरा वजह से ओकरा के आशीष दिहलन आ उ बहुत बढ़ल आ बेटा, बेटी आ नौकरानी पैदा भइली।
59 ओकरा लगे झुंड आ झुंड, ऊंट आ गदहा के भी भारी भंडार बा, चांदी आ सोना के भी भरमार बा। आ जब ऊ देखलस कि

ओकर धन बढ़ गइल त ऊ हमरा के छोड़ के चल गइल जबले हम आपन भेड़ काट के जात रहीं आ ऊ उठ के चुपके से भाग गइल.
60 ऊ अपना मेहरारू आ लइकन के ऊंट पर बइठा दिहलन आ हमरा देश में मिलल सगरी मवेशी आ संपत्ति के लेके चल गइलन आ अपना बाप इसहाक का लगे कनान देश में जाए खातिर मुँह उठा लिहलन.
61 ऊ हमरा के अपना बेटी आ ओह लोग के लइकन के चुम्मा लेबे ना दिहलन आ हमरा बेटी लोग के तलवार से पकड़ल बंदी बना के ले गइलन आ हमरा देवता लोग के भी चोरा लिहलन आ भाग गइलन.
62 अब हम ओकरा के आ ओकर सब कुछ याबुक नदी के पहाड़ में छोड़ देले बानी। ओकरा में कुछुओ के कमी नइखे।
63 अगर तोहार ओकरा लगे जाए के इच्छा बा त जाके तब जाके ओकरा के पा लेबऽ आ ओकरा साथे जइसन मन करे ओइसन कर सकेनी। लाबान के दूत आके एसाव के इ सब बात बतवले।
64 एसाव लाबान के दूतन के सब बात सुन के याकूब पर उनकर क्रोध बहुत भड़क गइल आ उनकर नफरत याद आ गइल आ उनकर क्रोध उनका भीतर जर गइल।
65 एसाव जल्दी-जल्दी अपना घर के लइका-लइकी आ नौकर आ अपना घर के लोग के लेके चल गइलन, जवन साठ आदमी रहले, आ ऊ तीन सौ चालीस आदमी के होरी सेइर के सभे संतान आ ओह लोग के लोग के एकट्ठा कर लिहले आ चार सौ आदमी के खींच के तलवार ले के ले गइलन आ ऊ याकूब के लगे गइलन कि ऊ ओकरा के मार देव.
66 एसाव एह संख्या के कई भाग में बाँट के अपना लइका-लइकी आ नौकर आ अपना घर के लोग के साठ आदमी के एक मुखिया बना के अपना बड़का बेटा एलीफाज के देखभाल में दे दिहलन।
67 बाकी सिर के ऊ सेइर होरी के छह गो बेटा के देखभाल में दे दिहलन आ हर आदमी के अपना पीढ़ी आ लइकन के ऊपर रख दिहलन।
68 पूरा डेरा के लोग जइसन रहे ओइसने चलल आ एसाव ओह लोग के बीच याकूब के ओर चल गइलन आ ऊ ओह लोग के तेजी से चलावत रहले.
69 लाबान के दूत एसाव से निकल के कनान देश में चल गईले अवुरी याकूब अवुरी एसाव के महतारी रिबेका के घरे पहुंचले।
70 उ लोग ओकरा से कहलस कि देख, तोहार बेटा एसाव चार सौ आदमी के संगे अपना भाई याकूब के खिलाफ चल गईल बा, काहेकी उ सुनले बा कि उ आवत बाड़े अवुरी उनुका से लड़ाई करे अवुरी उनुका के मारे अवुरी उनुका लगे जवन कुछ बा ओकरा के ले जाए खाती चल गईल बाड़े।
71 रिबेका जल्दी से इसहाक के नौकरन से बहत्तर आदमी भेजली कि ऊ याकूब से रास्ता पर मिले। काहे कि ऊ कहली कि, "शायद एसाव ओकरा से मिलला पर रास्ता में लड़ाई कर सकेला."
72 ई दूत याकूब से मिले खातिर रास्ता पर चल गइलन आ याबूक नदी के सामने वाला धार के रास्ता में याकूब से भेंट कइलन आ याकूब ओह लोग के देख के कहले, "ई डेरा हमरा खातिर भगवान के ओर से तय बा, आ याकूब ओह जगह के नाम मचनाइम रखले बा।"
73 याकूब अपना बाप के सब लोग के जानत रहले, उ ओ लोग के चुम्मा लेले अवुरी गले लगा लेले अवुरी ओ लोग के संगे अईले, त याकूब उनुका से अपना बाप-माई के बारे में पूछले अवुरी उ लोग कहले कि, उ लोग ठीक बाड़े।
74 इ दूत याकूब से कहले, "तोहार माई रेबेका हमनी के तोहरा लगे भेजले बाड़ी कि, "हे बेटा, हम सुनले बानी कि तोहार भाई एसाव तोहरा खिलाफ सड़क पर सेयर होरी के लोग के संगे निकल गईल बाड़े।"
75 आ एही से हे बेटा, हमार आवाज सुनीं आ अपना सलाह से देखीं कि तू का करबऽ आ जब ऊ तोहरा लगे अइहें त ओकरा से निहोरा करीं आ ओकरा से बेधड़क मत बोलीं आ ओकरा के उपहार दीं जवन तोहरा लगे बा आ जवना से भगवान तोहरा पर अनुग्रह कइले बाड़न.
76 आ जब ऊ रउरा से रउरा मामिला के बारे में पूछी त ओकरा से कुछ मत छुपाईं, शायद ऊ रउरा खिलाफ आपन गुस्सा से मुड़ सके आ एहसे रउरा अपना आत्मा के, रउरा आ रउरा सभे के बचावे के पड़ी, काहे कि रउरा कर्तव्य बा कि ओकर आदर करीं, काहे कि ऊ रउरा बड़ भाई ह.
77 जब याकूब अपना महतारी के बात सुनले जवन दूत उनुका से कहले रहले त याकूब आवाज उठा के कड़ुआ रोवे लगले अवुरी अपना महतारी के आदेश के मुताबिक काम कईले।

अध्याय 32 के बा

1 तब याकूब अपना भाई एसाव के लगे सेइर देश के ओर दूत भेजले अवुरी उनुका से निहोरा के बात कहले।
2 ऊ ओह लोग के आज्ञा दिहलन कि, "तू लोग हमार मालिक एसाव से ई कहबऽ कि तोहार सेवक याकूब इहे कहत हउवें कि हमार मालिक ई ना सोचे कि हमार बाबूजी के जवन आशीष हमरा के आशीष देले बाड़े, उ हमरा खातिर फायदेमंद साबित भइल बा।"
3 काहेकि हम बीस साल से लाबान के संगे बानी, उ हमरा के धोखा देले अवुरी हमार मजदूरी दस गुना बदल देले, जईसे कि हमरा मालिक से पहिलही बतावल गईल बा।
4 हम उनकर घर में बहुत मेहनत से उनकर सेवा कइनी आ बाद में भगवान हमार दुख, हमार मेहनत आ हमरा हाथ के काम देखलन आ हमरा के उनकरा नजर में अनुग्रह आ अनुग्रह मिलल।
5 ओकरा बाद हम भगवान के बहुत दया आ दया से बैल, गदहा, मवेशी, आ पुरुष नौकर आ नौकरानी के नौकर बना लिहनी।
6 अब हम अपना देश में आवत बानी आ अपना घर में अपना बाप-माई के लगे आवत बानी, जे कनान देश में बाड़े। आ हम अपना मालिक के ई सब बतावे खातिर भेजले बानी कि हमरा मालिक के नजर में अनुग्रह मिल जाव, जेहसे कि ऊ ई ना सोचे कि हमरा अपना से धन मिल गइल बा, भा जवना आशीर्वाद से हमार बाबूजी हमरा के आशीर्वाद दिहले बाड़न, ओकरा से हमरा फायदा भइल बा.
7 ऊ दूत एसाव के लगे गइलन आ ओकरा के एदोम देश के सीमा पर याकूब के ओर जात मिलल आ सेइर होरी के लोग के चार सौ आदमी तलवार खींच के खड़ा रहले।
8 याकूब के दूत एसाव के उ सब बात बतवले जवन याकूब उनुका से एसाव के बारे में कहले रहले।
9 एसाव ओह लोग के घमंड आ तिरस्कार से जवाब दिहलन आ कहलन कि, "हम सचमुच सुनले बानी आ साँचहू बतावल गइल

बा कि याकूब लाबान के का कइले बाड़न, जे उनका के अपना घर में ऊँच कर दिहलन आ उनकर बेटी के मेहरारू बना दिहलन आ ऊ बेटा-बेटी के जनम दिहलन आ अपना साधन से लाबान के घर में भरपूर धन आ धन में बढ़ोतरी कइलन.
10 जब ऊ देखलन कि उनकर धन-दौलत बहुत बा आ धन-दौलत बहुत बा त ऊ लाबान के घर से अपना सब सामान के साथे भाग गइलन आ लाबान के बेटी लोग के अपना पिता के मुँह से दूर ले गइलन, जइसे कि ऊ लोग बिना बतवले तलवार से पकड़ल बंदी बना लिहलस।
11 याकूब खाली लाबान के ही ना बलुक हमरा साथे भी अइसन कइले बाड़न आ दू बेर हमरा जगह ले लिहले बाड़न आ का हम चुप रहब?
12 अब हम आज अपना डेरा के संगे उनुका से मिले आईल बानी अवुरी हम अपना मन के इच्छा के मुताबिक उनुका संगे काम करब।
13 दूत वापस आके याकूब के लगे आके कहलस, "हम तोहार भाई एसाव के लगे गईनी अवुरी हम ओकरा के तोहार सभ बात बतवनी अवुरी उ हमनी के अईसन जवाब देले बाड़े अवुरी देख, उ चार सौ आदमी के संगे तोहरा से मिले आईल बाड़े।
14 अब जान लीं आ देखऽ कि तू का करबऽ आ भगवान से तोहरा के बचावे खातिर प्रार्थना करीं।
15 जब ऊ अपना भाई के बात सुन के याकूब के दूतन से कहले रहले त याकूब बहुत डेरा गईले अवुरी दुखी हो गईले।
16 याकूब अपना परमेस् वर यहोवा से प्रार्थना कइलन आ कहलन कि, "हे हमार बाप-दादा अब्राहम आ इसहाक के परमेस् वर, तू हमरा से कहले रहलू कि जब हम अपना बाप के घर से चल गइनी।
17 हम तोहार बाप इब्राहीम के प्रभु परमेश्वर आ इसहाक के परमेश्वर हईं, हम तोहरा के ई देश आ तोहरा बाद के वंशज के देब, आ तोहरा वंशज के स्वर्ग के तारा निहन बना देब, आ तू आकाश के चारो ओर फइल जाईब, आ तोहरा में आ तोहरा वंश में धरती के सब कुल के आशीर्वाद मिली।
18 आ तू आपन बात के स्थापित कइनी आ हमरा के धन-दौलत आ संतान आ मवेशी दिहनी, जइसन कि तू अपना सेवक के दिल के चाहत रहे। तू हमरा के उ सब दे देहनी जवन हम तोहरा से मंगले रहनी, जवना से हमरा कुछुओ के कमी ना रहे।
19 बाद में तू हमरा से कहनी कि, 'अपना माई-बाबूजी आ अपना जन्मस्थान के लगे लवट जा, तबो हम तोहरा से भलाई करब।'
20 आ अब जब हम आ गइल बानी आ तू हमरा के लाबान से बचा लिहनी त हम एसाव के हाथ में पड़ जाईं जे हमरा के मार दीहें, हँ, हमरा लइकन के महतारी लोग के साथे।
21 हे प्रभु परमेश्वर, हमरा के भी हमरा भाई एसाव के हाथ से बचा द, काहेकि हम ओकरा से बहुत डेरात बानी।
22 अगर हमरा में कवनो धार्मिकता नइखे त अब्राहम आ हमरा पिता इसहाक खातिर ई काम करीं।
23 हम जानत बानी कि दया आ दया से हम ई धन हासिल कइले बानी। अब हम तोहरा से निहोरा करत बानी कि आजु हमरा के अपना दया से बचाईं आ हमरा के जवाब दीं.
24 याकूब प्रभु से प्रार्थना बंद कर दिहलन आ भेड़ आ मवेशी के साथे अपना साथे रहे वाला लोग के दू गो डेरा में बाँट दिहलन आ आधा हिस्सा अब्राहम के नौकर एलीएजर के बेटा दमेसेक के अपना लइकन के साथे डेरा खातिर दे दिहलन आ बाकी आधा हिस्सा के अपना भाई एलियानस के बेटा एलियानुस के देखभाल में दे दिहलन कि ऊ अपना लइकन के साथे डेरा डाल सके.
25 ऊ ओह लोग के आज्ञा दिहलन कि, "अपना डेरा से दूर रहऽ आ एक दोसरा के बहुते नजदीक मत आ जाईं आ अगर एसाव कवनो डेरा में आके ओकरा के मार देले त ओकरा से दूर के दोसर डेरा ओकरा से बच जाई."
26 याकूब ओह रात ओहिजा रुकल आ पूरा रात अपना नौकरन के सेना आ अपना लइकन के बारे में निर्देश दिहलन।
27 ओह दिन परमेस् वर याकूब के प्रार्थना सुनले आ तब परमेस् वर याकूब के अपना भाई एसाव के हाथ से बचा लिहले।
28 प्रभु स्वर्ग के दूतन के तीन गो दूत भेजलन आ ऊ लोग एसाव के आगे बढ़ के उनकरा लगे अइले।
29 ई स्वर्गदूत एसाव आ उनकर लोग के सामने हर तरह के युद्ध के साज-सज्जा से सजल घोड़ा पर सवार दू हजार आदमी के रूप में प्रकट भइले आ एसाव आ उनकर सब आदमी के सामने चार गो खेमा में बँट के चार गो सरदार के साथे प्रकट भइले।
30 एगो डेरा आगे बढ़ल आ ऊ लोग एसाव के चार सौ आदमी के साथे अपना भाई याकूब के ओर जात देखले आ ई डेरा एसाव आ उनकर लोग के ओर भागल आ ओह लोग के डेरा दिहलस आ एसाव घबराहट में घोड़ा से गिर गइल आ ओकर सब आदमी उहाँ से अलग हो गइल, काहे कि ऊ लोग बहुत डेरा गइल।
31 एसाव से भागत घरी पूरा डेरा के लोग ओह लोग के पीछे-पीछे चिल्लात रहे आ सब युद्धप्रिय लोग जवाब देले।
32 हमनी के याकूब के सेवक हईं जा, जे परमेश्वर के सेवक ह आ हमनी के खिलाफ के खड़ा हो सकेला? एसाव ओह लोग से कहलस, "हे त हमार मालिक आ भाई याकूब तोहार मालिक हवें, जेकरा के हम बीस साल से नइखी देखले, आ अब जब हम आज ओकरा से मिले आइल बानी त का तू हमरा साथे अईसन व्यवहार करत बाड़?
33 स्वर्गदूत लोग ओकरा के जवाब दिहलन, "जइसे प्रभु जिंदा बाड़े, अगर याकूब के बारे में तू तोहार भाई के बात करत बाड़, त हमनी के तोहरा अवुरी तोहरा लोग से एक आदमी के ना बचे देले रहनी, लेकिन सिर्फ याकूब के चलते हमनी के ओ लोग के कुछूओ ना करब।
34 ई डेरा एसाव आ उनकर आदमी लोग से गुजरल आ ऊ चल गइल आ एसाव आ उनकर आदमी लोग ओह लोग से लगभग एक लीग चल गइल रहे जब दूसरा डेरा हर तरह के हथियार लेके उनकरा ओर आइल आ ऊ लोग एसाव आ उनकर आदमी के साथे भी ओइसहीं कइल जइसे पहिला डेरा ओह लोग के कइले रहे।
35 जब उ लोग एकरा के आगे बढ़े खातिर छोड़ले त देख, तीसरा डेरा उनुका ओर आईल अवुरी सभ लोग डेरा गईले अवुरी एसाव घोड़ा से गिर गईले अवुरी पूरा डेरा चिल्ला के कहलस, "हमनी के याकूब के सेवक हई, जवन कि परमेश्वर के सेवक हवे अवुरी हमनी के खिलाफ के खड़ा हो सकता?
36 एसाव फेरु ओह लोग के जवाब दिहलन, "हे त, हमार मालिक याकूब आ तोहार मालिक याकूब हमार भाई हवें, आ बीस साल से हम उनकर चेहरा नइखीं देखले आ आजु सुन के कि ऊ आवत बाड़े, हम आजु उनुका से मिले गइल बानी आ का रउरा हमरा साथे अईसन व्यवहार करत बानी?
37 उ लोग जवाब देके कहलस कि, "जइसे प्रभु जिंदा बाड़े, का याकूब तोहार भाई ना रहले, जईसे तू कहले रहलू, हमनी के

तोहरा अवुरी तोहरा आदमी से कवनो बचे वाला ना छोड़ले रहनी, लेकिन याकूब के चलते, जेकरा बारे में तू आपके भाई बतावत बाड़, हम तोहरा चाहे तोहरा आदमी के संगे दखल ना देब।
38 तीसरा डेरा भी ओह लोग से गुजरल आ ऊ अपना आदमी के साथे याकूब के ओर आपन रास्ता जारी रखले, जब चउथा डेरा उनकरा ओर आइल आ उ लोग भी उनकरा आ उनकर आदमी के साथे ओइसहीं कइल जइसे बाकी लोग कइले रहे।
39 जब एसाव चारो स्वर्गदूत अपना आ ओकरा आदमी के बुराई के देखले त उ अपना भाई याकूब से बहुत डेरा गईले अवुरी शांति से उनुका से मिले गईले।
40 एसाव याकूब से आपन नफरत छिपा दिहलन काहे कि ऊ अपना भाई याकूब से अपना जान से डेरात रहले आ सोचत रहले कि जवना चार गो डेरा पर ऊ रोशनी कइले रहले ऊ याकूब के नौकर ह.
41 याकूब ओह रात अपना नौकरन के साथे ओह लोग के डेरा में रुकल आ ऊ अपना नौकरन के साथे ई ठान लिहलन कि ऊ एसाव के अपना लगे जवन कुछ रहे आ ओकर सगरी संपत्ति से उपहार दे दीहें. याकूब सबेरे उठले, उ आ ओकर आदमी लोग पशु-पक्षी में से एसाव खातिर उपहार चुनले।
42 याकूब अपना भाई एसाव के देवे खातिर अपना भेड़ में से जवन उपहार चुनले रहले, ओकर रकम इहे बा, उ भेड़ में से दु सौ चालीस सिर चुनले अवुरी ऊंट अवुरी गदहा में से तीस-तीस गो गदहा चुनले अवुरी झुंड में से पचास गो गाय चुनले।
43 उ सबके दस झुंड में रखले, आ एक-एक तरह के एक-एक क के रखले अवुरी एक-एक झुंड के अपना दस नौकर के हाथ में सौंप देले।
44 ऊ ओह लोग से आज्ञा दिहलन आ कहलन कि, "अपना के एक दोसरा से दूर राखीं आ झुंड के बीच में जगह राखीं आ जब एसाव आ ओकरा साथे के लोग रउरा से मिल के पूछिहें कि रउरा केकर हईं आ कहाँ जात बानी आ रउरा से पहिले ई सब केकरा के बा त रउरा ओह लोग से कहब कि हमनी का याकूब के नौकर हईं जा आ हमनी का याकूब से शांति से मिले आइल बानी जा आ देखऽ हमनी के पीछे आ जाला।
45 हमनी के सामने जवन बा उ याकूब के ओर से उनुका भाई एसाव के भेजल उपहार ह।
46 अगर उ लोग तोहनी से कहस कि, 'उ आपन भाई से मिले आ ओकर चेहरा देखे में आवे से तोहरा पीछे काहे देरी करत बा, त तू ओह लोग से कहब कि उ हमनी के पीछे खुशी से अपना भाई से मिले खातिर आवत बा, काहेकि उ कहले कि, हम ओकरा के उनुका लगे जाए वाला उपहार से खुश करब, अवुरी एकरा बाद हम ओकर चेहरा देखब, शायद उ हमरा के स्वीकार करीहे।
47 एह से पूरा उपहार उनकर नौकरन के हाथ में चल गइल आ ओह दिन उनकरा से आगे चल गइल आ ऊ ओह रात अपना डेरा के साथे याबुक नदी के सीमा पर ठहर गइलन आ रात के बीच में उठ के आपन मेहरारू आ आपन नौकरानी के नौकरानी आ आपन सब सामान लेके चल गइलन आ ओह रात ऊ ओह लोग के जाबुक के घाट के पार से गुजर गइलन।
48 जब ऊ अपना सब सामान के धार के पार कर गइलन त याकूब अकेले रह गइलन आ एगो आदमी उनका से मिल गइलन आ ऊ ओह रात दिन ना होखे तक उनका साथे कुश्ती करत रहले आ याकूब के जांघ के खोखला ओकरा से कुश्ती के चलते जोड़ से बाहर हो गइल.
49 दिन के भोर में उ आदमी याकूब के उहाँ छोड़ के चल गईले अवुरी उ उनुका के आशीष देके चल गईले अवुरी दिन के भोर में याकूब नदी के पार क गईले अवुरी उ अपना जांघ प रुक गईले।
50 जब ऊ धार से गुजरल त सूरज उग गइल आ ऊ अपना मवेशी आ लइकन के जगह पर चढ़ गइल।
51 उ लोग दुपहरिया तक चलत रहले अवुरी जब उ लोग जात रहले, त उ लोग के सोझा वर्तमान समय से गुजरत रहे।
52 याकूब आपन आँख उठा के देखले त एसाव दूर से बहुत लोग के संगे करीब चार सौ लोग के संगे आवत रहले अवुरी याकूब अपना भाई से बहुत डेरा गईले।
53 याकूब जल्दी-जल्दी अपना लइकन के अपना मेहरारू आ दासी लोग में बाँट दिहलन आ अपना बेटी दीना के एगो संदूक में डाल के अपना नौकरन के हाथ में सौंप दिहलन.
54 ऊ अपना भाई से मिले खातिर अपना लइकन आ मेहरारू लोग के सोझा से गुजरलन आ जमीन पर प्रणाम कइलन, हँ ऊ सात बेर प्रणाम कइलन जबले ऊ अपना भाई का लगे ना चहुँप गइलन आ भगवान याकूब के एसाव आ ओकरा आदमी के नजर में अनुग्रह आ अनुग्रह करा दिहलन काहे कि भगवान याकूब के प्रार्थना सुनले रहले.
55 याकूब के डर आ ओकर आतंक ओकरा भाई एसाव पर पड़ गइल काहे कि एसाव याकूब से बहुते डेरा गइलन काहे कि भगवान के दूत एसाव के साथे कइलन आ याकूब पर एसाव के गुस्सा दया में बदल गइल.
56 एसाव जब याकूब के अपना ओर भागत देखले त उहो ओकरा ओर भाग गईले अवुरी उनुका के गले लगा लेले अवुरी उनुका गरदन प गिर गईले अवुरी उ लोग चुम्मा लेले अवुरी रोवे लगले।
57 एसाव के साथे आइल आदमी लोग के दिल में परमेस् वर याकूब के प्रति डर आ दयालुता डाल दिहलन आ ऊ लोग याकूब के चुम्मा लेके गले लगा लिहलन।
58 एसाव के बेटा एलीफाज अपना चार भाई एसाव के बेटा के संगे याकूब के संगे रोवत रहले अवुरी उ लोग उनुका के चुम्मा लेले अवुरी गले लगा लेले, काहेंकी याकूब के डर उ सभके प पड़ गईल रहे।
59 एसाव आँख उठा के देखलस कि याकूब के संतान के संगे महिला याकूब के पीछे चलत रहली अवुरी एसाव के रास्ता में प्रणाम करत रहली।
60 एसाव याकूब से पूछले, "हे भाई, तोहरा साथे इ के हवें? का ऊ लोग तोहार लइका हवें कि तोहार सेवक हवें? याकूब एसाव के जवाब दिहलन, "उ लोग हमार संतान हवें, जवन परमेश्वर तोहरा सेवक के कृपा से देले बाड़े।"
61 जब याकूब एसाव आ उनकर आदमी से बात करत रहले त एसाव पूरा डेरा के देखले त याकूब से पूछले, "तू पूरा डेरा के कहाँ से मिलल, जवना से हम काल्ह रात मिलल रहनी?" याकूब कहले, "हमार मालिक के नजर में अनुग्रह पावे खातिर इ उहे ह जवन परमेश्वर तोहरा सेवक के कृपा से देले बाड़े।"
62 जब एसाव के सोझा उपहार आइल त याकूब एसाव के दबावत कहलन, "हम अपना मालिक के लगे जवन उपहार लेके आइल बानी, ओकरा के ले लीं आ एसाव कहले, "हमार इहे मकसद काहे बा?" जवन कुछ तोहरा लगे बा ओकरा के अपना खातिर राखीं।

63 याकूब कहले, "हमरा पर ई सब देवे के जिम्मा बा, काहे कि हम तोहार चेहरा देखले बानी, कि तू अभी भी शांति से जियत बाड़।"
64 एसाव उपहार लेबे से मना कर दिहलन आ याकूब ओकरा से कहलन कि, "हम तोहरा से निहोरा करत बानी कि हमार मालिक, अगर अब हमरा तोहरा नजर में अनुग्रह मिल गइल बा त हमार उपहार हमरा हाथ से ले लीं, काहे कि हम तोहार चेहरा अइसे देखले बानी जइसे हम कवनो देवता नियर चेहरा देखले होखब, काहे कि तू हमरा से खुश भइल बाड़."
65 एसाव ई उपहार ले लिहले आ याकूब एसाव के चांदी, सोना आ ब्लेडलियम भी दिहलन, काहे कि ऊ ओकरा के एतना दबावत रहलन कि ऊ ओकरा के ले लिहलन।
66 एसाव डेरा में मौजूद मवेशी के बंटवारा कईले अवुरी आधा हिस्सा अपना संगे आईल आदमी के दे देले, काहेंकी उ लोग भाड़ा प आईल रहले अवुरी बाकी आधा हिस्सा उ अपना बच्चा के हाथ में दे देले।
67 चाँदी आ सोना आ ब्देलियम उ अपना बड़का बेटा एलीफाज के हाथ में दे दिहलन आ एसाव याकूब से कहले, "चलऽ हमनी के तोहरा साथे रहब जा आ जबले तू हमरा साथे हमरा जगहा ना आ जाईब तबले हमनी के धीरे-धीरे तोहरा साथे चलब जा, ताकि हमनी के उहाँ एक संगे रह सकीले।"
68 याकूब अपना भाई के जवाब दिहलन, "हम जइसन हमार मालिक हमरा से कहत बाड़े, ओइसने करब, बाकिर हमार मालिक जानत बाड़न कि लइका-लइकी कोमल होलें आ भेड़ आ भेड़ अपना बच्ची के साथे जवन हमरा साथे बाड़े, धीरे-धीरे जाइले, काहे कि अगर ऊ लोग तेजी से चल गइल त ऊ सब मर जाईत, काहे कि तू ओह लोग के बोझ आ थकान के जानत बाड़ऽ.
69 एह से हमार मालिक अपना नौकर के सामने से गुजर जास, आ हम लइकन आ भेड़ के खातिर धीरे-धीरे आगे बढ़ब जब तक कि हम अपना मालिक के जगह सेईर ना आ जाईब।
70 एसाव याकूब से कहले, "हम अपना साथे मौजूद कुछ लोग के रास्ता में तोहरा के देखभाल करे आ तोहार थकान आ बोझ उठावे खातिर तोहरा साथे रख देब, आ कहलन कि, "हमार मालिक, अगर हमरा तोहरा नजर में अनुग्रह मिल जाव त एकर का जरूरत बा?"
71 देखऽ, हम तोहरा लगे सेइर आवत बानी कि जइसे तू कहले बाड़ऽ, ओहिजा एक संगे रहब, तब तू अपना लोग के साथे चलऽ काहे कि हम तोहरा पीछे चलब।
72 याकूब एसाव से ई बात कहले कि एसाव आ ओकर आदमी के ओकरा से हटा दिहल जा सके, ताकि याकूब बाद में अपना पिता के घर कनान देश में जा सके।
73 एसाव याकूब के आवाज सुनले अवुरी एसाव अपना संगे सेइर के रास्ता में चार सौ आदमी के संगे वापस आ गईले अवुरी ओ दिन याकूब अवुरी उनुकर सभ लोग कनान देश के सीमा तक पहुंच गईले अवुरी उ कुछ समय उहाँ रहले।

अध्याय 33 के बा

1 कुछ समय बाद याकूब देश के सीमा से दूर होके शालेम के देश, जवन कि शेकेम शहर ह, जवन कनान देश में बा, पहुंचले अवुरी शहर के सोझा आराम कईले।
2 उ ओहिजा के खेत के एगो हिस्सा पांच शेकेल में खरीद लिहले।
3 याकूब उहाँ अपना खातिर एगो घर बनवले आ उहाँ आपन डेरा खड़ा कइले आ अपना पशु-पक्षी खातिर बूथ बनवले, एही से ऊ ओह जगह के नाम सुक्कोत रखले।
4 याकूब एक साल छह महीना तक सुक्कोत में रहले।
5 ओह घरी ओह देश के निवासी लोग में से कुछ मेहरारू शहर के लोग के बेटी लोग के साथे नाचे आ आनन्दित होखे खातिर शेकेम शहर में गइली आ जब ऊ लोग निकलल त याकूब के मेहरारू राहेल आ लीआ भी अपना परिवार के साथे शहर के बेटी लोग के खुशी देखे गइल।
6 याकूब के बेटी दीना भी ओ लोग के साथे चल के शहर के बेटी लोग के देखली आ उ लोग एह बेटी लोग के सामने उहाँ रह गईली जब तक कि शहर के सब लोग ओ लोग के खुशी देखे खातिर खड़ा रहले अवुरी शहर के सभ बड़ लोग उहाँ रहले।
7 हमोर के बेटा शेकेम भी ओ लोग के देखे खातिर खड़ा रहले।
8 शेकेम याकूब के बेटी दीना के शहर के बेटी लोग के सामने अपना महतारी के संगे बईठल देखले अवुरी उ लईकी उनुका के बहुत खुश कईलस अवुरी उ उहाँ अपना दोस्त अवुरी अपना लोग से पूछलस कि, "उ महिला के बीच बईठल केकर बेटी ह, जेकरा के हम ए शहर में नईखी जानत?"
9 उ लोग ओकरा से कहलस कि, इ हिब्रू इसहाक के बेटा याकूब के बेटी हई, जवन कि कुछ समय से ए शहर में रहत रहली अवुरी जब खबर मिलल कि देश के बेटी खुश होखे वाली बाड़ी त उ अपना महतारी अवुरी नौकरानी के संगे ओ लोग के बीच बईठ गईली, जईसे तू देखतानी।
10 शेकेम याकूब के बेटी दीना के देखले अवुरी जब उ ओकरा के देखले त उनुकर जान दीना प टिक गईल।
11 ऊ भेज के ओकरा के जबरन पकड़ लेहले आ दीना शेकेम के घरे अइली आ ऊ ओकरा के जबरन पकड़ के ओकरा साथे लेट के ओकरा के नम्र कर दिहलन आ ऊ ओकरा से बहुते प्यार कइलन आ ओकरा के अपना घर में राख दिहलन.
12 उ लोग आके याकूब के इ बात बतवले अवुरी जब याकूब सुनले कि शेकेम अपना बेटी दीना के अशुद्ध क देले बाड़े, त याकूब अपना बारह नौकर के भेजले कि उ लोग दीना के शेकेम के घर से ले आवे।
13 जब उ लोग पहुंचले त शेकेम अपना आदमी के संगे ओ लोग के लगे निकल गईले अवुरी ओ लोग के अपना घर से भगा देले, लेकिन उ ओ लोग के दीना के सोझा आवे ना देले, लेकिन शेकेम दीना के संगे बईठ के ओ लोग के आंख के सोझा चुम्मा लेत अवुरी गले लगावत रहले।
14 याकूब के नौकर वापस आके उनका से कहलन कि जब हमनी के अइनी जा त उ आ उनकर आदमी हमनी के भगा दिहले आ शेकेम हमनी के नजर में दीना के साथे अईसन कईले।
15 याकूब अउरी जान गईले कि शेकेम अपना बेटी के अशुद्ध क देले बाड़े, लेकिन उ कुछ ना कहले अवुरी उनुकर बेटा खेत में उनुकर मवेशी चरत रहले अवुरी याकूब वापस आवे तक चुप रहले।
16 अपना बेटा लोग के घरे आवे से पहिले याकूब अपना नौकरन के बेटी में से दू गो लइकी के भेजले कि ऊ दीना के देखभाल करे आ ओकरा साथे रहे, आ शेकेम अपना तीन गो दोस्तन के अपना पिता हमोर, जे पेरेद के बेटा किद्देकम के बेटा हामोर के लगे भेजले कि, "हमरा खातिर ई लइकी के मेहरारू बना के ले आवऽ।"

17 हिवी चिद्देकम के बेटा हमोर अपना बेटा शेकेम के घरे आके ओकरा सोझा बईठ गईले, त हमोर अपना बेटा से कहलस, "शेकेम, का तोहरा लोग के बेटी में से कवनो अयीसन महिला नईखे कि तू कवनो इब्रानी महिला के ले जा, जवन कि आपके लोग से ना होखे?"
18 शेकेम ओकरा से कहलस, "हमरा खातिर उहे एकमात्र मिले के चाहीं, काहे कि ऊ हमरा नजर में रमणीय बाड़ी। आ हामोर अपना बेटा के वचन के मुताबिक काम कईले, काहेकी उ उनुकर बहुत प्रिय रहले।
19 हमोर याकूब के पास एह बात के बारे में बात करे खातिर निकलल आ जब ऊ अपना बेटा शेकेम के घर से चल के याकूब से बात करे खातिर याकूब के लगे आवे से पहिले देखलस कि याकूब के बेटा लोग खेत से आ गईल रहले, जइसहीं उ लोग हामोर के बेटा शेकेम के काम सुनले रहले।
20 उ लोग अपना बहिन के लेके बहुत दुखी भईले अवुरी सब लोग अपना मवेशी के बटोरला के समय से पहिले गुस्सा में आग लगा के घरे पहुंच गईले।
21 उ लोग अपना पिता के सोझा आके बईठ गईले अवुरी उ लोग उनुका से क्रोध से बात कईले कि, "सचहूँ ए आदमी अवुरी ओकरा घर के लोग के मौत होखे के चाही, काहेंकी पूरा धरती के परमेश्वर प्रभु नूह अवुरी उनुका संतान के आदेश देले रहले कि आदमी कबहूँ लूट ना करी अवुरी ना व्यभिचार करी। अब देखऽ, शेकेम हमनी के बहिन के साथे तबाही आ व्यभिचार भी कइले बा, आ शहर के सब लोग में से केहू भी ओकरा से एक शब्द ना बोलल।
22 तू जरूर जानत बाड़ू आ समझत बाड़ू कि मौत के सजा शेकेम, ओकर बाप आ पूरा शहर के बा, काहे कि उ जवन काम कईले बाड़े।
23 जब उ लोग अपना पिता के सोझा ए मामला में बात करत रहले त देख, शेकेम के पिता हामोर याकूब से अपना बेटा के दीना के बारे में बात कहे पहुंचले अवुरी उ याकूब अवुरी अपना बेटा के सोझा बईठ गईले।
24 हमोर ओह लोग से कहलस, "हमार बेटा शेकेम के जान तोहरा बेटी खातिर तरसत बा। हम निहोरा करत बानी कि ओकरा के पत्नी के रूप में दे दीं आ हमनी के साथे बियाह कर लीं; हमनी के आपन बेटी देब आ हम तोहरा के आपन बेटी देब, त तू हमनी के देश में हमनी के संगे रहब अवुरी हमनी के देश में एक लोग निहन होखब।
25 काहे कि हमनी के देश बहुत विस्तृत बा, एहसे तू लोग ओहिजा रह के व्यापार करीं आ ओकरा में संपत्ति बनाईं आ ओकरा में जइसन मन करे ओइसन करीं आ केहू तोहरा से कवनो बात कह के रोक ना पाई।
26 हमोर याकूब आ उनकर बेटा लोग से बात कइल बंद कर दिहलस आ देखलस कि उनकर बेटा शेकेम उनकरा पीछे आके उनकरा सोझा बइठल बा।
27 शेकेम याकूब आ उनकर बेटा लोग के सामने कहलस, "हमरा तोहरा पर अनुग्रह मिल जाव कि तू हमरा के आपन बेटी दे देब आ तू हमरा से जवन कुछ कहबऽ, हम ओकरा खातिर करबऽ।"
28 हमरा से भरपूर दहेज आ दान माँगऽ, हम देब, आ तू जवन हमरा से कहबऽ कि हम करब, आ जे भी तोहार आदेश के खिलाफ विद्रोह करी, ऊ मर जाई। खाली हमरा के मेहरारू खातिर लइकी दे दीं।
29 शिमोन आ लेवी धोखा से हमोर आ ओकर बेटा शेकेम के जवाब देले कि, "तू जवन बात हमनी से कहले बाड़ू, हमनी के तोहनी खातिर करब जा।"
30 हमनी के बहिन तोहरा घर में बिया, लेकिन जब तक हमनी के अपना पिता इसहाक के ए मामला में ना भेजब, तब तक ओकरा से दूर रहब, काहेकी हमनी के उनुका सहमति के बिना कुछूओ नईखी क सकत।
31 काहेकि उ हमनी के पिता अब्राहम के रास्ता जानत हउवें आ उ हमनी से जवन कुछ कहब, हमनी के तोहनी से कुछुओ ना छिपाईब।
32 शिमोन आ लेवी शकेम आ उनकर बाप से ई बात कहले कि कवनो बहाना खोजल जा सके आ एह मामिला में शेकेम आ ओकरा शहर के का होखे वाला बा.
33 जब शेकेम आ ओकर बाप शिमोन आ लेवी के बात सुनले त ओह लोग के नजर में अच्छा लागल आ शेकेम आ ओकर बाप घरे जाए खातिर निकलल।
34 जब ऊ लोग गइल त याकूब के बेटा लोग अपना बाप से कहलस, "देखऽ, हमनी के जानत बानी जा कि एह दुष्टन आ ओह लोग के शहर के मौत हो रहल बा, काहे कि ऊ लोग ओह बात के उल्लंघन कइले जवन परमेश्वर नूह आ उनकर संतान आ ओकरा बाद के उनकर संतान के दिहल आज्ञा के उल्लंघन कइले रहले।
35 आउर एही से कि शेकेम हमनी के बहिन दीना के अशुद्ध करे में अइसन कइलस, काहे कि हमनी के बीच अइसन नीचता कबो ना होई।
36 अब जान लीं आ देखीं कि तू का करबऽ आ एह शहर के सब निवासी के मारे खातिर सलाह आ बहाना बनाईं कि ओह लोग के का कइल जाव.
37 शिमोन ओह लोग से कहलस, "रउरा लोग खातिर एगो उचित सलाह बा कि उ लोग के बताईं कि हमनी के खतना भईला निहन ओ लोग में से हर पुरुष के खतना करस, अवुरी जदी उ लोग अयीसन ना करे के चाहत बाड़े त हमनी के अपना बेटी के ओ लोग से लेके चल देब।
38 आ अगर ऊ लोग ई काम करे खातिर सहमत हो जाई आ ई काम करी त जब ऊ लोग दर्द से डूब जाई त हमनी का ओह लोग पर अपना तलवार से हमला करब जा जइसे कि चुपचाप आ शांतिप्रिय आदमी पर हमला कर देब जा आ ओह लोग में से हर नर के मार देब जा.
39 शिमोन के सलाह से उ लोग के मन खुश हो गईल अवुरी शिमोन अवुरी लेवी ओ लोग के संगे जईसे कहल गईल रहे, ओईसन काम करे के ठान लेले।
40 अगिला दिने सबेरे शेकेम आ ओकर बाप हमोर फिर से याकूब आ उनकर बेटा लोग के लगे अईले, कि ऊ लोग दीना के बारे में बात करस आ सुनस कि याकूब के बेटा लोग ओह लोग के बात के का जवाब दिही।
41 याकूब के बेटा लोग धोखा से कहलस, "हमनी के आपन बाप इसहाक के तोहार सब बात बतवले रहनी जा आ तोहार बात उनुका मन में खुशी भईल।"
42 लेकिन उ हमनी से कहलस कि, "अपना पिता अब्राहम पूरा धरती के प्रभु परमेश्वर के ओर से उनुका के अईसन आदेश देले कि, जे भी आदमी अपना वंशज में से ना होखे, उ अपना एगो बेटी

के ले जाए के चाहत होखे, उ अपना हर नर के खतना करावे, जईसे हमनी के खतना कईल जाला, अवुरी ओकरा बाद हमनी के अपना बेटी के पत्नी के रूप में दे सकेनी।
43 अब हमनी के आपन पिता हमनी से कहल सब रास्ता तोहके बता देले बानी जा, काहेकि हमनी के इ काम नईखी कर सकत, जवना के बारे में तू हमनी से कहले रहलू कि हमनी के बेटी के खतना ना भईल आदमी के दे देब जा, काहेकी इ हमनी खातिर बेइज्जती के बात बा।
44 लेकिन एही से हमनी के तोहरा के आपन बेटी देवे के सहमति देब जा आ तोहनी के बेटी के भी अपना में ले लेब जा आ तोहनी के बीच में रहब जा आ एक जाति बनब जा, जईसन रउआ कहले बानी, अगर तू हमनी के बात सुनब आ हमनी के जइसन होखे के सहमति देब जा, जईसे हमनी के खतना भईल बानी जा।
45 अगर तू हमनी के खतना ना मनबऽ कि हमनी के आज्ञा के मुताबिक हर मरद के खतना करावे के बा त हमनी के तोहरा लगे आके आपन बेटी के तोहरा से लेके चल देब जा।
46 शेकेम आ ओकर बाप हामोर याकूब के बेटा लोग के बात सुन के ई बात बहुते नीक लागल आ शेकेम आ ओकर बाप हामोर याकूब के बेटा लोग के इच्छा पूरा करे में जल्दीबाजी कइले, काहे कि शेकेम के दीना से बहुत प्यार रहे आ ओकर आत्मा ओकरा से कीलक लागल रहे।
47 शेकेम आ ओकर बाप हमोर जल्दी से शहर के फाटक पर पहुँचले आ ऊ लोग अपना शहर के सब आदमी के इकट्ठा क के याकूब के बेटा लोग के बात कहलन।
48 हमनी के याकूब के बेटा लोग के लगे अइनी जा आ हमनी के ओह लोग से ओह लोग के बेटी के बारे में बात कइनी जा, आ ई लोग हमनी के इच्छा के अनुसार काम करे खातिर सहमति दे दिहे, आ देखऽ कि हमनी के जमीन ओह लोग खातिर बहुत बड़हन बा, आ ऊ लोग ओहमें रहब आ ओकरा में व्यापार करी आ हमनी के एक लोग होखब जा; हम ओह लोग के बेटी के ले लेब आ अपना बेटी के मेहरारू बना देब।
49 लेकिन खाली एही शर्त पर इ लोग इ काम करे खातिर सहमति दिहे कि हमनी में से हर पुरुष के खतना कईल जाए, जईसे कि उ लोग के खतना भईल बा, जईसे कि उनुकर परमेश्वर उनुका के आज्ञा देले बाड़े, अवुरी जब हमनी के खतना करे के निर्देश के मुताबिक काम क लेब, त उ लोग हमनी के बीच में रह जईहे, अपना मवेशी अवुरी संपत्ति के संगे, अवुरी हमनी के ओ लोग के संगे एक लोग के रूप में रहब।
50 जब शहर के सब आदमी शेकेम आ ओकर बाप हमोर के बात सुनले त ओह लोग के शहर के सब आदमी एह प्रस्ताव पर सहमत हो गइले आ ऊ लोग खतना करावे के बात मान लिहल काहे कि शेकेम आ ओकर बाप हमोर ओह लोग के बहुते आदर करत रहले काहे कि ऊ लोग ओह देश के राजकुमार रहले.
51 अगिला दिने ओकर बाप शेकेम आ हामोर सबेरे उठ के अपना शहर के सभ आदमी के शहर के बीच में बटोरले अवुरी याकूब के बेटा के बोलवले, जवन कि ओ दिन अवुरी अगिला दिन अपना हर पुरुष के खतना क देले।
52 ऊ लोग शेकेम आ ओकर बाप हमोर आ शेकेम के पांच भाई लोग के खतना कर दिहल आ ओकरा बाद हर केहू उठ के घरे चल गइल काहे कि ई बात प्रभु के ओर से शेकेम शहर के खिलाफ रहे आ एह मामिला में शिमोन के सलाह प्रभु के ओर से रहे, ताकि प्रभु शेकेम शहर के याकूब के दुनो बेटा के हाथ में सौंप सके।

अध्याय 34 के बा

1 खतना करावे वाला सब मरदन के संख्या छह सौ पैंतालीस आदमी आ दू सौ छियालीस लइका रहलन।
2 लेकिन हामोर के पिता पेरेद के बेटा चिद्देकम आ ओकर छह भाई लोग शेकेम आ ओकर बाप हमोर के बात ना सुनलस आ उ लोग के खतना ना कइल गइल, काहे कि याकूब के बेटा लोग के प्रस्ताव ओह लोग के नजर में घृणित रहे आ एह बात से उनकर गुस्सा बहुत भड़क गइल कि शहर के लोग उनकर बात ना सुनले रहे।
3 दूसरा दिन के साँझ के आठ गो छोट लइका मिलल जेकर खतना ना भइल रहे, काहे कि ओह लोग के महतारी ओह लोग के शेकेम आ ओकर बाप हमोर आ शहर के आदमी से छिपा के रखले रहली।
4 शेकेम आ ओकर बाप हमोर ओह लोग के खतना करावे खातिर अपना सोझा ले आवे के भेजले, जब किद्देकम आ ओकर छह भाई तलवार से ओह लोग पर उछल के मारे के कोशिश कइले।
5 उ लोग शेकेम आ ओकर पिता हमोर के भी मारे के कोशिश कईले अवुरी ए मामला के चलते उ लोग अपना संगे दीना के मारे के कोशिश कईले।
6 उ लोग उनसे पूछले, "ई काम तू लोग का कईले बाड़ू?" का तोहनी के भाई कनान के बेटी में से कवनो मेहरारू नइखे जवन इब्रानियन के बेटी के अपना लगे लेबे के चाहत होखे, जेकरा के तू पहिले ना जानत रहीं, आ ई काम करी जवन तोहनी के बाप-दादा तोहनी के कबो ना आज्ञा ना दिहले रहले?
7 का रउआ कल्पना करत बानी कि रउआ एह काम के माध्यम से सफल होखब जवन रउआ कइले बानी? आ एह मामला में तू अपना भाई कनान के का जवाब देबऽ, जे काल्हु आके तोहरा से एह बात के बारे में पूछिहें?
8 अगर तोहार काम ओह लोग के नजर में न्यायसंगत आ बढ़िया ना लउकी त हमनी के आवाज ना सुनला पर तू अपना जान खातिर का करब आ हमरा के हमनी के जान खातिर का करबऽ?
9 अगर देश के निवासी आ तोहार सब भाई हाम के संतान तोहार ई काम सुन के कहत होखस।
10 एगो इब्रानी औरत के चलते उनकर बाप शेकेम आ हामोर आ उनकर शहर के सब निवासी उ काम कईले, जवना से उ लोग अनजान रहले अवुरी जवना के बारे में उनुकर पुरखा कबो ना आज्ञा देले रहले, त तू कहाँ उड़ब चाहे कहाँ आपन लाज कहाँ छिपाईब, अपना पूरा दिन अपना भाई के सामने, कनान देश के निवासी लोग के सोझा?
11 अब हमनी के इ काम के सहन नईखी क सकत, ना ही हमनी के इ जुआ के बोझ डालल जा सकता, जवन कि हमनी के पुरखा हमनी के ना आज्ञा देले रहले।
12 देखऽ काल्ह हमनी के जाके आपन सब भाई लोग, कनान के भाई लोग के इकट्ठा करब जा जे देश में रहेला, आ हमनी के सब केहू आके तोहके आ तोहरा पर भरोसा करे वाला सब लोग के मार देब जा ताकि तोहरा भा ओह लोग से कवनो बचे वाला ना रह जाव।

13 जब हामोर आ उनकर बेटा शेकेम आ शहर के सब लोग किद्देकम आ उनकर भाई लोग के बात सुनल त उ लोग अपना बात से आपन जान से भयंकर डेरा गईले अवुरी उ लोग अपना काम प पश्चाताप कईले।
14 शेकेम आ ओकर बाप हमोर अपना बाप चिद्देकम आ ओकर भाई लोग से कहलस कि, "तू जवन बात हमनी से कहले बाड़ू, उ सब सही बा।"
15 अब ई मत कहऽ आ ना ही मन में सोचऽ कि इब्रानियन के प्रेम के चलते हमनी के इ काम कईनी जा जवन हमनी के पुरखा हमनी के ना आज्ञा देले रहले।
16 लेकिन हमनी के देखनी जा कि हमनी के बेटी के लेके हमनी के इच्छा के पालन करे के इरादा अवुरी इच्छा ना रहे, सिवाय एह शर्त के, एहसे हमनी के ओ लोग के आवाज़ सुननी अवुरी इ काम कईनी जवन कि आप देखनी, ताकि उ लोग से आपन इच्छा हासिल कईल जा सके।
17 जब हमनी के ओह लोग से आपन निहोरा मिल जाई त हमनी के ओह लोग के लगे वापस आके उ लोग के साथे उहे करब जा जवन तू हमनी से कहत बाड़ू।
18 तब हम तोहनी से निहोरा करत बानी कि जब तक हमनी के शरीर ठीक ना हो जाई आ हमनी के फेर से मजबूत ना हो जाई, तब तक इंतजार करीं आ रुकीं, आ तब हमनी के ओह लोग के खिलाफ मिल के उहे करब जा जवन तोहनी के दिल में बा आ हमनी के दिल में बा।
19 याकूब के बेटी दीना इ सब बात सुनली जवन किद्देकम आ ओकर भाई लोग कहले रहे आ हमोर आ ओकर बेटा शेकेम आ ओह लोग के शहर के लोग के जवाब सुनलस।
20 ऊ जल्दी-जल्दी अपना एगो लइकी के भेजली जवन उनकर पिता शेकेम के घर में उनकर देखभाल करे खातिर भेजले रहले, उनकर बाप याकूब आ भाई लोग के लगे भेजली।
21 किद्देकम आ ओकर भाई लोग तोहरा बारे में एही तरह से सलाह दिहले आ हामोर, शेकेम आ शहर के लोग ओह लोग के जवाब दिहले।
22 जब याकूब ई बात सुनलस त ऊ गुस्सा से भर गइलन आ उनकरा पर नाराज हो गइलन आ उनकर गुस्सा ओह लोग पर भड़क गइल।
23 शिमोन आ लेवी कसम खइले कि, "जइसे पूरा धरती के परमेश्वर प्रभु जिंदा बाड़े, त काल्ह तक पूरा शहर में कवनो बचे वाला ना रह जाई।"
24 खतना ना भइल बीस गो नवही लुकाइल रहले आ ई नवही शिमोन आ लेवी से लड़त रहले आ शिमोन आ लेवी ओह लोग में से अठारह गो के मार दिहलन आ दू गो ओह लोग से भाग के शहर में कुछ चूना के गड्ढा में भाग गइलन आ शिमोन आ लेवी ओह लोग के खोजत रहले बाकिर ना मिलल.
25 शिमोन आ लेवी शहर में घूमत रहले आ शहर के सब लोग के तलवार के धार से मार दिहले आ केहू के ना बचल।
26 शहर के बीच में बहुत घबराहट हो गईल अवुरी शहर के लोग के चिल्लाहट स्वर्ग में चढ़ गईल अवुरी सभ महिला अवुरी बच्चा जोर-जोर से चिल्लात रहले।
27 शिमोन आ लेवी पूरा शहर के मार दिहले। उ लोग पूरा शहर में एक नर के ना छोड़ले।
28 ऊ लोग हामोर आ ओकर बेटा शेकेम के तलवार के धार से मार दिहल आ ऊ लोग दीना के शेकेम के घर से ले अइले आ ऊ लोग ओहिजा से चल गइल.
29 याकूब के बेटा लोग जाके लवट के मारल लोग पर आके शहर आ खेत में मौजूद सब संपत्ति लूट लिहले।
30 जब उ लोग लूट के सामान लेत रहले त तीन सौ आदमी खड़ा होके ओ लोग प धूल उड़ा देले अवुरी पत्थर से मार देले, जब शिमोन ओ लोग के ओर मुड़ले अवुरी उ सभके तलवार के धार से मार देले अवुरी शिमोन लेवी के सोझा मुड़ के शहर में आ गईले।
31 ऊ लोग आपन भेड़, बैल आ मवेशी आ बाकी मेहरारू आ छोट-छोट लइकन के भी लेके चल गइल आ ई सब लोग के एगो फाटक खोल के बाहर निकल के अपना बाप याकूब के लगे जोर से चल गइल।
32 जब याकूब शहर के साथे उ लोग के सब कुछ देख के उ लोग के लूट के सामान देखले त याकूब ओ लोग प बहुत नाराज हो गईले अवुरी याकूब ओ लोग से कहले, "तू हमरा संगे इ का कईले बानी? देखऽ, हमरा ओह देश के कनान निवासी लोग के बीच आराम मिलल आ ओहमें से केहू हमरा साथे दखल ना दिहल.
33 अब तू हमरा के ओह देश के निवासी लोग खातिर, कनान आ फरीजियन के बीच अप्रिय बना देले बाड़, आ हम त कम संख्या में बानी, आ जब ऊ सब अपना भाई लोग के साथे राउर काम के खबर सुन के हमरा खिलाफ जुट जइहें आ हमरा के मार दीहें आ हम आ हमार घर के लोग तबाह हो जाईब।
34 शिमोन आ लेवी आ उनकर सब भाई लोग अपना पिता याकूब से जवाब देके कहलस, "देखऽ हमनी के देश में रहत बानी जा आ का शेकेम हमनी के बहिन के साथे अयीसन करीहे?" शेकेम जवन कइले बा, तू काहे चुप बाड़ऽ? आ का उ हमनी के बहिन के संगे सड़क प वेश्या के संगे व्यवहार करीहे?
35 शिमोन आ लेवी शेकेम शहर से बंदी बना के ले गइलन, जिनका के ऊ लोग ना मारल, ऊ लोग पचासी गो रहल जे आदमी के ना जानत रहली।
36 ओह लोग में एगो सुन्दर रूप आ अनुग्रहित लइकी रहली, जेकर नाम बुना रहे आ शिमोन ओकरा के मेहरारू बना लिहले आ जवना नर के ऊ लोग बंदी बना लिहल आ ना मारल, ओकर संख्या सतालीस आदमी रहे आ बाकी लोग के मार दिहल.
37 शिकेम शहर से शिमोन आ लेवी जे भी नवही-लड़की के बंदी बना लेले रहले, उ याकूब के बेटा आ ओकरा बाद के संतान के नौकर रहले, जब तक कि याकूब के बेटा मिस्र से ना निकलल।
38 जब शिमोन आ लेवी शहर से निकलले त शहर में लुका के शहर के लोग के बीच ना मरल दुगो नवही उठ गईले अवुरी इ युवक शहर में जाके ओहिजा घूम गईले अवुरी शहर के बिना आदमी के उजाड़ देखले अवुरी सिर्फ महिला रोवत रहली अवुरी इ युवक चिल्ला के कहले, "देख, इहे उ युवक ह।" इब्रानी याकूब के बेटा लोग एह शहर के साथे जवन बुराई कइल, उ लोग आज कनान के एगो शहर के नष्ट कर दिहल, आ पूरा कनान देश के जान से ना डेराल।
39 इ लोग शहर छोड़ के तपनाक शहर में चल गईले अवुरी उहाँ जाके तपनाक के निवासी लोग के उ सब कुछ बतवले जवन कि उनुका प भईल बा अवुरी याकूब के बेटा शेकेम शहर में भईल सभ काम बतवले।
40 तपनाक के राजा याशुब के लगे इ खबर पहुंचल अवुरी उ ओ नवही के देखे खाती शेकेम शहर में आदमी भेजले, काहेंकी राजा

ए बात प विश्वास ना कईले कि, "शकेम जईसन बड़ शहर के दु आदमी कईसे उजाड़ क सकत रहले?
41 याशूब के दूत वापस आके उनुका से कहले कि, हम शहर में आईल रहनी, त उ नष्ट हो गईल बा, उहाँ केहु नईखे। खाली रोवत-रोवत मेहरारू लोग; ना त कवनो झुंड भा मवेशी बा, काहे कि याकूब के बेटा शहर में जवन कुछ रहे ओकरा के लेके चल गईले।
42 याशूब एह बात पर अचरज में पड़ गइलन आ कहलन कि, "दू आदमी एतना बड़हन शहर के नाश करे खातिर ई काम कइसे कर सकेला, जबकि एक आदमी ओह लोग के खिलाफ खड़ा ना हो पावल?"
43 काहे कि निमरोद के जमाना से अइसन ना भइल आ दूर के समय से भी अइसन ना भइल। तपनाक के राजा याशुब अपना लोग से कहलन कि हिम्मत करऽ आ हमनी के जाके एह इब्रानियन से लड़ब जा आ ओह लोग के साथे ओइसन करब जा जइसे ऊ लोग शहर के साथे कइले रहे आ हमनी के शहर के लोग के मुकदमा के बदला लेब जा।
44 तपनाक के राजा याशुब एह बारे में अपना सलाहकारन से सलाह लिहलन आ उनकर सलाहकार लोग उनका से कहलन कि, "तू अकेले इब्रानियन पर हावी ना होखब, काहे कि पूरा शहर के ई काम करे खातिर ऊ लोग ताकतवर होखे के चाहीं."
45 अगर उ लोग में से दुगो पूरा शहर के उजाड़ देले अवुरी केहु ओ लोग के खिलाफ ना खड़ा होखे त जदी तू ओ लोग के खिलाफ जाएब त उ सब हमनी के खिलाफ उठ के हमनी के ओसही नाश क दिहे।
46 लेकिन अगर तू हमनी के आसपास के सब राजा के लगे भेज के ओकरा के एक संगे आवे देब त हमनी के ओ लोग के संगे जाके याकूब के बेटा से लड़ब। तब तू ओह लोग पर हावी होखबऽ।
47 याशुब अपना सलाहकारन के बात सुन के उनकर बात उनका आ उनकर लोग के खुश कइलस आ उ अईसन कइलन। तपनाक के राजा याशुब शेकेम आ तपनाक के घेरले अमोरी लोग के सब राजा लोग के लगे भेजले कि।
48 हमरा साथे जाके हमार सहायता करऽ, त हमनी के याकूब इब्रानी आ उनकर सब बेटा के मार देब जा आ धरती से नाश कर देब जा, काहे कि उ शेकेम शहर के साथे अईसन कईले रहले, आ का रउवां एकरा बारे में नईखी जानत?
49 अमोरी लोग के सब राजा याकूब के बेटा लोग के द्वारा शेकेम शहर के बुराई सुन के उ लोग बहुत अचरज में पड़ गईले।
50 अमोरी लोग के सात गो राजा अपना सब सेना के साथे लगभग दस हजार आदमी खींचाइल तलवार लेके जुटल आ याकूब के बेटा लोग से लड़ाई करे आइल। याकूब सुनलस कि अमोरी लोग के राजा अपना बेटा लोग से लड़ाई करे खातिर जुटल बाड़े, त याकूब बहुत डेरा गईले अवुरी ओकरा से परेशानी भईल।
51 याकूब शिमोन आ लेवी के खिलाफ चिल्ला के कहलन, "ई काम तू का कइले बाड़ू?" तू हमरा के काहे घायल कइले बाड़ऽ कि हमरा आ हमरा घर के नाश करे खातिर कनान के सब लइकन के हमरा खिलाफ ले आवलऽ? काहे कि हम आ हमार घर के लोग आराम में रहनी आ तू हमरा साथे ई काम कइले बाड़ऽ आ अपना काम से ओह देश के निवासी लोग के हमरा खिलाफ भड़का दिहनी।
52 यहूदा अपना पिता से कहलस, "का बेकार में हमार भाई शिमोन अवुरी लेवी शेकेम के सभ निवासी के मार देले रहले? निश्चित रूप से एकर कारण रहे कि शेकेम हमनी के बहिन के नम्र बना देले रहले अवुरी नूह अवुरी उनुका संतान के हमनी के परमेश्वर के आज्ञा के उल्लंघन कईले रहले, काहेकी शेकेम हमनी के बहिन के जबर्दस्ती ले गईले अवुरी उनुका संगे व्यभिचार कईले रहले।
53 शेकेम इ सब बुराई कईलस अवुरी ओकरा शहर के निवासी में से केहु उनुका संगे दखल ना देलस कि, "तू अयीसन काहें करब?" एही खातिर हमार भाई लोग जाके शहर पर हमला कइल आ प्रभु ओकरा के ओह लोग के हाथ में सौंप दिहलन काहे कि ओकरा में रहे वाला लोग हमनी के परमेश्वर के आज्ञा के उल्लंघन कइले रहे। तब का बेकार बा कि ऊ लोग ई सब कइले बा?
54 अब तू काहे डेरात बाड़ू भा परेशान बाड़ू, आ हमरा भाई लोग से काहे नाराज बाड़ू आ ओह लोग पर तोहार क्रोध काहे भड़कत बा?
55 हमनी के परमेश्वर जे शेकेम शहर आ ओकर लोग के ओह लोग के हाथ में सौंप देले बाड़े, उ हमनी के खिलाफ आवे वाला कनान के सब राजा के भी हमनी के हाथ में दे दिहे अवुरी हमनी के ओ लोग के ओसही करब, जईसे हमार भाई शेकेम के कईले रहले।
56 अब ओह लोग के बारे में शांति से रहऽ आ आपन डर दूर करऽ, लेकिन हमनी के परमेश्वर प्रभु पर भरोसा करीं आ उनकरा से प्रार्थना करीं कि ऊ हमनी के सहायता करस आ हमनी के बचावे आ हमनी के दुश्मनन के हमनी के हाथ में सौंप देस।
57 यहूदा अपना बाप के एगो नौकर के बोलवले, "अब जा के देखऽ कि हमनी के खिलाफ आवे वाला राजा लोग आपन सेना के साथे कहाँ बा।"
58 ऊ नौकर दूर तक देखलस आ सीहोन पहाड़ के सामने चढ़ल आ राजा लोग के सब डेरा के खेत में खड़ा देखलस आ यहूदा वापस आके कहलस, "देखीं राजा लोग अपना सब डेरा के साथे खेत में बईठल बा, बहुत संख्या में लोग बा, जइसे कि समुंदर के किनारे बालू नियर बा।
59 यहूदा शिमोन आ लेवी आ उनकर सब भाई लोग से कहलस कि, "अपना के मजबूत करीं आ शौर्य के बेटा बनीं, काहेकि हमनी के परमेश्वर प्रभु हमनी के साथे बाड़े, उ लोग से मत डेराईं।
60 हर आदमी आपन युद्ध के हथियार, आपन धनुष आ तलवार से बान्ह के खड़ा हो जा आ हमनी के जाके एह खतना ना भइल लोग से लड़ब जा। प्रभु हमनी के भगवान हवे, उ हमनी के बचाईहे।
61 ऊ लोग उठल आ छोट-बड़, याकूब के एगारह गो बेटा आ याकूब के सब नौकर भी अपना युद्ध के हथियार पहिनले।
62 इसहाक के सब नौकर जे इसहाक के साथे हेब्रोन में रहले, सब तरह के युद्ध के साधन से लैस होके ओह लोग के लगे पहुंचले, आ याकूब के बेटा आ उनकर नौकर एक सौ बारह आदमी होके एह राजा लोग के ओर चल गईले अवुरी याकूब भी ओ लोग के संगे चल गईले।
63 याकूब के बेटा इब्राहीम के बेटा इसहाक के लगे हेब्रोन में भेजले, जवन कि किरेत-अरबा ह।
64 हम अपना खातिर हमनी के परमेश्वर यहोवा से विनती करऽ कि हमनी के खिलाफ आवे वाला कनानियन के हाथ से बचा के हमनी के हाथ में सौंप दीं।

65 अब्राहम के बेटा इसहाक अपना बेटा खातिर प्रभु से प्रार्थना कइलन आ कहलन, "हे प्रभु परमेश्वर, तू हमरा पिता से वादा कइले रहलू कि हम तोहार वंशज के स्वर्ग के तारा नियर बढ़ा देब, आ तू हमरा से भी वादा कइले बाड़ऽ, आ तू हमरा से आपन बात के कायम कर देब, अब जब कनान के राजा लोग एकजुट होके हमरा लइकन से लड़ाई करे खातिर आवत बा, काहे कि ऊ लोग कवनो हिंसा ना कइले बा।"
66 अब हे प्रभु परमेश्वर, पूरा धरती के परमेश्वर, एह राजा लोग के सलाह के बिगाड़ दीं कि उ लोग हमरा बेटा से लड़ाई मत करस।
67 आ एह राजा लोग आ ओह लोग के लोग के दिल के हमरा बेटा लोग के आतंक से प्रभावित करीं आ ओह लोग के घमंड के नीचे ले आवऽ आ कि ऊ लोग हमरा बेटा लोग से मुँह फेर लेव.
68 आ अपना मजबूत हाथ आ पसरल बाँहि से हमरा बेटा आ ओह लोग के नौकरन के ओह लोग से बचाईं काहे कि ई सब करे के ताकत आ ताकत तोहरा हाथ में बा.
69 याकूब के बेटा आ उनकर सेवक लोग एह राजा लोग के ओर बढ़ल आ ऊ लोग अपना परमेश्वर प्रभु पर भरोसा कइल आ जब ऊ लोग जात रहे त उनकर बाप याकूब भी प्रभु से प्रार्थना कइलन आ कहलन, "हे प्रभु परमेश्वर, शक्तिशाली आ ऊंच परमात्मा, जे पहिले से लेके अब तक आ हमेशा खातिर राज करत बाड़न।
70 तू ऊ हउअ जे युद्ध के भड़कावेला आ ओकरा के बंद कर देला, तोहरा हाथ में ऊँचाई आ नीचे गिरावे के शक्ति आ शक्ति बा। हे हमार प्रार्थना तोहरा सोझा स्वीकार्य होखे कि तू अपना दया से हमरा ओर मुड़ जा, एह राजा लोग आ ओह लोग के लोग के दिल के हमरा बेटा लोग के आतंक से प्रभावित कर दीं, आ ओह लोग के आ ओह लोग के डेरा के डेरा दीं, आ अपना बड़हन दया से ओह सब लोग के बचाईं जे तोहरा पर भरोसा करेला, काहे कि तू ही हमनी के नीचे लोग के ले आ सकेनी आ राष्ट्रन के हमनी के सत्ता में कम कर सकेनी।

अध्याय 35 के बा

1 अमोरी लोग के सब राजा आके मैदान में खड़ा होके अपना सलाहकारन से सलाह लेत रहले कि याकूब के बेटा लोग के का होखे वाला बा, काहे कि उ लोग अभी भी ओ लोग से डेरात रहले कि, "देखीं, उ लोग में से दुगो पूरा शेकेम शहर के हत्या क देले।"
2 प्रभु इसहाक आ याकूब के प्रार्थना सुन के एह सब राजा लोग के सलाहकारन के दिल में बहुत डर आ आतंक भर दिहलन कि ऊ लोग एकमत से चिल्ला के कहलस।
3 का तू आजु बेवकूफ बाड़ू, भा तोहनी में कवनो समझ नइखे कि तू इब्रानियन से लड़बऽ आ आजु अपना विनाश में काहे मस्त रहबऽ?
4 देखऽ, उ लोग में से दू गो बिना डर-डर के शेकेम शहर में अइले आ शहर के सब निवासी लोग के मार दिहले, ताकि केहू ओह लोग के खिलाफ ना खड़ा हो सके आ तू ओह सब से कइसे लड़ पाईब?
5 रउआ सभे जानत बानी कि उनकर परमेश्वर उनकरा से बहुत प्यार करेलन आ उनकरा खातिर अइसन पराक्रमी काम कइले बाड़न जवन पहिले से ना भइल रहे आ जाति के सब देवता लोग में उनकर पराक्रमी काम जइसन केहू नइखे कर सकत।
6 ऊ ओह लोग के पिता अब्राहम इब्रानी के निमरोद के हाथ से आ उनकर सब लोग के हाथ से बचा लिहले जवन कई बेर उनकरा के मारे के कोशिश कइले रहले।
7 ऊ ओकरा के ओह आग से भी बचा लिहले जवना में राजा निमरोद ओकरा के फेंकले रहले आ ओकर भगवान ओकरा के ओकरा से बचा लिहले।
8 अउर अइसन के कर सकेला? निश्चय ही इब्राहीम ही एलाम के पांच राजा के हत्या कईले रहले, जब उ लोग अपना भाई के बेटा के छू लेले रहले, जवन कि ओ समय सदोम में रहत रहले।
9 उ अपना घर में वफादार नौकर आ ओकर कुछ आदमी के लेके चल गईले अवुरी उ लोग एक रात में एलाम के राजा के पीछा क के मार देले अवुरी उनुका भाई के बेटा के उनुकर सभ संपत्ति वापस क देले, जवन कि उ लोग उनुका से छीन लेले रहले।
10 तू लोग जरूर जानत बाड़ऽ कि एह इब्रानियन के भगवान ओह लोग से बहुते खुश बाड़न आ ऊ लोग भी उनुका से खुश बा काहे कि ऊ लोग जानत बा कि ऊ ओह लोग के सब दुश्मनन से बचा लिहले बाड़न.
11 इब्राहीम अपना परमेश्वर के प्रति प्रेम के चलते अपना एकलौता आ अनमोल बेटा के लेके अपना परमेश्वर के होमबलि के रूप में ले आवे के इरादा रखले, अवुरी जदी भगवान उनुका के अयीसन करे से ना रोकले रहित त उ अपना परमेश्वर के प्रति प्रेम के चलते इ काम कईले रहते।
12 परमेश्वर उनकर सब काम देख के उनकरा से कसम खइले आ उनकरा से वादा कइलन कि उ अपना बेटा आ उनकर सब वंशज के हर संकट से बचाई, काहे कि उ इ काम कइले बा आ अपना परमेश्वर से प्रेम के द्वारा अपना बच्चा के प्रति करुणा के दबा दिहलन।
13 का रउवां नइखऽ सुनले कि उनकर परमेस् वर मिस्र के राजा फिरौन आ गेरार के राजा अबीमेलेक के साथे का कइलन, इब्राहीम के मेहरारु के लेके, उ हमार बहिन हई, कहीं उ लोग ओकरा के मार के ओकरा के पत्नी बनावे के बारे में ना सोचे? आऊ परमेस् वर उनकरा आ उनकर लोग के साथे उ सब कर दिहलन जवन रउवां सुनले रहनी।
14 हमनी के आँख से देखनी जा कि याकूब के भाई एसाव चार सौ आदमी के संगे उनुका के मारे के इरादा से उनुका लगे आईल रहले, काहेंकी उनुका याद आईल कि उ अपना पिता के आशीर्वाद उनुका से छीन लेले बाड़े।
15 जब ऊ सीरिया से आइल रहलन त ओकरा से मिले गइलन कि ऊ महतारी के लइकन के साथे मार देव आ ओकरा के के ओकरा हाथ से बचा लिहलसि, ओकरा परमेस् वर के छोड़ के जेकरा पर ऊ भरोसा करत रहलन? ऊ ओकरा के अपना भाई के हाथ से आ दुश्मनन के हाथ से भी बचा लिहले, आ निश्चित रूप से ऊ फेर से ओह लोग के रक्षा करीहें.
16 के नइखे जानत कि उ लोग के परमेश्वर ही उ लोग के शक्ति से प्रेरित कईले कि उ लोग शेकेम शहर के साथे उ बुराई करस जवन रउवां सुनले बानी?
17 का तब अपना ताकत से दू आदमी शेकेम जइसन बड़हन शहर के नाश कर सकेले अगर उनकर भगवान ना रहित, जेकरा पर उ लोग भरोसा करत रहे? ऊ ओह लोग के ई सब कहलन आ ओह लोग के शहर में रहे वाला लोग के मारे खातिर कइलन.

18 तब का रउवां ओह लोग पर जीत पा सकत बानी जे रउवा शहर से एक साथ निकलल बा, भले ही हजार गुना अउरी लोग रउवा सहायता खातिर आ जाव?
19 तू लोग जरूर जानत बाड़ऽ आ समझत बाड़ऽ कि तूँ ओह लोग से लड़ाई करे खातिर ना आइल बाड़, बलुक ओह लोग के परमेश्वर से लड़ाई करे आइल बाड़ऽ जे ओह लोग के चुनले रहलन, आ एही से रउआ सभे आज नष्ट होखे खातिर आइल बानी।
20 अब एह बुराई से परहेज करीं जवना के तू अपना पर ले आवे के कोशिश कर रहल बानी, त तोहनी खातिर बेहतर होई कि उ लोग के संख्या में बहुत कम बा, काहे कि उ लोग के परमेश्वर ओ लोग के संगे बाड़े।
21 जब अमोरी लोग के राजा अपना सलाहकारन के सब बात सुनले त ओह लोग के मन आतंकित हो गइल आ याकूब के बेटा लोग से डेरा गइल आ ओह लोग से लड़ाई ना कइल।
22 ऊ लोग अपना सलाहकारन के बात पर कान झुका दिहल आ ओह लोग के सगरी बात सुनल आ सलाहकारन के बात राजा लोग के बहुते नीक लागल आ ऊ लोग अइसहीं कइल.
23 राजा लोग याकूब के बेटा लोग से मुड़ के परहेज कइल काहे कि ऊ लोग ओह लोग से लड़ाई करे के हिम्मत ना कइल, काहे कि ऊ लोग ओह लोग से बहुते डेरा गइल आ ओह लोग के डर से ओह लोग के दिल पिघल गइल.
24 प्रभु के ओर से इ बात उ लोग के ओर से निकलल, काहेकि उ अपना सेवक इसहाक अवुरी याकूब के प्रार्थना सुनले, काहेंकी उ लोग उनुका प भरोसा करत रहले। आ ई सब राजा ओह दिन आपन डेरा लेके हर केहू अपना शहर में लवट अइले आ ओह घरी ऊ लोग याकूब के बेटा लोग से लड़ाई ना कइल।
25 याकूब के बेटा लोग ओह दिन साँझ ले सीहोन पहाड़ के सामने आपन ठहराव रखले आ ई देख के कि ई राजा लोग ओह लोग से लड़ाई करे ना आइल, याकूब के बेटा लोग अपना घरे लवट गइल।

अध्याय 36 के बा

1 ओही समय परमेस् वर याकूब से प्रगट होके कहलन, "उठ, बेथेल जाके उहाँ रहऽ आ उहाँ प्रभु के एगो वेदी बनाईं जे तोहरा के प्रकट होखेलन, जे तोहरा आ तोहरा बेटा लोग के कष्ट से मुक्त कर दिहले बा।"
2 याकूब अपना बेटा आ अपना सब सामान के साथे उठ के प्रभु के वचन के अनुसार बेथेल में चल गईले।
3 जब याकूब बेथेल गइलन त याकूब उननबे साल के रहले आ याकूब आ उनकर बेटा आ उनकर सब लोग लूज में बेथेल में रह गइलन आ उहाँ ऊ प्रभु खातिर एगो वेदी बनवले रहले जे उनका के प्रकट भइल रहले आ याकूब आ उनकर बेटा छह महीना ले बेथेल में रहले।
4 ओही घरी याकूब के संगे रहल रिबेका के नर्स उज के बेटी दबोरा के मौत हो गईल। याकूब ओकरा के बेथेल के नीचे एगो ओक के नीचे दफना दिहलन जवन उहाँ रहे।
5 ओह घरी याकूब के महतारी बेथुएल के बेटी रेबेका के मौत हेब्रोन में हो गइल जवन किरेत-अरबा ह आ ओकरा के मकपेला के गुफा में दफनावल गइल जवन अब्राहम हेत के लोग से खरीदले रहले।
6 रिबेका के उमिर एक सौ तेतीस साल रहे आ ऊ मर गइली आ जब याकूब सुनलन कि उनकर महतारी रेबेका मर गइल बाड़ी त ऊ अपना महतारी खातिर कड़ुआ रोवे लगलन आ ओकरा खातिर आ ओक के नीचे ओकर दूधिया दबोरा खातिर बहुते शोक जतवले आ ओह जगह के नाम एलन-बचत रख दिहलन.
7 ओह घरी अरामी लाबान मर गइलन काहे कि भगवान ओकरा के मार दिहलन काहे कि ऊ अपना आ याकूब के बीच के वाचा के उल्लंघन कइले.
8 याकूब सौ साल के रहले जब प्रभु उनुका के प्रकट भईले अवुरी उनुका के आशीष देले अवुरी उनुकर नाम इस्राएल रखले अवुरी ओ समय याकूब के पत्नी राहेल गर्भवती हो गईली।
9 ओही घरी याकूब आ उनकर सब लोग बेथेल से अपना पिता के घर हेब्रोन जाए खातिर निकल गइलन।
10 जब उ लोग रास्ता में जात रहले अवुरी एफ्रात पहुंचे में अभी कुछ दूरी रहे, त राहेल के एगो बेटा भईल अवुरी उनुका बहुत मेहनत भईल अवुरी उनुकर मौत हो गईल।
11 याकूब ओकरा के एफ्रात के रास्ता में दफना दिहलन जवन बेतलेहेम ह आ ओकरा कब्र पर एगो खंभा खड़ा कर दिहलन जवन आजु ले ओहिजा बा. राहेल के उमिर पैंतालीस साल रहे आ ऊ मर गइली.
12 याकूब अपना बेटा के नाम रखले जवन राहेल से पैदा भइल रहे, काहे कि ऊ दाहिना ओर के देश में पैदा भइल रहे।
13 राहेल के मौत के बाद याकूब ओकर दासी बिलहा के डेरा में आपन डेरा खड़ा कईले।
14 रूबेन के एही से अपना महतारी लीआ से ईर्ष्या भइल आ ऊ क्रोध से भर गइलन आ ऊ अपना गुस्सा में उठ के बिल्हा के डेरा में घुस गइलन आ ओहिजा से ऊ अपना बाप के बिछौना हटा दिहलन.
15 ओह घरी रूबेन के बेटा लोग से जन्मसिद्ध अधिकार के हिस्सा राज आ पुरोहित के पद के साथे हटा दिहल गइल काहे कि ऊ अपना पिता के बिछौना के अपवित्र कर दिहले रहले आ जमनी के अधिकार यूसुफ के दिहल गइल, राजा के पद यहूदा के आ पुरोहिताई के पद लेवी के दिहल गइल काहे कि रूबेन अपना बाप के बिछौना के अशुद्ध कर दिहले रहले.
16 ई याकूब के पीढ़ी हवें जे उनकरा से पादान-अराम में जनमल रहले आ याकूब के बेटा बारह गो रहले।
17 लीआ के बेटा पहिला जनम रूबेन, शिमोन, लेवी, यहूदा, इस्साकर, जबबुलन आ उनकर बहिन दीना रहे। राहेल के बेटा यूसुफ आ बिन्यामीन रहले।
18 लीआ के दासी जिल्पा के बेटा गाद आ आशेर आ राहेल के दासी बिल्हा के बेटा दान आ नप्ताली रहलन। ई याकूब के बेटा हवें जे उनकरा से पादान-अराम में पैदा भइल रहले।
19 याकूब आ उनकर बेटा आ उनकर सब लोग ममरे, जवन किरेत-अर्बा ह, उ हेब्रोन में पहुँचल, जहाँ इब्राहीम आ इसहाक प्रवास कइले रहले, आ याकूब अपना बेटा आ उनकर सब लोग के साथे हेब्रोन में अपना पिता के साथे रह गइलन।
20 उनकर भाई एसाव आ उनकर बेटा आ उनकर सब लोग सेइर देश में जाके उहाँ रह गइलन आ सेइर के देश में आपन सम्पत्ति मिलल आ एसाव के संतान सेइर के देश में बहुत बढ़ल आ बढ़ल।
21 ई एसाव के पीढ़ी ह जवन कनान देश में पैदा भइल रहे आ एसाव के बेटा पांच गो रहले।

22 आदा एसाव से आपन पहिलका बेटा एलीफाज के जनम दिहली आ उनसे राउएल के जनम दिहली आ अहलीबामा ओकरा से जेउश, यालाम आ कोरह के जनम दिहली।
23 ई सब एसाव के संतान हवें जे उनकरा से कनान देश में जनमल रहले। एसाव के बेटा एलीफाज के बेटा तेमान, उमर, सफो, गाताम, केनाज आ अमालेक्स आ रेउल के बेटा नकत, जेराक, शामा आ मिज्जा रहले।
24 येउश के बेटा तिम्ना, अलवाह, जेतेत रहलन। यालाम के बेटा आला, फिनोर आ केनाज रहलन।
25 कोरह के बेटा टेमन, मिबजार, मगदीएल आ एराम रहलन। ई एसाव के बेटा लोग के कुल सेईर देश में अपना राज के हिसाब से ह।
26 ई सेइर होरी के बेटा लोग के नाम ह, जवन सेइर, लोतान, शोबल, सिबियोन, आना, दीशान, एजर आ डिशोन के रहे वाला रहले, सात गो बेटा रहले।
27 लोटान के संतान होरी, हेमान आ उनकर बहिन तिम्ना रहलन, उ तिम्ना हई जे याकूब आ उनकर बेटा लोग के लगे आइल रहली, आ उ लोग उनकर बात ना सुनलस, आ ऊ जाके एसाव के बेटा एलीफाज के उपपत्नी बन गइली आ उनकरा से अमालेक जनम दिहली।
28 शोबल के बेटा अलवान, मनहत, एबल, शेफो आ ओनाम आ सिबियोन के बेटा अजाह आ आना रहलन, इहे आना रहलन जे जंगल में यमीम के मिलल जब ऊ अपना बाप सिबोन के गदहा के खियावत रहले।
29 जब उ अपना बाप के गदहा के खाना खियावत रहले त उ अलग-अलग समय प जंगल में ले गईले, ताकि उ गदहा के चरावल जा सके।
30 एक दिन ऊ ओह लोग के समुंदर के किनारे एगो रेगिस्तान में ले अइले जवन लोग के जंगल के सामने रहे आ जब ऊ ओह लोग के खाना खियावत रहले त देखलन कि समुंदर के ओह पार से एगो बहुते भारी तूफान आइल आ ओहिजा खाना खात गदहान पर आ गइल आ ऊ सब लोग खड़ा हो गइल.
31 ओकरा बाद समुंदर के दूसरा ओर जंगल से करीब एक सौ बीस बड़-बड़ भयानक जानवर निकलल अवुरी उ सभ ओ जगह प पहुंचल, जहां गदहा रहले अवुरी उहाँ रह गईले।
32 आ ऊ जानवर, बीच से नीचे, आदमी के संतान के आकार के रहे, आ बीच से ऊपर, कुछ भालू के नियर रहे, आ कुछ के किखा के नियर, पीछे से कंधा के बीच से धरती तक ले पूँछ, डचीफाथ के पूंछ नियर, आ ई जानवर आके एह गदहा पर चढ़ के सवार होके ओह लोग के छोड़ के चल गइलें आज तक दूर बा।
33 एहमें से एगो जानवर आना के लगे आके ओकरा पूंछ से मार दिहलस आ ओकरा बाद उहाँ से भाग गइल।
34 इ काम देख के उ अपना जान से बहुत डेरा गईले अवुरी भाग गईले अवुरी शहर भाग गईले।
35 ऊ अपना बेटा आ भाई लोग के अपना साथे भइल सब घटना के बतवले आ बहुत लोग गदहा के खोजे गइल बाकिर ओकरा के ना मिलल आ ओकरा बाद के दिन से आना आ ओकर भाई लोग ओह जगह पर ना गइल काहे कि ऊ लोग अपना जान से बहुते डेरा गइल.
36 सेइर के बेटा आना के संतान डिशोन आ उनकर बहिन अहलीबामा आ डिशोन के संतान हेमदान, एशबान, इथ्रान आ चेरान आ एजर के संतान बिलहान, ज़ावान आ अकान आ डिशोन के संतान उज आ अरान रहलें।
37 ई सेइर होरी के वंशज के वंशज ह, जवन सेईर देश में अपना राज के हिसाब से बा।
38 एसाव आ उनकर लइका-लइकी सेइर होरी के देश में रहत रहले, जवन कि ओह देश में रहे वाला रहे आ ओह लोग के संपत्ति रहे आ ऊ लोग बहुत फलदार आ बढ़ल रहे आ याकूब आ उनकर लइका आ उनकर सब लोग अपना बाप इसहाक के साथे कनान देश में रहत रहले, जइसन कि प्रभु ओह लोग के पिता अब्राहम के आज्ञा देले रहले।

अध्याय 37 के बा

1 याकूब के जीवन के एक सौ पांचवा साल में याकूब के अपना संतान के संगे कनान देश में रहला के नौवां साल में उ पदन-अराम से आईल रहले।
2 ओह दिन याकूब अपना लइकन के साथे हेब्रोन से निकल गइलन आ ऊ लोग आ ओह लोग के सब लोग शेकेम शहर में वापस आ गइलन आ ऊ लोग ओहिजा रह गइलन काहे कि याकूब के लइकन के शेकेम शहर में अपना मवेशी खातिर बढ़िया आ मोट चारागाह मिलल रहे, जब शेकेम शहर के फेर से बनावल गइल रहे आ ओहमें करीब तीन सौ मरद मेहरारू रहले.
3 याकूब आ ओकर लइका आ ओकर सब लोग ओह खेत के हिस्सा में रहत रहले जवन याकूब शेकेम के पिता हमोर से खरीदले रहले, जब ऊ पादान-अराम से आइल रहले, ओकरा पहिले कि शिमोन आ लेवी शहर पर हमला कइले रहले।
4 कनान आ अमोरी के राजा जे शेकेम शहर के घेरले रहले, उ सुनले कि याकूब के बेटा फेर से शेकेम आके उहाँ रह गईल बाड़े।
5 उ लोग कहलस, "का याकूब इब्रानी के बेटा लोग ओकरा निवासी लोग के मार के भगा दिहला के बाद फेर शहर में आके ओहिजा रह जईहे?" का अब उ लोग वापस लवट के शहर में रहे वाला लोग के भी भगा दिहे कि उ लोग के मार दिहे?
6 कनान के सब राजा फिर से जुट गईले अवुरी याकूब अवुरी उनुकर बेटा के संगे लड़ाई करे खाती जुटल रहले।
7 तपनाक के राजा याशुब अपना पड़ोसी सब राजा लोग के लगे, गाश के राजा एलान, शिलो के राजा इहुरी, चजार के राजा पराथोन, सरतोन के राजा सूसी, बेतचोरान के राजा लाबान आ ओथनयमा के राजा शबीर के लगे भेजले।
8 हमरा लगे आके हमार सहायता करीं आ हमनी के याकूब इब्रानी आ ओकर बेटा आ ओकर सब लोग के मार दीं, काहे कि ऊ लोग फेर से शेकेम में ओकरा के अपना कब्जा में लेबे आ ओकरा में रहे वाला लोग के पहिले जइसन मारे आइल बा.
9 ई सब राजा लोग एकट्ठा होके अपना सब डेरा के साथे आके समुंदर के किनारे बालू नियर बहुत ढेर रहे आ सब लोग तपनच के सामने रहे।
10 तपनाक के राजा याशुब अपना पूरा सेना के संगे ओ लोग के लगे गईले अवुरी उ शहर के बाहर तपनाक के सामने ओ लोग के संगे डेरा डाल देले अवुरी ए सभ राजा के सात गो दल में बांट देले, जवन कि याकूब के बेटा के खिलाफ सात गो डेरा डाल देले।
11 ऊ लोग याकूब आ उनकर बेटा के एगो घोषणापत्र भेजले कि, "तू सभे हमनी के लगे आ जा कि हमनी के मैदान में एक संगे

बातचीत कर सकीले आ शेकेम के ओह लोग के मुकदमा के बदला ले लीं, जेकरा के तू अपना शहर में मारले रहलू, आ अब फेर से शेकेम शहर में लवट के ओहिजा रहब आ ओकरा में रहे वाला लोग के पहिले जइसन मार देब।"

12 याकूब के बेटा लोग ई बात सुन के कनान के राजा लोग के बात से उनकर गुस्सा बहुत भड़क गइल आ याकूब के दस गो बेटा जल्दी से उठ के उठले आ हर केहू आपन युद्ध के हथियार पहिनले। आ ओह लोग के साथे एक सौ दू गो नौकर भी युद्ध के सरणी में लागल रहले।

13 ई सब लोग याकूब के बेटा लोग अपना नौकरन के साथे एह राजा लोग के ओर बढ़ल आ उनकर बाप याकूब ओह लोग के साथे रहलन आ ऊ सब लोग शेकेम के ढेर पर खड़ा हो गइलन।

14 याकूब अपना बेटा खातिर प्रभु से प्रार्थना कइलन आ ऊ प्रभु से आपन हाथ बढ़ा के कहले, "हे भगवान, तू एगो सर्वशक्तिमान भगवान हउअ, तू हमनी के बाप हउअ, तू हमनी के बनवले बाड़ आ हमनी के तोहार हाथ के काम हईं जा। हम तोहरा से निहोरा करत बानी कि हमरा बेटा लोग के अपना दया से ओह लोग के दुश्मनन के हाथ से बचाईं, जे आजु ओह लोग से लड़े आ ओह लोग के हाथ से बचावे आवत बाड़े, काहे कि तोहरा हाथ में शक्ति आ पराक्रम बा, जवना से कि कुछ लोग के बहुते लोग से बचावल जा सके.

15 आ हमरा बेटा, तोहार नौकर के, दिल के ताकत आ ताकत दीं कि ऊ लोग अपना दुश्मनन से लड़ सके, ओह लोग के अपना वश में कर सके आ ओह लोग के दुश्मनन के ओकरा सोझा गिरा सके आ हमार बेटा आ ओह लोग के नौकर के कनान के लोग के हाथ से ना मरे दीं.

16 अगर तोहरा नजर में हमरा बेटा आ ओह लोग के नौकरन के जान लेबे के बढ़िया लागत बा त अपना सेवकन के हाथ से ओह लोग के अपना बड़हन दया से ले लीं जेहसे कि ऊ लोग आजु अमोरी लोग के राजा लोग के हाथ से नाश ना होखे.

17 जब याकूब प्रभु से प्रार्थना कइल बंद कर दिहलन त धरती अपना जगह से हिल गइल आ सूरज अन्हार हो गइल आ ई सब राजा घबरा गइलन आ बहुते घबरा गइलन.

18 परमेस् वर याकूब के प्रार्थना सुनलन आ याकूब के बेटा लोग के भय आ भय से प्रभु सब राजा आ उनकर सेना के दिल के प्रभावित कर दिहलन।

19 काहेकि प्रभु ओह लोग के याकूब के बेटा लोग के रथ के आवाज आ शक्तिशाली घोड़ा के आवाज आ ओह लोग के साथे एगो बड़हन सेना के आवाज सुनवले।

20 ई राजा लोग याकूब के बेटा लोग पर बहुत आतंकित हो गइलन आ जब ऊ लोग अपना घर में खड़ा रहले त देखले कि याकूब के बेटा लोग एक सौ बारह आदमी के साथे एगो बड़हन आ जबरदस्त चिल्लाहट के साथ ओह लोग पर आगे बढ़ल।

21 राजा लोग जब याकूब के बेटा लोग के अपना ओर बढ़त देखले त उ लोग अउरी घबरा गईले अवुरी पहिले निहन याकूब के बेटा के सोझा से पीछे हटे के ओर झुक गईले अवुरी ओ लोग से लड़ाई ना करे लगले।

22 लेकिन उ लोग पीछे ना हटत कहले कि, इब्रानियन के सामने से दु बेर पीछे हटला से हमनी के बेइज्जती होई।

23 याकूब के बेटा लोग नजदीक आके एह सब राजा आ ओह लोग के सेना के खिलाफ आगे बढ़ल त देखले कि उ एगो बहुत ताकतवर लोग रहे, जवन समुंदर के बालू निहन रहे।

24 याकूब के बेटा लोग प्रभु के आवाज देके कहले, "हे प्रभु, हमनी के मदद कर, हमनी के मदद कर, हमनी के जवाब देवे, काहेकि हमनी के तोहरा पर भरोसा बा, आ हमनी के एह खतना ना भईल आदमी के हाथ से मत मरब जा, जवन आज हमनी के खिलाफ आईल बाड़े।

25 याकूब के बेटा लोग आपन युद्ध के हथियार पहिन के हर केहू के आपन ढाल आ भाला अपना हाथ में लेके लड़ाई के नजदीक आ गईले।

26 याकूब के बेटा यहूदा सबसे पहिले अपना भाई लोग के आ ओकरा साथे दस नौकरन के सामने भाग गईले अवुरी उ ए राजा लोग के ओर चल गईले।

27 तपनाक के राजा याशुब भी सबसे पहिले अपना सेना के साथे यहूदा के सामने निकलल आ यहूदा के देखलस कि याशुब आ उनकर सेना उनका ओर आवत बा आ यहूदा के क्रोध भड़क गइल आ उनकर क्रोध ओकरा भीतर जर गइल आ ऊ लड़ाई के नजदीक आ गइलन जवना में यहूदा आपन जान डाल दिहलस।

28 याशुब आ ओकर पूरा सेना यहूदा के ओर बढ़त रहे आ ऊ एगो बहुत मजबूत आ शक्तिशाली घोड़ा पर सवार रहले आ याशुब बहुत वीर आदमी रहले आ माथा से गोड़ तक लोहा आ पीतल से ढंकल रहले।

29 जब ऊ घोड़ा पर सवार रहले त ऊ आगे पीछे से दुनु हाथ से तीर चलावत रहले, जइसे कि उनकर सगरी लड़ाई में रहे आ ऊ कबो ओह जगह से ना चूकत रहले जहाँ ऊ आपन तीर निशाना लगावत रहले.

30 जब याशूब यहूदा से लड़ाई करे अइले आ यहूदा के खिलाफ बहुत तीर चलावत रहले त प्रभु याशूब के हाथ बान्ह दिहलन आ ऊ जवन तीर चलावत रहले ऊ सब तीर उनुका आदमी पर उड़ गइल।

31 एकरा बावजूद याशुब तीर से चुनौती देवे खातिर यहूदा के ओर बढ़त रहले, लेकिन ओ लोग के बीच के दूरी करीब तीस हाथ रहे अवुरी जब यहूदा याशूब के अपना तीर से ओकरा खिलाफ दौड़त देखले त उ अपना क्रोध से उग्र होके उनुका लगे भाग गईले।

32 यहूदा जमीन से एगो बड़हन पत्थर उठा लिहलस, जवना के वजन साठ शेकेल रहे, आ यहूदा याशूब के ओर भागल आ पत्थर से ओकरा ढाल पर मार दिहलस, जवना से याशूब ओकरा मार से स्तब्ध हो गईले अवुरी घोड़ा से गिर के जमीन प गिर गईले।

33 याशुब के हाथ से ढाल फाट गईल अवुरी मार के ताकत से करीब पंद्रह हाथ के दूरी तक उछल गईल अवुरी ढाल दूसरा डेरा के सोझा गिर गईल।

34 याशूब के साथे आइल राजा लोग दूर से याकूब के बेटा यहूदा के ताकत आ याशूब के साथे जवन कइले बा, ओकरा के देखले आ ऊ लोग यहूदा से बहुत डेरा गइल।

35 ऊ लोग याशूब के उलझन देख के उनकर डेरा के लगे इकट्ठा हो गइल आ यहूदा आपन तलवार निकाल के याशूब के डेरा के बयालीस आदमी के मार दिहलस आ पूरा याशूब के डेरा यहूदा के सामने भाग गइल आ केहू उनकरा खिलाफ खड़ा ना भइल आ ऊ लोग याशूब के छोड़ के भाग गइल आ याशुब अबहीं जमीन पर सजदा कइलस।

36 याशूब अपना डेरा के सब आदमी ओकरा से भाग गइल देख के जल्दबाजी में आतंकित होके यहूदा के खिलाफ उठ गईले अवुरी यहूदा के सामने अपना गोड़ प खड़ा हो गईले।

37 याशूब के लड़ाई यहूदा से ढाल के ओर ढाल रख के एकही लड़ाई भईल अवुरी याशूब के आदमी सभ भाग गईले, काहेंकी उ लोग यहूदा से बहुत डेरा गईले।
38 याशुब आपन भाला हाथ में लेके यहूदा के माथा पर मार लिहले, लेकिन यहूदा जल्दी से आपन ढाल याशूब के भाला से अपना माथा से सटा लेले रहले, जवना से यहूदा के ढाल पर याशूब के भाला से चोट लागल अवुरी ढाल भी फाट गईल।
39 यहूदा जब देखलस कि ओकर ढाल फाट गईल बा, त उ जल्दबाजी में तलवार निकाल के याशूब के टखने प मार देले अवुरी उनुकर गोड़ काट देले कि याशूब जमीन प गिर गईले अवुरी भाला उनुका हाथ से गिर गईल।
40 यहूदा जल्दबाजी में याशूब के भाला उठा के ओकर माथा काट के ओकरा गोड़ के बगल में फेंक दिहलस।
41 जब याकूब के बेटा लोग यहूदा के याशुब के साथे का कइल देख के सब लोग बाकी राजा लोग के कतार में आ गइलन आ याकूब के बेटा लोग याशूब के सेना आ उहाँ के सब राजा लोग के सेना से लड़ल।
42 याकूब के बेटा लोग अपना पन्द्रह हजार आदमी के गिरा दिहल आ ऊ लोग लौकी मारत जइसन मार दिहल आ बाकी लोग आपन जान बचावे खातिर भाग गइल.
43 यहूदा अभी भी याशुब के लाश के लगे खड़ा रहले अवुरी याशूब के वस्त्र उतार देले रहले।
44 यहूदा भी याशूब के आसपास के लोहा आ पीतल के उतार दिहलस त देखलस कि याशूब के सेनापति में से नौ आदमी यहूदा के खिलाफ लड़ाई करे खातिर आ गईले।
45 यहूदा जल्दी-जल्दी जमीन से एगो पत्थर उठा के ओह लोग में से एगो के माथा प मार दिहलस अवुरी ओकर खोपड़ी टूट गईल अवुरी लाश घोड़ा से जमीन प गिर गईल।
46 बाकी आठ गो सेनापति यहूदा के ताकत देख के बहुत डेरा गईले अवुरी भाग गईले अवुरी यहूदा अपना दस आदमी के संगे ओ लोग के पीछा कईले अवुरी उ लोग ओ लोग के पकड़ के मार देले।
47 याकूब के बेटा अभी भी राजा लोग के सेना के मारत रहले अवुरी उ लोग ओ लोग में से बहुत लोग के हत्या क देले, लेकिन उ राजा लोग हिम्मत से अपना सेनापति के संगे खड़ा रहले अवुरी अपना जगह से पीछे ना हटले अवुरी याकूब के बेटा के सोझा से भागल अपना सेना के खिलाफ चिल्लात रहले, लेकिन केहु ओ लोग के बात ना सुनलस, काहेंकी उ लोग अपना जान से डेरात रहले कि कहीं उ लोग मर ना जास।
48 याकूब के सब बेटा राजा लोग के सेना के हरा के वापस लवट के यहूदा के सामने आ गईले अवुरी यहूदा अभी तक याशूब के आठ सेनापति के मारत रहले अवुरी उनुकर कपड़ा उतारत रहले।
49 लेवी गाश के राजा एलोन के अपना चौदह गो सेनापति के साथे ओकरा के मारे खातिर आगे बढ़त देखले, लेकिन लेवी के ई बात पक्का ना मालूम रहे।
50 एलोन अपना सेनापति लोग के साथे नजदीक आ गइल आ लेवी पीछे मुड़ के देखलस कि ओकरा पीछे से लड़ाई हो गइल बा आ लेवी अपना बारह गो नौकरन के साथे भाग गइलन आ ऊ लोग एलोन आ ओकर कप्तान लोग के तलवार के धार से मार दिहलस।

अध्याय 38 के बा

1 शिलो के राजा इहुरी एलोन के सहायता करे खातिर चढ़ गइलन आ ऊ याकूब के लगे पहुँच गइलन जब याकूब अपना हाथ में आपन धनुष खींच लिहलन आ तीर से इहुरी के मार दिहलन जवना से उनकर मौत हो गइल.
2 जब शिलो के राजा इहुरी के मौत हो गईल त बाकी चार गो राजा बाकी सेनापति के संगे अपना स्टेशन से भाग गईले अवुरी उ लोग पीछे हटे के कोशिश कईले अवुरी कहले कि, "हमनी से जादे ताकतवर तीनों राजा अवुरी उनुकर सेनापति के मारला के बाद हमनी के इब्रानियन के संगे अवुरी ताकत नईखे।"
3 जब याकूब के बेटा लोग देखल कि बाकी राजा अपना थाना से हट गईल बाड़े त उ लोग ओ लोग के पीछा कईले अवुरी याकूब भी शेकेम के ढेर से उहाँ से अईले, जवना जगह से उ खड़ा रहले अवुरी उ लोग राजा के पीछे-पीछे चल गईले अवुरी उ लोग अपना नौकर के संगे ओ लोग के नजदीक पहुंचले।
4 राजा आ सेनापति लोग अपना बाकी सेना के साथे याकूब के बेटा लोग के नजदीक आके देख के आपन जान से डेरा गईले अवुरी जब तक चाजर शहर ना पहुंच गईले, तब तक भाग गईले।
5 याकूब के बेटा लोग ओह लोग के पीछा करत चजार शहर के फाटक तक पहुँचल आ राजा लोग आ ओह लोग के सेना के बीच लगभग चार हजार आदमी के बहुते मारपीट कइल आ जब ऊ लोग राजा लोग के सेना के मारत रहे त याकूब के धनुष से व्यस्त हो गइल आ ऊ राजा लोग के मारे में बंद हो गइलन आ ऊ सब लोग के मार दिहलन।
6 ऊ चाजर शहर के फाटक पर चजार के राजा पराथोन के मार दिहलन आ ओकरा बाद ऊ सरतोन के राजा सूसी, बेथकोरिन के राजा लाबान आ मचनामा के राजा शबीर के मार दिहलन आ ऊ सभका के तीर से मार दिहलन आ हर केहू के तीर दिहलन आ ऊ लोग मर गइलन.
7 याकूब के बेटा लोग ई देख के कि सब राजा लोग मर गइल बा आ ऊ लोग टूट के पीछे हट गइल बा, राजा लोग के सेना के साथे चाजर के फाटक के सामने लड़ाई जारी रखलस आ अबहियों लगभग चार सौ लोग के मार दिहलस।
8 ओह लड़ाई में याकूब के नौकरन में से तीन आदमी गिर गइलन आ जब यहूदा देखलस कि उनकर तीन नौकर मर गइल बाड़े त ऊ बहुते दुखी हो गइलन आ अमोरी लोग पर उनकर क्रोध भड़क गइल।
9 राजा लोग के सेना में से जे भी आदमी बचल रहे, उ लोग अपना जान से बहुत डेरा गईले अवुरी उ लोग दौड़ के चजर शहर के देवाल के फाटक के तोड़ देले अवुरी सब लोग सुरक्षित खाती शहर में घुस गईले।
10 ऊ लोग चाजर शहर के बीच में लुका गइल काहे कि चाजर शहर बहुत बड़हन आ व्यापक रहे आ जब ई सब सेना शहर में घुस गइल त याकूब के बेटा लोग ओह लोग के पीछे-पीछे शहर में भाग गइल।
11 चार गो पराक्रमी, जे लड़ाई के अनुभवी रहले, शहर से निकल के शहर के प्रवेश द्वार के सामने खड़ा हो गईले, हाथ में तलवार अवुरी भाला लेके खड़ा हो गईले अवुरी याकूब के बेटा के सोझा खड़ा हो गईले अवुरी ओ लोग के शहर में घुसे ना देले।

12 नफ्ताली दौड़ के ओ लोग के बीच में आ गईले अवुरी अपना तलवार से ओ लोग में से दुगो के मार देले अवुरी एक झटका में ओ लोग के सिर काट देले।
13 उ बाकी दुनो लोग के ओर मुड़ले त देखले कि उ लोग भाग गईल बाड़े अवुरी उ ओ लोग के पीछा क के ओ लोग के पकड़ के मार देले अवुरी मार देले।
14 याकूब के बेटा शहर में अईले अवुरी देखले कि शहर के ओर एगो अवुरी देवाल बा, अवुरी उ लोग देवाल के फाटक के खोजत रहले, त ना मिलल, अवुरी यहूदा देवाल के चोटी प उछल गईले अवुरी शिमोन अवुरी लेवी उनुका पीछे-पीछे चल गईले अवुरी तीनों देवाल से उतर के शहर में आ गईले।
15 शिमोन आ लेवी शहर में सुरक्षित भागल सब आदमी आ शहर के निवासी लोग के अपना मेहरारू आ छोट लइकन के साथे मार दिहले, आ शहर के चिल्लाहट स्वर्ग में चढ़ गइल।
16 दान आ नप्ताली देवाल पर उछल के देखले कि विलाप के आवाज का बा, काहे कि याकूब के बेटा लोग अपना भाई लोग के लेके बेचैन हो गईले, आ उ लोग शहर के निवासी लोग के रोवत-रोवत निहोरा करत सुनले कि, "हमनी के शहर में जवन कुछ भी बा ओकरा के लेके चल जा, लेकिन हमनी के हत्या मत करीं।"
17 जब यहूदा, शिमोन आ लेवी शहर के निवासी लोग के मारल बंद कर दिहलन त देवाल पर चढ़ के देवाल पर चढ़ल दान आ नप्ताली आ अपना बाकी भाई लोग के आवाज दिहलन आ शिमोन आ लेवी ओह लोग के शहर में प्रवेश के जानकारी दिहलन आ याकूब के सब बेटा लूट के सामान ले आवे अइले।
18 याकूब के बेटा लोग चाजर शहर के लूट के सामान, भेड़-बड़, भेड़, आ संपत्ति के पकड़ लिहले अवुरी जवन कुछ पकड़ल जा सकत रहे, ओकरा के लेके ओ दिन शहर से चल गईले।
19 अगिला दिने याकूब के बेटा सरटन गइलन, काहे कि ऊ लोग सुनले कि सरटन के लोग जे शहर में बचल रहे, ऊ लोग अपना राजा के मार दिहला के चलते ओह लोग से लड़ाई करे खातिर जुटल बा आ सरटन एगो बहुत ऊँच आ गढ़ वाला शहर रहे आ शहर के चारो ओर गहिरा प्राचीर रहे।
20 प्राचीर के खंभा लगभग पचास हाथ चौड़ाई चालीस हाथ के रहे आ प्राचीर के चलते कवनो आदमी के शहर में घुसे के जगह ना रहे आ याकूब के बेटा लोग शहर के प्राचीर देखले आ ओहमें प्रवेश करे के रास्ता खोजत रहले बाकिर ना मिलल।
21 काहेकि शहर के प्रवेश द्वार पीछे के ओर रहे आ जे भी आदमी शहर में आवे के चाहत रहे, उ ओह रास्ता से आके पूरा शहर के चक्कर लगावत रहे आ ओकरा बाद शहर में घुस गईल।
22 याकूब के बेटा लोग के नगर में जाए के रास्ता ना मिलला के बाद उ लोग के गुस्सा बहुत भड़क गईल अवुरी शहर के निवासी इ देख के कि याकूब के बेटा ओ लोग के लगे आवत बाड़े, उ लोग ओ लोग से बहुत डेरा गईले, काहेंकी उ लोग अपना ताकत अवुरी चाजर के संगे का कईले बाड़े, एकरा बारे में सुनले रहले।
23 सार्टन शहर के निवासी याकूब के बेटा लोग के खिलाफ लड़ाई करे खातिर शहर में जुट के ना निकल पवले, कहीं उ लोग शहर में ना जा सके, लेकिन जब उ लोग देखल कि उ लोग ओ लोग के ओर आवत बाड़े त उ लोग ओ लोग से बहुत डेरा गईले, काहेंकी उ लोग अपना ताकत अवुरी चाजर के संगे का कईले बाड़े, एकरा बारे में सुनले रहले।
24 याकूब के बेटा लोग के आवे से पहिले सरटन के निवासी लोग जल्दी से शहर के सड़क के पुल के अपना जगह से ले गईले अवुरी ओकरा के शहर में ले अईले।
25 याकूब के बेटा लोग आके शहर में जाए के रास्ता खोजत रहे, लेकिन ना मिलल आ शहर के निवासी देवाल के चोटी पर चढ़ के देखले कि याकूब के बेटा शहर में प्रवेश करे के रास्ता खोजत रहले।
26 शहर के निवासी याकूब के बेटा लोग के देवाल के चोटी से डांटत रहले अवुरी गारी देले अवुरी याकूब के बेटा ए गारी सुनले अवुरी उ लोग बहुत नाराज हो गईले अवुरी उनुका भीतर उनुकर क्रोध जरि गईल।
27 याकूब के बेटा लोग ओह लोग पर नाराज हो गइलन आ ऊ सब लोग अपना ताकत के ताकत से उठ के प्राचीर के ऊपर से उछल गइलन आ अपना ताकत से प्राचीर के चालीस हाथ चौड़ाई के पार हो गइलन।
28 जब ऊ लोग प्राचीर से गुजरल त शहर के देवाल के नीचे खड़ा हो गइल आ शहर के सब फाटक लोहा के दरवाजा से घेरल मिलल।
29 याकूब के बेटा लोग शहर के फाटक के दरवाजा तोड़े खातिर नजदीक पहुंचले, लेकिन निवासी लोग ओ लोग के ना छोड़ले, काहेंकी देवाल के चोटी से उ लोग ओ लोग प पत्थर अवुरी तीर फेंकत रहले।
30 देवाल पर रहे वाला लोग के संख्या करीब चार सौ आदमी रहे आ जब याकूब के बेटा लोग देखल कि शहर के लोग शहर के फाटक ना खोले देत बाड़े त उ लोग उछल के देवाल के चोटी पर चढ़ गईले अवुरी यहूदा पहिले शहर के पूरब के ओर बढ़ गईले।
31 गाद आ आशेर ओकरा पीछे-पीछे शहर के पच्छिम कोना में, आ उत्तर में शिमोन आ लेवी आ दक्खिन में दान आ रूबेन चढ़ गइलन।
32 देवाल के चोटी पर रहे वाला लोग, जे शहर के निवासी लोग, याकूब के बेटा लोग के अपना लगे आवत देख के सब लोग देवाल से भाग के शहर में उतर गईले अवुरी शहर के बीच में लुका गईले।
33 देवाल के नीचे बचल इस्साकर आ नफ्ताली नजदीक आके शहर के फाटक के तोड़ के शहर के फाटक प आग लगा देले, जवना से लोहा पिघल गईल अवुरी याकूब के सभ बेटा, उ लोग अवुरी उनुकर सभ आदमी शहर में आ गईले अवुरी सरटोन शहर के निवासी लोग से लड़ाई लड़ले अवुरी तलवार के धार से मार देले, लेकिन केहु उनुका सोझा खड़ा ना भईल।
34 लगभग दू सौ आदमी शहर से भाग गइलन आ सब लोग शहर के एगो बुर्ज में लुका गइलन आ यहूदा ओह लोग के पीछा क के बुर्ज तक ले गइलन आ ऊ बुर्ज के तोड़ दिहलन जवन आदमी लोग पर गिर गइल आ सभे मर गइलन.
35 याकूब के बेटा लोग ओह बुर्ज के छत के रास्ता पर चढ़ के देखले आ देखले कि शहर में दूर एगो अउरी मजबूत आ ऊँच बुर्ज बा आ ओकर चोटी स्वर्ग तक पहुँचल बा आ याकूब के बेटा लोग जल्दी-जल्दी नीचे उतरल आ अपना सब आदमी के साथे ओह बुर्ज में गइल आ देखले कि ऊ शहर लगभग तीन सौ आदमी, मेहरारू आ छोट लइकन से भरल बा।
36 याकूब के बेटा बुर्ज में ओ लोग के बीच बहुत मारपीट कईले अवुरी उ लोग भाग गईले अवुरी भाग गईले।

37 शिमोन आ लेवी ओह लोग के पीछा कइलन जब ऊ लोग जहाँ लुकाइल रहे ओहिजा से बारह गो पराक्रमी आ वीर आदमी ओह लोग का लगे निकलल.
38 ऊ बारह आदमी शिमोन आ लेवी से कड़ा लड़ाई लड़ले आ शिमोन आ लेवी ओह लोग पर हावी ना हो पवले आ ऊ वीर लोग शिमोन आ लेवी के ढाल तूड़ दिहल आ ओहमें से एगो लेवी के माथा पर तलवार से मार दिहलसि जब लेवी जल्दबाजी में आपन हाथ ओकरा माथा पर राख दिहलसि काहे कि ऊ तलवार से डेरा गइल आ तलवार लेवी के हाथ पर आ गइल चाहत रहे लेकिन लेवी के हाथ के काट दिहल जाए से कम।
39 लेवी ओह वीर आदमी के तलवार अपना हाथ में पकड़ के जबरन ओह आदमी से ले लिहलस आ ओकरा से ऊ ताकतवर आदमी के माथा पर मार दिहलस आ ओकर माथा काट दिहलस।
40 एगारह आदमी लेवी से लड़ाई करे खातिर नजदीक पहुंचले, काहेकि उ लोग देखले कि ओ लोग में से एगो के हत्या हो गईल बा अवुरी याकूब के बेटा लड़त रहले, लेकिन याकूब के बेटा ओ लोग प हावी ना हो पवले, काहेंकी उ लोग बहुत ताकतवर रहले।
41 याकूब के बेटा लोग अपना पर हावी ना हो पावल, शिमोन एगो जोरदार आ जबरदस्त चिल्लाहट कइलस आ एगारह गो ताकतवर लोग शिमोन के चिल्लाहट के आवाज से स्तब्ध हो गइल।
42 यहूदा दूर से शिमोन के चिल्लाहट के आवाज जानत रहले, त नफ्ताली अवुरी यहूदा अपना ढाल लेके शिमोन अवुरी लेवी के लगे भाग गईले अवुरी उनुका के ओ ताकतवर आदमी से लड़त देखले, काहेंकी उनुकर ढाल टूट गईल रहे, उ ओ लोग प हावी ना हो पावल।
43 नफ्ताली देखलस कि शिमोन आ लेवी के ढाल टूट गइल बा आ ऊ अपना नौकरन से दू गो ढाल लेके शिमोन आ लेवी के लगे ले अइले।
44 ओह दिन शिमोन, लेवी आ यहूदा तीनों से एगारह गो पराक्रमी लोग से सूर्यास्त के समय तक लड़ाई लड़ले, लेकिन उ लोग ओह लोग पर हावी ना हो पावल।
45 ई बात याकूब के बतावल गइल आ ऊ बहुते दुखी हो गइलन आ ऊ प्रभु से प्रार्थना कइलन आ ऊ आ उनकर बेटा नफ्ताली एह पराक्रमी लोग का खिलाफ चल गइलन.
46 याकूब नजदीक आके आपन धनुष खींच के ओह पराक्रमी लोग के नजदीक आके ओह लोग के तीन आदमी के धनुष से मार दिहलस आ बाकी आठ लोग पीछे मुड़ के देखलस कि ओह लोग के खिलाफ आगे आ पीछे लड़ाई चलत रहे आ ऊ लोग अपना जान से बहुत डेरा गइल आ याकूब के बेटा लोग के सामने खड़ा ना हो पावल आ ऊ लोग ओह लोग के सामने से भाग गइल।
47 भागत घरी ऊ लोग दान आ आशेर से मिलल आ ऊ लोग अचानक ओह लोग पर गिर गइल आ ओह लोग से लड़ल आ ओह लोग में से दू गो के मार दिहल आ यहूदा आ ओकर भाई लोग ओह लोग के पीछा कइल आ बाकी लोग के मार दिहल आ ओह लोग के मार दिहल.
48 याकूब के सब बेटा लौट के शहर में घूमत-फिर के खोजत रहले कि कवनो आदमी मिलता कि ना, त शहर के एगो गुफा में करीब बीस जवान मिलले अवुरी गाद अवुरी आशेर ओ सभ के मार देले अवुरी दान अवुरी नफ्ताली बाकी आदमी प रोशनी देले, जवन कि भाग गईल रहले अवुरी दूसरा बुर्ज से भाग गईल रहले अवुरी उ सभ के मार देले।
49 याकूब के बेटा सरटोन शहर के सभ निवासी के मार देले, लेकिन उ लोग शहर में छोड़ के महिला अवुरी छोट बच्चा के ना मारले।
50 आ सरटन शहर के सब निवासी ताकतवर आदमी रहले, ओहमें से एगो हजार लोग के पीछा करत रहे आ ओहमें से दू गो बाकी आदमी के दस हजार लोग से ना भागत रहले.
51 याकूब के बेटा सरटोन शहर के सभ निवासी के तलवार के धार से मार देले, ताकि केहु ओ लोग के खिलाफ ना खड़ा हो गईल अवुरी उ लोग ओ महिला के शहर में छोड़ देले।
52 याकूब के बेटा लोग शहर के सब लूट के सामान लेके जवन चाहत रहे ओकरा के पकड़ लिहल आ शहर से झुंड आ भेड़ आ संपत्ति ले लिहल आ याकूब के बेटा सरटोन आ ओकरा निवासी लोग के साथे ओइसहीं कइल जइसे चाजर आ ओकरा निवासी लोग के कइले रहे आ ऊ लोग मुड़ के चल गइल।

अध्याय 39 के बा

1 जब याकूब के बेटा सरटोन शहर से निकलल त उ लोग तपनाक के निवासी लोग से मिल के लगभग दु सौ हाथ चल गईल रहले, काहेकी उ लोग तपनाक के राजा अवुरी उनुकर सभ आदमी के मार देले रहले।
2 तपनाच शहर में जे भी बचल रहे, याकूब के बेटा लोग से लड़ाई करे निकलल आ उ लोग चाजर आ सरटोन से मिलल लूट आ लूट के वापस ले लेवे के सोचले।
3 तपनाक के बाकी लोग ओह जगह पर याकूब के बेटा लोग से लड़ाई लड़ल आ याकूब के बेटा लोग ओह लोग के मार दिहल आ ऊ लोग ओह लोग के पीछा क के अरबेलन शहर तक पहुँच गइल आ ऊ सब याकूब के बेटा लोग के सामने गिर गइल।
4 याकूब के बेटा लोग तपनाक के लूट लेवे खातिर तपनाक में वापस आके तपनच पहुंचले त सुनले कि अरबेलन के लोग अपना भाई लोग के लूट के बचावे खातिर ओ लोग से मिले निकलल बाड़े अवुरी याकूब के बेटा लोग अपना दस आदमी के तपनाक में छोड़ के शहर के लूटपाट कईले अवुरी उ लोग अरबेल के लोग के ओर निकल गईले।
5 अरबेलन के लोग अपना मेहरारू लोग के साथे याकूब के बेटा लोग से लड़ाई करे निकलल, काहे कि उनकर मेहरारू लोग लड़ाई में अनुभवी रहली आ उ लोग लगभग चार सौ मरद मेहरारू निकलल।
6 याकूब के सब बेटा जोर-जोर से चिल्लात रहले, आ सब लोग अरबेलन के निवासी लोग के ओर भाग गईले।
7 अरबेलन के निवासी याकूब के बेटा लोग के चिल्लाहट के आवाज सुनले अवुरी शेर के आवाज़ निहन अवुरी समुंदर अवुरी ओकरा लहर के गर्जना निहन गर्जना सुनले।
8 याकूब के बेटा लोग के चलते ओह लोग के दिल पर डर आ आतंक के भाव आ गइल आ ऊ लोग ओह लोग से भयंकर डेरा गइल आ ऊ लोग पीछे हट के शहर में भाग गइल आ याकूब के बेटा लोग ओह लोग के पीछा क के शहर के फाटक तक ले गइल आ ऊ लोग शहर में ओह लोग पर आ गइल.
9 याकूब के बेटा लोग शहर में ओह लोग से लड़त रहे आ ओह लोग के सब मेहरारू याकूब के बेटा लोग के खिलाफ गोफन में लागल रहली आ पूरा दिन साँझ ले ओह लोग के बीच लड़ाई बहुत भयंकर रहल।

10 याकूब के बेटा लोग ओह लोग पर हावी ना हो पावल आ याकूब के बेटा लोग ओह लड़ाई में लगभग नाश हो गइल रहे आ याकूब के बेटा लोग साँझ के ओर प्रभु से पुकारल आ बहुत ताकत मिलल आ याकूब के बेटा लोग अरबलान के सब निवासी, मरद, मेहरारू आ छोट लइकन के तलवार से मार दिहल।
11 सार्टन से भागल बाकी लोग के भी याकूब के बेटा लोग अरबेलन में मार दिहलस आ याकूब के बेटा लोग अरबेलन आ तपनाक के ओइसहीं कइल जइसे चाजर आ सरतोन के कइले रहे आ जब मेहरारू लोग देखल कि सब आदमी मर गइल बा त ऊ लोग शहर के छत पर जाके याकूब के बेटा लोग के बरखा नियर पत्थर बरसा के मार दिहल।
12 याकूब के बेटा जल्दी-जल्दी शहर में पहुंचले अवुरी सभ महिला के पकड़ के तलवार के धार से मार देले अवुरी याकूब के बेटा सभ लूट अवुरी लूट, झुंड अवुरी भेड़ अवुरी मवेशी के पकड़ लेले।
13 याकूब के बेटा लोग तपनाक, चाजर आ शिलो के जइसन मचनामा के साथे कइल आ उहाँ से मुड़ के चल गइल।
14 पाँचवाँ दिन याकूब के बेटा लोग सुनल कि गाश के लोग ओह लोग के खिलाफ लड़ाई में जुट गइल बा, काहे कि ऊ लोग अपना राजा आ ओह लोग के सेनापति के मार दिहले बा, काहे कि गाश शहर में चौदह गो सेनापति रहले आ याकूब के बेटा पहिला लड़ाई में ओह सब के मार दिहले रहले.
15 ओह दिन याकूब के बेटा लोग आपन युद्ध के हथियार पहिन के गाश के निवासी लोग के खिलाफ लड़ाई में निकलल आ गाश में अमोरी लोग के एगो मजबूत आ पराक्रमी लोग रहे आ गाश अमोरी लोग के सब शहरन में सबसे मजबूत आ सबसे बढ़िया किलाबंदी वाला शहर रहे आ एकर तीन गो देवाल रहे।
16 याकूब के बेटा गाश पहुंचले त उ लोग शहर के फाटक बंद देखले अवुरी सबसे बाहरी देवाल के चोटी प करीब पांच सौ आदमी खड़ा रहले अवुरी समुंदर के किनारे बालू निहन संख्या में लोग याकूब के बेटा शहर के बाहर से ओकरा पीछे से घात लगा के बईठल रहले।
17 याकूब के बेटा लोग शहर के फाटक खोले खातिर नजदीक पहुंचले अवुरी जब उ लोग शहर के पीछे घात लगा के बईठल लोग अपना जगह से निकल के याकूब के बेटा के घेर लेले।
18 याकूब के बेटा गाश के लोग के बीच में बंद रहले अवुरी लड़ाई ओ लोग के आगे अवुरी पीछे दुनो ओर रहे अवुरी देवाल प सवार सभ आदमी देवाल से तीर अवुरी पत्थर फेंकत रहले।
19 यहूदा ई देख के कि गाश के लोग उनकरा खातिर बहुत भारी हो रहल बा, ऊ एगो बेधक आ जबरदस्त चिल्लाहट कइलस आ यहूदा के चिल्लाहट के आवाज से गाश के सब आदमी डेरा गइलन आ उनकर शक्तिशाली चिल्लाहट से लोग देवाल से गिर गइलन आ शहर के बाहर आ भीतर के सब लोग अपना जान से बहुत डेरा गइलन।
20 याकूब के बेटा लोग अबहियों शहर के दरवाजा तोड़े के नजदीक आवत रहले, जब गाश के लोग देवाल के चोटी से पत्थर अवुरी तीर फेंक के फाटक से भाग गईले।
21 याकूब के बेटा लोग गाश के लोग के खिलाफ वापस आ गईले, जवन कि शहर के बाहर से उनुका संगे रहले अवुरी लौकी के मारत ओ लोग के भयंकर मार देले अवुरी याकूब के बेटा के खिलाफ खड़ा ना हो पवले, काहेंकी यहूदा के चिल्लाहट से उ लोग के डर अवुरी आतंक के शिकार हो गईल रहे।
22 याकूब के बेटा लोग शहर से बाहर के सब आदमी के मार दिहल आ याकूब के बेटा लोग अबहियों शहर में प्रवेश करे आ शहर के देवाल के नीचे लड़ाई करे खातिर नजदीक आवत रहे, लेकिन गाश के सब निवासी जे शहर में बचल रहले, उ लोग गाश के देवाल के हर दिशा में घेर लेले रहले, जवना से याकूब के बेटा शहर के नजदीक ना पहुंच पवले।
23 याकूब के बेटा देवाल के नीचे लड़ाई करे खातिर एक कोना के नजदीक पहुंचले, गाश के निवासी बरखा के बरखा निहन ओ लोग प तीर अवुरी पत्थर फेंकले अवुरी देवाल के नीचे से भाग गईले।
24 देवाल पर बइठल गाश के लोग ई देख के कि याकूब के बेटा देवाल के नीचे से ओह लोग पर हावी ना हो पावत रहले आ याकूब के बेटा लोग के एह बात से निंदा कइलन।
25 लड़ाई में तोहरा के कवन बात बा कि तू जीत ना पाईब? का रउवां गाश के पराक्रमी शहर आ ओकरा निवासी लोग के साथे ओइसन कर सकत बानी जवन अमोरी लोग के शहरन के साथे कइले रहनी जवन एतना ताकतवर ना रहे? हमनी में से ओह कमजोर लोग के तूँ ऊ काम कइनी आ शहर के प्रवेश द्वार पर मार दिहलऽ काहे कि तोहरा चिल्लाहट के आवाज से ऊ लोग डेरा गइल त ओह लोग के कवनो ताकत ना रहे.
26 का तू अब एह जगह पर लड़ाई लड़ पाईब? इहाँ रउआ सभे मरब, आ हमनी के ओह शहरन के बदला लेब जा जवना के रउआ उजाड़ देले बानी।
27 गाश के निवासी याकूब के बेटा लोग के बहुत निंदा कईले अवुरी अपना देवता के संगे गारी देले अवुरी देवाल से ओ लोग प तीर अवुरी पत्थर चलावत रहले।
28 यहूदा आ उनकर भाई लोग गाश के निवासी लोग के बात सुन के उनकर गुस्सा बहुत भड़क उठल आ यहूदा के एह मामला में अपना परमेश्वर से ईर्ष्या भइल आ ऊ चिल्ला के कहले, "हे प्रभु, मदद करऽ, हमनी के आ हमनी के भाई लोग के मदद भेजऽ।"
29 ऊ आपन खींचाइल तलवार लेके दूर-दूर तक दौड़ल आ अपना ताकत के बल पर धरती से उछल के देवाल पर चढ़ गइल आ ओकर तलवार ओकरा हाथ से गिर गइल।
30 यहूदा देवाल पर चिल्ला उठल आ देवाल पर बइठल सब आदमी घबरा गइलन आ कुछ लोग देवाल से गिर के शहर में मर गइलन आ देवाल पर जे लोग अबहीं ले यहूदा के ताकत देख के बहुते डेरा गइलन आ सुरक्षित खातिर शहर में आपन जान बचावे खातिर भाग गइलन.
31 कुछ लोग के हिम्मत होके देवाल पर यहूदा से लड़े के हिम्मत भइल आ ऊ लोग देख के कि यहूदा के हाथ में तलवार नइखे, ओकरा के मारे के नजदीक आ गइल आ ऊ लोग ओकरा के देवाल से ओकरा भाई लोग के लगे फेंके के सोचल आ शहर के बीस आदमी ओह लोग के सहायता करे खातिर चढ़ गइल आ ऊ लोग यहूदा के घेर लिहल आ सब लोग ओकरा पर चिल्ला के ओकरा लगे पहुँचल आ तलवार खींच के ओकरा लगे आ गइल आ ऊ लोग डेरा गइल यहूदा आ यहूदा देवाल से अपना भाई लोग से चिल्लात रहले।
32 याकूब आ उनकर बेटा देवाल के नीचे से धनुष खींच के देवाल के चोटी पर मौजूद तीन आदमी के मार दिहले आ यहूदा चिल्लात रहलन आ ऊ चिल्लात रहलन कि हे प्रभु हमनी के मदद करीं, हे प्रभु हमनी के बचाईं, आ ऊ देवाल पर जोर से चिल्ला के चिल्लात रहलन आ ई चिल्लाहट बहुत दूर से सुनाई पड़ल।

33 एह चिल्लाहट के बाद ऊ फेर से चिल्लात रहले आ देवाल के चोटी पर यहूदा के घेरले सब आदमी डेरा गइलन आ यहूदा के चिल्लाहट आ ओकर कंपकंपी के आवाज सुन के ऊ लोग हर केहू अपना हाथ से तलवार फेंक के भाग गइलन.
34 यहूदा ओह लोग के हाथ से गिरल तलवार लेके चलल आ यहूदा ओह लोग से लड़ के बीस आदमी के देवाल पर मार दिहलस।
35 लगभग अस्सी मरद मेहरारू अबहियो शहर से देवाल पर चढ़त रहले आ सभे यहूदा के घेरले रहले आ प्रभु ओह लोग के दिल में यहूदा के डर के छाप दिहलन कि ऊ लोग ओकरा लगे ना जा पावल.
36 याकूब आ उनकर साथ के सब लोग देवाल के नीचे से धनुष खींच के देवाल पर दस आदमी के मार दिहल आ देवाल के नीचे याकूब आ उनकर बेटा लोग के सामने गिर गइल।
37 देवाल पर मौजूद लोग ई देख के कि आपन बीस आदमी गिर गइल बा, तबो ऊ लोग तलवार लेके यहूदा के ओर भागल, लेकिन यहूदा के ताकत से ऊ लोग ओकरा लगे ना पहुँच पावल।
38 ओह लोग के एगो पराक्रमी, जेकर नाम अरुद रहे, अपना तलवार से यहूदा के माथा पर मारे खातिर नजदीक आ गइल जब यहूदा जल्दबाजी में आपन ढाल ओकरा माथा पर डाल दिहलस आ तलवार ढाल से टकरा गइल आ ऊ दू भाग में फाट गइल।
39 ई पराक्रमी यहूदा के मारला के बाद यहूदा के डर से आपन जान बचावे खातिर भागल आ ओकर गोड़ देवाल पर फिसल गइल आ ऊ देवाल के नीचे रहे वाला याकूब के बेटा लोग के बीच गिर गइल आ याकूब के बेटा ओकरा के मार के मार दिहलस।
40 ओह ताकतवर आदमी के मार से यहूदा के माथा दुखी हो गइल आ यहूदा के मौत लगभग मर गइल रहे।
41 दान के बात सुन के यहूदा देवाल पर चिल्ला उठल आ ओकर क्रोध ओकरा भीतर जर गइल आ ऊ भी उठ के दूर से चल गइल आ दौड़ के धरती से उछल के अपना क्रोध से उत्तेजित ताकत से देवाल पर चढ़ गइल।
42 जब दान यहूदा के नजदीक देवाल प पहुंचल त देवाल प सवार सभ आदमी भाग गईले, जवन कि यहूदा के खिलाफ खड़ा रहले अवुरी दूसरा देवाल प चढ़ गईले अवुरी दूसरा देवाल से दान अवुरी यहूदा प तीर अवुरी पत्थर फेंकले अवुरी देवाल से भगावे के कोशिश कईले।
43 दान आ यहूदा पर तीर आ पत्थर लागल आ देवाल पर लगभग मारल गइल रहे आ जहाँ जहाँ दान आ यहूदा देवाल से भागल, दूसरा देवाल से तीर आ पत्थर से हमला हो गइल।
44 याकूब आ उनकर बेटा लोग अभी भी पहिला देवाल के नीचे शहर के प्रवेश द्वार पर रहे आ दूसरा देवाल पर रहला के चलते उ लोग शहर के निवासी लोग के खिलाफ आपन धनुष ना खींच पवले।
45 दान आ यहूदा जब दूसरा देवाल से गिरल पत्थर आ तीर के सहन ना कर पवले त दुनो लोग शहर के लोग के लगे दूसरा देवाल प उछल गईले अवुरी जब दूसरा देवाल प बईठल शहर के लोग देखले कि दान अवुरी यहूदा दूसरा देवाल प उनुका लगे आ गईल बाड़े त उ सब चिल्ला के देवाल के बीच से नीचे उतर गईले।
46 याकूब आ उनकर बेटा लोग शहर के लोग के ओर से चिल्लाहट के आवाज सुन के शहर के प्रवेश द्वार पर ही दान आ यहूदा के लेके बेचैन रहे, जवन कि दूसरा देवाल पर ना लउकल।
47 नफ्ताली अपना क्रोध से उत्तेजित ताकत से चढ़ के पहिला देवाल पर उछल के देखलस कि शहर में जवन चिल्लाहट के आवाज सुनले रहले, ओकरा के का चलते बा, त इस्साकर अवुरी जबबुलन शहर के दरवाजा तोड़े खाती नजदीक पहुंचले अवुरी शहर के फाटक खोल के शहर में आ गईले।
48 नफ्ताली पहिला देवाल से दूसरा देवाल तक कूद के आपन भाई लोग आ देवाल पर मौजूद गाश के निवासी लोग के सहायता करे अइले, ई देख के कि नफ्ताली तीसरा देवाल हवे जे अपना भाई लोग के सहायता करे खातिर चढ़ल बा, ऊ सब भाग के शहर में उतर गइलन आ याकूब आ उनकर सब बेटा आ उनकर सब नवही ओह लोग के लगे शहर में आ गइलन।
49 यहूदा आ दान आ नप्ताली देवाल से उतर के शहर में आके शहर के निवासी लोग के पीछा करे लगले आ शिमोन आ लेवी शहर के बाहर के रहले आ ना जानत रहले कि फाटक खुलल बा, आ उहाँ से देवाल पर चढ़ के शहर में अपना भाई लोग के लगे उतरले।
50 शहर के निवासी सब लोग शहर में उतर गईल रहले अवुरी याकूब के बेटा अलग-अलग दिशा में ओ लोग के लगे पहुंचले अवुरी आगे अवुरी पीछे से ओ लोग के खिलाफ लड़ाई भईल अवुरी याकूब के बेटा ओ लोग के भयानक मार देले अवुरी ओ लोग में से करीब बीस हजार मरद-मेहरारू के हत्या क देले, जवना में से एकहु याकूब के बेटा के खिलाफ खड़ा ना हो पावल।
51 शहर में खून बहुत बहत रहे आ पानी के धार निहन रहे अवुरी खून नदी निहन शहर के बाहरी हिस्सा में बहत रहे अवुरी बेतकोरिन के रेगिस्तान तक पहुंच गईल।
52 बेतकोरिन के लोग दूर से गाश शहर से खून बहत देखले आ ओह लोग के बीच से करीब सत्तर आदमी खून देखे खातिर दौड़ल आ ऊ लोग ओहिजा पहुँचल जहाँ खून रहे।
53 ऊ लोग खून के राह पर चल के गाश शहर के देवाल पर पहुँचल आ शहर से खून निकलत देखल आ गाश के निवासी लोग के ओर से चिल्लाहट के आवाज सुनल, काहे कि ऊ आकाश में चढ़ गइल आ खून पानी के धार नियर भरपूर बहत रहे।
54 याकूब के सब बेटा अबहियो गाश के निवासी लोग के मारत रहले आ साँझ ले ओह लोग के मारे में लागल रहले, लगभग बीस हजार मरद मेहरारू आ चोरिन के लोग कहल कि, "इब्रानियन के काम ई काम ह, काहे कि ऊ लोग अबहियों अमोरी लोग के सगरी शहरन में लड़ाई लड़त बा."
55 ऊ लोग जल्दी-जल्दी बेतकोरिन में भागल आ हर केहू आपन-आपन युद्ध के हथियार लेके बेतकोरिन के सब निवासी लोग से चिल्ला के कहलस कि ऊ लोग भी आपन युद्ध के हथियार पहिनले रहे कि याकूब के बेटा लोग के साथे लड़ाई लड़े।
56 जब याकूब के बेटा गाश के निवासी लोग के मार देले त उ लोग शहर में घूम-घूम के सभ मारल गईल लोग के कपड़ा उतार देले अवुरी शहर के भीतरी हिस्सा में आके अवुरी दूर तक तीन बहुत ताकतवर आदमी से मुलाकात कईले अवुरी उनुका हाथ में कवनो तलवार ना रहे।
57 याकूब के बेटा जहाँ उ लोग रहले, उहाँ चढ़ गईले अवुरी ताकतवर लोग भाग गईले अवुरी ओ लोग में से एगो जबूलून के पकड़ लेले रहले, जवना के उ छोट लईका अवुरी छोट कद के देखले अवुरी अपना ताकत से ओकरा के जमीन प गिरा देले रहले।

58 याकूब तलवार लेके ओकरा लगे भाग गईले अवुरी याकूब तलवार से उनुका के कमर के नीचे मार के दु भाग में काट देले अवुरी लाश जबूलून प गिर गईल।
59 दूसरका नजदीक आके याकूब के पकड़ के जमीन पर गिरा दिहलस, याकूब ओकरा ओर मुड़ के चिल्ला के कहलस, जबकि शिमोन आ लेवी दौड़ के तलवार से ओकरा कूल्हि प मार के जमीन प गिरा देले।
60 ऊ ताकतवर आदमी क्रोध से उठ के जमीन से उठल आ ओकर गोड़ पकड़े से पहिले यहूदा ओकरा लगे आके ओकरा माथा पर तलवार से मार दिहलस आ ओकर माथा फाट गइल आ ऊ मर गइल.
61 तीसरा ताकतवर आदमी अपना साथी लोग के मारल देख के याकूब के बेटा लोग के सामने से भाग गईल अवुरी याकूब के बेटा शहर में उनुकर पीछा कईले। आ जब ऊ ताकतवर आदमी भागत रहे त ओकरा शहर के निवासी लोग के एगो तलवार मिलल आ ऊ ओकरा के उठा के याकूब के बेटा लोग के ओर मुड़ल आ ओह तलवार से लड़ल।
62 ऊ ताकतवर आदमी तलवार से ओकर माथा पर मारे खातिर यहूदा के ओर भागल, आ यहूदा के हाथ में कवनो ढाल ना रहे। आ जब ऊ ओकरा के मारे के निशाना बनावत रहे त नफ्ताली जल्दबाजी में ओकर ढाल लेके यहूदा के माथा पर रख दिहलस आ ओह ताकतवर आदमी के तलवार नप्ताली के ढाल पर लागल आ यहूदा तलवार से बच गइल।
63 शिमोन आ लेवी अपना तलवार से ओह ताकतवर आदमी पर दौड़ के जबरन तलवार से मार दिहले आ दुनु तलवार ओह ताकतवर के शरीर में घुस के ओकरा के लंबाई के हिसाब से दू भाग में बाँट दिहले.
64 ओह घरी याकूब के बेटा गाश के सब निवासी के साथे तीनों पराक्रमी लोग के मार दिहलन आ दिन खतम होखे वाला रहे।
65 याकूब के बेटा लोग गाश के चारों ओर घूम के शहर के सब लूट के सामान लेके चल गईले, उहो छोट-छोट अवुरी मेहरारू के जिए के मौका ना देले अवुरी याकूब के बेटा गाश के ओसही कईले जईसे उ लोग सरतोन अवुरी शिलो के कईले रहले।

अध्याय 40 के बा

1 याकूब के बेटा गाश के सब लूट के लेके रात में शहर से बाहर निकल गईले।
2 ऊ लोग बेतकोरिन के महल के ओर बढ़त निकलल रहे आ बेथकोरिन के निवासी लोग ओह लोग से मिले खातिर महल में जात रहे आ ओह रात याकूब के बेटा बेथकोरिन के महल में बेतकोरिन के निवासी लोग से लड़ाई लड़ले।
3 बेथकोरिन के सब निवासी पराक्रमी रहले, ओहमें से एगो हजार आदमी के सामने से ना भागल, आ ओह रात ऊ लोग महल पर लड़ाई लड़ल आ ओह रात दूर से ओह लोग के चिल्लाहट सुनाई पड़ल आ ओह लोग के चिल्लाहट से धरती काँप गइल।
4 याकूब के सब बेटा ओ लोग से डेरा गईले, काहेकी उ लोग के अन्हार में लड़ाई करे के आदत ना रहे, अवुरी उ लोग बहुत परेशान हो गईले अवुरी याकूब के बेटा प्रभु से चिल्लात कहले कि, हे प्रभु, हमनी के मदद कर, हमनी के बचाई ताकि हमनी के ए खतना ना भईल आदमी के हाथ से ना मरी जा।
5 परमेस् वर याकूब के बेटा लोग के आवाज सुनले आ बेतकोरिन के लोग के पकड़े खातिर प्रभु बहुत आतंक आ उलझन पैदा कर दिहलन आ रात के अन्हार में एक दूसरा से एक दूसरा से लड़त रहलन आ एक दूसरा के बहुत संख्या में मार दिहलन।
6 याकूब के बेटा लोग ई जान के कि प्रभु ओह लोग के बीच विकृतता के भावना ले आइल बाड़न आ हर आदमी अपना पड़ोसी से लड़त बाड़न, बेतकोरिन के लोग के दल के बीच से निकल के बेतकोरिन के महल के नीचे आ अउरी दूर तक चल गइलन आ ओह रात उ लोग अपना नवही लोग के साथे सुरक्षित रूप से रुक गइलन।
7 बेथकोरिन के लोग पूरा रात लड़त रहल, एक आदमी अपना भाई से आ दूसरा अपना पड़ोसी से, आ ऊ लोग महल पर चारो ओर चिल्लात रहल आ दूर से उनकर चिल्लाहट सुनाई पड़ल आ पूरा धरती ओह लोग के आवाज से हिल गइल, काहे कि ऊ लोग धरती के सब लोग से ऊपर ताकतवर रहे।
8 ओह रात कनान, हित्ती, अमोरी, हिवी आ कनान के सब राजा आ यरदन के ओह पार के लोग के शहरन के सब लोग ओह रात के चिल्लाहट के आवाज सुनले।
9 ऊ लोग कहल, "सचहूँ इब्रानियन के लड़ाई ह जवन सात गो शहरन से लड़त बा, जे ओह लोग के नजदीक आइल रहे। आ ओह इब्रानियन के खिलाफ के खड़ा हो सकेला?
10 कनान के शहरन के सब निवासी आ यरदन के ओह पार के सब लोग याकूब के बेटा लोग से बहुते डेरा गइलन काहे कि ऊ लोग कहल कि, "देखीं हमनी के साथे भी उहे होई जइसन ओह शहरन के साथे भइल रहे, काहे कि ओह लोग के पराक्रमी ताकत के खिलाफ के खड़ा हो सकेला?"
11 ओह रात कोरिन के लोग के पुकार बहुते बढ़ल आ बढ़त गइल। उ लोग सबेरे तक एक दूसरा के मारपीट कईले अवुरी संख्या में मारल गईले।
12 भोर भइल आ याकूब के सब बेटा भोर में उठ के महल में चढ़ गइलन आ कोरीनी लोग में से बचल लोग के भयंकर तरीका से मार दिहलन आ सब लोग महल में मार दिहल गइल।
13 छठवाँ दिन लउकल त कनान के सब लोग दूर से बेथकोरिन के सब लोग के बेथकोरिन के महल में मरल पड़ल देखले आ मेमना आ बकरी के लाश नियर बिखराइल बाड़े।
14 याकूब के बेटा लोग गाश से पकड़ल सब लूट के लेके बेतकोरिन चल गईले अवुरी उ लोग के शहर समुंदर के बालू निहन लोग से भरल मिलल अवुरी उ लोग ओ लोग से लड़त रहले अवुरी याकूब के बेटा उहाँ शाम तक ओ लोग के मार देले।
15 याकूब के बेटा बेतकोरिन के साथे ओइसहीं कइलन जइसे ऊ लोग गाश आ तपनाक के कइल आ चाजर, सरतोन आ शिलो के साथे कइल।
16 याकूब के बेटा बेतकोरिन के लूट आ शहरन के सब लूट के अपना साथे लेके ओह दिन शेकेम के घरे चल गईले।
17 याकूब के बेटा लोग शेकेम शहर में घरे पहुंचले अवुरी उ लोग शहर से बाहर रह गईले अवुरी ओकरा बाद उ लोग युद्ध से उहाँ आराम कईले अवुरी रात भर उहाँ रहले।
18 आऊ उनकर सब नौकर शहरन से लेहल सब लूट के साथे शहर से बाहर निकल गइलन आ शहर में ना घुसल काहे कि ऊ लोग कहत रहे कि शायद हमनी के खिलाफ अउरी लड़ाई हो सकेला आ ऊ लोग हमनी के शेकेम में घेराबंदी करे आ सकेला।

19 याकूब आ उनकर बेटा आ उनकर नौकर ओह रात आ अगिला दिने ओह खेत के हिस्सा में रहले जवन याकूब हमोर से पांच शेकेल में ख़रीदले रहले आ जवन कुछ पकड़ले रहले ऊ सब ओह लोग के साथे रहे।
20 याकूब के बेटा जवन लूट के पकड़ले रहले, उ सब खेत के हिस्सा में रहे, जवन कि समुंदर के किनारे बालू निहन भारी रहे।
21 देश के निवासी दूर से ओ लोग के देखत रहले अवुरी देश के सभ निवासी याकूब के बेटा से डेरा गईले, जवन कि इ काम कईले रहले, काहेंकी पहिले से कवनो राजा अयीसन ना कईले रहले।
22 कनान के सात राजा याकूब के बेटा लोग से मेल मिलाप करे के ठान लिहले काहे कि याकूब के बेटा लोग के चलते उ लोग अपना जान से बहुत डेरा गईले।
23 ओह दिन सातवाँ दिन हेब्रोन के राजा याफिया आइ के राजा, गिबोन के राजा, शालेम के राजा, अदुलम के राजा, लाकीश के राजा, चाजर के राजा आऊ कनान के राजा लोग के लगे चुपके से भेजले, जवन कि ओह लोग के अधीन रहलन।
24 हमरा साथे चढ़ के हमरा लगे आवऽ कि हमनी के याकूब के बेटा लोग के लगे जाइब जा आ हम ओह लोग से मेल मिलाप कर के ओह लोग से एगो संधि करब जा, कहीं याकूब के बेटा लोग के तलवार से तोहार सब देश नष्ट ना हो जाव, जइसे कि ऊ लोग शेकेम आ ओकरा आसपास के शहरन के नाश कइले रहे, जइसन कि रउआ सुनले आ देखले बानी।
25 जब तू हमरा लगे अइब त ढेर आदमी के साथे मत आईं, बलुक हर राजा अपना तीन गो सरदार के ले आवे के चाहीं आ हर कप्तान अपना तीन गो अफसर के ले आवे के चाहीं।
26 तोहनी सभे हेब्रोन आके हमनी के याकूब के बेटा लोग के लगे जाके निहोरा करब जा कि उ लोग हमनी के संगे शांति के संधि करस।
27 ऊ सब राजा ओइसहीं कइलन जइसे हेब्रोन के राजा भेजले रहले, काहे कि ऊ सब लोग उनकर सलाह आ आज्ञा के तहत रहे आ कनान के सब राजा याकूब के बेटा लोग के लगे जाए खातिर जुटल रहले। याकूब के बेटा लोग वापस आके शेकेम के खेत के हिस्सा में चल गईले, काहेकी उ लोग देश के राजा लोग प भरोसा ना करत रहले।
28 याकूब के बेटा लौट के दस दिन तक खेत के हिस्सा में रहले अवुरी केहु ओ लोग से लड़ाई करे ना आईल।
29 जब याकूब के बेटा लोग देखल कि युद्ध के कवनो प्रकार नईखे, त सब लोग जुट गईले अवुरी शेकेम शहर में चल गईले अवुरी याकूब के बेटा शेकेम में रह गईले।
30 चालीस दिन बीतला के बाद अमोरी लोग के सब राजा अपना जगह से जुट के हेब्रोन के राजा याफिया में आ गईले।
31 याकूब के बेटा लोग से मेल मिलाप करे खातिर हेब्रोन में आइल राजा लोग के संख्या इक्कीस राजा रहे आ ओह लोग के साथे आवे वाला सेनापति लोग के संख्या उनसठ रहे आ ओह लोग के आदमी एक सौ उनसी लोग रहे आ ई सब राजा आ उनकर आदमी हेब्रोन पहाड़ के किनारे आराम करत रहले।
32 हेब्रोन के राजा अपना तीनों सेनापति अवुरी नौ आदमी के संगे निकल गईले अवुरी इ राजा याकूब के बेटा के लगे जाके मेल मिलाप करे के फैसला कईले।
33 उ लोग हेब्रोन के राजा से कहलस, "तू अपना आदमी के संगे हमनी के आगे जाके याकूब के बेटा से हमनी के ओर से बात कर, त हमनी के तोहरा पीछे आके तोहार बात के पुष्टि करब अवुरी हेब्रोन के राजा अयीसन कईले।
34 याकूब के बेटा लोग सुनल कि कनान के सब राजा हेब्रोन में जुट गईल बाड़े अवुरी आराम कईले बाड़े अवुरी याकूब के बेटा अपना चार गो नौकर के जासूसी बना के कहले कि, जाके ए राजा के जासूसी करीं अवुरी ओ लोग के आदमी के खोज अवुरी जांच करीं कि उ लोग कम बाड़े कि बहुत, अवुरी जदी संख्या में बहुत कम बाड़े त सभके गिनती क के वापस आ जाईं।
35 याकूब के सेवक लोग गुप्त रूप से एह राजा लोग के लगे गईले अवुरी याकूब के बेटा लोग के आदेश के मुताबिक काम कईले अवुरी ओ दिन उ लोग याकूब के बेटा के लगे वापस आके कहले कि, हमनी के ओ राजा लोग के लगे आईल रहनी अवुरी संख्या में उ लोग बहुत कम बाड़े अवुरी हमनी के सभके गिनती कईनी।
36 याकूब के बेटा लोग कहले, "उ लोग के संख्या कम बा, एहसे हमनी के सब केहू ओ लोग के लगे ना जाईब जा। सबेरे याकूब के बेटा उठ के अपना बंसठ आदमी के चुनले अवुरी याकूब के दस बेटा ओ लोग के संगे चल गईले। उ लोग अपना युद्ध के हथियार पहिनले रहले, काहेकि उ लोग कहले रहले कि, उ लोग हमनी से लड़ाई करे आईल बाड़े, काहेकी उ लोग ना जानत रहले कि उ लोग उनुका संगे मेल मिलाप करे आईल बाड़े।
37 याकूब के बेटा लोग अपना नौकरन के साथे शेकेम के फाटक पर ओह राजा लोग के ओर चल गइलन आ उनकर बाप याकूब ओह लोग के साथे रहले।
38 जब ऊ लोग बाहर निकलल त देखलस कि हेब्रोन के राजा आ ओकर तीन गो सेनापति आ ओकरा साथे नौ आदमी सड़क पर याकूब के बेटा लोग के खिलाफ आवत रहले आ याकूब के बेटा लोग दूर से देखलन कि हेब्रोन के राजा याफिया अपना सेनापति लोग के साथे ओह लोग के ओर आवत बा आ याकूब के बेटा लोग शेकेम के फाटक के जगह पर खड़ा होके मर गइलन आगे ना बढ़ल जाव.
39 हेब्रोन के राजा आ ओकर सेनापति लोग आगे बढ़त रहल जब तक कि ऊ याकूब के बेटा लोग के नजदीक ना पहुँच गइल आ ऊ आ ओकर सेनापति लोग जमीन पर प्रणाम कइल आ हेब्रोन के राजा अपना सेनापति लोग के साथे याकूब आ उनकर बेटा लोग के सामने बइठल।
40 याकूब के बेटा लोग ओकरा से पूछले, "हे हेब्रोन के राजा, तोहरा का भईल बा? आज हमनी के लगे काहे आईल बाड़? तू हमनी से का माँगत बाड़ऽ? हेब्रोन के राजा याकूब से कहलस, "हमार मालिक तोहरा से निहोरा करत बानी कि आज कनान के सब राजा तोहरा से मेल मिलाप करे आइल बाड़े।"
41 याकूब के बेटा हेब्रोन के राजा के बात सुनले अवुरी उनुका बात प सहमत ना भईले, काहेंकी याकूब के बेटा के उनुका प कवनो विश्वास ना रहे, काहेंकी उ लोग सोचत रहले कि हेब्रोन के राजा ओ लोग से धोखा से बात कईले बाड़े।
42 याकूब के बेटा लोग के बात से हेब्रोन के राजा के पता चलल कि उ लोग उनुकर बात प विश्वास ना कईले, त हेब्रोन के राजा याकूब के नजदीक आके कहलस, "हे मालिक, हम तोहरा से निहोरा करतानी कि इ भरोसा दिआव कि इ सभ राजा आपके लगे शांति से आईल बाड़े, काहेंकी उ लोग अपना सभ आदमी के संगे नईखन आईल, ना ही उ लोग अपना संगे आपन युद्ध के

हथियार लेके आईल बाड़े हमरा मालिक आ उनकर बेटा लोग से शांति माँगे खातिर।
43 याकूब के बेटा हेब्रोन के राजा के जवाब देले कि, "तू ए सब राजा के लगे भेज द, अवुरी जदी तू हमनी से सच बोलतारी त उ लोग के एक-एक क के हमनी के सोझा आवे के चाही अवुरी जदी उ लोग हमनी के लगे निहत्था आईल बाड़े त हमनी के पता चल जाई कि उ लोग हमनी से शांति के तलाश करतारे।
44 हेब्रोन के राजा याफिया अपना एगो आदमी के राजा लोग के लगे भेजले, त उ सब याकूब के बेटा के सोझा आके जमीन प प्रणाम कईले अवुरी इ राजा याकूब अवुरी उनुका बेटा के सोझा बईठ गईले अवुरी उ लोग से बात कईले।
45 हमनी के ऊ सब सुनले बानी जा जवन तू अपना तलवार आ बहुते ताकतवर बांह से अमोरी राजा लोग के साथे कइले रहलू ताकि केहू तोहरा सोझा खड़ा ना हो सके आ हमनी के जान के खातिर तोहरा से डेरात रहनी जा, कहीं हमनी के भी ओइसन ना आ जाव जइसे ओह लोग पर भइल रहे।
46 हमनी के बीच में शांति के संधि बनावे खातिर तोहनी के लगे आइल बानी जा आ अब हमनी के साथे शांति आ सच्चाई के वाचा करावत बानी जा कि रउआ हमनी के बीच दखल मत देब जा, काहे कि हमनी के तोहनी में दखल ना देनी जा।
47 याकूब के बेटा लोग जान गईल कि उ लोग सचमुच उनुका से शांति मांगे आईल बाड़े अवुरी याकूब के बेटा ओ लोग के बात सुनले अवुरी उनुका संगे वाचा कईले।
48 याकूब के बेटा लोग किरिया खइले कि ऊ लोग ओह लोग में दखल ना देब आ कनान के सब राजा भी किरिया खइले आ याकूब के बेटा लोग ओह दिन से ओह लोग के कर दे दिहल।
49 एकरा बाद एह राजा लोग के सब सेनापति याकूब आ उनकर बेटा खातिर उपहार लेके अपना आदमी के साथे याकूब के सामने अइले आ ऊ लोग ओकरा के जमीन पर प्रणाम कइल।
50 तब ई राजा लोग याकूब के बेटा लोग से निहोरा कइलन आ निहोरा कइलन कि अमोरी लोग के सात गो शहरन से मिलल लूट के वापस कर दिहल जाव आ याकूब के बेटा लोग अइसन कइल आ ऊ लोग जवन कुछ पकड़ले रहे, ऊ सब मेहरारू, छोट-छोट, मवेशी आ सगरी लूट के सामान वापस कर दिहल आ ऊ लोग ओह लोग के भेज दिहल आ ऊ लोग हर केहू अपना शहर में चल गइल.
51 ई सब राजा फिर से याकूब के बेटा लोग के प्रणाम कइलन आ ऊ लोग ओह दिनन में ओह लोग खातिर बहुत उपहार भेजल भा ले आइल आ याकूब के बेटा लोग एह राजा लोग आ ओह लोग के आदमी के भेज दिहल आ ऊ लोग शांति से ओह लोग से दूर अपना शहरन में चल गइल आ याकूब के बेटा लोग भी अपना घर, शेकेम में वापस आ गइल।
52 ओह दिन से याकूब के बेटा आ कनान के राजा लोग के बीच शांति बनल जब तक कि इस्राएल के लोग कनान के देश के उत्तराधिकारी ना बन गइल।

अध्याय 41 के बा

1 साल के क्रांति के समय याकूब के बेटा शेकेम से निकल के हेब्रोन, अपना पिता इसहाक के लगे पहुंचले अवुरी उहाँ रह गईले, लेकिन शेकेम में रोज अपना भेड़-बड़ के चरवाहा करत रहले, काहेंकी ओ समय उहाँ बढ़िया अवुरी मोट चारागाह रहे अवुरी याकूब अवुरी उनुकर बेटा अवुरी उनुकर पूरा घर हेब्रोन के घाटी में रहत रहले।
2 ओही दिन याकूब के जीवन के सौ छठवाँ साल में याकूब के पदान-अराम से अइला के दसवाँ साल में याकूब के मेहरारू लीआ के मौत हो गइल। जब ऊ हेब्रोन में मर गइली त ऊ एकवन साल के रहली.
3 याकूब आ उनकर बेटा लोग ओकरा के हेब्रोन में मकपेला के खेत के गुफा में दफना दिहल जवन अब्राहम हेत के लोग से खरीदले रहले, जवन कि दफन के जगह के मालिकाना हक खातिर खरीदले रहले।
4 याकूब के बेटा लोग अपना बाप के साथे हेब्रोन के घाटी में रहत रहले आ ओह देश के सब निवासी आपन ताकत जानत रहले आ पूरा देश में उनकर प्रसिद्धि मिल गइल।
5 याकूब के बेटा यूसुफ आ उनकर भाई बिन्यामीन, याकूब के मेहरारू राहेल के बेटा, ओह घरी अभी छोट रहले आ अमोरी लोग के सब शहरन में लड़ाई के दौरान अपना भाई लोग के साथे ना निकलत रहले।
6 जब यूसुफ अपना भाई लोग के ताकत आ ओह लोग के महानता देखलन त ऊ ओह लोग के तारीफ कइलन आ ओह लोग के बड़ाई कइलन बाकिर ऊ अपना के ओह लोग से बड़का दर्जा दिहलन आ ओह लोग से अधिका अपना के बड़ाई कइलन. आ ओकर बाप याकूब भी ओकरा से अपना कवनो बेटा से अधिका प्यार करत रहले, काहे कि ऊ बुढ़ापा के बेटा रहले आ ओकरा से प्रेम के चलते ऊ ओकरा के कई रंग के कोट बनवले रहले.
7 जब यूसुफ देखलस कि उनकर बाप अपना भाई लोग से जादे प्यार करेलन त उ अपना भाई लोग से ऊपर उठत रहलन आ उ लोग के बारे में अपना पिता के बुरा खबर देले।
8 याकूब के बेटा लोग यूसुफ के पूरा आचरण देख के कि उनकर पिता उनका से केहू से जादे प्यार करत रहले, त उ लोग उनुका से नफरत कईले अवुरी पूरा दिन उनुका से शांति से बात ना क पवले।
9 यूसुफ सतरह साल के रहले, उ अभी भी अपना भाई लोग से ऊपर बढ़े के सोचत रहले।
10 ओही घरी ऊ सपना देखलन आ अपना भाई लोग के लगे आके आपन सपना बतवले आ कहलन कि हम सपना देखले रहनी आ देखऽ कि हमनी के सब केहू खेत में गुच्छा बान्हत रहनी जा आ हमार गुच्छा उठ के जमीन पर खड़ा हो गइल आ तोहार गुच्छा ओकरा के घेर के ओकरा सामने झुक गइल।
11 उनकर भाई लोग उनकरा से पूछले, "ई सपना जवन तू सपना में देखले रहलू ओकर का मतलब बा? का तू अपना मन में हमनी पर राज करे के कल्पना करत बाड़ऽ कि हमनी पर राज करे के?
12 ऊ अबहियों आके अपना बाप याकूब के ई बात बतवले आ याकूब यूसुफ के मुँह से ई बात सुन के चुम्मा लिहले आ याकूब यूसुफ के आशीष दिहलन।
13 जब याकूब के बेटा देखले कि उनकर पिता यूसुफ के आशीष देले बाड़े अवुरी चुम्मा लेले बाड़े अवुरी उ उनुका से बहुत प्यार करेले, त उ लोग उनुका से ईर्ष्या करे लगले अवुरी उनुका से अवुरी नफरत कईले।
14 एकरा बाद यूसुफ एगो अउरी सपना देखलन आ अपना भाई लोग के सामने अपना पिता के सपना सुनवले आ यूसुफ अपना पिता आ भाई लोग से कहले, "देखऽ हम फेर से सपना देखले

बानी, आ देखऽ कि सूरज, चाँद आ एगारह तारा हमरा के प्रणाम कइले बा।
15 उनकर बाप यूसुफ के बात आ उनकर सपना सुन के देखलन कि उनकर भाई लोग एह बात के चलते यूसुफ से नफरत करत बा, याकूब एह बात के लेके यूसुफ के अपना भाई लोग के सामने डांटत कहले, "ई सपना जवन तू सपना में देखले बाड़ आ तोहरा से बड़ भाई लोग के सामने आपन बड़ाई कईल का मतलब बा?"
16 का तू अपना मन में सोचत बाड़ कि हम आ तोहार माई आ तोहार एगारह भाई आके तोहरा सोझा प्रणाम करब कि तू ई बात कहत बाड़ऽ?
17 उनकर भाई लोग उनकर बात आ सपना के चलते उनकरा से ईर्ष्या करत रहले आ उनकरा से नफरत करत रहले आ याकूब सपना के अपना मन में सुरक्षित रखले रहले।
18 याकूब के बेटा लोग एक दिन शेकेम में अपना बाप के भेड़ के चरावे खातिर चल गईले, काहेकि उ लोग ओ समय में चरवाहा रहले। जब याकूब के बेटा लोग ओह दिन शेकेम में खाना खात रहले त उ लोग देरी कईले अवुरी मवेशी बटोरे के समय बीत गईल, लेकिन उ लोग ना पहुंचल रहले।
19 याकूब देखले कि ओकर बेटा शेकेम में देरी हो गईल बा, त याकूब मन में कहले, "शायद शेकेम के लोग ओ लोग से लड़ाई करे खातिर उठल बाड़े, एहसे आज उ लोग आवे में देरी कईले बाड़े।
20 याकूब अपना बेटा यूसुफ के बोला के आज्ञा दिहलन, "देखऽ, तोहार भाई लोग आजु शेकेम में खाना खात बा आ देखऽ कि ऊ लोग अबहीं ले वापस नइखे आइल। अब जाके देखऽ कि ऊ लोग कहाँ बा आ हमरा के अपना भाई लोग के भलाई आ झुंड के भलाई के बारे में बताईं।
21 याकूब अपना बेटा यूसुफ के हेब्रोन के घाटी में भेजले, आ यूसुफ अपना भाई लोग के लेके शेकेम अईले, लेकिन उ लोग के ना मिलल, आ यूसुफ शेकेम के लगे खेत में घूम गईले कि उनुकर भाई कहाँ मुड़ गईल बाड़े, अवुरी उ जंगल में आपन रास्ता चूक गईले अवुरी ना जानत रहले कि उनुका कवना रास्ता से जाए के बा।
22 प्रभु के एगो दूत ओकरा के खेत के ओर रास्ता में भटकत देखले त यूसुफ प्रभु के दूत से कहले, "हम अपना भाई लोग के खोजत बानी। का तू नइखऽ सुनले कि ऊ लोग कहाँ खाना खियावत बा? प्रभु के दूत यूसुफ से कहलस, "हम तोहार भाई लोग के इहाँ खाना खात देखनी अवुरी उ लोग के कहत सुननी कि उ लोग दोथान में खाना खाए जईहे।
23 यूसुफ प्रभु के दूत के आवाज सुन के दोथान में अपना भाई लोग के लगे गईले त उ लोग के दोथान में भेड़ के चरावत देखले।
24 यूसुफ अपना भाई लोग के लगे आगे बढ़ गईले अवुरी उनुका लगे आवे से पहिले उ लोग उनुका के मारे के ठान लेले रहले।
25 शिमोन अपना भाई लोग से कहलस, "देखऽ, आज सपना देखे वाला आदमी हमनी के लगे आवत बा, अब आके हमनी के ओकरा के मार के जंगल में जवन गड्ढा में बा, त ओकरा के खोजल जाई त हमनी के कहब जा कि कवनो दुष्ट जानवर ओकरा के खा गईल बा।
26 रूबेन अपना भाई लोग के यूसुफ के बारे में बात सुन के कहलस कि, "तू लोग के इ काम ना करे के चाही, काहेकि हमनी के अपना पिता याकूब के ओर कइसे देख सकेनी जा? ओकरा के मरे खातिर एह गड्ढा में फेंक दीं, लेकिन ओकर खून बहावे खातिर ओकरा पर हाथ मत बढ़ाईं। आ रूबेन ओकरा के ओह लोग के हाथ से बचावे खातिर कहलन कि ओकरा के अपना बाप के लगे वापस ले आवल जा सके.
27 जब यूसुफ अपना भाई लोग के लगे पहुंचले त उ लोग उनुका प उठ के उनुका के पकड़ के धरती प मार देले अवुरी उनुका पहिनले कई रंग के कोट उतार देले।
28 ऊ लोग ओकरा के लेके एगो गड्ढा में डाल दिहल आ गड्ढा में साँप आ बिच्छू के अलावा पानी ना रहे। यूसुफ गड्ढा में साँप आ बिच्छू से डेरात रहले। यूसुफ जोर से चिल्ला के प्रभु साँप आ बिच्छू के गड्ढा के किनारे छिपा दिहलन आ ऊ लोग यूसुफ के कवनो नुकसान ना कइलस।
29 यूसुफ गड्ढा से अपना भाई लोग के आवाज देके पूछले, "हम तोहनी के का कइले बानी आ कवना काम में पाप कइले बानी? तू हमरा बारे में प्रभु से काहे ना डेरात बाड़ू? का हम तोहार हड्डी आ मांस के ना हईं आ याकूब तोहार बाप ना हईं, हमार बाप? आजु तू हमरा साथे ई काम काहे करत बाड़ऽ आ हमनी के बाप याकूब के कइसे आँख उठा के देख पइबऽ?
30 ऊ गड्ढा से अपना भाई लोग के चिल्लात कहले, "हे यहूदा, शिमोन आ लेवी, हमार भाई लोग, हमरा के ओह अन्हार के जगह से उठाईं, जवना में तू हमरा के रखले बाड़ू, आ आजु हमरा पर दया करे आ जाईं, हे प्रभु के संतान आ हमार बाप याकूब के बेटा। अगर हम तोहनी खातिर पाप कइले बानी त का तू अब्राहम, इसहाक आ याकूब के बेटा ना हईं? अगर उ लोग कवनो अनाथ के देखस त ओकरा पर दया आवत रहे, भा भूखल आदमी के, ओकरा के खाए खातिर रोटी देत रहे, भा प्यासल के, ओकरा के पीये खातिर पानी देत रहे, भा जवन नंगा रहे, ओकरा के कपड़ा से ढंकत रहे!
31 तब तू अपना भाई से आपन दया कइसे रोकब, काहे कि हम तोहार शरीर आ हड्डी से हईं आ अगर हम तोहरा खातिर पाप कइले बानी त तू हमरा पिता के चलते अइसन करबऽ!
32 यूसुफ गड्ढा से इ बात कहले, त उनकर भाई लोग उनकर बात ना सुन पवले, ना ही यूसुफ के बात के कान झुका पवले अवुरी यूसुफ गड्ढा में रोवत-रोवत रहले।
33 यूसुफ कहले, "हे हमार बाबूजी आज जानत रहित कि हमार भाई लोग हमरा साथे जवन काम कइले बा आ जवन बात आज हमरा से कहले बा।
34 उनकर सब भाई लोग गड्ढा में उनकर चिल्लाहट आ रोअल सुनले आ उनकर भाई लोग जाके गड्ढा से दूर हो गइलन ताकि उ लोग यूसुफ आ गड्ढा में उनकर रोअल के पुकार ना सुन सके।

अध्याय 42 के बा

1 उ लोग जाके उल्टा ओर, लगभग धनुष के गोली के दूरी प बईठ गईले, अवुरी उ लोग उहाँ रोटी खाए खाती बईठ गईले अवुरी खाना खात-खात करत उ लोग एक संगे विचार कईले कि उनुका संगे का कईल जाए, कि उनुका के मारल जाए कि ओकरा के अपना पिता के लगे वापस ले आवल जाए।
2 उ लोग सलाह के पकड़ले रहले, तबे उ लोग आँख उठा के देखले कि इश्माएल के एगो दल गिलियद के रास्ता से दूर मिस्र के ओर उतरत रहे।
3 यहूदा ओह लोग से कहलस कि अगर हमनी के अपना भाई के मार देब जा त हमनी के का फायदा होई? शायद भगवान हमनी

से ओकरा के माँगे; तब ओकरा बारे में इहे सलाह दिहल गइल बा जवन तू ओकरा साथे करऽ: देखऽ इश्माएल के ई दल मिस्र में उतरत बा।
4 अब आ जा, हमनी के ओकरा के ओह लोग के लगे निपटावल जाव, आ हमनी के हाथ ओकरा पर मत पड़े के चाहीं, आ ऊ लोग ओकरा के अपना साथे ले जाई आ ऊ देश के लोग के बीच से हेरा जाई आ हमनी के ओकरा के अपना हाथ से ना मारब जा। इ प्रस्ताव उनकर भाई लोग के मन खुश भईल अवुरी उ लोग यहूदा के वचन के मुताबिक काम कईले।
5 जब ऊ लोग एह बात पर बतकही करत रहे आ इस्माइली लोग के दल ओह लोग के लगे आवे से पहिले मिद्यान के सात गो व्यापारी ओह लोग के लगे से गुजरल आ गुजरत घरी ऊ लोग प्यास लागल रहे आ ऊ लोग आँख उठा के ऊ गड्ढा देखल जवना में यूसुफ के मौत हो गइल रहे आ ऊ लोग देखल आ देखल कि हर तरह के चिरई ओकरा पर आ गइल बा.
6 ई मिद्यानी लोग पानी पीये खातिर गड्ढा में भागल, काहेकि उ लोग सोचत रहे कि ओकरा में पानी बा, आ गड्ढा के सामने अइला पर उ लोग गड्ढा में यूसुफ के रोअत आ रोवत आवाज सुनल, आ उ लोग नीचे गड्ढा में देखले आ देखले कि एगो सुंदर रूप आ अनुग्रहित जवान बा।
7 ऊ लोग ओकरा के आवाज देके कहलस, "तू के हउअ आ के तोहरा के इहाँ ले आइल बा आ के तोहरा के एह गड्ढा में, जंगल में रखले बा?" आऊ सब लोग यूसुफ के उठावे में मदद कइल आ ऊ लोग ओकरा के बाहर निकाल के गड्ढा से ऊपर ले आइल आ ओकरा के लेके अपना यात्रा पर चल गइल आ ओकर भाई लोग के पास से गुजरल।
8 उ लोग उ लोग से पूछले, "तू लोग हमनी के सेवक के हमनी से छीन के चल जाए खातिर अयीसन काहे करतानी? हमनी के एह नवही के गड्ढा में डाल देले बानी जा काहे कि ऊ हमनी के खिलाफ विद्रोह कइलस, आ तू आके ओकरा के ऊपर ले आके ओकरा के ले जा। अब त हमनी के आपन नौकर वापस दे द।
9 मिद्यानी लोग याकूब के बेटा लोग से कहलस, "का इ तोहार सेवक ह कि इहे तोहनी के सेवा करत बा?" शायद तू सब ओकर सेवक हईं, काहे कि ऊ तोहनी में से केहू से अधिका सुन्दर आ अनुग्रहित बा आ तू सभे हमनी से झूठ काहे बोलत बाड़ऽ?
10 अब हम तोहार बात ना सुनब आ ना तोहार ध्यान देब, काहे कि हमनी के जंगल में गड्ढा में जवान के मिल गईल अवुरी हमनी के ओकरा के लेके चल गईनी। हमनी के एहसे आगे बढ़ब जा।
11 याकूब के सब बेटा ओ लोग के लगे जाके ओ लोग से कहलस, "हमनी के सेवक के वापस दे दऽ आ तोहनी सभे तलवार के धार से काहे मरबऽ?" मिद्यानी लोग ओह लोग के खिलाफ चिल्लात रहे आ ऊ लोग आपन तलवार निकाल के याकूब के बेटा लोग से लड़ाई करे खातिर नजदीक आ गइलन।
12 शिमोन अपना बईठला से उठ के ओह लोग के खिलाफ उठ के जमीन पर उछल के आपन तलवार निकाल के मिद्यानी लोग के लगे पहुंच गईले अवुरी उ लोग के सोझा एगो भयानक चिल्लाहट कईले, जवना से उनुकर चिल्लाहट दूर से सुनाई देलस अवुरी शिमोन के चिल्लाहट से धरती हिल गईल।
13 शिमोन आ ओकर चिल्लाहट के आवाज से मिद्यानी लोग डेरा गइल आ ऊ लोग मुँह पर गिर गइल आ बहुते घबरा गइल.
14 शिमोन ओह लोग से कहलस, "हम इब्रानी याकूब के बेटा शिमोन हईं, जे खाली अपना भाई के साथे शेकेम शहर आ अमोरी लोग के शहरन के नष्ट कर देले बानी। परमेस् वर हमरा साथे अईसन करीहें कि अगर तोहार सब भाई मिद्यान के लोग आ कनान के राजा भी तोहनी के साथे आ जास त उ लोग हमरा से लड़ ना पवले।
15 अब हमनी के उ जवानी के वापस दे द, जवना के तू पकड़ले बाड़, कहीं हम तोहार मांस आकाश के चिरई अवुरी धरती के जानवर के ना दे देब।
16 मिद्यानी लोग शिमोन से अउरी डेरा गइलन आ ऊ लोग याकूब के बेटा लोग के लगे आतंकित आ डर से आ दयनीय बात के साथे पहुँचल।
17 तू जरूर कहले बाड़ू कि युवक तोहार नौकर ह, उ तोहरा खिलाफ विद्रोह कईलस, एहसे तू ओकरा के गड्ढा में रख देले बाड़। तब तू अपना मालिक के खिलाफ विद्रोह करे वाला नौकर के का करबऽ? अब ओकरा के हमनी के बेच दीं आ हमनी के ओकरा खातिर जवन कुछ माँगबऽ, ऊ सब तोहके दे देब जा। आ प्रभु के ई काम करे में खुशी भइल कि याकूब के बेटा लोग अपना भाई के हत्या मत करस।
18 मिद्यानी लोग देखल कि यूसुफ के रूप-रंग आ अनुग्रहित बा। ऊ लोग अपना मन में उनकर इच्छा करत रहे आ ओकरा के भाई लोग से खरीदे के आग्रह करत रहे।
19 याकूब के बेटा मिद्यानी लोग के बात सुनले अवुरी उ लोग अपना भाई यूसुफ के बीस चांदी के टुकड़ा में बेच देले अवुरी उनुकर भाई रूबेन ओ लोग के संगे ना रहले अवुरी मिद्यानी लोग यूसुफ के लेके गिलिआद के यात्रा जारी रखले।
20 उ लोग सड़क के किनारे जात रहले, तब मिद्यानी लोग उ युवक के खरीद के जवन कईले रहले, ओकरा प पश्चाताप कईले अवुरी एक दूसरा से कहलस कि, "हमनी के इ का काम कईले बानी कि इ जवान के इब्रानी लोग से ले लेले बानी, जवन कि सुंदर देखाई देवे वाला अवुरी अनुग्रहित बा।"
21 शायद इ युवक इब्रानियन के देश से चोरी हो गईल बा, त हमनी के इ काम काहे कईले बानी जा? आ अगर ओकरा के खोजल जाव आ हमनी के हाथ में मिल जाव त हमनी का ओकरा माध्यम से मरब जा.
22 अब निश्चित रूप से कठोर आ ताकतवर लोग ओकरा के हमनी के बेच देले बा, जेकरा के तू आज देखले बाड़ू। शायद ऊ लोग अपना ताकत आ अपना ताकतवर बांह से ओकरा के ओकरा जमीन से चोरा लिहले होखे आ एहसे ओकरा के हमनी के ओह छोट दाम पर बेच दिहले होखे जवन हमनी का ओह लोग के दिहले रहीं जा.
23 जब उ लोग एक संगे बतकही करत रहले, त उ लोग देखले अवुरी देखले कि इश्माएल के लोग के दल जवन पहिले आईल रहे अवुरी याकूब के बेटा देखले रहले, उ मिद्यानी के ओर बढ़त रहे अवुरी मिद्यानी लोग एक दूसरा से कहले, "आव, हमनी के ए युवक के अपना ओर आवे वाला इश्माएल के दल के बेच देब, अवुरी हमनी के उनुका खाती जवन कुछ देले बानी, ओकरा खाती हमनी के होखब जा।" अपना बुराई से मुक्त हो गइल।
24 उ लोग अईसन कईले अवुरी इश्माएल के लोग तक पहुंच गईले अवुरी मिद्यानी यूसुफ के बीस चांदी में बेच देले, जवन कि उ लोग उनुका खाती उनुका भाई लोग के देले रहले।
25 मिद्यानी लोग गिलाद के रास्ता पर चलल आ इस्माइली लोग यूसुफ के लेके एगो ऊंट पर सवार होके मिस्र जात रहले।

26 यूसुफ सुनले कि इस्माइली लोग मिस्र जात बा, आ यूसुफ एह बात पर विलाप कइलन आ रोवत रहलन कि ऊ कनान देश से, अपना बाप से एतना दूर होखे वाला रहलन, आ ऊंट पर सवार होके ऊ कड़ुआ रोअत रहलन आ ओह लोग के एगो आदमी उनका के देखलस आ ऊंट से नीचे उतर के पैदल चल गइलन आ एकरा बावजूद यूसुफ रोवत रोवत रहलन आ ऊ रोवत रहलन कहलस, हे बाबूजी, बाबूजी।
27 इस्माइली लोग में से एगो उठ के यूसुफ के गाल पर मार दिहलस आ तबहियो ऊ रोवत रहल। आ यूसुफ रास्ता में थक गइल रहले आ उनकर आत्मा के कड़वाहट के चलते आगे ना बढ़ पवले, आ सब लोग उनका के मार के रास्ता में दुखी कईले, आ उ लोग उनका के डेरा दिहले ताकि उ रोवल बंद कर सके।
28 प्रभु यूसुफ के महत्वाकांक्षा आ ओकर परेशानी देखलन आ प्रभु ओह लोग पर अन्हार आ भ्रम पैदा कर दिहलन आ ओकरा के मारे वाला हर आदमी के हाथ मुरझा गइल.
29 उ लोग एक दूसरा से पूछले, "ई का काम ह जवन भगवान हमनी के रास्ता में कईले बाड़े?" उ लोग ना जानत रहले कि यूसुफ के चलते उ लोग के संगे अयीसन भईल बा। उ लोग रास्ता में चल गईले अवुरी उ लोग एफ्राथ के रास्ता से गुजरत रहले, जहां राहेल के दफन कईल गईल रहे।
30 यूसुफ अपना महतारी के कब्र में पहुंचले अवुरी यूसुफ जल्दी-जल्दी अपना महतारी के कब्र के ओर भाग गईले अवुरी कब्र प गिर गईले अवुरी रोवे लगले।
31 यूसुफ अपना महतारी के कब्र पर जोर से चिल्ला के कहलस, "हे माई, माई, हे माई, हे माई, जे हमरा के जनम देले बानी, अब उठ के देखऽ कि ऊ अपना बेटा के गुलाम के रूप में बेचल गइल बा आ ओकरा पर दया करे वाला केहू नइखे।
32 हे उठ के आपन बेटा के देखऽ, हमरा संकट के चलते हमरा साथे रोअऽ आ हमरा भाई लोग के दिल देखऽ।
33 हमरा खातिर हमरा माई के जगा, जगाई, नींद से जाग, हमरा भाई लोग के खिलाफ आपन लड़ाई के निर्देशित कर। हे कइसे ऊ लोग हमरा से हमार कोट उतार के दू बेर पहिलहीं से गुलाम खातिर बेच दिहले बा आ हमरा के बाप से अलगा कर दिहले बा आ हमरा पर दया करे वाला केहू नइखे.
34 जग के उनकरा खिलाफ आपन बात परमेस् वर के सामने रखऽ आ देखऽ कि परमेस् वर केकरा के न्याय में धर्मी ठहराईहें आ केकरा के दोषी ठहराईहें।
35 उठ, हे माई, उठ, नींद से जाग आ हमरा बाबूजी के देखऽ कि आज ओकर आत्मा हमरा साथे कइसे बा, आ ओकरा के दिलासा देऽ आ ओकरा दिल के सहज करऽ।
36 यूसुफ इ बात कहत रहलन आ यूसुफ अपना महतारी के कब्र पर जोर से चिल्लात रोवत रहलन। ऊ बोलल छोड़ दिहलन आ दिल के कड़वाहट से ऊ कब्र पर पत्थर नियर स्थिर हो गइलन.
37 यूसुफ जमीन के नीचे से उनकरा से बात करत आवाज सुनलस जवन उनका के कड़वाहट से जवाब दिहलस।
38 हमार बेटा, हमार बेटा यूसुफ, हम तोहार रोवे के आवाज आ तोहार विलाप के आवाज सुनले बानी। हम तोहार लोर देखले बानी; हम तोहार परेशानी के जानत बानी, बेटा, आ ई हमरा के तोहरा खातिर दुखी करेला, आ हमरा दुख में भरपूर दुख जोड़ल जाला।
39 अब हमार बेटा, हमार बेटा यूसुफ, प्रभु के आशा राखऽ आ उनकर इंतजार करीं आ मत डेराईं, काहे कि प्रभु तोहरा साथे बाड़न, ऊ तोहरा के हर संकट से मुक्त कर दीहें।
40 उठऽ बेटा, अपना मालिकन के साथे मिस्र जा, आ मत डेरा, काहे कि हे बेटा, प्रभु तोहरा साथे बाड़न। उ यूसुफ से इहे बात कहत रहली अवुरी उ शांत रहली।
41 यूसुफ ई बात सुन के बहुत अचरज में पड़ गइलन आ रोवत रहलन। एकरा बाद इश्माएल में से एगो ओकरा के कब्र पर रोवत आ रोवत देखलस आ ओकर क्रोध ओकरा पर भड़क गइल आ ऊ ओकरा के ओहिजा से भगा दिहलसि आ ऊ ओकरा के मार दिहलसि आ ओकरा के गारी दिहलसि.
42 यूसुफ ओह लोग से कहलन, "हमरा तोहनी के नजर में कृपा हो जाव कि हम हमरा के अपना बाप के घरे ले जाइब आ ऊ तोहनी के भरपूर धन दे दीहें।"
43 उ लोग जवाब देले, "का तू गुलाम नईख, आ तोहार बाप कहाँ बाड़े?" आ अगर तोहार बाप रहित त तोहरा के अतना कम दाम में दू बेर गुलाम खातिर ना बेचल गइल रहित। आऊ उनकर गुस्सा अबहियों ओकरा पर जागल रहे आ ऊ लोग ओकरा के मारत रहे आ ओकरा के ताड़त रहे आ यूसुफ कड़ुआ रोअत रहे।
44 प्रभु यूसुफ के दुख देखलन आ प्रभु फेरु से एह लोग के मार दिहलन आ ताड़ दिहलन आ प्रभु ओह लोग के धरती पर अन्हार कर दिहलन आ बिजली चमकल आ गरज दहाड़ल आ गरज आ तेज हवा के आवाज से धरती हिल गइल आ आदमी लोग डेरा गइल आ ना पता चलल कि ऊ लोग कहाँ जाए के बा.
45 जानवर आ ऊंट एक जगह खड़ा होके ओह लोग के अगुवाई करत रहले, लेकिन उ लोग ना जाए के चाहत रहले, उ लोग ओ लोग के मार देले अवुरी जमीन प कुहुक गईले। उ लोग एक दूसरा से कहलस, "ई का भगवान हमनी के कईले बाड़े?" हमनी के का अपराध बा आ हमनी के का पाप बा कि ई बात हमनी पर एह तरह से भइल बा?
46 उ लोग में से एगो जवाब दिहलस, "शायद एह दास के दुख देवे के पाप के चलते आज हमनी के संगे इ घटना भईल बा। अब एह से ओकरा से जोरदार निहोरा करीं कि ऊ हमनी के माफ कर देव, आ तब हमनी के पता चल जाई कि केकरा चलते ई बुराई हमनी पर होखत बा, आ अगर भगवान हमनी पर दया करीहें त हमनी के पता चल जाई कि ई सब एह गुलाम के दुख देबे के पाप का चलते हमनी का लगे आवत बा.
47 उ लोग अयीसन कईले अवुरी उ लोग यूसुफ से निहोरा कईले अवुरी उनुका के माफ करे खाती दबावत रहले। उ लोग कहल कि, हमनी के प्रभु अवुरी तोहरा से पाप कईले बानी, एहसे अब तोहरा भगवान से निहोरा करे के भरोसा बा कि उ हमनी के बीच से ए मौत के दूर क देवे, काहेंकी हमनी के उनुका से पाप कईले बानी।
48 यूसुफ ओह लोग के बात के मुताबिक काम कइलन आ प्रभु यूसुफ के बात सुनलन आ प्रभु यूसुफ के चलते ओह लोग पर जवन विपत्ति पैदा कइले रहले ओकरा के दूर कर दिहलन आ जानवर जमीन से उठ के ओह लोग के ले गइलन आ ऊ लोग आगे बढ़ल आ उग्र तूफान कम हो गइल आ धरती शांत हो गइल आ ऊ लोग मिस्र उतरे के यात्रा पर निकलल आ आदमी लोग ई बात जान गइल यूसुफ के चलते उ लोग के इ बुराई भईल रहे।
49 उ लोग एक दूसरा से कहलस, "हमनी के पता बा कि उनुका दुख के चलते हमनी के इ बुराई भईल। अब हमनी के अपना

आत्मा पर ई मौत काहे ले आईं जा? हमनी के सलाह धारण करीं जा कि एह गुलाम के का कइल जाव.
50 एक आदमी जवाब दिहलस, "उ साँचहू हमनी से कहले रहले कि ओकरा के अपना बाप के लगे वापस ले आवल जाव। अब त आईं, हमनी के ओकरा के वापस ले जाईं जा आ हमनी के ओह जगह पर चल जाईं जा जवन ऊ बताई, आ ओकरा परिवार से ऊ दाम ले लेब जवन हमनी का ओकरा खातिर देले रहीं जा आ तब हमनी का चल जाईं जा.
51 एक आदमी फेरु से जवाब दिहलस, "देखीं इ सलाह बहुत बढ़िया बा, लेकिन हमनी के अयीसन नईखी क सकत, काहेंकी रास्ता हमनी से बहुत दूर बा अवुरी हमनी के अपना रास्ता से बाहर नईखी जा सकत।
52 एक आदमी अउरी जवाब दिहलस, "इहे सलाह ह जवन अपनावे के बा, हमनी के एकरा से ना हटब जा। देखऽ हमनी के आज मिस्र जात बानी जा आ जब हम मिस्र में आ जाईब जा त ओकरा के ओहिजा बहुते दाम पर बेच देब जा आ ओकरा बुराई से मुक्त हो जाईं जा।
53 इ बात उ लोग के मन खुश हो गईल अवुरी उ लोग अयीसन कईले अवुरी उ लोग यूसुफ के संगे मिस्र के यात्रा जारी रखले।

अध्याय 43 के बा

1 जब याकूब के बेटा लोग आपन भाई यूसुफ के मिद्यानी लोग के बेच दिहल त उनकर मन उनकरा पर चकनाचूर हो गइल आ ऊ लोग अपना काम से पश्चाताप कइल आ ओकरा के वापस ले आवे के कोशिश कइल बाकिर ओकरा के ना मिलल।
2 रूबेन ओह गड्ढा में वापस आ गइलन, जवना में यूसुफ के बाहर निकालल गइल रहे आ ओकरा के अपना बाप के लगे वापस करावल जा सके, आ रूबेन गड्ढा के लगे खड़ा हो गइलन, आ ऊ एको बात ना सुनलन आ यूसुफ के आवाज दिहलन! यूसुफ के बा! आ केहू जवाब ना दिहलस ना कवनो शब्द बोललस।
3 रूबेन कहलस, "यूसुफ डेरा के मर गइल बा, भा कवनो साँप ओकरा के मार दिहले बा। रूबेन गड्ढा में उतरलन आ यूसुफ के खोजत रहले त गड्ढा में ना मिलल आ ऊ फेर से बाहर निकल गइलन.
4 रूबेन आपन कपड़ा फाड़ के कहलस, "लइका उहाँ नइखे, आ अगर उ मर गईल बा त हम ओकरा बारे में कइसे मेल मिलाप करब? आ ऊ अपना भाई लोग के लगे गइलन आ देखलन कि ऊ लोग यूसुफ के चलते दुखी बा आ अपना बाप के बारे में कइसे मेल मिलाप करावल जाव, आ रूबेन अपना भाई लोग से कहलस, "हम गड्ढा में अइनी आ देखनी कि यूसुफ उहाँ ना रहले, त हमनी के अपना बाप से का कहब जा, काहे कि हमार बाबूजी खाली हमरा से लइका के खोजत होईहे।"
5 ओकर भाई लोग ओकरा के जवाब दिहल, "हमनी के अईसन कईनी अवुरी ओकरा बाद हमनी के दिल ए काम के चलते हमनी के मार दिहलस, अवुरी हमनी के अब बहाना खोजे खाती बईठल बानी कि हमनी के अपना पिता के एकरा से कइसे मिलाप करब।
6 रूबेन उनसे कहलस, "हमनी के बाप के धूसर बाल के कब्र में उतारे खातिर तू लोग इ का कईले बाड़ू?" बात अच्छा नइखे, कि तू कइले बाड़ू।
7 तब रूबेन ओह लोग के साथे बइठल आ सभे उठ के एक दूसरा से कसम खइले कि याकूब के ई बात ना बताई, आ सब लोग कहल कि जे आदमी हमनी के बाप भा ओकरा घर के लोग के ई बात बताई भा जे देश के कवनो बच्चा के ई बात बताई, ऊ हमनी के सब केहू ओकरा खिलाफ उठ के ओकरा के तलवार से मार देब जा।
8 याकूब के बेटा छोट से लेके बड़ तक एक दूसरा से डेरात रहले अवुरी केहु एक शब्द ना बोलत रहले अवुरी उ लोग अपना मन में इ बात छिपा देले।
9 ओकरा बाद उ लोग बईठ गईले कि उ लोग अपना पिता याकूब से इ सब बात के बारे में कुछ बतावे अवुरी कुछ सोचस।
10 इसाकर ओह लोग से कहलन, "अगर तोहनी के नजर में ई काम कइल बढ़िया लागत बा त तोहनी खातिर एगो सलाह बा कि यूसुफ के कोट लेके ओकरा के फाड़ के बकरी के बकरी के मार के ओकरा खून में डुबा दीं।
11 आ हमनी के बाप के लगे भेज दीं आ जब ऊ देखिहें त ऊ कह दीहें कि कवनो दुष्ट जानवर ओकरा के खा गइल बा, एहसे ओकर कोट फाड़ दीं आ देखऽ कि ओकर खून ओकरा कोट पर हो जाई आ तोहरा अइसन कइला से हमनी का अपना बाप के गुनगुनाहट से मुक्त हो जाईं जा.
12 इस्साकर के सलाह उ लोग के नीक लागल अवुरी उ लोग उनुकर बात सुनले अवुरी उ लोग इस्साकर के सलाह के मुताबिक काम कईले।
13 ऊ लोग जल्दी-जल्दी यूसुफ के कोट लेके फाड़ दिहल आ बकरी के बकरी के मार के बकरी के खून में कोट डुबा दिहल आ ओकरा बाद ओकरा के धूल में रौंद दिहल आ नप्ताली के हाथ से ऊ कोट अपना बाप याकूब के लगे भेज दिहल आ ऊ लोग ओकरा के ई बात कहे के आज्ञा दिहल।
14 हमनी के मवेशी में बटोरले रहनी जा आ शेकेम के रास्ता तक आ अउरी दूर तक पहुँचल रहनी जा, जब जंगल में सड़क पर इ वस्त्र खून आ धूल में डूबल मिलल। अब जान लीं कि ई तोहरा बेटा के कोट ह कि ना।
15 नफ्ताली जाके ऊ अपना बाप के लगे अइले आ ऊ ओकरा के कोट दे दिहलन आ ऊ ओकरा से ऊ सब बात कहलन जवन ओकर भाई लोग ओकरा के कहले रहले.
16 याकूब यूसुफ के कोट देखले त उ जान गईले अवुरी उ जमीन प मुंह से गिर गईले अवुरी पत्थर निहन स्थिर हो गईले, अवुरी बाद में उ उठ के जोर-जोर से रोवत आवाज़ में चिल्ला के कहले, "ई हमार बेटा यूसुफ के कोट ह!
17 याकूब जल्दी-जल्दी अपना एगो नौकर के अपना बेटा के लगे भेजले, जवन कि ओ लोग के लगे गईल अवुरी उनुका के भेड़ के संगे सड़क के किनारे आवत देखले।
18 लगभग साँझ के याकूब के बेटा अपना बाप के लगे अइले, त देखले कि उनकर कपड़ा फाटल बा आ माथा पर धूल बा, आ उ लोग के बाप के चिल्लात आ जोर से रोवत देखलन।
19 याकूब अपना बेटा लोग से कहलन, "साँचहू बतावऽ कि आज हमरा पर अचानक कवन बुराई कइले बाड़ऽ? उ लोग अपना पिता याकूब के जवाब देले कि, हम आज भेड़ के बटोरला के बाद आवत रहनी अवुरी जंगल में सड़क के किनारे शेकेम शहर तक पहुंचनी, अवुरी हमनी के इ कोट जमीन प खून से भरल देखाई देलस, अवुरी हमनी के एकरा के जान गईनी अवुरी अगर तू जान पवनी त हम तोहरा लगे भेज देनी।
20 याकूब अपना बेटा लोग के बात सुन के जोर से चिल्ला के कहलस, "ई हमार बेटा के कोट ह, एगो दुष्ट जानवर ओकरा के

खा गईल बा। यूसुफ के टुकड़ा-टुकड़ा हो गइल बा, काहे कि हम आज ओकरा के भेजले बानी कि तोहरा ठीक बा कि ना, झुंड के ठीक बा कि ना, आ तोहरा से हमरा के फेर से खबर ले आवे खातिर, आ उ हमरा आज्ञा के मुताबिक चल गईले, अवुरी आज उनुका संगे अयीसन भईल बा, जब हम सोचत रहनी कि हमार बेटा आपके संगे बा।

21 याकूब के बेटा लोग जवाब देले, "उ हमनी के लगे ना आईल अवुरी हमनी के तोहरा से निकलला के समय से लेके अब तक उनुका के ना देखले बानी।

22 जब याकूब ओह लोग के बात सुन के फेरु जोर से चिल्ला के उठल आ आपन कपड़ा फाड़ दिहलस आ कमर पर बोरा पहिन के कड़ुआ रोअल आ शोक कइल आ रोवत आवाज उठा के चिल्ला के ई बात कहलस।

23 हमार बेटा यूसुफ, हे हमार बेटा यूसुफ, हम आज तोहरा के तोहरा भाई लोग के भलाई के बाद भेजले बानी, आ देख, तू टुकड़ा-टुकड़ा हो गईल बाड़ू। हमरा हाथ के माध्यम से हमरा बेटा के संगे अयीसन भईल बा।

24 ई हमरा के तोहरा खातिर दुखी करत बा, हमार बेटा यूसुफ, ई हमरा के तोहरा खातिर दुखी करत बा। जिनगी में तू हमरा खातिर केतना मीठ रहलू आ अब तोहार मौत हमरा खातिर केतना बेहद कड़ुआ बा।

25 0 कि हम तोहरा जगहा हमार बेटा यूसुफ मर गइल रहनी, काहे कि ई हमरा खातिर दुखी बा कि तोहरा बेटा, हे हमार बेटा, हमार बेटा। हमार बेटा यूसुफ, तू कहाँ बाड़ऽ आ कहाँ खींचाइल बाड़ऽ? उठऽ, अपना जगह से उठऽ, आ आ के तोहरा खातिर हमार दुख देखऽ, हे हमार बेटा यूसुफ।

26 अब आके हमरा आँख से बहत लोर के गाल पर गिन के प्रभु के सामने ले आवऽ ताकि उनकर क्रोध हमरा से दूर हो सके।

27 0 हमार बेटा यूसुफ, तू कइसे गिर गइल बाड़ू, जेकरा हाथ से दुनिया के शुरुआत से लेके आज तक केहू ना गिरल रहे। काहे कि तोहरा के कवनो दुश्मन के मार के मार दिहल गइल बा, जवना के क्रूरता के शिकार हो गइल बा, बाकिर हम जरूर जानत बानी कि हमरा पाप के भरमार का चलते तोहरा साथे अइसन भइल बा.

28 अब उठऽ आ देखऽ कि तोहरा खातिर हमार परेशानी केतना कड़वा बा हमार बेटा, भले हम तोहरा के ना पोसले बानी, ना तोहरा के फैशन कइले बानी, ना तोहरा के साँस आ प्राण देले बानी, बाकिर भगवाने तोहरा के बनवले रहले आ तोहार हड्डी बनवले रहले आ ओकरा के मांस से ढंकले रहले आ तोहरा नाक के छेद में जीवन के साँस लेहले रहले आ तब ऊ तोहरा के हमरा के दे दिहले रहले.

29 साँचहू परमेस् वर जे तोहरा के हमरा के देले बाड़न, उ तोहरा के हमरा से छीन लेले बाड़न आ अइसने तोहरा पर हो गइल बा

30 याकूब यूसुफ के बारे में इहे बात कहत रहलन आ ऊ कड़ुआ रोअत रहलन। ऊ जमीन पर गिर गइल आ स्थिर हो गइल.

31 याकूब के सब बेटा अपना पिता के परेशानी देख के उ लोग अपना काम प पछतावा कईले अवुरी उ लोग भी कड़ुआ रोवे लगले।

32 यहूदा उठ के अपना बाप के माथा जमीन से उठा के अपना गोदी में रखले अवुरी अपना पिता के लोर के गाल से पोंछले अवुरी यहूदा बहुत रोवत रोवत रहले, जबकि पिता के सिर उनुका गोदी में टिकल रहे, जवन कि पत्थर निहन रहे।

33 याकूब के बेटा लोग अपना पिता के परेशानी देख के आवाज उठा के रोवत रहले अवुरी याकूब अभी तक पत्थर निहन जमीन प पड़ल रहले।

34 उनकर सब बेटा, उनकर नौकर आ उनकर नौकर के लइका उठ के उनकरा के दिलासा देवे खातिर उनकर चारो ओर खड़ा हो गइलन आ ऊ दिलासा देवे से मना कर दिहलन।

35 याकूब के पूरा घराना उठ के यूसुफ आ अपना पिता के परेशानी के चलते बहुत शोक मनावत रहले अवुरी इ बात याकूब के पिता इब्राहीम के बेटा इसहाक तक पहुंच गईल अवुरी उ यूसुफ अवुरी उनुकर पूरा घर के लोग के चलते कड़ुआ रोवे लगले अवुरी उ अपना बेटा याकूब के संगे कड़वा रोवे लगले दिलासा देवे के बा।

36 एकरा बाद याकूब जमीन से उठ के गाल से लोर बहत रहे अवुरी उ अपना बेटा से कहले कि, उठ के आपन तलवार अवुरी धनुष लेके खेत में जाके खोजत कि का तू हमरा बेटा के लाश पा के हमरा लगे ले आ सकतानी कि हम ओकरा के गाड़ सकी।

37 हम तोहसे निहोरा करत बानी कि जानवरन के बीच से भी खोजीं आ ओकर शिकार करीं आ जवन चीज के पकड़ के हमरा लगे ले आवे से पहिले पहिले आई, शायद प्रभु आज हमरा दुख पर तरस खा जइहें आ तोहरा सोझा ऊ चीज तइयार कर दीहें जवन हमरा बेटा के टुकड़ा-टुकड़ा में फाड़ के हमरा लगे ले आइल बा आ हम अपना बेटा के मुद्दा के बदला लेब।

38 उनकर बेटा सबेरे सबेरे उठ के हर केहू आपन तलवार आ धनुष हाथ में लेके जंगल में जानवरन के शिकार करे खातिर निकल गइलन।

39 याकूब अभी भी जोर से चिल्लात रहले, रोवत रहले अवुरी घर में इधर-उधर घूमत रहले अवुरी हाथ मारत रहले अवुरी कहत रहले कि, "हमार बेटा यूसुफ, हमार बेटा यूसुफ।"

40 याकूब के बेटा जानवरन के पकड़े खातिर जंगल में गईले, त देखले कि एगो भेड़िया ओ लोग के ओर आईल अवुरी उ लोग ओकरा के पकड़ के अपना पिता के लगे ले अईले अवुरी उ लोग उनुका से कहलस कि, "हमनी के पहिला बेर मिलल बा अवुरी हमनी के ओकरा के अपना लगे ले आईल बानी, जईसे तू हमनी के आदेश देले रहलू, अवुरी तोहार बेटा के लाश हमनी के ना मिल पवनी।"

41 याकूब अपना बेटा के हाथ से जानवर के ले लिहले अवुरी उ जानवर के हाथ में लेके कड़वा मन से चिल्लात कहले कि, तू हमरा बेटा यूसुफ के काहें खा गईल अवुरी धरती के भगवान से चाहे हमरा बेटा यूसुफ खाती हमरा परेशानी से कईसे डर ना लागल?

42 तू हमरा बेटा के बेकार में खा गईनी, काहे कि उ कवनो हिंसा ना कईले अवुरी एकरा से हमरा के अपना हिसाब से दोषी ठहरवले, एहसे भगवान सतावल जाए वाला के मांग करीहे।

43 तब प्रभु याकूब के बात से दिलासा देवे खातिर जानवर के मुंह खोल दिहलन आ ऊ याकूब के जवाब दिहलस आ ओकरा से इ बात कहलस।

44 जइसहीं हमनी के धरती पर रचले वाला भगवान जिंदा बाड़न आ जइसे तोहार प्राण जिंदा बा, हे मालिक, हम तोहार बेटा के ना देखनी, ना ओकरा के टुकड़ा-टुकड़ा कर दिहनी, लेकिन दूर के देश से भी हम अपना बेटा के खोजे आईल बानी जवन आज हमरा से चल गईल बा, लेकिन हम नईखी जानत कि उ जिंदा बा कि मरल।

45 आजु हम अपना बेटा के खोजे खातिर खेत में अइनी त तोहार बेटा हमरा के पा के हमरा के पकड़ लिहले आ हमार दुख बढ़ा दिहले आ आजु हमरा के तोहरा सोझा ले अइले आ हम अब तोहरा से आपन सब बात कहले बानी.
46 आ अब एह से, हे मनुष्य के बेटा, हम तोहरा हाथ में बानी आ आज हमरा साथे करऽ जवन तोहरा नजर में बढ़िया लागे, बाकिर हमरा के रचले वाला भगवान के जीवन से हम तोहार बेटा के ना देखनी, ना ओकरा के टुकड़ा-टुकड़ा कइनी, ना ही हमरा जिनिगी भर आदमी के मांस हमरा मुँह में घुसल बा।
47 जब याकूब ओह जानवर के बात सुन के बहुत अचरज में पड़ गईले अवुरी उ जानवर के अपना हाथ से भेज देले अवुरी उ अपना रास्ता से चल गईली।
48 याकूब अबहियों दिन पर दिन यूसुफ खातिर जोर से रोवत रहले आ अपना बेटा खातिर बहुत दिन तक शोक मनावत रहले।

अध्याय 44 के बा

1 इश्माएल के बेटा जे यूसुफ के मिद्यानी लोग से खरीदले रहले, जे यूसुफ के अपना भाई लोग से खरीदले रहले, यूसुफ के संगे मिस्र गईले अवुरी मिस्र के सीमा प पहुंचले अवुरी जब उ लोग मिस्र के नजदीक पहुंचले त इब्राहीम के बेटा मेदान के चार आदमी से मुलाकात कईले, जवन कि अपना यात्रा में मिस्र देश से निकलल रहले।
2 इस्माइली लोग उनसे कहलस, "का तू हमनी से ई दास खरीदे के चाहत बाड़?" उ लोग कहल कि, "ओकरा के हमनी के सौंप द, उ लोग यूसुफ के अपना हाथ में सौंप देले अवुरी देखले कि उ बहुत सुंदर युवक हवे अवुरी उ लोग उनुका के बीस शेकेल में खरीद लेले।
3 इस्माइली लोग मिस्र के यात्रा जारी रखले आ मेदानी लोग भी ओह दिन मिस्र में वापस आ गईले आ मेदानी लोग एक दूसरा से कहलस, "हम सुनले बानी कि फिरौन के एगो अधिकारी, पहरेदार के सेनापति पोतीफर एगो बढ़िया नौकर के तलाश में बाड़े, जवन कि उनुका सोझा खड़ा होके उनुका के सेवा देवे अवुरी ओकरा के अपना घर अवुरी अपना सभ चीज़ के देखरेख करेवाला बनावे।
4 अब आके हमनी के ओकरा के बेच देब जा जवन हमनी के चाहत बानी जा, अगर उ हमनी के उहे दे सकेला जवन हमनी के ओकरा खातिर मांगल जा सकेला।
5 इ मेदानी लोग जाके पोतीफर के घरे जाके कहलस, "हम सुनले बानी कि तू तोहरा सेवे खातिर एगो बढ़िया नौकर खोजत बाड़, देख हमनी के एगो नौकर बा जवन तोहरा के खुश करी, अगर तू हमनी के उहे दे सकेनी जवन हमनी के चाहत बानी जा आ हमनी के ओकरा के तोहरा के बेच देब जा।"
6 पोतिफर कहले, "ओकरा के हमरा सोझा ले आवऽ, हम ओकरा के देखब, आ अगर उ हमरा के खुश करी त हम तोहके उहे देब जवन तू ओकरा खातिर माँग करऽ।"
7 मेदानी लोग जाके यूसुफ के लेके पोतीफर के सामने रखले, त उ ओकरा के देखले अवुरी उनुका के बहुत खुश भईले अवुरी पोतीफर ओ लोग से कहले, "हमरा के बताई कि ए युवक खाती का मांगल जाता?
8 उ लोग कहलस, "हमनी के ओकरा खातिर चार सौ चांदी के टुकड़ा चाहत बानी जा, पोतीफर कहले कि, "हम ओकरा के देब अगर तू ओकरा बिक्री के रिकार्ड हमरा के अपना लगे ले आईब, अवुरी ओकर इतिहास बताईब, काहेंकी शायद उनुकर चोरी हो सकता, काहेंकी इ युवक ना त गुलाम ह, ना गुलाम के बेटा, लेकिन हम ओकरा में एगो निमन अवुरी सुंदर आदमी के रूप देखतानी।
9 मेदानी लोग जाके इश्माएल के लोग के ले अइले, जे लोग उनका के बेचले रहले, त उ लोग उनका के बतवले कि उ गुलाम ह अवुरी हमनी के उनुका के बेच देले बानी।
10 पोतीफर मेदानी लोग के चाँदी देवे के समय इश्माएल के बात सुनले, त मेदानी लोग चांदी लेके आपन यात्रा पर निकल गईले अवुरी इश्माएल के लोग भी अपना घरे लवट गईले।
11 पोतीफर यूसुफ के लेके अपना घरे ले अइले कि ऊ ओकर सेवा कर सके, आ यूसुफ के पोतीफर के दया मिलल आ ऊ ओकरा पर भरोसा कइलन आ ओकरा के अपना घर के देखरेख करे वाला बना दिहलन आ अपना सब कुछ के ऊ अपना हाथ में सौंप दिहलन.
12 प्रभु यूसुफ के साथे रहलन आ उ एगो समृद्ध आदमी बन गइलन आ यूसुफ के खातिर प्रभु पोतीफर के घराना के आशीष दिहलन।
13 पोतीफर आपन सब कुछ यूसुफ के हाथ में छोड़ दिहलन आ यूसुफ एगो अइसन रहले जे पोतीफर के घर में उनकर इच्छा के हिसाब से सब कुछ ठीक हो गइल।
14 यूसुफ अठारह साल के रहले, उ एगो जवान रहले, उनुकर आँख सुंदर अवुरी सुंदर देखाई देत रहे, अवुरी उ पूरा मिस्र देश में उनुका निहन ना रहले।
15 ओह घरी जब ऊ अपना मालिक के घर में रहले, घर में घुस के बाहर निकलत रहले आ अपना मालिक के देखभाल करत रहले, त उनकर मालिक के मेहरारू जेलिका यूसुफ के ओर आँख उठा के देखली आ देखली कि ऊ एगो सुन्दर आ अनुग्रहित नवही रहले।
16 ऊ अपना दिल में उनकर सुंदरता के लालच करत रहली आ उनकर आत्मा यूसुफ पर टिकल रहली आ दिन पर दिन यूसुफ के लुभावत रहली आ जलिकाह रोज यूसुफ के मनावत रहली, बाकिर यूसुफ अपना मालिक के मेहरारू के देखे खातिर आँख ना उठवले।
17 जलिकाह ओकरा से कहलस, "तोहार रूप आ रूप केतना बढ़िया बा, हम सचमुच सब दास के देखले बानी, आ तोहरा जइसन सुन्दर गुलाम नइखी देखले। यूसुफ ओकरा से कहलन, "साँचहू जे हमरा के माई के पेट में बनवले बा, उ सब मनुष्य के रचले बा।"
18 ऊ ओकरा से कहली, "तोहार आँख केतना सुन्दर बा, जवना से तू मिस्र के सभ निवासी मरद मेहरारू के चकाचक कर देले बाड़। ऊ ओकरा से कहलस, "हमनी के जिंदा रहला पर ऊ लोग केतना सुन्दर बा, बाकिर अगर तू ओह लोग के कब्र में देखब त तू ओह लोग से दूर हो जइबऽ."
19 ऊ ओकरा से कहली, "तोहार सब बात केतना सुन्दर आ मनभावन बा। अब घर में जवन वीणा बा, ओकरा के लेके हाथ से बजाईं आ हमनी के तोहार बात सुनीं।
20 ऊ ओकरा से कहलस, "जब हम अपना परमेश्वर के स्तुति आ उनकर महिमा के बात कहत बानी त हमार बात केतना सुन्दर आ मनभावन होला। ऊ ओकरा से कहली, "तोहार माथा के बाल

केतना सुन्दर बा, देखऽ घर में जवन सोना के कंघी बा, ओकरा के लेके तोहरा माथा के बाल घुमा दऽ।"
21 उ ओकरा से कहलस, "तू कब तक इ बात कहब? हमरा से ई बात कहल बंद करऽ आ उठ के अपना घरेलू काम में ध्यान दीं.
22 ऊ ओकरा से कहली, "हमरा घर में केहू नइखे आ तोहार बात आ तोहार इच्छा के अलावा कुछुओ पूरा करे के नइखे। तबो एह सब के बावजूद उ यूसुफ के अपना लगे ना ले आ पवली, ना उ उनुका प आपन नजर रखले, बालुक उनुकर नजर नीचे जमीन के ओर ले गईले।
23 जलिकाह यूसुफ के मन में निहोरा कइलन कि ऊ ओकरा साथे लेट जाव आ जब यूसुफ घर में बइठ के आपन काम करत रहले, ओही घरी जब यूसुफ उनका सामने बइठल रहले आ ऊ रोज अपना भाषण से उनका के लुभावत रहली कि ऊ उनका साथे लेट जासु भा कबो उनका ओर देखसु, बाकिर यूसुफ उनकर बात ना सुनत रहले.
24 उ ओकरा से कहली, "अगर तू हमरा बात के मुताबिक ना करब त हम तोहरा के मौत के सजा देब अवुरी तोहरा प लोहा के जुआ लगा देब।
25 यूसुफ ओकरा से कहलस कि, "मनुष्य के बनावे वाला परमेश्वर कैदियन के बेड़ी खोल देले अवुरी उहे हमरा के तोहरा जेल से अवुरी तोहरा न्याय से बचाईहे।
26 जब ऊ ओकरा पर हावी ना हो पवली आ ओकरा के मनावे में ओकर जान अबहियों ओकरा पर टिकल रहे, त ओकर इच्छा ओकरा के एगो गंभीर बेमारी में डाल दिहलस।
27 मिस्र के सब मेहरारू ओकरा से मिले आके कहली कि, "तू अतना घटत हालत में काहे बाड़ू?" तू जेकरा कुछुओ के कमी नइखे; निश्चय ही तोहार पति राजा के नजर में एगो महान आ सम्मानित राजकुमार हवें, का तोहरा मन में जवन चाहत बा ओकर कवनो कमी बा?
28 जलिकाह ओ लोग के जवाब दिहली, "आज तोहनी के पता चल जाई कि इ अव्यवस्था कहां से निकलल बा, जवना में तू हमरा के देखतानी, अवुरी उ अपना नौकरानी के आदेश देली कि उ सभ महिला खाती खाना तैयार करस अवुरी उ ओ लोग खाती भोज बनवली अवुरी सभ मेहरारू जेलिका के घर में खाना खईली।
29 ऊ ओह लोग के चाकू दे के सिट्रॉन के छिलके ओकरा के खाए खातिर आज्ञा दिहली कि ऊ लोग यूसुफ के महँग कपड़ा पहिन के ओह लोग का सोझा हाजिर हो जाव आ यूसुफ ओह लोग के आँख का सोझा आ गइल आ सभे मेहरारू यूसुफ के ओर देखली आ ओकरा से आपन आँख ना हटा पवलसि आ ऊ सब लोग ओह चाकू से आपन हाथ काट दिहल जवन ओह लोग के हाथ में रहे आ ओह लोग के हाथ में जवन सिट्रॉन रहे ऊ सब खून से भरल रहे.
30 उ लोग के इ ना मालूम रहे कि उ लोग का कईले बाड़े, लेकिन उ लोग यूसुफ के सुंदरता के देखत रहले अवुरी उनुका से पलक ना फेरले।
31 जलिकाह उ लोग के काम देख के कहली, "तू लोग इ का काम कईले बाड़ू?" देखऽ हम तोहरा के खए खातिर सिट्रॉन देले बानी आ रउआ सभे आपन हाथ काट देले बानी।
32 सब मेहरारू लोग ओह लोग के हाथ देख के देखली कि ऊ लोग खून से भरल रहे आ उनकर खून ओह लोग के कपड़ा पर बहत रहे आ ऊ लोग ओकरा से कहली कि, "तोहरा घर के ई गुलाम हमनी पर विजय पा लिहले बा, आ हमनी के ओकर सुंदरता के चलते ओकरा से आपन पलक ना मोड़ पवनी जा।"
33 ऊ ओह लोग से कहली, "तब तोहनी के साथे अइसन भइल जब तू ओकरा के देखनी आ ओकरा से अपना के ना रोक पवनी। तब हम कइसे परहेज करब जब ऊ लगातार हमरा घर में रहेला आ हम ओकरा के दिन पर दिन अपना घर में घुसत-निकलत देखत बानी. तब हम एकरा चलते कइसे गिरावट ना होखे भा नाश होखे से भी रोक सकीले?
34 ऊ लोग ओकरा से कहल कि ई बात सही बा काहे कि के घर में ई सुन्दर रूप देख सकेला आ ओकरा से परहेज कर सकेला आ का ऊ तोहार घर में तोहार गुलाम आ नौकर ना ह आ काहे ना ओकरा के ऊ बात बताईं जवन तोहरा दिल में बा आ एह बात से तोहार आत्मा के नाश होखे देत बाड़ऽ?
35 ऊ ओह लोग से कहली, "हम रोज ओकरा के मनावे के कोशिश करत बानी, आ ऊ हमरा इच्छा से सहमत ना होई, आ हम ओकरा से हर बढ़िया वादा कइले रहनी, बाकिर तबहियों हम ओकरा से कवनो वापसी ना कर पवनी। एहसे हम गिरावट के हालत में बानी जइसन कि रउरा देखत बानी.
36 जलिकाह यूसुफ के प्रति इच्छा के चलते बहुत बेमार हो गईली अवुरी उ यूसुफ के चलते बहुत बेमार हो गईली अवुरी जेलिकाह अवुरी उनुकर पति के घर के सभ लोग के ए बात के बारे में कुछूओ ना मालूम रहे कि जेलिकाह यूसुफ से प्रेम के चलते बेमार बाड़े।
37 ओकरा घर के सब लोग ओकरा से पूछले कि, "तू काहे बेमार आ क्षीण हो रहल बाड़ू, आ कुछुओ के कमी नइखे?" ऊ ओह लोग से कहली, "हम ई बात नइखीं जानत जवन हमरा पर रोज बढ़त बा."
38 सब मेहरारू आ ओकर दोस्त रोज ओकरा से मिले आवत रहली आ ऊ लोग ओकरा से बात करत रहली आ ऊ ओह लोग से कहली, "ई त यूसुफ के प्रेम से ही हो सकेला। उ लोग ओकरा से कहलस कि, "ओकरा के लुभाव के चुपके से पकड़ लीं, कहीं उ तोहार बात सुन के तोहरा से इ मौत के दूर क देवे।"
39 जलिकाह यूसुफ से प्रेम से अउरी खराब हो गइली आ जबले ओकरा खड़ा होखे के ताकत कम ना हो गइल तबले ऊ मना करत रहली।
40 एक दिन यूसुफ घर में अपना मालिक के काम करत रहले, त जेलिकाह चुपके से आके अचानक उनुका प गिर गईले अवुरी यूसुफ ओकरा से जादे ताकतवर रहले अवुरी उनुका के जमीन प उतार देले।
41 जब जेलिकाह ओकरा से मन के इच्छा के चलते रोवत रहली अवुरी रोवत-रोवत उनुका से निहोरा कईली अवुरी उनुका गाल से लोर बह गईल अवुरी उनुका से निहोरा अवुरी कड़वाहट के आवाज़ में कहली।
42 का तू कबो सुनले बाड़ू, देखले बाड़ू भा जानत बाड़ू कि हमरा जइसन अतना सुन्दर, भा हमरा से बढ़िया मेहरारू, जे रोज तोहरा से बात करेले, तोहरा से प्रेम के चलते पतन में गिर जाले, तोहरा के ई सब सम्मान देले, आ तबहियो तू हमार आवाज ना सुनब?
43 आ अगर तोहरा मालिक के डर से बा कि कहीं ऊ तोहरा के सजा ना देसु त राजा के जिंदा बा त एह बात से तोहरा मालिक के ओर से तोहरा कवनो नुकसान ना होई। अब, एह से प्रार्थना करीं कि हमार बात सुनी, आ हम जवन सम्मान तोहरा के देले बानी

ओकरा खातिर सहमति दीं, आ ई मौत हमरा से टार दीं, आ हम तोहरा खातिर काहे मरब? आ ऊ बोलल छोड़ दिहली.
44 यूसुफ ओकरा के जवाब दिहलन, "हमरा से परहेज करऽ आ ई बात हमरा मालिक पर छोड़ दीं। देखऽ, हमार मालिक नइखन जानत कि घर में हमरा साथे का बा, काहे कि ऊ जवन कुछ बा ओकरा के हमरा हाथ में सौंप दिहले बाड़न आ हम अपना मालिक के घर में ई काम कइसे करब?
45 काहेकि उ हमरा के अपना घर में भी बहुत आदर देले बाड़े अवुरी हमरा के अपना घर के देखरेख करेवाला भी बनवले बाड़े अवुरी हमरा के ऊपर उठवले बाड़े अवुरी ए घर में हमरा से बड़ केहु नईखे अवुरी हमार मालिक हमरा से कुछूओ ना रोकले बाड़े, सिवाय तोहरा के, जवन कि उनुकर पत्नी हई, त तू हमरा से इ बात कईसे कह सकतानी अवुरी हम भगवान अवुरी आपके पति के संगे इ बड़ बुराई अवुरी पाप कईसे क सकतानी?
46 अब हमरा से परहेज करऽ आ अब एह तरह के बात मत बोलऽ काहे कि हम तोहार बात ना सुनब। लेकिन जेलिकाह यूसुफ के बात ना सुनले, लेकिन उ रोज उनुका के सुने खातिर लुभावत रहली।
47 एकरा बाद मिस्र के धार चारो ओर से भर गईल अवुरी मिस्र के सभ निवासी निकल गईले अवुरी राजा अवुरी राजकुमार भी झंझरी अवुरी नाच के संगे निकल गईले, काहेंकी मिस्र में बहुत खुशी के समय रहे अवुरी सिहोर समुंदर के बाढ़ के समय छुट्टी के दिन रहे अवुरी उ लोग दिन भर उहाँ खुशी मनावे गईले।
48 जब मिस्र के लोग अपना रिवाज के मुताबिक नदी के ओर खुशी मनावे निकलल त पोतिफर के घर के सभ लोग ओ लोग के संगे चल गईले, लेकिन ज़लिका ओ लोग के संगे ना जाए के चाहत रहले, काहेंकी उ कहली कि, 'हमरा बेहाल बा, अवुरी उ घर में अकेले रह गईली अवुरी घर में उनुका संगे कवनो अवुरी आदमी ना रहे।'
49 ऊ उठ के घर में अपना मंदिर में चढ़ली आ रियासत के कपड़ा पहिन के अपना माथा पर गोमेद के पत्थर के कीमती पत्थर रखली, जवना में चांदी आ सोना जड़ल रहे, आ अपना चेहरा आ त्वचा के हर तरह के मेहरारू के शुद्ध करे वाला तरल पदार्थ से सुंदर कइली आ मंदिर आ घर के कैसिया आ लोबान से सुगंधित कइली आ माइरह आ लोबान से सुगंधित कइली मुसब्बर, आ ओकरा बाद ऊ मंदिर के प्रवेश द्वार पर, ओह घर के रास्ता में बइठ गइली, जवना से यूसुफ आपन काम करे खातिर गुजरत रहले, आ देखलस कि यूसुफ खेत से आके अपना मालिक के काम करे खातिर घर में घुस गइलन।
50 ऊ जहाँ से गुजरे के रहे, उहाँ पहुँच के जेलिका के सब काम देख के ऊ पीछे मुड़ गइलन।
51 जलिकाह यूसुफ के ओकरा से पीछे मुड़त देखले त ऊ ओकरा के आवाज दिहली आ पूछली कि तोहरा यूसुफ के का बेमारी बा? अपना काम में आ जा, आ देख, हम तोहरा खातिर तब तक जगह बना देब जब तक कि तू अपना आसन पर ना चढ़ जाई।
52 यूसुफ वापस आके घर में आके उहाँ से गुजर के अपना बईठल जगह प चल गईले अवुरी उ रोज निहन अपना मालिक के काम करे खाती बईठ गईले अवुरी देखले कि जेलिकाह उनुका लगे आके रियासत के कपड़ा पहिनले उनुका सोझा खड़ा हो गईले अवुरी उनुका कपड़ा से निकलल गंध दूर तक पसरल रहे।
53 ऊ जल्दी-जल्दी यूसुफ आ उनकर कपड़ा के पकड़ लिहली आ कहली, "जइसन राजा जिंदा बाड़न त अगर तू हमार निहोरा ना पूरा करब त आजु मर जाईब, आ ऊ जल्दी से आपन दूसरका हाथ बढ़ा के अपना कपड़ा के नीचे से तलवार निकाल के यूसुफ के गर्दन पर रखली आ कहली कि उठ के हमार निहोरा पूरा करऽ आ अगर तू आज ना मर गइल बाड़ऽ.
54 यूसुफ ओकरा से ई काम करत ओकरा से डेरा गइलन आ ऊ ओकरा से भागे खातिर उठ गइलन आ ऊ ओकर कपड़ा के आगे के हिस्सा पकड़ लिहली आ भागला के डर से ऊ कपड़ा जवन जलिकाह पकड़ले रहले ऊ फाट गइल आ यूसुफ ऊ कपड़ा जेलिका के हाथ में छोड़ दिहलन आ ऊ भाग के निकल गइलन काहे कि ऊ डेरा गइल रहले.
55 जब जेलिका देखलस कि यूसुफ के कपड़ा फाटल बा आ ऊ ओकरा हाथ में छोड़ के भाग गइल बा त ऊ अपना जान से डेरा गइल कि कहीं ओकरा बारे में खबर ना फइल जाव आ ऊ उठ के धूर्तता से काम कइली आ जवना कपड़ा में ऊ पहिनले रहली ऊ कपड़ा उतार के आपन दोसर कपड़ा पहिन लिहली.
56 ऊ यूसुफ के कपड़ा लेके अपना बगल में रख दिहली आ ऊ अपना घर के लोग नदी में निकले से पहिले जहाँ ऊ अपना बेमारी में बइठल रहली ओहिजा बइठ गइली आ एगो नवही के बोलवली जवन ओह घरी घर में रहे आ ओकरा के आदेश दिहली कि ऊ घर के लोग के अपना लगे बोलावे.
57 जब ऊ ओह लोग के देखली त ऊ जोर से आ विलाप करत कहली, "देखीं कि रउरा मालिक के घर में कवन हिब्रू हमरा लगे ले आइल बाड़न काहे कि ऊ आजु हमरा साथे सुते आइल बाड़न."
58 जब तू बाहर निकलनी त उ घर में अईले अवुरी देख के कि घर में केहु नईखे, त उ हमरा लगे आके हमरा संगे सुते के इरादा से हमरा के पकड़ लेले।
59 हम उनकर कपड़ा पकड़ के फाड़ के जोर से आवाज देनी आ जब हम आपन आवाज उठवनी त उ अपना जान से डेरा गईले अवुरी आपन कपड़ा हमरा सोझा छोड़ के भाग गईले।
60 उनकर घर के लोग कुछ ना बोलल, लेकिन उनकर गुस्सा यूसुफ पर बहुत भड़क गईल आ उ लोग उनकर मालिक के लगे जाके उनकर चालबाजी के बात बतवले|
61 पोतीफर खिसिया के घरे अइले आ उनकर मेहरारू उनका से चिल्ला के कहली कि, "तू हमरा साथे ई का कइले बाड़ऽ कि एगो ऊ ले के आइल बाड़?" हमरा घर में नौकर के शराब पी लीं, काहे कि उ आज हमरा संगे खेले खातिर हमरा लगे आईल बाड़े। आज उ हमरा संगे अयीसन कईले।
62 पोतीफर अपना मेहरारू के बात सुन के यूसुफ के कड़ा प्रहार के सजा देवे के आदेश देले अवुरी उ लोग उनुका संगे अयीसन कईले।
63 जब ऊ लोग ओकरा के मारत रहे त यूसुफ जोर से आवाज में आवाज उठवले आ कहलन, "हे प्रभु परमेश्वर, तू जानत बाड़ऽ कि हम एह सब बात से निर्दोष बानी, आ हम आज झूठ के चलते काहे मरब, एह अखतना दुष्टन के हाथ से, जेकरा के तू जानत बाड़?"
64 जब पोतीफर के आदमी यूसुफ के पीटत रहले त उ चिल्लात रोवत रहले अवुरी उहाँ एगारह महीना के एगो लईका रहे अवुरी प्रभु उ लईका के मुंह खोलले अवुरी उ यूसुफ के मारत पोतीफर के आदमी के सोझा इ बात कहले।

65 तोहनी के एह आदमी से का चाहीं आ ओकरा साथे ई बुराई काहे करत बाड़ऽ? हमार माई झूठ बोलत बिया आ झूठ बोलत बिया। एह तरह से लेनदेन भइल.
66 लइका ओ लोग के सब कुछ सही से बतवले आ जेलिकाह के सब बात यूसुफ से दिन पर दिन सुनावत रहले।
67 सब आदमी लइका के बात सुन के ऊ लोग लइका के बात पर बहुत अचरज में पड़ गइल आ लइका बोलल छोड़ के चुप हो गइल।
68 पोतीफर अपना बेटा के बात से बहुत शर्मिंदा हो गईले अवुरी उ अपना आदमी के आज्ञा देले कि उ यूसुफ के अब ना मारे अवुरी उ लोग यूसुफ के पिटाई बंद क देले।
69 पोतीफर यूसुफ के लेके राजा के न्यायाधीश याजकन के सोझा मुकदमा करावे के आदेश देले ताकि उ लोग के एह मामला में न्याय कईल जा सके।
70 पोतीफर आ यूसुफ राजा के न्यायाधीश याजकन के सोझा अईले त उ लोग से कहले, "हमरा से निहोरा बा कि, इ तय करीं कि एगो नौकर के कवन न्याय होखे के चाही, काहेकि उ अयीसन कईले बाड़े।
71 पुजारी लोग यूसुफ से कहलस, "तू अपना मालिक के साथे अयीसन काहे कईले बाड़? यूसुफ ओह लोग के जवाब दिहलन, "हमार मालिक लोग अईसन नइखे भइल। पोतीफर यूसुफ से कहलस, "हम आपन सब कुछ तोहरा हाथ में सौंप देले बानी, आ हम तोहरा से अपना मेहरारू के अलावा कुछुओ ना रोकले रहनी, आ तू इ बुराई कईसे कर सकत रहलू?
72 यूसुफ जवाब दिहलन, "अइसन ना हे मालिक, जइसे कि प्रभु जिंदा बा आ जइसे तोहार प्राण जिंदा बा, हे मालिक, जवन बात तू अपना मेहरारू से सुनले बाड़ू, ऊ असत्य बा, काहे कि आज के हालत अईसने बा।
73 हमरा खातिर एक साल बीत गईल जब हम तोहरा घर में रहनी। का तू हमरा में कवनो अधर्म देखले बाड़ू, भा कवनो अइसन बात जवन तोहरा से हमार जान माँग सकेला?
74 पुजारी लोग पोतीफर से कहलन, "हमनी के विनती बा कि भेजऽ आ उ लोग यूसुफ के फाटल कपड़ा के हमनी के सोझा ले आवे के चाहीं आ ओकरा में जवन फाड़ बा ओकरा के देखे के चाहीं आ अगर अइसन हो जाई कि ऊ फाड़ कपड़ा के सामने बा त ओकर चेहरा ओकरा सामने हो गइल होई आ ऊ ओकरा के पकड़ के ओकरा लगे आवे के पड़ी आ तोहार मेहरारू धोखा से ऊ सब काम कइलसि जवन ऊ कहलसि.
75 ऊ लोग यूसुफ के कपड़ा न्यायाधीश याजकन के सामने ले अइले आ देखले कि यूसुफ के सामने लोर बा, आ सभे न्याय करे वाला याजकन के पता चलल कि ऊ ओकरा के दबा दिहले बिया आ ऊ लोग कहल कि, "एह गुलाम के मौत के सजा नइखे काहे कि ऊ कुछ ना कइले बा, बाकिर ओकर फैसला ई बा कि ऊ रिपोर्ट के चलते जेल के घर में डाल दिहल जाव अपना मेहरारू के खिलाफ निकल जा।
76 पोतीफर ओह लोग के बात सुन के जेल के घर में रख दिहलन, जहाँ राजा के कैदी बंद बाड़े, आ यूसुफ बारह साल तक कैद के घर में रहले।
77 एकरा बावजूद उनकर मालिक के मेहरारू उनकर बात सुने खातिर उनकरा से दिन पर दिन बात करे से ना रुकल आ तीन महीना के अंत में जलिकाह दिन पर दिन यूसुफ के लगे कैद के घर में जात रहली आ जबलिका यूसुफ से आपन बात सुने खातिर लुभावत रहली आ ज़लिकाह यूसुफ से कहली कि, "तू एह घर में कब तक रहब?" लेकिन अब हमार आवाज सुन, हम तोहरा के एह घर से बाहर निकाल देब।
78 यूसुफ ओकरा के जवाब दिहलन, "हमरा खातिर ई घर में रहला से बढ़िया बा कि हम तोहार बात सुन के परमेश्वर के खिलाफ पाप करीं। ऊ ओकरा से कहली, "अगर तू हमार इच्छा पूरा ना करबऽ त हम तोहार आँख उखाड़ के तोहरा गोड़ में बेड़ी जोड़ देब आ तोहरा के ओह लोग के हाथ में सौंप देब जेकरा के तू पहिले ना जानत रहलू।
79 यूसुफ ओकरा के जवाब दिहलन, "देखऽ, पूरा धरती के भगवान हमरा के ऊ सब कुछ से बचावे में सक्षम बाड़न जवन तू हमरा साथे कर सकेलऽ, काहे कि ऊ आन्हर लोग के आँख खोल देला आ बान्हल लोग के ढीला कर देला आ देश से अनजान सभ परदेसी लोग के बचावेला।
80 जब जेलिका यूसुफ के बात सुने खातिर ना मना पवलस त उ यूसुफ के लुभावे जाए के काम छोड़ दिहली। आ यूसुफ अबहियों कैद के घर में बंद रहले। यूसुफ के बाप याकूब आ ओकर सब भाई जे कनान देश में रहले, उ लोग ओह दिन में यूसुफ के चलते शोक मनावत रहले अवुरी रोवत रहले, काहेंकी याकूब अपना बेटा यूसुफ खाती दिलासा देवे से इनकार क देले अवुरी याकूब ओ दिन भर रोवत-रोवत शोक करत रहले।

अध्याय 45 के बा

1 ओही साल, जवन कि यूसुफ के भाई लोग के बेचला के बाद मिस्र जाए के साल ह, जब याकूब के बेटा रूबेन तिमना गईले अवुरी कनान के अवी के बेटी एलीयुराम के पत्नी बना लेले अवुरी उ उनुका लगे पहुंचले।
2 रूबेन के मेहरारू एलीयुराम गर्भवती होके उनकरा से चार गो बेटा हनोक, पालू, चेत्रोन आ करमी के जनम दिहली। आ उनकर भाई शिमोन आपन बहिन दीना के मेहरारू बना लिहलन आ उनकरा से ममूएल, यामीन, ओहद, याचीन आ ज़ोकर के पाँच गो बेटा भइल।
3 ओकरा बाद ऊ कनान के महिला बुना के लगे अइले, उहे बुना ह जेकरा के शिमोन शेकेम शहर से बंदी बना लिहले रहले आ बुना दीना से पहिले रहले आ उनकर देखभाल कइले रहले आ शिमोन ओकरा लगे अइले आ ऊ शाऊल के जनम दिहली।
4 ओह घरी यहूदा अदुलम के लगे गइलन आ ऊ अदुलम के एगो आदमी के लगे गइलन, जेकर नाम हीरा रहे, आ यहूदा उहाँ कनान के एगो आदमी के बेटी देखलस, आ ओकर नाम शुआ के बेटी अलियात रहे, आ ऊ ओकरा के लेके ओकरा लगे आ गइलन आ अलियाथ के यहूदा, एर, ओनान आ शिलो के जनम भइल। तीन गो बेटा बाड़े।
5 लेवी आ इस्साकर पूरब के देश में चल गइलन आ एबर के बेटा योकतान के बेटा जोबाब के बेटी लोग के बियाह कर लिहले। योकतान के बेटा जोबाब के दू गो बेटी रहली। बड़का के नाम अदीना आ छोटका के नाम अरीदा रहे।
6 लेवी अदीना के लेके इसाकर अरीदा के लेके उ लोग कनान के देश में, अपना पिता के घरे पहुंचले अवुरी अदीना लेवी के गेरशोन, केहत अवुरी मेरारी के जन्म देले। तीन गो बेटा बाड़े।

7 अरीदा से इस्साकर तोला, पुवा, अय्यूब आ शोमरोन के चार गो बेटा भइले। दान मोआब के देश में जाके मोआब के चमुदान के बेटी अफललेत के बियाह क के कनान देश में ले अइले।
8 अफलालेत बंजर रहली, उनकर कवनो संतान ना रहे आ ओकरा बाद भगवान दान के मेहरारू अफलालेत के याद कइलन आ ऊ गर्भवती होके एगो बेटा के जनम दिहली आ उनकर नाम चुशिम रखली।
9 गाद आ नफ्ताली हारान गइलन आ ओहिजा से नाहोर के बेटा उज के बेटा अमुराम के बेटी लोग के मेहरारू बना लिहले।
10 अमुराम के बेटी लोग के नाम इहे ह। बड़का के नाम मेरिमा आ छोटका के नाम उजीत रहे। नफ्ताली मेरिमा आ गाद उजीत के पकड़ लिहलस। आ ओह लोग के कनान देश, अपना बाप के घरे ले अइले।
11 मेरिमा से नफ्ताली यखजील, गुनी, याजर आ शालेम के चार गो बेटा भइले। उजीत से गाद जेफियोन, चागी, शुनी, एजबोन, एरी, अरोदी आ अरली के सात गो बेटा भइल।
12 आशेर निकल के इस्माइल के बेटा हदाद के बेटा अफलाल के बेटी अदोन के कनान देश में ले अइले।
13 ओह दिन आशेर के मेहरारू अदोन के मौत हो गइल आ उनकर कवनो संतान ना रहे। आदोन के मरला के बाद ही आशेर नदी के ओह पार गईले अवुरी शेम के बेटा एबर के बेटा अबीमाएल के बेटी हदुरा के बियाह कईले।
14 ऊ युवती सुन्दर आ बुद्धिमान औरत रहली आ शेम के बेटा एलाम के बेटा मल्कीएल के मेहरारू रहली।
15 हदुरा मल्कील के एगो बेटी पैदा कइलस आ ओकर नाम सेराच रखलस आ एकरा बाद मल्कीएल के मौत हो गइल आ हदुरा जाके अपना पिता के घरे रह गइल।
16 आशेर में मेहरारू के मरला के बाद उ हदुरा के पत्नी बना के कनान के देश में ले अइले आ ओकर बेटी सेराक के भी अपना साथे ले अइले, आ ऊ तीन साल के रहली आ लइकी के याकूब के घर में पलल बढ़ल।
17 ऊ लइकी सुन्दर रूप के रहे आ याकूब के संतान के पवित्र रास्ता पर चलत रहे। ओकरा में कुछुओ के कमी ना रहे अवुरी प्रभु ओकरा के बुद्धि अवुरी समझ देले।
18 आशेर के मेहरारू हदुरा गर्भवती होके यिम्ना, यिश्वा, यिशवी आ बेरिया के जनम दिहली। चार गो बेटा बाड़े।
19 जबूलून मिद्यान में जाके मिद्यान के बेटा अबीदा के बेटा मोलाद के बेटी मरीशा के बियाह क के कनान देश में ले अइले।
20 मेरुशा जबूलून के सेरेद, एलोन आ यक्लील के जनम दिहलस। तीन गो बेटा बाड़े।
21 याकूब तेरा के बेटा ज़ोबा के बेटा अराम के लगे भेजले अवुरी उ अराम के बेटी बिन्यामीन मकालिया के अपना बेटा के लेले अवुरी उ कनान देश में याकूब के घरे पहुंच गईली। आ बिन्यामीन दस साल के रहले जब ऊ अराम के बेटी मेकालिया के मेहरारू बना लिहले।
22 मकालिया गर्भवती होके बिन्यामीन बेला, बेकर, अशबेल, गेरा आ नामान के पांच गो बेटा पैदा कइलस। एकरा बाद बिन्यामीन जाके आपन पहिला पत्नी के अलावा अब्राहम के बेटा शोमरोन के बेटी अरिबत के भी बियाह कईले अवुरी उ अठारह साल के रहले। अरिबाथ से बेंजामिन के अची, वोश, मुपिम, चुपिम आ ओर्ड के जनम भइल। पांच गो बेटा बाड़े।
23 ओह दिन में यहूदा शेम के घरे जाके शेम के बेटा एलाम के बेटी तामार के अपना पहिला बच्चा एर खातिर पत्नी बना लिहले।
24 एर अपना मेहरारू तामार के लगे अइले आ ऊ उनकर मेहरारू बन गइली आ जब ऊ उनका लगे अइले त ऊ बाहर से आपन संतान के नष्ट कर दिहलन आ उनकर काम प्रभु के नजर में बुरा हो गइल आ प्रभु उनकर हत्या कर दिहलन.
25 यहूदा के पहिला बच्चा एर के मरला के बाद यहूदा ओनान से कहलस कि, अपना भाई के पत्नी के लगे जाके ओकरा के अगिला रिश्तेदार के रूप में बियाह क के अपना भाई के संतान पैदा कर।
26 ओनान तामार के पत्नी बना लेले अवुरी उ ओकरा लगे अईले अवुरी ओनान भी अपना भाई के काम निहन काम कईले अवुरी उनुकर काम प्रभु के नजर में बुरा रहे अवुरी उ उनुका के भी मार देले।
27 जब ओनान मरल त यहूदा तामार से कहलस, "जब तक हमार बेटा शिलो बड़ ना हो जाई, तब तक तोहरा पिता के घर में रहब, आ यहूदा तामार के शिलो के देवे में अब ना खुश हो गईले, काहेकि उ कहले रहले कि, "शायद उहो अपना भाई के निहन मर जईहे।"
28 तामार उठ के जाके अपना पिता के घर में रह गईली अवुरी तामार कुछ समय तक अपना पिता के घर में रहली।
29 साल के क्रांति के समय यहूदा के पत्नी अलियाथ के मौत हो गईल। आ यहूदा के अपना मेहरारू खातिर दिलासा दिहल गइल आ अलियात के मरला के बाद यहूदा अपना दोस्त हीरा के साथे तिमना चढ़ गइलन कि ऊ लोग के भेड़ काट सके।
30 तामार सुनलस कि यहूदा भेड़ काट के तिम्ना गईल बाड़े अवुरी शिलो बड़ हो गईल बाड़े अवुरी यहूदा उनुका से खुश ना भईले।
31 तामार उठ के आपन विधवा के कपड़ा उतार के अपना पर घूंघट पहिन के पूरा तरह से ढंक लिहली आ तिमना के रास्ता पर सार्वजनिक मार्ग पर बइठ गइली।
32 यहूदा ओकरा के देख के ओकरा के लेके चल गईले अवुरी उ ओकरा लगे पहुंचले अवुरी प्रसव के समय उनुका पेट में जुड़वा बच्चा रहले अवुरी उ पहिला के नाम पेरेज रखले अवुरी दूसरा के नाम जराह रखले।

अध्याय 46 के बा

1 ओह घरी यूसुफ मिस्र देश के जेल में बंद रहले।
2 ओह घरी फिरौन के नौकर, मिस्र के राजा के खबास आ बेकर के सरदार, उनकरा सामने खड़ा रहले।
3 खबास शराब लेके राजा के सामने पीये खातिर रखलस आ बेकर राजा के सामने रोटी रख के खाए खातिर रखलस आ राजा शराब पी के रोटी के कुछ से खाना खइले, उ आ राजा के मेज पर खाना खाए वाला नौकर आ सेवक लोग।
4 जब ऊ लोग खात-पीयत रहे त खबास आ बेकर उहाँ रह गइलन आ फिरौन के सेवकन के ओह शराब में बहुत मक्खी मिलल जवन खबास लेके आइल रहे आ बेकर के रोटी में नाइटर के पत्थर मिलल।
5 पहरेदार के सेनापति यूसुफ के फिरौन के अफसरन के सेवक बना दिहलन आ फिरौन के अधिकारी एक साल तक जेल में रहले।

6 साल के अंत में दुनो लोग एक रात में सपना देखले, जवना जगह प उ लोग रहले, अवुरी सबेरे यूसुफ ओ लोग के लगे रोज निहन देखभाल करे अईले, अवुरी उ ओ लोग के देखले अवुरी देखले कि उनुकर चेहरा उदास अवुरी उदास रहे।
7 यूसुफ ओह लोग से पूछले, "आज तोहनी के चेहरा उदास आ उदास काहे बा? उ लोग ओकरा से कहलस कि हमनी के सपना देखले रहनी जा, लेकिन एकर व्याख्या करे वाला केहु नईखे। यूसुफ ओह लोग से कहले, "हमरा से निहोरा बा कि आपन सपना बताईं, त भगवान तोहनी के जइसन मन करे ओइसन शांति के जवाब दीहें।
8 खबास यूसुफ के आपन सपना बतवले आ कहलन कि, "हम सपना में देखनी कि हमरा सोझा एगो बड़हन बेल के पेड़ रहे आ ओह बेल पर तीन गो डाढ़ देखनी आ बेल जल्दी से फूलल आ बहुते ऊँचाई पर चहुँप गइल आ ओकर गुच्छा पक के अंगूर बन गइल.
9 हम अंगूर लेके एगो प्याला में दबा के फिरौन के हाथ में रखनी आ उ पी गईले। यूसुफ ओकरा से कहले, "बेल के तीन गो डाढ़ तीन दिन के बा।"
10 तबो तीन दिन के भीतर राजा तोहरा के बाहर ले आवे के आदेश दिहे अवुरी उ तोहरा के अपना पद प वापस क दिहे अवुरी तू राजा के शराब ओइसहीं पी दिही, जईसे पहिले जब तू उनुकर खबास रहनी। बाकिर हमरा के तोहरा नजर में अनुग्रह पावे के चाहीं कि जब तोहरा ठीक हो जाई त तू हमरा के फिरौन के याद करऽ आ हमरा पर दया करऽ आ हमरा के एह जेल से बाहर निकालवा देब, काहे कि हमरा के कनान देश से चोरा के ले आवल गइल रहे आ एही जगहा गुलाम के रूप में बेचल गइल रहे।
11 हमरा मालिक के मेहरारू के बारे में जवन बात तोहरा के बतावल गइल रहे ऊ झूठ बा, काहे कि ऊ लोग हमरा के बेकार में एह काल कोठरी में रखले बा। खबास यूसुफ के जवाब दिहलस, "जदि राजा हमरा साथे पहिले जइसन बढ़िया व्यवहार करी, जइसन कि तू हमरा के आखिरी बेर समझवले रहलू, त हम तोहार जवन चाहत बाड़, उ सब करब आ तोहरा के एह काल कोठरी से बाहर निकाल देब।"
12 बेकर के देख के कि यूसुफ खबास के सपना के सही व्याख्या कईले बाड़े, उ भी नजदीक पहुंचले अवुरी अपना पूरा सपना के यूसुफ से बतवले।
13 ऊ ओकरा से कहलस, "हमरा सपना में हमरा माथा पर तीन गो सफेद टोकरी देखनी, त हम देखनी कि सबसे ऊपर के टोकरी में फिरौन खातिर तरह तरह के पकावल मांस रहे, त देखनी कि चिरई हमरा माथा से ओकरा के खात रहली।
14 यूसुफ ओकरा से कहले, "तू जवन तीन गो टोकरी देखनी उ तीन दिन के बा, लेकिन तीन दिन के भीतर फिरौन तोहार माथा उतार के पेड़ प लटका दिहे अवुरी चिरई तोहार मांस खा जईहे, जईसे कि तू सपना में देखले रहलू।
15 ओह दिन में रानी के प्रसव होखे वाला रहे आ ओह दिन मिस्र के राजा के एगो बेटा भइल आ ऊ लोग घोषणा कइल कि राजा के पहिला बेटा हो गइल बा आ मिस्र के सब लोग फिरौन के अफसर आ नौकरन के साथे बहुत खुश हो गइल।
16 फिरौन अपना जनम के तीसरा दिन अपना अफसर आ नौकरन खातिर, सोअर आ मिस्र के सेना खातिर भोज बनवले।
17 मिस्र के सब लोग आ फिरौन के नौकर राजा के बेटा के भोज में खाए-पीए खातिर आ राजा के खुशी में खुश होखे खातिर आ गईले।
18 राजा के सब अफसर आ उनकर नौकर आठ दिन तक भोज में आनन्दित रहले आ आठ दिन तक राजा के घर में तरह तरह के वाद्ययंत्र, टिम्बर आ नाच से मस्ती करत रहले।
19 जवना खबास के यूसुफ आपन सपना के व्याख्या कईले रहले, उ यूसुफ के भुला गईले अवुरी उ राजा के सोझा उनुकर नाम ना लेले, जईसे कि उ वादा कईले रहले, काहेंकी इ बात यूसुफ के सजा देवे खाती प्रभु के ओर से रहे, काहेंकी उ आदमी प भरोसा कईले रहले।
20 एकरा बाद यूसुफ दू साल तक जेल के घर में रहले, जब तक कि उ बारह साल पूरा ना हो गईले।

अध्याय 47 के बा

1 अब्राहम के बेटा इसहाक ओह घरी कनान देश में रहत रहले। ऊ बहुत उमिर के रहले, एक सौ अस्सी साल के रहले आ उनकर बेटा एसाव, याकूब के भाई, एदोम के देश में रहले आ उनकर आ उनकर बेटा लोग सेयर के लोग के बीच में ओह देश में संपत्ति रहे।
2 एसाव सुनलन कि उनकर बाप के मरला के समय करीब आ गइल बा आ ऊ आ उनकर बेटा आ घर के लोग कनान के देश, अपना बाप के घर में आ गइलन आ याकूब आ उनकर बेटा हेब्रोन में रहे वाला जगह से निकल गइलन आ सभे अपना बाप इसहाक के लगे चल गइलन आ एसाव आ उनकर बेटा लोग डेरा में मिल गइलन।
3 याकूब आ उनकर बेटा लोग उनकर पिता इसहाक के सामने बइठल रहले आ याकूब अभी भी अपना बेटा यूसुफ खातिर शोक मनावत रहले।
4 इसहाक याकूब से कहलन, "अपना बेटा लोग के हमरा के इहाँ ले आवऽ आ हम ओह लोग के आशीर्वाद देब। याकूब अपना एगारह गो लइकन के अपना पिता इसहाक के सामने ले अइले।
5 इसहाक याकूब के सब बेटा लोग पर हाथ रख के ओह लोग के पकड़ के गले लगा लिहले आ एक-एक क के चुम्मा लिहले आ इसहाक ओह दिन ओह लोग के आशीष दिहलन आ कहलन कि, "रउरा बाप-दादा के परमेश्वर तोहनी के आशीर्वाद देसु आ तोहनी के संतान के संख्या में बढ़ावस, जइसे कि स्वर्ग के तारा नियर बढ़ाईं।"
6 इसहाक एसाव के बेटा लोग के भी आशीष दिहलन कि, "परमेशवर तोहरा के जे भी देखत होई आ तोहरा सब दुश्मनन खातिर भयावह आ भयावह बनावस।"
7 तब इसहाक याकूब आ उनकर बेटा लोग के बोलवले, आऊ सब लोग इसहाक के सामने बइठल आ इसहाक याकूब से कहलस, "पूरे धरती के परमेश्वर प्रभु हमरा से कहले कि, अगर तोहार लइका हमार नियम आ हमरा रास्ता के पालन करीहें त हम तोहरा संतान के ई देश विरासत के रूप में देब आ हम ओह लोग के ऊ किरिया पूरा करब जवन हम तोहरा पिता अब्राहम के किरिया खइले रहनी।
8 अब हमार बेटा, अपना लइकन आ अपना लइकन के लइकन के प्रभु से डेराए के सिखाईं आ ओह बढ़िया रास्ता पर चलीं जवन तोहार परमेश्वर यहोवा के खुश करी, काहे कि अगर तू प्रभु के

रास्ता आ उनकर नियम के पालन करीं त प्रभु तोहरा खातिर अब्राहम के साथे आपन वाचा भी पालन करीहें आ तोहरा आ तोहरा वंशज के साथे पूरा दिन भलाई करीहें।
9 जब इसहाक याकूब आ अपना लइकन के आज्ञा दे के पूरा कइलन त ऊ भूत छोड़ के मर गइलन आ अपना लोग के बीच बटोर लिहलन.
10 याकूब आ एसाव अपना पिता इसहाक के मुँह पर गिर गइलें आ रोवे लगलन आ इसहाक के उमिर एक सौ अस्सी साल के रहे जब ऊ कनान देश, हेब्रोन में मर गइलन आ उनकर बेटा लोग उनका के मकपेला के गुफा में ले गइल, जवना के अब्राहम हेत के लोग से खरीद के दफन के जगह बनवले रहले।
11 कनान के सब राजा याकूब आ एसाव के साथे इसहाक के दफनावे गईले, आ कनान के सब राजा इसहाक के मौत के समय बहुत आदर देले।
12 याकूब के बेटा आ एसाव के बेटा नंगे पांव घूमत-फिरत आ विलाप करत रहले, जब तक कि किरेत-अरबा ना पहुंच गईले।
13 याकूब आ एसाव अपना पिता इसहाक के मकपेला के गुफा में दफना दिहले, जवन कि हेब्रोन के किरेत-अर्बा में बा, आ राजा लोग के अंतिम संस्कार के समय निहन बहुत सम्मान के संगे दफना देले।
14 याकूब आ उनकर बेटा, एसाव आ उनकर बेटा आ कनान के सब राजा लोग बड़ा आ भारी शोक मनावत रहे आ उ लोग उनका के दफना के कई दिन तक शोक मनावत रहले।
15 इसहाक के मरला पर ऊ आपन पशु-पक्षी आ आपन संपत्ति आ आपन सब सामान अपना बेटा लोग के छोड़ दिहलन। एसाव याकूब से कहले, "हमनी से निहोरा बा कि हमनी के पिता जवन कुछ छोड़ले बाड़े, ओकरा के हमनी के दु भाग में बांट देब अवुरी हमरा लगे विकल्प होई अवुरी याकूब कहले कि, हम अयीसन करब।"
16 याकूब कनान देश में इसहाक के जवन कुछ छोड़ले रहले, उ सब मवेशी अवुरी संपत्ति लेके एसाव अवुरी उनुका बेटा के सोझा दु भाग में रखले अवुरी एसाव से कहले, "देखऽ, इ सब तोहरा सोझा बा, जवन आधा तू लेबे के बा, उ अपना खातिर चुन लीं।"
17 याकूब एसाव से कहले, "सुनऽ हम तोहरा से का कहब कि आकाश आ धरती के परमेश्वर प्रभु हमनी के पुरखा अब्राहम आ इसहाक से कहले रहले कि, "हम तोहरा संतान के ई देश हमेशा खातिर विरासत में देब।"
18 अब हमनी के बाप के जवन कुछ छोड़ले बाड़े, उ सब तोहरा सोझा बा। तू ओह लोग में से जवन चाहत बाड़ऽ, उहे चुनऽ।
19 अगर तू चाहत बाड़ू कि पूरा धरती तोहरा आ तोहरा लइकन खातिर हमेशा खातिर ले लीं आ हम ई धन ले लेब, आ तू चाहत बाड़ू कि धन तोहरा लगे ले लीं आ हम ई भूमि अपना आ अपना लइकन खातिर हमेशा खातिर विरासत में ले लेब।
20 तब इस्माइल के बेटा नबायोत अपना लइकन के साथे ओह देश में रहले आ एसाव ओह दिन जाके उनकरा से सलाह लिहले।
21 याकूब हमरा से अईसन बात कईले बाड़े अवुरी उ हमरा के अईसन जवाब देले बाड़े, अब आपन सलाह दे अवुरी हमनी के सुनब।
22 नबायोत कहलस, "याकूब तोहरा से का कहले बाड़े? देखऽ, कनान के सब लोग अपना देश में सुरक्षित रूप से रहत बा आ याकूब कहत बा कि ऊ पूरा दिन अपना वंशज के साथे ओकर उत्तराधिकारी बन जाई।
23 अब जाके आपन बाप के सब धन लेके चल जा आ अपना भाई याकूब के उ देश में छोड़ द, जईसे उ कहले बाड़े।
24 एसाव उठ के याकूब के लगे वापस आ गईले अवुरी इश्माएल के बेटा नबायोत के सलाह के मुताबिक काम कईले। एसाव इसहाक के छोड़ल गइल सब धन, प्राणी, जानवर, मवेशी आ संपत्ति आ सब धन लेके चल गइलन। उ अपना भाई याकूब के कुछ ना दिहलस। याकूब मिस्र के धार से लेके यूफ्रेटिस नदी तक के पूरा कनान देश के अपना कब्जा में ले लिहले अवुरी ओकरा के हमेशा खाती अपना संतान अवुरी अपना बाद के संतान खाती ले लेले।
25 याकूब अपना भाई एसाव से मकपेला के गुफा भी ले लिहले, जवन कि हेब्रोन में बा, जवना के अब्राहम एफ्रोन से खरीदले रहले, ताकि उ अपना अवुरी उनुका संतान के हमेशा खाती दफन के जगह बन सके।
26 याकूब इ सब बात खरीददारी के किताब में लिख के हस्ताक्षर कईले अवुरी चार गो विश्वासपात्र गवाह के संगे इ सभ गवाही देले।
27 याकूब किताब में इहे शब्द लिखले बाड़न कि कनान के देश आ हित्ती, हिवी, यबूसी, अमोरी, फरीज आ गेर्गाशी के सब शहर, मिस्र के नदी से लेके यूफ्रेटिस नदी तक के सब सात गो राष्ट्र।
28 हेब्रोन किरेत-अर्बा शहर आ ओकरा में मौजूद गुफा के पूरा याकूब अपना भाई एसाव से कीमत के हिसाब से खरीदले रहले, जवन कि उनुका बाद के संतान के संपत्ति अवुरी विरासत के रूप में हमेशा खाती बनल रहे।
29 याकूब खरीददारी के किताब आ हस्ताक्षर, आज्ञा आ नियम आ प्रगट किताब लेके एगो माटी के बर्तन में रख दिहलन ताकि उ बहुत दिन तक रहे।
30 एसाव अपना भाई याकूब से आपन बाप के मरला के बाद जवन कुछ छोड़ले रहले, उ सब संपत्ति ले लिहले अवुरी उ सभ संपत्ति, आदमी अवुरी जानवर, ऊंट अवुरी गदहा, बैल अवुरी मेमना, चांदी अवुरी सोना, पत्थर अवुरी ब्डेलियन अवुरी इब्राहीम के बेटा इसहाक के जवन धन रहे, उ सभ संपत्ति ले लेले। कुछुओ ना बचल जवन एसाव अपना लगे ना ले लिहले, जवन कुछ इसहाक के मरला के बाद छोड़ले रहले।
31 एसाव ई सब लेके आपन भाई याकूब आ उनकर लइकन से दूर होरी के सेइर के देश में अपना लइका-लइकी घरे चल गइलन।
32 एसाव के सेईर के लोग के बीच संपत्ति रहे अवुरी एसाव ओ दिन से कनान देश में ना लवटले।
33 पूरा कनान देश इस्राएल के लोग के अनन्त विरासत में बनल आ एसाव अपना सब संतान के साथे सेईर पहाड़ के उत्तराधिकारी बन गइल।

अध्याय 48 के बा

1 ओह दिन में इसहाक के मौत के बाद प्रभु आज्ञा देके पूरा धरती पर अकाल पैदा कर दिहले।
2 ओह घरी मिस्र के राजा फिरौन मिस्र के देश में अपना सिंहासन पर बइठल रहले आ अपना बिछौना पर लेट के सपना देखत रहले आ फिरौन अपना सपना में देखले कि ऊ मिस्र के नदी के किनारे खड़ा बाड़े।

3 जब ऊ खड़ा रहले त देखलन कि सात गो मोट मांसल आ बढ़िया अनुग्रही गाय नदी से निकलल बाड़ी सँ.
4 ओह लोग के पीछे सात गो अउरी दुबला मांस आ दुर्गन्ध वाला गाय चढ़ल आ सात गो बेमार गढ़न के निगल गइल आ अबहियो ओह लोग के रूप पहिले जइसन बेमार रहे.
5 ऊ जाग गइलन आ ऊ फेर से सुत गइलन आ ऊ दुसरका बेर सपना देखलन आ देखलन कि एके डंठल पर सात गो मकई के कस्सा, रैंक आ बढ़िया, पूरब के हवा से सात गो पातर कान उगले, ओह लोग के पीछे-पीछे उठल आ पातर कान भरल कान के निगल गइल आ फिरौन अपना सपना से जाग गइलन.
6 सबेरे राजा के आपन सपना याद आ गईल अवुरी सपना के चलते उनुकर आत्मा दुखी हो गईल अवुरी राजा जल्दी-जल्दी भेज के मिस्र के सभ जादूगर अवुरी ज्ञानी लोग के बोलवले अवुरी उ लोग आके फिरौन के सोझा खड़ा हो गईले।
7 राजा ओह लोग से कहलन, "हम सपना देखले बानी आ ओकर व्याख्या करे वाला केहू नइखे। ऊ लोग राजा से कहल कि, आपन सपना अपना नौकरन के बताईं आ हमनी के सुनीं।
8 राजा आपन सपना ओह लोग के बतवले त सब लोग एक आवाज में राजा से कहलस कि राजा हमेशा खातिर जिंदा रहस। आ ई तहरा सपना के व्याख्या ह।
9 जवन सात गो बढ़िया गाय देखनी ऊ सात गो बेटी के बोध करावेली जवन तोहरा खातिर बाद के दिन में पैदा होखे वाली बाड़ी आ जवन सात गो गोबर ओकरा बाद चढ़ के देखनी आ ओह लोग के निगल गइल बाड़ी, ऊ एह बात के निशानी ह कि जवन बेटी तोहरा से पैदा होखी ऊ सब राजा के जीवनकाल में मर जइहें.
10 दूसरका सपना में जवन देखले बाड़ कि सात गो भरल-पूरल बढ़िया धान के एक डंठल पर उठत बा, एकर मतलब इहे बा कि तू अंतिम दिन में पूरा मिस्र में सात गो शहर अपना खातिर बनाइब। आ जवन सात गो धमाका कइल मकई के कन के बाद में उगत आ आँख से देखत घरी निगलत देखनी, ऊ एह बात के संकेत बा कि जवन शहर तू बनाईब, ऊ सब अंतिम दिन में, राजा के जीवनकाल में, नष्ट हो जाई।
11 जब ऊ लोग ई बात कहल त राजा ओह लोग के बात पर आपन कान ना झुकवले आ ना ही उनकर मन ओह लोग पर टिकवले, काहे कि राजा अपना बुद्धि से जानत रहले कि ऊ लोग सपना के सही व्याख्या ना देत रहे। जब उ लोग राजा के सोझा बात खतम कईले त राजा ओ लोग के जवाब देले कि, "तू हमरा से इ का बात कहले बानी?" तूँ झूठ बोलले बाड़ऽ आ झूठ बोलले बाड़ऽ; एह से अब हमरा सपना के सही व्याख्या दीं ताकि तू ना मरी जा।
12 राजा एकरा बाद आज्ञा देले अवुरी उ फेर से दोसरा ज्ञानी लोग के बोलवले अवुरी उ लोग राजा के सोझा खड़ा हो गईले अवुरी राजा उनुका के आपन सपना बतवले अवुरी उ सभ पहिला व्याख्या के मुताबिक उनुका के जवाब देले अवुरी राजा के गुस्सा भड़क गईल अवुरी उ बहुत नाराज हो गईले अवुरी राजा ओ लोग से कहले कि, 'तू लोग जवन कहले बानी ओकरा में सचमुच झूठ बोलतानी अवुरी झूठ बोलतानी।'
13 राजा आज्ञा दिहलन कि पूरा मिस्र देश में एगो घोषणा जारी कइल जाव कि, "राजा आ उनकर महापुरुष लोग के ई निश्चय बा कि जे भी बुद्धिमान आदमी सपना के व्याख्या जानत बा आ समझत बा, आ आज राजा के सामने ना आई, ओकर मौत हो जाई।
14 जे आदमी राजा के सपना के सही व्याख्या बताई, ओकरा के उ सब कुछ दिहल जाई जवन उ राजा से मांगी। मिस्र के सब ज्ञानी लोग मिस्र आ गोशेन, रामसेस, तचपंच, सोअर आ मिस्र के सीमा के सब जगहन पर मौजूद सब जादूगर आ जादूगरन के साथे राजा के सोझा आ गइलन आ सभे राजा के सामने खड़ा हो गइलन।
15 मिस्र के सब शहरन से राजा के सब कुलीन आऊ राजकुमार आ नौकर आऊ सब लोग राजा के सामने बइठल आ राजा आपन सपना के बात ज्ञानी लोग के सामने बतवले, आ राजकुमार लोग आ राजा के सामने बईठल सब लोग एह दर्शन से अचरज में पड़ गईले।
16 राजा से पहिले के सब ज्ञानी लोग उनकर सपना के व्याख्या में बहुत बंटल रहले। कुछ लोग राजा के सामने एकर व्याख्या करत कहलन कि, सात गो बढ़िया गाय सात गो राजा हवें, जेकरा राजा के मुद्दा से मिस्र पर पोसल जाई।
17 सात गो बदमाश गढ़ सात गो राजकुमार हवें, जे आखिरी दिन में ओह लोग के खिलाफ खड़ा होके ओह लोग के नाश कर दीहें। आ सात गो मकई के कन मिस्र के सात गो बड़का राजकुमार हवें जे अपना दुश्मनन के सात गो कम ताकतवर राजकुमारन के हाथ में हमनी के मालिक राजा के लड़ाई में गिर जइहें.
18 ओहमें से कुछ लोग राजा के एही तरह से व्याख्या करत कहलन कि सात गो बढ़िया गाय मिस्र के मजबूत शहर ह आ सात गो बदमाश कनान देश के सात गो राष्ट्र ह जवन आखिरी दिन में मिस्र के सात गो शहरन पर आके ओह लोग के नष्ट कर दीहें.
19 आ जवन तू दूसरा सपना में देखले बाड़, सात गो नीमन-बाउर कंस के, इ एगो संकेत बा कि मिस्र के सरकार फेर से तोहरा वंश में वापस आ जाई, जईसे पहिले भईल रहे।
20 ओकरा राज में मिस्र के शहरन के लोग कनान के सात गो शहरन के खिलाफ हो जाई जवन ओकरा से भी मजबूत बा आ ओह लोग के नष्ट कर दी आ मिस्र के सरकार तोहरा वंश में वापस आ जाई।
21 उ लोग में से कुछ लोग राजा से कहलस, "तोहार सपना के मतलब इहे बा। सात गो बढ़िया गाय सात गो रानी हई, जेकरा के तू अंतिम दिन में मेहरारू बना लेबऽ आ सात गो खराब गाय ई बतावेला कि ऊ मेहरारू सब राजा के जिनिगी में मर जइहें।
22 दूसरा सपना में जवन सात नीमन-बाउर कंस देखले बानी उ चौदह गो लइका हवें आ अंतिम दिन में उ लोग खड़ा होके आपस में लड़ाई लड़िहें आ सात गो अधिका ताकतवर सात गो के मार दीहें।
23 ओहमें से कुछ लोग राजा से ई बात कहलन कि, सात गो बढ़िया गाय बतावेला कि तोहरा से सात गो संतान पैदा होइहें आ आखिरी दिन में तोहरा संतान के सात गो संतान के मार दीहें। आ सात गो बढ़िया मकई के कस्सा जवन तू दूसरा सपना में देखले रहलू, ऊ राजकुमार हवें जिनका खिलाफ सात गो अउरी कम ताकतवर राजकुमार आखिरी जमाना में लड़ के ओह लोग के नष्ट कर दीहें आ तोहरा लइकन के मुद्दा के बदला ले लीहें आ सरकार फेर से तोहरा वंश में लवट जाई.
24 राजा मिस्र के ज्ञानी लोग के सब बात आ सपना के व्याख्या सुनलस त ओहमें से कवनो राजा के खुश ना भइल।

25 राजा अपना बुद्धि से जान गईले कि इ सब बात में उ लोग एकदम सही नईखन बोलत, काहेकि इ प्रभु के ओर से मिस्र के ज्ञानी लोग के बात के नाकाम करे के रहे, ताकि यूसुफ कैद के घर से निकल जास अवुरी मिस्र में महान बनस।
26 राजा देखलन कि मिस्र के सब ज्ञानी आ जादूगरन में से केहू ओकरा से सही बात नइखे करत आ राजा के क्रोध भड़क गइल आ उनकर क्रोध ओकरा भीतर जर गइल।
27 राजा आज्ञा दिहलन कि सब ज्ञानी आ जादूगर लोग उनका सामने से निकल जाव आ सब लोग लाज आ बेइज्जती से राजा के सामने से निकल गइल।
28 राजा आज्ञा दिहलन कि पूरा मिस्र में एगो घोषणा भेजल जाव कि मिस्र में मौजूद सब जादूगरन के मार दिहल जाव आ ओहमें से कवनो जादूगरन के जिए ना दिहल जाव.
29 राजा के पहरेदार के सेनापति उठ के हर आदमी आपन तलवार निकाल के मिस्र के जादूगर आ ज्ञानी लोग के मारे लगले।
30 एकरा बाद राजा के मुख्य खबास मेरोद आके राजा के सामने प्रणाम क के उनुका सोझा बईठ गईले।
31 खबास राजा से कहलस, “राजा हमेशा खातिर जिंदा रहस आ ओकर शासन देश में ऊँच होखे।”
32 तू ओह दिनन में अपना नौकर पर नाराज होके हमरा के वार्ड में रखले रहलू आ हम कुछ समय ले वार्ड में रहनी, हम आ बेकरन के मुखिया।
33 हमनी के साथे एगो इब्रानी नौकर रहे जवन पहरेदार के सेनापति के रहे, ओकर नाम यूसुफ रहे, काहे कि ओकर मालिक ओकरा से नाराज होके ओकरा के कैद के घर में रखले रहले अवुरी उ हमनी के उहाँ से सेवा देत रहले।
34 कुछ समय बाद जब हम वार्ड में रहनी त हम आ बेकर के मुखिया एक रात में सपना देखनी। हमनी के सपना देखनी जा, हर आदमी अपना सपना के व्याख्या के मुताबिक।
35 हमनी के सबेरे आके ओह नौकर के बतवनी जा आ उ हमनी के सपना के व्याख्या हर आदमी के अपना सपना के हिसाब से कईले, का उ सही व्याख्या कईले।
36 जइसे उ हमनी के व्याख्या करत रहलन, ओइसने घटना घटल। उनकर कवनो बात जमीन पर ना गिरल।
37 अब हमार मालिक आ राजा मिस्र के लोग के बेकार में नइखन मारत। देखऽ ऊ गुलाम अबहियों अपना मालिक के पहरेदार के कप्तान घर में बंद बा, कैद के घर में।
38 अगर राजा के मन करे त ओकरा के बोलावे के चाहीं कि ऊ तोहरा सोझा आवे आ ऊ तोहरा के ओह सपना के सही व्याख्या बतावे जवन तू सपना में देखले रहलू।
39 राजा मुख्य खबास के बात सुन के राजा आदेश देले कि मिस्र के ज्ञानी लोग के हत्या ना कईल जाए।
40 राजा अपना नौकरन के यूसुफ के सामने ले आवे के आदेश दिहलन त राजा ओह लोग से कहलन कि, “उनका लगे जाके ओकरा के मत डेराईं कि कहीं ऊ भ्रमित ना हो जाव आ ठीक से बोले के ना बुझी।”
41 राजा के नौकर यूसुफ के लगे गईले अवुरी जल्दी-जल्दी उनुका के कालकोठरी से निकाल देले अवुरी राजा के नौकर उनुका के मुंडन क लेले अवुरी उ जेल के कपड़ा बदल के राजा के सोझा आ गईले।
42 राजा अपना राजसिंहासन पर सोना के एफोड से बान्हल राजकुमारी पोशाक में बइठल रहले आ ओकरा पर लागल महीन सोना चमकत रहे आ कार्बंकल आ माणिक आ पन्ना के साथे राजा के माथा पर मौजूद सब कीमती पत्थर आँख के चकाचक कर दिहलस आ यूसुफ राजा के देख के बहुत आश्चर्यचकित हो गइलन।
43 जवना सिंहासन पर राजा बइठल रहले ऊ सोना चाँदी आ गोमेद के पत्थर से ढंकल रहे आ ओकरा पर सत्तर सीढ़ी रहे।
44 पूरा मिस्र देश में उनकर रिवाज रहे कि राजा से बात करे आवे वाला हर आदमी अगर राजकुमार होखे भा राजा के नजर में कीमती होखे त एकतीसवाँ सीढ़ी तक राजा के सिंहासन पर चढ़ जाला आ राजा छत्तीसवाँ सीढ़ी पर उतर के ओकरा से बात करस।
45 अगर उ आम लोग में से एगो रहले त तीसरा सीढ़ी प चढ़त रहले अवुरी राजा चउथा सीढ़ी प उतर के उनुका से बात करत रहले अवुरी एकरा अलावे ओ लोग के रिवाज इ रहे कि जे भी आदमी सत्तर भाषा में बोले के समझत रहे, उ सत्तर सीढ़ी प चढ़ के राजा के लगे पहुंचे तक बोलत रहे।
46 जे केहू सत्तर के पढ़ाई पूरा ना कर पावत रहे, उ ओतने सीढ़ी चढ़त रहे जतना ओह भाषा में बोले के जानत रहे।
47 मिस्र में ओह घरी के रिवाज रहे कि केहू ओह लोग पर राज ना करे, बलुक जे सत्तर भाषा में बोले के समझे।
48 जब यूसुफ राजा के सोझा अईले त उ राजा के सोझा जमीन प झुक गईले अवुरी तीसरा सीढ़ी प चढ़ गईले अवुरी राजा चउथा सीढ़ी प बईठ के यूसुफ से बात कईले।
49 राजा यूसुफ से कहले, “हम सपना देखले बानी, आ एकर सही व्याख्या करे वाला कवनो व्याख्याकार नइखे, आ हम आजु आज्ञा देले बानी कि मिस्र के सब जादूगर आ ओकर ज्ञानी लोग हमरा सोझा आवे, आ हम आपन सपना ओह लोग के बतवनी, आ केहू हमरा के सही व्याख्या नइखे कइले।
50 एकरा बाद हम आज तोहरा बारे में सुननी कि तू एगो बुद्धिमान आदमी हउअ आ हर सपना के सही व्याख्या कर सकेनी।
51 यूसुफ फिरौन के जवाब दिहलन कि फिरौन अपना सपना के बतावे। निश्चय ही व्याख्या भगवान के ह। आ फिरौन आपन सपना यूसुफ से बतवले, गाय के सपना, आ धान के कन के सपना, आ राजा आपन बात छोड़ दिहलस।
52 तब यूसुफ राजा के सामने परमेश्वर के आत्मा के कपड़ा पहिनले रहले अवुरी उ सब बात जानत रहले कि उ राजा के सपना के सही व्याख्या जानत रहले अवुरी उ राजा के सोझा बात कईले।
53 यूसुफ के राजा के नजर में अनुग्रह मिलल आ राजा आपन कान आ मन झुका दिहलन आ यूसुफ के सब बात सुनलन। यूसुफ राजा से कहले, “ई मत सोचऽ कि ई दू गो सपना ह, काहे कि ई खाली एगो सपना ह, काहे कि ऊ पूरा देश में जवन भगवान अपना सपना में राजा के देखवले बाड़न, ओकरा खातिर चुनले बाड़न आ ई तोहार सपना के सही व्याख्या बा।
54 सात गो नीमन गढ़ आ धान के बास सात साल के होला आ सात गो खराब गठरी आ धान के बास सात साल के होला। ई त एके गो सपना ह।
55 देखऽ, जवन सात साल आवे वाला बा, उ पूरा देश में बहुत भरमार होई, आ ओकरा बाद सात साल के अकाल, बहुत बड़ अकाल हो जाई। आ देश से सब भरमार भुला जाई आ अकाल देश के निवासी लोग के भस्म कर दी।

56 राजा एक सपना देखलन आ फिरौन के सपना दोहरावल गइल काहे कि ई बात भगवान के ओर से स्थापित कइल गइल बा आ भगवान जल्दीए एकरा के पूरा कर दिहें।
57 अब हम तोहरा के सलाह देब आ तोहरा आ ओह देश के निवासी लोग के जान के अकाल के बुराई से बचाइब कि तू अपना पूरा राज्य में एगो अइसन आदमी के खोज करीं जवन बहुते समझदार आ बुद्धिमान होखे, जे शासन के सब काम जानत होखे आ ओकरा के मिस्र के भूमि के देखरेख करे खातिर नियुक्त करऽ.
58 जेकरा के तू मिस्र के ऊपर रखले बाड़, ओकरा अधीन अफसरन के नियुक्ति करस कि उ लोग आवे वाला अच्छा साल के सब खाना बटोर सके, आ ओकरा के धान जमा क के तोहरा नियत भंडार में जमा करस।
59 अकाल के सात साल तक उ खाना रखे ताकि तोहरा आ तोहरा लोग के आ तोहरा पूरा देश के मिल जाव आ तोहरा आ तोहार देश के अकाल से ना कटवावे।
60 एह देश के सब निवासी लोग के भी आदेश दिहल जाव कि सात अच्छा साल में हर केहू अपना खेत के उपज, हर तरह के खाना के बटोर के अपना भंडार में रखे, ताकि अकाल के दिन में उ लोग के उ मिल सके अवुरी उ लोग ओकरा प जिंदा रह सके।
61 ई तोहार सपना के सही व्याख्या ह, आ इहे सलाह बा जवन तोहार आत्मा आ तोहरा सब प्रजा के आत्मा के बचावे खातिर दिहल गइल बा।
62 राजा यूसुफ से पूछले, "के कहत बा आ के जानत बा कि तोहार बात सही बा?" राजा से कहलन, "हमार सब बात के आदर करत ई तोहरा खातिर एगो निशानी होई कि ई बात सही बा आ हमार सलाह तोहरा खातिर बढ़िया बा।"
63 देखऽ तोहार मेहरारू आजु प्रसव के मल पर बइठल बिया आ ऊ तोहरा के एगो बेटा पैदा करी आ तू ओकरा साथे खुश होखबऽ। जब तोहार लइका अपना महतारी के पेट से निकल जाई त तोहार पहिला बेटा जवन एह दू साल पहिले पैदा भइल बा, ऊ मर जाई आ तोहरा ओह लइका से दिलासा मिल जाई जवन आजु तोहरा से पैदा होखी.
64 यूसुफ राजा से ई बात कह के पूरा कइलन आ राजा के सामने प्रणाम कइलन आ ऊ बाहर निकल गइलन आ जब यूसुफ राजा के सामने से निकल गइलन त ओह दिन यूसुफ राजा से कहले रहले.
65 ओह दिन रानी के एगो बेटा भइल आ राजा अपना बेटा के बारे में खुशखबरी सुन के ऊ खुश हो गइल आ जब रिपोर्टर राजा के सामने से निकलल त राजा के नौकर राजा के पहिला बेटा के जमीन पर मरल गिरल देखले।
66 राजा के घर में बहुते विलाप आ शोरगुल भइल आ राजा सुन के कहलन कि घर में जवन शोर आ विलाप सुनले बानी ऊ का ह? आ ऊ लोग राजा के बतवले कि उनकर पहिला बेटा मर गइल बा; तब राजा के पता चल गईल कि यूसुफ के जवन भी बात उ कहले रहले उ सब सही बा, अवुरी राजा के उनुका बेटा खाती उ बच्चा से दिलासा दिहल गईल, जवन कि उनुका से ओ दिन पैदा भईल रहे, जईसे कि यूसुफ कहले रहले।

अध्याय 49 के बा

1 एकरा बाद राजा आपन सब अफसर आ नौकर आ राजा के सब राजकुमार आ कुलीन लोग के भेज के राजा के सामने आ गईले।
2 राजा ओह लोग से कहलन, "देखऽ, तू लोग एह इब्रानी आदमी के सब बात देखले आ सुनले बाड़ऽ, आ ऊ सब चिन्हार जवन ऊ बतावत रहलन, ऊ सब हो जाई, आ ओकर कवनो बात जमीन पर नइखे गिरल।
3 रउआ जानत बानी कि उ सपना के सही व्याख्या देले बाड़े अवुरी इ जरूर होई, एहसे अब सलाह लीं अवुरी जान लीं कि तू का करब अवुरी देश के अकाल से कईसे बचावल जाई।
4 अब खोजीं आ देखीं कि अइसने चीज मिल सकेला कि ना, जेकरा दिल में बुद्धि आ ज्ञान बा, आ हम ओकरा के देश पर नियुक्त कर देब।
5 काहे कि तू लोग सुनले बाड़ऽ कि इब्रानी आदमी एह बारे में का सलाह दिहले बा कि ऊ देश के अकाल से बचावल जा सके आ हम जानत बानी कि ऊ देश अकाल से ना मुक्त होखी बलुक ओह इब्रानी आदमी के सलाह से, जे हमरा के सलाह दिहले बा.
6 उ सब राजा के जवाब देले कि, "इब्रानी जवन सलाह एह बारे में देले बाड़े उ बढ़िया बा। अब हमनी के मालिक आ राजा, देखऽ कि पूरा देश तोहरा हाथ में बा, जवन तोहरा नजर में अच्छा लागे ऊ करऽ।
7 जेकरा के तू चुनब आ जेकरा के तू अपना बुद्धि से जानत बाड़ू कि ऊ बुद्धिमान आ अपना बुद्धि से देश के बचावे में सक्षम बा, ओकरा के राजा ओह देश पर अपना अधीन राखे खातिर नियुक्त करीहें.
8 राजा सब अफसरन से कहले, "हम सोचले बानी कि जबसे परमेश्वर इब्रानी आदमी के आपन सब बात बता देले बाड़े, एहसे पूरा देश में उनुका जइसन समझदार अवुरी बुद्धिमान केहु नईखे। अगर तोहरा नजर में अच्छा लागी त हम ओकरा के देश के ऊपर रख देब, काहे कि उ अपना बुद्धि से देश के बचाई।
9 सब अफसर राजा के जवाब देले, "लेकिन मिस्र के नियम में लिखल बा कि एकर उल्लंघन ना होखे के चाही कि मिस्र प केहु के राज ना होई, ना राजा के बाद दूसरा ना होई, बालुक उ आदमी के आदमी के संतान के सभ भाषा में जानकारी होखे।
10 अब हमनी के मालिक आ राजा, देखऽ, ई हिब्रू आदमी खाली हिब्रू भाषा बोल सकेला, आ तब ऊ हमनी के दूसरका शासन के अधीन कइसे हो सकेला, जवन आदमी हमनी के भाषा तक ना जानत होखे?
11 अब हम तोहरा से निहोरा करत बानी कि ओकरा के बोला के भेज दीं आ ओकरा के तोहरा सोझा आके ओकरा के हर काम में परख के जवन तोहरा उचित लागे ओकरा के करऽ.
12 राजा कहलस, "काल्ह हो जाई आ जवन बात तू कहले बाड़ उ बढ़िया बा। आ ओह दिन सब अफसर राजा के सोझा आ गईले।
13 ओह रात प्रभु आपन एगो सेवक स्वर्गदूत भेजले आ ऊ मिस्र देश में यूसुफ के लगे अइले आ प्रभु के दूत यूसुफ के ऊपर खड़ा होके देखले कि यूसुफ रात में अपना मालिक के घर में कोठरी में बिछौना पर पड़ल रहले, काहे कि उनकर मालिक उनका के अपना मेहरारू के चलते वापस कालकोठरी में डाल देले रहले।
14 तब स्वर्गदूत ओकरा के नींद से जगा दिहलन आ यूसुफ उठ के गोड़ पर खड़ा हो गइलन आ देखलन कि प्रभु के दूत ओकरा सामने खड़ा बा. उ रात में प्रभु के दूत यूसुफ से बात कईले अवुरी

उ उनुका के आदमी के सभ भाषा सिखवले अवुरी उनुकर नाम योसेफ रखले।
15 तब प्रभु के दूत ओकरा से चल गइलन आ यूसुफ वापस आके अपना बिछौना पर लेट गइलन आ यूसुफ जवन दर्शन देखले रहले ओकरा से अचरज में पड़ गइलन।
16 सबेरे राजा आपन सब अफसर आ नौकरन के बोलावे के भेजले आ सब लोग राजा के सामने बइठ के राजा यूसुफ के ले आवे के आदेश दिहलस आ राजा के नौकर जाके यूसुफ के फिरौन के सामने ले अइले।
17 राजा निकल के सिंहासन के सीढ़ी पर चढ़ गइलन आ यूसुफ राजा से हर भाषा में बात कइलन आ यूसुफ राजा से तबले बात कइलन जबले ऊ सत्तरवाँ सीढ़ी पर राजा के सोझा ना चहुँप गइलन आ राजा के सामने बइठ गइलन.
18 राजा यूसुफ के चलते बहुत खुश हो गईले अवुरी राजा के सभ अधिकारी यूसुफ के सभ बात सुन के राजा के संगे बहुत खुश हो गईले।
19 राजा आ अफसरन के नजर में ई बात अच्छा लागल कि यूसुफ के राजा के बाद पूरा मिस्र देश पर दूसरा स्थान पर रखल जाव आ राजा यूसुफ से कहलस।
20 अब तू हमरा के सलाह देले बाड़ कि हम एगो बुद्धिमान आदमी के मिस्र देश के ऊपर नियुक्त करीं, ताकि उ अपना बुद्धि से देश के अकाल से बचावल जा सके। अब जबसे भगवान तोहरा के ई सब आ तोहरा कहल सब बात के जानकारी दे दिहले बाड़न, त पूरा देश में तोहरा जइसन कवनो विवेकी आ बुद्धिमान आदमी नइखे।
21 अब तोहार नाम यूसुफ ना राखल जाई, बलुक तोहार नाम सफनाथ पानेआ होई। तू हमरा बाद दूसरा होखब आ तोहरा वचन के अनुसार हमार सरकार के सब काम होई आ तोहरा वचन पर हमार लोग बाहर निकल के भीतर आ जाई।
22 हमरा सेवक आ अफसरन के हर महीना दिहल जाए वाला वेतन तोहरा हाथ से मिल जाई आ देश के सब लोग तोहरा के प्रणाम करी। खाली अपना सिंहासन पर हम तोहरा से बड़ होखब।
23 राजा आपन अंगूठी हाथ से उतार के यूसुफ के हाथ पर रख दिहलन आ राजा यूसुफ के रियासत के कपड़ा पहिन दिहले आ माथा पर सोना के मुकुट पहिनले आ गरदन में सोना के जंजीर लगा दिहले।
24 राजा अपना नौकरन के आदेश दिहलन आ ऊ लोग राजा के रथ के सामने वाला दूसरा रथ में सवार कर दिहलन आ राजा के घोड़ा से एगो बड़हन आ मजबूत घोड़ा पर सवार कर के मिस्र देश के सड़कन पर ले जाइलन।
25 राजा आज्ञा दिहलन कि जे सब लोग टिम्बर, वीणा आ अउरी वाद्ययंत्र बजावेला, यूसुफ के साथे निकले। एक हजार टिम्बरल, एक हजार मेकोलोथ आ एक हजार नेबालिम उनका पीछे-पीछे चलल।
26 पांच हजार आदमी, हाथ में खींचाइल तलवार चमकत, आ ऊ लोग यूसुफ के सामने मार्च करत आ खेलत गइल, आ राजा के बीस हजार लोग सोना से ढंकल चमड़ा के करधनी से बान्हल, यूसुफ के दाहिना ओर चलल, आ बीस हजार लोग उनकर बाईं ओर, आ सब मेहरारू आ लइकी छत पर चलल भा गली में खड़ा होके खेलत आ... यूसुफ के देख के खुश होके यूसुफ के रूप आ ओकर सुंदरता के देखत रहले।
27 राजा के लोग उनकरा से आगे आ पीछे से लोबान आ कैसिया आ हर तरह के बढ़िया इत्र से सुगंधित करत सड़क पर गंधक आ मुसब्बर बिखेर के बीस आदमी पूरा देश में उनकरा सामने जोर से इ बात सुनवले।
28 का रउवा इ आदमी के देखत बानी जेकरा के राजा आपन दूसरा चुनले बाड़े? सरकार के सगरी काम ओकरा से नियंत्रित होखी आ जे ओकरा आदेश के उल्लंघन करी भा ओकरा सोझा जमीन पर ना झुकी ऊ मर जाई काहे कि ऊ राजा आ ओकरा दुसरका के खिलाफ विद्रोह करेला.
29 जब प्रचारक लोग प्रचार बंद कर दिहल त मिस्र के सब लोग यूसुफ के सामने जमीन पर झुक के कहलस, "राजा जिंदा रहस, ओकर दूसरा भी जिंदा रहस। मिस्र के सब निवासी सड़क के किनारे प्रणाम कइले आ जब संदेशवाहक लोग ओह लोग के लगे पहुँचल त ऊ लोग प्रणाम कइल आ यूसुफ के सामने हर तरह के टिम्बर, मेकोल आ नेबल से खुश हो गइल।
30 यूसुफ घोड़ा पर सवार आपन नजर आकाश के ओर उठवले आ चिल्ला के कहले, "गरीब के धूल से उठावेला, गरीब के गोबर से उठावेला।" हे सेना के स्वामी, तोहरा पर भरोसा करे वाला आदमी सुखी बा।
31 यूसुफ फिरौन के नौकर आ अफसरन के साथे पूरा मिस्र के देश में घूम के पूरा मिस्र के देश आ राजा के सब खजाना देखवले।
32 ओह दिन यूसुफ वापस आके फिरौन के सामने अइले आ राजा यूसुफ के मिस्र देश में खेत आ अंगूर के बगइचा के मालिकाना हक दे दिहलन आ राजा यूसुफ के तीन हजार तोरा चाँदी आ एक हजार तोरा सोना, गोमेद के पत्थर आ बदेलियन आ कई गो उपहार दिहले।
33 अगिला दिने राजा मिस्र के सब लोग के यूसुफ के बलिदान आ उपहार ले आवे के आज्ञा दिहलन आ राजा के आज्ञा के उल्लंघन करे वाला के मौत होखे के चाहीं। उ लोग शहर के गली में एगो ऊँच जगह बनवले अवुरी उहाँ कपड़ा पसार के जवन भी चीज़ यूसुफ के लगे ले आई, उ ऊँच जगह प राख देले।
34 मिस्र के सब लोग ऊँच जगह पर कुछ ना कुछ फेंकल, एक आदमी सोना के कनफुसकी, दूसरा अंगूठी आ कान के अंगूठी, सोना-चांदी के अलग-अलग बर्तन, आ ऊंच जगह पर गोमेद के पत्थर आ ब्लेडलियम फेंकले। हर केहू अपना लगे जवन रहे ओकरा में से कुछ ना कुछ दे दिहलस।
35 यूसुफ ई सब लेके अपना खजाना में रख दिहलन आ राजा के सब अफसर आ कुलीन लोग यूसुफ के ऊपर उठा दिहलन आ राजा ओकरा के आपन दूसरा चुनले रहलन।
36 राजा ओन के अहीराम याजक के बेटा पोतिफेरा के लगे भेजले अवुरी उ अपना छोट बेटी ओसनाथ के लेके यूसुफ के पत्नी के रूप में दे देले।
37 ऊ लइकी बहुत सुन्दर कुंवारी रहली, जेकरा के आदमी ना जानत रहे, आ यूसुफ ओकरा के मेहरारू बना लिहले। राजा यूसुफ से कहलस, "हम फिरौन हईं, आ तोहरा अलावा केहू के हाथ आ गोड़ उठा के पूरा मिस्र देश में हमरा लोग के नियमन करे के हिम्मत ना होई।
38 जब यूसुफ फिरौन के सामने खड़ा रहले त यूसुफ तीस साल के रहले अवुरी यूसुफ राजा के सोझा से निकल गईले अवुरी मिस्र में राजा के दूसरा आदमी बन गईले।

39 राजा यूसुफ के घर में सौ नौकर के दे दिहलन आ यूसुफ भी भेज के कई गो नौकर खरीदले आ ऊ लोग यूसुफ के घर में रह गइल।
40 यूसुफ राजा के महल के आँगन के सामने राजा लोग के घर निहन बहुत शानदार घर बनवले अवुरी घर में एगो बड़ मंदिर बनवले, जवन कि देखाई देवे में बहुत सुरुचिपूर्ण अवुरी अपना निवास खाती सुविधाजनक रहे। तीन साल यूसुफ आपन घर खड़ा करे में रहले।
41 यूसुफ अपना खातिर एगो बहुत सुरुचिपूर्ण सिंहासन बनवले जवना में सोना-चांदी के भरमार रहे आ ओकरा के गोमेद के पत्थर आ ब्लेडलियम से ढंक दिहलन आ ओकरा पर पूरा मिस्र के उपमा बनवले आ मिस्र के नदी के उपमा बनवले जवन पूरा मिस्र देश के पानी देवेले। आ यूसुफ अपना घर में अपना सिंहासन पर सुरक्षित बइठ गइलन आ प्रभु यूसुफ के बुद्धि बढ़ा दिहलन.
42 मिस्र के सब निवासी, फिरौन के सेवक आ ओकर राजकुमार यूसुफ से बहुत प्यार करत रहले, काहे कि इ बात प्रभु के ओर से यूसुफ के ओर से रहे।
43 यूसुफ के एगो सेना युद्ध करत रहे, जवन चालीस हजार छह सौ आदमी के संख्या में सेना आ सेना में निकलल रहे, जवन राजा आ यूसुफ के दुश्मन के खिलाफ सहायता करे खातिर हथियार उठावे में सक्षम रहे, राजा के अफसर आ उनकर नौकर आ मिस्र के निवासी लोग के अलावा।
44 यूसुफ अपना पराक्रमी लोग आ अपना सब सेना के ढाल आ भाला, टोपी आ कोट आ गोफन खातिर पत्थर दिहलन।

अध्याय 50 के बा

1 ओही घरी तर्शीश के लोग इस्माइल के बेटा लोग के खिलाफ आके ओह लोग से लड़ाई लड़ल आ तरशीश के लोग बहुत दिन तक इस्माइली लोग के लूट लिहल।
2 ओह घरी इस्माइल के संतान के संख्या कम रहे आ ऊ लोग तर्शीश के संतान पर हावी ना हो पावल आ ओह लोग पर बहुते अत्याचार भइल।
3 इश्माएल के बुढ़ऊ लोग मिस्र के राजा के एगो रिकार्ड भेजत कहले कि, “हमरा से निहोरा बा कि अपना सेवकन के अफसर आ सेना के भेज दीं कि हमनी के तरशीश के लोग के खिलाफ लड़ाई लड़े में मदद करस, काहेकि हमनी के बहुत दिन से नाश करत बानी जा।”
4 फिरौन यूसुफ के साथे रहे वाला पराक्रमी आ सेना के साथे आ राजा के घर से उनकर पराक्रमी लोग के साथे भेजलन।
5 उ लोग इस्माइल के लोग के लगे हवीला के देश में गईल, ताकि उ लोग तारशीश के लोग के खिलाफ सहायता करस, आ इस्माइल के लोग तर्शीश के लोग के संगे लड़ाई लड़ले अवुरी यूसुफ तर्शीश के लोग के हरा देले अवुरी उ ओ लोग के पूरा देश के अपना वश में क लेले अवुरी इस्माइल के लोग आज तक ओहिजा रहतारे।
6 जब तरशीश के देश अपना वश में हो गइल त सब तरशीसी भाग के अपना भाई यावन के लोग के सीमा पर आ गइलन आ यूसुफ अपना सब पराक्रमी आ सेना के साथे मिस्र लवट गइलन, ओहमें से एको आदमी ना गायब भइल.
7 साल के क्रांति के समय, यूसुफ के मिस्र पर शासन के दूसरा साल में, प्रभु सात साल तक पूरा देश में बहुत भरमार देले, जईसे कि यूसुफ कहले रहले, काहे कि प्रभु ओ समय में धरती के सभ उपज के सात साल तक आशीर्वाद देले रहले अवुरी उ लोग खाना खात रहले अवुरी बहुत तृप्त हो गईले।
8 ओह घरी यूसुफ के अधीन अफसर रहले, उ लोग अच्छा साल के सब खाना बटोरत रहले अवुरी साल दर साल अनाई के ढेर लगावत रहले अवुरी यूसुफ के खजाना में रखत रहले।
9 जब भी उ लोग खाना बटोरत रहले त यूसुफ आज्ञा देत रहले कि उ लोग कान में खाई ले आवे के चाही अवुरी खेत के माटी के कुछ हिस्सा भी अपना संगे ले आवे के चाही ताकि उ लूट ना जाए।
10 यूसुफ साल दर साल एही तरह के काम करत रहले अवुरी उ भरपूर मात्रा में समुंदर के बालू निहन खाई के ढेर लगावत रहले, काहेंकी उनुकर भंडार बहुत बड़ रहे अवुरी भरपूर मात्रा में गिनल ना जा सकत रहे।
11 मिस्र के सब निवासी सात अच्छा साल में अपना भंडार में बहुत तरह के खाना बटोरले, लेकिन उ लोग एकरा के यूसुफ निहन ना कईले।
12 सात साल के भरमार के दौरान यूसुफ आ मिस्र के लोग जवन भी खाना बटोरले रहले, ओकरा के पूरा देश के भरण पोषण खातिर सात साल के अकाल के भंडार में जमीन खातिर सुरक्षित रखल गईल।
13 मिस्र के निवासी लोग अकाल के समय में भरण पोषण खातिर हर एक आपन भंडार आ अपना छिपल जगह के धान्य से भर दिहल।
14 यूसुफ जवन भी खाना बटोरले रहले, उ सब मिस्र के सब शहर में रखले अवुरी सभ भंडार बंद क के ओकरा ऊपर पहरादार बना देले।
15 यूसुफ के मेहरारू ओसनाथ जे पोतीफेरा के बेटी रहली, उनकर दू गो बेटा मनश्शे आ एप्रैम के जनम दिहली आ जब यूसुफ के जनम भइल त ऊ चौंतीस साल के रहले।
16 लइका बड़ होके उनकर रास्ता पर चलल आ उनकर निर्देश पर उनकर बाबूजी के सिखावल रास्ता से ना भटकल, ना त दाहिना ओर ना बांया।
17 प्रभु लइका लोग के साथे रहलन आ ऊ लोग बड़ हो गइल आ हर तरह के बुद्धि आ शासन के काम में समझ आ निपुण हो गइल आ मिस्र के सब अफसर आ उनकर बड़का लोग ओह लड़िकन के ऊँच कइल आ राजा के लइकन के बीच में पलल बढ़ल।
18 पूरा देश में जवन सात साल के भरमार रहे, ओकर अंत हो गईल अवुरी ओकरा बाद सात साल के अकाल यूसुफ के बात के मुताबिक भईल अवुरी पूरा देश में अकाल हो गईल।
19 मिस्र के सब लोग देखल कि मिस्र के देश में अकाल शुरू हो गईल बा, अवुरी मिस्र के सभ लोग अकाल के चलते अपना-अपना धान के भंडार खोल देले।
20 उ लोग के भंडार में जवन भी खाना रहे उ सब कीड़ा-मकोड़ा से भरल रहे अवुरी खाए लायक ना रहे अवुरी पूरा देश में अकाल के दौर चल गईल अवुरी मिस्र के सभ निवासी फिरौन के सोझा आके चिल्लात रहले, काहेंकी अकाल उनुका प भारी पड़ गईल रहे।

21 उ लोग फिरौन से कहलस, "अपना सेवकन के खाना दे दऽ आ हमनी के आ हमनी के छोट-छोट लइका भी तोहरा आँख के सोझा भूख से काहे मरब जा?"
22 फिरौन ओह लोग के जवाब दिहलन, "तू लोग हमरा से काहे पुकारत बाड़ऽ? का यूसुफ के आदेश ना रहे कि अकाल के सालन खातिर भरमार के सात साल में मकई के बिछावल जाव? आऊ काहे ना सुननी उनकर आवाज?
23 मिस्र के लोग राजा के जवाब दिहलस, "हमनी के मालिक, तोहार सेवक उ सब काम कईले बाड़े जवन यूसुफ के आदेश देले रहले, काहेकि तोहार सेवक भी अपना खेत के सब उपज के बटोर के आज तक भंडार में रखले रहले।
24 जब तोहार नौकरन पर अकाल पड़ल त हम आपन भंडार खोलनी त देखनी कि हमनी के सब उपज कीड़ा-मकोड़ा से भरल रहे आ खाए लायक ना रहे।
25 जब राजा मिस्र के निवासी लोग पर भइल सब कुछ सुन के राजा अकाल के चलते बहुत डेरा गईले अवुरी उ बहुत डेरा गईले। राजा मिस्र के लोग के जवाब दिहलन, "जब से तोहनी के साथे ई सब भइल बा, त यूसुफ के लगे जाके उ जवन कहेले, ओकरा के करऽ, ओकर आज्ञा के उल्लंघन मत करऽ।"
26 मिस्र के सब लोग यूसुफ के लगे जाके कहलस, "हमनी के खाना दऽ आ हमनी के भूख से तोहरा सोझा काहे मरब जा? काहे कि हमनी के सात साल में तू आज्ञा के मुताबिक आपन उपज बटोरनी जा, आ हमनी के ओकरा के भंडार में रखनी जा, आ अईसने हमनी पर भईल बा।
27 जब यूसुफ मिस्र के लोग के सब बात सुनलन आ ओह लोग पर भइल घटना सुनलन त यूसुफ आपन सब भंडार खोल के मिस्र के लोग के बेच दिहलन।
28 पूरा देश में अकाल के दौर चलल आ सब देश में अकाल पड़ल, लेकिन मिस्र के देश में बेचे खातिर उपज रहे।
29 मिस्र के सब निवासी यूसुफ के लगे धान खरीदे अइले, काहे कि अकाल उनके पर हावी हो गइल रहे आ ओह लोग के सारा धान लूट गइल रहे आ यूसुफ रोज ओकरा के मिस्र के सब लोग के बेचत रहले।
30 कनान देश के सब निवासी आ पलिस्तीन, यरदन के ओह पार के लोग, पूरब के लोग आ दूर-दूर के सब शहरन के लोग सुनल कि मिस्र में धान बा, आ उ सब लोग मिस्र में अन्न खरीदे आइल रहे, काहे कि अकाल ओह लोग पर हावी हो गइल रहे।
31 यूसुफ धान के भंडार खोल के ओकरा पर अफसर रखले, आ उ लोग रोज खड़ा होके आवे वाला सब के बेचत रहले।
32 यूसुफ जान गइलन कि उनकर भाई लोग भी मिस्र में खेत खरीदे अइहें, काहे कि पूरा धरती पर अकाल के दौर चलत रहे। यूसुफ अपना सब लोग के आज्ञा दिहलन कि उ लोग पूरा मिस्र देश में एकर प्रचार करस।
33 राजा के, अपना दूसरा आ ओह लोग के महान लोग के ई खुशी बा कि जे केहू मिस्र में मकई खरीदे के चाहत बा, ऊ अपना नौकरन के मिस्र में खरीदे खातिर ना भेजे, बलुक अपना बेटा के, आ कवनो मिस्री भा कनान के भी, जे मिस्र में मकई खरीदे से कवनो भंडार से आके पूरा देश में बेचे के काम करी, ऊ मर जाई, काहे कि ओकरा घर के भरण पोषण के अलावा केहू ना खरीदी।
34 दू-तीन जानवर के अगुवाई करे वाला के भी मौत हो जाई, काहेकि आदमी के सिर्फ अपना जानवर के नेतृत्व करे के होई।
35 यूसुफ मिस्र के फाटक पर पहरेदारन के रख के आज्ञा दिहलन कि, "जे केहू मकई खरीदे आवेला, तबले ओकरा के तब तक ना घुसे दीं जबले ओकर नाम, ओकर बाप के नाम आ ओकर बाप के बाप के नाम ना लिखल जाव, आ जवन कुछ दिन में लिखल बा, ओकरा के साँझ के हमरा लगे भेज दीं ताकि हम ओकर नाम जान सकीले।
36 यूसुफ पूरा मिस्र देश में अफसरन के रखलन आ उ लोग के ई सब काम करे के आज्ञा दिहलन।
37 यूसुफ इ सब काम कईले अवुरी इ नियम बनवले ताकि उनुका पता चल सके कि उनुकर भाई कब मिस्र में खेत खरीदे आईहे। आ यूसुफ के लोग मिस्र में रोज एह बात के घोषणा करत रहले जवन यूसुफ के आज्ञा देले रहले।
38 पूरब आ पच्छिम के सब निवासी आ पूरा धरती के लोग यूसुफ के मिस्र में बनल नियम आ नियम के बारे में सुनल आ धरती के चरम इलाका के निवासी लोग आके दिन पर दिन मिस्र में अन्न खरीदत चल गइल।
39 मिस्र के सब अफसर यूसुफ के आज्ञा के मुताबिक काम कईले अवुरी जे भी लोग मिस्र में अन्न खरीदे आवे, त फाटक के रखवाला लोग आपन नाम अवुरी अपना बाप-दादा के नाम लिख के रोज सांझ के यूसुफ के सोझा ले आवत रहले।

अध्याय 51 के बा

1 ओकरा बाद याकूब सुनलस कि मिस्र में खान बा, त उ अपना बेटा लोग के मिस्र जाए खातिर बोलवले कि उ लोग अकाल के शिकार हो गईल रहे।
2 देखऽ हम सुनत बानी कि मिस्र में धान्य बा आ धरती के सब लोग खरीदे खातिर उहाँ जात बा, त अब तू लोग पूरा धरती के सामने अपना के तृप्त काहे देखावेब? तू भी मिस्र में जाके हमनी के ओहिजा आवे वाला लोग के बीच से तनी-मनी मकई खरीद दऽ ताकि हमनी के मर ना जाइब जा।
3 याकूब के बेटा लोग अपना बाप के आवाज सुन के मिस्र उतरे खातिर उठल कि उहाँ आवे वाला बाकी लोग के बीच से खेत खरीदे।
4 ओह लोग के बाप याकूब ओह लोग के आज्ञा दिहलन कि जब तू लोग शहर में अइब त ओह देश के निवासी लोग के चलते एक फाटक में ना जाइब।
5 याकूब के बेटा लोग मिस्र चल गइलन आ याकूब के बेटा लोग अपना बाप के आज्ञा के मुताबिक सब कुछ कइल आ याकूब बिन्यामीन के ना भेजलन काहे कि ऊ कहले रहले कि कहीं उनकर भाई जइसन सड़क पर कवनो दुर्घटना ना होखे। याकूब के दस गो बेटा निकल गइलन।
6 जब याकूब के बेटा लोग रास्ता में जात रहले, त उ लोग यूसुफ के संगे कईल काम प पछतावा कईले अवुरी एक दूसरा से बात कईले, "हमनी के जानतानी कि हमनी के भाई यूसुफ मिस्र गईल रहले अवुरी अब हमनी के उनुका के खोजब जा, जहां हमनी के जाइब जा, अवुरी जदी हमनी के उनुका के मिल जाई त ओकरा के उनुका मालिक से फिरौती के तौर प ले लेब, अवुरी ना त जबर्दस्ती, अवुरी हमनी के ओकरा खाती मर जाईब।"
7 याकूब के बेटा लोग एह बात से सहमत हो गइल आ यूसुफ के मालिक के हाथ से बचावे खातिर अपना के मजबूत कइल आ याकूब के बेटा मिस्र चल गइलन। जब उ लोग मिस्र के नजदीक

पहुंचले त उ लोग एक दूसरा से अलग हो गईले अवुरी मिस्र के दस फाटक से होके पहुंचले अवुरी ओ दिन फाटक के रखवाला लोग ओ लोग के नाम लिख के सांझ के यूसुफ के लगे ले अईले।
8 यूसुफ शहर के फाटक के रखवाला लोग के हाथ से नाम पढ़ के देखले कि उनकर भाई लोग शहर के दस फाटक पर घुसल बा आ यूसुफ ओह घरी पूरा मिस्र देश में एकर घोषणा करे के आदेश दिहलन।
9 तू सब भंडार के पहरेदार लोग जा, सब मकई के भंडार बंद कर दीं आ खाली एगो खुलल रहे दीं ताकि जे आवे वाला लोग ओकरा से खरीद सके।
10 ओह घरी यूसुफ के सब अफसर अयीसन कईले अवुरी उ लोग सभ भंडार बंद क देले अवुरी सिर्फ एक भंडार के खुला छोड़ देले।
11 तब यूसुफ अपना भाई लोग के लिखल नाम खुला भंडार के ऊपर रखल आदमी के दिहलन आ कहलन कि जे भी तोहरा लगे मकई खरीदे आवे त ओकर नाम पूछीं आ जब एह नाम के लोग तोहरा सोझा अइहें त ओकरा के पकड़ के भेज दीं आ ऊ लोग अईसन कइल।
12 जब याकूब के बेटा लोग शहर में अईले त उ लोग अपना खातिर धान खरीदे से पहिले यूसुफ के खोजे खातिर शहर में एकजुट हो गईले।
13 उ लोग वेश्या के देवाल में चल गईले अवुरी तीन दिन तक वेश्या के देवाल में यूसुफ के खोजत रहले, काहेंकी उ लोग सोचत रहले कि यूसुफ वेश्या के देवाल में आईहे, काहेंकी यूसुफ बहुत सुंदर अवुरी अनुग्रही रहले अवुरी याकूब के बेटा तीन दिन तक यूसुफ के खोजत रहले, त उ लोग के ना मिलल।
14 खुला भंडार पर बइठल आदमी यूसुफ के नाम के खोजत रहे, लेकिन ओकरा ना मिलल।
15 उ यूसुफ के लगे भेजले कि, "ई तीन दिन बीत गईल, उ लोग नईखन आईल, जेकर नाम तू हमरा के रखले बाड़ू। यूसुफ पूरा मिस्र में ओह लोग के खोजे आ यूसुफ के सामने ले आवे खातिर नौकर भेजले।
16 यूसुफ के नौकर मिस्र में जाके उ लोग के ना मिलल, आ गोशेन गईले, लेकिन उहाँ ना रहले, फिर रामसेस शहर में गईले अवुरी उ लोग के ना मिलल।
17 यूसुफ अपना भाई लोग के खोजे खातिर सोलह गो नौकर भेजत रहलन आ ऊ लोग शहर के चारो कोना में पसरल आ चार गो नौकर वेश्या लोग के घर में चल गइलन आ उहाँ के दस आदमी अपना भाई के खोजत देखलन।
18 ऊ चारो आदमी ओह लोग के लेके ओकरा सोझा ले अइले आ ऊ लोग ओकरा के जमीन पर प्रणाम कइल आ यूसुफ अपना मंदिर में अपना सिंहासन पर बइठल रहले, रियासत के कपड़ा पहिनले रहले आ ओकरा माथा पर सोना के एगो बड़हन मुकुट रहे आ ओकरा चारो ओर सब पराक्रमी बइठल रहले.
19 याकूब के बेटा यूसुफ के देखले आ उनकर आकृति, सुंदरता आ चेहरा के गरिमा उनका नजर में अद्‌भुत लागल आ उ लोग फेरु से उनकरा सामने जमीन पर प्रणाम कइलन।
20 यूसुफ अपना भाई लोग के देख के उ लोग के जानत रहले, लेकिन उ लोग उनुका के ना जानत रहले, काहेकि यूसुफ ओ लोग के नजर में बहुत बड़ रहले, एहसे उ लोग उनुका के ना जानत रहले।
21 यूसुफ ओह लोग से कहलन, "तू लोग कहाँ से आइल बाड़ऽ? उ सब लोग जवाब देले कि, "तोहार सेवक कनान देश से मकई खरीदे आईल बाड़े, काहेकि पूरा धरती प अकाल के दौर चलल बा, अवुरी तोहार सेवक सुनले कि मिस्र में खाई बा, एहसे उ लोग बाकी लोग के बीच में अपना भरण-पोषण खाती अन्न खरीदे आईल बाड़े।
22 यूसुफ ओह लोग के जवाब दिहलन, "जदि तू लोग जइसन कहत बानी, खरीदे आइल बानी त शहर के दस फाटक से काहे आवत बाड़ऽ? बस अतने हो सकेला कि रउरा जमीन के जासूसी करे आइल बानी.
23 उ सब मिल के यूसुफ के जवाब देले, "अइसन ना हे मालिक, हम सही कहत बानी, तोहार नौकर जासूस नईखन, लेकिन हमनी के मकई खरीदे आईल बानी जा, काहेकि तोहार नौकर सब भाई हवे, कनान देश में एक आदमी के बेटा हवे अवुरी हमनी के पिता हमनी के आज्ञा देले कि, जब तू शहर में आईब त देश के निवासी के चलते एक दुआर प एक संगे मत जाईं।
24 यूसुफ फेरु ओह लोग के जवाब दिहलन, "हम तोहनी से इहे बात कहले बानी कि तू लोग देश के जासूसी करे आइल बाड़ू, एही से रउआ सभे शहर के दस फाटक से होके आइल बानी। तूँ देश के नंगापन देखे आइल बाड़ऽ।
25 जे भी धान खरीदे आवेला, उ अपना रास्ता में चल जाला, आ तू तीन दिन से देश में रह गईल बाड़ू, आ जवना वेश्या के देवाल में तू इ तीन दिन से रहलू, ओकरा में का कर रहल बाड़ू? निश्चय ही जासूस भी एह सब के पसंद करेले।
26 उ लोग यूसुफ से कहलस, "हमनी के मालिक के इ बात कहल बहुत दूर बा, काहेकि हमनी के बारह भाई हई जा, हमनी के पिता याकूब के बेटा हई जा, कनान देश में, इसहाक के बेटा, इब्राहीम के बेटा, इब्रानी के बेटा, आ देखऽ, छोटका आज हमनी के बाप के साथे कनान देश में बा, आ एगो नइखे, काहे कि उ हमनी से हेरा गइल बा, आ हमनी के सोचनी जा कि शायद उ एह देश में हो सकेला, अइसहीं हमनी के बानी जा पूरा देश में ओकरा के खोजत रहले अवुरी उहाँ ओकरा के खोजे खाती वेश्या के घर तक पहुंचले बाड़े।
27 यूसुफ ओह लोग से कहलन, "का तू लोग ओकरा के पूरा धरती पर खोजले बाड़ऽ कि खाली मिस्र रह गइल बा कि तोहनी के ओकरा के खोजे खातिर? आ तोहार भाई भी वेश्या के घर में का करे, भले उ मिस्र में रहले? का तू इ नईख कहले कि तू इब्राहीम के बेटा इसहाक के बेटा से हउअ आ याकूब के बेटा वेश्या के घर में का करीहे?
28 उ लोग ओकरा से कहलस कि, "हम सुननी कि इश्माएल हमनी से ओकरा के चोरा लेले बाड़े अवुरी हमनी के बतावल गईल कि उ लोग उनुका के मिस्र में बेच देले बाड़े, अवुरी तोहार सेवक, हमनी के भाई, बहुत सुंदर अवुरी अनुग्रहित बाड़े, एहसे हमनी के सोचनी कि उ वेश्या के घर में जरूर होईहे, एहसे तोहार नौकर उनुका के खोजे अवुरी ओकरा खाती फिरौती देवे खाती उहाँ गईले।
29 यूसुफ अबहियों ओह लोग के जवाब देत कहले, "तू लोग झूठ बोलत बाड़ऽ आ झूठ बोलत बाड़ऽ कि तू लोग अब्राहम के बेटा हउअ। जइसे फिरौन जिंदा बा तू जासूस हईं, एही से तू वेश्या के घर में आइल बाड़ऽ कि तोहनी के ना जानल जाव।

30 यूसुफ ओह लोग से कहलन, "अब अगर तू ओकरा के पाईं आ ओकर मालिक तोहनी से बहुते दाम माँगत बाड़ऽ त का तू ओकरा खातिर देबऽ?" ऊ लोग कहल कि, "दिल जाई।"
31 ऊ ओह लोग से कहलन, "अगर ओकर मालिक बहुते दाम देके ओकरा से अलगा होखे के सहमति ना देसु त तोहनी ओकरा के का करबऽ? उ लोग जवाब देले कि, जदी उ हमनी के ना दिहे त हमनी के ओकरा के मार देब अवुरी अपना भाई के लेके चल देब।
32 यूसुफ ओह लोग से कहलन, "हम तोहनी से इहे बात कहले बानी। तू जासूस हउवऽ, काहे कि तू लोग ओह देश के निवासी लोग के मारे आइल बाड़ऽ, काहे कि हमनी के सुनले बानी जा कि तोहार दू भाई तोहार बहिन के चलते कनान देश के शेकेम के सभ निवासी के मार दिहले बाड़ऽ आ अब तू अपना भाई के चलते मिस्र में अइसने करे आइल बाड़ऽ।
33 हम खाली एही से जानब कि तू लोग सच्चा आदमी हउअ। अगर रउरा अपना बीच से एगो के घरे भेजब कि ऊ अपना छोट भाई के अपना बाप से ले आवे आ ओकरा के एहिजा हमरा लगे ले आवे आ ई काम कइला से हम जान जाईं कि रउरा सही कहत बानी.
34 यूसुफ अपना सत्तर गो पराक्रमी लोग के बोलवले आ कहलन कि एह लोग के लेके वार्ड में ले आवऽ.
35 पराक्रमी लोग ओह दस आदमी के पकड़ के वार्ड में रखले आ तीन दिन तक वार्ड में रहले।
36 तीसरा दिन यूसुफ ओह लोग के वार्ड से बाहर ले आवे के कहले, "जदि तू सच्चा आदमी हईं त अपना खातिर ई काम करीं ताकि तू लोग जिंदा रह सकीले, जबले तू लोग जाके अपना घर के खान के कनान देश में घरे ले जाइब आ अपना छोट भाई के हमरा लगे ले आईब, ताकि हम जान सकी कि तू लोग सच्चा आदमी हई चीज।
37 यूसुफ ओह लोग से बाहर निकल के कोठरी में आके बहुते रोवत रोवत रहले काहे कि उनकर दया ओह लोग पर हो गइल रहे आ ऊ आपन मुँह धो के फेर से ओह लोग का लगे लवट गइलन आ शिमोन के ओह लोग से लेके ओकरा के बान्हे के आदेश दिहलन बाकिर शिमोन अइसन करे के तइयार ना रहले काहे कि ऊ बहुते ताकतवर आदमी रहले आ ऊ लोग ओकरा के ना बान्ह पवले.
38 यूसुफ अपना पराक्रमी लोग के बोलवले आ सत्तर गो वीर लोग हाथ में तलवार लेके उनका सोझा आ गइलन आ याकूब के बेटा लोग ओह लोग से डेरा गइलन.
39 यूसुफ ओह लोग से कहलस, "एह आदमी के पकड़ के जेल में बंद कर दीं जब तक कि ओकर भाई ओकरा लगे ना आ जास, आ यूसुफ के वीर लोग जल्दी से शिमोन के बान्हे खातिर पकड़ लिहले आ शिमोन जोर से आ भयानक चिल्लाहट कइलस आ दूर से चिल्लाहट सुनाई पड़ल।
40 यूसुफ के सब वीर लोग एह चिल्लाहट के आवाज से डेरा गइलन कि ऊ लोग मुँह पर गिर गइलन आ ऊ लोग बहुते डेरा गइलन आ भाग गइलन.
41 यूसुफ के साथे मौजूद सब आदमी भाग गईले, काहेकि उ लोग अपना जान से बहुत डेरा गईले अवुरी उहाँ सिर्फ यूसुफ अवुरी उनुकर बेटा मनश्शे रह गईले अवुरी यूसुफ के बेटा मनसा शिमोन के ताकत देख के उ बहुत गुस्सा में आ गईले।
42 यूसुफ के बेटा मनसा शिमोन के लगे उठल आ मनसा शिमोन के गरदन के पीठ पर मुट्ठी से बहुत मार दिहलस आ शिमोन के क्रोध से शांत हो गइल।
43 तब मनसा शिमोन के पकड़ लिहले आ ऊ ओकरा के जोरदार तरीका से पकड़ लिहले आ ओकरा के बान्ह के कैद के घर में ले अइले आ याकूब के सगरी बेटा ओह जवानी के एह काम से अचरज में पड़ गइले.
44 शिमोन अपना भाई लोग से कहलस कि, "तोहनी में से केहु के इ ना कहे के चाही कि इ मिस्र के मारल ह, लेकिन इ हमरा पिता के घर के मार ह।"
45 एकरा बाद यूसुफ ओकरा के बोलावे के आदेश दिहलन जेकरा के भंडार के देखरेख में राखल गइल रहे, कि ऊ लोग के बोरा में जतना माना ले जा सकेला, ओकरा के भर के हर आदमी के पइसा अपना बोरा में वापस कर देव आ सड़क के इंतजाम दिहल जाव आ ऊ ओह लोग के अइसहीं कइलन.
46 यूसुफ ओह लोग के आज्ञा दिहलन कि, "सावधान रहऽ कि हम अपना भाई के ले आवे के हमार आदेश के उल्लंघन मत करऽ जइसे हम तोहनी के कहले बानी, आ जब तू अपना भाई के हमरा लगे ले अइब त हम जानब कि तू लोग सच्चा आदमी हउवऽ आ देश में कारोबार करबऽ आ हम तोहनी के भाई के वापस कर देबऽ आ तू लोग शांति से अपना पिता के लगे लवटबऽ।
47 उ सब लोग जवाब देले, "हमनी के मालिक के बात के मुताबिक हमनी के भी अयीसन करब अवुरी उ लोग उनुका के जमीन प प्रणाम कईले।
48 हर आदमी आपन धान अपना गदहा पर उठा के अपना बाप के लगे कनान देश में जाए खातिर निकलल। ऊ लोग सराय में अइले आ लेवी अपना गदहा के भोजन देबे खातिर आपन बोरा पसार दिहलन जब ऊ देखलन कि ओकर पूरा वजन वाला पइसा अबहीं ओकरा बोरा में बा.
49 ऊ आदमी बहुत डेरा गइल आ ऊ अपना भाई लोग से कहलस, "हमार पइसा वापस हो गइल बा, हमरा बोरा में भी बा, आ आदमी लोग बहुत डेरा गइल आ कहलस कि, "ई का भगवान हमनी के कइले बाड़न?"
50 उ सब कहलस कि, "हमनी के पुरखन, इब्राहीम, इसहाक, याकूब के अंत में प्रभु के दया कहाँ बा, कि प्रभु आज हमनी के मिस्र के राजा के हाथ में सौंप देले बाड़े, ताकि उ हमनी के खिलाफ साजिश रचे?
51 यहूदा उनकरा से कहलस, "हमनी के आपन भाई, आपन मांस बेच के हमनी के प्रभु परमेश्वर के सामने दोषी पापी हईं जा, आ रउवां काहे कहत बानी कि हमनी के बाप-दादा के साथे प्रभु के दया कहाँ बा?
52 रूबेन उनसे कहलस, "का हम तोहनी से इ ना कहनी कि लईका के खिलाफ पाप मत करीं, त तू हमार बात ना सुनी? अब परमेश्वर हमनी से ओकरा के माँगेला, आ रउवां कइसे हिम्मत कर के कहब कि जबले रउवां प्रभु के सामने पाप कइले बानी, त हमनी के पुरखा लोग के साथे प्रभु के दया कहाँ बा?
53 ऊ लोग रात भर ओहिजा रुकल आ सबेरे सबेरे उठ के अपना गदहा के धान के बोझ डाल दिहल आ ऊ लोग ओह लोग के लेके कनान देश में अपना बाप के घरे चल गइल.
54 याकूब आ उनकर घर के लोग उनकर बेटा लोग से मिले निकलल त याकूब देखले कि उनकर भाई शिमोन उनकरा साथे

ना रहले, याकूब अपना बेटा लोग से कहले, "तोहार भाई शिमोन कहाँ बाड़े, जेकरा के हम नईखी देखत?" उनकर बेटा लोग मिस्र में उनकरा पर भइल सब बात बतवले|

अध्याय 52 के बा

1 ऊ लोग अपना घर में घुसल आ हर आदमी आपन बोरा खोलल त देखल आ देखल कि हर आदमी के पइसा के गठरी ओहिजा बा, जवना से ऊ लोग आ ओह लोग के बाप बहुते डेरा गइल.
2 याकूब उनसे पूछले, "तू हमरा साथे इ का कईले बाड़ू?" हम तोहार भाई यूसुफ के तोहरा भलाई के पूछताछ करे भेजनी त तू हमरा से कहनी। एगो जंगली जानवर ओकरा के जरूर खा गइल।
3 शिमोन तोहरा साथे खाना खरीदे गइलन आ तू कहत बाड़ऽ कि मिस्र के राजा ओकरा के जेल में बंद कर दिहले बा आ तू बिन्यामीन आ ओकर भाई यूसुफ के चलते हमार धूसर बाल के दुख से कब्र में उतारल चाहत बाड़ू।
4 अब हमार बेटा तोहरा साथे ना उतरी काहे कि ओकर भाई मर गइल बा आ ऊ अकेले रह गइल बा आ जवना रास्ता से जात बाड़ ओह रास्ता में ओकरा पर बदमाशी हो सकेला जइसे ओकरा भाई पर भइल रहे.
5 रूबेन अपना बाप से कहलस, "अगर हम तोहरा बेटा के ना ले आके तोहरा सोझा ना रखब त तू हमरा दुनो बेटा के मार देब। याकूब अपना बेटा लोग से कहले, "तू लोग इहाँ रहऽ आ मिस्र मत जाईं, काहे कि हमार बेटा तोहनी के साथे मिस्र ना जाई आ ना ही अपना भाई निहन मर जाई।"
6 यहूदा कहलस कि जब तक धान खतम ना हो जाई तब तक ओकरा से परहेज करीं, तब तक उ कह दिहे कि जब तक अपना भाई के अकाल से आपन जान अवुरी अपना घर के जान खतरा में पड़ जाई त उतार दिही।
7 ओह घरी पूरा देश में अकाल बहुते रहे आ धरती के सब लोग खाना खरीदे खातिर मिस्र में चल गइल काहे कि ओह लोग में अकाल बहुते रहे आ याकूब के बेटा लोग एक साल दू महीना ले कनान में रह गइल जबले कि आपन धान खतम ना हो गइल.
8 जब उनकर धान खतम भइला के बाद याकूब के पूरा घराना भूख से चुटकी ले लिहलस आ याकूब के बेटा के सब शिशु एकट्ठा होके याकूब के लगे पहुँचल आ सब लोग याकूब के घेर लिहल आ कहलस, "हमनी के रोटी दे दऽ आ हमनी के सब केहू तोहरा सोझा भूख से काहे नाश होखब जा?
9 याकूब अपना बेटा के लइकन के बात सुन के ऊ बहुते रोअल आ ओह लोग पर उनकर दया जागल आ याकूब अपना बेटा लोग के बोलवले आ ऊ सब लोग आके ओकरा सोझा बइठ गइल।
10 याकूब उनकरा से कहलन, "का रउवां नइखी देखले कि आज रउवा लोग के लइका हमरा पर रोवत बाड़े कि हमनी के रोटी दे दीं, लेकिन रोटी नइखे?" अब एहसे लवट के हमनी खातिर तनी खाना खरीद लीं.
11 यहूदा जवाब देके आपन बाप से कहलस, "अगर तू हमनी के भाई के हमनी के साथे भेजब त हमनी के नीचे जाके तोहरा खातिर अन्न खरीदब जा, आ अगर तू ओकरा के ना भेजब त हमनी के नीचे ना जाएब जा, काहेकि मिस्र के राजा हमनी के विशेष रूप से आज्ञा देले रहले कि, जब तक तोहार भाई तोहरा संगे ना होई, तब तक हमार चेहरा ना देखब, काहेकी मिस्र के राजा एगो मजबूत अवुरी ताकतवर राजा हवे अवुरी देखब कि हमनी के जाए के बा कि ना ओकरा बिना भाई के हमनी के सब केहू के मार दिहल जाई।
12 का तू नइख जानत आ ना सुनले कि ई राजा बहुते ताकतवर आ बुद्धिमान हउवें आ पूरा धरती में ओकरा जइसन कवनो नइखे? देखऽ, हमनी के धरती के सब राजा के देखले बानी जा आ मिस्र के राजा जइसन राजा ना देखले बानी जा। निश्चित रूप से धरती के सभ राजा में पलिस्तीयन के राजा अबीमेलेक से बड़ केहू नईखे, फिर भी मिस्र के राजा उनुका से बड़ अवुरी ताकतवर बाड़े अवुरी अबीमेलेक के तुलना उनुका कवनो अधिकारी से ही कईल जा सकता।
13 पिताजी, तू ओकर महल आ ओकर सिंहासन आ ओकर सब नौकर के सामने खड़ा नइखऽ देखले। तूँ ओह राजा के अपना धूमधाम आ राजसी रूप में अपना सिंहासन पर बइठल नइखीं देखले, ऊ अपना राज के वस्त्र पहिनले बा आ माथा पर सोना के बड़हन मुकुट बा. तूँ भगवान ओकरा के जवन आदर आ महिमा देले बाड़न, ऊ नइखऽ देखले काहे कि पूरा धरती में ओकरा जइसन कवनो आदमी नइखे।
14 पिताजी, तूँ ऊ बुद्धि, समझ आ ज्ञान ना देखले हउअ जवन परमेश्वर ओकरा मन में देले बाड़न आ ना ही उनकर मीठ आवाज सुनले बानी जब उ हमनी से बात करत रहले।
15 हे बाबूजी, हमनी के नईखी जानत कि हमनी के नाम अवुरी हमनी के सभ घटना के बारे में के उनुका के परिचित करवले, लेकिन उ आपके बाद से पूछले कि, का तोहार पिता अभी जिंदा बाड़े अवुरी का उनुकर हालत ठीक बा?
16 तूँ मिस्र के सरकार के कामकाज के बिना ओकर मालिक फिरौन से पूछले नइखऽ देखले। तूँ ऊ भय आ भय ना देखले बाड़ऽ जवन ऊ सब मिस्रियन पर डाल दिहलन.
17 आ जब हमनी के उनकरा से निकलनी जा त हम मिस्र के भी अमोरी लोग के बाकी शहरन निहन करे के धमकी देनी, आ हमनी के उनकर सब बात पर बहुत नाराज रहनी जा जवन उ हमनी के बारे में जासूस के रूप में कहले रहले, आ अब जब हमनी के फेरु से उनकरा सोझा आईब जा त उनकर आतंक हमनी सब पर पड़ जाई, आ हमनी में से केहू उनकरा से ना त छोट भा बड़ बात ना बोल पाई।
18 अब बाबूजी, हमनी के ओह लइका के अपना साथे निहोरा भेजऽ, आ हमनी के नीचे जाके तोहरा से आपन भरण पोषण खातिर खाना खरीदब जा, आ भूख से ना मरब जा। याकूब कहलस, "तू हमरा से एतना बुरा काहें काम कईले बाड़ू कि राजा के बता दिहनी कि तोहार एगो भाई बा? ई का काम हे जवन तू हमरा साथे कइले बाड़ऽ?
19 यहूदा ओकर बाप याकूब से कहलस, "लइका के हमरा देखभाल में दे द, हमनी के उठ के मिस्र उतर के मकई खरीदब जा, आ फेर लवटब जा, आ जब हमनी के लवटब जा, अगर उ लईका हमनी के संगे ना होई त हम हमेशा खाती तोहार दोष उठावे के चाही।
20 का तू देखले हव कि हमनी के सब शिशु के भूख से तोहरा पर रोवत बा आ तोहरा हाथ में ओकरा के तृप्त करे के कवनो शक्ति नइखे? अब ओह लोग पर तोहार दया जागल आ हमनी के भाई के हमनी के साथे भेज दीं आ हमनी के चल जाईं जा।
21 जब तू कहब कि मिस्र के राजा तोहरा बेटा के ले जइहें त हमनी के पुरखन पर प्रभु के दया तोहरा पर कइसे लउकी? जइसे

प्रभु जिंदा बाड़न हम ओकरा के तबले ना छोड़ब जबले ओकरा के ना ले अइब आ ओकरा के तोहरा सोझा ना राखब। लेकिन हमनी खातिर प्रभु से प्रार्थना करीं कि उ हमनी के साथे दयालु व्यवहार करस, ताकि हमनी के मिस्र के राजा आ उनकर आदमी के सामने अनुकूल आ दयालुता से स्वागत करस, काहे कि अगर हमनी के अब देरी ना कईले रहनी जा त हमनी के तोहरा बेटा के संगे दूसरा बेर वापस आ गईल रहनी जा।
22 याकूब अपना बेटा लोग से कहलन, "हमरा परमेस् वर पर भरोसा बा कि उ तोहनी के बचावे आ मिस्र के राजा आ अपना सब आदमी के नजर में तोहनी के अनुग्रह देस।"
23 अब उठ के ओह आदमी के लगे जाके अपना हाथ में जवन कुछ मिल सकेला ओकरा से उपहार ले के ओकरा सोझा ले आवऽ आ सर्वशक्तिमान परमेश्वर तोहरा के ओकरा सोझा दया करस कि ऊ तोहार भाई बिन्यामीन आ शिमोन के तोहरा साथे भेज सके।
24 सब लोग उठ के आपन भाई बिन्यामीन के लेके देश के सबसे बढ़िया चीज के एगो बड़हन उपहार अपना हाथ में ले लिहले आ चांदी के दुगुना हिस्सा भी ले लिहले।
25 याकूब बिन्यामीन के बारे में अपना बेटा लोग के कड़ा आज्ञा दिहलन कि, "जवना रास्ता पर जा रहल बानी, ओह रास्ता में ओकर सावधान रहऽ आ ना ही मिस्र में ओकरा से अलग मत होखऽ।"
26 याकूब अपना बेटा लोग के बीच से उठ के आपन हाथ फैला के आपन बेटा के चलते प्रभु से प्रार्थना कईले कि, हे आकाश आ धरती के परमेश्वर, हमनी के पिता अब्राहम के संगे आपन वाचा याद कर, हमरा पिता इसहाक के संगे याद राखी अवुरी हमरा बेटा के संगे दया करीं अवुरी मिस्र के राजा के हाथ में मत सौंप दिही। करऽ हम तोहरा से विनती करत बानी हे भगवान तोहरा दया खातिर आ हमरा सब लइकन के छुड़ा के मिस्र के सत्ता से बचाईं आ ओह लोग के दुनु भाई के भेज दीं.
27 याकूब के बेटा के सब मेहरारू आ उनकर लइका-लइकी लोग स्वर्ग के ओर आँख उठा के सब लोग प्रभु के सामने रोवे लगलन आ उनकरा से चिल्लात रहलन कि उ लोग अपना बाप-दादा के मिस्र के राजा के हाथ से बचावे।
28 याकूब मिस्र के राजा के एगो रिकार्ड लिख के मिस्र के राजा खातिर यहूदा आ अपना बेटा लोग के हाथ में दे दिहलन।
29 तोहार सेवक याकूब, इसहाक के बेटा, इब्राहीम इब्रानी के बेटा, परमेश्वर के राजकुमार से लेके, शक्तिशाली आ बुद्धिमान राजा, गुप्त बतावे वाला, मिस्र के राजा तक के अभिवादन करत।
30 हमरा मालिक मिस्र के राजा के पता चल जाव कि कनान के देश में हमनी के अकाल बहुत हो गईल रहे अवुरी हम अपना बेटा के तोहरा लगे भेजनी कि उ हमनी के भरण-पोषण खाती तोहरा से तनी-मनी खाना खरीदस।
31 काहे कि हमार बेटा हमरा के घेर लेले बाड़े अवुरी हम बहुत बूढ़ होखला के चलते अपना आंख से नईखी देख सकत, काहेंकी हमार आंख उमर के चलते बहुत भारी हो गईल बा, संगही हमरा बेटा, यूसुफ खाती रोज रोवत रहेला, जवन कि हमरा से पहिले से भटक गईल रहले अवुरी हम अपना बेटा के आदेश देले रहनी कि जब उ लोग मिस्र में अईले त शहर के दुआर में ना घुसे, काहेंकी उ लोग देश के निवासी के चलते शहर के फाटक में ना घुसे।
32 हम ओह लोग के हमरा बेटा यूसुफ के खोजे खातिर मिस्र के चारों ओर घूमे के आदेश देनी, शायद उ लोग उनुका के उहाँ पा सके, अवुरी उ लोग अयीसन कईले अवुरी तू ओ लोग के देश के जासूस मानत रहनी।
33 का हमनी के तोहरा बारे में नईखी सुनले कि तू फिरौन के सपना के व्याख्या कईले बाड़ू अवुरी ओकरा से सही बात कईले बाड़ू? त तू अपना बुद्धि से कईसे ना जानब कि हमार बेटा जासूस हवें कि ना?
34 अब हे हमार मालिक आ राजा, देख, हम अपना बेटा के तोहरा से पहिले भेजले बानी, जईसे तू हमरा बेटा से बात कईले रहलू। हम तोहरा से निहोरा करत बानी कि जबले ऊ अपना भाई लोग के साथे शांति से हमरा लगे ना लवट जाई तबले ओकरा पर आपन नजर राखऽ.
35 का तू नइख जानत कि का तू नइखऽ सुनले कि हमनी के परमेस् वर हमरा माई सारा के लेके फिरौन के साथे का कइले रहलन आ ओकरा चलते पलिस्तीयन के राजा अबीमेलेक के साथे का कइले रहलन, आउर हमनी के बाप अब्राहम एलाम के नौ राजा लोग के साथे का कइलन, कइसे उ अपना साथे कुछ आदमी के साथे ओह सब के मार दिहलन?
36 हमार दुनु बेटा शिमोन आ लेवी अमोरी लोग के आठ गो शहरन के साथे जवन कइले रहले, ऊ लोग अपना बहिन दीना के चलते ओह लोग के नाश कर दिहले?
37 अपना भाई बिन्यामीन के चलते उ लोग अपना भाई यूसुफ के गंवा के सांत्वना देले। तब ऊ लोग ओकरा खातिर का करी जब ऊ लोग ओकरा खातिर कवनो लोग के हाथ ओकरा पर हावी होत देख के?
38 हे मिस्र के राजा, का तू नइखऽ जानत कि परमेश्वर के शक्ति हमनी के साथे बा आ परमेश्वर कबो हमनी के प्रार्थना सुन के हमनी के दिन भर ना छोड़ेलन?
39 जब हमार बेटा हमरा के ओह लोग से व्यवहार के बारे में बतवले त हम तोहरा खातिर प्रभु के ना बोलवनी, काहे कि तब तू हमार बेटा बिन्यामीन के तोहरा से पहिले आवे से पहिले अपना आदमी के संगे नाश हो गईल रहती, लेकिन हम सोचनी कि जईसे हमार बेटा शिमोन तोहरा घर में रहले, शायद तू ओकरा संगे दयालुता से व्यवहार क सकतानी, एहसे हम तोहरा संगे इ काम ना कईनी।
40 अब देखऽ, हमार बेटा बिन्यामीन हमरा बेटा लोग के साथे तोहरा लगे आवत बा, ओकरा से सावधान रहऽ आ ओकरा पर आपन नजर राखी, तब भगवान तोहरा पर आ तोहरा पूरा राज्य में आपन नजर राखिहें।
41 अब हम तोहरा के अपना मन में जवन कुछ बा ओकरा के बता देले बानी आ देखऽ कि हमार बेटा अपना भाई के साथे तोहरा लगे आवत बाड़े, ओह लोग खातिर पूरा धरती के चेहरा के जाँच करऽ आ ओह लोग के अपना भाई लोग के साथे शांति से वापस भेज दीं।
42 याकूब इ गवाही अपना बेटा लोग के यहूदा के देखरेख में दे दिहलन कि उ मिस्र के राजा के देस।

अध्याय 53 के बा

1 याकूब के बेटा उठ के बिन्यामीन आ पूरा उपहार के लेके मिस्र गईले अवुरी यूसुफ के सोझा खड़ा हो गईले।
2 यूसुफ अपना भाई बिन्यामीन के ओह लोग के साथे देखलन आ ऊ लोग के नमस्कार कइलन आ ई लोग यूसुफ के घरे आ गइलन.

3 यूसुफ अपना घर के अधीक्षक के आदेश दिहलन कि ऊ अपना भाई लोग के खाना दे देव.
4 दुपहरिया के समय यूसुफ ओह लोग के बिन्यामीन के साथे अपना सोझा आवे खातिर बोलवले, आ उ लोग यूसुफ के घर के अधीक्षक के आपन बोरा में वापस आइल चांदी के बारे में बतवले, आ उ लोग से कहले कि, "तू लोग के भलाई होई, मत डेराई, अवुरी उ ओ लोग के भाई शिमोन के ओ लोग के लगे ले अईले।
5 शिमोन अपना भाई लोग से कहलस, "मिस्र के मालिक हमरा पर बहुत दयालुता कईले बाड़े, उ हमरा के बान्हल ना रखले, जईसे कि तू अपना आंख से देखले रहलू, काहेकी जब तू शहर से निकलनी त उ हमरा के आजाद देले अवुरी अपना घर में हमरा संगे दया कईले।
6 यहूदा बिन्यामीन के हाथ पकड़ के उ लोग यूसुफ के सामने आ गईले अवुरी उ लोग उनुका के जमीन प प्रणाम कईले।
7 उ लोग यूसुफ के उपहार देले अवुरी उ सब लोग उनुका सोझा बईठ गईले, त यूसुफ ओ लोग से कहले, "का तोहनी के ठीक बा, का आपके बच्चा के ठीक बा, का आपके बुजुर्ग पिता के ठीक बा? ऊ लोग कहल कि, "अच्छा हो गइल बा, आ यहूदा याकूब के भेजल गवाही लेके यूसुफ के हाथ में दे दिहलस।"
8 यूसुफ चिट्ठी पढ़ के अपना बाप के लिखल जान गइलन आ ऊ रोवे के चाहत रहले आ ऊ एगो भीतरी कमरा में गइलन आ ऊ बहुते रोवत रोवत रहले. आ ऊ बाहर निकल गइलन.
9 ऊ आँख उठा के अपना भाई बिन्यामीन के देखलन आ कहलन कि का ई तोहार भाई हवे जेकरा बारे में तू हमरा से बात कइले रहलू? बिन्यामीन यूसुफ के लगे पहुँचल त यूसुफ उनकर माथा पर हाथ रख के कहलन, "हमार बेटा भगवान तोहरा पर कृपा करस।"
10 जब यूसुफ अपना भाई के माई के बेटा के देखले त उ फेर से रोवे के इच्छा कईले अवुरी उ कोठरी में घुस गईले अवुरी उहाँ रोवे लगले अवुरी उहाँ मुंह धो के निकल गईले अवुरी रोवे से परहेज कईले अवुरी कहले, "खाना तैयार कर लीं।"
11 यूसुफ के लगे एगो प्याला रहे जवना में से उ पीवत रहले, उ चांदी के रहे, जवना में गोमेद के पत्थर अवुरी ब्लेडलियम के खूबसूरती से जड़ल रहे अवुरी जब उ लोग उनुका संगे खाना खाए बईठल रहले, त यूसुफ अपना भाई लोग के नजर में प्याला के मार देले।
12 यूसुफ ओह लोग से कहले, "हम एह प्याला से जानत बानी कि पहिलका बेटा रूबेन, शिमोन, लेवी, यहूदा, इसाकर आ जबबुलून एक महतारी के संतान हवें।
13 उ बाकी लोग के भी जन्म के हिसाब से रखले अवुरी कहले, "हम जानतानी कि आपके ए छोट भाई के कवनो भाई नईखे अवुरी हमरा भी उनुका निहन भाई नईखे, एहसे उ हमरा संगे खाना खाए खाती बईठ जाई।"
14 बिन्यामीन यूसुफ के सामने चढ़ के सिंहासन पर बइठ गइलन आ ऊ लोग यूसुफ के काम देख के अचरज में पड़ गइलन। आ ऊ लोग ओह घरी यूसुफ के साथे खाना-पीना कइल आ तब ऊ ओह लोग के उपहार दिहलन आ यूसुफ बिन्यामीन के एगो उपहार दिहलन आ मनश्शे आ एप्रैम अपना बाप के काम देखलन आ ऊ लोग उनुका के उपहार भी दिहलन आ ओसनाथ ओकरा के एगो उपहार दिहलन आ ऊ पाँच गो उपहार बिन्यामीन के हाथ में रहलन.
15 यूसुफ ओ लोग के शराब पीये खातिर ले अइले, लेकिन उ लोग शराब ना पीये लगले, उ लोग कहले कि, "जवना दिन यूसुफ के हार गईल रहले, उ दिन से हमनी के शराब ना पियले बानी अवुरी ना कवनो स्वादिष्ट खाना खईले बानी।"
16 यूसुफ ओह लोग के कसम खइले आ ऊ ओह लोग के जोर से दबा दिहलन आ ओह दिन ऊ लोग उनका साथे भरपूर शराब पी लिहलन आ ओकरा बाद यूसुफ अपना भाई बिन्यामीन के ओर मुड़लन कि ऊ उनका से बात करसु आ बिन्यामीन अबहीं यूसुफ का सोझा सिंहासन पर बइठल रहले.
17 यूसुफ ओकरा से पूछले, "का तोहरा कवनो संतान पैदा भइल बा?" ऊ कहलस कि तोहार नौकर के दस गो बेटा बाड़े आ ई उनकर नाम ह, बेला, बेचेर, अशबल, गेरा, नामान, अची, रोश, मुपिम, चुपिम आ ओर्ड आ हम ओह लोग के नाम अपना भाई के नाम पर रखले बानी जेकरा के हम नइखीं देखले.
18 ऊ ओह लोग के आपन तारा के नक्शा अपना सामने ले आवे के आदेश दिहलन जवना से यूसुफ हर समय जानत रहले आ यूसुफ बिन्यामीन से कहले, "हम सुनले बानी कि इब्रानी लोग सब बुद्धि से परिचित बा, का तू एह बारे में कुछ जानत बाड़?"
19 बिन्यामीन कहलस, "तोहार सेवक भी उ सब बुद्धि से जानत बा जवन हमार बाबूजी हमरा के सिखवले रहले, त यूसुफ बिन्यामीन से कहले, "अब ई वाद्ययंत्र देखऽ आ समझऽ कि तोहार भाई यूसुफ मिस्र में कहाँ बाड़े, जेकरा के तू मिस्र में उतरल कहत रहलू।"
20 बिन्यामीन ओह वाद्ययंत्र के देखलन जवना में आकाश के तारा के नक्शा रहे, आ ऊ बुद्धिमान होके ओहिजा देखलन कि उनकर भाई कहाँ बा, आ बिन्यामीन पूरा मिस्र के देश के चार भाग में बाँट दिहलन आ देखलन कि जे उनका सामने सिंहासन पर बइठल रहे ऊ उनकर भाई यूसुफ ह, आ बिन्यामीन बहुते आश्चर्यचकित भइलन आ जब यूसुफ देखलन कि उनकर भाई बिन्यामीन एतना अचरज में पड़ गइलन त ऊ पूछले कि, "तू का देखले बाड़ू आ का देखले बाड़ू?" तू काहे अचरज में पड़ गइल बाड़?
21 बिन्यामीन यूसुफ से कहलन, "हम एही से देख सकत बानी कि हमार भाई यूसुफ हमरा साथे इहाँ सिंहासन पर बइठल बाड़न आ यूसुफ ओकरा से कहले, "हम तोहार भाई यूसुफ हईं, ई बात तोहार भाई लोग के मत बताईं। देखऽ जब ऊ लोग जाई त हम तोहरा के ओह लोग के साथे भेजब आ ओह लोग के शहर में वापस ले आवे के आदेश देब आ तोहरा के ओह लोग से दूर कर देब।
22 आ अगर ऊ लोग आपन जान के हिम्मत करी आ तोहरा खातिर लड़त बा, त हम जान जाईं कि ऊ लोग हमरा साथे कइल काम से पश्चाताप कर लिहले बा, आ हम ओह लोग के अपना के बता देब, आ अगर हम तोहरा के लेबे पर तोहरा के छोड़ दीहें, त तू हमरा साथे रहब, आ हम ओह लोग से झगड़ा करब, आ ऊ लोग चल जाई आ हम ओह लोग के ना जानल जाई.
23 ओही घरी यूसुफ अपना अफसर के आदेश दिहलन कि ऊ लोग के बोरा में खाना भर के हर आदमी के पइसा अपना बोरा में डाल के बिन्यामीन के बोरा में प्याला डाल के रास्ता के खाना दे देव आ ऊ लोग ओह लोग के साथे अईसन कइल।
24 अगिला दिने उ लोग सबेरे-सबेरे उठ के अपना गदहा के धान के भर के बिन्यामीन के संगे निकल गईले अवुरी अपना भाई बिन्यामीन के संगे कनान के देश में चल गईले।

25 उ लोग मिस्र से दूर ना गईल रहले, जब यूसुफ अपना घर के देखरेख करेवाला के आदेश देले कि, "उठ जा, मिस्र से बहुत दूर ना जाए से पहिले ए लोग के पीछा कर, अवुरी उ लोग से कहब कि, 'हमरा मालिक के प्याला काहे चोरा लेले बानी?'
26 यूसुफ के अधिकारी उठ के ओह लोग के लगे पहुँचल आ यूसुफ के सब बात ओह लोग से कहलस। इ बात सुन के उ लोग बहुत गुस्सा में पड़ गईले अवुरी कहले कि, "जेकरा संगे तोहार मालिक के प्याला मिली, उ मर जाई अवुरी हमनी के भी गुलाम बन जाईब।"
27 ऊ लोग जल्दी-जल्दी गदहा से आपन बोरा उतार दिहल आ ऊ लोग अपना झोरा में देखल आ प्याला बिन्यामीन के थैली में मिलल आ सब लोग आपन कपड़ा फाड़ के शहर में लवट गइल आ सड़क पर बिन्यामीन के लगातार मार दिहल आ जबले ऊ शहर में ना आ गइल आ ऊ लोग यूसुफ के सामने खड़ा हो गइल.
28 यहूदा के गुस्सा भड़क गईल आ उ कहले, "ई आदमी हमरा के आज मिस्र के नाश करे खातिर ही वापस ले आईल बा।"
29 उ लोग यूसुफ के घरे पहुंचले, त उ लोग यूसुफ के अपना सिंहासन प बईठल देखले अवुरी सभ पराक्रमी उनुका दाहिना-बांया ओर खड़ा रहले।
30 यूसुफ उनसे पूछले, "तू लोग इ का काम ह कि तू हमार चांदी के प्याला लेके चल गईनी? बाकिर हम जानत बानी कि तू हमार प्याला एह खातिर ले लिहले बाड़ कि एह से पता चल जाव कि तोहार भाई ओह देश के कवना हिस्सा में बा.
31 यहूदा कहलस, "हम अपना मालिक से का कहब, का बोलब अवुरी अपना के कइसे धर्मी ठहराईब, भगवान आज तोहार सभ सेवक के पाप पा लेले बाड़े, एहीसे उ आज हमनी के संगे इ काम कईले बाड़े।
32 यूसुफ उठ के बिन्यामीन के पकड़ के अपना भाई लोग से हिंसक तरीका से ले लिहले आ घर में आके ओह लोग के दरवाजा बंद कर दिहले आ यूसुफ अपना घर के ऊपर से बइठल आदमी के आज्ञा दिहलन कि ऊ लोग से कहे कि राजा ई कहत बाड़न कि, 'रजाम से आपन बाप के लगे जा, हम ओह आदमी के पकड़ लेले बानी, जेकरा हाथ में हमार प्याला मिलल रहे।'

अध्याय 54 के बा

1 जब यहूदा यूसुफ के साथे उनकर व्यवहार देखलस त यहूदा उनका लगे आके दरवाजा तोड़ के आपन भाई लोग के साथे यूसुफ के सामने आ गईले|
2 यहूदा यूसुफ से कहलस, "हमार मालिक के नजर में ई कवनो दुखद ना लागे, का तोहार सेवक तोहरा सामने एक बात कह सकेला? यूसुफ ओकरा से कहलस, "बोलऽ।"
3 यहूदा यूसुफ के सामने बात कइलन आ उनकर भाई लोग उहाँ उनकरा सामने खड़ा रहले। यहूदा यूसुफ से कहलस, "जब हमनी के पहिला बेर अपना मालिक के लगे खाना खरीदे आईल रहनी जा त तू हमनी के देश के जासूस मानत रहलू अवुरी हमनी के बिन्यामीन के अपना सोझा ले अईनी अवुरी आज भी तू हमनी के खेला करत बाड़।
4 अब राजा हमार बात सुनस आ हम तोहरा से हमनी के भाई से निहोरा करस कि उ हमनी के संगे हमनी के पिता के लगे जास, कहीं आज तोहार प्राण मिस्र के सभ निवासी के संगे नाश ना हो जाए।
5 का तू नइखऽ जानत कि हमार दू गो भाई शिमोन आ लेवी हमनी के बहिन दीना के चलते शेकेम शहर आ अमोरी लोग के सात गो शहर के का कइल आ अपना भाई बिन्यामीन खातिर का कइल?
6 आ हम अपना ताकत से, जे दुनु से बड़ आ ताकतवर बानी, आजु तोहरा आ तोहरा देश पर आवत बानी अगर तू हमनी के भाई के भेजे के तइयार नइखे।
7 का तू नइखऽ सुनले कि हमनी के चुने वाला हमनी के भगवान हमनी के माई सारा के चलते फिरौन के का कइलन, जेकरा के ऊ हमनी के बाप से छीन लिहले रहलन, कि ऊ ओकरा आ ओकरा घर के लोग के भारी विपत्ति से मार दिहलन, कि आजु ले मिस्र के लोग एक दोसरा से ई आश्चर्य के बात कहत बा? अईसन हमनी के परमेश्वर तोहरा साथे करीहे, जेकरा के तू आज ओकरा बाप से छीन लेले बाड़, आ आज हमनी के अपना देश में जवन बुराई के ढेर लगावत बाड़, ओकरा चलते। काहेकि हमनी के परमेश्वर हमनी के पिता अब्राहम के साथे आपन वाचा के याद करीहे आ तोहरा पर बुराई ले अइहें, काहे कि तू आज हमनी के बाप के जान दुखी कर देले बाड़ऽ।
8 अब हमार बात सुनीं जवन हम आजु तोहरा से कहले बानी आ हमनी के भाई के भेज दीं कि ऊ चल जाव कि कहीं तू आ तोहरा देश के लोग तलवार से मर ना जाव, काहे कि तू सभे हमरा पर हावी ना हो सकेलऽ.
9 यूसुफ यहूदा के जवाब दिहलन, "तू आपन मुँह काहे खोलले बाड़ आ हमनी पर काहे घमंड करत बाड़ऽ कि, "तोहरा लगे ताकत बा?" जइसे फिरौन जिंदा बा, अगर हम अपना सब वीर लोग के तोहरा से लड़ाई करे के आदेश देब त तू आ तोहार ई भाई लोग दलदल में डूब जाई।
10 यहूदा यूसुफ से कहलस, "तू आ तोहार लोग के हमरा से डेराए के चाहीं। जइसे कि प्रभु जिंदा बाड़े अगर हम एक बेर आपन तलवार निकालब त हम ओकरा के तब तक म्यान में ना रखब जब तक कि हम आज पूरा मिस्र के ना मार देब, आ हम तोहरा से शुरू होके तोहार मालिक फिरौन के संगे खतम होखब।
11 यूसुफ जवाब दिहलन, "सचहूँ ताकत अकेले तोहार नइखे। हम तोहरा से भी मजबूत आ ताकतवर बानी, अगर तू आपन तलवार निकालब त हम ओकरा के तोहरा गरदन में आ तोहरा सब भाई लोग के गर्दन में डाल देब।
12 यहूदा ओकरा से कहलस, "जदि हम आज तोहरा खिलाफ आपन मुँह खोलब त हम तोहरा के निगल लेतीं कि तू धरती से नाश हो जाईब आ आज तोहरा राज्य से नाश हो जाईब।" यूसुफ कहले, "जदि तू आपन मुँह खोलब त हमरा लगे ताकत आ ताकत बा कि हम तोहार मुँह पत्थर से बंद कर सकीले जब तक कि तू एक शब्द ना बोल पइब। देखऽ कि हमनी के सोझा केतना पत्थर बा, साँचहू हम एगो पत्थर लेके ओकरा के जबरदस्ती तोहरा मुँह में डाल सकेनी आ तोहार जबड़ा के तोड़ सकेनी।
13 यहूदा कहलस, "परमेशवर हमनी के बीच गवाह हउवें कि हमनी के अभी तक तोहरा से लड़ाई करे के इच्छा नईखी कईले, सिर्फ हमनी के भाई दे द अवुरी हमनी के तोहरा से चल जाईब। यूसुफ जवाब देले, "जइसे फिरौन जिंदा बाड़े, अगर कनान के सब राजा तोहनी के संगे मिल गईले त तू ओकरा के हमरा हाथ से ना ले लेब।"
14 अब तोहार बाप के लगे जाके तोहार भाई हमरा गुलाम बन जाई, काहेकि उ राजा के घर लूट लेले बा। यहूदा कहलस,

"तोहरा भा राजा के चरित्र के का बा, राजा अपना घर से, पूरा देश में चांदी आ सोना या त उपहार में भा खरचा में भेजत बा, आ तू अबहियों अपना प्याला के बारे में बात करत बाड़ जवन तू हमनी के भाई के थैली में रखले रहलू आ कहत बाड़ कि ऊ तोहरा से चोरा लेले बा?
15 भगवान ना करस कि हमनी के भाई बिन्यामीन भा अब्राहम के वंशज में से कवनो आदमी तोहरा से, चाहे राजा, राजकुमार भा कवनो आदमी से चोरी करे खातिर ई काम ना करे।
16 अब ई आरोप बंद कर दीं कि पूरा धरती तोहार बात ना सुन पावे कि मिस्र के राजा तनी चांदी के चलते ओह लोग से झगड़ा कइलन आ ऊ ओह लोग पर आरोप लगा के ओह लोग के भाई के गुलाम बना लिहलन.
17 यूसुफ जवाब दिहलन, "ई प्याला लेके हमरा से जा के अपना भाई के गुलाम बना के छोड़ द, काहे कि चोर के गुलाम बनल फैसला ह।
18 यहूदा कहलस, "तू अपना बात से लाज काहे नइखऽ कि हमनी के भाई के छोड़ के आपन प्याला लेके चलत बाड़ऽ? जरूर अगर तू हमनी के आपन प्याला देबऽ, भा एकरा से हजार गुना त हमनी के अपना भाई के ओह चाँदी खातिर ना छोड़ब जा जवन केहू के हाथ में मिलेला, ताकि हमनी के ओकरा पर ना मरब जा।
19 यूसुफ जवाब दिहलन, "आज ले तू अपना भाई के छोड़ के बीस चांदी के टुकड़ा में काहे बेच देलऽ आ एह भाई के साथे अइसन काहे ना करबऽ?
20 यहूदा कहलस, "हमरा आ तोहरा बीच प्रभु गवाह हउवें कि हमनी के तोहार लड़ाई के इच्छा नईखी करत। अब हमनी के भाई के दे दऽ आ हमनी के बिना झगड़ा के तोहरा से चल जाईब जा।
21 यूसुफ जवाब दिहलन, "जदि देश के सब राजा एकट्ठा हो जइहें त तोहार भाई के हमरा हाथ से ना ले पइहें। यहूदा कहलस, "हमनी के बाप के का कहब जब उ देख के कि हमनी के भाई हमनी के संगे नईखन आवत अवुरी उनुका प दुखी होईहे?
22 यूसुफ जवाब देले, "इहे बात तू अपना बाप के बताईब कि रस्सी लोटा के पीछे चल गईल बा।"
23 यहूदा कहलस, "तू सचमुच राजा हउअ, अउर काहे इ सब बात कहत बाड़? हाय तोहरा जइसन राजा के।
24 यूसुफ जवाब देले, "हम तोहरे भाई यूसुफ के बारे में जवन बात कहले रहनी ओकरा में कवनो झूठा फैसला नईखे, काहेकि रउआ सभे ओकरा के बीस चांदी में मिद्यानी लोग के बेच देले रहनी अवुरी रउआ सभे एकरा के अपना पिता से इनकार क देनी अवुरी उनुका से कहनी कि, 'एक बुरा जानवर उनुका के खा गईल बा, यूसुफ के टुकड़ा-टुकड़ा क दिहल गईल बा।'
25 यहूदा कहलस, "देखऽ, हमरा दिल में शेम के आग जरत बा, अब हम तोहार पूरा देश के आग से जरा देब। यूसुफ जवाब दिहलन, "तोहार भउजाई तामार, जे तोहार बेटा लोग के मार दिहलस, ऊ शेकेम के आग बुझा दिहलस।
26 यहूदा कहलस, "अगर हम अपना शरीर से एको बाल उखाड़ देब त पूरा मिस्र के खून से भर देब।"
27 यूसुफ जवाब दिहलन, "रउरा के अइसने रिवाज बा जइसे तू अपना भाई के साथे कइले रहलू जवना के तू बेचले रहलू आ ओकर कोट खून में डुबा के अपना बाप के लगे ले अइनी ताकि ऊ कह सके कि कवनो दुष्ट जानवर ओकरा के खा गइल बा आ इहाँ ओकर खून बा।
28 यहूदा के ई बात सुन के ऊ बहुते गुस्सा में आ गइल आ उनकर क्रोध ओकरा भीतर जर गइल आ ओकरा सोझा ओह जगह पर एगो पत्थर रहे जवना के वजन करीब चार सौ शेकेल रहे आ यहूदा के क्रोध भड़क गइल आ ऊ पत्थर के एक हाथ में लेके आकाश में फेंक के अपना बायां हाथ से पकड़ लिहले.
29 ओकरा बाद उ ओकरा के अपना गोड़ के नीचे रखले अवुरी पूरा ताकत से ओकरा प बईठ गईले अवुरी यहूदा के ताकत से उ पत्थर धूल में बदल गईल।
30 यूसुफ यहूदा के काम देख के बहुत डेरा गईले, लेकिन उ अपना बेटा मनसा के आदेश देले अवुरी यहूदा के काम निहन एगो अवुरी पत्थर से भी काम कईले अवुरी यहूदा अपना भाई से कहलस कि, "तू में से केहु इ मत कहे कि इ मिस्र के हवे, लेकिन इ काम कईला से उ हमनी के पिता के कुल के हवे।"
31 यूसुफ कहले, "केवल तोहनी के बल ना दिहल जाला, काहेकि हमनी के भी ताकतवर आदमी हईं जा, आ तू हमनी सब के ऊपर काहे घमंड करबऽ? यहूदा यूसुफ से कहलस, "हमरा भाई के भेज द आ आज तोहार देश के बर्बाद मत करऽ।"
32 यूसुफ जवाब दिहलन, "जा के तोहनी के बाप के बता दीं कि एगो दुष्ट जानवर ओकरा के खा गइल बा जइसन कि तू अपना भाई यूसुफ के बारे में कहले रहलू।
33 यहूदा अपना भाई नप्ताली से कहलस, "जल्दी से जाके मिस्र के सब गली गिन के आके हमरा के बताईं। शिमोन ओकरा से कहलस, "ई बात तोहरा खातिर परेशानी मत होखे। अब हम पहाड़ पर जाके पहाड़ से एगो बड़हन पत्थर उठा के मिस्र के हर पत्थर के समतल करब आ ओकरा में मौजूद सब लोग के मार देब।
34 यूसुफ अपना भाई लोग के ई सब बात सुन के उ लोग ना जानत रहे कि यूसुफ ओकरा के समझत बाड़े, काहेकि उ लोग सोचत रहले कि उ हिब्रू ना बोले के जानत बाड़े।
35 यूसुफ अपना भाई लोग के बात से बहुत डेरा गईले कि कहीं उ लोग मिस्र के नाश ना करस, त उ अपना बेटा मनश्शे के आदेश देले कि, "जल्दी से जा के मिस्र के सभ निवासी अवुरी सभ वीर लोग के हमरा लगे एकट्ठा क लीही अवुरी अब घोड़ा प सवार होके अवुरी पैदल अवुरी हर तरह के वाद्ययंत्र से हमरा लगे आवे दीं अवुरी मनश्शे जाके अयीसन कईले।
36 नफ्ताली यहूदा के आदेश के मुताबिक चल गईल, काहेकि नफ्ताली तेज हरन निहन हल्का पैर के रहे अवुरी उ धान के कान प जाके ओकरा नीचे ना टूटत रहे।
37 ऊ जाके मिस्र के सगरी गली गिन के देखलन कि बारह गो गली बा आ ऊ जल्दबाजी में आके यहूदा के बतवले आ यहूदा अपना भाई लोग से कहलस कि, "तू लोग जल्दी से हर आदमी के आपन तलवार अपना कमर पर लगाईं आ हमनी के मिस्र के पार आके ओह सब के मार देब जा आ कवनो बचे वाला लोग के ना बचे दीं।"
38 यहूदा कहलस, "देखऽ, हम अपना ताकत से तीन गो गली के नष्ट कर देब आ तू हर एक गली के नष्ट कर देबऽ। जब यहूदा ई बात कहत रहे त देखऽ कि मिस्र के निवासी आ सब पराक्रमी लोग तरह तरह के वाद्ययंत्र आ जोरदार चिल्लाहट लेके ओह लोग के ओर आ गइल।

39 ओह लोग के संख्या पांच सौ घुड़सवार आ दस हजार पैदल सेना आ चार सौ आदमी रहे जे बिना तलवार भा भाला के, खाली अपना हाथ आ ताकत से लड़ सकत रहे।
40 सब पराक्रमी लोग बहुते तूफान आ चिल्लाहट के साथे आ गइलन आ सभे याकूब के बेटा लोग के घेर के डेरा दिहले आ ओह लोग के चिल्लाहट के आवाज से जमीन काँप गइल।
41 जब याकूब के बेटा लोग एह सैनिकन के देखले त उ लोग अपना जान से बहुत डेरा गईले अवुरी यूसुफ अयीसन कईले ताकि याकूब के बेटा के शांति मिले।
42 यहूदा अपना कुछ भाई लोग के घबराहट में देख के कहलस कि जब तक परमेश्वर के कृपा हमनी के संगे बा, तब तक आप लोग काहे डेरात बानी? जब यहूदा मिस्र के सब लोग के यूसुफ के आदेश से घिरल देखलस कि उ लोग के डेरवावे खातिर खाली यूसुफ ओ लोग के आज्ञा देले कि, "ओकनी में से कवनो के हाथ मत लगाईं।"
43 तब यहूदा जल्दी-जल्दी आपन तलवार निकाल के एगो जोरदार आ कड़ुआ चिल्लाहट कइलस आ ऊ अपना तलवार से मार दिहलस आ जमीन पर उछल पड़ल आ अबहियों ऊ सब लोग के खिलाफ चिल्लात रहल।
44 जब ऊ ई काम कइलन त प्रभु यहूदा आ ओकर भाई लोग के भयावह आदमी आ ओह लोग के घेरले सब लोग पर आतंकित कर दिहलन।
45 चिल्लाहट के आवाज सुन के उ सब लोग भाग गईले अवुरी डेरा गईले अवुरी एक दूसरा प गिर गईले अवुरी गिरत-गिरत बहुत लोग मर गईले अवुरी सभ यहूदा अवुरी उनुकर भाई अवुरी यूसुफ के सोझा से भाग गईले।
46 जब ऊ लोग भागत रहे त यहूदा आ ओकर भाई लोग ओह लोग के पीछा करत फिरौन के घरे पहुँच गइलन आ ऊ सब लोग बच गइलन आ यहूदा फेरु से यूसुफ के सामने बइठ के शेर नियर ओकरा पर गर्जना कइलस आ ओकरा पर एगो बड़हन आ जबरदस्त चिल्लाहट कइलस।
47 दूर से ई चिल्लाहट सुनाई पड़ल आ सुक्कोत के सब निवासी लोग एकरा के सुन के पूरा मिस्र के चिल्लाहट के आवाज से काँप गइल आ मिस्र आ गोशेन के देवाल धरती के हिलला से गिर गइल आ फिरौन भी अपना सिंहासन से जमीन पर गिर गइल आ मिस्र आ गोशेन के सभ गर्भवती मेहरारू लोग के भी गर्भपात हो गइल हिलला के शोर, काहे कि ऊ लोग भयंकर डेरा गइल रहे।
48 फिरौन संदेश भेजले कि, "मिस्र देश में आज जवन घटना भईल बा?" उ लोग आके शुरू से अंत तक सब बात बतवले अवुरी फिरौन घबरा गईले अवुरी उ अचरज में पड़ गईले अवुरी बहुत डेरा गईले।
49 ई सब बात सुन के उनकर डर अउरी बढ़ गइल आ ऊ यूसुफ के लगे भेजलन कि, "तू हमरा लगे इब्रानियन के लेके आइल बाड़ू कि पूरा मिस्र के नाश कर सकीले। ओह चोर गुलाम के का करबऽ? ओकरा के भेज दीं आ ओकरा के अपना भाई लोग के साथे चले दीं आ हमनी के, तू आ पूरा मिस्र के बुराई से नाश मत हो जाईं जा।
50 आ अगर तू ई काम ना करे के चाहत बाड़ू त हमार सब कीमती चीज तोहरा से फेंक दीं आ ओह लोग के साथे ओह लोग के देश में चल जाईं, अगर तू एहमें खुश बाड़ू, काहे कि ऊ लोग आजु हमरा पूरा देश के तबाह कर दी आ हमरा सगरी लोग के मार दी. मिस्र के सब मेहरारू लोग भी अपना चिल्लाहट से गर्भपात कर चुकल बाड़ी। देखल जाव कि ऊ लोग खाली चिल्लाहट आ बोलला से का कइले बा, एकरा अलावा अगर ऊ लोग तलवार से लड़त बा त ऊ लोग देश के तबाह कर दी; अब उहे चुनीं जवन तू चाहत बाड़ू, चाहे हम होखे भा इब्रानियन, चाहे मिस्र होखे भा इब्रानियन के देश।
51 उ लोग आके यूसुफ के उ सब बात बतवले जवन उ फिरौन के बारे में कहले रहले अवुरी यूसुफ फिरौन अवुरी यहूदा के बात से बहुत डेरा गईले अवुरी उनुकर भाई अभी तक यूसुफ के सोझा नाराज अवुरी गुस्सा में खड़ा रहले अवुरी याकूब के सभ बेटा यूसुफ प गर्जत रहले, जईसे समुंदर अवुरी ओकर लहर के गर्जन होखत रहे।
52 यूसुफ अपना भाई लोग से आ फिरौन से बहुत डेरा गइलन आ यूसुफ अपना भाई लोग के बतावे खातिर बहाना खोजले कि कहीं ऊ लोग पूरा मिस्र के नाश ना कर देव।
53 यूसुफ अपना बेटा मनश्शे के आज्ञा दिहलन आ मनश्शे जाके यहूदा के लगे पहुँच गइलन आ उनकर कान्ह पर हाथ रखलन आ यहूदा के गुस्सा शांत हो गइल।
54 यहूदा अपना भाई लोग से कहलस कि, "तोहनी में से केहु इ मत कहे कि इ मिस्र के युवक के काम ह, काहेकि इ हमार पिता के घर के काम ह।
55 यूसुफ यहूदा के क्रोध शांत हो गईल देख के यहूदा से नम्रता के भाषा में बात करे खातिर नजदीक पहुंचले।
56 यूसुफ यहूदा से कहले, "तू सचमुच सच बोलत बाड़ू आ आज अपना ताकत के बारे में आपन बात के सही क देले बाड़ू, आ तोहार भगवान जे तोहनी में खुश बाड़े, उ तोहार भलाई बढ़ास। लेकिन हमरा के सही बताव कि तू अपना सब भाई लोग के बीच से हमरा से लईका के चलते काहें झगड़ा करतारे, काहेंकी ओ लोग में से केहु हमरा से उनुका बारे में एक शब्द नईखे बोलले।
57 यहूदा यूसुफ के जवाब दिहलस, "तू जरूर जानत होखब कि हम लईका खातिर ओकर बाप के सुरक्षा हईं आ कहत हईं कि अगर हम ओकरा के ओकरा लगे ना ले अइनी त हम ओकर दोष हमेशा खातिर उठा लेब।"
58 एही से हम अपना सब भाई लोग के बीच से तोहरा लगे आईल बानी, काहे कि हम देखनी कि तू ओकरा के अपना से जाए देवे के ना चाहत रहलू। अब एह से हमरा तोहरा नजर में कृपा हो सकेला कि तू ओकरा के हमनी के साथे जाए खातिर भेजब, आ देखऽ, हम ओकरा बदले रहब, तोहरा जवन मन करे ओकर सेवा करे खातिर, काहे कि जहाँ भी तू हमरा के भेजब, हम बहुते ऊर्जा से तोहार सेवा करे चलब।
59 अब हमरा के एगो पराक्रमी राजा के लगे भेज दीं जे तोहरा खिलाफ विद्रोह कइले बा, त तू पता चल जाई कि हम ओकरा आ ओकरा देश के का करब। हालांकि ओकरा लगे घुड़सवार आ पैदल सेना भा कवनो बेहद ताकतवर लोग हो सकेला बाकिर हम ओह सब के मार के राजा के सिर तोहरा सोझा ले अइब.
60 का तू नइख जानत कि ना सुनले कि हमनी के बाप इब्राहीम अपना सेवक एलीएजर के साथे एके रात में एलाम के सब राजा लोग के सेना के साथे मार दिहलस, उ लोग केहु के ना बचल? आ ओह दिन से हमनी के बाप के ताकत हमनी के आ हमनी के संतान खातिर हमेशा खातिर विरासत के रूप में दिहल गइल।
61 यूसुफ जवाब दिहलन, "तू साँच बोलत बाड़ऽ आ तोहरा मुँह में झूठ नइखे, काहे कि हमनी के इहो बतावल गइल बा कि

इब्रानियन के ताकत बा आ ओह लोग के परमेश्वर प्रभु ओह लोग में बहुते खुश बाड़न आ ओकरा सामने के खड़ा हो सकेला?
62 बाकिर एह शर्त पर हम तोहार भाई के भेजब, अगर तू ओकरा भाई के अपना महतारी के बेटा के हमरा सोझा ले आईब, जेकरा बारे में तू कहत रहलू कि ऊ तोहरा से मिस्र चल गइल बा। आ जब तू ओकरा भाई के हमरा लगे ले आईब त हम ओकरा जगहा ओकरा के ले लेब, काहे कि तोहनी में से केहू ओकरा खातिर अपना बाप के सुरक्षा ना रहे आ जब ऊ हमरा लगे अइहें त हम ओकरा भाई के अपना साथे भेज देब, जेकरा खातिर तू सुरक्षित रहलू।
63 यूसुफ के ई बात कहला पर यहूदा के गुस्सा भड़क गइल आ उनकर आँख क्रोध से खून गिर गइल आ ऊ अपना भाई लोग से कहले, "आज ई आदमी अपना आ पूरा मिस्र के विनाश कइसे खोजत बा!
64 शिमोन यूसुफ के जवाब दिहलन, "का हमनी के पहिले तहरा के ना बतवले रहनी जा कि हमनी के ना जानत रहनी जा कि उ कवना जगह गईल रहले अवुरी उ मरल बाड़े कि जिंदा, अवुरी हमार मालिक काहें इ बात कहतारे?
65 यूसुफ यहूदा के चेहरा के देखत देखलन कि उनकर क्रोध भड़के लागल जब उ उनकरा से कहलन कि, "एह भाई के जगह हमरा लगे आपन दूसरा भाई के ले आवऽ।"
66 यूसुफ अपना भाई लोग से कहलस, "तू लोग सचमुच कहत रहलू कि तोहार भाई या त मर गईल बा या खो गईल बा, अगर हम आज ओकरा के बोलाई अवुरी उ आपके सोझा आ जाए त का आप ओकरा भाई के जगह हमरा के दे देब?
67 यूसुफ बोले लगले आ चिल्ला के कहले, "यूसुफ, यूसुफ, आज हमरा सोझा आके अपना भाई लोग के सामने प्रकट होके उनुका सोझा बईठ जा।"
68 जब यूसुफ उनके सामने इ बात बतवले त उ लोग अलग-अलग ओर देखले कि यूसुफ उनके सामने कहाँ से आवे वाला बाड़े।
69 यूसुफ ओह लोग के सब काम के देखत कहले, "तू लोग इधर-उधर काहे देखत बाड़ू? हम यूसुफ हईं जेकरा के तू मिस्र में बेचले रहलू, अब तोहरा के दुख मत होखे कि तू हमरा के बेच देले बाड़, काहेकि अकाल के समय में भगवान हमरा के तोहरा से पहिले भेजले रहले।
70 यूसुफ के बात सुन के उनकर भाई लोग उनका से डेरा गइल आ यहूदा उनका से बहुत डेरा गइल।
71 जब बिन्यामीन यूसुफ के बात सुनले त उ घर के भीतरी हिस्सा में उ लोग के सामने रहले अवुरी बिन्यामीन दौड़ के अपना भाई यूसुफ के लगे पहुंचले अवुरी उनुका के गले लगा के उनुका गरदन प गिर गईले अवुरी उ लोग रोवे लगले।
72 जब यूसुफ के भाई लोग देखल कि बिन्यामीन अपना भाई के गर्दन पर गिर के ओकरा साथे रोवत बा त उ लोग भी यूसुफ पर गिर के ओकरा के गले लगा लिहले आ यूसुफ के साथे बहुत रोवे लगले।
73 यूसुफ के घर में ई आवाज सुनाई पड़ल कि ऊ लोग यूसुफ के भाई हवें आ ई बात फिरौन के बहुते नीक लागल काहे कि ऊ ओह लोग से डेरात रहले कि कहीं ऊ लोग मिस्र के नाश ना कर देव.
74 फिरौन अपना नौकरन के यूसुफ के लगे भेजलन कि उ अपना भाई लोग के बारे में बधाई देस, आ मिस्र में मौजूद सेना आ सेना के सब सेनापति यूसुफ के साथे खुश होखे लगले आ पूरा मिस्र यूसुफ के भाई लोग के लेके बहुत खुश भइल।
75 फिरौन आपन नौकरन के यूसुफ के लगे भेजले कि, "अपना भाई लोग से कह दीं कि उ लोग के सब सामान लेके हमरा लगे आवे दीं, त हम ओ लोग के मिस्र के सबसे बढ़िया हिस्सा में रख देब, अवुरी उ लोग अयीसन कईले।
76 यूसुफ अपना घर के देखरेख करे वाला के आदेश दिहलन कि ऊ अपना भाई लोग खातिर उपहार आ कपड़ा ले आवे, आ ऊ ओह लोग खातिर राजसी के वस्त्र आ बहुते वरदान के बहुते कपड़ा ले अइले आ यूसुफ ओकरा के अपना भाई लोग में बाँट दिहलन.
77 ऊ अपना हर भाई के सोना चांदी के कपड़ा बदल के तीन सौ चांदी के टुकड़ा दे दिहलन आ यूसुफ ओह सब के एह कपड़ा पहिन के फिरौन के सोझा ले आवे के आदेश दिहलन।
78 फिरौन ई देख के कि यूसुफ के सब भाई वीर आ सुन्दर देखाई देवे वाला रहले, त उ बहुत खुश हो गईले।
79 ओकरा बाद उ लोग फिरौन के सामने से कनान के देश में जाए खातिर निकल गईले, जवन कि अपना पिता के लगे गईले अवुरी उनुकर भाई बिन्यामीन ओ लोग के संगे रहले।
80 यूसुफ उठ के फिरौन के ओर से ओह लोग के एगारह गो रथ दे दिहलन आ यूसुफ ओह लोग के आपन रथ दे दिहलन जवना पर ऊ मिस्र में ताज पहिरला का दिने अपना पिता के मिस्र ले आवे खातिर सवार रहले. यूसुफ अपना सभ भाई के लइकन के संख्या के हिसाब से कपड़ा आ हर एक के सौ चांदी के टुकड़ा भेजलन आ राजा के मेहरारू लोग के कपड़ा से अपना भाई लोग के मेहरारू लोग के भी कपड़ा भेजलन।
81 ऊ अपना हर भाई के दस आदमी दे दिहलन कि ऊ लोग अपना साथे कनान देश में जा के ओह लोग के सेवा कर सके आ ओह लोग के लइकन आ मिस्र आवे में ओह लोग के सब सामान के सेवा कर सके.
82 यूसुफ अपना भाई बिन्यामीन के हाथ से अपना दस बेटा खातिर दस कपड़ा भेजले, जवन याकूब के बाकी संतान से एक हिस्सा रहे।
83 फिरौन के हिसाब से हर पचास चांदी के टुकड़ा आ दस गो रथ भेजलन आ अपना पिता के लगे मिस्र के सब ठाठ-बाट से भरल दस गो गदहा भेजलन, आ दस गो गदहा में अन्न आ रोटी आ पोषण से भरल अपना बाप आ ओकरा साथे रहे वाला सब लोग के भेजलस।
84 ऊ अपना बहिन दीना के चांदी, सोना, लोबान आ गंधक के कपड़ा, मुसब्बर आ मेहरारू के आभूषण के भरपूर मात्रा में भेजले आ फिरौन के मेहरारू लोग से उहे कपड़ा बिन्यामीन के मेहरारू लोग के भेजले।
85 ऊ अपना सभ भाई लोग के, ओह लोग के मेहरारू लोग के भी गोमेद के तरह-तरह के पत्थर आ ब्लेडलियम दिहलन आ मिस्र के बड़का लोग के बीच के सभ कीमती चीजन में से कुछ भी महंगा चीजन में से कुछ ना बचल, सिवाय उहे चीज जवन यूसुफ अपना पिता के घरे भेजले रहले।
86 ऊ अपना भाई लोग के भेज दिहलन आ ऊ लोग अपना भाई बिन्यामीन के अपना साथे भेज दिहलन.
87 यूसुफ ओ लोग के साथे मिस्र के सीमा तक जाए के रास्ता में निकल गईले अवुरी अपना पिता अवुरी अपना घर के बारे में ओ लोग के मिस्र आवे के आदेश देले।

88 ऊ ओह लोग से कहले, "रस्ता पर झगड़ा मत करीं, काहे कि ई बात प्रभु के ओर से एगो बड़हन लोग के भूख से बचावे खातिर आइल बा, काहे कि एह देश में अबहीं पांच साल के अकाल के स्थिति रही।
89 ऊ ओह लोग के आज्ञा दिहलन कि जब तू कनान देश में अइबऽ त एह मामिला में अचानक हमरा बाबूजी के सामने मत आईं, बलुक अपना बुद्धि से काम करीं।
90 यूसुफ ओह लोग के आज्ञा दिहल छोड़ दिहलन आ ऊ मुड़ के मिस्र चल गइलन आ याकूब के बेटा लोग खुशी आ हँसी-खुशी से अपना बाप याकूब के लगे कनान देश में चल गइलन.
91 उ लोग देश के सीमा प पहुंचले अवुरी एक दूसरा से कहलस कि, हमनी के अपना पिता के सोझा ए मामला में का करीं, काहेंकी जदी हमनी के अचानक उनुका लगे आके उनुका के इ बात बताईब त उ हमनी के बात से बहुत घबरा जईहे अवुरी हमनी प विश्वास ना करीहे।
92 जब तक उ लोग अपना घर के नजदीक ना पहुंचले, तब तक उ लोग आशेर के बेटी सेराक के उनुका से मिले खातिर निकलल देखले अवुरी उ लईकी बहुत निमन अवुरी सूक्ष्म रहली अवुरी वीणा बजावे के जानत रहली।
93 ऊ लोग ओकरा के आवाज दिहल आ ऊ ओह लोग के सोझा आ गइल आ ऊ ओह लोग के चुम्मा लिहली आ ऊ लोग ओकरा के लेके वीणा दे दिहल आ कहल कि अब हमनी के बाप के सामने जा के ओकरा सोझा बईठ के वीणा बजा के ई बात बोलऽ.
94 उ लोग ओकरा के अपना घरे जाए के आदेश देले अवुरी उ वीणा लेके जल्दी-जल्दी ओ लोग के सोझा चल गईली अवुरी उ याकूब के लगे आके बईठ गईली।
95 ऊ बढ़िया से बजावत गावत रहली आ अपना बात के मिठास में कहली कि, हमार चाचा यूसुफ जिंदा बाड़न आ पूरा मिस्र देश में राज करत बाड़न आ मरल नइखे.
96 ऊ ई बात दोहरावत आ बोलत रहली आ याकूब उनकर बात सुनलन आ ऊ लोग उनका से सहमत हो गइल.
97 ऊ सुनत रहले जब ऊ दू-तीन बेर दोहरावत रहली आ याकूब के दिल में उनकर बात के मिठास पर खुशी घुस गइल आ भगवान के आत्मा उनका पर रहे आ ऊ उनकर सगरी बात सही जानत रहले.
98 याकूब सेराच के आशीष दिहलन जब ऊ ओकरा सामने ई बात कहली आ ऊ ओकरा से कहलस, "हे बेटी, तोहरा पर कबो मौत के हावी ना होखे, काहे कि तू हमार आत्मा के जिंदा कर देले बाड़। खाली हमरा सामने ओइसहीं बोलऽ जइसे तू कहले बाड़ू, काहे कि तू हमरा के अपना सब बात से खुश कर देले बाड़।
99 ऊ ई बात गावत रहली आ याकूब सुनत रहलन आ ई बात उनका के नीक लागल आ ऊ खुश हो गइलन आ भगवान के आत्मा उनका पर रहे।
100 जब उ ओकरा से बात करत रहले त देख, उनुकर बेटा घोड़ा, रथ अवुरी राज के कपड़ा अवुरी नौकर के संगे उनुका लगे भागत रहले।
101 याकूब ओह लोग से मिले खातिर उठलन आ अपना बेटा लोग के राजसी कपड़ा पहिनले देखलन आ ऊ सब खजाना देखलन जवन यूसुफ ओह लोग के भेजले रहले.
102 उ लोग ओकरा से कहलस कि हमनी के भाई यूसुफ जिंदा बाड़े अवुरी उहे पूरा मिस्र देश में राज करतारे अवुरी उहे हमनी से कहले रहले।
103 याकूब अपना बेटा लोग के सब बात सुनले अवुरी ओ लोग के बात से उनुकर दिल धड़क गईल, काहेंकी जब तक उ यूसुफ के जवन कुछ देले रहले अवुरी उनुका के भेजले रहले, अवुरी यूसुफ के ओर से कहल गईल सभ संकेत के ना देख पवले, तब तक उनुका प विश्वास ना भईल।
104 उ लोग ओकरा सोझा खुल के यूसुफ के भेजल सब कुछ देखवले, उ लोग हर एक के उहे देले जवन यूसुफ उनुका के भेजले रहले, अवुरी उ जान गईले कि उ लोग सच बोलले बाड़े अवुरी उ अपना बेटा के बारे में बहुत खुश हो गईले।
105 याकूब कहले, "हमरा खातिर इहे काफी बा कि हमार बेटा यूसुफ अभी जिंदा बा, हम मरला से पहिले जाके ओकरा के देख लेब।
106 उनकर बेटा उनकरा पर भइल सब बात बतवले आ याकूब कहले, "हम अपना बेटा आ ओकर संतान के देखे खातिर मिस्र उतरब।"
107 याकूब उठ के यूसुफ के भेजल कपड़ा पहिनले अवुरी बाल धो के बाल मुंडवा के अपना माथा प उ पगड़ी पहिनले जवन यूसुफ उनुका के भेजले रहले।
108 याकूब के घर के सब लोग आ उनकर मेहरारू लोग उ कपड़ा पहिनले जवन यूसुफ के भेजले रहले, आ उ लोग यूसुफ पर बहुत खुश हो गईले कि उ अभी जिंदा बाड़े अवुरी मिस्र में राज करतारे।
109 कनान के सब निवासी इ बात सुन के याकूब के संगे बहुत खुश भईले कि उ अभी जिंदा बाड़े।
110 याकूब तीन दिन तक ओह लोग खातिर भोज बनवले आ कनान के सब राजा आ देश के कुलीन लोग याकूब के घर में खा-पी के खुश भइल।

अध्याय 55 के बा

1 एकरा बाद याकूब कहले, "हम मिस्र में अपना बेटा के देखे जाईब अवुरी ओकरा बाद कनान देश में वापस आ जाईब, जवना के बारे में परमेश्वर अब्राहम से कहले रहले, काहेंकी हम अपना जन्मस्थान के देश से नईखी निकल सकत।
2 देखऽ, प्रभु के वचन ओकरा से आइल कि, "अपना घर के सब लोग के साथे मिस्र उतर के उहाँ रहऽ, मिस्र जाए से मत डेराईं काहे कि हम ओहिजा तोहरा के एगो बड़हन राष्ट्र बना देब।"
3 याकूब मन में कहले, "हम जाके अपना बेटा के देखब कि मिस्र के सब निवासी के बीच ओकर भगवान के डर अभी तक बा कि ना।"
4 प्रभु याकूब से कहले, "यूसुफ से मत डेरा, काहेकि उ अभी भी हमार सेवा करे खातिर आपन ईमानदारी बरकरार रखले बाड़े, जवन कि तोहरा नजर में अच्छा लागी, आ याकूब अपना बेटा के लेके बहुत खुश रहले।
5 ओह घरी याकूब अपना बेटा आ घर के लोग के प्रभु के वचन के अनुसार मिस्र जाए के आदेश दिहलन आ याकूब अपना बेटा आ अपना घर के पूरा घर के साथे उठ के कनान देश से बेरशेबा से निकल गइलन, खुशी आ मन के खुशी से उ लोग मिस्र के देश में चल गइलन।
6 जब उ लोग मिस्र के नजदीक पहुंचले त याकूब यहूदा के अपना से पहिले यूसुफ के लगे भेजले कि उ उनुका के मिस्र के हालत देखावे, अवुरी यहूदा अपना पिता के बात के मुताबिक

काम कईले अवुरी उ जल्दी-जल्दी दौड़ के यूसुफ के लगे पहुंचले अवुरी उ लोग उनुका खाती गोशेन देश में अपना घर के पूरा घर खाती जगह देले अवुरी यहूदा वापस आके अपना पिता के लगे रास्ता से आ गईले।
7 यूसुफ रथ के इस्तेमाल कइलन आ अपना पिता याकूब से मिले जाए खातिर आपन सब पराक्रमी लोग आ आपन नौकर आ मिस्र के सगरी अफसरन के एकट्ठा कइलन आ मिस्र में यूसुफ के आज्ञा के घोषणा भइल कि, "जे याकूब से मिले ना जाई, ऊ सब मर जइहें."
8 अगिला दिने यूसुफ पूरा मिस्र के साथे एगो बड़हन आ पराक्रमी सेना निकल गइलन, ऊ सब लोग महीन लिनन आ बैंगनी रंग के कपड़ा पहिनले आ चांदी आ सोना के साज-सज्जा आ ओह लोग के साथे युद्ध के साज-सज्जा लेके चल गइलन।
9 ऊ सब लोग सड़क पर गंधक आ मुसब्बर बिखेर के तरह तरह के वाद्ययंत्र लेके याकूब से मिले गइल आ ओह लोग के चिल्लाहट से धरती हिल गइल।
10 मिस्र के सब मेहरारू याकूब से मिले खातिर मिस्र के छत आ देवाल पर चल गइली आ यूसुफ के माथा पर फिरौन के शाही मुकुट रहे, काहे कि फिरौन ओकरा के अपना पिता से मिले जाए के समय ओकरा के पहिरे खातिर भेजले रहले।
11 जब यूसुफ अपना पिता से पचास हाथ के दूरी प पहुंचले त रथ से उतर के अपना पिता के ओर बढ़ले अवुरी जब मिस्र के सभ अधिकारी अवुरी ओकर कुलीन लोग देखल कि यूसुफ पैदल अपना पिता के ओर चल गईल बाड़े त उ लोग भी उतर के पैदल याकूब के ओर चल गईले।
12 जब याकूब यूसुफ के डेरा के नजदीक पहुंचले त याकूब यूसुफ के संगे उनुका ओर आवत डेरा के देखले अवुरी उ खुश हो गईले अवुरी याकूब एकरा से अचरज में पड़ गईले।
13 याकूब यहूदा से कहले, "हम मिस्र के डेरा में राजा के वस्त्र पहिनले अवुरी माथा प राजमुकुट पहिनले के देखतानी, जवन कि अपना रथ से उतर के हमनी के ओर आवत बा? यहूदा अपना पिता के जवाब दिहलस, "उ तोहार बेटा यूसुफ राजा हवे। आ याकूब अपना बेटा के महिमा देख के खुश हो गइलन।
14 यूसुफ अपना बाप के नजदीक अईले अवुरी उ अपना पिता के प्रणाम कईले अवुरी डेरा के सभ आदमी उनुका संगे याकूब के सोझा जमीन प प्रणाम कईले।
15 देखलस कि याकूब दौड़ के जल्दी-जल्दी अपना बेटा यूसुफ के लगे गईले अवुरी ओकरा गरदन प गिर गईले अवुरी ओकरा के चुम्मा लेले अवुरी उ लोग रोवे लगले अवुरी यूसुफ अपना पिता के गले लगा के चुम्मा लेले अवुरी उ लोग रोवे लगले अवुरी मिस्र के सभ लोग ओ लोग के संगे रोवे लगले।
16 याकूब यूसुफ से कहलन, "अब हम तोहार चेहरा देखला के बाद हँसी-खुशी से मरब कि तू अभी भी जिंदा बाड़ू आ महिमा से बाड़ू।"
17 याकूब के बेटा, उनकर मेहरारू, उनकर लइका आ उनकर नौकर आ याकूब के घर के लोग यूसुफ के साथे बहुत रोवे लगलन आ उ लोग उनका के चुम्मा लेत रहलन आ उनकरा साथे बहुत रोवत रहलन।
18 ओकरा बाद यूसुफ आ उनकर सब लोग मिस्र में वापस आ गइलन आ याकूब आ उनकर बेटा आ उनकर घर के सब लोग यूसुफ के साथे मिस्र गइलन आ यूसुफ ओ लोग के मिस्र के सबसे बढ़िया हिस्सा में, गोशेन देश में रख दिहलन।
19 यूसुफ अपना बाप आ भाई लोग से कहले, "हम जाके फिरौन के कहब कि हमार भाई आ हमार बाप के घराना आ उनकर सब लोग हमरा लगे आ गईल बाड़े अवुरी देख, उ लोग गोशेन देश में बाड़े।
20 यूसुफ अइसन कइलन आ अपना भाई रूबेन, इस्साकर जबबुलन आ अपना भाई बिन्यामीन से लेके फिरौन के सामने रख दिहलन।
21 यूसुफ फिरौन से कहलन, "हमार भाई लोग आ हमरा पिता के घराना आ उनकर सब लोग अपना भेड़ आ पशु के साथे कनान देश से हमरा लगे मिस्र में प्रवास करे आइल बा। काहे कि अकाल ओह लोग पर बहुते लागल रहे.
22 फिरौन यूसुफ से कहलस, "अपना बाप-बहिन के देश के सबसे बढ़िया हिस्सा में रखीं, आऊ ओह लोग से सब बढ़िया चीज मत रोकीं आ देश के चर्बी के खाए मत दीं।"
23 यूसुफ जवाब दिहलन, "देखऽ हम ओह लोग के गोशेन देश में ठहरवले बानी काहे कि ऊ लोग चरवाहा ह, एहसे ऊ लोग मिस्र के लोग से अलगा अपना भेड़न के चरावे खातिर गोशेन में रह जाव.
24 फिरौन यूसुफ से कहलन कि, "अपना भाई लोग के जवन कुछ कहत होई, उ सब करऽ। याकूब के बेटा फिरौन के सामने प्रणाम कईले अवुरी उ लोग शांति से उनुका से निकल गईले अवुरी ओकरा बाद यूसुफ अपना पिता के फिरौन के सोझा ले अईले।
25 याकूब आके फिरौन के प्रणाम कइलन आ याकूब फिरौन के आशीष दिहलन आ ऊ बाहर निकल गइलन। याकूब आ उनकर सब बेटा आ उनकर सब घर के लोग गोशेन के देश में रहत रहले।
26 दुसरका साल यानी याकूब के जीवन के सौ तीसवाँ साल में यूसुफ अपना बाप आ भाई लोग आ अपना बाप के घर के पूरा घर के अपना छोट-छोट लइकन के हिसाब से रोटी से भरपाई कइलन। ओह लोग में कुछुओ के कमी ना रहे।
27 यूसुफ पूरा देश के सबसे बढ़िया हिस्सा ओह लोग के दे दिहलन। मिस्र के सबसे बढ़िया लोग के यूसुफ के दिन में मिलल रहे। यूसुफ भी साल दर साल ओह लोग के आ अपना पूरा घर के लोग के कपड़ा आ कपड़ा देत रहले। याकूब के बेटा लोग अपना भाई के पूरा दिन मिस्र में सुरक्षित रहले।
28 याकूब हमेशा यूसुफ के मेज प खाना खात रहले, याकूब अवुरी उनुकर बेटा दिन-रात यूसुफ के मेज से ना निकलत रहले, एकरा अलावे याकूब के बच्चा अपना घर में जवन कुछ खईले रहले।
29 अकाल के दिन में पूरा मिस्र यूसुफ के घर से रोटी खात रहे, काहे कि सब मिस्र के लोग अकाल के चलते आपन सब सामान बेच देले रहले।
30 यूसुफ मिस्र के सगरी जमीन आ खेत के रोटी खातिर खरीद लिहलन आ अकाल के पूरा दिन यूसुफ पूरा मिस्र के रोटी के आपूर्ति कइलन आ यूसुफ पूरा देश में खरीदल खान खातिर जवन चाँदी आ सोना मिलत रहे ओकरा के बटोर लिहलन आ ओकरा अलावे गोमेद के पत्थर, बेडेलियन आ कीमती बहुते सोना चाँदी जमा कर लिहलन जवन कपड़ा उ लोग के पईसा खर्चा हो गईल त उ लोग देश के हर हिस्सा से यूसुफ के लगे ले आईल रहले।
31 यूसुफ अपना हाथ में आइल सगरी चाँदी आ सोना, लगभग बहत्तर तोरा सोना चाँदी आ गोमेद के पत्थर आ ब्लेडलियम के भी

भरपूर मात्रा में ले लिहलन आ यूसुफ जाके ओह लोग के चार भाग में छिपा दिहलन आ एक हिस्सा लाल सागर के लगे जंगल में आ एक भाग पेराथ नदी के किनारे आ तीसरा चउथा हिस्सा रेगिस्तान में छिपा दिहलन फारस आ मीडिया के जंगल के सामने।
32 जवन सोना चाँदी बचल रहे ओकरा में से कुछ हिस्सा लेके उ अपना सभ भाई-बहिन अवुरी अपना पिता के घर के सभ मेहरारू अवुरी बाकी के करीब बीस टोला सोना चांदी के फिरौन के घरे ले अईले।
33 यूसुफ फिरौन के जवन सोना चाँदी बचल रहे, उ सब फारो के दे दिहलन आ फिरौन ओकरा के खजाना में रख दिहलन आ ओकरा बाद ओह देश में अकाल के दिन खतम हो गइल आ ऊ लोग पूरा देश में बोवाई आ फसल काटत रहे आ साल दर साल आपन सामान्य मात्रा मिलत रहे। ओह लोग में कुछुओ के कमी ना रहे।
34 यूसुफ मिस्र में सुरक्षित रह गइलन आ पूरा देश उनकर सलाह में रहे आ उनकर बाप आ उनकर सब भाई गोशेन देश में रह के ओकरा के अपना कब्जा में ले लिहलन।
35 यूसुफ बहुत बूढ़ हो गइल रहले, उमिर बढ़ गइल रहले आ उनकर दू गो बेटा एफ्राइम आ मनश्शे हमेशा याकूब के घर में रहत रहले आ अपना भाई याकूब के बेटा के संतान के साथे प्रभु के रास्ता आ उनकर व्यवस्था के बारे में जाने खातिर लगातार याकूब के घर में रहले।
36 याकूब आ उनकर बेटा गोशेन देश में मिस्र के देश में रहत रहले आ उ लोग ओहिजा के अपना कब्जा में ले लिहले आ उ लोग ओहिजा के फल बढ़ल आ बढ़ल।

अध्याय 56 के बा

1 याकूब मिस्र के देश में सतरह साल तक रहले, याकूब के उमिर आ उमिर के साल एक सौ सतालीस साल रहे।
2 ओही घरी याकूब के ओह बेमारी से हमला हो गइल जवना से ऊ मर गइलन आ ऊ अपना बेटा यूसुफ के मिस्र से बोलावे खातिर भेजलन आ उनकर बेटा यूसुफ मिस्र से आइल आ यूसुफ अपना बाप के लगे अइले.
3 याकूब यूसुफ आ उनकर बेटा लोग से कहलन, “देखऽ हम मर जाइब आ तोहनी के पुरखन के परमेश्वर तोहनी के घरे ले अइहें आ तोहनी के ओह देश में वापस ले अइहें, जवन प्रभु तोहनी के आ तोहनी के बाद के लइकन के देवे के कसम खइले रहले, अब जब हम मर जाईब त हमरा के ओह गुफा में दफना दीं जवन कनान देश के हेब्रोन के मकपेला में बा, जवन हमरा पुरखन के लगे बा।
4 याकूब अपना बेटा लोग के हेब्रोन के मकपला में दफनावे के किरिया खइले आ उनकर बेटा लोग एह बात के किरिया खइले।
5 ऊ ओह लोग के आज्ञा दिहलन कि, “अपना परमेस् वर के सेवा करऽ, काहेकि जे तोहनी के बाप-दादा के बचावल बा, ऊ तोहनी के भी हर संकट से बचाई।”
6 याकूब कहले, “अपना सब लइकन के हमरा लगे बोला के याकूब के बेटा लोग के सब लइका उनका सामने बइठ गइलन आ याकूब ओह लोग के आशीष दिहलन आ कहलन कि, “तोहरा पुरखन के परमेश्वर प्रभु तोहनी के एक हजार गुना आशीर्वाद देसु आ तोहनी के आशीर्वाद दीहें आ तोहनी के बाप अब्राहम के आशीर्वाद देसु। याकूब के आशीष देला के बाद ओह दिन याकूब के बेटा के सब संतान निकल गईले।
7 अगिला दिने याकूब फिर से अपना बेटा लोग के बोलवले, आ उ सब लोग जुट गईले अवुरी उनुका लगे आके उनुका सोझा बईठ गईले, अवुरी याकूब ओ दिन अपना बेटा के अपना मरला से पहिले आशीष देले, उ हर आदमी के अपना आशीर्वाद के मुताबिक आशीर्वाद देले। देखऽ, ई इस्राएल के बारे में प्रभु के व्यवस्था के किताब में लिखल बा।
8 याकूब यहूदा से कहले, “हम अपना बेटा के जानत बानी कि तू अपना भाई लोग खातिर एगो पराक्रमी हउअ। ओह लोग पर राज करऽ आ तोहार बेटा ओह लोग के बेटा पर हमेशा खातिर राज करीहें।
9 खाली अपना बेटा लोग के धनुष आ युद्ध के सब हथियार सिखाईं ताकि ऊ लोग अपना भाई के लड़ाई लड़ सके जे ओकरा दुश्मनन पर राज करी।
10 याकूब ओह दिन फेरु से अपना बेटा लोग के आज्ञा दिहलन, “देखऽ हम आज अपना लोग के साथे जुटावल जाइब। हमरा के मिस्र से लेके चल जा आ हमरा के मकपेला के गुफा में दफना द, जइसन कि हम तोहरा के आज्ञा देले बानी।
11 लेकिन हम तोहसे से ध्यान राखीं कि तोहनी के कवनो बेटा हमरा के ना ढोवे, खाली खुदे, आ जब तू हमरा लाश के लेके कनान देश में हमरा के दफनावे खातिर चलब त इहे तरीका हमरा साथे करीं।
12 यहूदा, इस्साकर आ जबबुलन हमार लास के पूरब के ओर ले जइहें। दक्खिन में रूबेन, शिमोन आ गाद, पश्चिम में एप्रैम, मनश्शे आ बिन्यामीन, उत्तर में दान, आशेर आ नफ्ताली।
13 लेवी के अपना साथे ना ले जाए के चाहीं, काहे कि ऊ आ ओकर बेटा इस्राएलियन के साथे प्रभु के वाचा के सन्दूक के डेरा में ले जइहें आ हमार बेटा यूसुफ के ना ले जाए के चाहीं, काहे कि राजा के तरह ओकर महिमा होखे। बाकिर ओह लोग के जगह एप्रैम आ मनश्शे होखीहें.
14 जब तू हमरा के लेके चलब त हमरा साथे अईसन करब। हम जवन भी आज्ञा देत बानी, ओकरा में से कवनो बात के उपेक्षा मत करीं; आ जब तू हमरा साथे अइसन करबऽ त प्रभु तोहरा के आ तोहरा बाद के लइकन के हमेशा खातिर अनुग्रह से याद करीहें।
15 तू हमार बेटा लोग, हर एक अपना भाई आ अपना रिश्तेदार के आदर करीं आ अपना बाद के अपना लइकन आ अपना लइकन के लइकन के आज्ञा दीं कि ऊ लोग अपना पुरखन के परमेश्वर प्रभु के सेवा करे।
16 एह से कि जब तू अपना परमेस् वर यहोवा के नजर में नीमन आ सोझ काम करब त तू आ अपना लइका-लइकी आ अपना लइकन के लइका-लइकी के देश में हमेशा खातिर आपन दिन लमहर कर सकीले।
17 आ तू, हमार बेटा यूसुफ, माफ करऽ, हम तोहरा भाई लोग के सूँड़ आ ओह लोग के सगरी कुकर्म के माफ करऽ जवन ऊ लोग तोहरा पर जवन चोट के ढेर लगवले रहे, काहे कि भगवान एकरा के तोहरा आ तोहरा लइकन के फायदा खातिर इरादा कइले रहले.
18 हे हमार बेटा अपना भाई लोग के मिस्र के निवासी लोग के हाथ में मत छोड़ीं आ ना ही ओह लोग के भावना के चोट पहुँचाईं, काहे कि देखऽ हम ओह लोग के भगवान के हाथ में आ अपना हाथ में सौंप देत बानी कि ऊ लोग मिस्र के लोग से बचावल जा

सके। याकूब के बेटा लोग अपना बाप के जवाब दिहलन, “हे हमनी के बाप, तू जवन कुछ आज्ञा देले बाड़, हमनी के अईसन करब जा। भगवान खाली हमनी के साथे रहस।
19 याकूब अपना बेटा लोग से कहलन, “जब तू उनकर सब रास्ता के पालन करीं त भगवान तोहनी के साथे रहस। ओकरा नजर में जवन नीमन आ सीधा बा ओकरा के पूरा करे में ओकरा राह से ना त दाहिना ओर ना मुड़ें.
20 काहेकि हम जानत बानी कि आखिर के दिन में तोहनी के देश में बहुत आ गंभीर परेशानी आई, हँ, तोहनी के लइका आ लइकन के लइका, खाली प्रभु के सेवा करीं आ ऊ तोहनी के हर संकट से बचाई।
21 जब तू भगवान के सेवा करे खातिर पीछे पीछे चलब आ अपना बाद के अपना लइकन आ अपना लइकन के लइकन के प्रभु के जाने के सिखाइब, त प्रभु तोहरा आ तोहरा लइकन खातिर एगो सेवक खड़ा कर दीहें, आ प्रभु तोहनी के अपना हाथ से हर दुख से बचाईहें आ तोहनी के मिस्र से बाहर ले अइहें आ तोहनी के अपना बाप-दादा के देश में वापस ले अइहें कि ऊ सुरक्षित रूप से उत्तराधिकारी हो सकीं।
22 याकूब अपना बेटा लोग के आज्ञा दिहल छोड़ दिहलन आ ऊ आपन गोड़ बिछौना पर खींच लिहलन आ मर गइलन आ अपना लोग का साथे बटोर लिहलन.
23 यूसुफ अपना बाप पर गिर गइलन आ ऊ चिल्ला के रोअलन आ चुम्मा लिहलन आ ऊ कड़ुआ आवाज में चिल्ला के कहलन, “हे हमार बाबू, हमार बाबूजी.”
24 उनकर बेटा के मेहरारू आउर उनकर घर के सब लोग याकूब पर गिर गइलन आ याकूब के बारे में बहुत जोर से चिल्लात रहले।
25 याकूब के सब बेटा एक संगे उठ के आपन कपड़ा फाड़ देले अवुरी सब लोग कमर प बोरा पहिनले अवुरी मुंह से गिर गईले अवुरी अपना माथा प धूल के आकाश के ओर फेंक देले।
26 ओसनाथ यूसुफ के मेहरारू के ई बात बतावल गइल आ ऊ उठ के बोरा पहिनली आ ऊ अपना साथे सगरी मिस्र के मेहरारू लोग के साथे आके याकूब खातिर शोक मनावत रोवत रहली।
27 आउर मिस्र के सब लोग जे याकूब के जानत रहे, उ दिन सुन के सब लोग आ गईले अवुरी पूरा मिस्र बहुत दिन तक रोवत रहले।
28 कनान देश से भी मेहरारू लोग मिस्र में आइल जब ऊ सुनली कि याकूब के मौत हो गइल बा आ मिस्र में सत्तर दिन तक उनकरा खातिर रोवत रहली।
29 एकरा बाद यूसुफ अपना सेवकन के डाक्टरन के आदेश दिहलन कि ऊ लोग अपना पिता के गंधक आ लोबान आ हर तरह के धूप आ इत्र से मलहम कर देव आ डाक्टर लोग याकूब के मलहम कर दिहल जइसे यूसुफ के आज्ञा दिहले रहले.
30 मिस्र के सब लोग, बुजुर्ग लोग आ गोशेन के सब निवासी याकूब के लेके रोवत-रोवत शोक मनावत रहले अवुरी उनुकर सभ बेटा अवुरी उनुका घर के लईका बहुत दिन तक अपना पिता याकूब के विलाप अवुरी शोक जतवले।
31 सत्तर दिन के अंत में उनकर रोवे के दिन बीतला के बाद यूसुफ फिरौन से कहले, “हम जाके अपना बाबूजी के कनान देश में दफना देब, जईसे उ हमरा के कसम खइले रहले।
32 फिरौन यूसुफ के भेजले कि, “जा के आपन बाप के कसम खा के दफना द। आ यूसुफ अपना सब भाई लोग के साथे कनान के देश में जाके ओह लोग के बाप याकूब के दफनावे खातिर उठले, जइसन कि उ लोग के आदेश दिहले रहले।
33 फिरौन पूरा मिस्र में ई घोषणा करे के आदेश दिहलन कि जे यूसुफ आ ओकर भाई लोग के साथे याकूब के दफनावे खातिर कनान देश में ना जाई, ऊ मर जाई।
34 पूरा मिस्र फिरौन के घोषणा सुन के सब लोग एक संगे उठ गईले, फिरौन के सभ सेवक, उनुका घर के बुजुर्ग अवुरी मिस्र के सभ बुजुर्ग यूसुफ के संगे चढ़ गईले अवुरी फिरौन के सभ अधिकारी अवुरी कुलीन लोग यूसुफ के नौकर के रूप में चढ़ गईले अवुरी कनान देश में याकूब के दफनावे गईले।
35 याकूब के बेटा लोग ओह मल के लेके चल गइलन जवना पर ऊ पड़ल रहले। जइसे उनकर बाबूजी के आज्ञा दिहले रहले, उनकर बेटा भी उनकरा साथे कइले रहले।
36 गोमेद के पत्थर आ ब्लेडलियम के चारो ओर जड़ल रहे। आ कोठरी के ढंकल सोना के बुनाई के काम रहे, जवना के धागा से जोड़ल रहे आ ओकरा ऊपर गोमेद के पत्थर आ ब्लेडलियम के हुक रहे।
37 यूसुफ अपना पिता याकूब के माथा पर सोना के एगो बड़हन मुकुट रखले आ ओकरा हाथ में सोना के राजदंड रखले आ ऊ लोग राजा लोग के जिनिगी के रिवाज के मुताबिक मयला के घेर लिहल।
38 मिस्र के सब सेना एह सेना में उनकरा से आगे निकलल, पहिले फिरौन के सब पराक्रमी, यूसुफ के पराक्रमी आ ओकरा बाद मिस्र के बाकी निवासी लोग, आ सब लोग तलवार से पट्टी बान्हल रहे आ कोट से लैस रहे आ युद्ध के जाल ओकरा पर रहे।
39 सब रोवे वाला आ शोक मनावे वाला लोग जात-दूर से रोवत-रोवत आ विलाप करत चल गइलन आ बाकी लोग मसला के पीछे-पीछे चल गइलन।
40 यूसुफ आ उनकर घर के लोग नंगे पांव आ रोवत-रोवत मसला के लगे चल गइलन आ यूसुफ के बाकी नौकर उनकरा चारों ओर घूम गइलन। हर आदमी के आपन आभूषण पहिनले रहे आ सब लोग आपन युद्ध के हथियार से लैस रहे।
41 याकूब के पचास गो नौकर कोठरी के सामने चल गईले अवुरी सड़क के किनारे गंधक अवुरी मुसब्बर अवुरी तरह-तरह के इत्र बिखेरले अवुरी याकूब के सभ लईका जे इत्र लेके चलत रहले अवुरी इत्र के काम में चलत रहले अवुरी याकूब के नौकर सड़क प इत्र बिखेत उनुका से आगे चल गईले।
42 यूसुफ एगो भारी डेरा लेके चढ़ गइलन आ ऊ लोग हर दिन एही तरह से करत रहे जबले कि ऊ लोग कनान के देश में ना पहुँचल आ ऊ लोग यरदन के ओह पार अताद के कुटिया में पहुँचल आ ऊ लोग ओह जगह पर बहुते बड़हन आ भारी शोक मनावत रहे.
43 कनान के सब राजा इ बात सुन के सब लोग अपना घर से निकल गईले, कनान के एकतीस राजा रहले अवुरी सब लोग अपना आदमी के संगे याकूब के शोक मनावे अवुरी रोवे खाती आ गईले।
44 ई सब राजा याकूब के कवच के देखले आ देखले कि ओकरा पर यूसुफ के मुकुट बा आ ऊ लोग भी मुकुट पर मुकुट पहिन के ओकरा के मुकुट से घेर लिहले।
45 ई सब राजा याकूब आ मिस्र के बेटा लोग के साथे याकूब के लेके बहुत आ भारी शोक मनावत रहले, काहे कि कनान के सब राजा याकूब आ उनकर बेटा लोग के शौर्य के जानत रहले।

46 ई खबर एसाव तक पहुँचल कि याकूब मिस्र में मर गइलन आ ओकर बेटा आ पूरा मिस्र ओकरा के दफनावे खातिर कनान देश में ले जा रहल बाड़े।
47 एसाव ई बात सुन के सेइर पहाड़ पर रहत रहले, त उ अपना बेटा, अपना पूरा लोग अवुरी अपना घर के पूरा लोग के संगे उठ गईले, जवन कि बहुत बड़ लोग रहे अवुरी उ लोग याकूब के शोक मनावे अवुरी रोवे लगले।
48 जब एसाव अइले त ऊ अपना भाई याकूब खातिर शोक मनावत रहले आ पूरा मिस्र आ पूरा कनान फेर से उठ के एसाव के साथे याकूब के लेके बहुत शोक मनावत रहले
49 यूसुफ आ ओकर भाई लोग अपना बाप याकूब के ओहिजा से ले अइले आ ऊ लोग याकूब के गुफा में दफनावे खातिर हेब्रोन चल गइलन.
50 ऊ लोग किरेत-अरबा, गुफा में पहुँचल आ जब ऊ लोग अइले त एसाव अपना बेटा लोग के साथे यूसुफ आ उनकर भाई लोग के खिलाफ गुफा में बाधा बन के खड़ा होके कहले, "याकूब के ओहिजा ना दफनावल जाई, काहे कि ई हमनी आ हमनी के बाप के ह।"
51 यूसुफ आ उनकर भाई लोग एसाव के बेटा लोग के बात सुन के बहुत गुस्सा में पड़ गईले त यूसुफ एसाव के लगे पहुंचले अवुरी पूछले, "उ लोग का कहले बाड़े? निश्चय ही हमार पिता याकूब इसहाक के मौत के बाद, अब पांच बीस साल पहिले, तोहरा से बहुत धन में खरीदले रहले, अवुरी कनान के पूरा जमीन भी जवन उ तोहरा से अवुरी तोहरा बेटा अवुरी तोहरा बाद के संतान से खरीदले रहले।
52 याकूब अपना बेटा आ ओकरा बाद के संतान खातिर एकरा के हमेशा खातिर विरासत में खरीद लिहलन आ तू आजु ई बात काहे कहत बाड़ऽ?
53 एसाव जवाब दिहलन, "तू झूठ बोलत बाड़ू आ झूठ बोलत बाड़ू, काहे कि हम एह पूरा देश में आपन कवनो चीज ना बेचनी, जइसन कि तू कहत बाड़ू, ना ही हमार भाई याकूब एह देश में हमरा कवनो चीज खरीदले बाड़ू।"
54 एसाव यूसुफ के अपना बात से धोखा देवे खातिर इ बात कहले, काहेकि एसाव जानत रहले कि यूसुफ ओ समय में मौजूद ना रहले, जब एसाव कनान देश में आपन सब सामान याकूब के बेच देले रहले।
55 यूसुफ एसाव से कहलन, "हमार बाबूजी ई सब चीजन के खरीददारी के रिकार्ड में तोहरा साथे डाल दिहले बाड़न आ गवाहन के साथे गवाही के गवाही दिहले बाड़न आ देखऽ कि ई हमनी के साथे मिस्र में बा।
56 एसाव ओकरा से कहलन कि, "रहदाद में जवन कुछ तोहरा मिल जाई, उ सब गवाही ले आव, हमनी के अईसन करब जा।"
57 यूसुफ अपना भाई नफ्ताली के बोलवले आ कहले, "जल्दी से जा, रुक के मत रहऽ, आऊ हमरा से निहोरा बा कि दौड़ के मिस्र चहुँप के सगरी रिकार्ड ले आवऽ. खरीद के रिकार्ड, सीलबंद रिकार्ड आ खुला रिकार्ड, आ साथही ऊ सब पहिला रिकार्ड जवना में जन्म-अधिकार के सगरी लेनदेन लिखल बा, तू ले आवऽ.
58 आ तू ओह लोग के हमनी के लगे ले आवऽ ताकि हमनी के ओह लोग से एसाव आ उनकर बेटा के सब बात के पता चल सकीले जवन आज उ लोग कहले बाड़े।
59 नफ्ताली यूसुफ के आवाज सुन के जल्दी-जल्दी मिस्र जाए खातिर भाग गईले अवुरी नफ्ताली जंगल प मौजूद कवनो हरण से हल्का होके पैदल चलत रहले, काहेंकी उ बिना कुचलले धान के कंस प चलत रहले।
60 जब एसाव देखलस कि नप्ताली रिकार्ड ले आवे गईल बा, त उ अवुरी उनुकर बेटा गुफा के खिलाफ आपन विरोध बढ़ा देले अवुरी एसाव अवुरी उनुकर सभ लोग यूसुफ अवुरी उनुकर भाई के खिलाफ लड़ाई में उठ गईले।
61 याकूब के सब बेटा आ मिस्र के लोग एसाव आ उनकर आदमी के साथे लड़ाई लड़ल आ एसाव के बेटा आ उनकर लोग याकूब के बेटा लोग के सामने मार दिहलस आ याकूब के बेटा एसाव के लोग में से चालीस आदमी के मार दिहले।
62 याकूब के बेटा दान के बेटा कुशीम ओह घरी याकूब के बेटा लोग के संगे रहले, लेकिन उ लड़ाई के जगह से करीब सौ हाथ दूर रहले, काहेंकी उ याकूब के बेटा के संगे याकूब के बच्चा के संगे रह गईले अवुरी ओकर पहरा देले रहले।
63 चुशिम गूंगा आ बहिर रहले, तबो उ आदमी के बीच में घबराहट के आवाज समझत रहले।
64 ऊ पूछले, "तू लोग मुअल लोग के काहे ना दफनावत बाड़ऽ, आ ई कवन बड़हन अचरज बा? ऊ लोग एसाव आ उनकर बेटा लोग के बात के जवाब दिहल। ऊ लड़ाई के बीच में एसाव के लगे दौड़ल आ एसाव के तलवार से मार दिहलस आ ओकर माथा काट दिहलस आ ऊ दूर उछल गइल आ एसाव लड़ाई के लोग के बीच में गिर गइल।
65 जब कुशीम ई काम कइलन त याकूब के बेटा एसाव के बेटा लोग पर हावी हो गइलन आ याकूब के बेटा लोग अपना बाप याकूब के जबरन गुफा में दफना दिहल आ एसाव के बेटा लोग एकरा के देखल।
66 याकूब के हेब्रोन में मकपेला के गुफा में दफनावल गइल जवन अब्राहम हेत के बेटा लोग से दफन स्थल के मालिकाना हक खातिर खरीदले रहले आ ओकरा के बहुत महंगा कपड़ा में दफना दिहल गइल।
67 कवनो राजा के ओतना इज्जत ना मिलल जवन यूसुफ अपना पिता के मरला के समय देले रहले, काहे कि उ राजा के दफनावे निहन बहुत इज्जत से दफना देले रहले।
68 यूसुफ आ उनकर भाई लोग अपना पिता खातिर सात दिन तक शोक मनावत रहले।

अध्याय 57 के बा

1 एकरा बाद एसाव के बेटा याकूब के बेटा लोग से लड़ाई लड़ले आ एसाव के बेटा याकूब के बेटा लोग से हेब्रोन में लड़ाई लड़ले आ एसाव अबहीं ले मरल पड़ल रहले आ दफन ना भइल रहले.
2 ओह लोग के बीच लड़ाई भारी हो गइल आ एसाव के बेटा याकूब के बेटा लोग के सामने हार गइलन आ याकूब के बेटा एसाव के बेटा लोग में से अस्सी आदमी के मार दिहले आ याकूब के लोग के लोग से केहू के मौत ना भइल। एसाव के बेटा के सब लोग पर यूसुफ के हाथ हावी हो गइल आ ऊ एसाव के बेटा एलीफाज के बेटा सीफो आ अपना पचास गो आदमी के बंदी बना लिहलन आ लोहा के जंजीर से बान्ह के अपना नौकरन के हाथ में दे दिहलन कि ऊ लोग मिस्र ले जासु.
3 जब याकूब के बेटा लोग सफो आ ओकर लोग के बंदी बना लिहले त एसाव के घर से बचल सब लोग बहुत डेरा गईल कि कहीं उ लोग भी बंदी ना हो जाव, आ सब लोग एसाव के बेटा

एलीफाज अवुरी ओकर लोग के संगे एसाव के लाश के संगे भाग गईले अवुरी उ लोग सीर पहाड़ के रास्ता प चल गईले।
4 ऊ लोग सेइर पहाड़ पर पहुँचल आ एसाव के सेइर में दफना दिहल, बाकिर ओकर माथा अपना साथे सेइर ना ले आइल रहे, काहे कि ऊ ओह जगह पर दफन हो गइल रहे जहाँ हेब्रोन में लड़ाई भइल रहे।
5 जब एसाव के बेटा याकूब के बेटा से भाग गईले त याकूब के बेटा सेईर के सीमा तक ओ लोग के पीछा कईले, लेकिन पीछा करत घरी उ लोग के बीच से एको आदमी के हत्या ना कईले, काहेंकी एसाव के लाश जवन उ लोग अपना संगे लेके गईल रहले, उ लोग के उलझन के भड़का दिहलस, एहसे उ लोग भाग गईले अवुरी याकूब के बेटा ओ लोग के पीछे मुड़ के उ जगह प पहुंच गईले, जहां उनुकर भाई रहले हेब्रोन, आउर उ लोग ओह दिन आ अगिला दिने उहाँ रहलन जब तक कि उ लोग लड़ाई से आराम ना कर लिहलस।
6 तीसरा दिन ऊ लोग सेइर होरी के सब बेटा लोग के एकट्ठा कइल आ पूरब के सब लइकन के, समुंदर के बालू नियर भीड़ के एकट्ठा कइल आ ऊ लोग मिस्र में उतर के यूसुफ आ उनकर भाई लोग से लड़ाई करे खातिर उतरल, ताकि ऊ लोग आपन भाई लोग के बचावल जा सके।
7 यूसुफ आ याकूब के सब बेटा सुनले कि एसाव के बेटा आ पूरब के लोग अपना भाई लोग के बचावे खातिर लड़ाई में आ गईल बाड़े।
8 यूसुफ आ उनकर भाई आ मिस्र के ताकतवर लोग निकल के रामसेस शहर में लड़ाई लड़ल आ यूसुफ आ उनकर भाई लोग एसाव के बेटा आ पूरब के लोग के बीच बहुत मार दिहलस।
9 ऊ लोग ओह लोग में से छह लाख आदमी के मार दिहल आ ओह लोग के बीच सेयर होरी के सब पराक्रमी लोग के मार दिहल। उ लोग में से कुछे लोग रह गईले अवुरी उ लोग पूरब के बहुत लोग अवुरी एसाव के संतान के भी मार देले। एसाव के बेटा एलीफाज आ पूरब के लोग यूसुफ आ उनकर भाई लोग के सामने भाग गइल।
10 यूसुफ आ उनकर भाई लोग सुक्कोत तक उनकर पीछा करत रहल आ सुक्कोत में तीस आदमी के मार दिहल आ बाकी लोग बच गइल आ हर केहू अपना शहर में भाग गइल।
11 यूसुफ आ उनकर भाई आ मिस्र के पराक्रमी लोग खुशी आ मन में खुशी से पीछे हट गइलन काहे कि ऊ लोग अपना सब दुश्मनन के हरा दिहले रहे।
12 एलीफाज के बेटा सफो आ ओकर आदमी अबहीं ले मिस्र में याकूब के बेटा लोग के गुलाम रहलन आ ओह लोग के पीड़ा बढ़ल।
13 जब एसाव के बेटा आ सेइर के बेटा अपना देश में लवटले त सेयर के बेटा देखले कि एसाव के बेटा के लड़ाई के चलते उ सब याकूब के बेटा अवुरी मिस्र के लोग के हाथ में आ गईल बाड़े।
14 सेइर के बेटा एसाव के बेटा लोग से कहलस कि, "तू देखले बाड़ू आ एही से तू जानत बाड़ू कि इ डेरा तोहनी के चलते भईल रहे, अवुरी एको पराक्रमी चाहें युद्ध में निपुण नईखन बचल।
15 अब हमनी के देश से निकल के हमनी से कनान के देश में जा के अपना पुरखन के निवास के देश में जा। आखिर के दिन में तोहार लइकन के हमनी के लइकन के असर काहे विरासत में मिली?
16 एसाव के लोग सेईर के लोग के बात ना सुन पवलस अवुरी सेइर के लोग ओ लोग से लड़ाई करे के सोचत रहले।
17 एसाव के संतान अफिरका के राजा अंजियास के लगे चुपके से भेजले, उहे दीनहाबा ह।
18 अपना कुछ आदमी के हमनी के लगे भेज के हमनी के लगे आवे दीं, त हमनी के सेइर होरी के लोग के संगे लड़ाई लड़ब जा, काहेकि उ लोग हमनी के देश से भगावे खाती हमनी के संगे लड़ाई करे के ठान लेले बाड़े।
19 दिनहाबा के राजा अंगेआस अईसन कईले, काहेकी उ समय में एसाव के संतान के दोस्ती करत रहले अवुरी अंगेआस एसाव के संतान के लगे पांच सौ वीर पैदल सेना अवुरी आठ सौ घुड़सवार सेना भेजले।
20 सेईर के लोग पूरब के लोग आ मिद्यान के लोग के लगे भेजलस कि, "तू देखले बाड़ कि एसाव के लोग याकूब के बेटा लोग के संगे लड़ाई में हमनी के लगभग सब केहु के नाश क देले बानी।
21 अब हमनी के लगे आके हमनी के सहायता कर, हमनी के एक संगे ओ लोग से लड़ब जा, अवुरी हमनी के ओ लोग के देश से भगा देब अवुरी अपना भाई के बदला ले लेब, जवन कि याकूब के बेटा के संगे लड़ाई में ओ लोग खाती मर गईल रहले।
22 पूरब के सब लोग सेईर के लोग के बात सुनले अवुरी उ लोग करीब आठ सौ आदमी खींचले तलवार लेके ओ लोग के लगे पहुंचले अवुरी ओ समय एसाव के लोग पारन के जंगल में सेईर के लोग के संगे लड़त रहले।
23 तब सेईर के लोग एसाव के बेटा लोग पर हावी हो गइल आ सेइर के लोग ओह दिन एसाव के लोग के लड़ाई में दीनहाबा के राजा अंजिया के लोग में से लगभग दू सौ आदमी के मार दिहल।
24 दूसरा दिन एसाव के लोग दूसरा बेर सेइर के लोग के संगे लड़ाई करे आईल अवुरी दूसरा बेर एसाव के संतान प लड़ाई बहुत भयावह हो गईल अवुरी सेईर के संतान के चलते उ लोग बहुत परेशान हो गईले।
25 जब एसाव के संतान देखले कि सेईर के लोग अपना से जादे ताकतवर बाड़े त एसाव के संतान में से कुछ लोग मुड़ के सेईर के लोग के दुश्मन के मदद कईले।
26 दूसरका लड़ाई में एसाव के संतान के लोग में से अड़वन आदमी दीनहाबा के राजा अंजियस में गिर गईले।
27 तीसरा दिन एसाव के लोग सुनल कि उनकर कुछ भाई दूसरा लड़ाई में उनकरा से लड़े खातिर पीछे हट गईल बाड़े। एसाव के लइका लोग ई बात सुन के शोक मनावे लागल।
28 उ लोग कहलस, "हमनी के ओह भाई लोग के का करीं जा, जे हमनी के दुश्मन सेइर के लइकन के सहायता करे खातिर हमनी से पीछे हट गइलन?" एसाव के संतान फिर से दीनहाबा के राजा अंजियस के लगे भेजले कि।
29 हमनी के लगे दोसर आदमी के फेर से भेज दीं ताकि हमनी के सेइर के लोग से लड़ल जा सके, काहेकि उ लोग हमनी से दुगुना भारी हो चुकल बाड़े।
30 अनगेस फेरु एसाव के संतान के लगे करीब छह सौ वीर आदमी भेजले अवुरी उ लोग एसाव के संतान के मदद करे पहुंचले।
31 दस दिन के बाद एसाव के लोग फेर से पारन के जंगल में सेईर के लोग से लड़ाई लड़ले अवुरी सेईर के लोग प लड़ाई बहुत कड़ा हो गईल अवुरी ए समय एसाव के संतान सेईर के लोग प

हावी हो गईले अवुरी एसाव के संतान के लोग एसाव के संतान के सोझा से मारल गईले अवुरी एसाव के संतान ओ लोग में से करीब दु हजार आदमी के हत्या क देले।

32 एह लड़ाई में सेइर के सब पराक्रमी मर गइलन आ खाली ओह लोग के छोट लइका बचल रहले जवन ओह लोग के शहरन में रह गइल रहले.

33 पूरा मिदियन आ पूरब के लोग लड़ाई से भाग गइल आ ऊ लोग सेइर के लोग के छोड़ के भाग गइल जब ऊ लोग देख के कि लड़ाई ओह लोग पर कड़ा हो गइल बा आ एसाव के लोग पूरब के सब लोग के पीछा कइल जबले ऊ लोग अपना देश में ना पहुँचल।

34 एसाव के संतान ओह लोग में से करीब दू सौ पचास आदमी के मार दिहले आ एसाव के संतान के लोग से लगभग तीस आदमी के मौत हो गइल बाकिर ई बुराई ओह लोग पर भइल जवन ओह लोग के भाई लोग से मुड़ के सेइर होरी के संतान के सहायता करे खातिर भइल आ एसाव के लोग फेर से अपना भाई लोग के बुराई के बारे में सुनल आ एह बात के चलते ऊ लोग फेरु से शोक मना लिहल।

35 लड़ाई के बाद एसाव के लोग पीछे मुड़ के सेईर में घरे आ गईले अवुरी एसाव के लोग सेईर के लोग के देश में रह गईल लोग के मार देले। ऊ लोग अपना मेहरारू आ छोट लइकन के भी मार दिहल, पचास गो लइका आ लइकी के छोड़ के कवनो जीव जिंदा ना छोड़ल जवना के ऊ लोग जिए के अनुमति दिहल आ एसाव के लइका ओह लोग के ना मार दिहल आ लइका लोग ओह लोग के गुलाम बन गइल आ ओह लड़िकियन के मेहरारू बना लिहल.

36 एसाव के संतान सेईर के लोग के जगह सेईर में रह गईले अवुरी उ लोग आपन जमीन के उत्तराधिकार में ले लेले अवुरी अपना कब्जा में ले लेले।

37 एसाव के संतान सेईर के संतान के देश के सब सामान, ओकर भेड़, बैल आ ओकर सामान आ सेइर के संतान के सब सामान लेके एसाव के संतान ले लिहले अवुरी एसाव के संतान आज तक सेईर के संतान के जगह सेईर में रह गईले अवुरी एसाव के संतान ए देश के अपना परिवार के मुताबिक एसाव के पांच बच्चा के बंटवारा में बांट देले।

38 ओह दिन में एसाव के लोग ओह देश में राजा के ताज पहनावे के ठान लिहले जवना देश के ऊ लोग अपना कब्जा में ले लिहले बा. उ लोग एक दूसरा से कहलस, "अइसन ना, काहे कि उ हमनी के देश में राज करीहे अवुरी हमनी के उनुका सलाह में रहब अवुरी उ हमनी के दुश्मन के खिलाफ लड़ाई लड़िहे अवुरी उ लोग अयीसन कईले।

39 एसाव के सब संतान कसम खइले कि, "ओकनी के कवनो भाई कबो ओह लोग पर राज ना करी, सिवाय एगो पराया आदमी जे ओह लोग के भाई में से ना होखे, काहे कि एसाव के सब संतान के आत्मा हर केहू अपना बेटा, भाई आ दोस्त के खिलाफ कड़ुआ हो गइल रहे, काहे कि जब ऊ लोग सेइर के संतान से लड़त रहे त ऊ लोग अपना भाई लोग से कड़वाहट कइले रहे।

40 एसाव के बेटा लोग कसम खइले कि, "ओह दिन से उ लोग अपना भाई लोग में से कवनो राजा ना चुने, बल्कि परदेसी देश से राजा के आज तक चुने के चाहत रहले।"

41 उहाँ दीनहाबा के राजा अंजियस के लोग से एगो आदमी रहले। उनकर नाम बेला रहे, जे बेओर के बेटा रहले, जे बहुत वीर आदमी रहले, सुन्दर आ सुन्दर आ हर बुद्धि में बुद्धिमान रहले, आ बुद्धि आ सलाहकार रहले। अँगेआस के लोग में से केहू उनकरा जइसन ना रहे।

42 एसाव के सब संतान उनुका के लेके अभिषेक कईले अवुरी उनुका के राजा के ताज पहनवले अवुरी उनुका के प्रणाम कईले अवुरी उनुका से कहले, "राजा जिंदा रहस, राजा जिंदा रहस।"

43 ऊ लोग चादर के पसरल आ हर आदमी के सोना चांदी के झुमका भा अंगूठी भा कंगन लेके आइल आ ओकरा के चांदी आ सोना, गोमेद के पत्थर आ ब्लेडलियम से बहुते अमीर बना दिहल आ ओकरा के राजसिंहासन बनवलसि आ ओकरा माथा पर राजकी मुकुट बनवले आ ओकरा खातिर महल बनवले आ ऊ ओहिजा रह गइलन एसाव के सब संतान।

44 अंगेआस के लोग एसाव के लोग से लड़ाई खातिर आपन किराया लेके ओह घरी दीनहाबा में अपना मालिक के लगे वापस आ गईले।

45 बेला तीस साल तक एसाव के संतान पर राज कइलन आ एसाव के लोग सेइर के लोग के जगह ओह देश में रह गइल आ ऊ लोग आजु ले ओह लोग के जगह सुरक्षित रह गइल।

अध्याय 58 के बा

1 इस्राएली लोग के मिस्र जाए के बत्तीसवाँ साल यानी यूसुफ के जीवन के एकहत्तरवाँ साल में मिस्र के राजा फिरौन के मौत हो गइल आ उनकर बेटा मैग्रोन उनकरा जगह पर राज कइलन।

2 फिरौन यूसुफ के मरला से पहिले आज्ञा देले कि उ अपना बेटा मैग्रोन के बाप बनस अवुरी मैग्रोन यूसुफ के देखरेख में अवुरी उनुका सलाह में रहस।

3 पूरा मिस्र एह बात पर सहमत हो गइल कि यूसुफ ओह लोग पर राजा बने, काहे कि सब मिस्र के लोग यूसुफ से पहिले से प्यार करत रहे, खाली फिरौन के बेटा मैग्रोन, ओकर पिता के सिंहासन पर बइठल रहे आ ऊ ओह दिन में अपना पिता के जगह राजा बनल।

4 जब ऊ राज करे लगलन त मैग्रोन एकतालीस साल के रहले आ मिस्र में चालीस साल के राज कइलन आ पूरा मिस्र में उनकर नाम फिरौन रखलस जइसन कि मिस्र में हर राजा के राज करे के रिवाज रहे।

5 जब फिरौन अपना बाप के जगह पर राज कइलन त मिस्र के नियम आ शासन के सब काम यूसुफ के हाथ में रख दिहलन, जइसन कि उनकर बाप के आदेश रहे।

6 यूसुफ मिस्र के राजा बनले, काहेकि उ पूरा मिस्र के देखरेख करत रहले अवुरी पूरा मिस्र उनुका देखरेख में अवुरी उनुका सलाह में रहे, काहेंकी पूरा मिस्र फिरौन के मौत के बाद यूसुफ के ओर झुकल रहे अवुरी उ लोग उनुका प राज करे खाती बहुत प्यार करत रहले।

7 लेकिन कुछ लोग उनकरा के पसंद ना करत रहे आ कहत रहे कि हमनी पर कवनो परदेशी के राज ना होई। फिर भी मिस्र के पूरा सरकार ओह दिनन में यूसुफ के हाथ में आ गईल रहे, फिरौन के मौत के बाद, उ नियामक होखला के नाते, पूरा देश में अपना मन मुताबिक काम करत रहले, बिना केहु के हस्तक्षेप कईले।

8 पूरा मिस्र यूसुफ के देखरेख में रहे आ यूसुफ अपना आसपास के सब दुश्मनन से लड़ाई लड़ले आ ओह लोग के अपना वश में

कर लिहले. यूसुफ कनान के सीमा तक के पूरा देश आ पलिस्तीयन के अपना वश में कर लेले रहले अवुरी उ सब उनुका सत्ता में रहले अवुरी उ लोग यूसुफ के सालाना कर देत रहले।
9 मिस्र के राजा फिरौन अपना पिता के जगह अपना सिंहासन प बईठ गईले, लेकिन उ यूसुफ के नियंत्रण अवुरी सलाह में रहले, काहेंकी उ पहिले अपना पिता के नियंत्रण में रहले।
10 उ यूसुफ के सलाह से खाली मिस्र के देश में ही राज ना कईले, लेकिन यूसुफ ओ समय मिस्र से लेके पेराथ के बड़ नदी तक पूरा देश प राज कईले रहले।
11 यूसुफ अपना सब रास्ता में सफल रहलन आ प्रभु उनकरा साथे रहलन आ प्रभु मिस्र के लोग के दिल में आ पूरा देश में यूसुफ के अउरी बुद्धि, आदर, महिमा आ प्रेम दिहलन आ यूसुफ चालीस साल तक पूरा देश पर राज कइलन।
12 पलिस्तीन, कनान आ सिदोन के सब देश आ यरदन के ओह पार, यूसुफ के पूरा दिन में उपहार लेके आवत रहे आ पूरा देश यूसुफ के हाथ में रहे, आ उ लोग ओकरा खातिर सालाना कर लेके आवत रहे, काहे कि यूसुफ अपना आसपास के सब दुश्मनन से लड़ के ओह लोग के अपना वश में कर लेले रहले, आ पूरा देश यूसुफ के हाथ में रहे आ यूसुफ अपना गद्दी पर सुरक्षित बइठल रहले मिस्र के ह।
13 आउर उनकर सब भाई याकूब के बेटा यूसुफ के पूरा दिन में सुरक्षित रूप से ओह देश में रहले, आ उ लोग ओह देश में बहुत फलदार आ बढ़ल, आ उ लोग पूरा दिन प्रभु के सेवा करत रहले, जईसे कि उनकर पिता याकूब उ लोग के आज्ञा देले रहले।
14 कई दिन आ साल के अंत में जब एसाव के संतान अपना राजा बेला के संगे अपना देश में चुपचाप रहत रहले त एसाव के संतान ए देश में फल-फूलत अवुरी बढ़ गईले अवुरी उ लोग याकूब के बेटा अवुरी पूरा मिस्र के संगे लड़ाई लड़े के फैसला कईले अवुरी अपना भाई सेफो, एलीफाज के बेटा अवुरी उनुकर आदमी के छोड़ दिहे, काहेंकी उ लोग अभी तक यूसुफ के गुलाम रहले।
15 एसाव के लोग पूरब के सब लोग के लगे भेजलस अवुरी उ लोग ओ लोग से मेल मिलाप कईले अवुरी पूरब के सभ लोग एसाव के लोग के संगे मिस्र में लड़ाई करे खाती ओ लोग के लगे पहुंचले।
16 अंगेआस के लोग में से दीनहाबा के राजा भी उनकरा लगे अइले आ उ लोग भी इस्माइल के संतान के लगे भेजले आ उ लोग भी ओह लोग के लगे आ गईले।
17 ई सब लोग एसाव के लइकन के लड़ाई में सहायता करे खातिर सेयर में जुट गइल आ ई डेरा बहुत बड़हन आ भारी लोग से भरल रहे, समुंदर के बालू जइसन संख्या में, लगभग आठ लाख आदमी, पैदल सेना आ घुड़सवार सेना, आ ई सब सेना याकूब के बेटा लोग से लड़ाई करे खातिर मिस्र उतरल आ रामेस के लगे डेरा डाल दिहल।
18 यूसुफ अपना भाई लोग के साथे मिस्र के पराक्रमी लोग के साथे लगभग छह सौ आदमी निकल गइलन आ ऊ लोग रामसेस के देश में ओह लोग से लड़ल। आ याकूब के बेटा लोग ओह घरी फेर से एसाव के संतान से लड़ल, याकूब के बेटा लोग के मिस्र जाए के पचासवाँ साल, जवन कि सेइर में एसाव के संतान पर बेला के राज के तीसवाँ साल रहे।
19 तब प्रभु एसाव के सब पराक्रमी लोग आ पूरब के लोग के यूसुफ आ उनकर भाई लोग के हाथ में दे दिहलन आ एसाव के लोग आ पूरब के लोग यूसुफ के सामने हरा दिहलन।
20 एसाव के लोग आ पूरब के लइकन में से लगभग दू लाख आदमी याकूब के बेटा लोग के सामने गिर गइलन आ बेओर के बेटा बेला ओह लोग के साथे लड़ाई में गिर गइलन आ जब एसाव के लोग देखल कि उनकर राजा लड़ाई में गिर गइल बा आ मर गइल बा त लड़ाई में उनकर हाथ कमजोर हो गइल।
21 यूसुफ आ उनकर भाई आ पूरा मिस्र अबहियो एसाव के घराना के लोग के मारत रहले आ एसाव के सब लोग याकूब के बेटा लोग से डेरा के ओह लोग के सामने से भाग गइल।
22 यूसुफ आ उनकर भाई लोग आ पूरा मिस्र एक दिन के यात्रा में उनकर पीछा कइल आ सड़क पर मारत लगभग तीन सौ आदमी के हत्या कर दिहल। आ ओकरा बाद ऊ लोग ओह लोग से पीछे हट गइल.
23 यूसुफ आ उनकर सब भाई मिस्र में लवट अइले त एक आदमी के कमी ना रहे, लेकिन मिस्र के लोग में से बारह आदमी गिर गईले।
24 जब यूसुफ मिस्र लवटल त ऊ जेफो आ ओकर आदमी लोग के अउरी बान्हे के आदेश दिहलन आ ऊ लोग लोहा से बान्ह दिहलन आ ऊ लोग आपन दुख बढ़ा दिहल.
25 एसाव के सब लोग आ पूरब के लोग हर केहू लाज से अपना शहर में वापस आ गइलन काहे कि ओह लोग के साथे मौजूद सब पराक्रमी लोग लड़ाई में गिर गइल रहे।
26 जब एसाव के लोग देखल कि उनकर राजा लड़ाई में मर गइल बा त ऊ लोग जल्दी से एगो आदमी के पूरब के लोग से लेके ले लिहलस। ओकर नाम बोत्सरा के देश के जराक के बेटा जोबाब रहे, आ उ लोग अपना राजा बेला के जगह उनुका के राज करे के काम कईले।
27 अयौबाब अपना जगह बेला के सिंहासन पर राजा बनि गइलन आ अयौबाब एदोम में एसाव के सगरी संतान पर दस साल ले राज कइलन आ एसाव के लोग ओह दिन से याकूब के बेटा लोग से लड़ाई करे ना गइलन काहे कि एसाव के बेटा याकूब के बेटा लोग के शौर्य के जानत रहले आ ऊ लोग ओह लोग से बहुते डेरा गइलन.
28 लेकिन ओह दिन से एसाव के संतान याकूब के बेटा लोग से नफरत करत रहले अवुरी आज तक ओ लोग के बीच नफरत अवुरी दुश्मनी बहुत मजबूत रहे।
29 एकरा बाद दस साल के अंत में बोत्सरा के जराक के बेटा जोबाब के मौत हो गईल अवुरी एसाव के संतान तेमान के देश से एगो आदमी के लेके चल गईले, जेकर नाम चुशाम रहे अवुरी उ लोग ओकरा के अयॉबाब के जगह राजा बना लेले अवुरी चुशाम एदोम में बीस साल तक एसाव के सभ संतान प राज कईले।
30 मिस्र के राजा यूसुफ आ उनकर भाई आउर इस्राएल के सब लोग ओह घरी यूसुफ आ उनकर भाई लोग के सब संतान के साथे मिस्र में सुरक्षित रूप से रहत रहले आ कवनो बाधा भा बुरा दुर्घटना ना भइल आ मिस्र के देश ओह घरी यूसुफ आ उनकर भाई लोग के जमाना में युद्ध से आराम करत रहे।

अध्याय 59 के बा

1 मिस्र में रहे वाला इस्राएल के लोग के नाम इहे बा, जे याकूब के संगे आईल रहले, याकूब के सभ बेटा मिस्र में आईल रहले, हर आदमी अपना घर के संगे।
2 लीआ के संतान रूबेन, शिमोन, लेवी, यहूदा, इस्साकर आ जबबुलून आ उनकर बहिन दीना रहे।
3 राहेल के बेटा यूसुफ आ बिन्यामीन रहलन।
4 लीआ के दासी जिल्पा के बेटा गाद आ आशेर रहलन।
5 राहेल के दासी बिल्हा के बेटा दान आ नफ्ताली रहलन।
6 उ लोग के संतान कनान में पैदा भईल रहे, जवन कि उ लोग के पिता याकूब के संगे मिस्र आवे से पहिले भईल रहे।
7 रूबेन के बेटा चनोक, पल्लू, चेत्रोन आ करमी रहलन।
8 शिमोन के बेटा यमुएल, यामीन, ओहद, याकीन, ज़ोकर आ कनानी औरत के बेटा शाऊल रहलन।
9 लेवी के संतान गेर्शोन, केहत आ मेरारी आ उनकर बहिन योकेबेद रहलन, जे मिस्र जाए के समय उनकर जनम भइल रहली।
10 यहूदा के बेटा एर, ओनान, शेला, पेरेज आ जराक रहले।
11 एर आ ओनान कनान देश में मर गइलन। पेरेज के बेटा चेज्रोन आ चमुल रहलन।
12 इस्साकर के बेटा तोला, पुवा, अय्यूब आ शोमरोन रहलन।
13 जबूलून के बेटा सेरेद, एलोन आ यक्लील आ दान के बेटा चुशिम रहलन।
14 नफ्ताली के बेटा यखजील, गुनी, जेत्जर आ शिलाम रहलन।
15 गाद के बेटा सिफियोन, चग्गी, शुनी, एजबोन, एरी, आरोदी आ अरेली रहलन।
16 आशेर के संतान जिमना, जिश्वा, जिशवी, बेरिया आ उनकर बहिन सेराच रहलन। बेरिया के बेटा कबेर आ मल्कीएल रहलन।
17 बिन्यामीन के बेटा बेला, बेकर, अशबेल, गेरा, नामान, अकी, रोश, मुपीम, चुपिम आ ओर्द रहले।
18 यूसुफ के बेटा जे मिस्र में जनमल रहले, उ लोग मनश्शे आ एफ्राईम रहले।
19 याकूब के कमर से निकलल सब लोग सत्तर आदमी के रहे। इहे उ लोग हवे जे अपना बाप याकूब के संगे मिस्र में रहे खातिर आईल रहले अवुरी यूसुफ अवुरी उनुकर सभ भाई मिस्र में सुरक्षित रहले अवुरी यूसुफ के जीवन भर मिस्र के सबसे बढ़िया खाना खात रहले।
20 यूसुफ मिस्र के देश में तेनब्बे साल तक रहले अवुरी यूसुफ पूरा मिस्र प अस्सी साल तक राज कईले।
21 जब यूसुफ के मरे के दिन नजदीक आ गईल त उ अपना भाई अवुरी अपना पिता के घर के पूरा घर के लोग के बोलवले अवुरी उ सभ लोग एक संगे उनुका सोझा बईठ गईले।
22 यूसुफ अपना भाई लोग आ अपना बाप के पूरा घर के लोग से कहलन, "देखऽ हम मर जाइब आ भगवान तोहनी के घरे अइहें आ एह देश से तोहनी के ओह देश में ले अइहें जवन ऊ तोहनी के बाप-दादा के देवे के किरिया खइले रहलन।"
23 जब भगवान तोहरा के इहाँ से लेके तोहरा पुरखन के देश में ले अइहें त इहाँ से हमार हड्डी तोहरा साथे ले अइहें।
24 यूसुफ इस्राएल के बेटा लोग के अपना बाद के वंश खातिर किरिया खइले आ कहले कि, "परमेशवर तोहनी के सामने जरूर अइहें आ तू इहाँ से हमार हड्डी अपना साथे ले अइबऽ।"
25 एकरा बाद इजराइली लोग के मिस्र जाए के एकहत्तरवाँ साल यूसुफ के मौत हो गईल।
26 जब यूसुफ मिस्र के देश में मरल त ओकर उमिर एक सौ दस साल के रहे आ ओकर सब भाई आ ओकर सब नौकर उठ के यूसुफ के संस्कारित कर दिहलन, जइसन कि आपन रिवाज रहे, आ ओकर भाई आ पूरा मिस्र सत्तर दिन तक ओकरा खातिर शोक मनावत रहले।
27 ऊ लोग यूसुफ के मसाला आ हर तरह के इत्र से भरल चिता में रख के नदी के किनारे सिहोर, उनकर बेटा आ उनकर सब भाई लोग के दफना दिहल आ उनकर पूरा घर के लोग उनकरा खातिर सात दिन के शोक मनावत रहे।
28 यूसुफ के मरला के बाद ओह दिन में सब मिस्र के लोग इस्राएल के संतान पर राज करे लगलन आ मिस्र के राजा फिरौन जे अपना पिता के जगह पर राज कइले रहले, मिस्र के सगरी कानून लेके पूरा मिस्र के सरकार के उनकर सलाह के तहत चला दिहले आ ऊ अपना लोग पर सुरक्षित रूप से राज कइले।

अध्याय 60 के बा

1 जब साल भर इजराइली लोग के मिस्र जाए के बाहत्तरवाँ साल भइल त यूसुफ के मौत के बाद एसाव के बेटा एलीफाज के बेटा सीफो आ ओकर आदमी मिस्र से भाग गइलन आ ऊ लोग चल गइल।
2 ऊ अफ्रीका के राजा अंजेआस के लगे अफिरका, जवन दीनहाबा ह, आ गइलन आ अंजियस ओह लोग के बहुते आदर से स्वागत कइलन आ ऊ जेफो के अपना सेना के कप्तान बनवले.
3 ज़ेफो के अँगेआस आ ओकर लोग के नजर में अनुग्रह मिलल आ ज़ेफो अफ्रीका के राजा अंजियस के सेना के कप्तान कई दिन ले रहलन।
4 आफ्रिका के राजा अंजेआस के लुभावलस कि ऊ आपन सब सेना इकट्ठा कर के मिस्र के लोग आ याकूब के बेटा लोग के साथे लड़ाई लड़े आ अपना भाई लोग के मुकदमा के बदला लेवे खातिर।
5 लेकिन अंगेआस ज़ेफो के इ काम करे के बात ना सुनले, काहेकि अंजियस जानत रहले कि याकूब के बेटा लोग के ताकत केतना बा अवुरी उ लोग एसाव के संतान के संगे लड़ाई में उनुका सेना के का कईले बाड़े।
6 ओह दिन में ज़ेफो अंगेआस आ ओकर सब लोग के नजर में बहुत बड़ रहलन आ ऊ लोग लगातार मिस्र के खिलाफ लड़ाई करे खातिर लुभावत रहले, लेकिन उ लोग ना मनले।
7 ओह घरी कित्तीम के देश में पुज़िमना शहर में एगो आदमी रहे, जेकर नाम उजू रहे, आ ऊ कित्तीम के संतान लोग के देवता बन गइल आ ऊ आदमी मर गइल आ ओकरा लगे कवनो बेटा ना भइल, खाली एगो बेटी रहे जेकर नाम जनिया रहे।
8 ऊ लइकी बहुते सुन्दर, सुन्दर आ बुद्धिमान रहली, पूरा देश में सुंदरता आ बुद्धि खातिर ओकरा जइसन केहू ना देखल गइल।
9 अफ्रीका के राजा अंगेआस के लोग ओकरा के देख के उ लोग आके ओकर स्तुति कईले, त अंजियस कित्तीम के संतान के लगे भेजले अवुरी उ ओकरा के पत्नी के रूप में अपना संगे ले जाए के निहोरा कईले अवुरी कित्तीम के लोग उनुका के पत्नी के रूप में देवे के सहमति देले।
10 जब अंगेआस के दूत लोग कित्तीम देश से आपन यात्रा करे खातिर निकलल त देखऽ कि बिबेंटू के राजा तुर्नस के दूत कित्तीम में अइले, काहे कि बीबेंटू के राजा तुर्नस भी आपन दूत

भेजले कि ऊ जानिया से निहोरा करस, कि ऊ अपना खातिर मेहरारू बनावे, काहे कि उनकर सब आदमी भी उनकर तारीफ कइले रहले, एही से ऊ आपन सब नौकर के ओहिजा भेजले रहले ऊनकर।
11 तब तुर्नुस के नौकर कित्तीम आके जनिया के अपना राजा तुर्नस के लगे ले जाए के कहले।
12 कित्तीम के लोग ओह लोग से कहलस, “हम ओकरा के नईखी दे सकत, काहे कि अफ्रीका के राजा अंगेआस ओकरा से चाहत रहले कि रउआ आवे से पहिले ओकरा के अपना पत्नी के रूप में ले जास, अवुरी अब हमनी के इ काम नईखी क सकत कि अंगेआस के लईकी से वंचित क के ओकरा के तुर्नस के दे देवे।
13 काहे कि हमनी के अंजियस से बहुत डेरात बानी जा कि कहीं उ हमनी के खिलाफ लड़ाई में ना आके हमनी के नाश ना कर देवे अवुरी तोहार मालिक तुर्नस हमनी के अपना हाथ से ना बचा पईहे।
14 जब तुर्नुस के दूत कित्तीम के लोग के सब बात सुनले त उ लोग अपना मालिक के ओर मुड़ के कित्तीम के लोग के सब बात उनुका के बतवले।
15 कित्तीम के लइका लोग अंगेआस के एगो स्मृति चिन्ह भेजले कि, “देखऽ, तुर्नस जनिया के अपना लगे लेबे खातिर बोलवले बाड़न आ हमनी के ओकरा के अईसन जवाब देले बानी जा। आ हम सुनले बानी कि ऊ तोहरा खिलाफ लड़ाई करे खातिर आपन पूरा सेना बटोर लिहले बा आ ओकर इरादा बा कि ऊ सरदुनिया के सड़क से गुजर के तोहार भाई लुकस से लड़ी आ ओकरा बाद ऊ तोहरा से लड़ाई करे अइहें.
16 अंगेआस कित्तीम के लोग के बात सुन के जवन उ लोग ओकरा लगे भेजले रहे, उ लोग के गुस्सा भड़क गईल अवुरी उ उठ के आपन पूरा सेना के जुटा के समुद्र के द्वीप, सरदुनिया के रास्ता से होके अपना भाई सरदुनिया के राजा लुकस के लगे पहुंचले।
17 लुकस के बेटा निब्लोस सुनलस कि उनकर चाचा एंगेस आवत बाड़े, त उ भारी सेना के संगे उनुका से मिले निकल गईले, अवुरी उ ओकरा के चुम्मा लेले अवुरी गले लगा लेले अवुरी निब्लोस अंजेस से कहले कि, जब तू हमरा पिता से उनुकर भलाई के बात कहब त हम कब तोहरा संगे तुर्नस के संगे लड़ाई करे जाईब त उनुका से हमरा के अपना सेना के कप्तान बनावे के कहब, अवुरी एंजेस उ काम क देले त ऊ अपना भाई के लगे आइल आ भाई ओकरा से मिले आइल आ ऊ ओकरा से ओकर भलाई पूछल.
18 आंगियास अपना भाई लुकस से ओकर भलाई आ अपना बेटा निब्लोस के अपना सेना के कप्तान बनावे के कहलन आ लुकस अइसहीं कइलन आ एंगेस आ ओकर भाई लुकस उठ के तुर्नस के ओर लड़ाई खातिर चल गइलन आ ओह लोग का साथे एगो बड़हन सेना आ भारी लोग भी रहे।
19 ऊ जहाजन में अइले आ ऊ लोग अष्टोराश प्रांत में आ गइल आ देखऽ कि तुर्नुस ओह लोग का ओर आ गइल काहे कि ऊ सरदुनिया गइल रहले आ ओकरा के नष्ट करे के इरादा रखले रहले आ ओकरा बाद ओकरा से लड़ाई करे खातिर ओहिजा से अंजेआस जाए के इरादा रखले रहले.
20 एन्जियस आ उनकर भाई लुकस कनोपिया के घाटी में तुर्नस से भेंट कइले आ ओह जगह पर ओह लोग के बीच लड़ाई मजबूत आ पराक्रमी भइल।
21 सरदुनिया के राजा लुकस के खिलाफ लड़ाई बहुत हो गईल अवुरी उनुकर पूरा सेना गिर गईल अवुरी उनुकर बेटा निब्लोस भी ओ लड़ाई में गिर गईल।
22 उनकर चाचा अंगियास अपना नौकरन के आज्ञा दिहलन आ ऊ लोग निब्लोस खातिर सोना के चिता बना के ओहमें डाल दिहलन आ अंजियस फेरु से तुर्नस के ओर लड़ाई लड़लस आ अंगियास ओकरा से भी ताकतवर हो गइल आ ऊ ओकरा के मार दिहलस आ ऊ अपना सब लोग के तलवार के धार से मार दिहलस आ एंगेयस अपना भाई के बेटा निब्लोस के मामला के बदला लिहलस भाई लुकस के ह।
23 जब तुर्नस के मौत हो गइल त लड़ाई से बचल लोग के हाथ कमजोर हो गइल आ ऊ लोग एंगेस आ उनकर भाई लुकस के सामने से भाग गइल।
24 अँगेआस आ उनकर भाई लुकस उनकर पीछा करत अल्फानू आ रोमा के बीच के सड़क पर पहुँच गइलन आ तुर्नस के पूरा सेना के तलवार के धार से मार दिहलन।
25 सरदुनिया के राजा लुकस अपना नौकरन के आदेश दिहलन कि ऊ लोग पीतल के एगो चिता बना के ओकरा में उनकर बेटा निब्लोस के लाश डाल दीं आ ऊ लोग ओकरा के ओहिजा दफना दिहल.
26 उ लोग ओहिजा हाईरोड पर एगो ऊँच टावर बनवले आ आजु ले एकर नाम निब्लोस के नाम से रखले आ बिबेन्टू के राजा तुर्नस के भी ओहिजा निब्लोस के साथे दफना दिहले।
27 देखऽ, अल्फानु आ रोमा के बीच के सड़क पर एक ओर निब्लोस के कब्र आ दूसरा ओर तुर्नस के कब्र बा आ आजु ले ओह लोग के बीच फुटपाथ बा।
28 जब निब्लोस के दफनावल गइल त उनकर बाप लुकस अपना सेना के साथे अपना देश सरदुनिया में वापस आ गइलन आ अफ्रीका के उनकर भाई राजा अंजियस अपना लोग के साथे बिबेन्टू शहर, जवन तुर्नस शहर ह, चल गइलन।
29 बिबेंटू के निवासी लोग उनकर प्रसिद्धि सुन के बहुत डेरा गइल आ रोवत-रोवत आ निहोरा करत उनकरा से मिले निकलल आ बिबेंटू के निवासी लोग एंगेस से निहोरा कइल कि ऊ लोग ओह लोग के ना मारे आ ना ही ओह लोग के शहर के नष्ट कर देव; आ ऊ अइसहीं कइलन काहे कि ओह घरी बिबेन्टू के चित्तीम के लोग के शहरन में से एगो शहर मानल जात रहे. एही से उ शहर के नाश ना कईले।
30 लेकिन ओह दिन से अफ्रीका के राजा के सेना कित्तीम में लूट के लूटे खातिर जात रहले आ जब भी उ लोग जात रहले त एंगेस के सेना के कप्तान ज़ेफो ओह लोग के साथे जात रहले।
31 एकरा बाद ही अंगियास अपना सेना के साथे मुड़ के ऊ लोग पुजिमना शहर में पहुँचल आ उजुआ के बेटी जानिया के मेहरारू बना के अपना शहर में अफ्रीका ले अइले।

अध्याय 61 के बा

1 तब मिस्र के राजा फिरौन अपना सब लोग के आदेश दिहलन कि मिस्र में उनुका खातिर एगो मजबूत महल बनावल जाव।
2 ऊ याकूब के बेटा लोग के भी आदेश दिहलन कि मिस्र के लोग के निर्माण में सहायता कइल जाव आ मिस्र के लोग एगो सुन्दर आ सुरुचिपूर्ण महल बनवले जवन राजघराना खातिर बनल रहे

आ ऊ ओहिजा रह गइलन आ ऊ आपन सरकार के नवीकरण कइलन आ ऊ सुरक्षित रूप से राज कइलन.
3 याकूब के बेटा जबबुलन ओह साल मरि गइलन, जवन कि इस्राएली लोग के मिस्र जाए के बाहत्तरवाँ साल ह, आ जबूलून एक सौ चौदह साल के उमिर में मर गइलन आ ओकरा के एगो चिता में डाल के अपना लइकन के हाथ में दिहल गइल।
4 पचहत्तरवाँ साल में उनकर भाई शिमोन के मौत हो गइल, उनकर उमिर एक सौ बीस साल रहे आ ओकरा के एगो चिता में डाल के अपना लइकन के हाथ में दे दिहल गइल।
5 एसाव के बेटा एलीफाज के बेटा ज़ेफो, जे दीनहा के राजा अंगेआस के सेना के सेनापति रहलन, अबहियो रोज अंजिया के लोभत रहले कि ऊ मिस्र में याकूब के बेटा लोग के साथे लड़ाई के तइयारी करस, काहे कि उनकर नौकर याकूब के बेटा लोग के पूरा ताकत ओकरा के बतवले रहले, जवन कि उ लोग के लड़ाई में उ लोग के काम कइले रहले एसाव के ह।
6 ओह दिन में ज़ेफो रोज अंगेआस के ओह दिन याकूब के बेटा लोग से लड़ाई करे खातिर लुभावत रहले।
7 कुछ समय बाद अंजियस ज़ेफो के बात सुन के मिस्र में याकूब के बेटा लोग के साथे लड़ाई करे के सहमति दे दिहलन आ अंगेआस अपना सब लोग के क्रमबद्ध कर दिहलन, जवन कि समुंदर के किनारे बालू जइसन संख्या में रहे आ ऊ मिस्र में लड़ाई करे के संकल्प लिहलन।
8 अंगेआस के नौकरन में पन्द्रह साल के एगो नवही रहे, ओकर नाम बेओर के बेटा बिलाम रहे आ ऊ नवही बहुते बुद्धिमान रहे आ जादू टोना के कला के समझत रहे।
9 अंगेआस बिलाम से कहलस, "हमरा खातिर जादू-टोना के जादू करऽ, ताकि हमनी के पता चल सके कि हमनी के अब जवना लड़ाई में आगे बढ़त बानी जा, ओह लड़ाई में के जीत जाई।
10 बिलाम ओकरा खातिर मोम ले आवे के आदेश दिहलन आ ओकरा से रथ आ घुड़सवारन के उपमा बनवले जवन अंगेआस के सेना आ मिस्र के सेना के प्रतिनिधित्व करत रहे आ ओकरा के ओह धूर्तता से तइयार पानी में डाल दिहलन जवन ओकरा लगे एह काम खातिर रहे आ ऊ मर्टल के पेड़न के डाढ़ अपना हाथ में ले लिहलन आ ऊ आपन चालबाजी कइलन आ पानी का ऊपर ओकरा के जोड़ दिहलन आ उहाँ ओकरा के पानी में लउकलन मिस्र के लोग आ याकूब के बेटा लोग के समान मूर्ति के सामने गिरत अंगिया के सेना के मूर्ति से मिलत जुलत।
11 बिलाम इ बात अंगेआस के बतवले, त अंजियस निराश हो गईले अवुरी मिस्र में लड़ाई करे खाती हथियार ना लगवले अवुरी उ अपना शहर में रह गईले।
12 जब एलीफाज के बेटा सिफो देखलस कि अंजियस मिस्र के लोग से लड़ाई करे से बेताब हो गईल बा, त ज़ेफो अफ्रीका से अंजियस से भाग गईले अवुरी उ कित्तीम पहुंचले।
13 कित्तीम के सब लोग उनकरा के बहुत इज्जत से स्वागत कईले, आउर उ लोग उनका के पूरा दिन आपन लड़ाई लड़े खातिर काम पर रखले, आ ओह दिन में ज़ेफो बहुत अमीर हो गईले, आ अफ्रीका के राजा के सेना ओह घरी भी फइलल रहे आ कित्तीम के लइका लोग अफ्रीका के राजा अंजिया के सेना के चलते एकट्ठा होके कप्तिजिया पर्वत पर चल गईले, जवन कि ओह लोग पर आगे बढ़त रहे।
14 एक दिन जेफो के एगो बछिया के गँवा दिहल गइल आ ऊ ओकरा के खोजे गइलन आ ऊ ओकरा के पहाड़ के चारों ओर कूदत सुनलस।
15 जब ज़ेफो गइलन आ देखलन कि पहाड़ के तलहटी में एगो बड़हन गुफा बा आ ओहिजा गुफा के प्रवेश द्वार पर एगो बड़हन पत्थर रहे आ जेफो ओह पत्थर के फाड़ दिहलन आ ऊ गुफा में आ गइलन आ देखलन आ देखलन कि एगो बड़हन जानवर बैल के खा रहल बा. बीच से ऊपर आदमी से मिलत जुलत रहे आ बीच से नीचे जानवर से मिलत जुलत रहे आ ज़ेफो ओह जानवर के खिलाफ उठ के तलवार से मार दिहलस।
16 कित्तीम के निवासी लोग इ बात सुन के बहुत खुश हो गईले अवुरी कहले कि, हमनी के ए आदमी के का करीं, जवन कि हमनी के पशु खाए वाला जानवर के मार देले बा?
17 उ सब लोग साल में एक दिन उनुका खातिर पवित्र करे खातिर जुटल रहले अवुरी उनुका नाम प एकर नाम ज़ेफो रखले रहले अवुरी ओ दिन साल दर साल उनुका खाती पेयबलि लेके आवत रहले अवुरी उनुका खाती उपहार लेके अईले।
18 ओही घरी राजा अंजियस के पत्नी उजू के बेटी जनिया बेमार हो गइली आ अंजियस आ उनकर अफसरन के ओकर बेमारी बहुते महसूस भइल आ अँगेआस अपना ज्ञानी लोग से कहलस, "जनिया के का करब आ ओकरा बेमारी से कइसे ठीक करब? उनकर ज्ञानी लोग उनका से कहलस कि हमनी के देश के हवा चित्तीम के हवा निहन नईखे अवुरी हमनी के पानी ओ लोग के पानी निहन नईखे, एहसे रानी बेमार हो गईल बाड़ी।
19 हवा आ पानी के बदलाव के चलते उ बेमार हो गईली अवुरी एकरा चलते उ सिर्फ उहे पानी पियत रहली जवन कि उ पुरमा से निकलल रहे, जवन कि उनुकर पुरखा पुल के संगे पोसले रहले।
20 अंगेआस अपना नौकरन के आज्ञा दिहलन कि ऊ लोग कित्तीम के पुरमा के पानी के बर्तन में ओकरा लगे ले आइल आ ओह पानी के अफ्रीका के सगरी पानी से तौलल आ ओह लोग के ऊ पानी अफ्रीका के पानी से हल्का मिलल.
21 अंगेआस ई बात देख के अपना सब अफसरन के आज्ञा दिहलन कि ऊ लोग हजारन आ दस हजार में पत्थर काटे वाला लोग के एकट्ठा कर लेव आ ऊ लोग बिना संख्या में पत्थर काटत रहे आ बनावे वाला लोग आके एगो बहुते मजबूत पुल बनवले आ ऊ लोग चित्तीम देश से पानी के झरना के अफ्रीका ले चहुँपा दिहल आ ऊ पानी रानी जानिया आ ओकरा सगरी चिंता खातिर रहे कि ऊ लोग पीये खातिर आ दूसर ले पीये एकरा से सेंक के धोईं आ नहाईं आ ओकरा से ओह सब बीज के पानी देबे के जवना से खाना मिल सकेला आ जमीन के सगरी फल.
22 राजा आज्ञा दिहलन कि ऊ लोग कित्तीम के माटी के बड़हन जहाज में ले आवे के आ ओकरा से बनावे खातिर पत्थर भी ले अइले आ बनावे वाला लोग रानी जनिया खातिर महल बनवले आ रानी के बेमारी से ठीक हो गइल।
23 साल के क्रांति के समय अफ्रीका के सेना हमेशा के तरह लूटपाट करे खातिर कित्तीम देश में आवत रहे, आ एलीफाज के बेटा ज़ेफो ओ लोग के खबर सुनले अवुरी उ ओ लोग के बारे में आदेश देले अवुरी उ ओ लोग से लड़ाई कईले, अवुरी उ लोग उनुका से भाग गईले अवुरी उ कित्तीम के देश के ओ लोग से बचा लेले।
24 कित्तीम के लोग ज़ेफो के शौर्य देख के कित्तीम के लोग संकल्प कईले अवुरी उ लोग जेफो के अपना ऊपर राजा बनवले

अवुरी उ ओ लोग प राजा बन गईले अवुरी जब तक उ राज करत रहले त उ लोग तुबल अवुरी आसपास के सभ द्वीप के अपना वश में करे चल गईले।
25 ओह लोग के राजा ज़ेफो ओह लोग के सिर पर चल गइलन आ ऊ लोग तुबल आ द्वीपन से लड़ाई कइल आ ऊ लोग ओह लोग के अपना वश में कर लिहल आ जब ऊ लोग लड़ाई से लवटल त ओकरा खातिर ओकर सरकार के नवीकरण कइल आ ओकरा खातिर एगो बड़हन महल बनवलसि आ ओकरा खातिर एगो बड़हन सिंहासन बनवलसि आ ऊ लोग ओकरा खातिर एगो बड़हन सिंहासन बनवलसि आ ज़ेफो पचास साल ले पूरा कितिम आ इटली के देश पर राज कइलन.

अध्याय 62 के बा

1 एही साल इस्राएली लोग के मिस्र जाए के उनहत्तरवाँ साल में याकूब के बेटा रूबेन मिस्र के देश में मर गइलन। जब रूबेन के मौत भइल त ओकर उमिर एक सौ पच्चीस साल रहे आ ऊ लोग ओकरा के एगो चिता में डाल दिहल आ ओकरा के अपना लइकन के हाथ में दिहल गइल.
2 अस्सीवाँ साल में उनकर भाई दान के मौत हो गइल। उनकर मौत के समय ऊ सौ बीस साल के रहले आ उनका के एगो चिता में भी डाल के अपना लइकन के हाथ में दे दिहल गइल।
3 ओही साल एदोम के राजा चुशाम के मौत हो गइल आ ओकरा बाद बेदाद के बेटा हदाद पैंतीस साल ले राज कइलन। एकैसवाँ साल में याकूब के बेटा इस्साकर मिस्र में मर गइलन आ इस्साकर के मौत के समय ऊ एक सौ बाइस साल के हो गइलन आ मिस्र में ओकरा के एगो चिता में डाल दिहल गइल आ ओकरा के अपना लइकन के हाथ में दिहल गइल.
4 बयासी साल में उनकर भाई आशेर के मौत हो गईल, उ मरला के समय उ तेइस साल के रहले अवुरी उनुका के मिस्र में एगो चिता में रख के अपना संतान के हाथ में दे दिहल गईल।
5 तेरासी साल में गाद के मौत हो गईल, उ मरला के समय उ एक सौ पच्चीस साल के रहले अवुरी उनुका के मिस्र में एगो चिता में डाल के अपना संतान के हाथ में दे दिहल गईल।
6 चौरासीवाँ साल यानी एदोम के राजा बेदाद के बेटा हदाद के राज के पचासवाँ साल में हदाद एसाव के सब लोग के जुटा लिहलन आ ऊ आपन पूरा सेना के लगभग चार लाख आदमी के तइयार कर लिहलन आ ऊ मोआब के देश में आपन रास्ता तय कइलन आ ऊ मोआब से लड़ाई करे आ ओह लोग के कर देबे खातिर चल गइलन.
7 मोआब के लोग इ बात सुन के बहुत डेरा गईले अवुरी उ लोग मिद्यान के लोग के लगे भेजले कि उ लोग एदोम के राजा बेदाद के बेटा हदाद के संगे लड़ाई में मदद करस।
8 हदाद मोआब के देश में अईले अवुरी मोआब अवुरी मिद्यान के लोग उनुका से मिले निकलले अवुरी मोआब के मैदान में उनुका खिलाफ लड़ाई में जुट गईले।
9 हदाद मोआब से लड़ल आ मोआब के लोग आ मिद्यान के लोग में से बहुत मारल गइल, लगभग दू लाख आदमी।
10 मोआब पर लड़ाई बहुते भयंकर हो गइल आ जब मोआब के लोग देखल कि लड़ाई बहुते हो गइल बा त ऊ लोग आपन हाथ कमजोर क के पीठ फेर लिहल आ मिद्यान के लोग के लड़ाई जारी राखे खातिर छोड़ दिहल.
11 मिद्यान के लोग मोआब के मंशा ना जानत रहे, लेकिन उ लोग लड़ाई में मजबूत हो गईले अवुरी हदाद अवुरी ओकर पूरा सेना के संगे लड़ाई लड़ले अवुरी पूरा मिदियन उनुका सोझा गिर गईले।
12 हदाद पूरा मिदियन के भारी मार से मार दिहलन आ तलवार के धार से मार दिहलन आ मोआब के सहायता करे आइल लोग में से केहू के ना बचल।
13 जब मिद्यान के सब लोग लड़ाई में नाश हो गइल आ मोआब के लइका बच गइल त हदाद ओह घरी पूरा मोआब के कर दे दिहलन आ ऊ लोग उनका हाथ में आ गइल आ ऊ लोग सालाना कर देत रहे जइसन कि कहल गइल रहे आ हदाद मुड़ के अपना देश में लवट गइलन.
14 साल के क्रांति के समय जब मिद्यान के बाकी लोग जे ओह देश में रहे, सुनलस कि मोआब के खातिर उनकर सब भाई हदाद से लड़ाई में गिर गईल बाड़े, काहेकी मोआब के लोग लड़ाई में पीठ फेर के मिदियान के लड़ाई में छोड़ देले बाड़े, त मिद्यान के पांच राजकुमार अपना देश में रह गईल बाकी भाई लोग के संगे बदला लेवे के फैसला कईले अपना भाई लोग के मुद्दा।
15 मिद्यान के लोग अपना सब भाई लोग के लगे पूरब के लोग आ अपना सब भाई लोग के लगे भेजलस, जवन कि केतुरा के सब लोग मिद्यान के मदद करे खातिर मोआब से लड़ाई करे खातिर आ गईले।
16 मोआब के लोग ई बात सुन के बहुत डेरा गइल कि पूरब के सब लोग लड़ाई खातिर जुटल हो गइल बा आ ऊ लोग मोआब के लोग बेदाद के बेटा हदाद के एदोम देश में एगो स्मारक भेजल।
17 अब हमनी के लगे आके हमनी के सहायता करऽ आ हमनी के मिद्यान के मार देब जा, काहेकि उ सब लोग एकजुट होके अपना सब भाई पूरब के लोग के साथे हमनी के खिलाफ लड़ाई में आइल बा, ताकि लड़ाई में गिरल मिदियन के मामला के बदला लेवे खातिर।
18 एदोम के राजा बेदाद के बेटा हदाद अपना पूरा सेना के संगे मिद्यान से लड़ाई करे खातिर मोआब के देश में चल गईले अवुरी मिद्यान अवुरी पूरब के लोग मोआब के मैदान में मोआब से लड़ले अवुरी ओ लोग के बीच बहुत भयंकर लड़ाई भईल।
19 हदाद मिद्यान के सब लोग आ पूरब के लोग के तलवार के धार से मार दिहलस आ ओह घरी हदाद मोआब के मिद्यान के हाथ से बचा लिहलस आ मिद्यान आ पूरब के लोग के लोग हदाद आ उनकर सेना के सामने भाग गइल आ हदाद ओह लोग के पीछा क के ओह लोग के देस में ले गइल आ ओह लोग के बहुत भारी कत्ल कर दिहलस आ वध लोग सड़क पर मर गइल।
20 हदाद मोआब के मिद्यान के हाथ से बचा लिहलस, काहे कि मिद्यान के सब लोग तलवार के धार से गिर गईल रहले अवुरी हदाद मुड़ के अपना देश में वापस चल गईले।
21 ओह दिन से मिद्यान के लोग मोआब के लोग से नफरत करत रहे काहे कि ऊ लोग ओह लोग खातिर लड़ाई में गिर गइल रहे आ पूरा दिन ओह लोग के बीच बहुत बड़हन दुश्मनी रहे।
22 मोआब के रास्ता में मिद्यान के जे कुछ भी मिलल रहे, उ सब मोआब के तलवार से नाश हो गईल, आ मिद्यान के रास्ता में जवन भी मोआब के मिलल रहे, उ सब मिदियान के तलवार से नाश हो गईल। एही तरे मिडियान मोआब तक आ मोआब मिद्यान तक कई दिन तक चलल।

23 ओही घरी याकूब के मिस्र जाए के छियासीवाँ साल में याकूब के बेटा यहूदा मिस्र में मर गइल आ उनकर मौत के समय यहूदा एक सौ उनइस साल के हो गइल आ ऊ लोग उनका के मलम करा के एगो चिता में डाल दिहल आ ओकरा के अपना लइकन के हाथ में दे दिहल गइल।
24 उनसी साल में नफ्ताली के मौत हो गईल, उ एक सौ बत्तीस साल के रहले अवुरी उनुका के एगो चिता में डाल के अपना संतान के हाथ में दे दिहल गईल।
25 इस्राएली लोग के मिस्र जाए के एकनब्बेवाँ साल में, यानी एसाव के बेटा एलीफाज के बेटा सफो के कित्तीम के लोग पर राज के तीसवाँ साल में, अफ्रीका के लोग कित्तीम के लोग के हमेशा निहन लूटपाट करे खाती पहुंचले, लेकिन उ लोग ए तेरह साल से ओ लोग प ना आईल रहले।
26 ओह साल ऊ लोग ओह लोग के लगे अइले आ एलीफाज के बेटा सिफो अपना कुछ आदमी के साथे ओह लोग के लगे निकल के ओह लोग के बेताब मार दिहलस आ अफ्रीका के सेना जेफो के सामने से भाग गइल आ मारल गइल लोग ओकरा सोझा गिर गइल आ ज़ेफो आ ओकर आदमी ओह लोग के पीछा करत चलल आ जबले ऊ लोग अफ्रीका के नजदीक ना हो गइल तबले ओह लोग के मार दिहल.
27 अफ्रीका के राजा अंजेआस जेफो के काम सुन के ओकरा के बहुत परेशान कईलस अवुरी अनजियास दिन भर ज़ेफो से डेरा गईल।

अध्याय 63 के बा

1 तेनबे साल में याकूब के बेटा लेवी मिस्र में मर गइलन आ लेवी के मौत के उमिर एक सौ सत्तीस साल के रहे आ ऊ लोग ओकरा के एगो चिता में डाल दिहल आ ओकरा के अपना लइकन के हाथ में दे दिहल.
2 लेवी के मरला के बाद जब पूरा मिस्र देखलस कि याकूब के बेटा यूसुफ के भाई मर गईल बाड़े, त सभ मिस्र के लोग याकूब के संतान के दुखी करे लगले अवुरी ओ दिन से लेके मिस्र से निकले के दिन तक उनुकर जीवन कड़वा करे लगले अवुरी उ सभ अंगूर के बगइचा अवुरी खेत जवन यूसुफ उनुका के देले रहले अवुरी उ सभ भव्य घर अपना हाथ से ले लेले जियत रहले, आ मिस्र के सब चर्बी, मिस्र के लोग ओह जमाना में याकूब के बेटा से सब कुछ ले लिहले।
3 ओह घरी पूरा मिस्र के हाथ इस्राएल के लोग के खिलाफ अउरी गंभीर हो गइल आ मिस्र के लोग इस्राएलियन के तब तक घायल कर दिहल जब तक कि मिस्र के लोग मिस्र के लोग के जान से थक ना गइल।
4 ओह दिनन में, इस्राएल के मिस्र जाए के सौ दूसरा साल में, मिस्र के राजा फिरौन के मौत हो गइल आ उनकर बेटा मेलोल उनकरा जगह पर राज कइलन आ मिस्र के सब पराक्रमी लोग आ यूसुफ आ उनकर भाई लोग के जाने वाला सब पीढ़ी के मौत हो गइल।
5 ओह लोग के जगह पर एगो अउरी पीढ़ी उठल जवन याकूब के बेटा आउर उ लोग के साथे कइल सब भलाई आ मिस्र में आपन सब ताकत के ना जानत रहे।
6 एही से पूरा मिस्र ओह दिन से याकूब के बेटा लोग के जीवन के कड़वा करे लागल आ हर तरह के मेहनत से पीड़ित करे लागल काहे कि ऊ लोग अपना पुरखन के ना जानत रहे जे अकाल के समय में ओह लोग के बचावे वाला रहले।
7 इ भी यहोवा से आइल रहे, इस्राएल के लोग खातिर, ताकि उ लोग के अंतिम समय में फायदा होखे, ताकि सब इस्राएल के लोग अपना परमेश्वर प्रभु के जान सके।
8 एह खातिर कि प्रभु अपना लोग इस्राएल के कारण मिस्र में जवन चमत्कार आ पराक्रमी चमत्कार करीहें, ताकि इस्राएल के लोग अपना पुरखन के परमेश्वर यहोवा से डेरा सके आ उनकर सब रास्ता पर चले, उ लोग आ उनकर वंशज पूरा दिन उनकरा पीछे चल सके।
9 मेलोल बीस साल के रहले जब उ राज करे लगले अवुरी उ चौनब्बे साल तक राज कईले अवुरी पूरा मिस्र के उनुकर नाम फिरौन रखलस, जईसे कि मिस्र में उनुका प राज करेवाला हर राजा के संगे कईल जाए।
10 ओह घरी अफ्रीका के राजा अंजियस के सब सेना लूटपाट खातिर हमेशा के तरह चित्तीम के देश में फइलल निकलल।
11 एसाव के बेटा एलीफाज के बेटा सीफो ओ लोग के खबर सुन के अपना सेना के संगे ओ लोग से मिले गईले अवुरी उहाँ सड़क प ओ लोग से लड़ाई लड़ले।
12 जेफो अफ्रीका के राजा के सैनिकन के तलवार के धार से मार दिहलस आ ओह लोग में से केहू के ना बचल आ अफ्रीका में केहू भी अपना मालिक के लगे ना लवटल।
13 एलीफाज के बेटा ज़ेफो अपना सब सेना के नष्ट क देले रहले, इ बात सुन के अंजियस अपना सब सेना के, अफ्रीका के सब आदमी के, समुंदर के किनारे बालू निहन लोग के जुटा लेले।
14 आंगियास अपना भाई लूकुस के लगे भेजले कि, “अपना सब आदमी के संगे हमरा लगे आके हमरा के ज़ेफो अवुरी कित्तीम के सभ बच्चा के मारे में मदद कर, जवन कि हमरा आदमी के नाश कईले बाड़े, अवुरी लुकस अपना पूरा सेना के संगे आईल, जवन कि बहुत बड़ सेना रहे, अवुरी अपना भाई के मदद करे खाती आईल।
15 जब सफो आ कित्तीम के लोग इ बात सुन के बहुत डेरा गईले अवुरी ओ लोग के दिल में बहुत आतंक आ गईल।
16 जब सीफो एदोम के राजा बेदाद के बेटा हदाद आ एसाव के सब संतान के एदोम के देश में एगो चिट्ठी भेजले।
17 हम सुनले बानी कि अफ्रीका के राजा एंगेस अपना भाई के साथे हमनी के खिलाफ लड़ाई करे खातिर हमनी के लगे आवत बाड़े, आ हमनी के ओकरा से बहुत डेरात बानी जा, काहे कि ओकर सेना बहुत बड़ बा, खासकर जब उ अपना भाई आ अपना सेना के साथे हमनी के खिलाफ ओइसहीं आवेला।
18 अब तू भी हमरा साथे आके हमार मदद करऽ, आ हमनी के एक साथ अंजियस आ ओकर भाई लुकस से लड़ब जा, आ तू हमनी के ओह लोग के हाथ से बचा लेबऽ, लेकिन अगर ना त जान लीं कि हमनी के सब मर जाईब जा।
19 एसाव के लोग कित्तीम के लोग आ ओह लोग के राजा सफो के चिट्ठी भेज के कहलस कि, “हमनी के अंगेआस आ ओकर लोग के खिलाफ लड़ाई नईखी क सकत काहेकि हमनी के बीच एतना साल से शांति के वाचा बनल बा, पहिला राजा बेला के जमाना से अवुरी मिस्र के राजा याकूब के बेटा यूसुफ के जमाना से, जेकरा संगे हमनी के यरदन के ओ पार जब उ अपना पिता के अंतिम संस्कार कईले रहले।

20 जब सीफो अपना भाई एसाव के संतान के बात सुनलस त उ ओ लोग से परहेज कईलस अवुरी ज़ेफो अंजियस से बहुत डेरा गईल।
21 अंगेआस आ उनकर भाई लुकस आपन सब सेना, लगभग आठ लाख आदमी, कित्तीम के लोग के खिलाफ जुट गईले।
22 कित्तीम के सब लोग जेफो से कहलस कि, "हमनी खातिर तोहरा पुरखन के परमेश्वर से प्रार्थना कर, शायद उ हमनी के अंजेआस आ ओकर सेना के हाथ से बचा सकेले, काहेकि हमनी के सुनले बानी जा कि उ एगो बड़ भगवान हवे अवुरी उनुका प भरोसा करेवाला सभ के उ बचावेले।
23 जब सीफो उनकर बात सुनलस त ज़ेफो प्रभु के खोजत कहलस|
24 0 हमार पुरखा इब्राहीम आ इसहाक के परमेश्वर प्रभु, आज हम जानत बानी कि तू सच्चा भगवान हउअ आ जाति के सब देवता व्यर्थ आ बेकार बाड़े।
25 आजु हमरा खातिर हमनी के बाप अब्राहम के साथे आपन वाचा याद करऽ जवन हमनी के पुरखा लोग हमनी के बतवले रहे आ आज हमरा साथे कृपा से करऽ आ हमनी के पुरखा इब्राहीम आ इसहाक के खातिर हमरा आ कित्तीम के लइकन के अफ्रीका के राजा के हाथ से बचाईं जे हमनी के खिलाफ लड़ाई खातिर आवेला।
26 तब परमेस् वर सफो के आवाज सुनलन आ अब्राहम आ इसहाक के चलते उनकर आदर कइलन आ परमेस् वर सफो आ कित्तीम के संतान के अंजियस आ उनकर लोग के हाथ से बचा लिहलन।
27 ओह दिन सफो अफ्रीका के राजा अंगेआस आ ओकर सब लोग से लड़ल आ प्रभु अंगेआस के सब लोग के कित्तीम के लोग के हाथ में दे दिहलन।
28 अँगेआस पर लड़ाई बहुत भयंकर हो गइल आ ज़ेफो तलवार के धार से अंजियस आ उनकर भाई लूकस के सब आदमी के मार दिहलस आ ओह दिन साँझ ले लगभग चार लाख आदमी ओह लोग से गिर गइलन।
29 जब अंजियस देखलस कि उनकर सब आदमी नाश हो गइल बा त अफ्रीका के सब निवासी लोग के एगो चिट्ठी भेजलस कि उ लोग अपना लगे आवे, ताकि उ लोग लड़ाई में सहायता करस, आ चिट्ठी में लिखले कि, "अफ्रीका में जे भी मिलेला, उ लोग दस साल से ऊपर के उमिर से हमरा लगे आवे। सब लोग हमरा लगे आवे, आ देखऽ, अगर ऊ ना आई त ऊ मर जाई आ ओकरा लगे जवन कुछ बा, ओकरा पूरा घर के साथे, राजा ले लीहें.
30 अफ्रीका के बाकी सब निवासी अंजियस के बात से डेरा गईले अवुरी दस साल से ऊपर के करीब तीन लाख आदमी अवुरी लईका शहर से बाहर निकल गईले अवुरी उ लोग अंगियास पहुंचले।
31 दस दिन के अंत में अंजियस सफो आ कित्तीम के लोग के खिलाफ लड़ाई के फेर से लड़ाई शुरू कईले अवुरी ओ लोग के बीच बहुत बड़ अवुरी मजबूत लड़ाई भईल।
32 अँगेआस आ लुकस के सेना से ज़ेफो बहुत घायल लोग के अपना हाथ में भेज दिहलन, लगभग दू हजार आदमी, आ ओही लड़ाई में अंजियस के सेना के सेनापति सोसिफ्तार गिर गइलन।
33 जब सोसिफ्तार गिर गइल त अफ्रीकी सेना भागे खातिर पीठ फेर लिहलस आ ऊ लोग भाग गइल आ अंगेआस आ उनकर भाई लुकस ओह लोग के साथे रहले।
34 जब सफो आ कित्तीम के लोग ओह लोग के पीछा कइलन आ सड़क पर अबहियो करीब दू सौ आदमी के मार दिहलन आ ऊ लोग अंजियस के बेटा अजद्रुबल के पीछा कइलन जे अपना बाप के साथे भाग गइल रहे आ ओकर बीस आदमी के सड़क पर मार दिहलन आ अज़्द्रुबल कित्तीम के लोग से बच गइलन आ ऊ लोग ओकरा के ना मार पवलसि.
35 अंगेआस आ ओकर भाई लुकस अपना बाकी आदमी लोग के साथे भाग गइलन आ ऊ लोग भाग के आतंकित होके अफ्रीका में आ गइलन आ अंजियस के दिन भर डर लागल कि कहीं एलीफाज के बेटा ज़ेफो ओकरा से लड़ाई ना कर मत जाव.

अध्याय 64 के बा

1 ओह घरी बेओर के बेटा बिलाम अंगेआस के साथे लड़ाई में रहले आ जब ऊ देखले कि सिफो अंगेआस पर हावी हो गइल बा त ऊ उहाँ से भाग के कित्तीम आ गइलन।
2 जब सीफो आ कित्तीम के लोग ओकरा के बहुत आदर से स्वागत कइल, काहे कि सिफो बिलाम के बुद्धि के जानत रहे आ सिफो बिलाम के बहुत वरदान दिहलन आ ऊ बिलाम के साथे रह गइलन।
3 जब सीफो युद्ध से लवटलन त ऊ कित्तीम के सब लइकन के गिने के आदेश दिहलन जे उनका साथे लड़ाई में गइल रहले, त देखले कि केहू के छूटल ना।
4 जब सीफो एह बात से खुश हो गइलन आ ऊ अपना राज्य के नवीकरण कइलन आ अपना सब प्रजा के भोज बनवले.
5 लेकिन जेफो प्रभु के याद ना कइलन आ ई ना सोचलन कि प्रभु उनकरा के लड़ाई में मदद कइले बाड़न आ अफ्रीका के राजा के हाथ से उनकरा आ उनकर लोग के बचा लिहले बाड़न, लेकिन फिर भी कित्तीम के लोग आ एसाव के दुष्ट संतान के रास्ता पर चलत रहलन, अउर दूसर देवता लोग के सेवा करे खातिर चलत रहलन, जवन उनकर भाई एसाव के लोग उनका के सिखवले रहले। एह से कहल जाला कि दुष्ट से दुष्टता निकलेला।
6 सीफो कित्तीम के सब संतान पर सुरक्षित रूप से राज कइलन, लेकिन ऊ प्रभु के ना जानत रहलन जे उनका आ उनकर सब लोग के अफ्रीका के राजा के हाथ से बचा लिहले बाड़न। आ अफ्रीका के सेना अब हमेशा के तरह लूटपाट करे खातिर चित्तिम में ना आइल काहे कि ऊ लोग ज़ेफो के ताकत के बारे में जानत रहे जे ओह सब के तलवार के धार से मार दिहले रहे, एही से अंजियस पूरा दिन एलीफाज के बेटा ज़ेफो आ कित्तीम के संतान से डेरात रहे।
7 ओह घरी जब ज़ेफो युद्ध से लवटल रहले आ जब ज़ेफो देखले रहले कि कइसे ऊ अफ्रीका के सगरी लोग पर जीत हासिल कइले रहले आ लड़ाई में ओह लोग के तलवार के धार से मार दिहले रहले, तब ज़ेफो कित्तीम के लोग के साथे सलाह दिहलन कि याकूब के बेटा आ मिस्र के राजा फिरौन के साथे लड़ाई करे खातिर मिस्र जास।
8 काहेकि सीफो सुनले कि मिस्र के पराक्रमी मर गइल बाड़े आ यूसुफ आ ओकर भाई याकूब के बेटा मर गइल बाड़े आ ओकर सब संतान इस्राएल मिस्र में रह गइल बाड़े।
9 जब ऊ लोग हेब्रोन में याकूब के दफनावे खातिर चढ़ल रहे, तब जब ऊ लोग यूसुफ अपना भाई लोग आ पूरा मिस्र के साथे कनान

देश में मार दिहले रहले, ओह लोग के आ पूरा मिस्र के खिलाफ लड़ाई करे जाए के सोचलस।
10 जब सीफो एदोम के राजा बेदाद के बेटा हदाद आ ओकर सब भाई एसाव के संतान के लगे दूत भेजले।
11 का रउवां इ ना कहनी कि रउवां अफ्रीका के राजा से ना लड़ब काहे कि उ रउवा वाचा के सदस्य ह? देखऽ हम ओकरा से लड़ के ओकरा आ ओकर सब लोग के मार देनी।
12 अब हम मिस्र आ याकूब के संतान के खिलाफ लड़ाई लड़े के ठान लेले बानी जवन कि उहाँ के याकूब के संतान से लड़ब, आ हम ओह लोग से बदला लेब, जवन यूसुफ, ओकर भाई आ पुरखा लोग कनान देश में हमनी के साथे कईले रहले, जब उ लोग अपना पिता के हेब्रोन में दफनावे गईल रहले।
13 अब अगर तू हमरा लगे आवे के इच्छुक होखब कि हम ओह लोग आ मिस्र के खिलाफ लड़ाई लड़े में हमरा के सहायता कर सकीले त हमनी के अपना भाई लोग के मुकदमा के बदला लेब जा।
14 एसाव के लोग सफो के बात सुन के एसाव के लोग बहुत बड़ लोग के संगे जुट गईले अवुरी उ लोग सीफो अवुरी कित्तीम के लोग के लड़ाई में मदद करे चल गईले।
15 जब सीफो पूरब के सब लोग आ इस्माइल के सब लोग के लगे एही तरह के बात भेजलस, आ उ लोग मिस्र के खिलाफ लड़ाई में ज़ेफो आ कित्तीम के लोग के मदद में जुट गईले।
16 ई सब राजा, एदोम के राजा, पूरब के लोग, इस्माइल के सब संतान आ कित्तीम के राजा सफो के लोग निकल के आपन सब सेना के हेब्रोन में सजवा दिहले।
17 डेरा बहुत भारी रहे, तीन दिन के दूरी तक फैलल रहे, जवन लोग समुंदर के किनारे बालू निहन रहे, जवना के गिनती नईखे कईल जा सकत।
18 ई सब राजा आ उनकर सेना उतर के पूरा मिस्र के खिलाफ लड़ाई में आके पथ्रोस के घाटी में डेरा डाल दिहले।
19 पूरा मिस्र ओह लोग के खबर सुन के मिस्र के सब लोग आ मिस्र के सब शहरन के लगभग तीन लाख आदमी एकट्ठा हो गइल।
20 मिस्र के लोग भी इस्राएल के लोग के लगे भेजले जवन ओह दिन गोशेन देश में रहले, कि उ लोग के लगे आवे ताकि उ लोग ए राजा लोग के संगे लड़ाई करे।
21 इस्राएल के लोग एकट्ठा होके लगभग एक सौ पचास आदमी रहले आ मिस्र के लोग के सहायता करे खातिर लड़ाई में निकल गईले।
22 इस्राएल आ मिस्र के लोग लगभग तीन लाख आदमी आ एक लाख पचास आदमी के साथे निकल गइलन आ ऊ लोग एह राजा लोग के ओर लड़ाई में चल गइलन आ गोशेन के बाहर से पथ्रोस के सामने खड़ा हो गइलन।
23 मिस्र के लोग इस्राएल पर विश्वास ना कइल कि ऊ लोग अपना डेरा में एक साथ लड़ाई में जाई, काहे कि सब मिस्र के लोग कहत रहे कि शायद इस्राएल के लोग हमनी के एसाव आ इस्माइल के संतान के हाथ में सौंप दी काहे कि ऊ लोग आपन भाई हवे।
24 तब सब मिस्र के लोग इस्राएल के लोग से कहलस कि, "तू लोग इहाँ एक संगे खड़ा रहब अवुरी हमनी के जाके एसाव अवुरी इस्माइल के संतान से लड़ब जा, अवुरी जदी इ राजा हमनी प हावी हो जईहे त तू एकदम से ओ लोग प आके हमनी के मदद करी, अवुरी इस्राएल के लोग अयीसन कईले।
25 कित्तीम के राजा एसाव के बेटा एलीफाज के बेटा सफो, एदोम के राजा बेदाद के बेटा हदाद आ उनकर सब डेरा, पूरब के सब लोग आ इस्माइल के संतान, जवन लोग बालू निहन रहे, तखपंच के सामने पथ्रोस घाटी में एक संगे डेरा डालले।
26 अरामी बेओर के बेटा बिलाम उहाँ सफो के डेरा में रहले, काहे कि उ कित्तीम के लोग के संगे लड़ाई में आईल रहले अवुरी बिलाम सफो अवुरी उनुका आदमी के नजर में बहुत सम्मानित आदमी रहले।
27 जब सीफो बिलाम से कहलस, "हमनी खातिर भविष्यवाणी कर के कोशिश करऽ कि हमनी के पता चल सके कि लड़ाई में के जीती, हमनी भा मिस्र के लोग।
28 बिलाम उठ के भविष्यवाणी करे के कला के परीक्षण कइलन आ ओकरा के ज्ञान में निपुण हो गइलन बाकिर ऊ भ्रमित हो गइलन आ काम उनका हाथ में नाश हो गइल.
29 ऊ फेर से कोशिश कइलन बाकिर सफल ना भइल आ बिलाम एकरा से निराश हो गइलन आ ओकरा के छोड़ के पूरा ना कइलन काहे कि ई प्रभु के ओर से भइल रहे कि जेफो आ ओकर लोग इस्राएल के लोग के हाथ में पड़ जाव, जे लोग अपना युद्ध में अपना पुरखन के परमेश्वर प्रभु पर भरोसा कइले रहे।
30 जब सफो आ हदाद आपन सेना के लड़ाई में जुट गइलन आ सब मिस्र के लोग अकेले ओह लोग के खिलाफ चल गइलन, लगभग तीन लाख आदमी, आ इस्राएल के एको आदमी ओह लोग के साथे ना रहे।
31 पथरोस आ तचपंच के सामने सब मिस्र के लोग एह राजा लोग के साथे लड़ाई लड़ल आ मिस्र के लोग के खिलाफ लड़ाई कड़ा हो गइल।
32 ओह लड़ाई में राजा मिस्र के लोग से भी ताकतवर रहले आ ओह दिन मिस्र के लगभग एक सौ अस्सी आदमी गिर गइलें आ राजा लोग के सेना के लगभग तीस आदमी आ मिस्र के सब आदमी राजा लोग के सामने से भाग गइलें, एही से एसाव आ इस्माइल के लोग मिस्र के लोग के पीछा करत उहाँ तक पहुँचल जहाँ इस्राएल के लोग के डेरा रहे।
33 तब सब मिस्र के लोग इस्राएल के लोग से चिल्ला के कहलस कि, "जल्दी से हमनी के मदद करीं आ एसाव, इस्माइल आ कित्तीम के लोग के हाथ से बचाईं।"
34 इस्राएल के लोग के सौ पचास आदमी अपना स्टेशन से दौड़ के एह राजा लोग के डेरा में चल गईले अवुरी इस्राएल के लोग अपना परमेश्वर यहोवा से पुकार के कहले कि उ लोग के बचावे।
35 तब यहोवा इस्राएल के बात सुनले आ प्रभु राजा लोग के सब आदमी के ओह लोग के हाथ में दे दिहलन आ इस्राएल के लोग एह राजा लोग से लड़ल आ इस्राएल के लोग राजा लोग के लगभग चार हजार आदमी के मार दिहल।
36 तब परमेस् वर राजा लोग के डेरा में बहुत घबरा गइलन कि इस्राएल के लोग के डर ओह लोग पर पड़ गइल।
37 राजा लोग के सब सेना इस्राएल के लोग के सामने से भाग गईल आ इस्राएल के लोग कुश देश के सीमा तक ओ लोग के पीछा करत रहल।
38 इस्राएल के लोग सड़क पर दू हजार आदमी के मार दिहल आ इस्राएल के लोग में से एकहु ना गिरल।

39 जब मिस्र के लोग देखल कि इस्राएल के लोग राजा लोग के साथे एतना कम आदमी के साथे लड़ल बा आ ओह लोग के खिलाफ लड़ाई बहुत कड़ा हो गइल बा।
40 मजबूत लड़ाई के चलते सब मिस्र के लोग अपना जान से बहुत डेरा गईले अवुरी पूरा मिस्र भाग गईले, हरेक आदमी सज-धज के सेना से लुका गईले अवुरी सड़क प लुका गईले अवुरी इस्राएली के लड़ाई खाती छोड़ देले।
41 इस्राएल के लोग राजा लोग के बहुत भयंकर प्रहार कइल आ ऊ लोग ओह लोग के कुश के सीमा पर भगा दिहला के बाद ओह लोग से वापस आ गइल।
42 पूरा इस्राएल के मालूम रहे कि मिस्र के लोग उनुका संगे जवन काम कईले बाड़े, उ लोग लड़ाई में ओ लोग से भाग गईल बाड़े अवुरी अकेले लड़ाई खाती छोड़ देले बाड़े।
43 एही से इस्राएल के लोग भी धूर्तता से काम कइलस आ जब इस्राएल के लोग लड़ाई से लवटत रहे त रास्ता में कुछ मिस्र के लोग के मिल के उहाँ मार दिहलस।
44 जब उ लोग ओ लोग के मारत रहले त उ लोग इ बात कहले।
45 तू हमनी के छोड़ के हमनी के कुछ लोग के रूप में काहे छोड़ के एह राजा लोग से लड़ल जा, जेकरा लगे हमनी के मारे खातिर बहुत बड़ लोग रहे, ताकि तू लोग अपना जान के बचावल जा सके?
46 इजराइली लोग के सड़क पर मिलल कुछ लोग के बारे में इजराइल के लोग एक दूसरा से कहलस कि, "मार, मार, काहे कि उ इश्माएल या एदोमी या कित्तीम के लोग के ह, आ उ लोग ओकरा ऊपर खड़ा होके ओकरा के मार देले अवुरी उ लोग जान गईले कि उ मिस्र के हवे।
47 इस्राएल के लोग मिस्र के लोग के खिलाफ धूर्तता से इ काम कईले, काहेकी उ लोग युद्ध में ओ लोग के छोड़ के भाग गईल रहले।
48 इस्राएल के लोग मिस्र के लोग में से लगभग दू सौ आदमी के सड़क पर एही तरह से मार दिहलस।
49 मिस्र के सब आदमी के देखल कि इस्राएल के लोग के जवन बुराई उ लोग के संगे कईले रहले, एहसे पूरा मिस्र इस्राएल के लोग से बहुत डेरा गईल, काहेंकी उ लोग आपन बहुत ताकत देख लेले रहले अवुरी उ लोग में से एकहु आदमी के ना गिरल रहे।
50 एही से इस्राएल के सब लोग गोशेन के रास्ता में खुशी-खुशी वापस आ गईले अवुरी बाकी मिस्र के लोग हर एक आदमी अपना जगह प लवट गईले।

अध्याय 65 के बा

1 एह सब के बाद मिस्र के राजा फिरौन के सब सलाहकार आ मिस्र के सब बुजुर्ग लोग एकट्ठा होके राजा के सोझा आके जमीन के सामने झुक गईले अवुरी उनुका सोझा बईठ गईले।
2 मिस्र के सल्लाहकार आ बुजुर्ग राजा से कहलन।
3 देख, इस्राएल के लोग हमनी से बड़ आ ताकतवर बा, आ तू जानत बाड़ कि जब हमनी के लड़ाई से लवटत घरी उ लोग हमनी के रास्ता में जवन बुराई कईले रहले।
4 आ तू ओह लोग के मजबूत शक्ति भी देखले बाड़ऽ, काहे कि ई शक्ति ओह लोग खातिर बालू नियर संख्या में लोग के खिलाफ खड़ा होके ओह लोग के तलवार के धार से मार दिहलस, आ अपना से केहू गिरल नइखे, ताकि अगर उ लोग संख्या में रहित त उ लोग के पूरा तरह से नाश कर देले रहित।
5 अब हमनी के सलाह दीं कि हमनी के ओह लोग के का कइल जाव, जबले कि हमनी के धीरे-धीरे ओह लोग के अपना बीच से नाश ना कर देब जा, कहीं ऊ लोग हमनी के देश में बहुत ढेर ना हो जाव।
6 अगर इस्राएल के लोग एह देश में बढ़िहें त उ लोग हमनी खातिर बाधा बन जइहें आ अगर कवनो युद्ध होखे के संभावना बा त उ लोग अपना बहुत ताकत से हमनी के दुश्मन के साथे मिल के हमनी के खिलाफ लड़ाई लड़िहे, हमनी के देश से नाश कर दिहे आ ओकरा से दूर हो जइहें।
7 राजा मिस्र के बुजुर्ग लोग से कहलन, "इस्राएल के खिलाफ इहे योजना बा, जवना से हमनी के ना निकलब जा।
8 देखऽ, एह देश में पिथोम आ रामसेस हउवें, जवन युद्ध के खिलाफ बेगढ़ शहर ह, एकरा के बनावे आ किलाबंदी करे के काम तोहरा आ हमनी के बा।
9 अब तू भी जाके ओह लोग के साथे धूर्तता से काम करऽ आ राजा के आदेश पर मिस्र आ गोशेन में एगो आवाज सुनाईं।
10 तू मिस्र के सब आदमी, गोशेन, पथ्रोस आ ओकरा में रहे वाला सब लोग! राजा हमनी के आज्ञा देले बाड़न कि पिथोम आ रामसेस के निर्माण करीं आ ओह लोग के लड़ाई खातिर किलाबंदी करीं। जे तोहनी में से पूरा मिस्र, इस्राएल के आऊ शहरन के निवासी लोग में से, जे हमनी के साथे निर्माण करे के इच्छुक बा, ओकरा के राजा के आदेश पर रोज आपन मजदूरी दिहल जाई। त पहिले जाके धूर्तता करीं, आ अपना के बटोर के पिथोम आ रामसेस में निर्माण करे आ जाईं।
11 जबले तूँ निर्माण करत बाड़ऽ, तब तक राजा के आदेश से पूरा मिस्र में हर दिन एह तरह के घोषणा कराईं।
12 जब इस्राएल के कुछ लोग तोहरा साथे निर्माण करे अइहें त कुछ दिन खातिर रोज ओह लोग के मजदूरी देब।
13 आ जब ऊ लोग रउरा साथे आपन रोजमर्रा के किराया पर बनवला का बाद रोज एक-एक क के लुका के ओह लोग से घसीटत रहऽ आ फेर उठ के ओह लोग के टास्क-मास्टर आ अफसर बनब आ ओकरा बाद ओह लोग के बिना मजदूरी के निर्माण करे खातिर छोड़ देब आ अगर ऊ लोग मना कर देव त अपना पूरा ताकत से ओह लोग के निर्माण करे खातिर मजबूर कर दीं.
14 अगर तू अयीसन करब त हमनी के ठीक होई कि हमनी के इस्राएल के लोग के खिलाफ आपन देश मजबूत कईल जाए, काहेंकी इमारत अवुरी काम के थकान के चलते इस्राएल के संतान कम हो जईहे, काहेंकी तू ओ लोग के पत्नी से दिन-ब-दिन वंचित क देब।
15 मिस्र के सब बुजुर्ग राजा के सलाह सुनले अवुरी उ लोग के नजर में अवुरी फिरौन के सेवक अवुरी पूरा मिस्र के नजर में इ सलाह निमन लागल अवुरी उ लोग राजा के वचन के मुताबिक काम कईले।
16 तब सब नौकर राजा से दूर होके पूरा मिस्र, तचपंच आ गोशेन आ मिस्र के चारो ओर के सब शहरन में एगो घोषणा कर दिहले।
17 तू देखले बाड़ कि एसाव आ इस्माइल के संतान हमनी के संगे का कईले, जवन कि हमनी के खिलाफ लड़ाई में आईल रहले अवुरी हमनी के नाश करे के चाहत रहले।

18 राजा हमनी के आज्ञा देले कि अगर उ लोग फेर से हमनी के खिलाफ आवे त उ देश के मजबूत करे के, पिथोम अवुरी रामसेस शहर के निर्माण करे के अवुरी लड़ाई खाती मजबूत करे के।
19 तोहनी में से जे भी पूरा मिस्र आ इस्राएल के लोग से हमनी के साथे निर्माण करे आई, ओकरा के राजा के रोज के मजदूरी दिहल जाई, जईसे कि उनुकर आज्ञा हमनी के बा।
20 जब मिस्र आ पूरा इस्राएल के लोग फिरौन के नौकरन के सब बात सुनल त मिस्र के लोग आ इस्राएल के लोग फिरौन के नौकर, पिथोम आ रामसेस के साथे निर्माण करे आइल, लेकिन लेवी के कवनो लोग अपना भाई लोग के साथे निर्माण करे ना आइल।
21 फिरौन के सब नौकर आ उनकर राजकुमार पहिले धोखा से पूरा इस्राएल के साथे रोजाना के भाड़ा के मजदूर के रूप में निर्माण करे लगले आ शुरू में इजराइल के आपन रोज के किराया दे दिहले।
22 फिरौन के सेवक पूरा इस्राएल के साथे काम बनवले आ एक महीना तक इस्राएल के साथे ओह काम में लागल रहले।
23 महीना के अंत में फिरौन के सब नौकर रोज इस्राएल के लोग से गुप्त रूप से दूर होखे लगले।
24 ओह घरी इस्राएल काम करत रहलन, बाकिर तब ओह लोग के रोज के भाड़ा मिलत रहे काहे कि ओह घरी मिस्र के कुछ आदमी इस्राएल के साथे काम करत रहले. एह से मिस्र के लोग ओह दिनन में इस्राएल के आपन किराया दे दिहल ताकि उ लोग, जे मिस्र के लोग उनकर साथी काम करे वाला लोग, भी अपना मेहनत के वेतन ले सके।
25 एक साल चार महीना के अंत में सब मिस्र के लोग इस्राएल के लोग से दूर हो गईल रहे, जवना से इस्राएल के लोग अकेले काम में लागल रह गईले।
26 तब सब मिस्र के लोग इस्राएल के लोग से हटला के बाद उ लोग वापस आके ओह लोग पर अत्याचारी आ अफसर बन गइलन आ ओह लोग में से कुछ लोग इस्राएल के लोग के ऊपर काम के मालिक बन के खड़ा हो गइलन कि उ लोग ओह लोग से जवन कुछ दिहलस उ सब अपना मेहनत के वेतन के रूप में दिहलस।
27 मिस्र के लोग इस्राएल के लोग के काम में दुख देवे खातिर दिन-प्रतिदिन अयीसन करत रहले।
28 इस्राएल के सब लोग अकेले एह काम में लागल रहले आ मिस्र के लोग तब से इस्राएल के लोग के कवनो वेतन देवे से परहेज करत रहले।
29 जब इस्राएल के कुछ लोग मजदूरी ना मिलला के चलते काम करे से इनकार क देले त वसूली करे वाला अवुरी फिरौन के सेवक ओ लोग के अत्याचार कईले अवुरी भारी मार देले अवुरी अपना भाई के संगे काम करे खाती जबर्दस्ती वापस क देले। अईसने सब मिस्र के लोग इस्राएल के लोग के साथे पूरा दिन करत रहले।
30 एह मामला में सब इस्राएल के लोग मिस्र के लोग से बहुत डेरा गईले अवुरी सभ इस्राएल के लोग वापस आके बिना वेतन के अकेले काम कईले।
31 इस्राएल के लोग पिथोम आ रामसेस के निर्माण कइल आ सब इस्राएल के लोग काम कइल, केहू ईंट बनावे आ कुछ लोग निर्माण कइल, आ इस्राएल के लोग पूरा मिस्र के देवाल आ ओकर देवालन के निर्माण आ किलाबंदी कइल आ इस्राएल के लोग बहुत साल तक काम में लागल रहे, जबले कि ऊ समय ना आ गइल जब प्रभु ओह लोग के याद ना कर के मिस्र से बाहर ना ले अइले।
32 लेवी के लोग शुरू से लेके मिस्र से निकले के दिन तक अपना इस्राएल के भाई लोग के संगे काम में ना लागल रहले।
33 लेवी के सब संतान जानत रहले कि मिस्र के लोग इ सब बात इस्राएली लोग के धोखा से कहले बाड़े, एहसे लेवी के संतान अपना भाई के संगे काम करे से परहेज कईले।
34 मिस्र के लोग लेवी के संतान के काम करे खातिर आपन ध्यान ना दिहल, काहे कि शुरू में उ लोग अपना भाई लोग के संगे ना रहले, एहसे मिस्र के लोग ओ लोग के अकेले छोड़ देले।
35 मिस्र के लोग के हाथ एह काम में इस्राएल के लोग के खिलाफ लगातार कठोरता से चलत रहे आ मिस्र के लोग इस्राएल के लोग के कठोरता से काम करवले।
36 मिस्र के लोग मेहनत से, मोर्टार आ ईंट से, आ खेत में हर तरह के काम से इस्राएल के लोग के जीवन के कड़ुआ कर दिहल।
37 इस्राएल के लोग मिस्र के राजा मेलोल के "मिस्र के राजा मेरोर" कहले काहे कि उनकरा जमाना में मिस्र के लोग हर तरह के काम से आपन जीवन कड़वा देले रहले।
38 मिस्र के लोग जवना काम में इस्राएल के लोग के मेहनत करत रहे, उ सब कड़ाई से मेहनत करत रहे, ताकि उ लोग इस्राएल के लोग के दुखी कर सके, लेकिन जेतना जादा दुखी करत रहले, ओतने बढ़ल अवुरी बढ़त गईले अवुरी मिस्र के लोग इस्राएल के संतान के चलते दुखी होखत रहले।

अध्याय 66 के बा

1 ओही समय एदोम के राजा बेदाद के बेटा हदाद आ पूरब के लोग के देश मेसरका के समला के मौत हो गइल।
2 मिस्र के राजा फिरौन के शासन के तेरहवाँ साल में, जवन इस्राएलियन के मिस्र में उतरे के सौ पच्चीसवाँ साल रहे, समला अठारह साल तक एदोम पर राज कइले रहले।
3 जब ऊ राज कइलन त ऊ आपन सेना के एलीफाज के बेटा सफो आ कित्तीम के लोग से लड़ाई करे खातिर निकल गइलन काहे कि ऊ लोग अफ्रीका के राजा अंजियस से लड़ाई लड़ले रहुवे आ ओकर पूरा सेना के नाश कर दिहले रहुवे.
4 लेकिन ऊ ओकरा से लड़ाई ना कइलन काहे कि एसाव के लोग ओकरा के रोक के कहत रहे कि ऊ ओह लोग के भाई ह, एहसे सामला एसाव के संतान के आवाज सुन के अपना सब सेना के साथे एदोम के देश में वापस आ गइलन आ एलीफाज के बेटा सफो से लड़ाई ना कइलन।
5 मिस्र के राजा फिरौन इ बात सुन के कहले, "एदोम के राजा समला कित्तीम के लोग से लड़ाई करे के ठान लेले बाड़े अवुरी ओकरा बाद उ मिस्र से लड़ाई करे आईहे।"
6 मिस्र के लोग ई बात सुन के इस्राएल के लोग पर मेहनत बढ़ा दिहल कि कहीं इस्राएल के लोग ओह लोग के साथे ओइसन ना करस जइसे हदाद के जमाना में एसाव के लोग के साथे लड़ाई में कइले रहले।
7 तब मिस्र के लोग इस्राएल के लोग से कहलस कि, "जल्दी से आपन काम पूरा करऽ आ देश के मजबूत करऽ, कहीं तोहार भाई एसाव के लोग हमनी के खिलाफ लड़ाई ना करस, काहे कि तोहनी के चलते उ लोग हमनी के खिलाफ आ जइहें।

8 इस्राएल के लोग मिस्र के लोग के काम दिन पर दिन करत रहे आ मिस्र के लोग इस्राएल के लोग के एह देश में कम करे खातिर दुखी करत रहे।
9 जइसे मिस्र के लोग इस्राएल के लोग पर मेहनत बढ़ल, ओइसहीं इस्राएल के लोग बढ़ल आ बढ़ल आ पूरा मिस्र इस्राएल के लोग से भर गइल।
10 इस्राएल के मिस्र में उतरला के सौ पच्चीसवाँ साल में सब मिस्र के लोग देखल कि इस्राएल के खिलाफ उनकर सलाह सफल ना भइल, बल्कि उ लोग बढ़ल आ बढ़ल आ मिस्र के देश आ गोशेन के देश इस्राएल के लोग से भर गइल।
11 तब मिस्र के सब बुजुर्ग आ ओकर बुद्धिमान राजा के सोझा आके उनुका के प्रणाम क के उनुका सोझा बईठ गईले।
12 मिस्र के सब बुजुर्ग आ ओकर ज्ञानी राजा से कहले, "राजा हमेशा खातिर जिंदा रहस। तू हमनी के इस्राएल के लोग के खिलाफ सलाह देले रहलू अवुरी हमनी के राजा के वचन के मुताबिक उनुका संगे काम कईनी।
13 लेकिन श्रम के बढ़े के अनुपात में उ लोग देश में बढ़ेला आ बढ़ेला आ देखऽ कि पूरा देश ओह लोग से भरल बा।
14 अब हमनी के मालिक आ राजा, पूरा मिस्र के नजर तोहरा पर बा कि तोहरा बुद्धि से ओह लोग के सलाह दीं, जवना से ऊ लोग इस्राएल पर हावी हो सके कि ऊ लोग ओह लोग के नाश कर सके भा देश से कम कर सके. राजा ओह लोग के जवाब दिहलन, "एह बात में तोहनी के सलाह दीं कि हमनी के पता चल सके कि ओह लोग के का कइल जाव."
15 उज के देश मेसोपोटामिया के रहे वाला राजा के सलाहकार में से एगो अधिकारी राजा के जवाब दिहलस।
16 अगर राजा के अच्छा लागे त उ अपना सेवक के सलाह सुनस। राजा ओकरा से कहलस, "बोलऽ।"
17 अय्यूब राजा, राजकुमारन आ मिस्र के सब बुजुर्गन के सामने बोलल।
18 देख, राजा के जवन सलाह पहिले इस्राएल के लोग के मेहनत के बारे में सलाह देले रहले, उ बहुत निमन बा, अवुरी तू मेहनत करेवाला लोग से हमेशा खाती मत दूर मत करीं।
19 लेकिन इहे सलाह बा जवना से रउआ ओह लोग के कम कर सकेनी, अगर राजा के ओह लोग के दुख देवे के अच्छा लागे।
20 देख, हमनी के बहुत दिन से युद्ध से डेरात रहनी जा, आ हम कहनी कि जब इस्राएल देश में फल पैदा करी त जदी कवनो युद्ध होखे त उ हमनी के देश से भगा दिहे।
21 अगर राजा के मन करे त एगो राजकीय फरमान जारी होखे आ मिस्र के कानून में लिखल होखे जवना के रद्द ना कइल जाई कि इस्राएलियन से पैदा होखे वाला हर लइका के खून जमीन पर गिरावल जाव.
22 आ तोहरा अइसन कइला से जब इस्राएल के सब नर संतान मर जइहें त ओह लोग के लड़ाई के बुराई खतम हो जाई। राजा अयीसन करे अवुरी सभ हिब्रू दाई के बोलावे अवुरी ए मामला में एकरा के फांसी देवे के आदेश देस; त ई बात राजा आ राजकुमारन के नीक लागल आ राजा अय्यूब के वचन के मुताबिक काम कइलन।
23 राजा इब्रानी दाई लोग के बोलावे के भेजले, जवना में से एगो दाई के नाम शेफ्रा रहे अवुरी दूसरा दाई के नाम पुआह रहे।
24 दाई राजा के सोझा आके उनुका सोझा खड़ा हो गईली।
25 राजा ओह लोग से कहले, "जब तू लोग इब्रानी मेहरारू लोग के दाई के काम करब आ ओकरा के मल पर देखब त अगर ऊ बेटा होखे त ओकरा के मार दीं, बाकिर अगर बेटी होखे त ऊ जिंदा रही।
26 लेकिन अगर तू इ काम ना करब त हम तोहके आ तोहार सब घर के आग से जरा देब।
27 दाई लोग भगवान से डेरात रहली आ ना मिस्र के राजा के बात ना सुनत रहली आ ना ही उनकर बात सुनत रहली आ जब हिब्रू मेहरारू दाई के बेटा भा बेटी के जनम देत रहली त दाई बच्चा के साथे जवन कुछ जरूरी रहे उ सब कर देत रहली आ ओकरा के जिंदा कर देत रहली। एही तरे दाई लोग दिन भर करत रहली।
28 राजा के इ बात बतावल गईल त उ दाई के बोलावे के भेजले अवुरी उ ओ लोग से कहले कि, "तू अयीसन काहें कईले अवुरी बच्चा के जिंदा क देले बानी?
29 दाई लोग जवाब देके राजा के सामने एक संगे बात कईली।
30 राजा के इ मत सोचे के चाहीं कि इब्रानी मेहरारू मिस्र के मेहरारू नियर बाड़ी, काहे कि इस्राएल के सब संतान स्वस्थ हो गइल बाड़ी आ दाई के आवे से पहिले ओह लोग के प्रसव हो जाला, आ हमनी के तोहार नौकरानी के, बहुत दिन से कवनो इब्रानी मेहरारू हमनी पर ना पैदा कइले बाड़ी, काहे कि सब इब्रानी मेहरारू आपन दाई हई, काहे कि ऊ लोग स्वस्थ बाड़ी।
31 फिरौन ओह लोग के बात सुन के ओह लोग पर विश्वास कइलन आ दाई लोग राजा से दूर हो गइल आ भगवान ओह लोग के साथे बढ़िया व्यवहार कइलन आ लोग बहुते बढ़ गइल आ बहुते बढ़ गइल.

अध्याय 67 के बा

1 मिस्र के देश में लेवी के वंशज के एगो आदमी रहे, जेकर नाम अम्राम रहे, जे केहत के बेटा रहे, जवन इस्राएल के बेटा लेवी के बेटा रहे।
2 इ आदमी जाके एगो पत्नी योकेबेद के बियाह कईले, जवन कि अपना बाप के बहिन लेवी के बेटी योकेबेद रहली अवुरी उ एक सौ छब्बीस साल के रहली अवुरी उ उनुका लगे पहुंचले।
3 ऊ मेहरारू गर्भवती होके एगो बेटी के जनम दिहलस आ ओकर नाम मरियम रखलस, काहे कि ओह घरी मिस्र के लोग इस्राएल के लोग के जान कड़वा देले रहे।
4 उ फेर से गर्भवती होके एगो बेटा के जनम कईली अवुरी उनुकर नाम हारून रखलस, काहेंकी उनुका गर्भधारण के दिन में फिरौन इस्राएल के पुरुष के खून बहावे लगले।
5 ओही दिन में कित्तीम के राजा एसाव के बेटा एलीफाज के बेटा सीफो मर गइलन आ ओकरा जगहा जनेआस राज कइलन।
6 जब सीफो कित्तीम के लोग पर राज कइलन ऊ पचास साल रहल आ ऊ मर गइलन आ कित्तीम के देश के नबना शहर में दफनावल गइलन.
7 कित्तीम के संतान के एगो पराक्रमी जनेआस उनका बाद राज कइलन आ ऊ पचास साल तक राज कइलन।
8 कित्तीम के राजा के मौत के बाद ही बेओर के बेटा बिलाम कित्तीम के देश से भाग गईले अवुरी मिस्र के राजा फिरौन के लगे मिस्र पहुंचले।

9 फिरौन उनकरा के बहुत आदर से स्वागत कइलन काहे कि ऊ उनकर बुद्धि के बारे में सुनले रहले आ उ उनका के उपहार देके सलाहकार बना के उनकरा के बड़हन बना दिहले।
10 बिलाम राजा के सब कुलीन लोग के साथे आदर के साथ मिस्र में रह गइलन आ कुलीन लोग उनकरा के ऊपर उठावत रहले, काहे कि उ सब उनकर बुद्धि सीखे के लालसा करत रहले।
11 इस्राएल के मिस्र उतरला के सौ तीसवाँ साल में फिरौन सपना में देखले कि उ अपना राजसिंहासन प बईठल बाड़े, त उ आँख उठा के देखले कि उनुका सोझा एगो बुढ़ आदमी खड़ा बाड़े अवुरी बुढ़ऊ के हाथ में तराजू रहे, जवन कि व्यापारी लोग के इस्तेमाल होखेला।
12 बुढ़ऊ तराजू लेके फिरौन के सामने लटका दिहलस।
13 बुढ़ऊ मिस्र के सब बुजुर्ग आ ओकर सब कुलीन आ बड़का लोग के लेके एक तराजू में डाल दिहलस।
14 ऊ एगो दूध वाला बच्ची लेके दूसरा तराजू में डाल दिहलन आ बच्ची सब पर हावी हो गइल।
15 फिरौन एह भयानक दर्शन से अचरज में पड़ गईले कि बच्ची के सबसे ऊपर काहें हावी हो गईल, त फिरौन जाग गईले अवुरी देखले कि इ सपना रहे।
16 फिरौन सबेरे-सबेरे उठ के अपना सभ नौकर के बोलवले अवुरी सपना सुनवले अवुरी आदमी बहुत डेरा गईले।
17 राजा अपना सब ज्ञानी लोग से कहले, "हम जवन सपना देखले रहनी ओकर व्याख्या करऽ ताकि हम ओकरा के जान सकीले।"
18 बेओर के बेटा बिलाम राजा से कहलस कि, एकर मतलब अवुरी कुछ नईखे, सिवाय एगो बड़ बुराई के जवन कि अंतिम समय में मिस्र के खिलाफ पैदा होई।
19 काहेकि इस्राएल के एगो बेटा पैदा होई जवन पूरा मिस्र आ ओकरा निवासी लोग के नाश करी आ इस्राएलियन के एगो ताकतवर हाथ से मिस्र से बाहर निकाल दिही।
20 अब हे राजा, एह बात पर सलाह लीं कि मिस्र के खिलाफ ई बुराई पैदा होखे से पहिले तू इस्राएल के लोग के उम्मीद आ ओह लोग के उम्मीद के नष्ट कर दीं।
21 राजा बिलाम से कहलस, "हम इस्राएल के का करब? निश्चित रूप से हमनी के पहिले एगो खास तरीका से ओह लोग के खिलाफ सलाह देले रहनी जा आ ओह लोग पर हावी ना हो पवनी जा।
22 अब तोहनी के ओह लोग के खिलाफ सलाह भी दीं जवना से हमनी के ओह लोग पर हावी हो सकीले।
23 बिलाम राजा के जवाब देले, "अब भेज के आपन दुनो सलाहकार के बोलाव, त हमनी के देखब कि ए मामला में उनुकर का सलाह बा अवुरी ओकरा बाद तोहार सेवक बोली।
24 राजा अपना दुनो सलाहकार के मिद्यानी रेउल आ उजी के अय्यूब के बोलावे के भेजले अवुरी उ लोग राजा के सोझा आके बईठ गईले।
25 राजा ओह लोग से कहलस, "हम जवन सपना देखले बानी आ ओकर मतलब दुनु सुनले बानी। अब एह से सलाह दीं आ जान लीं आ देखीं कि इस्राएल के लोग के का होखे वाला बा, जवना से हमनी के ओह लोग पर हावी हो सकीले, एहसे पहिले कि ओह लोग के बुराई हमनी पर पैदा ना होखे.
26 मिद्यानी रुएल राजा से कहलस, "राजा जिंदा रहस, राजा हमेशा खातिर जिंदा रहस।"
27 अगर राजा के अच्छा लागे त उ इब्रानियन के छोड़ के ओ लोग के छोड़ के चल जास अवुरी ओ लोग के खिलाफ हाथ मत बढ़ावस।
28 काहेकि इहे उ लोग हवें जेकरा के प्रभु पुरान दिन में चुनले रहले आ धरती के सब जाति आ धरती के राजा लोग के बीच से आपन विरासत के भाग्य में ले लिहले रहले। आ के बा जे दंडहीनता के ओह लोग पर हाथ बढ़वले बा, जेकर बदला ओह लोग के भगवान ना लिहले रहले?
29 तू जरूर जानत बाड़ कि जब अब्राहम मिस्र गइलन त मिस्र के पहिले के राजा फिरौन अपना मेहरारू सारा के देख के ओकरा के मेहरारू बना लिहलन काहे कि अब्राहम कहले रहले कि ऊ हमार बहिन हई काहे कि ऊ डेरात रहले कि कहीं मिस्र के आदमी ओकरा मेहरारू का चलते ओकर हत्या ना कर देव.
30 जब मिस्र के राजा सारा के पकड़ लिहले त परमेश्वर ओकरा आ ओकरा घर के लोग के भारी विपत्ति से मार दिहलन, जब तक कि उ अपना पत्नी सारा के अब्राहम के वापस ना ले अइले, तब तक उ ठीक हो गईले।
31 पलिस्तीयन के राजा गेरारी अबीमेलेक अब्राहम के पत्नी सारा के चलते आदमी से लेके जानवर तक के हर गर्भ के रोक के सजा देले।
32 जब रात के सपना में उनकर परमेस् वर अबीमेलेक के लगे अईले आ ओकरा के डेरा दिहले ताकि उ अब्राहम के चारा के वापस कर सकस, जेकरा के उ ले गईल रहले, अवुरी ओकरा बाद सारा के चलते गेरार के सभ लोग के सजा मिल गईल अवुरी इब्राहीम ओ लोग खाती अपना भगवान से प्रार्थना कईले अवुरी उनुका से निहोरा कईले अवुरी उ ओ लोग के ठीक क देले।
33 अबीमेलेक अपना आ अपना लोग पर भइल एह सब बुराई से डेरा गइलन आ ऊ अपना मेहरारू सारा अब्राहम के लगे लवट के उनुका के बहुते वरदान दे दिहलन.
34 जब उ इसहाक के गेरार से भगा दिहलन त उ इसहाक के भी अयीसन कईले अवुरी भगवान ओकरा संगे अद्भुत काम कईले कि गेरार के सभ पानी के धार सूख गईल अवुरी ओकर उपज वाला पेड़ ना पैदा भईल।
35 जब तक गेरार के अबीमेलेक आ ओकर एगो दोस्त अहुज्जत आ ओकर सेना के सेनापति पिकोल ओकरा लगे ना गइलन आ ऊ लोग झुक के ओकरा सोझा जमीन पर झुक गइलन.
36 उ लोग उनकरा खातिर विनती करे के निहोरा कइलन आ ऊ ओह लोग खातिर प्रभु से प्रार्थना कइलन आ प्रभु उनकरा से निहोरा कइलन आ ऊ ओह लोग के ठीक कर दिहलन।
37 याकूब, जे सादा आदमी रहे, ओकर अखंडता से ओकर भाई एसाव आ ओकर माई के भाई अरियाई लाबान के हाथ से मुक्त हो गइल। ओइसहीं कनान के सब राजा लोग के हाथ से जे ओकरा आ ओकरा लइकन के नाश करे खातिर एकजुट भइल रहे आ प्रभु ओह लोग के हाथ से बचा लिहले, कि ऊ लोग ओह लोग पर मुड़ के मार दिहल, काहे कि के कबो दंडहीनता के ओह लोग पर हाथ बढ़वले रहे?
38 पहिलका फारो, तोहार बाप के बाप, याकूब के बेटा यूसुफ के आपन बुद्धि देख के मिस्र के सब राजकुमारन से ऊपर उठवले, काहेकि उ अपना बुद्धि से देश के सब निवासी के अकाल से बचा लेले।

39 ओकरा बाद ऊ याकूब आ उनकर लइकन के मिस्र उतरे के आदेश दिहलन ताकि उ लोग के गुण से मिस्र आ गोशेन के देश अकाल से मुक्त हो सके।
40 अब अगर तोहरा नजर में अच्छा लागे त इस्राएल के लोग के नाश कईल बंद कर दीं, लेकिन अगर तोहार इच्छा ना होई कि उ लोग मिस्र में रहस त ओ लोग के इहाँ से भेज दीं ताकि उ लोग कनान देश में चल जास, जहवां उनुकर पुरखा प्रवास कईले रहले।
41 जब फिरौन जेथ्रो के बात सुन के ओकरा पर बहुत नाराज हो गइलन आ राजा के सामने से लाज से उठ के अपना देश मिद्यान में चल गइलन आ यूसुफ के लाठी लेके चल गइलन।
42 राजा उज़ी अय्यूब से कहलस, "तू अय्यूब के का कहत बाड़ू आ इब्रानियन के बारे में तोहार का सलाह बा?"
43 अय्यूब राजा से कहलस, "देखऽ, देश के सब निवासी तोहरा अधिकार में बाड़े, राजा जवन अच्छा लागत बा, उहे करस।"
44 राजा बिलाम से कहलस, "हे बिलाम, तू का कहत बाड़ू, आपन बात कहऽ कि हमनी के सुन सकीले।"
45 बिलाम राजा से कहलस, "राजा इब्रानियन के खिलाफ जवन भी सलाह देले बाड़े, ओकरा में से उ लोग के बचावल जाई अवुरी राजा कवनो सलाह से ओ लोग प हावी ना होईहे।
46 अगर तू ओह लोग के ज्वालामुखी आग से कम करे के सोचत बाड़ऽ त तू ओह लोग पर हावी ना हो सकब काहे कि ओह लोग के परमेस् वर ओह लोग के बाप अब्राहम के कल्दीयन के उर से बचा लिहले बाड़न। आ अगर तू ओह लोग के तलवार से नाश करे के सोचत बाड़ऽ त ओह लोग के बाप इसहाक के ओकरा से बचावल गइल आ ओकरा जगहा एगो मेढ़क डाल दिहल गइल.
47 अगर तू कठिन आ कड़ा मेहनत से ओह लोग के कम करे के सोचत बाड़ू त तू एह में भी जीत ना पाईब काहे कि ओह लोग के बाप याकूब हर तरह के मेहनत में लाबान के सेवा कइले रहले आ समृद्ध भइले।
48 अब हे राजा, हमार बात सुन, काहे कि इहे सलाह बा जवन ओह लोग के खिलाफ बनावल गइल बा, जवना से तू ओह लोग पर हावी होखब आ जवना से तू ना हटब।
49 अगर राजा के मन करे त आजु से पैदा होखे वाला सब लइकन के पानी में फेंके के आदेश देस काहे कि एह से तू ओह लोग के नाम पोंछ सकेलऽ काहे कि ओह लोग में से केहू के आ ना ही ओह लोग के बाप-दादा के एह तरह से परीक्षा ना भइल रहे।
50 राजा बिलाम के बात सुन के राजा आ राजकुमार लोग के मन खुश हो गईल अवुरी राजा बिलाम के वचन के मुताबिक काम कईले।
51 राजा पूरा मिस्र देश में एगो घोषणा अवुरी कानून बनावे के आदेश देले, जवना में कहल गईल कि, "आज से इब्रानियन से पैदा भईल हरेक बच्चा के पानी में फेंक दिहल जाई।"
52 फिरौन अपना सभ नौकरन के आवाज देके कहले, "अब जा के गोशेन देश में खोजीं जहाँ इस्राएल के लोग बाड़े, आ देखऽ कि इब्रानियन के जनमल हर लइका के नदी में फेंक दिहल जाई, लेकिन हर बेटी के जिंदा कर दीं।"
53 जब इस्राएल के लोग इ बात सुन के जवन फिरौन अपना नर लइकन के नदी में फेंके के आज्ञा देले रहले, त कुछ लोग अपना मेहरारू से अलग हो गईले अवुरी कुछ लोग ओ लोग के संगे चल गईले।
54 ओह दिन से जब इस्राएल के ओह मेहरारूवन के प्रसव के समय आइल जवन अपना पति के साथे रह गइल रहली त ऊ लोग खेत में बच्चा पैदा करे खातिर चल गइली आ खेत में आपन लइकन के छोड़ के अपना घरे लवट गइली.
55 आ प्रभु जे ओह लोग के पुरखन के किरिया खइले रहले कि ऊ लोग के बढ़े के किरिया खइले रहले, ऊ अपना एगो सेवक स्वर्गदूत के भेजले रहले जवन हर बच्चा के पानी से धोवे, ओकरा के अभिषेक करे आ ओकरा के लपेटे आ ओकरा हाथ में दू गो चिकना पत्थर डाले, जवना में से ऊ दूध आ दुसरका शहद चूसले रहे, आ ओकर बाल घुटना तक बढ़ा दिहले, जवना से ऊ अपना के ढंक सके। ओकरा के दिलासा देबे खातिर आ ओकरा से चिपकल रहे खातिर, ओकरा प्रति अपना करुणा के माध्यम से।
56 जब भगवान ओह लोग पर दया कइलन आ ओह लोग के देश के सतह पर बढ़े के इच्छा कइलन त ऊ अपना धरती के आदेश दिहलन कि ऊ लोग ओह लोग के बड़ होखे के समय तक ओहमें संरक्षित राखल जाव, ओकरा बाद धरती आपन मुँह खोल के ओह लोग के उल्टी कर दिहलसि आ ऊ लोग शहर से धरती के जड़ी-बूटी आ जंगल के घास नियर अंकुरित हो गइल आ ऊ लोग हर केहू अपना परिवार आ जंगल के घास नियर अंकुरित हो गइल उनकर बाप के घर में आ उ लोग ओह लोग के साथे रह गइलन।
57 इस्राएल के लइका-लइकी धरती पर खेत के जड़ी-बूटी नियर रहलन, परमेश्वर के कृपा से।
58 जब सब मिस्र के लोग ई बात देख के हर केहू अपना बैल के जुआ आ हल के जूआ लेके अपना खेत में निकल गईले अवुरी उ लोग ओकरा के ओसही जोतले, जईसे बीज के समय धरती जोतेला।
59 जब उ लोग जोतत रहले त उ लोग इस्राएल के शिशु के चोट ना पहुंचा पवले, एहसे लोग बढ़ गईले अवुरी बहुत बढ़ गईले।
60 फिरौन अपना अफसरन के रोज गोशेन जाके इस्राएल के बच्चा के खोजे के आदेश देत रहले।
61 जब ऊ लोग एगो खोज के मिलल त ओकरा के जबरन ओकरा माई के छाती से लेके नदी में फेंक दिहल, लेकिन मादा बच्चा के अपना महतारी के संगे छोड़ देले। मिस्र के लोग पूरा दिन इस्राएलियन के साथे अइसने करत रहलन।

अध्याय 68 के बा

1 तब ही परमेश्वर के आत्मा हारून के बहिन अम्राम के बेटी मरियम पर रहे आ उ घर के बारे में भविष्यवाणी करत कहली कि, "देखीं, अब हमरा बाप-माई से हमनी के एगो बेटा पैदा होई अवुरी उ इस्राएल के मिस्र के हाथ से बचाई।
2 जब अम्राम अपना बेटी के बात सुनलस त उ अपना पत्नी के वापस घर में ले गईले, जब फिरौन याकूब के घर के हर नर बच्चा के पानी में फेंके के आदेश देले रहले।
3 अम्राम आपन मेहरारू योकेबेद के भगा दिहला के तीन साल बाद ले लिहलन आ ऊ ओकरा लगे अइले आ ऊ गर्भवती हो गइली.
4 गर्भधारण के सात महीना के अंत में उ एगो बेटा के जनम कईली अवुरी पूरा घर में सूरज अवुरी चाँद के चमक के रोशनी निहन बहुत रोशनी भरल रहे।

5 जब उ महिला बच्चा के देखली कि उ बच्चा निमन अवुरी देखाई देवे में निमन बा, त उ ओकरा के तीन महीना तक भीतरी कमरा में छिपा देलस।
6 ओह घरी मिस्र के लोग ओहिजा के सब इब्रानियन के नाश करे के साजिश रचले।
7 मिस्र के मेहरारू लोग गोशेन चल गइली जहाँ इस्राएल के लोग रहले आ ऊ लोग अपना लइका के अपना कान्ह पर लेके चलल, जवन कि अबहीं ले बोल ना पावत रहे।
8 आ ओह घरी जब इस्राएल के मेहरारू लोग के बच्चा पैदा भइल रहे त हर मेहरारू अपना बेटा के मिस्र के लोग से छिपा के रखले रहे ताकि मिस्र के लोग के बच्चा पैदा होखे के बारे में पता ना चल सके आ ऊ लोग के देश से नाश ना कर सके।
9 मिस्र के मेहरारू गोशेन अइली आ उनकर लइका जे बोल ना पावत रहले, उनकर कान्ह पर बइठल रहले आ जब एगो मिस्र के मेहरारू एगो इब्रानी मेहरारू के घर में अइली त उनकर लइका रोवे लागल।
10 जब ई चिल्ला उठल त भीतर के कमरा में मौजूद लइका ओकरा के जवाब दिहलस त मिस्र के मेहरारू लोग फिरौन के घरे जाके एकरा के बतवली।
11 फिरौन अपना अफसरन के भेजले कि उ लईकन के लेके मार देस। मिस्र के लोग पूरा दिन इब्रानी मेहरारू लोग के साथे अइसने करत रहे।
12 योकेबेद के बेटा के छिपावे के करीब तीन महीना के बाद फिरौन के घर में इ बात के पता चलल।
13 अफसरन के अइला से पहिले ऊ मेहरारू अपना बेटा के ले जाए खातिर जल्दीबाजी कइली आ ओकरा खातिर एगो बुल्श के सन्दूक लेके ओकरा के चिपचिपाहट आ गड़हा से रंग के ओह बच्चा के ओहमें डाल दिहली आ ओकरा के नदी के किनारे झंडा में बिछा दिहली।
14 उनकर बहिन मरियम दूर खड़ा होके जान गईली कि उनकर का होई आ उनकर बात के का होई।
15 ओह घरी परमेस् वर मिस्र के देश में एगो भयंकर गर्मी भेजले, जवन आदमी के मांस के अपना चक्कर में सूरज निहन जरा दिहलस अवुरी मिस्र के लोग प बहुत अत्याचार कईलस।
16 तब सब मिस्र के लोग नदी में नहाए खातिर उतरल, काहे कि उ लोग के मांस जरा दिहलस।
17 फिरौन के बेटी बथिया भी नदी में नहाए गईली, जवना के चलते उनुकर लईकी अवुरी मिस्र के सभ महिला नदी के किनारे चलत रहली।
18 बथिया नदी के ओर आँख उठा के पानी पर सन्दूक देखली आ अपना नौकरानी के ओकरा के ले आवे खातिर भेजली।
19 ऊ ओकरा के खोल के लइका के देखली त देखनी कि लइका रोवत रहे आ ओकरा पर दया आवत रहे आ कहली कि ई इब्रानी लइका में से एगो ह।
20 नदी के किनारे चलत मिस्र के सब मेहरारू ओकरा के दूध पियावे के चाहत रहली, लेकिन उ दूध ना पिएले, काहेकि इ बात प्रभु के ओर से रहे, ताकि उनुका के अपना महतारी के छाती में वापस ले आवल जा सके।
21 ओह घरी उनकर बहिन मरियम नदी के किनारे मिस्र के मेहरारू लोग के बीच में रहली आ ऊ ई बात देखली आ फिरौन के बेटी से कहली, "का हम जाके इब्रानी मेहरारू लोग के दूध पिया के ले आवऽ कि ऊ तोहरा खातिर बच्चा के दूध पियावे?"
22 फिरौन के बेटी ओकरा से कहलस, "जा, युवती जाके बच्चा के महतारी के बोलवलस।
23 फिरौन के बेटी योकेबेद से कहली कि, "एह बच्चा के लेके हमरा खातिर दूध पिया द, हम तोहरा मजदूरी, रोज दु-दु चांदी देब। आ मेहरारू लइका के लेके दूध पियावलस।
24 दू साल के अंत में जब लइका बड़ भइल त ऊ ओकरा के फिरौन के बेटी के लगे ले अइली आ ऊ ओकरा खातिर एगो बेटा नियर हो गइल आ ओकर नाम मूसा रखली काहे कि ऊ कहली कि, "काहे कि हम ओकरा के पानी से निकालले बानी।"
25 ओकर बाप अम्राम ओकर नाम चाबर रखले, काहेकि उ कहले रहले कि, "उ अपना पत्नी से संगत कईले रहले, जवना के उ भटकवले रहले।"
26 उनकर माई योकेबेद उनकर नाम जेकुथिएल रखली काहे कि उ कहली कि हम सर्वशक्तिमान के सामने उनकर आशा रखले बानी आ परमेश्वर उनका के हमरा लगे वापस कर दिहले।
27 उनकर बहिन मरियम ओकरा के जेरेद कहत रहली, काहे कि ऊ उनका पीछे-पीछे नदी पर उतरल रहली कि उनकर अंत का होई।
28 उनकर भाई हारून उनकर नाम अबी ज़नुख रखले आ कहलन कि हमार बाबूजी हमरा माई के छोड़ के अपना माई के लगे वापस आ गईले।
29 अम्राम के पिता केहत ओकर नाम अबीगदोर रखले काहे कि परमेस् वर याकूब के घराना के फाटल जगह के ठीक कर दिहले, जवना से उ लोग अब अपना लईकन के पानी में ना फेंक पवले।
30 ओह लोग के परिचारिका ओकरा के अबी सोचो बोलवली आ कहलस कि, "हाम के संतान के चलते उ तीन महीना तक अपना तम्बू में छिपल रहले।
31 पूरा इस्राएल ओकर नाम नथनेल के बेटा शेमैया रखले काहे कि उ लोग कहत रहे कि, "उनुका जमाना में परमेश्वर ओ लोग के पुकार सुनले बाड़े अवुरी ओ लोग के अत्याचारी लोग से बचा लेले बाड़े।"
32 मूसा फिरौन के घर में रहले अवुरी फिरौन के बेटी बथिया के बेटा के रूप में रहले अवुरी मूसा राजा के संतान के बीच में पलल-बढ़ल रहले।

अध्याय 69 के बा

1 एदोम के राजा ओह दिन में, अपना शासन के अठारहवाँ साल में मर गइलन आ ओकरा के अपना मंदिर में दफना दिहल गइल जवन ऊ एदोम देश में आपन राजघराना बना के अपना खातिर बनवले रहले.
2 एसाव के संतान नदी के किनारे पेथोर में भेजले अवुरी उहाँ से एगो सुंदर आंख अवुरी सुंदर रूप वाला युवक के ले आईल, जेकर नाम शाऊल रहे अवुरी ओकरा के समला के जगह प राजा बनवले।
3 शाऊल एदोम के देश में एसाव के सब संतान पर चालीस साल तक राज कइलन।
4 मिस्र के राजा फिरौन जब देखलन कि बिलाम इस्राएल के लोग के बारे में जवन सलाह देले रहले, उ कामयाब ना भईल, लेकिन तबहूँ उ लोग फलदार बा, पूरा मिस्र देश में बढ़ल अवुरी बढ़ल।

5 तब फिरौन ओह दिन में आज्ञा दिहलन कि पूरा मिस्र में इस्राएल के लोग के एगो घोषणा कइल जाव कि, "केहू अपना रोज के मेहनत से कवनो काम कम ना करे।"
6 आ जे आदमी के रोज जवन मेहनत करेला, चाहे ऊ मोर्टार में होखे भा ईंट में, ओकरा में ओकर छोटका बेटा के ओह लोग के जगह पर राखल जाई।
7 ओह घरी इस्राएल के लोग पर मिस्र के मेहनत मजबूत हो गइल आ देखऽ कि अगर केहू के रोजमर्रा के काम में एक ईंट के कमी होखे त मिस्र के लोग ओकरा छोटका लइका के जबरन ओकरा महतारी से लेके ओकरा के ओह ईंट के जगहा इमारत में डाल दिहल जवना के ओकर पिता कमी छोड़ले रहले.
8 मिस्र के लोग दिन-प्रतिदिन, पूरा दिन बहुत दिन तक पूरा इस्राएल के लोग के संगे अयीसन करत रहले।
9 लेकिन लेवी के गोत्र शुरू से ही इस्राएली लोग के साथे आपन भाई लोग के साथे काम ना करत रहे, काहे कि लेवी के लोग मिस्र के लोग के धूर्तता के जानत रहे जवन उ लोग पहिले इस्राएली लोग के साथे कईले रहे|

अध्याय 70 के बा

1 मूसा के जनम के तीसरा साल में फिरौन एगो भोज में बईठल रहले, जब रानी अल्परानीथ उनुका दाहिना ओर अवुरी बथिया उनुका बाईं ओर बईठल रहले, अवुरी लईका मूसा उनुका छाती प लेट गईल रहले अवुरी बेओर के बेटा बिलाम अपना दुनो बेटा के संगे अवुरी राज्य के सभ राजकुमार राजा के सोझा मेज प बईठल रहले।
2 ऊ लइका राजा के माथा पर हाथ बढ़ा के राजा के माथा से मुकुट निकाल के अपना माथा पर रख दिहलस।
3 राजा आ राजकुमार लोग जब लइका के कइल काम देख के राजा आ राजकुमार लोग घबरा गइल आ एक आदमी अपना पड़ोसी से अचरज के बात कहलस।
4 राजा अपना से पहिले मेज पर बइठल राजकुमारन से कहले, "हे राजकुमार लोग, एह मामिला में तू लोग का कहत बाड़ऽ आ का कहत बाड़ऽ, आ एह काम के चलते लइका के खिलाफ का फैसला होखे वाला बा?
5 जादूगर बेओर के बेटा बिलाम राजा आ राजकुमारन के सोझा जवाब दिहलन आ कहलन कि, "हे हमार मालिक आ राजा, अब याद करऽ, जवन सपना तू बहुत दिन बाद देखले रहलू आ जवना सपना के तोहार सेवक तोहरा के व्याख्या कइले रहलन।"
6 अब इ इब्रानी संतान के एगो बच्चा ह, जेकरा में परमेश्वर के आत्मा बा, आ हमार मालिक राजा इ ना सोचे कि इ नवही बिना जानकारी के इ काम कईले बा।
7 काहेकि उ एगो इब्रानी लइका ह आ बुद्धि आ समझ ओकरा साथे बा, भले ही उ अभी लइका बा, आ बुद्धि से उ इ काम कइले बा आ मिस्र के राज्य अपना खातिर चुनले बा।
8 काहे कि सब इब्रानी लोग के तरीका ह कि उ लोग राजा आ उनकर कुलीन लोग के धोखा देके इ सब काम धूर्तता से करेला ताकि धरती के राजा आ उनकर आदमी के काँप सके।
9 तू जरूर जानत बाड़ कि उनकर बाप अब्राहम अईसन काम कईले, जे बाबेल के राजा निमरोद आ गेरार के राजा अबीमेलेक के सेना के धोखा देले रहले अवुरी उ हेत के लोग के देश अवुरी कनान के सभ राज्य के अपना कब्जा में ले लेले रहले।
10 ऊ मिस्र आ ओकर राजा के गुमराह करे खातिर मिस्र में उतर के आपन मेहरारू सारा के बारे में कहलन कि ऊ हमार बहिन हई।
11 उनकर बेटा इसहाक भी अईसन कईले जब उ गेरार गईले अवुरी उहाँ रह गईले अवुरी पलिस्तीयन के राजा अबीमेलेक के सेना प उनुकर ताकत हावी हो गईल।
12 उ पलिस्तीयन के राज्य के ठोकर खाए के बारे में भी सोचले कि उनुकर पत्नी रिबेका उनुकर बहिन हई।
13 याकूब भी अपना भाई के साथे धोखा कइलन आ ओकरा हाथ से ओकर जम के अधिकार आ आशीर्वाद ले लिहलन।
14 तब ऊ पादान-अराम में अपना महतारी के भाई लाबान के घरे गइलन आ धूर्तता से उनकर बेटी, मवेशी आ आपन सब सामान ले लिहलन आ भाग के कनान देश में अपना बाप के लगे लवट गइलन.
15 उनकर बेटा लोग आपन भाई यूसुफ के बेच दिहल, जे मिस्र में जाके गुलाम बन गइलन आ बारह साल खातिर जेल में रखल गइलन।
16 जब तक कि पहिले के फिरौन सपना ना देख के जेल के घर से बाहर ना निकाल दिहलस आ अपना सपना के व्याख्या करे के चलते मिस्र के सभ राजकुमारन से ऊपर ना बढ़ा दिहलस।
17 जब भगवान पूरा देश में अकाल मचवले त उ अपना पिता अवुरी अपना सभ भाई अवुरी अपना पिता के पूरा घर के लोग के बोला के बिना कवनो कीमत अवुरी इनाम के भरण-पोषण कईले अवुरी मिस्र के लोग के गुलाम खाती खरीद लेले।
18 अब हमार मालिक राजा देखऽ, ई लइका मिस्र में ओह लोग के जगह पर उठल बा, आ हर राजा, राजकुमार आ न्यायाधीश के साथे तुच्छ बात करे खातिर उठल बा।
19 अगर राजा के मन करे त अब ओकर खून जमीन पर उझल दीं, कहीं ऊ बड़ होके तोहरा हाथ से शासन ना छीन लेव आ ओकरा राज कइला के बाद मिस्र के आशा नाश ना हो जाव।
20 बिलाम राजा से कहलस, "हमनी के मिस्र के सभ न्यायाधीश आ ओकर ज्ञानी लोग के बोलावल जाव आ हमनी के बतावल जाव कि का तू कहला के मुताबिक एह लईका के मौत के सजा मिलेला कि ना, त हमनी के ओकरा के मार देब जा।"
21 फिरौन मिस्र के सब ज्ञानी लोग के बोलावे के भेजले अवुरी उ लोग राजा के सोझा अईले अवुरी ओ लोग के बीच में प्रभु के एगो स्वर्गदूत आ गईले अवुरी उ मिस्र के एगो ज्ञानी लोग निहन रहले।
22 राजा ज्ञानी लोग से कहलस, "तू लोग जरूर सुनले होखब कि इ इब्रानी लईका जवन घर में बा, उ का कईले बा अवुरी बिलाम ए मामला में फैसला कईले बाड़े।
23 अब तोहनी के भी न्याय करीं आ देखऽ कि लइका के कइल काम खातिर का बा।
24 फिरौन के बुद्धिमान लोग में से एगो स्वर्गदूत मिस्र के सब ज्ञानी लोग के सामने आ राजा आ राजकुमारन के सामने जवाब दिहलस।
25 अगर राजा के मन करे त राजा के अइसन आदमी के बोलावे के चाहीं जे अपना सोझा गोमेद के पत्थर आ आग के कोयला ले के लइका के सोझा राखे आ अगर लइका हाथ बढ़ा के गोमेद के पत्थर ले लेव त हमनी के पता चली कि नवही बुद्धि से ऊ सब काम कइले बा आ हमनी के ओकरा के मार देबे के पड़ी.
26 लेकिन अगर उ कोयला प हाथ बढ़ाई त हमनी के पता चली कि उ इ काम जान के ना कईले रहले अवुरी उ जिंदा रह जईहे।

27 राजा आ राजकुमारन के नजर में ई बात बढ़िया लागल, त राजा प्रभु के दूत के वचन के मुताबिक काम कईले।
28 राजा गोमेद के पत्थर आ कोयला के ले आके मूसा के सामने रखे के आदेश दिहलन।
29 ऊ लोग ओह लइका के अपना सोझा रख दिहल आ ऊ लइका गोमेद के पत्थर पर आपन हाथ बढ़ावे के कोशिश कइलस, बाकिर प्रभु के दूत ओकर हाथ पकड़ के कोयला पर रख दिहलस आ ओकरा हाथ में कोयला बुझ गइल आ ऊ ओकरा के उठा के मुँह में डाल दिहलस आ ओकर होंठ के कुछ हिस्सा आ जीभ के कुछ हिस्सा जरा दिहलस आ मुँह में भारी पड़ गइल आ जीभ के बारे में बतावल गइल बा.
30 राजा आ राजकुमार लोग ई देख के जान गइल कि मूसा राजा के माथा से मुकुट उतारला में कवनो बुद्धिमानी के काम ना कइले बाड़न।
31 राजा आ राजकुमार लोग ओह बच्चा के मारे से परहेज कइल, एहसे मूसा बड़ होखत फिरौन के घर में रह गइलन आ प्रभु ओकरा साथे रहले।
32 जब ऊ लइका राजा के घर में रहे तब ऊ बैंगनी रंग के कपड़ा पहिनले रहे आ राजा के लइकन के बीच में बढ़ल रहे।
33 जब मूसा राजा के घर में पलल बढ़ल त फिरौन के बेटी बथिया उनुका के बेटा मान लिहली अवुरी फिरौन के घर के पूरा लोग उनुकर आदर कईले अवुरी मिस्र के सभ आदमी उनुका से डेरा गईले।
34 ऊ रोज गोशेन के देश में जात रहले, जहाँ उनकर भाई इस्राएल के लोग रहले, आ मूसा रोज ओह लोग के सांस के तकलीफ आ मेहनत से देखत रहले।
35 मूसा ओह लोग से पूछले कि, "ई मेहनत तोहनी के दिन पर दिन काहे हो रहल बा?
36 उ लोग उनकरा पर भइल सब बात आ फिरौन के जनम से पहिले जवन भी आज्ञा देले रहले, उ सब बतवले|
37 उ लोग ओकरा के बतवले कि बेओर के बेटा बिलाम उ लोग के खिलाफ जवन सलाह देले रहले अवुरी उ राजा के मुकुट के मुकुट उतारला के बाद उनुका के मारे खाती उनुका खिलाफ का सलाह देले रहले।
38 जब मूसा ई बात सुन के बिलाम पर उनकर गुस्सा भड़क गइल आ ऊ ओकरा के मारे के कोशिश कइलन आ ऊ दिन पर दिन ओकरा खातिर घात लगा के बइठल रहले.
39 बिलाम मूसा से डेरा गइलन आ ऊ आ उनकर दुनु बेटा उठ के मिस्र से निकल गइलन आ ऊ लोग भाग गइलन आ आपन जान बचा के कुश देश में कुश के राजा किकियानुस के लगे ले गइलन.
40 जब मूसा राजा के घर में निकलत आ अंदर आवत रहले त परमेश् वर फिरौन, अपना सभ सेवक आ पूरा मिस्र के लोग के नजर में उनुका के कृपा कईले अवुरी उ लोग मूसा से बहुत प्यार कईले।
41 जब मूसा अपना भाई लोग से मिले गोशेन गईले, उ दिन आईल कि उ इस्राएल के लोग के बोझ अवुरी मेहनत में लागल रहले अवुरी मूसा ओ लोग के चलते दुखी हो गईले।
42 मूसा मिस्र लवट के फिरौन के घरे आके राजा के सोझा अईले अवुरी मूसा राजा के सोझा प्रणाम कईले।
43 मूसा फिरौन से कहले, "हे मालिक, हम तोहरा से एगो छोट निहोरा माँगे आइल बानी, खाली मुँह मत मोड़ऽ। फिरौन ओकरा से कहलस, "बोलऽ।"
44 मूसा फिरौन से कहले, "गोशेन में मौजूद इस्राएल के लोग के तोहरा सेवकन के एक दिन दिहल जाव कि उ लोग अपना मेहनत से आराम करस।"
45 राजा मूसा के जवाब दिहलन, "देखऽ, हम तोहार निहोरा पूरा करे खातिर एह बात में तोहार मुँह उठवले बानी।
46 फिरौन पूरा मिस्र आ गोशेन में एगो घोषणा जारी करे के आदेश दिहलन कि।
47 तोहनी, सब इस्राएल के लोग, राजा इ कहत हव कि छह दिन तक तू आपन काम आ मेहनत करब, लेकिन सातवाँ दिन आराम करब आ कवनो काम के पहिले से ना करऽ, जइसे कि राजा आ बथिया के बेटा मूसा के आज्ञा दिहल गइल बा।
48 राजा के इ बात से मूसा खुश हो गईले अवुरी इस्राएल के सभ लोग मूसा के आदेश के मुताबिक काम कईले।
49 इ बात यहोवा के ओर से इस्राएल के लोग खातिर रहे, काहेकि प्रभु इस्राएल के लोग के याद करे लगले रहले कि उ लोग के बाप-दादा के खातिर उ लोग के बचावल जा सके।
50 प्रभु मूसा के साथे रहलन आ उनकर प्रसिद्धि पूरा मिस्र में चल गइल।
51 मूसा सब मिस्र के लोग आ सब इस्राएल के लोग के नजर में महान हो गइलन आ अपना लोग इस्राएल खातिर भलाई के खोज करत राजा से ओह लोग के बारे में शांति के बात कहले।

अध्याय 71 के बा

1 जब मूसा अठारह साल के भइले त ऊ अपना बाप-माई के देखे के इच्छा कइलन आ ऊ ओह लोग के लगे गोशेन चल गइलन आ जब मूसा गोशेन के लगे अइले त ऊ ओहिजा चहुँप गइलन जहाँ इस्राएल के लोग काम में लागल रहे आ ऊ ओह लोग के बोझ के देखत देखलन आ देखलन कि एगो मिस्र के आदमी अपना एगो इब्रानी भाई के मारत बा.
2 जब पिटाईल आदमी मूसा के देखलस त उ मदद खातिर दौड़ल, काहेकि उ आदमी मूसा के फिरौन के घर में बहुत इज्जत कईल जात रहे, अवुरी उ उनुका से कहलस कि, हमार मालिक हमरा के देखभाल करीं, इ मिस्री रात में हमरा घरे आईल अवुरी हमरा के बान्ह के हमरा सोझा हमरा पत्नी के लगे आईल अवुरी अब उ हमार जान छीने के कोशिश करता।
3 जब मूसा ई दुष्ट बात सुनले त उनकर गुस्सा मिस्र के आदमी पर भड़क गइल आ ऊ एही ओर मुड़ गइलन आ जब देखलन कि ओहिजा केहू नइखे त ऊ मिस्र के मार के बालू में छिपा दिहलन आ हिब्रू के मारे वाला के हाथ से बचा लिहलन.
4 इब्रानी लोग अपना घरे चल गइल आ मूसा अपना घरे लवट के राजा के घरे वापस आ गइलन।
5 जब उ आदमी घरे लवट गईल त उ अपना पत्नी के खारिज करे के सोचले, काहेकि याकूब के घर में इ ठीक ना रहे कि कवनो आदमी अपना पत्नी के अशुद्ध होखला के बाद अपना पत्नी के लगे आवे।
6 महिला जाके अपना भाई लोग के बतवली त महिला के भाई लोग ओकरा के मारे के कोशिश कईले अवुरी उ अपना घर में भाग गईले अवुरी भाग गईले।

7 दूसरा दिन मूसा अपना भाई लोग के लगे गईले अवुरी देखले कि दु आदमी झगड़ा करत रहले अवुरी उ दुष्ट से कहले, "तू अपना पड़ोसी के काहें मारतारे?
8 ऊ ओकरा से पूछले, "के तोहरा के हमनी के राजकुंवर आ न्यायकर्ता के रूप में रखले बा? का तू हमरा के ओइसहीं मारे के सोचत बाड़ऽ जइसे मिस्र के हत्या कइले बाड़ऽ? मूसा डेरा गइलन आ कहलन, "सचहूँ बात पता चल गइल बा?"
9 फिरौन इ बात सुन के मूसा के मारे के आदेश देले, त भगवान आपन दूत भेजले अवुरी उ फिरौन के सोझा पहरेदार के सेनापति के रूप में देखाई देले।
10 तब प्रभु के दूत पहरेदार के सेनापति के हाथ से तलवार लेके ओकरा संगे ओकर माथा उतार लिहले, काहेकि पहरेदार के सेनापति के प्रतिरूप मूसा के रूप में बदल गईल रहे।
11 तब प्रभु के दूत मूसा के दाहिना हाथ पकड़ के मिस्र से निकाल के मिस्र के सीमा से बाहर से चालीस दिन के दूरी पर रखले।
12 तब उनकर भाई हारून अकेले मिस्र के देश में रह गइलन आ ऊ इस्राएल के लोग से भविष्यवाणी कइलन।
13 तोहनी के पुरखन के परमेश्वर यहोवा इ कहत हव कि, हर आदमी के आँख के घिनौना चीज फेंक दीं आ मिस्र के मूर्ति से अपना के अशुद्ध मत करीं।
14 तब इस्राएल के लोग विद्रोह कइल आ ओह घरी हारून के बात ना सुनल।
15 प्रभु ओह लोग के नाश करे के सोचले, का ना कि प्रभु अब्राहम, इसहाक आ याकूब के साथे कइल वाचा के याद कइले रहले।
16 ओह घरी फिरौन के हाथ इस्राएल के लोग के खिलाफ कड़ा रहल आ ऊ ओह लोग के कुचलत आ अत्याचार करत रहलन जब तक कि भगवान आपन वचन भेजले आ ओह लोग के संज्ञान ना लिहले।

अध्याय 72 के बा

1 ओही दिन में कुश के लोग आ पूरब के लोग आ अराम के लोग के बीच बहुत लड़ाई भइल आ ऊ लोग कुश के राजा के खिलाफ विद्रोह कइल, जेकरा हाथ में ऊ लोग रहे।
2 कुश के राजा किकियानुस कुश के सभ संतान के संगे निकल गईले, जवन कि बालू निहन संख्या में रहे अवुरी उ अराम अवुरी पूरब के लोग के खिलाफ लड़ाई करे गईले, ताकि उ लोग के अधीन होखे।
3 जब किकियानुस निकलल त बिलाम के जादूगर के अपना दुनो बेटा के संगे शहर अवुरी देश के सबसे निचले लोग के पहरा देवे खाती छोड़ गईले।
4 एह से किकियानुस अराम आ पूरब के लइकन के लगे गइल आ ऊ ओह लोग से लड़ के मार दिहलस आ ऊ सब किकियानुस आ ओकर लोग के सामने घायल होके गिर गइल।
5 ऊ ओह लोग में से बहुते लोग के बंदी बना लिहलन आ पहिले जइसन ओह लोग के अधीन कर दिहलन आ हमेशा का तरह ओह लोग से कर लेबे खातिर ओह लोग के देश पर डेरा डाल दिहलन.
6 बेओर के बेटा बिलाम जब कुश के राजा ओकरा के शहर आ शहर के गरीबन के रखवाली करे खातिर छोड़ दिहलन त ऊ उठ के देश के लोग के साथे सलाह दिहलन कि राजा किकियनस के खिलाफ विद्रोह करस, जब घरे आवे के बा त ओकरा के शहर में ना जाए दीं।
7 देश के लोग उनकर बात सुन के उनकर कसम खइले आ उनकर दुनु बेटा के सेना के सेनापति बनावे के राजा बनवले।
8 उ लोग उठ के शहर के देवाल के दुनो कोना से ऊपर उठवले अवुरी एगो बहुत मजबूत इमारत बनवले।
9 तीसरा कोना पर शहर आ पूरा कुश देश के चारो ओर से घेरले नदी के बीच में बिना संख्या में खाई खोदत रहले आ ओहिजा नदी के पानी फट गइलन।
10 चउथा कोना पर ऊ लोग अपना मंत्र आ मंत्रमुग्ध से कई गो साँप के बटोर के शहर के किलाबंदी बना के ओहिजा रह गइल आ केहू ओह लोग के आगे ना निकलल आ ना भीतर गइल।
11 किकियानुस अराम आ पूरब के लोग से लड़ल आ ऊ पहिले नियर ओह लोग के अपना वश में कर लिहलस आ ऊ लोग ओकरा के आपन हमेशा के कर दिहल आ ऊ जाके अपना देश में लवट गइल.
12 जब कुश के राजा किकियानुस आ ओकरा साथे सेना के सब सेनापति अपना शहर के नजदीक पहुंचले त उ लोग आँख उठा के देखले कि शहर के देवाल बनल बा अवुरी बहुत ऊँच बा, एहसे उ लोग ए बात से अचरज में पड़ गईले।
13 उ लोग एक दूसरा से कहलस, "ई एह से कि उ लोग देखल कि हमनी के लड़ाई में देरी हो गईल बानी अवुरी हमनी से बहुत डेरा गईले, एहसे उ लोग इ काम कईले अवुरी शहर के देवाल के खड़ा क के ओकरा के मजबूत कईले, ताकि कनान के राजा ओ लोग के खिलाफ लड़ाई में ना आ सकस।
14 राजा आ सेना शहर के दुआर के नजदीक पहुंचले त उ लोग आँख उठा के देखले कि शहर के सब फाटक बंद हो गईल बा अवुरी उ लोग पहरादार के आवाज़ देके कहलस कि, हमनी के खोल के शहर में घुस जानी।
15 लेकिन पहरेदार लोग अपना राजा बिलाम जादूगर के आदेश से ओ लोग के सामने खोले से मना क देले, उ लोग ओ लोग के अपना शहर में ना जाए देले।
16 त उ लोग शहर के फाटक के सामने ओ लोग के संगे लड़ाई लड़ले अवुरी ओ दिन किकियानुस में सेना के एक सौ तीस आदमी गिर गईले।
17 अगिला दिने उ लोग लड़त रहलन आ नदी के किनारे लड़त रहलन। ऊ लोग गुजरे के कोशिश कइल बाकिर ना हो पावल, एहसे कुछ लोग गड्ढा में डूब के मर गइल.
18 राजा उ लोग के पेड़ काट के बेड़ा बनावे के आदेश देले, जवना प उ लोग ओ लोग के लगे जा सके, अवुरी उ लोग अयीसन कईले।
19 जब उ लोग खाई के जगह प पहुंचले त पानी चक्की से घूम गईल अवुरी दस बेड़ा प सवार दु सौ आदमी डूब गईले।
20 तीसरा दिन उ लोग ओहि किनारे लड़ाई करे आईल, जहां साँप रहले, लेकिन उहाँ ना पहुंच पवले, काहेंकी साँप ओ लोग में से एक सौ सत्तर आदमी के मार देले, अवुरी उ लोग कुश से लड़ल बंद क देले अवुरी नौ साल तक कुश के घेराबंदी कईले, ना त केहु बाहर ना निकलल अवुरी ना भीतर आईल।
21 जब कुश के खिलाफ युद्ध आ घेराबंदी भईल रहे, तब मूसा मिस्र से भाग गईले, फिरौन के हाथ से भाग गईले, जवन कि मिस्र के हत्या के चलते ओकरा के मारे के कोशिश कईले।

22 मूसा अठारह साल के रहले जब उ मिस्र से फिरौन के सामने से भाग गईले अवुरी भाग के किकियानुस के डेरा में भाग गईले, जवन कि ओ समय कुश के घेराबंदी कईले रहे।
23 मूसा कुश के राजा किकियानुस के डेरा में नौ साल तक रहले, जब तक उ लोग कुश के घेराबंदी कईले रहले अवुरी मूसा ओ लोग के संगे निकल गईले।
24 राजा, राजकुमार आ सभे लड़ाकू लोग मूसा से प्यार करत रहले, काहे कि उ महान अवुरी योग्य रहले, उनुकर कद एगो कुलीन शेर निहन रहे, उनुकर चेहरा सूरज निहन रहे अवुरी उनुकर ताकत शेर निहन रहे अवुरी उ राजा के सलाहकार रहले।
25 नौ साल के अंत में किकियानुस के एगो जानलेवा बेमारी हो गइल आ उनकर बेमारी उनका पर हावी हो गइल आ सातवाँ दिन उनकर मौत हो गइल।
26 त उनकर नौकर उनकरा के मलम करा के लेके मिस्र के उत्तर में शहर के फाटक के सामने दफना दिहले।
27 ओकरा ऊपर एगो सुरुचिपूर्ण मजबूत आ ऊँच भवन बनवले आ ओकरा नीचे बड़हन पत्थर रखले।
28 राजा के शास्त्री लोग ओह पत्थरन पर अपना राजा किकियानुस के पूरा ताकत आ ओकर सगरी लड़ाई उकेरले रहे जवन ऊ लड़ले रहले, देखल जाव कि ऊ लोग आजु ओहिजा लिखल बा.
29 कुश के राजा किकियनस के मौत के बाद युद्ध के चलते उनुकर आदमी अवुरी सैनिक बहुत दुखी भईल।
30 उ लोग एक दूसरा से कहलस, "हमनी के सलाह दीं कि अब हमनी के का करे के बा, काहे कि हमनी के घर से नौ साल दूर जंगल में रहत बानी जा।"
31 अगर हमनी के कहब जा कि हमनी के शहर से लड़ब जा त हमनी में से बहुत लोग घायल होके गिर जइब जा, आ अगर हमनी के इहाँ घेराबंदी में रहब जा त हमनी के भी मौत हो जाई।
32 अब अराम के सब राजा आ पूरब के लोग सुन जइहें कि हमनी के राजा मर गइल बा आ ऊ लोग अचानक हमनी पर दुश्मनी से हमला करी आ हमनी के खिलाफ लड़ाई करी आ हमनी के कवनो बचे वाला ना छोड़ी।
33 अब हमनी के जाके अपना ऊपर राजा बना के तब तक घेराबंदी में रहब जा जब तक शहर हमनी के सौंपल ना जाई।
34 आ ऊ लोग ओह दिन किकियनस के सेना में से राजा खातिर एगो आदमी चुने के चाहत रहे आ ओह लोग पर मूसा जइसन अपना पसंद के कवनो वस्तु ना मिलल कि ऊ लोग ओह लोग पर राज करे.
35 ऊ लोग जल्दी-जल्दी हर आदमी के कपड़ा उतार के जमीन पर फेंक दिहल आ एगो बड़हन ढेर बना के मूसा के रख दिहल।
36 ऊ लोग उठ के तुरही बजा के ओकरा सोझा चिल्ला के कहलस, "राजा जिंदा रहस, राजा जिंदा रहस!"
37 सब लोग आ कुलीन लोग ओकरा के किकियानुस के मेहरारू कुशी रानी अदोनियाह के मेहरारू खातिर दे देबे के किरिया खइले आ ओह दिन मूसा के ओह लोग पर राजा बनवले।
38 ओह दिन कुश के सब लोग एगो घोषणा जारी क के कहलस कि, हर आदमी के अपना कब्जा में से कुछ ना कुछ मूसा के देवे के चाही।
39 ऊ लोग ढेर पर चादर पसरल आ हर केहू अपना लगे जवन कुछ रहे ओकरा में से एगो सोना के झुमका आ दूसरा सिक्का डाल दिहलस।
40 गोमेद के पत्थर, बडेलियम, मोती आ संगमरमर के भी कुश के लोग ढेर पर चानी आ सोना के ढेर पर फेंकले रहे।
41 मूसा कुश के सब संतान के दिहल चानी-सोना, सब बर्तन आ गोमेद के पत्थर लेके अपना खजाना के बीच में रखले।
42 ओह दिन मूसा कुश के राजा किकियानुस के जगह पर कुश के संतान पर राज कइलन।

अध्याय 73 के बा

1 मिस्र के राजा फिरौन के शासन के पचपनवाँ साल यानी इस्राएलियन के मिस्र में उतरला के सौ सत्तावनवाँ साल में मूसा कुश में राज कइलन।
2 मूसा जब कुश पर राज करे लगले त उ सत्ताईस साल के रहले अवुरी चालीस साल तक राज कईले।
3 प्रभु मूसा के कुश के सब संतान के नजर में अनुग्रह आ अनुग्रह दिहलन आ कुश के संतान उनुका से बहुत प्यार करत रहले, एहसे मूसा के प्रभु आ आदमी के अनुग्रह मिलल।
4 उनकर राज के सातवाँ दिन कुश के सब लोग जुटल आ मूसा के सामने आके जमीन पर प्रणाम कइल।
5 राजा के सामने सब लईका एक संगे बोलले, "हमनी के सलाह दीं कि हमनी के देख सकीले कि ए शहर के का होखे वाला बा।"
6 अब नौ साल हो गईल बा कि हमनी के शहर के चारों ओर घेराबंदी कईले बानी जा, लेकिन हमनी के अपना बच्चा अवुरी पत्नी के नईखी देखले।
7 राजा ओह लोग के जवाब दिहलन, "अगर हम जवन भी आज्ञा देब ओकरा में हमार बात सुनब त प्रभु शहर के हमनी के हाथ में दे दिहे अवुरी हमनी के ओकरा के अपना वश में क देब।"
8 काहे कि अगर हमनी के किकियनस के मौत से पहिले के लड़ाई के तरह ओह लोग से लड़ब जा त हमनी में से बहुत लोग पहिले निहन घायल होके गिर जईहे।
9 अब देखऽ, एह बात में तोहनी खातिर सलाह दिहल गइल बा। अगर तू हमार आवाज सुनब त शहर हमनी के हाथ में सौंपल जाई।
10 सब सेना राजा के जवाब दिहलस, "हमनी के मालिक जवन भी आज्ञा दिहे, उहे हमनी के करब जा।"
11 मूसा ओह लोग से कहलन, "जा के पूरा डेरा में सब लोग के सामने एगो आवाज सुनाईं।
12 राजा इ कहत बाड़न कि जंगल में जाके सारस के बच्चा में से हर केहू के हाथ में एगो बच्चा लेके आईं।
13 राजा के वचन के उल्लंघन करे वाला केहु अपना बच्चा के ना ले आई, उ मर जाई अवुरी राजा अपना सभ संपत्ति के ले लीहे।
14 जब तू ओह लोग के ले आईब त ऊ तोहरा पालन में रहीहें जबले ऊ बड़ ना हो जाई तबले ओकरा के पोसब आ ओह लोग के तीर चलावे के सिखाईब जइसे कि बाज के बच्चा के रास्ता होला.
15 कुश के सब संतान मूसा के बात सुन के उठ के पूरा डेरा में घोषणा कईले कि।
16 कुश के सब संतान, तोहनी खातिर राजा के आदेश बा कि रउआ सभे मिल के जंगल में जाके उहाँ सारस के बच्चा के अपना हाथ में पकड़ के घरे ले आवऽ।
17 राजा के आदेश के उल्लंघन करे वाला के भी मौत हो जाई अवुरी राजा अपना सभ चीज़ के ले लीहे।

18 आ सब लोग जंगल में निकलल आ देवदार के पेड़ पर चढ़ के हर आदमी के हाथ में एगो लइका पकड़ल, सारस के सब बच्चा, रेगिस्तान में ले आके राजा के आदेश से पोसले, आ बाज के बच्चा निहन बाज के बच्चा निहन दौड़ल सिखवले।
19 सारस के बच्चा पोसला के बाद राजा तीन दिन तक भूख से मरला के आदेश देले अवुरी सभ लोग अयीसन कईले।
20 तीसरा दिन राजा ओह लोग से कहले कि, आपन मजबूती बना के वीर आदमी बन जाईं आ हर आदमी के आपन कवच आ तलवार प पट्टी पहिन के हर आदमी के घोड़ा पर सवार होके हर केहू के आपन सारस के बच्चा अपना हाथ में ले लीं।
21 हमनी के उठ के शहर से लड़ब जा, जहाँ साँप बाड़े। आ सब लोग राजा के आदेश के मुताबिक काम कईलस।
22 उ लोग हर आदमी के अपना बच्चा के हाथ में लेके चल गईले अवुरी जब उ लोग साँप के जगह प पहुंचले त राजा ओ लोग से कहले, "हर आदमी के आपन सारस के बच्चा साँप प भेज दीं।"
23 राजा के आदेश पर हर आदमी आपन सारस के बच्चा भेजलस आ सारस के बच्चा साँप पर दौड़ल आ सब के खा के ओह जगह से नाश कर दिहलस।
24 राजा आ जनता देख के कि ओह जगहा सब साँप के नाश हो गइल बा त सब लोग जोरदार चिल्लाहट कर दिहलस।
25 उ लोग नजदीक आके शहर के खिलाफ लड़ाई लड़ले अवुरी ओकरा के पकड़ के अपना वश में क लेले अवुरी शहर में घुस गईले।
26 ओह दिन शहर के लोग में से एक हजार सौ आदमी के मौत हो गईल, जवन कि शहर में रहे, लेकिन घेराबंदी करे वाला लोग में से केहु के मौत ना भईल।
27 कुश के सब संतान हर एक अपना घरे, अपना मेहरारू आ लइकन के लगे आ अपना सब के लगे चल गइलन।
28 बिलाम जादूगर देख के कि शहर के कब्जा हो गईल बा, त उ फाटक खोल देलस अवुरी उ अवुरी उनुकर दुनो बेटा अवुरी आठ भाई भाग के मिस्र के राजा फिरौन के लगे मिस्र लवट गईले।
29 ऊ जादूगर आ जादूगर हवें जिनकर जिक्र व्यवस्था के किताब में बा, जब प्रभु मिस्र पर विपत्ति ले अइले त मूसा के खिलाफ खड़ा रहले।
30 मूसा अपना बुद्धि से शहर के अपना कब्जा में ले लिहले अवुरी कुश के राजा किकियानुस के जगह कुश के लोग उनुका के सिंहासन प बईठा देले।
31 ओकरा माथा पर राजमुकुट रख के किकियानुस के मेहरारू कुशी रानी अदोनिया ओकरा के मेहरारू के रूप में दे दिहल।
32 मूसा अपना पुरखन के परमेश्वर यहोवा से डेरात रहले, एहसे उ उनुका लगे ना अईले अवुरी ना उनुका ओर नजर ना घुमवले।
33 मूसा के याद आ गइल कि कइसे अब्राहम अपना सेवक एलीएजर से किरिया खइले रहले आ कहले रहले कि, "तू हमरा बेटा इसहाक खातिर कनान के बेटी में से कवनो मेहरारू ना लेवऽ."
34 इहाक उहे काम कईले जब याकूब अपना भाई से भाग गईल रहले, जब उ उनुका के आज्ञा देले रहले कि, "तू कनान के बेटी में से कवनो पत्नी ना लेस अवुरी ना हाम के कवनो संतान से गठबंधन करीं।"
35 काहेकि हमनी के परमेश्वर प्रभु नूह के बेटा हाम के, ओकर संतान आ ओकर सब संतान के शेम के संतान आ याफेत के संतान आ ओकरा बाद के संतान के गुलाम बना के हमेशा खातिर देले बाड़न।
36 एही से मूसा जबले कुश पर राज कइलन, ओह दिन तक किकियानुस के मेहरारू के ओर ना त आपन मन ना मोड़ले।
37 मूसा पूरा जीवन अपना परमेश्वर से डेरात रहलन आ मूसा अपना पूरा मन आ जान से सच्चाई से प्रभु के सामने चलत रहलन, उ जीवन भर सही रास्ता से ना मुड़ल। ऊ ना त दाहिना ओर ना बाईं ओर के रास्ता से हट गइलन, जवना में अब्राहम, इसहाक आ याकूब चलल रहले.
38 मूसा कुश के लोग के राज्य में अपना के मजबूत कईले अवुरी उ अपना रोज के बुद्धि से कुश के संतान के मार्गदर्शन कईले अवुरी मूसा अपना राज्य में समृद्ध भईले।
39 ओही घरी अराम आ पूरब के लोग सुनल कि कुश के राजा किकियानुस के मौत हो गइल बा, एह से अराम आ पूरब के लोग ओह घरी कुश के खिलाफ विद्रोह कइल।
40 मूसा कुश के सब लोग के, जवन बहुत ताकतवर लोग रहे, लगभग तीस हजार आदमी के बटोरले अवुरी उ अराम अवुरी पूरब के लोग के संगे लड़ाई करे निकल गईले।
41 ऊ लोग पहिले पूरब के लोग के लगे गइल आ जब पूरब के लोग ओह लोग के खबर सुन के ओह लोग से मिले चल गइलन आ ओह लोग से लड़ाई में लाग गइलन.
42 पूरब के लोग के खिलाफ लड़ाई बहुत हो गईल, एहसे प्रभु पूरब के सभ लोग के मूसा के हाथ में दे देले अवुरी करीब तीन सौ आदमी मारल गिर गईले।
43 पूरब के सब लोग पीछे मुड़ के पीछे हट गईले, एहसे मूसा अवुरी कुश के लोग ओ लोग के पीछे-पीछे चल गईले अवुरी ओ लोग के अपना वश में क लेले अवुरी उनुका प कर लगा देले, जईसे कि उनुकर रिवाज रहे।
44 मूसा आ उनकर सब लोग उहाँ से युद्ध खातिर अराम देश में चल गईले|
45 अराम के लोग भी ओ लोग से मिले गईले अवुरी उ लोग ओ लोग से लड़ाई कईले अवुरी प्रभु ओ लोग के मूसा के हाथ में सौंप देले अवुरी अराम के बहुत लोग घायल होके गिर गईले।
46 अराम के भी मूसा आ कुश के लोग के वश में कर दिहल गइल आ ऊ लोग आपन सामान्य कर भी देत रहे।
47 मूसा अराम आ पूरब के लोग के कुश के लोग के अधीन कर दिहलन आ मूसा आ ओकरा साथे मौजूद सब लोग कुश के देश में मुड़ गइलन।
48 मूसा कुश के लोग के राज्य में अपना के मजबूत कईले अवुरी प्रभु उनुका संगे रहले अवुरी कुश के सभ संतान उनुका से डेरा गईले।

अध्याय 74 के बा

1 सालन के अंत में एदोम के राजा साउल मर गइलन आ ओकरा जगहा अकबोर के बेटा बाल चनान राज कइलन।
2 मूसा के कुश पर शासन के सोलहवाँ साल में अकबोर के बेटा बाल चनान एदोम के देश में अड़तीस साल तक एदोम के सब संतान पर राज कइलन।
3 अपना जमाना में मोआब एदोम के सत्ता के खिलाफ विद्रोह कईलस, उ बेदाद के बेटा हदाद के समय से अदोम के अधीन रहे,

जवन कि ओ लोग अवुरी मिद्यान के मार के मोआब के एदोम के अधीन क देलस।
4 जब अकबोर के बेटा बाल चनान एदोम पर राज कइलन त मोआब के सब लोग एदोम से आपन वफादारी छोड़ दिहल।
5 ओह घरी अफ्रीका के राजा अंजेआस के मौत हो गइल आ उनकर बेटा अज़्द्रुबल उनकरा जगह पर राज कइलन।
6 ओह घरी कित्तीम के लोग के राजा जनेस के मौत हो गइल आ ऊ लोग ओकरा के अपना मंदिर में दफना दिहल जवन ऊ अपना खातिर कैनोपिया के मैदान में निवास खातिर बनवले रहले आ ओकरा जगहा लैटिनस राज कइलन.
7 मूसा के कुश के संतान पर शासन के बाइसवाँ साल में लैटिनस पंचालीस साल तक कित्तीम के संतान पर राज कइलन।
8 ऊ अपना खातिर एगो बड़हन आ पराक्रमी टावर भी बनवले आ ओहमें अपना निवास खातिर एगो सुरुचिपूर्ण मंदिर बनवले, जवना से ऊ आपन शासन चलावे, जइसन कि रिवाज रहे।
9 अपना शासन के तीसरा साल में उ अपना सब कुशल आदमी के घोषणा कईले, जवन कि उनुका खाती बहुत जहाज बनवले।
10 लैटिनस आपन सब सेना के इकट्ठा कइलस आ ऊ लोग जहाज में आ के अफ्रीका के राजा एंगेस के बेटा अज़्द्रुबल से लड़ाई करे खातिर ओहिजा गइल आ ऊ लोग अफ्रीका आके अज़्द्रुबल आ उनकर सेना से लड़ाई में लाग गइल।
11 लैटिनस अज़्द्रुबल पर हावी हो गइलन आ लैटिनस अज़्द्रुबल से ऊ जलमार्ग ले लिहलन जवन उनकर पिता चित्तिम के लइकन से ले आइल रहले, जब ऊ उजी के बेटी जनिया के मेहरारू बना लिहलन, एहसे लैटिनस जलमार्ग के पुल उखाड़ दिहलन आ अज़्द्रुबल के पूरा सेना के बहुते मार दिहलन.
12 अज़्द्रुबल के बचे वाला ताकतवर लोग अपना के मजबूत कइल आ उनकर दिल ईर्ष्या से भरल आ ऊ लोग मौत के प्रेमालाप कइल आ फेरु से चित्तिम के राजा लैटिनस से लड़ाई में लाग गइल।
13 अफ्रीका के सब आदमी के खिलाफ लड़ाई कड़ा हो गईल अवुरी उ सभ लैटिनस अवुरी उनुका लोग के सोझा घायल हो गईले अवुरी राजा अज़्द्रुबल भी ओ लड़ाई में गिर गईले।
14 राजा अज़्द्रुबल के एगो बहुत सुन्दर बेटी रहली, जेकर नाम उशपेजेना रहे आ अफ्रीका के सब आदमी ओकर बहुत सुंदरता आ सुन्दर रूप के चलते ओकर उपमा अपना कपड़ा पर कढ़ाई करत रहले।
15 लैटिनस के लोग अज़्द्रुबल के बेटी उशपेजेना के देख के आपन राजा लैटिनस के स्तुति कईले।
16 लैटिनस ओकरा के अपना लगे ले आवे के आदेश दिहलन आ लैटिनस उशपेजेना के मेहरारू बना लिहलन आ ऊ चित्तिम के रास्ता में वापस आ गइलन.
17 आ एंगेस के बेटा अज़्द्रुबल के मौत के बाद जब लैटिनस लड़ाई से अपना देस में वापस आ गईले, त अफ्रीका के सभ निवासी उठ के अजद्रुबल के छोट भाई एंगेस के बेटा अनिबल के लेके ओकरा के अपना भाई के जगह अफ्रीका के पूरा देश प राजा बनवले।
18 जब ऊ राज कइलन त ऊ चित्तीम में जाके कित्तीम के लोगन से लड़ाई करे के ठान लिहलन, ताकि ऊ अपना भाई अज़्द्रुबल आ अफ्रीका के निवासी लोग के मुद्दा के बदला ले सके।
19 उ बहुत जहाज बनवले अवुरी उ अपना पूरा सेना के संगे ओहिजा पहुंचले अवुरी कित्तीम गईले।
20 अनीबल कित्तीम के लोग से लड़ल, आ कित्तीम के लोग अनिबल आ ओकर सेना के सामने घायल होके गिर गईले अवुरी अनीबल अपना भाई के मामला के बदला लेले।
21 अनिबल अठारह साल तक कित्तीम के लोग के संगे लड़ाई जारी रखले अवुरी अनीबल कित्तीम के देश में रह के बहुत दिन तक डेरा डालले।
22 अनिबल कित्तीम के लोग के बहुत मार दिहलस अवुरी उ ओ लोग के महापुरुष अवुरी राजकुमार के हत्या क देलस अवुरी बाकी लोग में से करीब अस्सी हजार आदमी के मार दिहलस।
23 दिन आ साल के अंत में अनिबल अपना अफ्रीका के देश में वापस आ गईले अवुरी उ अपना भाई अज़्द्रूबल के जगह प सुरक्षित राज कईले।

अध्याय 75 के बा

1 ओह घरी इस्राएली लोग के मिस्र में उतरला के सौ अस्सीवाँ साल में मिस्र से वीर आदमी निकलल, जवन कि इस्राएल के लोग में से तीस हजार पैदल चलल, जवन यूसुफ के कुल यूसुफ के गोत्र के रहे, यूसुफ के बेटा एप्रैम के संतान के रहे।
2 काहेकि उ लोग कहत रहे कि उ समय पूरा हो गईल जवन प्रभु पुरान समय में इस्राएल के लोग खातिर रखले रहले, जवन उ अब्राहम से कहले रहले।
3 ऊ लोग अपना के कमरबंद कइल आ हर आदमी के आपन तलवार अपना बगल में आ हर आदमी के आपन कवच पहिन के अपना ताकत पर भरोसा कइल आ ऊ लोग एक साथ मिस्र से एगो ताकतवर हाथ से निकल गइल.
4 लेकिन उ लोग सड़क खातिर कवनो खाना ना ले अइले, खाली चांदी आ सोना, ओह दिन खातिर रोटी तक ना ले अइले, काहे कि उ लोग सोचले कि पलिस्तीयन से आपन तनखाह लेबे के आ अगर ना त जबरन ले जात रहले।
5 आ ई आदमी बहुते पराक्रमी आ वीर आदमी रहले, एक आदमी हजार के पीछा कर सकत रहे आ दू आदमी दस हजार के हरा सकत रहे, एहसे ऊ लोग अपना ताकत पर भरोसा करत रहे आ जइसे ऊ लोग एके साथे चलत रहे.
6 ऊ लोग आपन रास्ता गात के ओर बढ़ल आ नीचे उतर के गाथ के चरवाहा लोग के गाथ के लोग के पशु-पक्षी के चरावत देखल।
7 उ लोग चरवाहा लोग से कहलस, "हमनी के कुछ भेड़ के पईसा देके हमनी के खाए के चाही, काहेकि हमनी के भूख लागल बा, काहेकी आज हमनी के रोटी नईखी खईले।
8 चरवाहा लोग कहलस, "का उ हमनी के भेड़ ह कि मवेशी, जवना के हमनी के तोहनी के पईसा देवे के चाही? त एप्रैम के लइका लोग जबरन ले जाए खातिर नजदीक आ गइलन।
9 गाथ के चरवाहा ओ लोग के ऊपर चिल्लात रहले कि उनुकर पुकार दूर से सुनाई देलस, एहसे गाथ के सब लोग ओ लोग के लगे निकल गईले।
10 जब गात के लोग एप्रैम के लोग के बुराई देख के वापस आके गात के लोग के जुटा लिहले अवुरी हर एक के आपन कवच पहिन के एप्रैम के लोग के लगे लड़ाई खाती निकल गईले।
11 गाथ के घाटी में उ लोग ओ लोग के संगे लड़ाई लड़ल अवुरी लड़ाई कड़ा हो गईल अवुरी ओ दिन उ लोग एक दूसरा से बहुत लोग के मार देले।

12 दूसरा दिन गात के लोग पलिस्तीयन के सब शहरन में भेजले कि उ लोग आपन मदद करे।
13 हमनी के लगे आके हमनी के मदद कर, ताकि हमनी के एप्रैम के लोग के मार सकीले, जवन कि मिस्र से हमनी के पशु लेबे खातिर निकलल बाड़े अवुरी बिना कवनो कारण से हमनी के खिलाफ लड़ाई कईले बाड़े।
14 एप्रैम के लोग के जान भूख आ प्यास से थक गईल रहे, काहेकि उ लोग तीन दिन से रोटी ना खईले रहले। पलिस्तीयन के शहरन से चालीस हजार आदमी गात के लोग के सहायता खातिर निकलल।
15 इ लोग एप्रैम के लोग के संगे लड़ाई में लागल रहले अवुरी प्रभु एप्रैम के लोग के पलिस्तीयन के हाथ में सौंप देले।
16 उ लोग एप्रैम के सब संतान, मिस्र से निकलल सब लोग के मार देले, लेकिन दस आदमी के छोड़ के केहु ना बचल, जवन कि सगाई से भाग गईल रहले।
17 इ बुराई एप्रैम के लोग के खिलाफ प्रभु के ओर से भईल रहे, काहेकी उ लोग मिस्र से निकल के प्रभु के वचन के उल्लंघन कईले, ओकरा से पहिले कि उ समय आईल रहे, जवन कि प्रभु पुरान समय में इस्राएल खातिर तय कईले रहले।
18 पलिस्तीयन में से भी बहुत लोग, लगभग बीस हजार आदमी गिर गईले अवुरी उनुकर भाई ओ लोग के लेके अपना शहर में दफना देले।
19 एप्रैम के लोग के मारल गइल लोग गात के घाटी में बहुत दिन आ साल तक छोड़ल गइल आ दफनावे खातिर ना ले आवल गइल आ घाटी आदमी के हड्डी से भर गइल।
20 लड़ाई से बचल आदमी मिस्र में अइले आ सब इस्राएल के लोग के जवन कुछ भइल रहे ओकरा के बतवले।
21 उनकर बाप एप्रैम बहुत दिन तक उनकरा खातिर शोक मनावत रहलन आ उनकर भाई लोग उनका के दिलासा देवे आइल।
22 ऊ अपना मेहरारू के लगे अइले आ ओकरा से एगो बेटा भइल आ ऊ ओकर नाम बेरिया रखले काहे कि ऊ अपना घर में अभागल रहली.

अध्याय 76 के बा

1 अम्राम के बेटा मूसा ओह घरी कुश के देश में राजा रहले, आ उ अपना राज्य में फलत-फूलत रहले अवुरी उ कुश के लोग के शासन के न्याय, धार्मिकता अवुरी निष्ठा से चलावत रहले।
2 कुश के सब संतान मूसा से तब तक प्यार करत रहले, जब तक उ उ लोग प राज कईले रहले अवुरी कुश के सभ निवासी उनुका से बहुत डेरात रहले।
3 मूसा के कुश पर शासन के चालीसवाँ साल में मूसा राजसिंहासन पर बइठल रहले जबकि रानी अदोनिया उनका से पहिले रहले आ उनकर चारो ओर सब कुलीन लोग बईठल रहले।
4 रानी अदोनिया राजा आ राजकुमारन के सामने कहली, "तू लोग कुश के लोग एतना दिन से ई का काम करत बाड़ऽ?"
5 तू लोग जरूर जानत बाड़ऽ कि चालीस साल से जब ई आदमी कुश पर राज करत बा, ऊ हमरा लगे ना आइल बा आ ना ही कुश के संतान के देवता लोग के सेवा कइले बा।
6 हे कुश के लइका लोग, अब सुनीं आ ई आदमी अब तोहनी पर राज ना करे जइसे कि ऊ हमनी के शरीर के ना ह।
7 देखऽ हमार बेटा मेनाक्रस बड़ हो गइल बा, ऊ तोहरा पर राज करे, काहे कि मिस्र के राजा के गुलाम परदेसी के सेवा करे से बढ़िया बा कि रउरा अपना मालिक के बेटा के सेवा करीं.
8 कुश के सब लोग आ कुलीन लोग उ बात सुनल जवन रानी अदोनिया के कान में कहले रहली।
9 सब लोग साँझ तक तइयारी करत रहे आ सबेरे सबेरे उठ के किकियानुस के बेटा मेनाक्रस के राजा बनवले।
10 कुश के सब संतान मूसा के खिलाफ हाथ बढ़ावे से डेरा गईले, काहेकि प्रभु मूसा के संगे रहले अवुरी कुश के संतान मूसा से जवन किरिया खईले रहले, ओकरा के याद कईले, एहसे उ लोग उनुका के कवनो नुकसान ना कईले।
11 लेकिन कुश के लोग मूसा के बहुत उपहार देले अवुरी उनुका के बहुत आदर के संगे भेज देले।
12 तब मूसा कुश देश से निकल के घरे चल गईले अवुरी कुश प राज कईल बंद क देले, अवुरी जब मूसा कुश के देश से निकलले त उ छियासठ साल के रहले, काहेंकी इ बात प्रभु के ओर से रहे, काहेंकी उ समय आ गईल रहे, जवन उ पुरान समय में इस्राएल के हाम के संतान के दुख से बाहर निकाले खाती तय कईले रहले।
13 मूसा फिरौन के चलते मिस्र लवटे से डेरात मिदियान चल गईले अवुरी मिद्यान में पानी के कुआं के लगे बईठ गईले।
14 मिद्यानी राऊएल के सात गो बेटी अपना बाप के भेड़ के चरावे खातिर निकलली।
15 उ लोग इनार के लगे आके अपना बाप के भेड़ के पानी देवे खातिर पानी खींचले।
16 मिद्यान के चरवाहा लोग आके ओह लोग के भगा दिहल आ मूसा उठ के ओह लोग के मदद कइलन आ भेड़ के पानी दिहलन।
17 उ लोग अपना पिता रेउल के घरे पहुंचले अवुरी उनुका के बतवले कि मूसा उनुका खाती का कईले।
18 उ लोग कहले, "एक मिस्र के आदमी हमनी के चरवाहा के हाथ से बचा लेले बा, उ हमनी खातिर पानी निकाल के भेड़ के पानी देले बा।"
19 रऊएल अपना बेटी लोग से पूछलस, "उ कहाँ बाड़े?" काहे से आदमी के छोड़ देले बाड़ू?
20 रुएल ओकरा के बोला के भेज के घरे ले अइले आ ऊ ओकरा साथे रोटी खइले।
21 मूसा रुएल के बतवले कि उ मिस्र से भाग गईल बाड़े अवुरी उ चालीस साल तक कुश प राज कईले रहले अवुरी ओकरा बाद उ लोग उनुका से शासन छीन लेले अवुरी उनुका के शांति से इज्जत अवुरी उपहार के संगे भेज देले रहले।
22 जब रुएल मूसा के बात सुन के रऊएल मन में कहलस, "हम एह आदमी के जेल के घर में डाल देब, जवना से हम कुश के संतान के संगे सुलह करब, काहेकि उ ओ लोग से भाग गईल बा।"
23 ऊ लोग ओकरा के लेके जेल में डाल दिहल आ मूसा दस साल जेल में रहलन आ जबले मूसा जेल में रहले तबले रऊएल के बेटी सिप्पोरा उनका पर दया करत रहली आ हर समय रोटी पानी से उनकर भरण पोषण करत रहली।

24 तब तक सब इस्राएल के लोग मिस्र के देश में हर तरह के मेहनत में मिस्र के लोग के सेवा करत रहले अवुरी ओ समय में मिस्र के हाथ इस्राएल के लोग प कड़ाई से चलत रहे।
25 ओही घरी प्रभु मिस्र के राजा फिरौन के मार दिहलन आ ऊ अपना गोड़ के तलवा से लेके माथा के मुकुट तक कोढ़ के बेमारी से पीड़ित हो गइलन। इस्राएल के लोग के साथे क्रूर व्यवहार के कारण ओह समय प्रभु के ओर से मिस्र के राजा फिरौन पर ई महामारी आइल रहे।
26 काहेकि प्रभु अपना लोग इस्राएल के लोग के प्रार्थना सुनले रहले अवुरी उ लोग के मेहनत के चलते उनुकर पुकार उनुका लगे पहुंचल रहे।
27 तबहूँ उनकर क्रोध ओह लोग से ना हटल आ फिरौन के हाथ अबहियो इस्राएल के लोग पर पसरल रहे आ फिरौन प्रभु के सामने आपन गरदन कठोर कर दिहलन आ इस्राएल के लोग पर आपन जुआ बढ़ा दिहलन आ हर तरह के मेहनत से ओह लोग के जिनिगी कड़वा दिहलन.
28 जब प्रभु मिस्र के राजा फिरौन पर महामारी के शिकार कर दिहलन त ऊ अपना बुद्धिमान आ जादूगरन से ओकरा के ठीक करे के कहलन।
29 उनकर बुद्धिमान आ जादूगर लोग उनका से कहल कि अगर छोट लइकन के खून घाव में डाल दिहल जाव त ऊ ठीक हो जाई।
30 फिरौन ओह लोग के बात सुन के अपना सेवकन के गोशेन भेजलन कि ऊ लोग इस्राएल के लोग के लगे ले जास।
31 फिरौन के सेवक जाके इस्राएल के बच्चा के जबरन माई के छाती से लेके चल गईले अवुरी रोज एक बच्चा के रूप में फिरौन के लगे ले आवत रहले अवुरी वैद्य ओ लोग के मार के महामारी के शिकार करत रहले। अईसने उ लोग दिन भर करत रहले।
32 फिरौन जवन संतान के मारले रहले, ओकर संख्या तीन सौ पचहत्तर रहे।
33 लेकिन प्रभु मिस्र के राजा के वैद्य के बात ना सुनले अवुरी महामारी बहुत बढ़ गईल।
34 फिरौन दस साल तक उ विपत्ति से पीड़ित रहले, फिरौन के दिल इस्राएल के लोग के खिलाफ अवुरी कठोर हो गईल रहे।
35 दस साल के अंत में प्रभु फिरौन के विनाशकारी विपत्तियन से पीड़ित करत रहलन।
36 प्रभु ओकरा पेट में एगो खराब ट्यूमर आ बेमारी से मार दिहलन आ ऊ प्लेग बहुते फोड़ा में बदल गइल.
37 ओही घरी फिरौन के दू गो सेवक गोशेन देश से अइले जहाँ सब इस्राएल के लोग रहे आ फिरौन के घरे जाके ओकरा से कहलस कि हम इस्राएल के लोग के काम में ढील आ मेहनत में लापरवाह देखले बानी।
38 जब फिरौन अपना सेवकन के बात सुनलन त उनकर गुस्सा इस्राएल के लोग पर बहुते भड़क गइल काहे कि ऊ अपना शरीर के पीड़ा से बहुते दुखी रहले.
39 ऊ जवाब दिहलन, "अब जब इस्राएल के लोग जान गइल बा कि हम बेमार बानी त ऊ लोग घूम के हमनी के मजाक उड़ावत बा, त अब हमरा खातिर हमार रथ के इस्तेमाल करऽ आ हम अपना के गोशेन ले जाइब आ इस्राएल के लोग के मजाक देखब जवना से ऊ लोग हमार मजाक उड़ावत बा। त उनकर नौकर उनका खातिर रथ के सदुपयोग कइले।
40 ऊ लोग ओकरा के घोड़ा पर सवार कर दिहल, काहे कि ऊ अपना से सवारी ना कर पावत रहे।
41 ऊ अपना साथे दस गो घुड़सवार आ दस गो पैदल सवार लेके इस्राएल के लोग के लगे गोशेन चल गइलन।
42 जब उ लोग मिस्र के सीमा प पहुंचले त राजा के घोड़ा अंगूर के बगइचा के खोखला हिस्सा में एगो संकरी जगह से गुजरल, जवना के दुनो ओर बाड़ लागल रहे अवुरी दूसरा ओर निचला मैदान रहे।
43 घोड़ा ओह जगह पर तेजी से दौड़त रहले आ एक दोसरा के दबावत रहले आ बाकी घोड़ा राजा के घोड़ा के दबावत रहले.
44 राजा के घोड़ा राजा के सवारी करत निचला मैदान में गिर गईल अवुरी गिरला प रथ राजा के मुंह पलट गईल अवुरी घोड़ा राजा प लेट गईल अवुरी राजा चिल्लात रहले, काहेंकी उनुकर मांस बहुत दर्द होखत रहे।
45 राजा के मांस फाट गइल आ ओकर हड्डी टूट गइल आ ऊ सवारी ना कर पवले काहे कि ई बात उनुका खातिर प्रभु के ओर से रहे, काहे कि प्रभु अपना लोग इस्राएल के लोग के पुकार आ ओह लोग के दुख सुनले रहले.
46 ओकर नौकर लोग ओकरा के अपना कंधा पर लेके चलत रहे आ ओकरा के मिस्र ले अइले आ ओकरा साथे घुड़सवार लोग भी मिस्र वापस आ गइलन।
47 ऊ लोग ओकरा के बिछौना पर बइठा दिहल आ राजा के पता चल गइल कि ओकर मरला के अंत हो गइल बा, एहसे उनकर मेहरारू अपरनीथ आके राजा के सोझा चिल्ला के कहली आ राजा ओकरा साथे बहुते रोअत रोवत रहले।
48 ओह दिन उनकर सब कुलीन आ नौकर आके राजा के ओह दुख में देखले आ उनकरा साथे बहुत रोवे लगले।
49 राजा के सरदार आ ओकर सब सलाहकार राजा के सलाह दिहले कि उ अपना बेटा में से जेकरा के चुनी, ओकरा जगह प केहु के राज करे।
50 राजा के उपपत्नी के संतान के अलावे राजा के तीन बेटा अवुरी दु बेटी रहली, जवन कि उनुकर पत्नी अपरनीथ उनुका से पैदा कईले रहली।
51 उनकर नाम पहिलका ओथरी, दूसरा आदिकाम आ तीसरा मोरिओन आ उनकर बहिन बड़का बथिया आ दूसरा अकुजी के नाम रहे।
52 राजा के पहिला जन्मल ओथरी एगो बेवकूफ रहले, उ जल्दीबाजी अवुरी अपना बात में जल्दीबाजी करत रहले।
53 लेकिन अदीकाम एगो धूर्त आ बुद्धिमान आदमी रहले आ मिस्र के सब बुद्धि के जानत रहले, लेकिन अयोग्य रूप के, मांस में मोट अवुरी कद में बहुत छोट रहले। उनकर ऊँचाई एक हाथ रहे।
54 जब राजा अपना बेटा अदीकाम के सब बात में बुद्धिमान अवुरी बुद्धिमान देखले त राजा ठान लेले कि उनुका मरला के बाद उनुका जगह राजा बने।
55 ऊ अबिलोत के बेटी गेदुदा के मेहरारू ले लिहलन आ ऊ दस साल के रहली आ ओकरा से चार गो बेटा भइले.
56 ओकरा बाद उ तीन गो मेहरारू लेके आठ गो बेटा आ तीन गो बेटी भइले।
57 राजा पर अव्यवस्था बहुत हो गइल आ उनकर मांस गर्मी के समय में खेत पर फेंकल लाश के मांस नियर बदबू आवत रहे।

58 राजा जब देखले कि उनकर बेमारी बहुत मजबूत हो गईल बात उ अपना बेटा अदीकाम के अपना लगे ले आवे के आदेश देले अवुरी उनुका जगह प उनुका के देश के राजा बनवले।
59 तीन साल के अंत में राजा लाज, बेइज्जती आ घृणा से मर गइलन आ ओकर नौकर ओकरा के लेके मिस्र के राजा लोग के कब्र में ज़ोआन मिग्राइम में दफना दिहले।
60 लेकिन उ लोग ओकरा के राजा लोग के संगे हमेशा निहन मलहम ना कईले, काहेंकी उनुकर मांस सड़ गईल रहे अवुरी दुर्गन्ध के चलते उनुका के संस्कार करे खाती नजदीक ना पहुंच पवले, एहसे उ लोग जल्दी-जल्दी ओकरा के दफना देले।
61 काहेकि ई बुराई प्रभु के ओर से उनकरा खातिर रहे, काहे कि प्रभु उनकरा के बुराई के बदला देले रहले जवन उ अपना जमाना में इस्राएल के साथे कईले रहले।
62 ऊ आतंकित आ लाज से मर गइलन आ उनकर बेटा अदीकाम उनका जगहा राज कइलन।

अध्याय 77 के बा

1 अदिकाम बीस साल के रहले जब उ मिस्र पर राज कईले रहले, उ चार साल तक राज कईले रहले।
2 इस्राएल के मिस्र जाए के दू सौ छठवाँ साल में अदीकाम मिस्र पर राज कइलन, बाकिर मिस्र पर उनकर राज ओतना दिन ना रहल जतना कि उनकर पुरखा लोग आपन शासन जारी रखले रहलन।
3 काहेकि उनकर बाप मेलोल मिस्र में चौनब्बे साल तक राज कइलन, लेकिन उ दस साल बेमार रहलन आ मर गइलन, काहे कि उ प्रभु के सामने दुष्ट रहलन।
4 आदिकम के नाम फिरौन रखले, जईसे कि मिस्र में उनुकर रिवाज रहे।
5 फिरौन के सब ज्ञानी लोग अदिकाम के नाम आहूज रखले, संक्षेप में मिस्र के भाषा में आहूज कहल जाला।
6 अदीकाम बहुत बदसूरत रहे, एक हाथ एक हाथ के लंबाई के रहे अवुरी उनुकर दाढ़ी बड़ रहे जवन कि उनुका गोड़ के तलवा तक पहुंचल रहे।
7 फिरौन मिस्र पर राज करे खातिर अपना पिता के सिंहासन पर बइठल आ अपना बुद्धि से मिस्र के शासन चलावत रहलन।
8 जब ऊ राज कइलन त ऊ अपना बाप आ ओकरा से पहिले के सब राजा लोग से बुराई से आगे निकल गइलन आ इस्राएल के लोग पर आपन जुआ बढ़ा दिहलन.
9 ऊ अपना नौकरन के साथे गोशेन इस्राएल के लोग के लगे गइलन आ ओह लोग पर मेहनत के मजबूत कइलन आ कहलन कि, “अपना काम, हर दिन के काम पूरा करऽ, आ आज से हमनी के काम से आपन हाथ ढील मत मत दीं जइसे कि तू लोग हमरा पिता के जमाना में करत रहलू।
10 उ इस्राएल के लोग के बीच से ओह लोग पर अफसरन के नियुक्ति कइले आ अपना नौकरन के बीच से ओह अधिकारी लोग के काम के मालिकन के नियुक्ति कइले।
11 ऊ ओह लोग के ऊपर ईंट के नाप रखलन कि ऊ लोग दिन पर दिन ओह संख्या के हिसाब से काम कर सके आ ऊ पीछे मुड़ के मिस्र चल गइलन.
12 ओह घरी फिरौन के काम के मालिक फिरौन के आदेश के अनुसार इस्राएल के अधिकारी लोग के आदेश देले।
13 फिरौन इ कहत बाड़न कि हर दिन आपन काम करीं आ आपन काम पूरा करीं आ रोज के ईंट के नाप के पालन करीं। कुछुओ ना कम करे के चाहीं।
14 आ अइसन होई कि अगर रउरा रोज के ईंट में कमी बा त हम रउरा छोट लइकन के ओह लोग के जगह पर राखब।
15 मिस्र के काम के मालिक लोग फिरौन के आदेश के मुताबिक अयीसन करत रहले।
16 जब भी इस्राएल के लोग के रोज के ईंट के नाप में कवनो कमी होखे त फिरौन के काम के मालिक इस्राएल के मेहरारू लोग के लगे जाके इस्राएल के बच्चा के ईंट के कमी के संख्या तक ले जात रहले, उ लोग अपना महतारी के गोदी से जबरन लेके ईंट के जगह इमारत में रख जात रहले।
17 जब इमारत के देवाल में आपन शिशु के रोवे के आवाज सुन के उनकर बाप-माई रोवत रहले आ रोवत रहले।
18 तब काम के मालिक लोग इस्राएल पर हावी हो गइल कि इस्राएली लोग अपना लइकन के इमारत में रखे, एहसे एगो आदमी अपना बेटा के देवाल में रख के ओकरा ऊपर मोर्टार लगा दिहलस, जबकि ओकर आँख ओकरा पर रोवत रहे आ ओकर लोर ओकरा लइका पर बह गइल।
19 मिस्र के काम के मालिक लोग बहुत दिन तक इस्राएल के बच्चा लोग के संगे अयीसन करत रहले अवुरी केहु के इस्राएल के बच्चा प दया ना आईल अवुरी ना ही करुणा भईल।
20 इमारत में मारल गइल सब लइकन के संख्या दू सौ सत्तर रहे, कुछ लोग के ईंट के जगह बनवले रहे जवन उ लोग अपना बाप के कमी छोड़ले रहे आ कुछ लोग के इमारत से मर के निकालले रहे।
21 आदीकाम के जमाना में इस्राएल के लोग पर जवन मेहनत लागल रहे, उ कठिनाई से अधिका रहे जवन उ लोग उनुका पिता के जमाना में कईले रहले।
22 इस्राएल के लोग अपना भारी काम के चलते रोज आह भरत रहले, काहेकि उ लोग मन ही मन कहत रहले कि देख, जब फिरौन मर जईहे त उनुकर बेटा उठ के हमनी के काम के हल्का क दिही।
23 लेकिन उ लोग पहिले के काम से जादे बाद के काम के बढ़ा देले अवुरी इस्राएल के लोग एकरा से आह भरले अवुरी अपना मेहनत के चलते उ लोग के पुकार परमेश्वर के लगे पहुंच गईले।
24 ओह दिन में परमेस् वर इस्राएल के लोग के आवाज आ उनकर पुकार सुनलन आ उ लोग के आपन वाचा याद कइलन जवन उ अब्राहम, इसहाक आ याकूब के साथे कइले रहलन।
25 तब परमेस् वर इस्राएल के लोगन के बोझ आ ओह लोग के भारी काम देख के ओह लोग के बचावे के ठान लिहलन।
26 अम्राम के बेटा मूसा ओह घरी मिद्यानी के घर में काल कोठरी में बंद रहले आ रऊएल के बेटी सिप्पोरा दिन पर दिन चुपके से खाना से उनकर भरण पोषण करत रहली।
27 मूसा के दस साल तक रेउल के घर के कालकोठरी में बंद कईल गईल।
28 दस साल के अंत में जवन कि फिरौन के पिता के जगह मिस्र पर शासन के पहिला साल रहे।
29 सिप्पोरा अपना पिता रयूएल से कहली, “उ इब्रानी आदमी से केहू पूछताछ ना करेला आ ना खोजत बा, जेकरा के तू दस साल के जेल में बान्हले रहलू।”

30 अब अगर तोहरा नजर में अच्छा लागे त हमनी के भेज के देखल जाव कि उ जिंदा बा कि मरल बा, लेकिन ओकर पिता के इ ना मालूम रहे कि उ उनुकर सहारा देले बिया।
31 ओकर बाप रुएल ओकरा से कहलन, "का कबो अइसन भइल बा कि कवनो आदमी के दस साल ले बिना खाना के जेल में बंद कर दिहल जाव आ ऊ जिंदा रह जाव?
32 सिप्पोरा अपना पिता के जवाब दिहली, "तू सचमुच सुनले बाड़ू कि इब्रानियन के परमेश्वर महान आ भयानक हवे अवुरी हर समय ओ लोग खाती चमत्कार करेले।
33 उहे इब्राहीम के कसदी के उर से, इसहाक के अपना पिता के तलवार से, आ याकूब के प्रभु के दूत से बचा लेले, जवन कि जबूक के खाड़ी प उनुका संगे कुश्ती करत रहले।
34 इ आदमी के साथे उ बहुत काम कईले बा, उ मिस्र के नदी से, फिरौन के तलवार से, आ कुश के संतान से बचा लेले बाड़े, ओसही उ ओकरा के अकाल से बचा सकतारे अवुरी ओकरा के जिंदा क सकतारे।
35 रुएल के नजर में ई बात अच्छा लागल आ ऊ अपना बेटी के बात के मुताबिक काम कइलन आ मूसा के का भइल, ई पता लगावे खातिर कालकोठरी में भेज दिहलन।
36 ऊ देखलन आ देखलन कि ऊ आदमी मूसा कालकोठरी में रहत रहले आ गोड़ पर खड़ा होके अपना पुरखन के भगवान के स्तुति आ प्रार्थना करत रहले.
37 रुएल मूसा के कालकोठरी से बाहर निकाले के आदेश दिहलस, त उ लोग मूसा के मुंडन क लेले अवुरी उ जेल के कपड़ा बदल के रोटी खईले।
38 ओकरा बाद मूसा घर के पीछे के रेवेल के बगीचा में गईले अवुरी उहाँ उ अपना परमेश्वर से प्रार्थना कईले, जवन कि उनुका खाती बहुत बड़ चमत्कार कईले रहले।
39 जब उ प्रार्थना करत रहले त उ अपना सोझा देखले त देखले कि बगइचा के बीच में लगावल जमीन में नीलम के लाठी लगावल गईल बा।
40 ऊ लाठी के लगे पहुँचल त देखलस कि ओह लाठी पर सेना के परमेश्वर प्रभु के नाम उकेरल बा आ ओकरा पर विकसित भइल बा।
41 ऊ पढ़ के हाथ बढ़ा के जंगल के पेड़ नियर झाड़ी से उखाड़ लिहले आ लाठी हाथ में रहे।
42 इहे लाठी ह जवना से हमनी के परमेश्वर के सब काम पूरा होत रहे, जब उ आकाश आ धरती, आ ओकर सब सेना, समुंदर, नदी आ ओकर सब मछरी के रचना कईले रहले।
43 जब परमेस् वर आदम के अदन के बगीचा से भगा दिहलन त ऊ लाठी के हाथ में लेके जाके ओह जमीन के जोत कइलन जवना से ऊ निकालल गइल रहले।
44 ऊ लाठी नूह के लगे उतरल आ शेम आ उनकर वंशज के दिहल गइल जबले कि ऊ इब्राहीम इब्राहीम के हाथ में ना आ गइल।
45 जब इब्राहीम आपन सब कुछ अपना बेटा इसहाक के दे दिहलन त इ लाठी भी ओकरा के दे दिहलन।
46 जब याकूब पदान-अराम भाग गइलन त ऊ ओकरा के अपना हाथ में ले लिहलन आ जब ऊ अपना बाप के लगे लवटलन त ऊ ओकरा के अपना पीछे ना छोड़ले रहले.
47 जब ऊ मिस्र गइलन त ऊ ओकरा के अपना हाथ में लेके यूसुफ के दे दिहलन जवन अपना भाई लोग से एक हिस्सा अधिका रहे काहे कि याकूब ओकरा के जबरन अपना भाई एसाव से ले लिहले रहले.
48 यूसुफ के मरला के बाद मिस्र के कुलीन लोग यूसुफ के घर में आ गईले अवुरी लाठी मिद्यानी रेउल के हाथ में आ गईल अवुरी जब उ मिस्र से निकलले त ओकरा के अपना हाथ में लेके अपना बगइचा में लगा देले।
49 किनियन के सब पराक्रमी लोग जब उनकर बेटी सिप्पोरा के पावे के कोशिश कइल त ओकरा के तोड़े के कोशिश कइल बाकिर ऊ लोग असफल रहल.
50 तब तक उ लाठी रऊएल के बगइचा में रोपल रहल, जब तक कि उ लाठी के अधिकार वाला ना आके ओकरा के ना ले लिहलस।
51 जब रुएल मूसा के हाथ में लाठी देख के अचरज में पड़ गईले अवुरी उ अपना बेटी सिप्पोरा के पत्नी के रूप में दे देले।

अध्याय 78 के बा

1 ओही समय एदोम के राजा अकबोर के बेटा बाल चन्नान के मौत हो गईल अवुरी उनुका के एदोम देश में उनुका घर में दफना दिहल गईल।
2 ओकरा मरला के बाद एसाव के संतान एदोम के देश में भेजले अवुरी उहाँ से एगो आदमी के ले गईले, जेकर नाम हदाद रहे।
3 हदाद एदोम के लोग पर अड़तालीस साल तक राज कइलन।
4 जब ऊ राज कइलन त ऊ मोआब के लोग से लड़े के ठान लिहलन कि ऊ लोग पहिले जइसन एसाव के लोग के अधिकार में ले आवल जाव बाकिर ऊ ना कर पवलसि काहे कि मोआब के लोग ई बात सुन के ऊ लोग उठ के अपना भाई लोग का बीच से ओह लोग पर राजा चुने खातिर जल्दीबाजी कइल.
5 ओकरा बाद उ लोग एगो बड़हन लोग के एकट्ठा क के अम्मोन के लोग के लगे आपन भाई लोग के लगे भेजले कि उ लोग एदोम के राजा हदाद के खिलाफ लड़ाई लड़े।
6 हदाद मोआब के लोग के काम सुन के बहुत डेरा गईले अवुरी ओ लोग से लड़ाई करे से परहेज कईले।
7 ओह घरी अम्राम के बेटा मूसा मिद्यान में रह के मिद्यानी रऊएल के बेटी सिप्पोरा के पत्नी बना लिहले।
8 सिप्पोरा याकूब के बेटी लोग के रास्ता पर चलल, उ सारा, रिबेका, राहेल आ लीआ के धार्मिकता से कम ना रहली।
9 सिप्पोरा गर्भवती होके एगो बेटा के जनम दिहलस आ ओकर नाम गेर्शोम रखलस, काहेकि उ कहले रहले कि, "हम परदेसी देश में परदेसी रहनी। लेकिन उ अपना ससुर के आज्ञा से आपन अग्रचर्म के खतना ना कईले।
10 उ फेर से गर्भवती होके एगो बेटा के जनम कईली, लेकिन ओकर अग्रचमड़ा के खतना क के ओकर नाम एलीएजर रखली, काहेकी मूसा कहले रहले कि, "काहेकि हमार पुरखन के परमेश्वर हमार मददगार रहले अवुरी हमरा के फिरौन के तलवार से बचा लेले रहले।"
11 मिस्र के राजा फिरौन ओह घरी इस्राएल के लोग के मेहनत के बहुत बढ़ा दिहलन आ इस्राएल के लोग पर आपन जुआ अउरी भारी करत रहलन।
12 ऊ मिस्र में एगो घोषणा करे के आदेश दिहलन कि, "लोग के अब ईंट बनावे खातिर भूसा मत दीं, ऊ लोग के जाके अपना खातिर भूसा बटोरे दीं।

13 ईंट के कहानी भी जवन उ लोग बनाई, उ लोग के रोज देवे के चाही, अवुरी उ लोग से कुछूओ कम मत करीं, काहेंकी उ लोग अपना काम में बेकार बाड़े।
14 इस्राएल के लोग ई बात सुन के शोक मनले आ आह भरले आ अपना मन के कड़वाहट के चलते प्रभु से पुकारत रहले।
15 यहोवा इस्राएल के लोग के पुकार सुन के देखलन कि मिस्र के लोग जवना अत्याचार से ओह लोग पर अत्याचार करत रहे।
16 प्रभु अपना लोग आ अपना विरासत से ईर्ष्या कइलन आ ओह लोग के आवाज सुन के ऊ ओह लोग के मिस्र के कष्ट से बाहर निकाले के ठान लिहलन आ कनान के देश के अपना कब्जा में लेबे के फैसला कइलन.

अध्याय 79 के बा

1 ओह घरी मूसा अपना ससुर मिद्यानी राऊएल के भेड़ के चरवाहा करत रहले, जवन कि सिन के जंगल के पार करत रहले अवुरी उनुका ससुर से जवन लाठी लेले रहले, उ उनुका हाथ में रहे।
2 एक दिन एगो बकरी के बकरी झुंड से भटक गइल आ मूसा ओकर पीछा कइलस आ ऊ भगवान के पहाड़ होरेब पर पहुँचल।
3 जब उ होरेब पहुंचले त उहाँ प्रभु झाड़ी में देखाई देले, त उ झाड़ी के आग से जरत देखले, लेकिन झाड़ी प आग के कवनो अधिकार ना रहे कि उ झाड़ी के भस्म कर सके।
4 मूसा ई देख के बहुत हैरान हो गइलन, एह से झाड़ी ना भस्म हो गइल आ ऊ ई पराक्रमी चीज देखे खातिर नजदीक आ गइलन आ प्रभु आग से मूसा के बोलवले आ ओकरा के मिस्र, मिस्र के राजा फिरौन के लगे जाए के आदेश दिहलन, ताकि इस्राएल के लोग के सेवा से भेजल जा सके।
5 तब परमेस् वर मूसा से कहलन, "जा, मिस्र लवट जा, काहेकि तोहार जान लेबे वाला सब लोग मर गइल बा, आ तू फिरौन से कहब कि इस्राएल के लोग के ओकरा देश से भेजल जाव।
6 प्रभु ओकरा के मिस्र में फिरौन आ ओकर प्रजा के नजर में चमत्कार आ चमत्कार करे के देखा दिहलन ताकि उ लोग विश्वास कर सके कि प्रभु उनुका के भेजले बाड़े।
7 मूसा प्रभु के आज्ञा के सब बात सुनले अवुरी उ अपना ससुर के लगे वापस आके उनुका के बतवले अवुरी रेउल उनुका से कहले, "शांति से जा।"
8 मूसा मिस्र जाए खातिर उठलन आ अपना मेहरारू आ बेटा लोग के लेके सड़क पर एगो सराय में रहले आ भगवान के एगो दूत उतर के उनकरा खिलाफ मौका खोजलस।
9 उ अपना पहिला बेटा के चलते ओकरा के मारे के चाहत रहले, काहेकि उ ओकर खतना ना कईले रहले अवुरी प्रभु अब्राहम के संगे जवन वाचा कईले रहले, ओकर उल्लंघन कईले रहले।
10 काहेकि मूसा अपना ससुर के बात के सुनले रहले जवन उ अपना पहिला बेटा के खतना ना करस, एहसे उ ओकर खतना ना कईले रहले।
11 सिप्पोरा प्रभु के दूत के मूसा के खिलाफ मौका खोजत देखली, त उ जान गईली कि इ बात उनुका बेटा गेर्शोम के खतना ना कईला के चलते भईल बा।
12 सिप्पोरा जल्दी-जल्दी ओहिजा के तेज चट्टान के पत्थर के लेके अपना बेटा के खतना क के अपना पति अवुरी बेटा के प्रभु के दूत के हाथ से बचा लेली।
13 ओह दिन मूसा के भाई अम्राम के बेटा हारून मिस्र में नदी के किनारे चलत रहले।
14 तब परमेस् वर उनके सामने प्रकट भइले आ उनसे कहलन, "अब जंगल में मूसा के ओर जा, उ जाके परमेश्वर के पहाड़ पर उनकरा से भेंट कइलन आ उ उनकरा के चुम्मा लेलन।
15 हारून आँख उठा के मूसा के मेहरारू सिप्पोरा आ ओकर लइकन के देखले आ मूसा से पूछले, "ई लोग तोहरा खातिर के ह?"
16 मूसा ओकरा से कहले, "उ हमार मेहरारू आ बेटा हवें, जवन परमेश्वर हमरा के मिद्यान में देले रहले। आ ई बात हारून के ओह औरत आ ओकर लइकन के चलते दुखी हो गइल।
17 हारून मूसा से कहले, "ओह औरत के आ ओकर लइकन के भेज दीं कि ऊ लोग ओकरा बाप के घरे जा सके आ मूसा हारून के बात सुन के अइसे कइलन।
18 सिप्पोरा अपना लइकन के साथे लवट के रऊएल के घरे चल गइलन आ तब तक उहाँ रहलन जब तक कि प्रभु अपना लोग से भेंट ना कर के फिरौन के हाथ से मिस्र से बाहर ना ले अइले।
19 मूसा आ हारून मिस्र में इस्राएल के लोग के जमात में अइले आ उ लोग ओह लोग से प्रभु के सब बात कहलन आ लोग बहुते खुश हो गइल।
20 अगिला दिने मूसा आ हारून सबेरे उठ के फिरौन के घरे चल गइले आ भगवान के लाठी अपना हाथ में ले लिहले।
21 जब ऊ लोग राजा के फाटक पर पहुँचल त दू गो शेर के बच्चा लोहा के साज-बाज लेके बंद हो गइल रहे आ ओह लोग के सामने से केहू बाहर ना निकलल आ ना भीतर आवत रहे, जबले कि राजा जेकरा के आवे के आदेश ना देले रहले, जब जादूगर आके शेर के अपना मंत्र से वापस ले लेले रहले, आ एह से शेर के राजा के लगे ले आवल गईल।
22 मूसा जल्दी-जल्दी शेरन पर लाठी उठा के शेरन के खोल दिहलन आ मूसा आ हारून राजा के घर में आ गइलन.
23 शेर भी ओ लोग के साथे खुशी से आ गईले, आ उ लोग ओ लोग के पीछे-पीछे ओसही खुश हो गईले, जईसे कुकुर अपना मालिक के खेत से आवे प खुश होखेला।
24 जब फिरौन ई बात देख के अचरज में पड़ गइलन आ एह बात से ऊ बहुते डेरा गइलन काहे कि ओह लोग के रूप भगवान के संतान के रूप जइसन रहे।
25 फिरौन मूसा से पूछले, "तू का मांगत बाड़? उ लोग जवाब देले कि, इब्रानियन के परमेश्वर प्रभु हमनी के तोहरा लगे भेजले बाड़े कि, 'हमार लोग के भेज द, ताकि उ लोग हमार सेवा करस।'
26 जब फिरौन ओ लोग के बात सुन के बहुत डेरा गईले अवुरी कहले, "आज जाके काल्ह हमरा लगे लवट आईं अवुरी उ लोग राजा के वचन के मुताबिक काम कईले।
27 जब ऊ लोग चल गइल त फिरौन बिलाम के जादूगर आ उनकर बेटा यानेस आ याम्ब्रेस आ राजा के सब जादूगर आ जादूगर आ सलाहकारन के बोलावे के भेजलस आ सब लोग राजा के सामने आके बइठ गइल।
28 राजा मूसा आ उनकर भाई हारून से कहल सब बात बतवले त जादूगर राजा से कहले, "लेकिन फाटक पर बंद शेर के चलते आदमी तोहरा लगे कईसे आईल?"

29 राजा कहलस, "काहेकि उ लोग शेर के खिलाफ आपन लाठी उठा के ढीला क के हमरा लगे आईल अवुरी शेर भी ओ लोग प ओसही खुश भईले, जईसे कुकुर अपना मालिक से मिले में खुश होखेला।
30 बेओर के बेटा बिलाम राजा के जवाब देले कि, इ लोग हमनी निहन जादूगर के अलावे अवुरी केहु ना हवे।
31 अब ओह लोग के बोलावे के भेजऽ आ ओह लोग के आवे दीं आ हमनी के ओह लोग के परीक्षण करब जा आ राजा अईसन कइलन।
32 सबेरे फिरौन मूसा आ हारून के राजा के सोझा आवे खातिर बोलवले, उ लोग भगवान के लाठी लेके राजा के लगे आके उनुका से बात कईले।
33 इब्रानियन के परमेस् वर प्रभु इ कहलन, "हमार लोग के भेज द कि उ लोग हमार सेवा करस।"
34 राजा ओह लोग से कहलस, "परमेशवर के दूत हईं अउर उनकरा आदेश से हमरा लगे आवत बानी?"
35 अब एह बात में कवनो आश्चर्य भा चमत्कार दीं, तब तू जवन बात कहब, ओकरा पर विश्वास हो जाई।
36 हारून जल्दी-जल्दी अपना हाथ से लाठी निकाल के फिरौन आ अपना नौकरन के सोझा फेंक दिहलन आ लाठी साँप में बदल गइल।
37 जादूगर लोग ई देख के हर आदमी के आपन लाठी जमीन पर फेंक दिहलस आ ऊ लोग साँप बन गइल।
38 हारून के लाठी के साँप आपन माथा उठा के आपन मुँह खोल के जादूगरन के लाठी निगललस।
39 बिलाम जादूगर जवाब दिहलस, "ई बात पहिले से चलत रहे कि साँप अपना साथी के निगल जाला अवुरी जीव एक दूसरा के खा जाला।
40 अब ओकरा के पहिले जइसन लाठी में ले आवऽ आ हमनी के भी आपन छड़ी के पहिले जइसन फेर से बना देब जा आ अगर तोहार लाठी हमनी के लाठी के निगल जाई त हमनी के पता चल जाई कि भगवान के आत्मा तोहरा में बा आ अगर ना त तू हमनी जइसन कारीगर हउअ।
41 हारून जल्दी-जल्दी आपन हाथ बढ़ा के साँप के पूंछ पकड़ लिहले आ ऊ ओकरा हाथ में छड़ी बन गइल आ जादूगर लोग अपना डंडा से अइसने कइल आ ऊ लोग अपना साँप के पूंछ के पकड़ लिहल आ ऊ लोग पहिले जइसन लाठी बन गइल.
42 जब उ लोग डंडा में वापस आ गईले त हारून के लाठी ओ लोग के लाठी निगल गईल।
43 राजा जब ई बात देख के मिस्र के राजा लोग से संबंधित रिकार्ड के किताब ले आवे के आदेश दिहलन आ ऊ लोग रिकार्ड के किताब, मिस्र के राजा लोग के इतिहास के किताब ले अइले, जवना में मिस्र के सगरी मूर्ति लिखल रहे, काहे कि ऊ लोग सोचले रहे कि ओहमें यहोवा के नाम मिल जाव बाकिर ऊ लोग ना मिलल.
44 फिरौन मूसा आ हारून से कहले, "देखऽ, हमरा एह किताब में तोहरा परमेश्वर के नाम लिखल नइखे मिलल आ ओकर नाम हम नइखी जानत।"
45 सल्लाहकार आ ज्ञानी लोग राजा के जवाब दिहल, "हम सुनले बानी कि इब्रानियन के भगवान ज्ञानी लोग के बेटा हवें, पुरान राजा लोग के बेटा हवें।"
46 फिरौन मूसा आ हारून के ओर मुड़ के कहलस, "हम प्रभु के नईखी जानत, जेकरा के तू लोग बतवले बाड़ू, ना हम ओकर लोग के भेजब।"
47 उ लोग राजा से कहलस कि, "परमेशवर के परमेश्वर उनुकर नाम ह, उ हमनी के पुरखन के जमाना से हमनी के ऊपर आपन नाम के घोषणा कईले अवुरी हमनी के भेजले कि, 'फिरौन के लगे जाके उनुका से कह दीं कि, 'हमार लोग के भेज द, ताकि उ लोग हमार सेवा करस।'
48 अब हमनी के भेज दीं कि हमनी के तीन दिन तक जंगल में यात्रा कर सकीले अवुरी उहाँ उनुका के बलि चढ़ावल जा सके, काहेंकी हमनी के मिस्र उतरला के दिन से उ हमनी के हाथ से होमबलि, बलिदान चाहे बलिदान ना लेले बाड़े अवुरी जदी तू हमनी के ना भेजब त उनुकर क्रोध तोहरा खिलाफ भड़कि जाई अवुरी उ मिस्र के या त महामारी से मार दिही तलवार।
49 फिरौन ओह लोग से कहलस, "उनकर शक्ति आ पराक्रम बताईं। आ ऊ लोग ओकरा से कहलस, ऊ आकाश आ धरती, समुंदर आ ओकर सब मछरी बनवले, ऊ रोशनी बनवले, अन्हार के रचना कइले, धरती पर बरखा कर के पानी देले, आ जड़ी-बूटी आ घास के अंकुरित कइले, ऊ आदमी आ जानवर आ जंगल के जानवर, हवा के चिरई आ समुंदर के मछरी के रचना कइले आ ओकरा मुँह से ऊ लोग जियत मर जाला।
50 ऊ तोहरा के तोहरा माई के पेट में रचले बा आ तोहरा में जीवन के साँस डाल के तोहरा के पोस के मिस्र के राजसिंहासन पर बइठा दिहले बा आ तोहरा के साँस आ प्राण के तोहरा से छीन के तोहरा के ओह जमीन पर वापस कर दी जहाँ से तोहरा के ले जाइल गइल रहे।
51 राजा के गुस्सा ओह लोग से कहलन, "जाति के सब देवता में से के ई काम कर सकेला?" हमार नदी हमार ह, आ हम ओकरा के अपना खातिर बनवले बानी।
52 ऊ ओह लोग के अपना से भगा दिहलन आ इस्राएल पर लागल श्रम के काल्हु आ पहिले से अधिका करे के आदेश दिहलन.
53 मूसा आ हारून राजा के सामने से निकलले आ देखले कि इस्राएल के लोग के हालत खराब बा काहे कि काम के मालिक लोग आपन मेहनत बहुते भारी कर दिहले बा.
54 मूसा प्रभु के लगे लवट के कहले, "तू अपना लोग के संगे काहे बुरा व्यवहार कईले बाड़ू? काहे कि जबसे हम फिरौन से कहे आइल बानी कि तू हमरा के का भेजले बाड़ू, तब से ऊ इस्राएल के लोग के बहुते खराब इस्तेमाल कइले बाड़न.
55 तब प्रभु मूसा से कहले, "देखऽ, तू देखब कि फिरौन अपना देश से इस्राएल के लोग के पसरल हाथ आ भारी विपत्ति से भेज दिहे।
56 मूसा आ हारून अपना भाई इस्राएल के लोग के बीच मिस्र में रहत रहले।
57 इजराइल के लोग के बारे में मिस्र के लोग ओह भारी काम से आपन जान कड़वा दिहल।

अध्याय 80 के बा

1 दू साल के अंत में प्रभु फिरौन के लगे मूसा के फिरौन के लगे भेजले कि उ इस्राएल के लोग के बाहर निकालस अवुरी मिस्र से बाहर भेजस।

2 मूसा फिरौन के घरे जाके ओकरा से भेजल प्रभु के बात कहले, लेकिन फिरौन प्रभु के आवाज ना सुनले, अवुरी भगवान मिस्र में फिरौन अवुरी उनुका प्रजा प आपन ताकत जगवले अवुरी भगवान फिरौन अवुरी उनुका लोग के बहुत बड़ अवुरी गंभीर विपत्ति से मार देले।
3 प्रभु हारून के हाथ से भेज के मिस्र के सब पानी के खून में बदल दिहलन आ ओकर सब धार आ नदी के भी खून में बदल दिहलन।
4 जब एगो मिस्र के आदमी पानी पीये आके पानी निकाले आइल त ऊ अपना घड़ा में देखलस त देखलस कि सब पानी खून में बदल गइल बा। आ जब ऊ अपना प्याला से पीये अइले त प्याला में पानी खून हो गइल।
5 जब एगो मेहरारू आपन आटा गूंध के आपन खाना पकावत रहे त ओकर रूप खून के रूप में बदल गईल।
6 तब परमेस् वर फेर से भेज के ओह लोग के सब पानी में बेंग पैदा कर दिहलन आ सब बेंग मिस्र के घर में आ गइलन।
7 जब मिस्र के लोग शराब पीयत रहे त ओह लोग के पेट में बेंग भर गइल रहे आ ऊ लोग अपना पेट में नाचत रहे जइसे नदी में नाचत रहे।
8 उ लोग के पीये के पानी आ खाना बनावे के पानी बेंग में बदल गईल, उहो जब उ लोग अपना बिछौना में लेट गईले त पसीना से बेंग पैदा भईल।
9 एह सब के बावजूद प्रभु के क्रोध ओह लोग से ना हटल आ उनकर हाथ सब मिस्र के लोग के खिलाफ बढ़ल कि उ लोग के हर भारी विपत्ति से मार सके।
10 ऊ भेज के ओह लोग के धूल के जूँ मार दिहलन आ मिस्र में जूँ धरती पर दू हाथ ऊँच हो गइल.
11 मिस्र के सब निवासी में आदमी आ जानवर के मांस में भी जूँ बहुत ढेर रहे, राजा-रानी पर भी प्रभु जूँ भेजले रहले, आ जूँ के चलते मिस्र के बहुत दुख भईल।
12 एकरा बावजूद प्रभु के क्रोध ना हटल आ मिस्र पर उनकर हाथ अबहियो पसरल रहे।
13 तब प्रभु खेत के हर तरह के जानवरन के मिस्र भेज दिहलन आ ऊ लोग आके पूरा मिस्र, आदमी आ जानवर, पेड़ आ मिस्र के सब चीजन के नाश कर दिहलस।
14 प्रभु आगि के साँप, बिच्छू, चूहा, नेवला, टोड आ अउरी लोग के साथे धूल में रेंगत भेजले।
15 मक्खी, हॉर्नेट, पिस्सू, कीड़ा आ चीर, हर एक के झुंड अपना तरह के होला।
16 अपना तरह के सब सरीसृप आ पंख वाला जानवर मिस्र में आके मिस्र के लोग के बहुत दुखी कर दिहलस।
17 पिस्सू आ मक्खी मिस्र के लोग के आँख आ कान में आ गइल।
18 हॉर्नेट ओह लोग पर आके ओह लोग के भगा दिहलस आ ऊ लोग ओकरा से हट के अपना भीतर के कमरा में आ गइल आ ऊ ओह लोग के पीछा कइलस।
19 जब मिस्र के लोग जानवरन के झुंड के चलते लुका गईले त उ लोग आपन दरवाजा बंद क देले अवुरी भगवान समुंदर में मौजूद सुलानुथ के ऊपर आके मिस्र में जाए के आदेश देले।
20 उनकर लमहर बांह रहे, जवना के लंबाई एगो आदमी के हाथ से दस हाथ रहे।
21 ऊ छत पर जाके छत आ फर्श खोल के ओकरा के काट दिहली आ घर में आपन बाँहि बढ़ा के ताला आ बोल्ट हटा के मिस्र के घर खोल दिहली।
22 ओकरा बाद जानवरन के झुंड मिस्र के घरन में आ गइल आ जानवरन के झुंड मिस्र के लोग के नाश कर दिहलस आ ऊ लोग बहुते दुखी कइलस।
23 एकरा बावजूद प्रभु के क्रोध मिस्र के लोग से ना हटल आ उनकर हाथ अबहियो ओह लोग के खिलाफ बढ़ल रहे।
24 परमेस् वर महामारी भेजलन आ ई महामारी मिस्र में, घोड़ा-गदहा, ऊंट, बैल-भेड़ आ आदमी के झुंड में व्याप्त हो गइल।
25 जब मिस्र के लोग सबेरे-सबेरे उठ के आपन मवेशी के चारागाह में ले जाए खातिर आपन सब मवेशी मरल देखले।
26 मिस्र के मवेशी में से दस में से एक गो बचल रहे आ गोशेन में इस्राएल के मवेशी में से एक के भी मौत ना भइल।
27 भगवान मिस्र के मांस में जरत सूजन भेजले, जवना से उनुकर खाल फाट गईल अवुरी सभ मिस्र के गोड़ के तलवा से लेके माथा के मुकुट तक बहुत खुजली हो गईल।
28 ओह लोग के मांस में बहुत फोड़ा लागल रहे कि ओह लोग के मांस तब तक खतम हो गइल जब तक कि ऊ सड़ल आ सड़ल ना हो गइल।
29 एकरा बावजूद प्रभु के क्रोध ना हटल आ उनकर हाथ अबहियों पूरा मिस्र पर पसरल रहे।
30 तब प्रभु बहुत भारी ओला भेज दिहलस जवन ओह लोग के बेल के चोट से मार दिहलस आ ओह लोग के फलदार पेड़ के तोड़ दिहलस आ ओकरा पर गिरला के बाद सूखा दिहलस।
31 हर हरियर जड़ी-बूटी सूख गइल आ नाश हो गइल, काहे कि ओला के बीच में घुलमिलत आग उतरत रहे, एही से ओला आ आग सब चीज के भस्म कर दिहलस।
32 बाहर मिलल आदमी आ जानवर भी आग के लपट आ ओला के लपट से नाश हो गईले आ सब शेर के बच्चा थक गईले।
33 तब प्रभु मिस्र में कई गो टिड्डी भेज के ले अइले, चसेल, सलोम, चरगोल आ चागोले, हर तरह के टिड्डी आ ओला के बचल सब कुछ खा गइल।
34 तब मिस्र के लोग टिड्डी के देख के खुश हो गईले, हालांकि उ लोग खेत के उपज के भस्म क देले अवुरी उ लोग ओकरा के भरपूर पकड़ के खाए खाती नमकीन डाल देले।
35 तब प्रभु समुंदर के एगो तेज हवा घुमा दिहलन जवन सब टिड्डी के, नमकीन से भरल टिड्डियन के लेके लाल सागर में धकेल दिहलस। मिस्र के सीमा में एको टिड्डी ना रह गइल।
36 भगवान मिस्र पर अन्हार भेज दिहलन कि पूरा मिस्र आ पथरोस तीन दिन ले अन्हार हो गइल आ आदमी के हाथ मुँह पर उठा के ना लउकल.
37 ओही समय इस्राएल के बहुत लोग मर गइलन जे प्रभु के खिलाफ विद्रोह कइले रहले आ मूसा आ हारून के बात ना सुनले रहले आ ओह लोग पर विश्वास ना करत रहले कि भगवान ओह लोग के भेजले बाड़न.
38 ऊ कहले रहले कि, "हमनी के मिस्र से ना निकलब जा, कहीं उजाड़ जंगल में भूख से नाश ना हो जाईं जा आ मूसा के आवाज ना सुनी।"
39 अन्हार के तीन दिन में प्रभु ओ लोग के सता दिहलन आ ओह दिन इस्राएली लोग ओह लोग के दफना दिहलन, जवना के बारे

में मिस्र के लोग के पता ना चलल आ ना ही ओह लोग पर खुशी ना भइल।
40 मिस्र में तीन दिन तक अन्हार बहुत ज्यादा रहे आ अन्हार होखे के समय जे केहू भी खड़ा रहे, उ अपना जगह पर खड़ा रहे आ बईठल बईठल रहे, आ जे लेट रहे उहे हालत में लेटत रहे आ चलत रहे उहे जगह जमीन पर बईठल रहे। जबले अन्हार ना खतम हो गइल तबले सब मिस्र के लोग के साथे ई बात भइल।
41 अन्हार के दिन बीत गइल आ प्रभु मूसा आ हारून के इस्राएल के लोग के लगे भेजलन कि, "अपना परब मनाईं आ आपन फसह मनाईं, काहे कि देखऽ कि हम रात के बीच में सब मिस्र के लोग के बीच आवत बानी, आ हम ओह लोग के पहिलका बच्चा से लेके कवनो जानवर के पहिला बच्चा तक के मार देब आ जब हम तोहार फसह देखब त तोहरे से गुजरब।
42 इस्राएल के लोग ओह रात में जइसन प्रभु मूसा आ हारून के आज्ञा देले रहले, ओइसने कइले।
43 आधा रात में प्रभु मिस्र के बीच में निकल के मिस्र के पहिला बच्चा से लेके जानवर के पहिला बच्चा तक के मार देले।
44 रात में फिरौन, उ आपन सब नौकर आ पूरा मिस्र के लोग उठले अवुरी ओ रात पूरा मिस्र में बहुत चिल्लाहट भईल, काहेंकी कवनो घर ना रहे, जवना में लाश ना रहे।
45 मिस्र के पहिला जनम के उपमा भी नष्ट होके जमीन पर गिर गईल|
46 इहाँ तक कि उ लोग के पहिला बच्चा के हड्डी तक जवन कि एकरा से पहिले मर गईल रहे अवुरी जवना के उ लोग अपना घर में दफना देले रहले, ओकरा के ओ रात मिस्र के कुकुरन के ओर से खींच के मिस्र के लोग के सोझा घसीट के फेंकल गईल।
47 सब मिस्र के लोग अचानक इ बुराई के देखले अवुरी सभ मिस्र के लोग जोर-जोर से चिल्लात रहले।
48 ओह रात मिस्र के सब घराना रोवत रहे, हर आदमी अपना बेटा खातिर आ हर आदमी अपना बेटी खातिर, जवन कि पहिला बच्चा रहे, आ ओह रात दूर से मिस्र के हंगामा सुनाई पड़ल।
49 ओह रात फिरौन के बेटी बथिया राजा के साथे मूसा आ हारून के अपना घर में खोजे निकलली आ ऊ लोग अपना घर में पूरा इस्राएल के साथे खात-पीत आ आनन्दित होत मिलल।
50 बथिया मूसा से कहलस, "का इहे इनाम बा कि हम तोहरा साथे जवन भलाई कईले बानी, जवन तोहरा के पोसले बानी आ तोहरा के तान देले बानी आ तू हमरा आ हमरा बाप के घर पर इ बुराई ले आईल बाड़?"
51 मूसा ओकरा से कहले, "प्रभु मिस्र पर दस गो विपत्ति ले अइले। का ओहमें से केहू से तोहरा कवनो बुराई भइल? का ओहमें से कवनो एक के असर तोहरा पर पड़ल? आ कहली, ना।
52 मूसा ओकरा से कहले, "भले तू तोहरा महतारी के पहिला जनम हउअ, लेकिन तू ना मरब आ मिस्र के बीच में तोहरा लगे कवनो बुराई ना पहुंची।"
53 ऊ कहली, "हमरा का फायदा बा जब हम राजा, हमार भाई आ ओकर सब घर के लोग आ प्रजा के एह बुराई में देखनी, जेकर पहिला बच्चा मिस्र के सब पहिला बच्चा के संगे नाश हो जाला?
54 मूसा ओकरा से कहलन, "तोहार भाई आ ओकर घर के लोग आ प्रजा, मिस्र के परिवार, प्रभु के बात ना सुनल, एही से उ लोग पर इ बुराई आईल।"
55 मिस्र के राजा फिरौन मूसा आ हारून आ कुछ इस्राएल के लोग के लगे जाके उ लोग से प्रार्थना कईले।
56 उठ के अपना भाई लोग के, एह देश में मौजूद सब इस्राएल के लोग के, अपना भेड़-बकरी अवुरी बैल अवुरी अपना सभ चीज़ के संगे ले जा, उ लोग कुछूओ ना छोड़ी, सिर्फ हमरा खाती अपना परमेश्वर से प्रार्थना करीं।
57 मूसा फिरौन से कहले, "देखऽ, तू अपना महतारी के पहिला बच्चा हईं, बाकिर मत डेरा, काहे कि तू ना मरब, काहे कि प्रभु तोहरा के आपन बड़हन ताकत आ मजबूत पसरल बांह देखावे खातिर आज्ञा देले बाड़न कि तू जिंदा रहब।
58 फिरौन इस्राएल के लोग के भगावे के आदेश दिहलन आ सब मिस्र के लोग ओह लोग के भेजे खातिर मजबूत हो गइलन काहे कि ऊ लोग कहत रहे कि हमनी के सब नाश हो रहल बानी जा।
59 तब सब मिस्र के लोग इस्राएलियन के बहुत धन, भेड़-बड़, बैल आ कीमती सामान लेके भेजले, जवन कि प्रभु के शपथ के मुताबिक रहे।
60 इस्राएल के लोग रात में निकले में देरी कईले अवुरी जब मिस्र के लोग ओ लोग के बाहर ले आवे खाती ओ लोग के लगे पहुंचले त उ लोग से पूछले कि, "का हमनी के चोर हई जा कि हमनी के रात में निकले के चाही?
61 इस्राएल के लोग मिस्र के लोग से चांदी के बर्तन, सोना के बर्तन आ कपड़ा मंगलस आ इस्राएल के लोग मिस्र के लोग के कपड़ा उतार दिहल।
62 मूसा जल्दी-जल्दी उठ के मिस्र के नदी में चल गईले अवुरी उहाँ से यूसुफ के चिता लेके चल गईले।
63 इस्राएल के लोग भी अपना साथे आपन बाप के चिता आ हर केहू अपना गोत्र के चिता लेके अइले।

अध्याय 81 के बा

1 इस्राएल के लोग छोट-छोट बच्चा आ उनकर मेहरारू के अलावा लगभग छह लाख आदमी पैदल चल के रामसेस से सुक्कोत तक निकलल।
2 ओह लोग के साथे मिश्रित भीड़ आ झुंड आ झुंड, बहुत सारा मवेशी भी चढ़ल।
3 इस्राएल के लोग के प्रवास दू सौ दस साल रहल।
4 दू सौ दस साल के अंत में प्रभु इस्राएल के लोग के एगो मजबूत हाथ से मिस्र से बाहर ले अइले।
5 इस्राएल के लोग मिस्र, गोशेन आ रामसेस से निकल के पहिला महीना के पन्द्रहवाँ दिन सुक्कोत में डेरा डाल दिहल।
6 मिस्र के लोग अपना पहिला बच्चा के दफना दिहल, जेकरा के प्रभु मारले रहले अवुरी सभ मिस्र के लोग तीन दिन तक ओ लोग के मारल बच्चा के दफना देले।
7 इस्राएल के लोग सुक्कोत से निकल के जंगल के छोर पर एथोम में डेरा डाल दिहल।
8 मिस्र के लोग अपना पहिला बच्चा के दफनाला के तीसरा दिन मिस्र से उठ के बहुत लोग इस्राएल के पीछे-पीछे चल गईले ताकि उ लोग मिस्र में वापस आ गईले, काहेंकी उ लोग पछतावा कईले कि उ लोग इस्राएली लोग के अपना गुलामी से दूर क देले बाड़े।
9 एक आदमी अपना पड़ोसी से कहलस, "मूसा आ हारून फिरौन से कहले कि, हमनी के तीन दिन के यात्रा जंगल में जाके अपना परमेश्वर प्रभु के बलिदान देब जा।"

10 अब हमनी के सबेरे सबेरे उठ के ओह लोग के वापस ले आवल जाव आ ई होई कि अगर उ लोग हमनी के साथे मिस्र में अपना मालिकन के लगे वापस आ जाई त हमनी के पता चल जाई कि ओह लोग पर विश्वास बा, लेकिन अगर उ लोग वापस ना आई त हमनी के ओ लोग के संगे लड़ब अवुरी बहुत ताकत अवुरी मजबूत हाथ के संगे वापस ले आवब।
11 सबेरे फिरौन के सब कुलीन लोग आ ओकरा साथे लगभग सात लाख आदमी उठ के ओह दिन मिस्र से निकल के उहाँ पहुँचल जहाँ इस्राएल के लोग रहले।
12 तब सब मिस्र के लोग देखले कि मूसा, हारून आऊ इस्राएल के सब लोग पी-हहीरोत के सामने बईठल, खात-पीत आ प्रभु के परब मनावत रहले।
13 तब सब मिस्र के लोग इस्राएल के लोग से कहलस कि, "तू लोग सचमुच कहत रहलू कि हमनी के तीन दिन तक जंगल में जाके अपना परमेश्वर के बलिदान देके वापस लवटब जा।"
14 अब तोहरा गइला के पांच दिन हो गइल बा, त तू अपना मालिकन के लगे काहे ना लवटत बाड़ऽ?
15 मूसा आ हारून ओह लोग के जवाब दिहलन, काहे कि हमनी के परमेश्वर यहोवा हमनी में गवाही देले बाड़न कि, 'तू लोग अब मिस्र ना लवटबऽ, बलुक हमनी के दूध आ शहद से बहत देश में ले जाइब जा, जइसन कि हमनी के परमेश्वर प्रभु हमनी के पुरखन से किरिया देले रहले कि हमनी के देवे के किरिया खइले रहले।
16 जब मिस्र के कुलीन लोग देखल कि इस्राएल के लोग मिस्र लवटे खातिर उनकर बात ना सुनत रहे त उ लोग इस्राएल से लड़ाई करे खातिर अपना के कमरबंद क लेले।
17 तब परमेस् वर मिस्र के लोग के लेके इस्राएल के लोग के दिल मजबूत कर दिहलन कि उ लोग ओ लोग के बहुत मार दिहलस आ मिस्र के लोग पर लड़ाई बहुते भयंकर हो गइल आ सब मिस्र के लोग इस्राएल के लोग के सामने से भाग गइल, काहे कि ओह लोग में से बहुत लोग इस्राएल के हाथ से नाश हो गइल।
18 फिरौन के कुलीन लोग मिस्र में जाके फिरौन के कहलन कि, "इस्राएल के लोग भाग गईल बाड़े अवुरी अब मिस्र ना लवट जईहे अवुरी मूसा अवुरी हारून हमनी से अयीसन बात कईले।
19 फिरौन ई बात सुन के उनकर मन आ उनकर सब प्रजा के दिल इस्राएल के खिलाफ हो गइल आ उ लोग पछतावा कइल कि उ लोग इस्राएल के भेजले बा। आ सब मिस्र के लोग फिरौन के सलाह दिहल कि उ इस्राएल के लोग के पीछा करस ताकि उ लोग अपना बोझ प वापस आ जास।
20 उ लोग अपना भाई से कहलस, "हमनी के इ का कईले बानी जा कि हमनी के इस्राएल के अपना गुलामी से भेज देले बानी जा?"
21 प्रभु सब मिस्र के लोग के दिल के मजबूत कर दिहलन कि उ इस्राएली लोग के पीछा करस, काहे कि प्रभु लाल सागर में मिस्र के लोग के उखाड़ फेंके के चाहत रहले।
22 फिरौन उठ के आपन रथ के इस्तेमाल कईले अवुरी उ सभ मिस्र के लोग के एकट्ठा करे के आदेश देले, लेकिन छोट-छोट अवुरी मेहरारू के छोड़ के एको आदमी ना रह गईल।
23 सब मिस्र के लोग फिरौन के साथे इस्राएल के लोग के पीछा करे खातिर निकलल आ मिस्र के डेरा बहुत बड़ आ भारी रहे, लगभग दस लाख आदमी।
24 एह डेरा के पूरा लोग जाके इस्राएल के लोग के पीछा क के मिस्र में वापस ले आवलस अवुरी उ लोग लाल सागर के किनारे डेरा डाल के पहुंच गईले।
25 इस्राएल के लोग आपन आँख उठा के देखलन कि सब मिस्र के लोग उनकर पीछा करत बा आ इस्राएल के लोग ओह लोग से बहुत डेरा गइलन आ इस्राएल के लोग प्रभु से पुकारत रहलन।
26 मिस्र के लोग के चलते इस्राएल के लोग अपना के चार भाग में बंट गईले अवुरी उ लोग मिस्र के लोग से डेरा गईले अवुरी मूसा ओ लोग में से हरेक से बात कईले।
27 पहिला विभाजन रूबेन, शिमोन आ इस्साकर के संतान के रहे आ उ लोग अपना के समुंदर में फेंके के ठान लेले काहे कि उ लोग मिस्र के लोग से बहुत डेरात रहले।
28 मूसा ओह लोग से कहले, "मत डेराईं, खड़ा होके देखऽ कि प्रभु के उद्धार आजु तोहनी खातिर होइहें।"
29 दूसरा डिवीजन जबूलून, बिन्यामीन आ नफ्ताली के लोग के रहे आ उ लोग मिस्र के लोग के साथे मिस्र वापस जाए के ठान लेले।
30 मूसा ओह लोग से कहलन कि मत डेराईं, काहे कि जइसे आजु मिस्र के लोग के देखले बानी, ओइसहीं अब हमेशा खातिर ना देखब।
31 तीसरा टोली यहूदा आ यूसुफ के लोग के रहे आ उ लोग मिस्र के लोग से लड़ाई करे खातिर जाए के फैसला कईले।
32 मूसा ओह लोग से कहले, "अपना जगह पर खड़ा रहऽ, काहे कि प्रभु तोहनी खातिर लड़िहें आ तू चुप रहबऽ।"
33 चउथा डिवीजन लेवी, गाद आ आशेर के संतान के रहे आ ऊ लोग मिस्र के लोग के बीच में जाके ओह लोग के शर्मिंदा करे के ठान लिहले आ मूसा ओह लोग से कहले, "अपना थाना में रहऽ आ मत डेराईं, खाली प्रभु के आवाज दीं कि ऊ तोहनी के ओह लोग के हाथ से बचा सके।"
34 एकरा बाद मूसा लोग के बीच से उठ के प्रभु से प्रार्थना करत कहले।
35 हे पूरा धरती के परमेस् वर, अब अपना लोग के बचा लीं, जेकरा के तू मिस्र से निकालले रहलू, आ मिस्र के लोग एह बात के घमंड मत करे कि शक्ति आ पराक्रम उनकर ह।
36 त प्रभु मूसा से कहले, "तू हमरा से काहे पुकारत बाड़ू? इस्राएल के लोग से कहऽ कि ऊ लोग आगे बढ़ी आ तू आपन लाठी समुन्दर पर बढ़ा के ओकरा के बाँट दीं आ इस्राएल के लोग ओकरा से गुजरी।
37 मूसा अइसे कइलन आ ऊ आपन लाठी समुंदर पर उठा के ओकरा के बाँट दिहलन।
38 समुंदर के पानी बारह भाग में बाँटल गइल आ इस्राएल के लोग जूता लेके पैदल ओहिजा से गुजरत रहे जइसे कवनो आदमी तइयार सड़क से गुजरत रहे।
39 तब प्रभु मूसा आ हारून के हाथ से मिस्र आ समुंदर में इस्राएल के लोग के आपन चमत्कार देखा दिहलन।
40 जब इस्राएल के लोग समुंदर में घुसल त मिस्र के लोग ओ लोग के पीछे-पीछे आ गईले अवुरी समुंदर के पानी फेर से पानी में डूब गईले अवुरी फिरौन के छोड़ के एको आदमी ना रह गईले, जवन कि प्रभु के धन्यवाद देले अवुरी उनुका प विश्वास कईले, एहसे प्रभु उनुका के ओ समय मिस्र के लोग के संगे नाश ना कईले।
41 तब प्रभु एगो स्वर्गदूत के आदेश दिहलन कि उ मिस्र के लोग के बीच से ओकरा के ले जास, जवन ओकरा के नीनवा के देश प फेंक दिहलस अवुरी उ बहुत दिन तक ओकरा प राज कईले।

42 ओह दिन परमेस् वर इस्राएल के मिस्र के हाथ से बचा लिहले आ इस्राएल के सब लोग देखल कि मिस्र के लोग के नाश हो गइल बा आ ऊ लोग प्रभु के बड़हन हाथ देखल, जवन ऊ मिस्र आ समुंदर में कइले रहलन।
43 तब मूसा आ इस्राएल के लोग प्रभु खातिर ई गीत गवले, जब प्रभु मिस्र के लोग के सामने गिरवले रहले।
44 पूरा इस्राएल मिल के गावत रहले कि, "हम प्रभु के गाना गावत बानी काहेकि उ बहुत ऊँच बाड़े, घोड़ा अवुरी ओकरा सवार के समुंदर में फेंक देले बाड़े। देखऽ, ई परमेश्वर के व्यवस्था के किताब में लिखल बा।
45 एकरा बाद इस्राएल के लोग आपन यात्रा पर निकलल आ मारा में डेरा डाल दिहल आ प्रभु इस्राएल के लोग के मराह में ओह जगह पर नियम आ न्याय दिहलन आ प्रभु इस्राएल के लोग के आज्ञा दिहलन कि ऊ लोग आपन पूरा रास्ता पर चले आ ओकर सेवा करस।
46 ऊ लोग मारा से निकल के एलीम पहुँचल आ एलीम में बारह गो पानी के झरना आ सत्तर गो खजूर के पेड़ रहे आ लइका लोग पानी के किनारे डेरा डाल के रहे।
47 मिस्र से निकलला के बाद दूसरा महीना के पन्द्रहवाँ दिन उ लोग एलिम से निकल के सिन के जंगल में आ गईले।
48 ओह घरी परमेस् वर इस्राएल के लोग के खाए खातिर मन्ना दे दिहलन आ परमेस् वर इस्राएल के लोग खातिर स्वर्ग से अन्न बरसात करत रहलन।
49 इस्राएल के लोग जंगल में रहला के दौरान चालीस साल तक मन्ना खईले, जब तक कि उ लोग कनान देश के अपना कब्जा में लेवे ना पहुंचले।
50 ऊ लोग सिन के जंगल से निकल के आलूश में डेरा डाल दिहल।
51 आलूश से निकल के रेफिदीम में डेरा डाल दिहले।
52 जब इस्राएल के लोग रेफिदीम में रहे त एलीफाज के बेटा अमालेक, जे सोफो के भाई एसाव के बेटा रहे, इस्राएल से लड़ाई करे आईल।
53 ऊ अपना साथे आठ सौ एक हजार आदमी, जादूगर आ जादूगरन के लेके अइले आ रेफिदीम में इस्राएल से लड़ाई करे के तइयारी कइले।
54 ऊ लोग इस्राएल के खिलाफ एगो बड़हन आ कड़ा लड़ाई लड़ल आ प्रभु अमालेक आ ओकर लोग के मूसा आ इस्राएल के लोग के हाथ में आ मूसा के सेवक नून के बेटा यहोशू के हाथ में सौंप दिहलन।
55 इस्राएल के लोग अमालेक आ ओकर लोग के तलवार के धार से मार दिहल, लेकिन इस्राएल के लोग के लड़ाई बहुत कड़ा हो गईल।
56 तब परमेस् वर मूसा से कहलन, "ई बात के तोहरा खातिर यादगार के रूप में एगो किताब में लिख के तोहार सेवक नून के बेटा यहोशू के हाथ में रख दीं आ इस्राएल के लोग के आज्ञा दीं कि जब तू कनान देश में अइबऽ त तू स्वर्ग के नीचे से अमालेक के याद के पूरा तरह से मिटा देबऽ।"
57 मूसा अईसन कइलन आ उ किताब लेके ओकरा पर इ शब्द लिखलन।
58 याद रखीं कि जब तू मिस्र से निकलल रहलू त रास्ता में अमालेक तोहरा साथे का कइले बाड़ऽ।
59 ऊ रास्ता में तोहरा से मिल के तोहरा पीछे से मार दिहलस, उहो जे तोहरा पीछे कमजोर रहे जब तू बेहोश आ थक गइल रहलू।
60 एह से जब तोहार परमेस् वर तोहरा के चारो ओर के सभ दुश्मनन से आराम दे दिहे, जवना देश के मालिकाना हक के रूप में तोहार परमेश्वर तोहरा के देले बाड़े, त तू अमालेक के याद के स्वर्ग के नीचे से मिटा देब, त तू ओकरा के ना भुलाएब।
61 जे राजा अमालेक भा ओकरा याददाश्त भा ओकरा संतान पर दया करी, ऊ देखऽ हम ओकरा से माँगब आ ओकरा के ओकरा लोग के बीच से काट देब।
62 मूसा इ सब बात एगो किताब में लिख के इस्राएल के लोग के इ सब बात के आदर करे के आदेश देले।

अध्याय 82 के बा

1 इस्राएल के लोग रेफिदीम से निकल के मिस्र से निकलला के तीसरा महीना में सिनाई के जंगल में डेरा डाल दिहल।
2 ओही समय मूसा के ससुर मिद्यानी रुएल उनकर बेटी सिप्पोरा आ उनकर दुनु बेटा के साथे अइले, काहे कि उ प्रभु के अचरज के बारे में सुनले रहले जवन उ इस्राएल के साथे कईले रहले कि उ ओ लोग के मिस्र के हाथ से बचा लेले रहले।
3 रुएल मूसा के लगे उ जंगल में चल गईले, जहां उ डेरा डालले रहले, उहाँ उहाँ परमेश्वर के पहाड़ रहे।
4 मूसा अपना ससुर से बहुत इज्जत से मिले निकलले अवुरी पूरा इस्राएल उनुका संगे रहले।
5 रुएल आ ओकर लइका बहुत दिन तक इस्राएली लोग के बीच में रहलन आ ओह दिन से रऊएल प्रभु के जान गइलन।
6 इस्राएल के लोग के मिस्र से निकलला के तीसरा महीना में, छठवाँ दिन परमेश् वर सिनै पहाड़ पर इस्राएल के दस आज्ञा दे दिहलन।
7 तब पूरा इस्राएल इ सब आज्ञा सुनलस आ ओह दिन पूरा इस्राएल प्रभु में बहुत खुश हो गईल।
8 तब प्रभु के महिमा सिनै पहाड़ पर टिकल आ ऊ मूसा के बोलवले आ मूसा बादल के बीच में आके पहाड़ पर चढ़ गइलन।
9 मूसा चालीस दिन चालीस रात पहाड़ पर रहले। ऊ रोटी ना खइले आ पानी ना पियले आ प्रभु ओकरा के नियम आ न्याय के निर्देश दिहलन कि ऊ इस्राएल के लोग के सिखावे.
10 यहोवा इस्राएल के लोग के दिहल दस आज्ञा के दू गो पत्थर के पाटी पर लिखले, जवन उ मूसा के इस्राएल के लोग के आज्ञा देवे खातिर देले रहले।
11 चालीस दिन चालीस रात के अंत में जब प्रभु सिनाई पहाड़ पर मूसा से बात कइलन त प्रभु मूसा के पत्थर के पाटी दे दिहलन जवन परमेश्वर के अँगुरी से लिखल रहे।
12 जब इस्राएल के लोग देखल कि मूसा पहाड़ से उतरे में देरी कईले बाड़े त उ लोग हारून के चारों ओर बईठ के कहले, "रहल बात इ मूसा के बारे में हमनी के नईखी जानत कि उनुका का भईल बा।"
13 अब उठ के हमनी खातिर एगो अइसन देवता बनाईं जे हमनी से पहिले चल जइहें ताकि तू ना मरब।
14 हारून लोग से बहुते डेरा गइलन आ ऊ लोग के सोना ले आवे के आदेश दिहलन आ ओकरा के लोग खातिर पिघलल बछड़ा बना दिहलन.

15 भगवान मूसा से पहाड़ से उतरे से पहिले कहले, "उतर जा, काहे कि तोहार लोग जेकरा के तू मिस्र से निकालले रहलू, उ खुद के नाश क लेले बा।"
16 ऊ लोग अपना खातिर एगो पिघलल बछड़ा बनवले बा आ ओकरा सामने प्रणाम कइले बा, एहसे अब हमरा के छोड़ दीं कि हम ओह लोग के धरती से खतम कर दीं, काहे कि ऊ लोग कड़ा गर्दन वाला लोग ह.
17 मूसा प्रभु के चेहरा से निहोरा कईले अवुरी उ लोग जवन बछड़ा बनवले रहले ओकरा चलते उनुका खाती प्रभु से प्रार्थना कईले अवुरी ओकरा बाद उ पहाड़ से उतरले अवुरी उनुका हाथ में उ दुगो पत्थर के पाटी रहे, जवन कि भगवान उनुका के इस्राएली लोग के आज्ञा देवे खाती देले रहले।
18 जब मूसा डेरा के नजदीक पहुंचले अवुरी लोग के बनावल बछड़ा के देखले त मूसा के गुस्सा आ गईल अवुरी उ पहाड़ के नीचे के पाटी के तोड़ देले।
19 मूसा डेरा पर अइले आ बछड़ा के लेके आग से जरा के ओकरा के महीन धूल होखे तक पीस के पानी पर बिछा के इस्राएलियन के पीये दिहले।
20 बछड़ा बनावे वाला करीब तीन हजार आदमी एक दूसरा के तलवार से मर गईले।
21 अगिला दिने मूसा लोग से कहलन, "हम प्रभु के पास चलब, शायद हम तोहनी के पाप के प्रायश्चित कर सकीले जवन तू प्रभु के सामने पाप कईले बाड़।"
22 मूसा फेरु से प्रभु के लगे चल गईले अवुरी चालीस दिन चालीस रात तक प्रभु के संगे रहले।
23 चालीस दिन में मूसा इस्राएल के लोग खातिर प्रभु से निहोरा कइलन आ प्रभु मूसा के प्रार्थना सुनलन आ इस्राएल के खातिर प्रभु उनकरा से निहोरा कइलन।
24 तब परमेस् वर मूसा से कहलन कि उ दू गो पत्थर के पाटी काट के प्रभु के पास ले आवस, जे ओह पर दस आज्ञा लिखे।
25 मूसा अईसन कईले अवुरी उ नीचे उतर के दुनो पाटी के काट के सिनाई पहाड़ प प्रभु के लगे चल गईले अवुरी प्रभु पाटी प दस आज्ञा लिख देले।
26 मूसा चालीस दिन चालीस रात तक प्रभु के संगे रहले अवुरी प्रभु उनुका के इस्राएल के नियम अवुरी फैसला के निर्देश देले।
27 इस्राएल के लोग के आदर करत प्रभु ओकरा के आज्ञा दिहलन कि ऊ लोग प्रभु खातिर एगो पवित्र स्थान बनावे, ताकि ओकर नाम ओकरा में टिक सके, आ प्रभु ओकरा के पवित्र स्थान के उपमा आ ओकर सब बर्तन के उपमा देखा दिहलन।
28 चालीस दिन के अंत में मूसा पहाड़ से उतरले अवुरी दुनो पाटी उनुका हाथ में रहे।
29 मूसा इस्राएल के लोग के लगे अइले आ ओह लोग से प्रभु के सब बात कहलन आ ऊ ओह लोग के कानून, नियम आ न्याय सिखवले जवन प्रभु उनका के सिखवले रहले।
30 मूसा इस्राएल के लोगन से प्रभु के वचन बतवले कि ओकरा खातिर एगो पवित्र स्थान बनावल जाव ताकि उ इस्राएल के लोग के बीच रहे।
31 उ लोग मूसा के माध्यम से जवन भी अच्छाई के बारे में प्रभु उ लोग से कहले रहले, ओकरा से लोग बहुत खुश भईले अवुरी उ लोग कहले कि, "हमनी के उ सब काम करब जवन प्रभु तोहरा से कहले बाड़े।"
32 लोग एक आदमी निहन उठ के प्रभु के पवित्र स्थान में उदारता से चढ़ावल गईल अवुरी हरेक आदमी पवित्र स्थान के काम अवुरी ओकरा पूरा सेवा खाती प्रभु के बलिदान लेके आईल।
33 इस्राएल के सब लोग प्रभु के पवित्र स्थान के काम खातिर जवन कुछ भी अपना कब्जा में मिलल रहे, ओकरा में से एक-एक आदमी सोना, चांदी अवुरी पीतल अवुरी पवित्र स्थान के सेवा के लायक हर चीज़ लेके अईले।
34 काम करे वाला सब ज्ञानी लोग आके प्रभु के आज्ञा के अनुसार प्रभु के पवित्र स्थान बनवले। मन में सब ज्ञानी लोग पवित्र सेवा खातिर पवित्र स्थान, ओकर साज-सज्जा आ सब बर्तन के पवित्र सेवा खातिर बनवले, जईसे कि प्रभु मूसा के आज्ञा देले रहले।
35 पांच महीना के अंत में तम्बू के पवित्र स्थान के काम पूरा हो गईल अवुरी इस्राएल के लोग उ सब पूरा कईले, जवन कि प्रभु मूसा के कहले रहले।
36 उ लोग पवित्र स्थान आ ओकर सब सामान मूसा के लगे ले अइले। जइसे प्रभु मूसा के देखावत रहले, ओइसहीं इस्राएल के लोग भी कइले रहले।
37 मूसा काम देखलन आ देखलन कि उ लोग प्रभु के आज्ञा के मुताबिक काम करत रहले, एहसे मूसा ओ लोग के आशीष देले।

अध्याय 83 के बा

1 बारहवाँ महीना में, महीना के तेइसवाँ दिन, मूसा हारून आ उनकर बेटा लोग के लेके उनकर कपड़ा पहिन के अभिषेक क के प्रभु के आज्ञा के मुताबिक काम कइलन आ मूसा ओह सब बलिदान के लेके अइले जवन ओह दिन प्रभु उनका के आज्ञा देले रहले।
2 ओकरा बाद मूसा हारून आ उनकर बेटा लोग के लेके कहले, "तू लोग सात दिन तक तम्बू के दुआर पर रहब, काहेकि हमरा के इहे आज्ञा दिहल गईल बा।
3 हारून आ उनकर बेटा लोग मूसा के माध्यम से जवन भी आज्ञा प्रभु कहले रहले, उ सब पूरा कईले अवुरी उ लोग सात दिन तक तम्बू के दुआर प रहले।
4 आठवाँ दिन, पहिला महीना के पहिला दिन, इजराइली लोग के मिस्र से निकलला के दूसरा साल में, मूसा पवित्र स्थान के खड़ा कइलन आ मूसा तम्बू के सारा सामान आ पवित्र स्थान के सारा सामान रखलन आ उ सब पूरा कइलन जवन प्रभु उनका के दिहले रहले।
5 मूसा हारून आ उनकर बेटा लोग के बोलवले आ उ लोग अपना आ इस्राएल के लोग खातिर होमबलि आ पापबलि लेके अइले, जइसन कि प्रभु मूसा के आज्ञा देले रहले।
6 ओह दिन हारून के दुनु बेटा नदाब आ अबीहू पराया आग लेके प्रभु के सामने ले अइले जे ओह लोग के आज्ञा ना दिहले रहले आ प्रभु के सामने से आग निकल के ओह लोग के भस्म कर दिहलस आ ओह दिन ऊ लोग प्रभु के सामने मर गइल।
7 जवना दिन मूसा पवित्र स्थान के निर्माण पूरा कईले रहले, उहे दिन इस्राएल के संतान के मुखिया वेदी के समर्पण खाती आपन बलिदान प्रभु के सोझा ले आवे लगले।
8 उ लोग एक-एक दिन खातिर एक-एक राजकुमार, बारह दिन खातिर एक-एक राजकुमार के बलिदान लेके आवत रहले।

9 उ लोग अपना समय में जवन भी बलिदान लेके अईले, उ एक-एक चांदी के कटोरा, जवन कि एक सौ तीस शेकेल वजन के रहे, पबित्तर स्थल के शेकेल के हिसाब से सत्तर शेकेल के एक चांदी के कटोरा, दुनो महीन आटा से भरल रहे अवुरी तेल के संगे अन्नबलि के रूप में मिलावल रहे।
10 धूप से भरल एक चम्मच दस शेकेल सोना के रहे।
11 होमबलि खातिर एक बैल, एक मेढ़ा, एक साल के मेमना।
12 पापबलि खातिर एगो बकरी के बछड़ा के बकरी के बछड़ा के बछड़ा के बछड़ा के बछड़ा के बछड़ा के बछड़ा के बछड़ा के बछड़ा के बछड़ा के बछड़ा के बच्ची के बच्ची के बकरी के बकरी के बकरी के बकरी के बकरी के बकरी के बकरी के बकरी के बकरी के बकरी के बकरी के बकरी के बकरी के बकरी के बच्ची के बकरी के बकरी के बकरी के बकरी के बच्चा के बकरी के बकरी के बकरी के बकरी के बकरी के बच्चा के बकरी के बकरी के बकरी के बच्चा के बकरी के बकरी के बकरी के बच्ची के बकरी के बच्चा के बकरी के बच्चा के बकरी के बकरी के बकरी।
13 मेलबलि के बलिदान खातिर दू गो बैल, पांच मेढ़क, पांच गो बकरी, पांच साल के मेमना दिहल जाव।
14 इस्राएल के बारह गो राजकुमार लोग दिन पर दिन अइसन करत रहले, हर आदमी अपना समय में।
15 एकरा बाद महीना के तेरहवाँ दिन मूसा इस्राएल के लोग के फसह मनावे के आदेश दिहलन।
16 इस्राएल के लोग महीना के चौदहवाँ दिन अपना समय में फसह मनावत रहले, जइसन कि प्रभु मूसा के आज्ञा देले रहले, इस्राएल के लोग भी ओइसहीं मनावत रहले।
17 दूसरा महीना में पहिला दिन प्रभु मूसा से कहलन।
18 इस्राएल के बीस साल से ऊपर के सब नर के सिर गिन लीं, तू आ आपन भाई हारून आ इस्राएल के बारह गो सरदारन के।
19 मूसा अइसे कइलन आ हारून इस्राएल के बारह गो सरदारन के साथे अइले आ ऊ लोग सिनै के जंगल में इस्राएल के लोग के गिनती कइल।
20 बीस साल से ऊपर के उमिर के घराना के हिसाब से इस्राएल के लोग के संख्या छह लाख तीन हजार पांच सौ पचास रहे।
21 लेवी के लोग अपना भाई इस्राएल के लोग में ना गिनल गइल।
22 इस्राएल के लोग के एक महीना से ऊपर के सब नर के संख्या बाइस हजार दू सौ तेहत्तर रहे।
23 लेवी के संतान के संख्या एक महीना से ऊपर के लोग के संख्या बाइस हजार रहे।
24 मूसा पुजारी आ लेवी लोग के हर एक के अपना सेवा आ अपना बोझ पर तम्बू के पवित्र स्थान के सेवा करे खातिर रखले, जइसन कि प्रभु मूसा के आज्ञा देले रहले।
25 महीना के बीसवाँ दिन बादल गवाही के तम्बू से हटा दिहल गइल।
26 ओही समय इस्राएल के लोग सिनै के जंगल से आपन यात्रा जारी रखले आ तीन दिन के यात्रा कइले आ बादल पारन के जंगल पर टिक गइल। उहाँ यहोवा के क्रोध इस्राएल पर भड़क गईल, काहेकि उ लोग प्रभु से भड़कवले रहले कि उ लोग खाना खाए।
27 प्रभु ओ लोग के बात सुन के एक महीना तक खाना देले।
28 लेकिन एकरा बाद प्रभु के क्रोध ओ लोग प भड़क गईल अवुरी उ ओ लोग के बहुत कत्ल क देले अवुरी उ लोग ओहिजा दफन हो गईले।
29 इस्राएल के लोग ओह जगह के केब्रोत हत्तावा कहल काहे कि उ लोग उहाँ मांस के लालसा करे वाला लोग के दफनावत रहले।
30 ऊ लोग केब्रोत हट्टाव से निकल के हजेरोत में डेरा डाल दिहल जवन पारन के जंगल में बा।
31 जब इस्राएल के लोग हजेरोत में रहले त मूसा के चलते मरियम के खिलाफ प्रभु के क्रोध भड़क गईल अवुरी उ कोढ़ से पीड़ित हो गईली, जवन कि बर्फ निहन उज्जर हो गईली।
32 उ सात दिन तक डेरा से बाहर बंद रहली, जब तक कि कोढ़ के बाद उनुका के दोबारा ना मिल गईल।
33 एकरा बाद इस्राएल के लोग हजेरोत से निकल के पारन के जंगल के अंत में खड़ा हो गईले।
34 ओह घरी प्रभु मूसा से कहलन कि इस्राएल के लोग में से बारह आदमी के एगो गोत्र में भेज के कनान के देश के खोज करे खातिर भेजल जाव।
35 मूसा बारह आदमी के भेज के कनान देश के खोज आ जाँच करे खातिर आके सिन के जंगल से लेके रेकोब तक के पूरा देश के खोज कईले, जब तक तू कामोत पहुंचल रहलू।
36 चालीस दिन के अंत में उ लोग मूसा अवुरी हारून के लगे पहुंचले अवुरी उ लोग उनुका मन के मुताबिक खबर देले अवुरी दस आदमी इस्राएल के लोग के ओ देश के बुरा खबर देले, जवना देश के उ लोग खोजले रहले, अवुरी कहले कि, "हमनी खाती मिस्र वापस जाए से निमन बा कि हमनी के ए देश में जाए से निमन बा, जवन कि अपना निवासी के भस्म क देवेला।"
37 लेकिन नून के बेटा यहोशू आ यफून के बेटा कालेब, जे देश के खोज करे वाला लोग में से रहले, कहले कि, "देश बहुत बढ़िया बा।"
38 अगर प्रभु हमनी में खुश होईहे त उ हमनी के ए देश में ले आके हमनी के दे दिहे, काहेकी इ दूध अवुरी शहद से बहत देश ह।
39 बाकिर इस्राएल के लोग ओह लोग के बात ना सुनल आ ऊ लोग ओह दस आदमी के बात सुनल जवन देश के बुरा खबर ले आइल रहले.
40 यहोवा इस्राएल के लोग के गुनगुनाहट सुन के खिसिया के किरिया खइले।
41 एह दुष्ट पीढ़ी के एको आदमी बीस साल से अधिका उमिर के देश के ना देख पाई, सिवाय यफून के बेटा कालेब आ नून के बेटा यहोशू के।
42 लेकिन निश्चित रूप से ई दुष्ट पीढ़ी एह जंगल में नाश हो जाई आ ओकर लइका-लइकी एह देश में आ जइहें आ ऊ लोग ओकरा के अपना कब्जा में ले लीहें। एही से यहोवा के क्रोध इस्राएल पर भड़क गइल आ ऊ ओह लोग के चालीस साल तक जंगल में भटकवले, जबले कि ऊ दुष्ट पीढ़ी के अंत ना हो गइल, काहे कि ऊ लोग प्रभु के पीछे ना चलल।
43 लोग बहुत दिन तक पारन के जंगल में रहल आ ओकरा बाद ऊ लोग लाल सागर के रास्ता से जंगल में चल गइल।

अध्याय 84 के बा

1 ओही समय लेवी के बेटा केहत के बेटा जेत्जर के बेटा कोरह इस्राएल के बहुत लोग के लेके चल गईले अवुरी उ लोग उठ के मूसा अवुरी हारून अवुरी पूरा मंडली से झगड़ा कईले।

2 तब प्रभु ओह लोग पर नाराज हो गइलन आ धरती आपन मुँह खोल के ओह लोग के घर आ ओह लोग के सब सामान आ कोरह के सब आदमी के निगल गइल।
3 एकरा बाद परमेश्वर लोग के सेईर पहाड़ के रास्ता से बहुत दिन तक घूमे लगवले।
4 ओही घरी प्रभु मूसा से कहले, "एसाव के संतान के खिलाफ लड़ाई मत भड़काईं, काहेकि हम तोहके ओ लोग के कवनो चीज़ के ओतना ना देब, जतना गोड़ के तलवा चल सकेला, काहेकि हम सेइर पहाड़ एसाव के विरासत के रूप में देले बानी।
5 एही से एसाव के संतान पहिले सेईर के लोग से लड़त रहले अवुरी प्रभु सेईर के संतान के एसाव के संतान के हाथ में सौंप देले रहले अवुरी ओ लोग के सोझा से नष्ट क देले रहले अवुरी एसाव के संतान आज तक ओ लोग के जगह प रह गईले।
6 एही से प्रभु इस्राएल के लोग से कहले, "अपना भाई एसाव के संतान से मत लड़ीं, काहेकि ओ लोग के देश में कवनो चीज़ तोहरा के नईखे, लेकिन तू पईसा में ओ लोग से खाना खरीद के खा सकतानी अवुरी पईसा में ओ लोग से पानी खरीद के पी सकतानी।
7 इस्राएल के लोग प्रभु के वचन के मुताबिक काम कईले।
8 इस्राएल के लोग बहुत देर तक सिनाई पहाड़ के रास्ता से जंगल में घूमत रहले अवुरी एसाव के लोग के ना छूअले अवुरी उन्नीस साल तक ओ जिला में रहले।
9 ओही घरी कित्तीम के राजा लैटिनस अपना शासन के पैंतालीसवाँ साल में मर गइलन जवन इस्राएल के लोग के मिस्र से निकलला के चौदहवाँ साल ह।
10 ऊ लोग ओकरा के ओह जगह पर दफना दिहल जवन ऊ अपना खातिर कित्तीम देश में बनवले रहले आ अबीम्नास ओकरा जगहा अड़तीस साल ले राज कइलन.
11 उन्नीस साल के अंत में इस्राएल के लोग एसाव के लोग के सीमा के पार क के मोआब के जंगल के रास्ता से गुजर गईले।
12 तब प्रभु मूसा से कहले, "मोआब के घेराबंदी मत करऽ आ ओकरा से लड़ाई मत करऽ, काहे कि हम तोहके ओह लोग के देश के कुछ ना देब।"
13 इस्राएल के लोग उन्नीस साल तक मोआब के जंगल के रास्ता से गुजरत रहले अवुरी उ लोग ओ लोग से लड़ाई ना कईले।
14 इस्राएल के लोग के मिस्र से निकलला के छत्तीसवाँ साल में प्रभु अमोरी लोग के राजा सीहोन के दिल के मार दिहलन आ ऊ लड़ाई लड़ले आ मोआब के लोग से लड़ाई करे निकल गइलन।
15 सीहोन मिस्र के राजा के सलाहकार बिलाम के बेटा जनेस के बेटा बेओर आ उनकर बेटा बिलाम के लगे दूत भेजले कि मोआब के गारी देवे ताकि उ सीहोन के हाथ में सौं जा।
16 दूत जाके मेसोपोटामिया के पेथोर से जनेस के बेटा बेओर आ ओकर बेटा बिलाम के ले अइले, एही से बेओर आ ओकर बेटा बिलाम सीहोन शहर में अइले आ अमोरी लोग के राजा सीहोन के सामने मोआब आ ओह लोग के राजा के गारी दिहले।
17 तब सीहोन अपना पूरा सेना के संगे निकल गईले अवुरी मोआब गईले अवुरी ओ लोग के खिलाफ लड़ाई लड़ले अवुरी ओ लोग के अपना वश में क लेले अवुरी प्रभु ओ लोग के अपना हाथ में सौंप देले अवुरी सीहोन मोआब के राजा के मार देले।
18 सीहोन लड़ाई में मोआब के सब शहरन के अपना कब्जा में ले लिहलस। ऊ हेशबोन के भी ओह लोग से ले लिहले, काहे कि हेशबोन मोआब के शहरन में से एगो रहे आ सीहोन अपना राजकुमारन आ अपना कुलीन लोग के हेशबोन में रखले रहले आ ओह घरी हेशबोन सीहोन के रहे।
19 एही से दृष्टान्त बोले वाला बेओर आ उनकर बेटा बिलाम इ बात कहले, "हेशबोन आ जा, सीहोन शहर के निर्माण आ स्थापित हो जाई।"
20 तोहरा मोआब के हाय! हे केमोश के लोग, तू हेरा गइल बाड़ऽ! देखऽ, ई परमेश्वर के व्यवस्था के किताब पर लिखल बा।
21 जब सीहोन मोआब पर विजय पा लिहले त ऊ मोआब से जवन शहरन में पहरा लिहले रहले, ओह शहरन में पहरेदार रखलन आ मोआब के लोग के काफी संख्या सीहोन के हाथ में लड़ाई में गिर गइल आ ऊ ओह लोग के बेटा-बेटी के बहुते पकड़ लिहलन आ ऊ ओह लोग के राजा के मार दिहलन. त सीहोन वापस अपना देश में मुड़ गईले।
22 सीहोन बेओर आ अपना बेटा बिलाम के चांदी आ सोना के ढेर उपहार दिहलन आ ऊ ओह लोग के भगा दिहलन आ ऊ लोग मेसोपोटामिया अपना घर आ देश में चल गइलन.
23 ओही समय इस्राएल के सब लोग मोआब के जंगल के रास्ता से गुजर के वापस आके एदोम के जंगल के घेर लिहले।
24 मिस्र से निकलला के चालीसवाँ साल के पहिला महीना में पूरा मंडली सिन के जंगल में आ गईल अवुरी इस्राएल के लोग सिन के जंगल के कादेश में रह गईल अवुरी मरियम उहाँ मर गईल अवुरी उहाँ दफना दिहल गईल।
25 ओही घरी मूसा एदोम के राजा हदाद के लगे दूत भेजले कि, "तोहार भाई इस्राएल इ कहत हव कि हम तोहरा से तोहरा देश से गुजरे दीं, हम खेत भा अंगूर के बगइचा से ना गुजरब, हमनी के इनार के पानी ना पीब जा। हम राजा के राह पर चलब।
26 एदोम ओकरा से कहलस, "तू हमरा देस से ना गुजरब आ एदोम एगो पराक्रमी लोग के साथे इस्राएल के लोग से मिले निकलल।
27 एसाव के लोग इस्राएल के लोग के अपना देश से गुजरे से मना क दिहल, एहसे इस्राएल के लोग ओ लोग से दूर हो गईले अवुरी ओ लोग से लड़ाई ना कईले।
28 एकरा से पहिले प्रभु इस्राएल के लोग के आज्ञा देले रहले कि, 'तू एसाव के संतान से लड़ाई मत करीं, एहसे इस्राएली ओ लोग से दूर हो गईले अवुरी उनुका से लड़ाई ना कईले।'
29 तब इस्राएल के लोग कादेश से निकल के सब लोग होर पहाड़ पर आ गईल।
30 ओही घरी प्रभु मूसा से कहले, "अपना भाई हारून से कहऽ कि ऊ ओहिजा मर जइहें, काहे कि ऊ ओह देश में ना अइहें जवन हम इस्राएल के लोग के देले बानी।"
31 हारून प्रभु के आदेश पर चालीसवाँ साल पांचवा महीना में, महीना के पहिला दिन होर पहाड़ पर चढ़ गइलन।
32 हारून के मौत होर पहाड़ पर एक सौ तेइस साल के रहे।

अध्याय 85 के बा

1 दक्षिण में रहे वाला कनानी राजा अराद सुनलस कि इस्राएली जासूस के रास्ता से आ गईल बाड़े अवुरी उ अपना सेना के इंतजाम क के इस्राएली लोग के खिलाफ लड़ाई लड़ले।
2 इस्राएल के लोग ओकरा से बहुत डेरा गईल, काहे कि ओकरा लगे बहुत बड़ सेना रहे, एहसे इस्राएल के लोग मिस्र वापस जाए के ठान लेले।

3 इस्राएल के लोग लगभग तीन दिन के दूरी पर मसेराथ बेनी याकोन के ओर पीछे मुड़ गईले, काहे कि उ लोग राजा अरद से बहुत डेरा गईल रहले।
4 इस्राएल के लोग अपना जगह पर वापस ना आवे के चाहत रहले, एहसे उ लोग तीस दिन तक बेनी जाकोन में रहले।
5 जब लेवी के लोग देखल कि इस्राएल के लोग पीछे ना हटे, त उ लोग प्रभु के खातिर ईर्ष्या करे लगले अवुरी उ लोग उठ के अपना भाई इस्राएली लोग के खिलाफ लड़ाई लड़ले अवुरी ओ लोग के एगो बड़ लाश के मार देले अवुरी उ लोग के अपना जगह, होर पहाड़ प वापस जाए खाती मजबूर क देले।
6 जब उ लोग वापस अईले त राजा अराद अभी भी इस्राएली लोग के खिलाफ लड़ाई खातिर आपन सेना के इंतजाम करत रहले।
7 इस्राएल एगो प्रण कइलन कि अगर तू एह लोग के हमरा हाथ में सौंप देब त हम ओह लोग के शहरन के पूरा तरह से नष्ट कर देब।
8 तब परमेस् वर इस्राएल के आवाज सुन के कनान लोग के ओह लोग के हाथ में सौंप दिहलन आ ओह लोग के आ ओह लोग के शहरन के पूरा तरह से नष्ट कर दिहलन आ ओह जगह के नाम होर्मा रख दिहलन.
9 इस्राएल के लोग होर पहाड़ से निकल के ओबोत में खड़ा होके ओबोत से निकल के मोआब के सीमा में इजे-अबरीम में खड़ा हो गईले।
10 तब इस्राएल के लोग मोआब के भेजले कि, "हमनी के अब तोहार देश से गुजर के अपना जगह पर आ जाइब जा, लेकिन मोआब के लोग इस्राएल के लोग के अपना देश से गुजरे ना देले, काहे कि मोआब के लोग बहुत डेरात रहे कि कहीं इस्राएल के लोग ओह लोग के साथे ओइसन ना करस जइसे अमोरी लोग के राजा सीहोन ओह लोग के साथे कइले रहले, जे ओह लोग के देश लेके बहुत लोग के मार दिहले रहले।
11 एही से मोआब इस्राएलियन के अपना देश से गुजरे ना दिहलस आ प्रभु इस्राएल के लोग के आज्ञा दिहलन कि ऊ लोग मोआब से लड़ाई मत करस, एहसे इस्राएली लोग मोआब से हट गइल।
12 इस्राएल के लोग मोआब के सीमा से निकल के मोआब आ अमोरी लोग के बीच मोआब के सीमा अर्नोन के दूसरा ओर पहुँचल आ अमोरी लोग के राजा सीहोन के सीमा में केदेमोत के जंगल में डेरा डाल दिहल।
13 इस्राएल के लोग अमोरी लोग के राजा सीहोन के लगे दूत भेजलस।
14 हमनी के तोहार देश से गुजरल जाव, हमनी के खेत में ना मुड़ब जा, ना अंगूर के बगइचा में, जब तक हमनी के तोहार सीमा से ना गुजरब जा, तब तक राजा के राजमार्ग से चलब जा, लेकिन सीहोन इस्राएली लोग के गुजरे ना देले।
15 तब सीहोन अमोरी लोग के सब लोग के बटोर के इस्राएल के लोग से मिले खातिर जंगल में निकल गईले अवुरी जहाज में इस्राएल के खिलाफ लड़ाई लड़ले।
16 तब परमेश् वर अमोरी लोग के राजा सीहोन के इस्राएल के लोग के हाथ में सौंप दिहलन आ इस्राएल सीहोन के सब लोग के तलवार से मार दिहलस आ मोआब के मुकदमा के बदला लिहलस।
17 इस्राएल के लोग अराम से लेके याबुक तक के सीहोन के देश के अम्मोन के लोग के अपना कब्जा में ले लेले अवुरी शहर के सभ लूट के सामान ले लेले।
18 इस्राएल एह सब शहरन के अपना कब्जा में ले लिहलस आ इस्राएल अमोरी लोग के सब शहरन में रह गइल।
19 इस्राएल के सब लोग अम्मोन के लोग के खिलाफ लड़ाई करे के फैसला कईले अवुरी उ लोग के देश भी अपना कब्जा में लेवे के फैसला कईले।
20 एही से प्रभु इस्राएल के लोग से कहले, "अम्मोन के लोग के घेराबंदी मत करऽ आ ना ही ओह लोग के खिलाफ लड़ाई मत भड़काईं, काहे कि हम तोहनी के ओह लोग के देश से कुछ ना देब आ इस्राएल के लोग यहोवा के वचन सुन के अम्मोन के लोग से लड़ाई ना कइल।
21 इस्राएल के लोग मुड़ के बाशान के रास्ता से बाशान के राजा ओग के देश में चल गईले अवुरी बाशान के राजा ओग इस्राएलियन से लड़ाई में मिले निकलले अवुरी उनुका संगे बहुत वीर आदमी अवुरी अमोरी लोग के बहुत मजबूत सेना रहले।
22 बाशान के राजा ओग बहुत ताकतवर आदमी रहले, लेकिन उनकर बेटा नारोन बहुत ताकतवर रहले अवुरी उनुका से भी मजबूत रहले।
23 ओग मन में कहलन, "देखऽ, अब पूरा इस्राएल के डेरा तीन पर्सा के जगह ले लेले बा, अब हम बिना तलवार भा भाला के एके बेर में मार देब।"
24 ओग याहाज पहाड़ पर चढ़ के ओहमें से एगो बड़हन पत्थर लेके, जवना के लंबाई तीन परसा रहे, आ ओकरा के अपना माथा पर रख के संकल्प कइलन कि ओकरा के इस्राएल के डेरा पर फेंक दिहल जाव आ ओह पत्थर से सगरी इस्राएलियन के मार दिहल जाव.
25 तब प्रभु के दूत आके ओग के माथा में पत्थर छेद दिहलस आ ओग के गर्दन पर उ पत्थर गिर गईल जवन ओग के गर्दन प पत्थर के वजन के चलते धरती प गिर गईल।
26 ओही घरी प्रभु इस्राएल के लोग से कहले, "उनका से मत डेराईं, काहेकि हम ओकरा के आ ओकर सब लोग के आ ओकर पूरा देश के तोहरा हाथ में दे देले बानी, आ तू ओकरा साथे ओइसने करब जइसे तू सीहोन के साथे कइले रहलू।"
27 मूसा इस्राएल के कुछ लोग के साथे उनकरा लगे चल गइलन आ मूसा ओग के गोड़ के टखना पर लाठी से मार के मार दिहलन।
28 ओकरा बाद इस्राएल के लोग ओग के लोग आ ओकर सब लोग के पीछा कइल आ तब तक मारपीट आ तब तक नाश कर दिहल जब तक कि ओह लोग में से कवनो बचे वाला ना रह गइल।
29 ओकरा बाद मूसा इस्राएल के कुछ लोग के याजर के जासूसी करे खातिर भेजले, काहे कि याजर एगो बहुत मशहूर शहर रहे।
30 जासूस जाज़र के लगे जाके ओकर खोज कईले अवुरी जासूस प्रभु प भरोसा कईले अवुरी जाज़र के आदमी से लड़त रहले।
31 ऊ लोग याजर आ ओकर गाँव के पकड़ लिहले आ प्रभु ओह लोग के हाथ में सौंप दिहलन आ ओहिजा के अमोरी लोग के भगा दिहलन.
32 इस्राएल के लोग अमोरी लोग के दुनो राजा के देश, साठ शहर जवन यरदन नदी के दूसरा ओर, अर्नोन के धार से लेके हरमान पहाड़ तक रहे।

33 इस्राएल के लोग चल के मोआब के मैदान में आ गइल जवन यरदन के ओरी यरीहो के किनारे बा।
34 मोआब के लोग इस्राएल के लोग अमोरी लोग के दुनो राजा सीहोन अवुरी ओग के संगे जवन बुराई कईले रहले, ओकरा के सुनले, एहसे मोआब के सभ आदमी इस्राएली लोग से बहुत डेरा गईले।
35 मोआब के बुजुर्ग लोग कहले, "देखऽ, अमोरी लोग के दू गो राजा सीहोन आ ओग, जे धरती के सब राजा लोग से भी जादा ताकतवर रहले, इस्राएल के लोग के खिलाफ खड़ा ना हो पवले, त हमनी के ओह लोग के सामने कइसे खड़ा हो सकेनी जा?
36 उ लोग हमनी के पहिले से एगो संदेश भेजले रहले कि हमनी के रास्ता में हमनी के देश से गुजरत रहनी जा, लेकिन हमनी के ओ लोग के ना देवे के चाहत रहनी जा, अब उ लोग अपना भारी तलवार से हमनी के हमला क के हमनी के नष्ट क दिहे। मोआब इस्राएल के लोग के चलते परेशान हो गईले अवुरी उ लोग ओ लोग से बहुत डेरा गईले अवुरी उ लोग एक संगे सलाह लेले कि इस्राएल के लोग के का होखे के बा।
37 मोआब के बुजुर्ग लोग आपन एगो आदमी मोआबी सिप्पोर के बेटा बालाक के लेके ओह घरी ओकरा के राजा बनवले आ बालाक बहुत बुद्धिमान रहले।
38 मोआब के बुजुर्ग लोग उठ के मिद्यान के लोग के लगे मेल मिलाप करे खातिर भेजले काहे कि एदोम के राजा बेदाद के बेटा हदाद के जमाना से लेके आजु ले मोआब आ मिद्यान के बीच बहुत लड़ाई आ दुश्मनी चलत रहे।
39 मोआब के लोग मिद्यान के लोग के लगे भेजलस अवुरी उ लोग ओ लोग से मेल मिलाप कईले अवुरी मिद्यान के बुजुर्ग लोग मिद्यान के लोग के संगे मेल-मिलाप करे खाती मोआब के देश में पहुंचले।
40 मोआब के बुजुर्ग लोग मिद्यान के बुजुर्ग लोग के साथे सलाह दिहल कि इस्राएल से आपन जान बचावे खातिर का करे के चाहीं।
41 मोआब के सब लोग मिद्यान के बुजुर्ग लोग से कहलस, "अब इस्राएल के लोग हमनी के आसपास के सब कुछ चाटत बाड़े, जईसे बैल खेत के घास चाटेला, काहेकि उ लोग अमोरी के दुनो राजा के संगे अयीसन कईले, जवन कि हमनी से जादे मजबूत बाड़े।
42 मिद्यान के बुजुर्ग लोग मोआब से कहलस कि, "हम सुनले बानी कि जब अमोरी लोग के राजा सीहोन तोहरा से लड़ाई लड़ले रहले, जब उ तोहनी पर हावी होके तोहनी के जमीन पर कब्जा क लेले रहले, त उ मेसोपोटामिया से जनेआस के बेटा बेओर अवुरी अपना बेटा बिलाम के लगे भेजले रहले अवुरी उ लोग आके तोहरा के गारी देले रहले। एही से सीहोन के हाथ तोहनी पर हावी हो गइल कि ऊ तोहनी के देश पर कब्जा कर लिहलस।
43 अब तोहनी के उनकर बेटा बिलाम के भीरी भेज दीं, काहेकि उ अभी भी अपना देश में बा, आ ओकरा के आपन किराया दे दीं, ताकि उ आके ओह सब लोग के गारी देवे, जेकरा से रउवा डेरात बानी। एही से मोआब के बुजुर्ग लोग ई बात सुन के बेओर के बेटा बिलाम के लगे भेजल चाहत रहले।
44 एही से मोआब के राजा सिप्पोर के बेटा बालाक बिलाम के लगे दूत भेजले।
45 देखऽ, मिस्र से एगो लोग निकलल बा, देखऽ, ऊ लोग धरती के ढंकल बा आ हमरा खिलाफ टिकल बा।
46 अब आके हमरा खातिर एह लोग के गारी दीं काहे कि ऊ लोग हमरा खातिर बहुते ताकतवर बा, शायद हम ओह लोग से लड़े में जीत हासिल कर के ओह लोग के भगा देब काहे कि हम सुनले बानी कि जेकरा के तू आशीष देत बाड़ू ऊ धन्य बा आ जेकरा के तू गारी देत बाड़ ओकरा के अभिशप्त बा.
47 त बालाक के दूत बिलाम के लगे गईले अवुरी मोआब के खिलाफ लड़ाई करे खाती लोग के गारी देवे खाती बिलाम के ले अईले।
48 बिलाम इस्राएल के गारी देवे खातिर बालाक के लगे अईले त प्रभु बिलाम से कहले, "एह लोग के गारी मत दीं काहेकि इ धन्य बा।"
49 बालाक बिलाम से दिन पर दिन इस्राएल के गारी देवे के निहोरा करत रहले, लेकिन बिलाम के बिलाम से कहल वचन के चलते बालाक के बात ना सुनले।
50 जब बालाक देखले कि बिलाम उनकर इच्छा ना मानत रहले त उ उठ के घरे चल गईले अवुरी बिलाम भी अपना देश में वापस आ गईले अवुरी उ उहाँ से मिडियान चल गईले।
51 इस्राएल के लोग मोआब के मैदान से निकल के यरदन के किनारे बेत-जेसिमोत से लेके मोआब के मैदान के अंत में हाबिल-शितिम तक खड़ा हो गईले।
52 जब इस्राएल के लोग शितिम के मैदान में रह गईले त मोआब के बेटी के संगे वेश्यावृत्ति करे लगले।
53 इस्राएल के लोग मोआब के लगे पहुँचल आ मोआब के लोग इस्राएल के डेरा के सामने आपन डेरा खड़ा कइल।
54 मोआब के लोग इस्राएल के लोग से डेरा गईले अवुरी मोआब के लोग अपना सभ बेटी अवुरी सुंदर देखाई देवे वाली पत्नी के लेके सोना-चांदी अवुरी महंगा कपड़ा पहिनले।
55 मोआब के लोग ओह मेहरारू लोग के अपना डेरा के दुआर पर बइठा दिहल ताकि इस्राएल के लोग ओह लोग के देख के ओह लोग के ओर मुड़ सके आ मोआब से लड़ाई ना कर सके।
56 मोआब के सब लोग इस्राएल के लोग के साथे इ काम कइल आ हर आदमी अपना मेहरारू आ बेटी के अपना डेरा के दुआर पर रखलस आ सब इस्राएल के लोग मोआब के लोग के ई काम देखल आ इस्राएल के लोग मोआब के बेटी लोग के ओर मुड़ल आ ओह लोग के लालच कइल आ ऊ लोग ओह लोग के लगे चल गइल।
57 आ अइसन भइल कि जब कवनो हिब्रू मोआब के डेरा के दुआर पर आके मोआब के एगो बेटी के देख के अपना मन में ओकरा से निहोरा कइलस आ डेरा के दुआर पर ओकरा से ऊ बात कहलस जवन ऊ चाहत रहे, जब ऊ लोग एक साथ बोलत रहे त डेरा के आदमी बाहर आके हिब्रू से एह शब्दन के तरह बोलत रहले।
58 तू जरूर जानत बाड़ कि हमनी के भाई हईं जा, हमनी के सब लूत के वंशज हईं जा आ ओकर भाई अब्राहम के वंशज हईं जा, त तू हमनी के साथे काहे ना रहबऽ आ हमनी के रोटी आ हमनी के बलिदान काहे ना खइबऽ?
59 जब मोआब के लोग ओकरा के अपना भाषण से अभिभूत कर दिहल आ अपना चापलूसी के बात से ओकरा के लुभावल त ओकरा के डेरा में बइठा दिहल आ ओकरा खातिर खाना बना के बलिदान दिहल आ ऊ ओह लोग के बलिदान आ ओह लोग के रोटी के खाना खइले.

60 ओकरा बाद उ लोग ओकरा के शराब देले अवुरी उ शराब पी के नशा में धुत्त हो गईले अवुरी उनुका सोझा एगो सुंदर लईकी के रखले अवुरी उनुका संगे अपना मन मुताबिक काम कईले, काहेंकी उनुका मालूम ना रहे कि उ का करतारे, काहेंकी उ बहुत शराब पी चुकल रहले।
61 एही तरे मोआब के लोग ओ जगह सित्तीम के मैदान में इस्राएल के संगे भईल अवुरी ए बात के चलते प्रभु के क्रोध इस्राएल प भड़क गईल अवुरी उ ओ लोग के बीच महामारी भेज देलस अवुरी इस्राएली लोग में से चौबीस हजार आदमी मर गईले।
62 शिमोन के संतान में से एगो आदमी रहे, जेकर नाम सलू के बेटा जिमरी रहे, उ मिद्यान के राजा ज़ूर के बेटी मिद्यानी कोस्बी से जुड़ल रहे।
63 हारून याजक के बेटा एलाजर के बेटा फिनियस जिमरी के इ दुष्ट काम देख के भाला लेके उठ के ओ लोग के पीछे चल गईले अवुरी दुनो के छेद के मार देले अवुरी इस्राएल के लोग से महामारी खतम हो गईल।

अध्याय 86 के बा

1 महामारी के बाद प्रभु मूसा आ हारून याजक के बेटा एलाजर से कहलन।
2 बीस साल से ऊपर के उमर से लेके इस्राएल के पूरा समुदाय के मुखिया के गिनती करीं, जे भी सेना में निकलल रहले।
3 मूसा आ एलाजर इस्राएल के लोग के अपना कुल के हिसाब से गिनले आ पूरा इस्राएल के संख्या सात लाख सात सौ तीस रहे।
4 एक महीना से अधिका उमिर के लेवी के संतान के संख्या तेइस हजार रहे आ एहमें से एको आदमी ना रहे जेकरा के मूसा आ हारून सिनै के जंगल में गिनले रहले.
5 काहेकि प्रभु ओ लोग के कहले रहले कि उ लोग जंगल में मर जईहे, एहसे उ सब लोग मर गईले अवुरी जेफून के बेटा कालेब अवुरी नून के बेटा यहोशू के छोड़ के एकहु ना रह गईल।
6 एकरा बाद ही प्रभु मूसा से कहले, "इस्राएल के लोग से कह दीं कि उ लोग मिद्यान से अपना भाई इस्राएल के लोग के मामला के बदला लेवे।"
7 मूसा अईसन कइलन आ इस्राएल के लोग ओह लोग में से बारह हजार आदमी के चुनले जवन एक गोत्र में एक हजार रहे आ ऊ लोग मिद्यान चल गइल।
8 इस्राएल के लोग मिद्यान के खिलाफ लड़ाई लड़ल, आ उ लोग हर नर के मार दिहल, मिद्यान के पांच गो सरदारन के भी मार दिहलस आ बेओर के बेटा बिलाम के तलवार से मार दिहलस।
9 इस्राएल के लोग मिद्यान के मेहरारू लोग के अपना छोट-छोट बच्चा आ पशु-पक्षी आ अपना सब कुछ के बंदी बना लिहले।
10 उ सब लूट आ सब शिकार के लेके मोसा आ एलाजर के लगे मोआब के मैदान में ले अइले।
11 मूसा आ एलाजर आ मंडली के सब सरदार लोग खुशी से मिले खातिर निकल गइलन।
12 उ लोग मिद्यान के सब लूट के बंटवारा कईले अवुरी इस्राएल के लोग अपना भाई इस्राएल के लोग के मामला में मिद्यान से बदला ले लेले रहले।

अध्याय 87 के बा

1 ओह घरी प्रभु मूसा से कहले, "देखऽ तोहार दिन खतम होखे वाला बा, अब तोहार सेवक नून के बेटा यहोशू के लेके तम्बू में रख दीं आ हम ओकरा के आज्ञा देब आ मूसा अईसन कइले।
2 तब प्रभु तम्बू में बादल के खंभा में प्रकट भइले आ बादल के खंभा तम्बू के प्रवेश द्वार पर खड़ा रहे।
3 तब परमेस् वर नून के बेटा यहोशू के आज्ञा दिहलन आ कहलन कि, "बरियार आ हिम्मत करऽ, काहेकि तू इस्राएल के लोग के ओह देश में ले अइब, जवना के हम ओह लोग के देवे के किरिया खइले रहनी, आ हम तोहरा साथे रहब।"
4 मूसा यहोशू से कहले, "बरियार आ हिम्मत राखऽ, काहे कि तू इस्राएल के लोग के देश के उत्तराधिकारी बना देबऽ आ प्रभु तोहरा साथे रहीहें, ऊ तोहरा के ना छोड़िहें ना तोहरा के छोड़ दीहें, ना डेरईब ना निराश होखऽ।
5 मूसा इस्राएल के सब लोग के बोलवले आ कहलन कि, "रउरा परमेस् वर यहोवा तोहनी खातिर जवन भलाई कईले बाड़े, उ सब तू लोग जंगल में देखले बाड़ू।"
6 अब एह व्यवस्था के सब बात के पालन करीं आ अपना परमेस् वर यहोवा के राह पर चलीं, जवना रास्ता से प्रभु के आज्ञा देले बाड़न, ओकरा से दाहिने ओर भा बाईं ओर मत मुड़ऽ।
7 मूसा इस्राएल के लोग के नियम आ न्याय आ कानून सिखवले कि उ देश में जइसन प्रभु के आज्ञा देले रहले।
8 ऊ ओह लोग के प्रभु के रास्ता आ उनकर नियम सिखवले। देखऽ, उ लोग परमेश्वर के व्यवस्था के किताब पर लिखल बा जवन उ मूसा के द्वारा इस्राएल के लोग के देले रहले।
9 मूसा इस्राएल के लोग के आज्ञा देके पूरा कइलन आ प्रभु उनका से कहले, "अबरीम पहाड़ पर चढ़ के ओहिजा मर जा, आ जइसे तोहार भाई हारून के जुटावल गइल रहे, ओइसहीं अपना लोग के साथे बटोर जा।
10 मूसा प्रभु के आदेश के मुताबिक चढ़ गईले अवुरी मिस्र देश से निकले वाला इस्राएली लोग के चालीसवां साल में उहाँ प्रभु के आदेश के मुताबिक मोआब के देश में मर गईले।
11 इस्राएल के लोग मोआब के मैदान में तीस दिन तक मूसा खातिर रोवल आ मूसा खातिर रोवे आ शोक के दिन पूरा हो गइल।

अध्याय 88 के बा

1 मूसा के मरला के बाद ही प्रभु नून के बेटा यहोशू से कहले।
2 उठ के यरदन नदी के पार क के उ देश में पहुँच जा, जवन हम इस्राएल के लोग के देले बानी, त तू इस्राएल के लोग के उ देश के उत्तराधिकारी बना देब।
3 लेबनान के जंगल से लेके पेराथ के बड़का नदी तक जवना जगह पर तोहार गोड़ के तलवा चलल होई, उ हर जगह तोहार सीमा होई।
4 तोहरा जिनिगी भर केहू तोहरा खिलाफ ना खड़ा होई। जइसे हम मूसा के साथे रहनी, ओइसहीं हम तोहरा साथे रहब, खाली मजबूत आ हिम्मत से ओह सब नियम के पालन करब जवन मूसा तोहरा के आज्ञा देले रहले, रास्ता से ना त दाहिना ओर ना बाईं ओर मत मुड़ब, ताकि तू जवन भी काम में सफल होखब।
5 यहोशू इस्राएल के अफसरन के आज्ञा दिहलन कि, डेरा से गुजर के लोग के आज्ञा देत कहले कि, "अपना खातिर खाना

तैयार करीं, काहे कि तीन दिन में अउरी यरदन नदी पार क के देश के कब्जा कर लेब।"
6 इस्राएल के अफसर लोग अईसन कईले अवुरी उ लोग लोग के आज्ञा देले अवुरी उ सब पूरा कईले, जवन कि यहोशू के कहले रहले।
7 यहोशू यरीहो के जासूसी करे खातिर दू आदमी के भेजले, आ उ लोग यरीहो के जासूसी कईले।
8 सात दिन के अंत में उ लोग डेरा में यहोशू के लगे पहुंचले अवुरी उनुका से कहले, "प्रभु पूरा देश हमनी के हाथ में सौंप देले बाड़े अवुरी हमनी के चलते उहाँ के निवासी डर से पिघल गईल बाड़े।
9 एकरा बाद यहोशू सबेरे उठ के पूरा इस्राएल के साथे शित्तीम से निकल गईले आ यहोशू आ ओकरा साथे पूरा इस्राएल यरदन नदी के पार क गईले। आ यहोशू बयासी साल के रहले जब उ इस्राएल के साथे यरदन नदी पार कइले रहले।
10 पहिला महीना के दसवाँ दिन लोग यरदन से चढ़ के यरीहो के पूरबी कोना में गिलगाल में डेरा डाल दिहलस।
11 इस्राएल के लोग यरीहो के मैदान में गिलगाल में महीना के चौदहवाँ दिन फसह मनावत रहले, जईसे कि मूसा के नियम में लिखल बा।
12 ओह घरी फसह के पर्व के दिन मन्ना खतम हो गइल आ इस्राएल के लोग खातिर मन्ना ना रहे आ ऊ लोग कनान देश के उपज खा गइल।
13 यरीहो इस्राएल के लोग के खिलाफ पूरा तरह से बंद हो गईल, केहू बाहर ना निकलल ना भीतर गईल।
14 दूसरा महीना में, महीना के पहिला दिन, प्रभु यहोशू से कहले, "उठ, हम यरीहो के सब लोग के संगे तोहरा हाथ में दे देले बानी। आ तोहार सब लड़ाकू लोग हर दिन एक बेर शहर के चक्कर लगाई, छह दिन तक तू अयीसन करब।
15 पुजारी लोग तुरही बजाई आ जब तू तुरही के आवाज सुनब त सब लोग बड़का चिल्लाहट करी कि शहर के देवाल गिर जाई। सब लोग हर आदमी अपना विरोधी के खिलाफ चढ़ जाई।
16 यहोशू प्रभु के आज्ञा के मुताबिक अईसन कईले।
17 सातवाँ दिन उ लोग सात बेर शहर के चक्कर लगावत रहलन आ पुजारी लोग तुरही बजावत रहलन।
18 सातवाँ दौर में यहोशू लोग से कहले, "चिल्लाईं, काहेकि प्रभु पूरा शहर के हमनी के हाथ में सौंप देले बाड़े।
19 खाली शहर आ ओकरा में मौजूद सब कुछ के प्रभु के अभिशप्त कइल जाई आ अभिशप्त चीज से अपना के बचावल जाई, कहीं तू लोग इस्राएल के खेमा के अभिशप्त ना करऽ आ ओकरा के परेशान ना करऽ।
20 लेकिन चाँदी, सोना, पीतल आ लोहा के सब कुछ प्रभु के खजाना में आ जाई।
21 लोग तुरही बजा के बहुते चिल्लाहट कइल आ यरीहो के देवाल गिर गइल आ सब लोग, हर आदमी सीधे ओकरा सोझा चढ़ गइल आ ऊ लोग शहर के पकड़ लिहल आ ओकरा में मौजूद सब कुछ, मरद मेहरारू, जवान आ बूढ़, बैल आ भेड़ आ गदहा के तलवार के धार से पूरा तरह से नष्ट कर दिहल.
22 उ लोग पूरा शहर के आग से जरा दिहले। खाली चांदी, सोना, पीतल आ लोहा के बर्तन के ही उ लोग प्रभु के खजाना में डाल देले।
23 ओह घरी यहोशू किरिया खइले कि, "यरीहो के निर्माण करे वाला के अभिशप्त हो गइल बा। ओकर नींव अपना पहिलका बेटा में आ छोटका बेटा में ओकर फाटक खड़ा करी।
24 यहूदा के बेटा जेरा के बेटा करमी के बेटा आकान एह अभिशप्त चीज के लेके धोखा कइलस आ उ शापित चीज के लेके तम्बू में छिपा दिहलस आ प्रभु के क्रोध इस्राएल पर भड़क गइल।
25 एकरा बाद जब इस्राएल के लोग यरीहो के जरा के वापस आ गईले त यहोशू आई के जासूसी करे अवुरी ओकरा से लड़ाई करे खाती आदमी भेजले।
26 उ लोग ऊपर जाके ऐ के जासूसी कईले अवुरी उ लोग वापस आके कहले कि, "सब लोग के तोहरा संगे आई में ना जाए दीं, सिर्फ करीब तीन हजार आदमी के जाके शहर के मार देवे के चाही, काहेंकी ओकर आदमी बहुत कम बाड़े।
27 यहोशू अइसन कइलन आ इस्राएल के लोग में से लगभग तीन हजार आदमी उनका साथे चढ़ गइलन आ ऊ लोग ऐ के आदमी लोग से लड़ल।
28 इस्राएल के खिलाफ लड़ाई कड़ा हो गईल अवुरी ऐ के आदमी इस्राएल के छत्तीस आदमी के मार देले अवुरी इस्राएल के लोग ऐ के आदमी के सोझा से भाग गईले।
29 यहोशू इ बात देख के आपन कपड़ा फाड़ के इस्राएल के बुजुर्ग लोग के साथे प्रभु के सामने मुंह से गिर गईले अवुरी उ लोग अपना माथा प धूल डाल देले।
30 यहोशू कहले, "हे प्रभु तू एह लोग के यरदन नदी के पार काहे ले अइनी? इस्राएली लोग के दुश्मनन से पीठ फेरला के बाद हम का कहब?
31 अब एह देश में रहे वाला सब कनानी लोग इ बात सुन के हमनी के घेर के हमनी के नाम काट दिहे।
32 प्रभु यहोशू से कहलन, "तू मुँह पर काहे गिरल बाड़ऽ? उठ, उतर जा, काहे कि इस्राएली लोग पाप कइले बा आ अभिशप्त चीज के हाथ ले लिहले बा। जबले ऊ लोग ओह लोग के बीच से अभिशप्त चीज के नाश ना करी तबले हम अब ओह लोग का साथे ना रहब.
33 यहोशू उठ के लोग के इकट्ठा क के प्रभु के आदेश से उरीम ले अइले आ यहूदा के गोत्र के पकड़ लिहल गइल आ कारमी के बेटा आकान के पकड़ लिहल गइल।
34 यहोशू आकान से कहले, "हमार बेटा बतावऽ कि तू का कइले बाड़ऽ, आकान कहले, "हम लूट के बीच में शिनार के एगो बढ़िया कपड़ा आ दू सौ शेकेल चांदी आ पचास शेकेल वजन के सोना के पच्चर देखनी। हम ओह लोग के लालच के लेके चल गइनी आ देखऽ कि ऊ सब डेरा के बीच में धरती में लुकाइल बा।
35 यहोशू लोग भेज के आकान के डेरा से लेके चल गईले अवुरी उ लोग के यहोशू के लगे ले गईले।
36 यहोशू आकान आ ई बर्तन आ उनकर बेटा-बेटी आ उनकर सब सामान लेके अकोर के घाटी में ले अइले।
37 यहोशू उहाँ ओह लोग के आग से जरा दिहलन आ सब इस्राएली आकान के पत्थर से पत्थर मार दिहलन आ ओकरा ऊपर पत्थर के ढेर लगा दिहलन, एही से ऊ ओह जगह के अकोर के घाटी कहलन, एहसे प्रभु के क्रोध शांत हो गइल आ ओकरा बाद यहोशू शहर में आके ओकरा से लड़लन।
38 प्रभु यहोशू से कहले, "तू मत डेराईं आ ना घबराईं, देखऽ हम तोहरा हाथ में ऐ, ओकर राजा आ ओकर लोग के सौंप देले बानी,

आ तू ओह लोग के ओइसहीं करब जइसे तू यरीहो आ ओकर राजा के कइले रहलू, खाली ओकर लूट आ ओकर पशु-पक्षी के तू अपना खातिर लूट लेबऽ। ओकरा पीछे शहर खातिर घात लगा के बइठा दीं।
39 यहोशू प्रभु के वचन के मुताबिक काम कईले अवुरी युद्ध के लईकन में से तीस हजार वीर आदमी के चुनले अवुरी उ लोग के भेजले अवुरी उ लोग शहर खाती घात लगा के खड़ा हो गईले।
40 ऊ ओह लोग के आज्ञा दिहलन कि जब तू हमनी के देखब त हमनी के धूर्तता से ओह लोग के सोझा भाग जाईं जा आ ऊ लोग हमनी के पीछा करी, तब तू लोग घात से उठ के शहर के पकड़ लेबऽ आ ऊ लोग अईसन कइल।
41 यहोशू लड़ाई लड़ले त शहर के आदमी इस्राएल के ओर निकल गईले, काहेंकी इ ना जानत रहले कि उ लोग शहर के पीछे घात लगा के पड़ल बाड़े।
42 यहोशू आ सब इस्राएली लोग अपना के थक के देखावत रहले आ धूर्तता से जंगल के रास्ता से भाग गईले।
43 अई के लोग शहर में मौजूद सब लोग के इस्राएली लोग के पीछा करे खातिर बटोरले अवुरी उ लोग शहर से बाहर निकल गईले अवुरी एकहु ना रह गईले अवुरी शहर के खुला छोड़ के इस्राएली के पीछा कईले।
44 घात लगा के पड़ल लोग अपना जगह से उठ के जल्दी-जल्दी शहर में आके ओकरा के लेके आग लगा देले अवुरी ऐ के लोग पीछे मुड़ के देखले कि शहर के धुआं आसमान में चढ़ गईल अवुरी ओ लोग के लगे ना एक ओर से पीछे हटे के कवनो साधन ना रहे।
45 आई के सब आदमी इस्राएल के बीच में रहले, कुछ एही ओर आ कुछ ओने, आ उ लोग ओ लोग के मार दिहलस कि उ लोग में से केहु ना रह गईल।
46 इस्राएल के लोग ऐ के राजा मेलोश के जिंदा लेके यहोशू के लगे ले गईले अवुरी यहोशू ओकरा के पेड़ प लटका देले अवुरी उ मर गईले।
47 इस्राएल के लोग शहर के जरा के वापस आ गईले अवुरी ओकरा में मौजूद सभ लोग के तलवार के धार से मार देले।
48 आई के मरदन में से मरद मेहरारू के संख्या बारह हजार रहे। खाली मवेशी आ शहर के लूट के सामान अपना लगे ले लिहले, यहोशू के बारे में प्रभु के वचन के अनुसार।
49 यरदन के ओहिजा के सब राजा, कनान के सब राजा, इस्राएल के लोग यरीहो आ ऐ के बुराई के बारे में सुनले अवुरी उ लोग इस्राएल के खिलाफ लड़ाई करे खाती जुट गईले।
50 खाली गिबोन के निवासी इस्राएली लोग के खिलाफ लड़ाई करे से बहुत डेरात रहले कि कहीं उ लोग नाश ना हो जाए, एहसे उ लोग धूर्तता के काम कईले अवुरी उ लोग यहोशू अवुरी पूरा इस्राएल के लगे पहुंचले अवुरी कहले कि, हमनी के दूर-दूर से आईल बानी, एहसे अब हमनी के संगे वाचा बनाईं।
51 गिबोन के निवासी लोग इस्राएल के लोग के बीच पहुंच गइल आ इस्राएल के लोग ओह लोग से एगो वाचा कइल आ ओह लोग से मेल मिलाप कर लिहल आ मंडली के राजकुमार लोग किरिया खइले, बाकिर ओकरा बाद इस्राएल के लोग जान गइल कि ऊ लोग ओह लोग के पड़ोसी ह आ ओह लोग के बीच में रहत बा.
52 लेकिन इस्राएल के लोग ओ लोग के ना मारल। काहे कि ऊ लोग ओह लोग के प्रभु के किरिया खइले रहले आ ऊ लोग लकड़ी काटे वाला आ पानी खींचे वाला बन गइल रहले.
53 यहोशू ओह लोग से कहलस, “तू लोग हमरा के काहे धोखा देके हमनी के साथे इ काम कईनी? उ लोग जवाब देले, काहेकि तोहरा सेवकन के उ सब बात बतावल गईल रहे जवन तू अमोरी के सब राजा के संगे कईले बाड़, अवुरी हमनी के अपना जान से बहुत डेरा गईनी अवुरी हमनी के इ काम कईनी।
54 ओह दिन यहोशू ओह लोग के लकड़ी काटे आ पानी निकाले खातिर नियुक्त कइलन आ ऊ ओह लोग के इस्राएल के सगरी गोत्रन के गुलाम बना दिहलन.
55 जब यरूशलेम के राजा अदोनिसेदेक इस्राएल के लोग यरीहो आ ऐ के सब कुछ सुनलन त ऊ हेब्रोन के राजा होहम आ जरमूत के राजा पीराम आ लाकीश के राजा याफिया आ एग्लोन के राजा देबेर के लगे भेजलन।
56 हमरा लगे आके हमार मदद करऽ ताकि हम इस्राएल के लोग आ गिबोन के निवासी लोग के मार सकीले जे इस्राएल के लोग से मेल मिलाप कइले बा।
57 उ लोग एकट्ठा हो गईले अवुरी अमोरी के पांच राजा अपना सभ डेरा के संगे चढ़ गईले, जवन कि समुंदर के किनारे बालू निहन ताकतवर लोग रहे।
58 इ सब राजा गिबोन के सामने डेरा डाल के गिबोन के निवासी लोग से लड़ाई शुरू कईले अवुरी गिबोन के सभ आदमी यहोशू के लगे भेजले कि, “जल्दी से हमनी के लगे आके हमनी के मदद करीं, काहेकि अमोरी के सभ राजा हमनी के खिलाफ लड़ाई करे खाती जुट गईल बाड़े।
59 यहोशू आ सभे लड़ाकू लोग गिलगाल से चढ़ गइलन आ यहोशू अचानक ओह लोग के लगे आके एह पांच राजा लोग के बहुते कत्ल कर दिहलन।
60 यहोवा इस्राएल के लइकन के सामने ओह लोग के शर्मिंदा कर दिहलन आ गिबोन में ओह लोग के भयानक कत्ल कर दिहलन आ बेत-होरोन से मकेदा तक के रास्ता में ओह लोग के पीछा कइलन आ ऊ लोग इस्राएल के लोग के सामने से भाग गइलन.
61 जब उ लोग भागत रहले त प्रभु स्वर्ग से ओला के पत्थर भेजले अवुरी इस्राएल के लोग के कत्ल से जादे ओला के चलते ओ लोग के मौत हो गईल।
62 इस्राएल के लोग ओह लोग के पीछा करत रहलन आ तबहियो ऊ लोग सड़क पर मारत चलत रहलन आ ओह लोग के मारत रहलन.
63 जब ऊ लोग मारत रहे त साँझ के दिन घटत गइल आ यहोशू सब लोग के नजर में कहले, “सूरज, तू गिबोन पर स्थिर रहऽ आ अजालोन के घाटी में चाँद, जबले कि राष्ट्र अपना दुश्मनन से बदला ना ले लेव।”
64 प्रभु यहोशू के आवाज सुनले आ सूरज आकाश के बीच में स्थिर हो गइल आ छह तीस पल स्थिर रहल आ चाँद भी स्थिर रहल आ एक दिन भर ना उतरे खातिर जल्दीबाजी कइलस।
65 ओकरा से पहिले भा ओकरा बाद अइसन कवनो दिन ना भइल जब प्रभु कवनो आदमी के आवाज सुनले काहे कि प्रभु इस्राएल खातिर लड़ले रहले.

अध्याय 89 के बा

1 तब यहोशू इ गीत ओह दिन बोललन जब प्रभु अमोरी लोग के यहोशू आ इस्राएल के लोग के हाथ में देले रहले आ पूरा इस्राएल के नजर में कहलन।
2 हे प्रभु, तू बड़का काम कइले बाड़ऽ, तू बड़का काम कइले बाड़ऽ। तोहरा जइसन के बा? हमार होठ तोहरा नाम पर गावेला।
3 हमार भलाई आ हमार किला, हमार ऊँच बुर्ज, हम तोहरा खातिर एगो नया गीत गाब, धन्यवाद के साथ हम तोहरा के गाब, तू हमार उद्धार के ताकत हउअ।
4 धरती के सब राजा तोहार स्तुति करीहे, दुनिया के राजकुमार तोहरा खातिर गाईहे, इस्राएल के संतान तोहरा उद्धार में खुश होईहे, तोहार शक्ति के गावत होईहे अवुरी स्तुति करीहे।
5 हे प्रभु, हम तोहरा से आपन बात रखले रहनी। हम कहनी कि तू हमनी के भगवान हउअ, काहे कि तू हमनी के दुश्मनन के खिलाफ हमनी के आश्रय आ मजबूत बुर्ज रहनी।
6 हमनी के तोहरे से पुकारत रहनी जा आ लाज ना भईल, तोहरे पर भरोसा कईनी जा आ मुक्ति मिल गईनी जा। जब हम तोहरा से पुकारनी, तू हमनी के आवाज सुननी, तू हमनी के आत्मा के तलवार से मुक्त कर दिहनी, हमनी के आपन कृपा देखवनी, तू हमनी के आपन उद्धार देनी, तू अपना ताकत से हमनी के दिल के खुश कईनी।
7 तू हमनी के उद्धार खातिर निकलल रहलू, अपना बांह से तू अपना लोग के छुड़ा दिहनी। तू हमनी के आपन पवित्रता के आकाश से जवाब देहनी, तू हमनी के दस हजार लोग से बचा दिहनी।
8 सूरज आ चाँद स्वर्ग में स्थिर रहे आ तू हमनी के अत्याचारी लोग के खिलाफ अपना क्रोध में खड़ा होके ओह लोग पर आपन न्याय के आज्ञा देले रहलू।
9 धरती के सब राजकुमार खड़ा हो गईले, जाति के राजा एकजुट हो गईल रहले, तोहरा सोझा ना हिलल रहले, तोहार लड़ाई के इच्छा करत रहले।
10 तू अपना गुस्सा में ओह लोग के खिलाफ उठनी आ ओह लोग पर आपन क्रोध उतार दिहनी। तू अपना क्रोध में ओह लोग के नाश कर दिहनी आ अपना मन में ओकरा के काट दिहनी।
11 राष्ट्र तोहरा क्रोध से भस्म हो गइल बा, तोहरा क्रोध के चलते राज्य के पतन हो गइल बा, तू अपना क्रोध के दिन राजा लोग के घायल कर दिहनी।
12 तू ओह लोग पर आपन क्रोध उझलि दिहनी, तोहार क्रोध के क्रोध ओह लोग के पकड़ लिहलस। तू ओह लोग के पाप ओकरा पर मोड़ दिहलऽ आ ओह लोग के दुष्टता में काट दिहलऽ।
13 उ लोग एगो जाल पसरल, उ लोग ओकरा में गिर गईल, जवना जाल में उ लोग लुकाईल, उ लोग के गोड़ फंस गईल।
14 तोहार हाथ तोहार सब दुश्मनन खातिर तइयार रहे जे कहत रहे कि, "उ लोग अपना तलवार से देश पर कब्जा कर लिहले, अपना बांह से शहर में रह गइले।" तू ओह लोग के चेहरा लाज से भर दिहनी, ओह लोग के सींग जमीन पर उतार दिहनी, अपना क्रोध में ओह लोग के डेरा दिहनी आ अपना क्रोध में ओह लोग के नाश कर दिहनी।
15 ओह लोग पर तोहार तूफान के आवाज सुन के धरती काँप गइल आ हिल गइल, तू ओह लोग के जान के मौत से ना रोकनी आ ओह लोग के जान कब्र में उतार दिहनी।
16 तू अपना तूफान में ओह लोग के पीछा कइनी, अपना बवंडर में ओह लोग के भस्म कर दिहनी, ओह लोग के बरखा के ओला में बदल दिहनी, ऊ गहिरा गड्ढा में गिर गइलन कि ऊ उठ ना पवले.
17 उनकर लाश बीच गली में फेंकल कूड़ा निहन रहे।
18 तोहरा क्रोध में उ लोग के नाश हो गईल, तू अपना ताकत से अपना लोग के बचा लेले।
19 एही से हमनी के मन तोहरा में आनन्दित बा, हमनी के प्राण तोहरा उद्धार में ऊँच हो जाला।
20 हमनी के जीभ तोहार पराक्रम के बात करी, हम गा के तोहार अचरज के स्तुति करब।
21 काहे कि तू हमनी के दुश्मनन से बचावल, हमनी के खिलाफ उठल लोग से बचावल, हमनी के सामने से ओकरा के नाश क के हमनी के गोड़ के नीचे दबा दिहनी।
22 हे प्रभु, एह तरह से तोहार सब दुश्मन नाश हो जइहें आ दुष्ट हवा से भगावल भूसा नियर हो जइहें आ तोहार प्रियजन पानी के किनारे लगावल पेड़ नियर हो जइहें।
23 एही से यहोशू आ ओकरा साथे पूरा इस्राएल सब राजा लोग के मार के गिलगाल के डेरा में वापस आ गईले, ताकि ओ लोग में से कवनो बचे वाला लोग ना बचल।
24 पांचों राजा लड़ाई से अकेले पैदल भाग गईले अवुरी एगो गुफा में लुका गईले अवुरी यहोशू लड़ाई के मैदान में ओ लोग के खोजत रहले, लेकिन उनुका के ना मिलल।
25 ओकरा बाद यहोशू के बतावल गइल कि राजा लोग मिल गइल बा आ देखऽ कि ऊ लोग एगो गुफा में लुकाइल बा।
26 यहोशू कहले, "गुफा के मुहाना पर आदमी के नियुक्ति करीं कि उ लोग के पहरा देस, ना त उ लोग अपना के ना ले जास। आ इस्राएल के लोग अयीसन कईले।
27 यहोशू पूरा इस्राएल के बोलवले अवुरी युद्ध के अफसरन से कहले, "अपना गोड़ ए राजा लोग के गर्दन प राखी, त यहोशू कहले कि, "प्रभु तोहार सभ दुश्मन के संगे अयीसन करीहे।"
28 बाद में यहोशू आज्ञा दिहलन कि ऊ लोग राजा लोग के मार के गुफा में डाल दीं आ गुफा के मुहाना पर बड़हन पत्थर डाल दीं।
29 ओकरा बाद यहोशू ओह दिन अपना साथे मौजूद सब लोग के साथे मकेदा गइलन आ ओकरा के तलवार से मार दिहलन।
30 उ शहर के प्राणी आऊ सब सामान के पूरा तरह से नष्ट क देले अवुरी राजा अवुरी ओकरा लोग के संगे ओसही कईले, जईसे उ यरीहो के कईले रहले।
31 ऊ ओहिजा से लिबना गइलन आ ओकरा से लड़लन आ प्रभु ओकरा के ओकरा हाथ में सौंप दिहलन आ यहोशू ओकरा के तलवार के धार से आ ओकरा सभे के जान से मार दिहलन आ ऊ ओकरा आ ओकरा राजा के ओइसहीं कइलन जइसे ऊ यरीहो के कइले रहले.
32 उहाँ से ऊ लाकीश के ओर से लड़े खातिर चल गइलन आ गाजा के राजा होरम लाकीश के लोग के सहायता करे खातिर चढ़ गइलन आ यहोशू ओकरा आ ओकरा लोग के तब तक मार दिहलन जबले कि ओकरा लगे केहू ना रह गइल.
33 यहोशू लाकीश आ ओकर सब लोग के लेके उ लिबना के साथे कइलस।
34 यहोशू उहाँ से एग्लोन के ओर बढ़ले अवुरी उहो ओकरा के पकड़ लेले अवुरी ओकरा अवुरी ओकरा सभ लोग के तलवार से मार देले।

35 उहाँ से उ हेब्रोन तक जाके ओकरा से लड़ल आ ओकरा के पकड़ के ओकरा के पूरा तरह से नष्ट कर दिहलस आ उहाँ से पूरा इस्राएल के साथे देबीर लवट के ओकरा से लड़ के तलवार के धार से मार दिहलस।
36 ऊ ओकरा में मौजूद हर आदमी के नाश कर दिहलन, केहू के ना छोड़ दिहलन आ ओकरा आ ओकर राजा के साथे ओइसहीं कइलन जइसे यरीहो के साथे कइले रहले.
37 यहोशू कादेश-बरनेया से लेके आज़ा तक अमोरी लोग के सब राजा लोग के मार दिहलन आ उ लोग के देश एके बेर में कब्जा कर लिहले, काहे कि प्रभु इस्राएल खातिर लड़ले रहले।
38 यहोशू पूरा इस्राएल के साथे गिलगाल के डेरा में आ गईले।
39 ओह घरी जब चसोर के राजा याबिन यहोशू के अमोरी राजा लोग के साथे कइल सब कुछ सुनलस त याबिन मिद्यान के राजा योबात, शिमरोन के राजा लाबान, अक्साफ के राजा याफाल आ अमोरी लोग के सब राजा लोग के लगे भेजलन।
40 जल्दी से हमनी के लगे आके हमनी के मदद करस ताकि हमनी के इस्राएल के लोग के मार दीं जा, ओकरा पहिले कि उ लोग हमनी के ऊपर आके हमनी के ओसही कर सकीले, जईसे उ लोग अमोरी लोग के बाकी राजा के संगे कईले बाड़े।
41 ई सब राजा चासोर के राजा याबीन के बात सुन के आपन सब डेरा, सतरह राजा आ उनकर लोग समुंदर के किनारे बालू निहन संख्या में रहे, घोड़ा अवुरी रथ के संगे असंख्य, आ उ लोग आके मेरोम के पानी में एक संगे खड़ा हो गईले अवुरी उ लोग इस्राएल के खिलाफ लड़ाई करे खाती एक संगे मिल गईले।
42 प्रभु यहोशू से कहले, "ओकनी से मत डेरा, काहेकि काल्ह हम ओह सब के तोहरा सोझा मारल सब के सौंप देब, तू ओ लोग के घोड़ा के कूद के ओ लोग के रथ के आग से जरा देब।
43 यहोशू सब युद्धकर्मी लोग के साथे अचानक ओह लोग पर आके ओह लोग के मार दिहलस आ ऊ लोग ओह लोग के हाथ में गिर गइल काहे कि प्रभु ओह लोग के इस्राएल के लोग के हाथ में सौंप देले रहले।
44 एही से इस्राएल के लोग अपना डेरा के संगे ए सभ राजा के पीछा कईले अवुरी जब तक कि उ लोग में से केहु ना रह गईल, तब तक मारपीट कईले अवुरी यहोशू ओ लोग के ओसही कईले, जईसे प्रभु उनुका से कहले रहले।
45 ओह घरी यहोशू चासोर लवट के तलवार से मार दिहलन आ ओकरा में मौजूद हर आदमी के नष्ट कर दिहलन आ ओकरा के आग से जरा दिहलन आ चासोर से यहोशू शिमरोन गइलन आ ओकरा के मार दिहलन आ ओकरा के पूरा तरह से नष्ट कर दिहलन.
46 उहाँ से उ अखशाफ तक गईले अवुरी उ ओकरा के ओसही कईले, जईसे उ शिमरोन के कईले रहले।
47 उहाँ से उ अदुलाम के ओर बढ़ले अवुरी उहाँ के सभ लोग के मार देले अवुरी उ अदुलाम के ओसही कईले, जईसे उ अखशाफ अवुरी शिमरोन के कईले रहले।
48 ऊ ओह राजा लोग के सब शहरन में से गुजर गइलन जवना पर ऊ हरा दिहले रहले आ ओह लोग में से बचल सब लोग के मार दिहलन आ ओह लोग के पूरा तरह से नाश कर दिहलन.
49 इस्राएली लोग खाली आपन लूट आ मवेशी के शिकार बना लेत रहले, लेकिन हर इंसान के मारत उ लोग एक भी आत्मा के जिए ना देत रहले।
50 जइसे प्रभु मूसा के आज्ञा देले रहले कि यहोशू आ पूरा इस्राएल के आज्ञा देले रहले, उ लोग कवनो काम में असफल ना भईले।
51 एही से यहोशू आऊ इस्राएल के सब लोग पूरा कनान देश के मार दिहलस, जईसे कि प्रभु के आज्ञा देले रहले अवुरी उ लोग के सभ राजा के मार देले, जवन कि एकतीस राजा रहले अवुरी इस्राएल के लोग ओ लोग के पूरा देश के अपना कब्जा में ले लेले।
52 एकरा अलावे सीहोन आ ओग के राज्य जवन यरदन के दूसरा ओर बा, जवना में से मूसा बहुत शहर के हरा देले रहले अवुरी मूसा ओ शहर के रूबेनी अवुरी गादी अवुरी मनश्शे के आधा गोत्र के दे देले रहले।
53 यहोशू यरदन के एही पार पच्छिम में मौजूद सब राजा लोग के मार दिहलन आ एह लोग के नौ गोत्र आ इस्राएल के आधा गोत्र के विरासत में दे दिहलन।
54 यहोशू पांच साल तक एह राजा लोग के साथे युद्ध करत रहलन आ उ लोग के शहर इस्राएली लोग के दे दिहलन आ अमोरी आ कनानी लोग के शहरन में लड़ाई से देश शांत हो गइल।

अध्याय 90 के बा

1 इस्राएल के लोग के यरदन पार कइला के पांचवा साल में, इस्राएल के लोग कनान लोग से लड़ाई से आराम कइला के बाद, ओही समय एदोम आ कित्तीम के लोग के बीच बड़हन आ कड़ा लड़ाई भइल आ कित्तीम के लोग एदोम से लड़ल।
2 कित्तीम के राजा अबियानुस ओह साल यानी कि अपना शासन के एकतीसवाँ साल में आ कित्तीम के वंशज के पराक्रमी लोग के एगो बड़हन सेना के साथे निकल गइलन आ ऊ एसाव के लोग से लड़े खातिर सेयर चल गइलन।
3 एदोम के राजा हदाद ओकर खबर सुन के एगो भारी जनता आ बलवान सेना के साथे ओकरा से मिले निकलल आ एदोम के खेत में ओकरा साथे लड़ाई में लाग गइलन।
4 कित्तीम के हाथ एसाव के संतान पर हावी हो गइल आ कित्तीम के लोग एसाव के संतान में से दू बीस हजार आदमी के मार दिहल आ एसाव के सब संतान ओह लोग के सामने से भाग गइल।
5 कित्तीम के लोग ओह लोग के पीछा कइलन आ ऊ लोग एदोम के राजा हदाद के लगे पहुँचल जवन ओह लोग के आगे भागत रहे आ ऊ लोग ओकरा के जिंदा पकड़ के कित्तीम के राजा अबियानुस के लगे ले गइल।
6 अबियानुस ओकरा के मारे के आदेश दिहलन आ एदोम के राजा हदाद अपना शासन के अड़तालीसवाँ साल में मर गइलन।
7 कित्तीम के लोग एदोम के पीछा करत रहल आ ऊ लोग ओह लोग के बहुते कत्ल कर दिहल आ एदोम कित्तीम के लोग के अधीन हो गइल।
8 कित्तीम के लोग एदोम पर राज कइल आ एदोम कित्तीम के लोग के हाथ में आ गइल आ ओह दिन से एक राज्य बन गइल।
9 तब से उ लोग आपन माथा ना उठा पवलस आ उनकर राज्य कित्तीम के लोग के साथे एक हो गईल|
10 अब अबियानस एदोम में अफसरन के रखले आ एदोम के सब संतान अबियानुस के अधीन आ कर देवे वाला हो गइलन आ अबियनस अपना देश कित्तीम में वापस आ गइलन।

11 जब ऊ वापस अइले त ऊ आपन सरकार के नवीकरण कइलन आ अपना खातिर एगो विशाल आ गढ़वाला महल बनवले आ ऊ कित्तीम आ एदोम के लोग पर सुरक्षित रूप से राज कइलन.
12 ओह घरी इस्राएल के लोग सब कनान आ अमोरी लोग के भगा दिहला के बाद यहोशू बूढ़ हो गईले अवुरी उमर बढ़ गईले।
13 प्रभु यहोशू से कहलन, "तू बूढ़ हो गइल बाड़, जिनगी में उन्नत हो गइल बाड़ू आ देश के एगो बड़हन हिस्सा पर कब्जा करे के बा।"
14 अब एह देश के नौ गोत्र आ मनश्शे के आधा गोत्र के उत्तराधिकार में बाँट दीं आ यहोशू उठ के प्रभु के कहला के मुताबिक काम कइलन।
15 उ पूरा देश के इस्राएल के गोत्र के बंटवारा के हिसाब से विरासत के रूप में बांट देले।
16 लेकिन लेवी के गोत्र के उ कवनो उत्तराधिकार ना देले, प्रभु के चढ़ावल उ लोग के विरासत ह, जईसे कि प्रभु मूसा के माध्यम से उनुका बारे में कहले रहले।
17 यहोशू यफून के बेटा कालेब के हेब्रोन पहाड़ दे दिहलन जवन कि अपना भाई लोग से एक हिस्सा से अधिका रहे, जइसन कि प्रभु मूसा के माध्यम से कहले रहले।
18 एही से हेब्रोन आजु ले कालेब आ ओकर संतान के उत्तराधिकार बन गइल।
19 यहोशू पूरा देश के चिट्ठी में बांट के पूरा इस्राएल के उत्तराधिकार के रूप में बंटवारा कईले, जईसे कि प्रभु उनुका के कहले रहले।
20 इस्राएल के लोग लेवी लोग के आपन विरासत से शहर आ पशुधन आ संपत्ति खातिर चरबाह दे दिहल, जइसन कि प्रभु मूसा के आज्ञा देले रहले कि इस्राएल के लोग के अइसन कर दिहल आ ऊ लोग चिट्ठी से देश के बंटवारा कइल, चाहे ऊ बड़ होखे भा छोट।
21 उ लोग अपना सीमा के हिसाब से देश के उत्तराधिकारी बने खातिर चल गईले अवुरी इस्राएल के लोग नून के बेटा यहोशू के अपना बीच के उत्तराधिकार देले।
22 प्रभु के वचन से उ लोग उनुका के उ शहर देले, जवन उ एप्रैम पहाड़ में तिमनाथ-सेराच के मांग कईले रहले अवुरी उ शहर बनवले अवुरी ओहिजा रह गईले।
23 इहे उ विरासत ह जवन एलाजर याजक आऊ नून के बेटा यहोशू आ गोत्र के पूर्वज लोग शिलो में प्रभु के सामने तम्बू के दुआर प चिट्ठी से इस्राएल के लोग के बांट देले रहले अवुरी उ लोग देश के बंटवारा छोड़ देले रहले।
24 तब परमेस् वर उ देश इस्राएली लोग के दे दिहलन आ उ लोग उ लोग के अपना लगे अपना पुरखा लोग से कहला के मुताबिक अपना लगे ले लिहले।
25 आ परमेस् वर इस्राएलियन के अपना आसपास के सभ दुश्मनन से आराम दे दिहलन आ केहू ओह लोग के खिलाफ खड़ा ना भइल आ प्रभु ओह लोग के सभ दुश्मनन के ओह लोग के हाथ में सौंप दिहलन आ प्रभु इजराइल के संतान से जवन भलाई कहले रहलन ओकरा में से एको बात ना चूकल, हँ प्रभु हर काम के पूरा कइलन।
26 यहोशू सब इस्राएल के लोग के बोलवले अवुरी उ ओ लोग के आशीर्वाद देले अवुरी प्रभु के सेवा करे के आदेश देले, अवुरी ओकरा बाद उ ओ लोग के भेज देले अवुरी हरेक आदमी अपना-अपना शहर अवुरी हरेक आदमी अपना विरासत में चल गईले।
27 इस्राएल के लोग यहोशू के पूरा दिन प्रभु के सेवा कइल आ प्रभु ओह लोग के चारो ओर से आराम दिहलन आ ऊ लोग अपना शहरन में सुरक्षित रह गइल।
28 ओह दिनन में कित्तीम के राजा अबियनस के अड़तीसवाँ साल में, जवन कि अदोम पर उनकर शासन के सातवाँ साल रहे, मर गइलन आ ऊ लोग उनका के ओह जगह पर दफना दिहल जवन ऊ अपना खातिर बनवले रहले आ लैटिनस उनका जगह पचास साल राज कइलन.
29 अपना शासन काल में ऊ एगो सेना ले अइले आ जावान के बेटा एलीशा के संतान ब्रिटानिया आ कर्नानिया के निवासी लोग से लड़ाई लड़ले आ ओह लोग पर हावी होके ओह लोग के कर दे दिहलन.
30 तब उ सुनले कि एदोम कित्तीम के हाथ से विद्रोह कईले बा अवुरी लैटिनस ओ लोग के लगे जाके ओ लोग के मार के अपना वश में क लेलस अवुरी कित्तीम के संतान के हाथ में एदोम पूरा दिन एक राज्य बन गईल।
31 बहुत साल तक एदोम में कवनो राजा ना रहले अवुरी उनुकर शासन कित्तीम अवुरी उनुका राजा के संगे रहे।
32 इस्राएल के लोग के यरदन नदी के पार कइला के छब्बीसवाँ साल में, यानी इस्राएल के लोग के मिस्र से निकलला के छियासठवाँ साल बाद, यहोशू बूढ़ हो गइलन, उमिर में बड़ हो गइलन आ ओह दिन में ऊ एक सौ आठ साल के रहले।
33 यहोशू पूरा इस्राएल के, उनकर बुजुर्गन, उनकर न्यायाधीश आ अफसरन के बोलवले, काहे कि यहोशू इस्राएल के बुजुर्ग लोग आ उनकर न्यायाधीश लोग से कहले, "देखीं, हम बूढ़ हो गइल बानी, उमिर बढ़ गइल बानी, आ रउवा सभे देखले बानी कि प्रभु ओह सब राष्ट्रन के साथे का कइले बाड़न, जेकरा के उ रउवां से पहिले भगा दिहले बाड़न तहरा खातिर।
34 अब मूसा के व्यवस्था के सब बात के पालन करे आ पालन करे खातिर अपना के मजबूत करीं, आ ओकरा से दाहिने भा बाईं ओर मत हट जाईं आ देश में बचल जाति के बीच मत आ जाईं। ना त तू ओह लोग के देवता के नाम के जिक्र करबऽ, बलुक तूँ अपना परमेस् वर यहोवा से चिपकल रहब, जइसे आजु ले करत बाड़ऽ।
35 यहोशू इस्राएल के लोग के बहुत आग्रह कइलन कि उ लोग पूरा दिन प्रभु के सेवा करस।
36 तब सब इस्राएली लोग कहल कि, हमनी के पूरा दिन अपना लईका-लईकी अवुरी अपना संतान अवुरी अपना संतान के पूरा दिन अपना परमेश्वर के सेवा करब।
37 ओह दिन यहोशू लोग के साथे एगो वाचा कइलन आ ऊ इस्राएल के लोग के भेज दिहलन आ ऊ लोग हर केहू अपना विरासत आ अपना शहर में चल गइल.
38 ओह घरी जब इस्राएल के लोग अपना शहरन में सुरक्षित रूप से रहत रहे त ऊ लोग अपना पुरखन के गोत्र के चिता के गाड़ दिहल जवन ऊ लोग मिस्र से ले आइल रहे, हर केहू अपना संतान के विरासत में याकूब के बारह गो बेटा इस्राएल के लोग, हर केहू अपना संतान के कब्जे में दफना दिहल।
39 इहे ओह शहरन के नाम ह जवना में उ लोग याकूब के बारह गो बेटा के दफना दिहले रहले, जेकरा के इस्राएल के लोग मिस्र से ले आइल रहे।

40 ऊ लोग रूबेन आ गाद के यरदन के ओहिजा रोमिया में दफना दिहल जवन मूसा ओह लोग के लइकन के देले रहले.
41 शिमोन आ लेवी के ऊ लोग मौदा शहर में दफना दिहल जवन ऊ शिमोन के संतान के देले रहले आ शहर के इलाका लेवी के संतान खातिर रहे।
42 ऊ लोग यहूदा के बेतलेहेम के सामने बिन्यामीन शहर में दफना दिहल।
43 इस्साकर आ जबबुलून के हड्डी के ऊ लोग सिदोन में दफना दिहल जवन कि ओह लोग के लइकन के मिलल रहे।
44 दान के अपना लइकन के शहर में एष्टाएल में दफनावल गइल आ नफ्ताली आ आशेर के कादेश-नफ्ताली में दफना दिहल गइल, हर एक आदमी के अपना-अपना जगह पर जवन ऊ अपना लइकन के दिहले रहले.
45 ऊ लोग यूसुफ के हड्डी के शेकेम में दफना दिहल, जवन खेत के हिस्सा याकूब हामोर से खरीदले रहले आ जवन यूसुफ के विरासत में मिलल रहे।
46 ऊ लोग यरूशलेम में बिन्यामीन के यबूसी के सामने दफना दिहल जवन बिन्यामीन के लोग के दिहल गइल रहे। इस्राएल के लोग हर एक आदमी के अपना संतान के शहर में दफना दिहल।
47 दू साल के अंत में नून के बेटा यहोशू एक सौ दस साल के उमिर में मर गइल आ यहोशू इस्राएल के न्याय करे के समय अट्ठाईस साल के रहे आ इस्राएल अपना जीवन भर प्रभु के सेवा कइलस।
48 यहोशू के बाकी घटना आ उनकर लड़ाई आ उनकर डांट जवना से उ इस्राएल के डांटले रहले, उ सब जवन भी उ लोग के आज्ञा देले रहले, आ उ शहरन के नाम जवन उनकरा समय में इस्राएल के लोग के लगे रहे, उ सब यहोशू के इजराइल के लोग के लिखल बात के किताब में लिखल बा, आ यहोशू के लड़ाई के किताब में लिखल बा, जवन मूसा आ यहोशू आ इस्राएल के लोग लिखले रहले।
49 इस्राएल के लोग यहोशू के अपना उत्तराधिकार के सीमा में तिमनाथ-सेराख में दफना दिहल जवन कि एप्रैम पहाड़ में उनुका के दिहल गईल रहे।
50 ओह दिन हारून के बेटा एलाजेर के मौत हो गईल अवुरी उ लोग उनुका के एप्रैम पहाड़ प उनुका बेटा फिनियस के एगो पहाड़ी प दफना देले।

अध्याय 91 के बा

1 ओह घरी यहोशू के मरला के बाद कनान के संतान अभी भी देश में रहले अवुरी इस्राएली लोग ओ लोग के भगावे के फैसला कईले।
2 इस्राएल के लोग प्रभु से पूछले कि, "हमनी खातिर पहिले कनान लोग के लगे के जाके ओह लोग से लड़ाई करी?" आ प्रभु कहले, "यहूदा चढ़ जाई।"
3 यहूदा के लोग शिमोन से कहलस, "हमनी के साथे हमनी के भाग में चढ़ जा, हमनी के कनान के लोग से लड़ाई करब जा आ हमनी के भी तोहरा साथे चढ़ब जा, तोहरा भाग में, एही से शिमोन के लोग यहूदा के लोग के साथे चल गईले।
4 यहूदा के लोग चढ़ के कनानियन से लड़ल, त प्रभु कनान लोग के यहूदा के लोग के हाथ में सौंप दिहलन आ बेजक में दस हजार आदमी के मार दिहलन।
5 बेजक में अदोनीबेजक से लड़ाई भइल आ ऊ ओह लोग के सामने से भाग गइल आ ऊ लोग ओकर पीछा कइल आ ओकरा के पकड़ लिहल आ ओकरा के पकड़ के ओकर अंगूठा आ पैर के बड़का अंगूरी काट दिहल.
6 अदोनीबेजक कहले, "तीन दस राजा लोग के अंगूठा आ पैर के बड़का अंगूरी काट के हमरा मेज के नीचे आपन खाना बटोरले, जईसे हम कईले बानी, एहसे भगवान हमरा के बदला देले बाड़े अवुरी उ लोग उनुका के यरूशलेम ले गईले अवुरी उ उहाँ मर गईले।
7 शिमोन के लोग यहूदा के लोग के संगे चल गईले अवुरी कनान के लोग के तलवार के धार से मार देले।
8 प्रभु यहूदा के लोग के साथे रहले आ उ लोग पहाड़ के अपना कब्जा में ले लेले रहले, आ यूसुफ के संतान बेथेल में चढ़ गईले, उहे लूज ह अवुरी प्रभु ओ लोग के संगे रहले।
9 यूसुफ के लइका बेथेल के जासूसी कइलन त चौकीदार लोग एगो आदमी के शहर से निकलत देखले त ओकरा के पकड़ के कहलस, "अब हमनी के शहर के प्रवेश द्वार देखाईं आ हमनी के तोहरा पर दया करब जा।"
10 ऊ आदमी ओह लोग के शहर के प्रवेश द्वार देखा दिहलस त यूसुफ के संतान आके शहर के तलवार के धार से मार दिहले।
11 उ आदमी के अपना परिवार के संगे भेज देले अवुरी उ हित्ती लोग के लगे गईले अवुरी उ एगो शहर बनवले अवुरी ओकर नाम लूज रखले, एहसे सभ इस्राएली अपना शहर में रह गईले अवुरी इस्राएल के बच्चा अपना शहर में रह गईले अवुरी इस्राएल के संतान यहोशू के पूरा दिन अवुरी पुरनका लोग के पूरा दिन में प्रभु के सेवा कईले, जवन कि यहोशू के बाद आपन दिन लंबा कईले रहले अवुरी उ लोग के बड़ काम देखले रहले प्रभु, जवन उ इस्राएल खातिर कइले रहले।
12 यहोशू के मौत के बाद बुजुर्ग लोग सतरह साल तक इस्राएल के न्याय कईले।
13 सब बुजुर्ग लोग भी इस्राएल के कनान लोग के खिलाफ लड़ाई लड़ल आ प्रभु कनान लोग के इस्राएल के लोग के सामने से भगा दिहलन ताकि इस्राएल के लोग के ओह लोग के देश में रखल जा सके।
14 उ अब्राहम, इसहाक आ याकूब से जवन भी बात कहले रहले, उ सब बात पूरा क लेले रहले, जवन कि कसम खईले रहले कि उ कनान के देश के उ लोग अवुरी ओ लोग के संतान के दे दिहे।
15 यहोवा इस्राएल के लोग के पूरा कनान देश दे दिहलन, जइसन कि उ ओह लोग के पुरखन के कसम खइले रहले, आ प्रभु ओह लोग के आसपास के लोग से आराम दे दिहलन आ इस्राएल के लोग अपना शहरन में सुरक्षित रह गइलन।
16 प्रभु के हमेशा खातिर धन्य होखे, आमीन आ आमीन।
17 अपना के मजबूत करीं आ प्रभु पर भरोसा करे वाला सभे के दिल हिम्मत से भरल होखे। अंत के बात बा।